शाकेनेत्रा २ ग्नि ३ शैल ७ द्विजपति १ मिलितेमासिमार्गेदशम्यां
पारावार ७ र्तु ६ नाग ८ क्षिति १ भिरुपयुतेवैक्रमेऽब्देसितायाम् ॥
वस्तीरामप्रवीणंप्रबलमतियुतंदर्शयित्वाङ्कयच्छ्रीबाबूरामोविपश्चिन्नि
खिलगुणमिदंपुस्तकंसाधुप्रीत्यै ॥ १ ॥ श्रीमत्सदलमिश्रेणज्ञा
त्वावाचस्सुपर्व्वणाम् ॥ शुद्धीकृतमिदंसर्व्वंयथोचितमतन्द्रिणा ॥ २ ॥

॥ श्रीगणेशायनमः ॥

वर्णानामर्थसंघानांरसानांछन्दसामपि ॥ मङ्गलानांचकर्त्तारौवन्देवाणीविनायकौ ॥ १ ॥ भवानीशंकरौवन्देश्रद्धाविश्वासरूपिणौ ॥ याभ्यांविनानपश्यन्तिसिद्धाःस्वान्तस्थमीश्वरं ॥ २ ॥ वन्देबोधमयंनित्यंगुरुंशंकररूपिणं ॥ यमाश्रितोहिवक्रोपिचंद्रःसर्वत्रवंद्यते ॥ ३ ॥ सीतारामगुणग्रामपुण्यारण्यविहारिणौ ॥ वन्देविशुद्धविज्ञानौकवीश्वरकपीश्वरौ ॥ ४ ॥ उद्भवस्थितिसंहारकारिणींक्लेशहारिणीं ॥ सर्वश्रेयस्करींसीतांनतोहंरामवल्लभां ॥ ५ ॥ यन्मायावशवर्त्तिविश्वमखिलंब्रह्मादिदेवासुरायत्सत्वादमृषैवभातिसकलंरज्जौयथाहेर्भ्रमः ॥ यत्पादःप्लवमेवभातिहिभवाम्भोधेस्तितीर्षावतांवन्देऽहंतमशेषकारणपरंरामाख्यमीशंहरिं ॥ ६ ॥ नानापुराणनिगमागमसम्मतंयद्रामायणेनिगदितंक्वचिदन्यतोपि ॥ स्वान्तःसुखायतुलसीरघुनाथगाथाभाषानिबंधमतिमंजुलमातनोति ॥ ७ ॥

॥ सोरठा ॥

जेहिसुमिरतसिधिहोइ गणनायककरिवरवदन॥ करौअनुग्रहसोइ बुद्धिराशिशुभगुणसदन॥ १॥ मूकहोइबाचाल पंगुचढैगिरिवरगहन॥ जासुकृपासुदयालु द्रवौसकलकलिमलदहन॥ २॥ नीलसरोरुहश्यामतरुणअरुणवारिजनयन॥ करोसोममउरधाम सदाक्षीरसागरशयन॥ ३॥ कुंदइंदुसमदेह उमारमणकरुणाअयन॥ जाहिदीनपरनेह करोकृपामर्दनमयन॥ ४॥ बंदौगुरपदकंज कृपासिंधुनररूपहरि॥ महामोहतमपुंज जासुबचनरविकरनिकर॥ ५॥

॥ चौपाई ॥

बंदौगुरुपदपदुमपरागा॥ सुरुचिसुबाससरसअनुरागा॥ अमियमूरिमयचूरनचारू॥ समनसकलभवरुजपरिवारू॥ सुकृतशंभुतनविमलविभूती॥ मंजुलमंगलमोदप्रसूती॥ जनमनमंजुमुकुरमलहरणी॥ कियेतिलकगुणगणवशकरणी॥ श्रीगुरुपदनखमणिगणज्योती॥ सुमिरतदिव्यदृष्टिहियहोती॥ दलनमोहतमसुप्रकासू॥ बडेभागउरआवहीजासू॥ उघरहिविमलविलोचनहियके॥ मिटहिदोषदुखभवरजनीके॥ सूझहिरामचरित्रमणिमानिक॥ गुप्तप्रगटजहंजोजेहिखानिक॥

॥ दोहा ॥

यथासुअंजनअंजिदृग साधकसिद्धसुजान॥ कौतुकदेखहिशैलबन भूतलभूरिनिधान॥

॥ चौपाई ॥

गुरुपदरजमृदुमंजुलअंजन ॥ नयनअमियदृगदोषविभंजन ॥ तेहिकरिविमलविवेकविलोचन ॥ बरणौरामचरित्रभवमोचन ॥ बंदौप्रथममहीसुरचरणा ॥ मोहजनितसंशयसबहरणा ॥ सुजनसमाजसकलगुणखानी ॥ करौप्रणामसप्रेमसुबाणी ॥ साधुचरितशुभसरिसकपासू ॥ निसरेविशदगुणमयफलजासू ॥ जोसहिदुखपरछिद्रदुरावा ॥ बंदनीयजेहिजगयशपावा ॥ मुदमंगलमयसंतसमाजू ॥ जौंजगजंगमतीरथराजू ॥ रामभक्तिजंहसुरसरिधारा ॥ सरस्वतीब्रह्मविचारप्रचारा ॥ विधिनिषेधमयकलिमलहरणी ॥ कर्मकथारबिनंदनीबरणी ॥ हरिहरकथाबिराजतवेनी ॥ सुनतसकलमुदमंगलदेनी ॥ बटविश्वासअचलनिजधर्मा ॥ तीरथराजसमाजसुकर्मा ॥ सबहिसुलभसबदिनसबदेशा ॥ सेवतसादरसमनकलेशा ॥ अकथअलौकिकतीरथराऊ ॥ देइसद्यफलप्रगटप्रभाऊ ॥

॥ दोहा ॥

सुनिसमुझहिजनमुदितमन मज्जहिअतिअनुराग ॥ लहहिचारिफल अछततनु साधुसमाजप्रयाग ॥

॥ चौपाई ॥

मज्जनफलदेखियेततकाला ॥ काकहोहिपिकबकौमराला ॥ सुनिआचर्यकरहिजनिकोई ॥ सतसंगतिमहिमानहिगोई ॥ बालमीकनारदघटयोनी ॥ निजनिजमुखनिकहीनिजहोनी ॥ जलचरथलचरनभचरनाना ॥ जेजडचेतनजीवजहाना ॥ मतिकीरतिगतिभूतिभलाई ॥ जबजेहियतनजहांजेपाई ॥ सोजानबसतसंगप्रभाऊ ॥ लोकहुवेदनआनउपाऊ ॥ विनुसंतसंगविवेकनहि

होई॥ रामकृपाबिनुसुलभनसोई॥ सतसंगतिमुदमंगलमूला॥ सोइफल
सिद्धिसबसाधनफूला॥ सठसुधरहिंसतसंगतिपाई॥ पारसपरसिकुधातुसोहाई
बिधिबससुजनकुसंगतिपरहीं॥ फनिमनिसमनिजगुनअनुसरहीं॥ बिधिह
रिहरकबिकोबिदबानी॥ कहतसाधुमहिमासकुचानी॥ सोमोसनकहिजा
तनकैसें॥ साकबनिकमनिगुनगनजैसें॥

॥ दोहा॥

बंदौंसंतसमानचित हितअनहितनहिंकोउ॥ अंजलिगतसुभसुमनजि
मि समसुगंधकरदोउ॥ संतसरलचितजगतहित जानिसुभावसनेहु
बालबिनयसुनिकरिकृपा रामचरनरतिदेहु॥

॥ चौपाई॥

बहुरिबंदिखलगनसतिभाए॥ जोबिनुकाजदाहिनेहुबांए॥ परहितहानि
लाभजिन्हकेरे॥ उजरेहरषबिषादबसेरे॥ हरिहरयशराकेशराहुसे॥ पर
अकाजभटसहसबाहुसे॥ जेपरदोषलखहिंसहसाखी॥ परहितघृतजिनकेम
नमाखी॥ तेजकृशानुरोषमहिषेशा॥ अघअवगुनधनधनीधनेशा॥ उदयके
तुसमहितसबहीके॥ कुंभकरनसमसोवतनीके॥ परअकाजलगितनुपरिहर
हीं॥ जिमिहिमउपलकृषीदलिगलहीं॥ बंदौंखलजसशेषसरोषा॥ सहस
बदनबरनैपरदोषा॥ पुनिप्रनवौंपृथुराजसमाना॥ परअघसुनैसहसदसका
ना॥ बहुरिशक्रसमबिनवौंतेही॥ संततसुरानीकहितजेही॥ बचनबज्रजे
हिसदापियारा॥ सहसनयनपरदोषनिहारा॥

॥ दोहा॥

उदासीनअरिमीतहित सुनतजरहिंखलरीति॥
जानिपाणियुगजोरिकर विनतीकरौंसप्रीति॥

॥ चौपाई ॥

मैंआपनदिशिकीन्हनिहोरा॥ तिननिजओरनलाउबभोरा॥ पायसपालियेअतिअनुरागा॥ होहिंनिरामिषकबहिंकिकागा॥ बंदौंसंतअसज्जनचरणा॥ दुखप्रदउभयबीचकछुवरणा॥ बिछुरतएकप्राणहरिलेहीं॥ मिलतएकदारुणदुखदेहीं॥ उपजहिंएकसंगजलमाहीं॥ जलजजोंकजिमिगुणबिलगाहीं॥ सुधासुरासमसाधुअसाधू॥ जनकएकजगजलधिअगाधू॥ भलअनभलनिजनिजकरतूती॥ लहतसुयशअपलोकबिभूती॥ सुधासुधाकरसुरसरिसाधू॥ गरलअनलकलिमलसरिव्याधू॥ गुणअवगुणजानतसबकोई॥ जोजेहिभावनीकतेहिसोई॥

॥ दोहा ॥

भलोभलाईपैलहहिं लहहिंनीचाईबीच॥
सुधासराहियेअमरता गरलसराहियेमीच॥

॥ चौपाई ॥

खलगहअगुणसाधुगुणगाहा॥ उभयअपारउदधिअवगाहा॥ तेहितेंकछुगुणदोषबखाने॥ संग्रहत्यागनबिनुपहिचाने॥ भलेउपोचसबविधिउपजाए गनिगुणदोषबेदबिलगाए॥ कहहिंबेदइतिहासपुराणा॥ विधिपरिपंचगुणअवगुणसाना॥ दुखसुखपापपुण्यदिनराती॥ साधुअसाधुसुजातकुजाती॥ दानवदेवऊंचअरुनीचू॥ अमियसजीवनमाहुरमीचू॥ मायाब्रह्मजीवज

गदीशा ॥ लक्षिअलक्षिरंकअवनीशा ॥ कासीमगसुरसरिकर्मनाशा ॥ मरुमारव महिदेवगवासा ॥ स्वर्गनर्कअनुरागबिरागा ॥ निगमअगमगुणदोषबिभागा ॥

॥ दोहा ॥

जडचेतनगुणदोषमय बिश्वकीन्हकरतार ॥
संतहंसगुणगहहिंपै परिहरिबारिबिकार ॥

॥ चौपाई ॥

असविवेकजौंदेहिंविधाता ॥ तवतजिदोषगुणहिंमनराता ॥ कालसुभावकर्म बरिआई ॥ भलेउप्रकृतबशचूकइभलाई ॥ सोसुधारिहरिजननिजलेहीं ॥ दलिदुखदोषबिमलयशदेहीं ॥ खलउकरइभलपाइसुसंगू ॥ मिटहिंन मलिनसुभावअभंगू ॥ लखिसुवेषजगवंचकजेऊ ॥ वेषप्रतापपूजियततेऊ ॥ उघरहिंअंतनहोइनिबाहू ॥ कालनेमिजिमिरावणराहू ॥ कीयेकुवेषसाधुसनमानू ॥ जिमिजगजामवंतहनुमानू ॥ हानिकुसंगसुसंगतिलाहू ॥ लोकहुवेदविदितसबकाहू ॥ गगनचढैरजपवनप्रसंगा ॥ कीचइमिलइनीचजलसंगा ॥ साधुअसाधुसदनशुकशारी ॥ सुमिरहिंरामदेहिंगणगारी ॥ धूमकुसंगतिकारिखहोई ॥ लिखियेपुराणमंजुमसिसोई ॥ सोइजलअनलअनिलसंघाता ॥ होइजलदजगजीवनदाता ॥

॥ दोहा ॥

ग्रहभेखजजलपवनपट पाइकुयोगसुयोग ॥
होइकुवस्तुसुवस्तुजग लखहिंसुलक्षणलोग ॥
समप्रकाशतमपाखदुहु नामभेदविधिकीन्ह ॥

शशिपोषकशोषकसमुझि जगयशअपयशदीन्ह॥

जडचेतनजगजीवजत सकलराममयजानि॥

बंदौसबकेपदकमल सदाजोरियुगपाणि॥

देवदनुजनरनागखग प्रेतपितरगंधर्ब॥

बंदौकिन्नररजनिचर कृपाकरहुअबसर्ब॥

॥ चौपाई ॥

आकरचारिलाखचौरासी॥ जातजीवनभजलथलबासी॥ सियाराममयसबजगजानी॥ करौंप्रनामजोरियुगपाणी॥ जानिकृपाकरिकिंकरमोहू॥ सबमिलिकरहुछाडिछलछोहू॥ निजबलबुद्धिभरोसमोहिनाहीं॥ तातेबिनयकरउंसबपाहीं॥ करणचहौंरघुपतिगुणगाहा॥ लघुमतिमोरिचरित्रअवगाहा॥ सूझनएकौअंगउपाऊ॥ मनमतिरंकमनोरथराऊ॥ मतिअतिनीचऊंचरुचिआछी॥ चहियेअमियजगजुरैनछांछी॥ क्षमिहहिंसुजनमोरिजढताई॥ सुनिहहिंबालबचनमनलाई॥ जौंबालककहतोतरिबाता॥ सुनहिंमुदितमनपितुअरुमाता॥ हंसिहहिंकूरकुटिलकुबिचारी॥ जेपरदूषणभूषणधारी॥ निजकबित्तकेहिलागननीका॥ सरसहोउअथवाअतिफीका॥ जेपरभणितसुनतहरषाहीं॥ तेवरपुरुषबहुतजगनाहीं॥ जगबहुनरसरितासमभाई॥ जेनिजबाढबढहिंजलपाई॥ सज्जनसुकृतिसिंधुसमकोई॥ देखिपूरबिधुबाढहिंजोई॥

॥ दोहा ॥

भागछोटअभिलाषबड करउंएकबिश्वास॥

पैहहिंसुखसुनिसुजनजन खलकरिहैंउपहास ॥

॥ चौपाई ॥

खलपरिहासहोइहितमोरा ॥ काककहहिंकलकंठकठोरा ॥ हंसहिंबकदादुरचातकहि ॥ हंसहिंमलीनखलबिमलबातकहि ॥ कबितरसिकनरामपदनेहू ॥ तिन्हकहंसुखदहासरसएहू ॥ भाषाभणितमोरिमतिभोरी ॥ हंसिबेयोगहंसेनहिखोरी ॥ प्रभुपदप्रीतिजोसमुझीनीकी ॥ तिन्हहिकथासुनिलागिनफीकी ॥ हरिपदरतमतमननकुतरकी ॥ तिन्हकहमधुरकथारघुबरकी ॥ रामभक्तिभूषितजियजानी ॥ सुनिहहिंसुजनसराहिसुबाणी ॥ कबिनहोंउनहिचतुरप्रबीणा ॥ सकलकलासबबिद्याहीना ॥ आखरअर्थअलंकृतनाना ॥ छंदप्रबंधअनेकबिधाना ॥ भावभेदरसभेदअपारा ॥ कबितदोषगुणबिबिधप्रकारा ॥ कबितबिबेकएकनहिमोरे ॥ सत्यकहौंलिखिकागदकोरे ॥

॥ दोहा ॥

भणितमोरिसबगुणरहित बिश्वबिदितगुणएक ॥
सोबिचारिसुनिहहिंसुमति जिन्हकेबिमलबिबेक ॥

॥ चौपाई ॥

यहिमहरघुपतिनामउदारा ॥ अतिपावनपुराणश्रुतिसारा ॥ मंगलभवनअमंगलहारी ॥ उमासहितजेहिजपुत्रिपुरारी ॥ भणितबिचित्रसुकबिकृतजोऊ ॥ रामनामबिनुसोहनसोऊ ॥ बिधुबदनीसबभांतिसंवारी ॥ सोहनवसनबिनाबरनारी ॥ सबगुणरहितकुकबिकृतबाणी ॥ रामनामजसअंकितजानी ॥ सादरकहंहिंसुनहिंबुधताही ॥ मधुकरसरिससंतगुणग्राही ॥ यदपिकबितरसएकौ

नाहीं॥ रामप्रतापप्रगटयहिमाहीं॥ सोइभरोसमोरेमनआवा॥ कोनसुसंग बडापनपावा॥ धूमोतजेसहजकरुआई॥ अगरप्रसंगसुगंधबसाई॥ भणित भदेसबस्तुभलबरणी॥ रामकथाजगमंगलकरणी॥

॥ छंद॥

मंगलकरनीकलिमलहरनी तुलसीकथारघुनाथकी॥
गतिकूरकबितासरितकीज्यों परमपावनपाथकी॥
प्रभुसुयशसंगतिभणितभलिहोइहि सुजनमनभावनी॥
भवअंगभूतिमसानकी सुमिरतसुहावनपावनी॥

॥ दोहा॥

प्रियलागहिंअतिसबहिंमम भणितरामयशसंग॥
दारुबिचारकोकरइकोउ बंदियमलयप्रसंग॥
श्यामसुरभिपयबिशदअति गुणदकरहिंसबपान॥
गिराग्राम्यसियरामयश गावहिंसुनहिंसुजान॥

॥ चौपाई॥

मणिमानिकमुकुताछबिजैसी॥ अहिगिरिगजशिरसोहनतैसी॥ नृपकिरीटतरुणीतनुपाई॥ लहहिंसकलशोभाअधिकाई॥ तैसहिसुकबिकबितबुधकहहीं॥ उपजहिंअनतअनतछबिलहहीं॥ भगतिहेतुबिधिभवनबिहाई॥ सुमिरतशारदआवतिधाई॥ रामचरितसरबिनुअन्हवाएं॥ सोश्रमजाइनकोटिउपाएं॥ कबिकोबिदअसहृदयबिचारी॥ गावहिंहरिगुणकलिमलहारी॥ कीन्हेप्राकृतजनगुणगाना॥ शिरधुनिगिरालागिपछिताना॥ हृदयसिंधुमति

सीपसमाना ॥ स्वातीसारदकहहिंसुजाना ॥ जौंबरषैबरबारिविचारू ॥ होहिं कविनमुकुतामनिचारू ॥

॥ दोहा ॥

युक्तिवेधपुनिपोहिये रामचरितवरताग ॥
पहिरहिंसज्जनविमलउर सोभाअतिअनुराग ॥

॥ चौपाई ॥

जेजनमेकलिकालकराला ॥ करतववायसवेषमराला ॥ चलतकुपंथवेदमगछाडे ॥ कपटकलेवरकलिमलभांडे ॥ वंचकभगतकहाइरामके ॥ किंकरकंचनकोहकामके ॥ तिनमहप्रथमरेखजगमोरी ॥ धींगधरमध्वजधंधकधोरी ॥ जौंअपनेअवगुनसवकहऊं ॥ बाढैकथापारनहिंलहऊं ॥ तातेंमैंअतिअलपवखाने ॥ थोरेमहुंजानिहहिंसयाने ॥ समुझिविविधिविधिविनतीमोरी ॥ कोउनकथासुनिदेइहिखोरी ॥ एतेहुपरकरिहहिंजेशंका ॥ मोहितेंअधिकतेजडमतिरंका ॥ कविनहोउंनहिचतुरकहाऊं ॥ मतिअनुरूपरामगुणगाऊं ॥ कहंरघुपतिकेचरितअपारा ॥ कहंमतिमोरिनिरतसंसारा ॥ जेहिमारुतगिरिमेरुउडाहीं ॥ कहुतूलकेहिलेखेमाहीं ॥ समुझतअमितरामप्रभुताई ॥ करतकथामनअतिकदराई ॥

॥ दोहा ॥

शारदशेषमहेशविधि आगमनिगमपुराण ॥
नेतिनेतिकहिजासुगुण करहिंनिरंतरगान ॥

॥ चौपाई ॥

सबजानतप्रभुप्रभुतासोई ॥ तदपिकहेबिनुरहानकोई ॥ तहांवेदअसकारणराखा ॥ भजनप्रभावभक्तिबहुभाषा ॥ एकअनीहअरूपअनामा ॥ अजसच्चिदानंदपरधामा ॥ व्यापकविश्वरूपभगवाना ॥ तेहधरिदेहचरितकृतनाना ॥ सोकेवलभक्तनहितलागी ॥ परमकृपालुप्रणतअनुरागी ॥ जेहिजनपरममताअतिछोहू ॥ जेहिकरुणाकरिकीन्हनकोहू ॥ गईबहोरिगरीबनेवाजू ॥ सरलसबलसाहिबरघुराजू ॥ बुधबरनहिंहरियशअसजानी ॥ करहिंपुनीतसुफलनिजबाणी ॥ तेहिबलमैंरघुपतिगुणगाथा ॥ कहिहौंनाइरामपदमाथा ॥ मुनिन्हप्रथमहरिकीरतिगाई ॥ तेहिमगचलतसुगममोहिभाई ॥

॥ दोहा ॥

अतिअपारजेसरितवर जोनृपसेतुकराहिं ॥
चढिपिपीलिकापरमलघु बिनुश्रमपारहिजाहिं ॥

॥ चौपाई ॥

एहिप्रकारबलमनहिंदृढाई ॥ करिहौंरघुपतिकथासुहाई ॥ व्यासआदिकविपुंगवनाना ॥ जिन्हसादरहरिचरितबखाना ॥ चरणकमलवंदौंसबकेरे ॥ पुरवहुसकलमनोरथमेरे ॥ कलिकेकविनकरौंपरणामा ॥ जिनवरनेरघुपतिगुणग्रामा ॥ जेप्राकृतकविपरमसयाने ॥ भाषाजिन्हहरिचरितबखाने ॥ भएजेअहहिंजेहोइहैंआगे ॥ प्रणऊंसबहिंकपटछलत्यागे ॥ होउप्रसन्नदेहुबरदानू ॥ साधुसमाजभणितसनमानू ॥ जोप्रबंधबुधनहिंआदरहीं ॥ सोश्रमबादिबालकविकरहीं ॥ कीरतिभणितभूतिभलिसोई ॥ सुरसरिसमसबकहंहितहोई ॥ रामसुकीरतिभणितभदेसा ॥ असमंजसअसमोहिअंदेसा ॥ तुम्हरीकृ

पासुलभसोउमोरे ॥ सिअनिसुहावनिटाटपटोरे ॥ करहुअनुग्रहअसजिय जानी ॥ विमलयशहिंअनुहरहुसुवाणी ॥

॥ दोहा ॥

सरलकवितकीरतिविमल सोइआदरहिंसुजान ॥
सहजवयरविसराइरिपु जोसुनिकरहिंवखान ॥
सोनहोइविनुविमलमति मोहिमतिवलअतिथोरि ॥
करहुकृपाहरियशकहौं पुनिपुनिकरउंनिहोरि ॥
कविकोविदरघुवरचरित मानसमंजुमराल ॥
वालविनयसुनिसुरुचिलखि मोपरहोहुकृपाल ॥

॥ सोरठा ॥

वंदौंमुनिपदकंज रामायनजिननिर्मयो ॥
सखरसकोमलमंजु दोषरहितदूषणसहित ॥
वन्दौंचारोवेद भववारिधिवोहितसरिस ॥
जिनहिंनसपनेहुंखेद वरणतरघुपतिविशदयश ॥
वन्दौंविधिपदरेणु भवसागरजिनकीनयह ॥
संतसुधाशशिधेनु प्रगटेखलविषवारुणी ॥

॥ दोहा ॥

विवुधविप्रवुधगुरुचरण वंदिकहौंकरजोरि ॥
होइप्रसन्नपुरवहुसकल मंजुमनोरथमोरि ॥

॥ चौपाई ॥

पुनिवन्दौंशारदसुरसरिता ॥ युगलपुनीतमनोहरचरिता ॥ मज्जनपानपापहरऐका ॥ कहतसुनतएकहरअविवेका ॥ गुरुपितुमातुमहेशभवानी ॥ प्रणउंदीनबंधुदिनदानी ॥ सेवकस्वामिसखासियपीके ॥ हितनिरुपाधिसवविधितुलसीके ॥ कलिविलोकिजगहितहरगिरिजा ॥ शावरमंत्रजालजिनसिरजा ॥ अनमिलआखरअरथनजापू ॥ प्रगटप्रभावमहेशप्रतापू ॥ सोमहेशमोहिपरअनुकूला ॥ करहिंकथामुदमंगलमूला ॥ सुमिरिशिवाशिवपाइपसाऊ ॥ वरनौंरामचरितचितचाऊ ॥ भणितमोरिशिवकृपाविभाती ॥ शशिसमाजमिलिमनहुंसुराती ॥ जोयहकथासनेहसमेता ॥ कहिहहिंसुनिहहिंसमुझिसचेता ॥ होइहहिंरामचरणअनुरागी ॥ कलिमलरहितसुमंगलभागी ॥

॥ दोहा ॥

सपनेहुंसांचहुमोहिपर जौंहरगौरिपसाउ ॥
तौफुरहोउजोकहउंसव भाषाभणितप्रभाउ ॥

॥ चौपाई ॥

वन्दौंअवधपुरीअतिपावनी ॥ सरजूसरिकलिकलुषनसावनी ॥ प्रणउंपुरनरनारिवहोरी ॥ ममताजिनपरप्रभुहिनथोरी ॥ सियनिंदकअघओघनसाऐ ॥ लोकविशोकवनाइवसाऐ ॥ वन्दौंकौशल्यादिशिप्राची ॥ कीरतिजासुसकलजगमाची ॥ प्रगटेउजहंरघुपतिशशिचारू ॥ विश्वसुखदखलकमलतुसारू ॥ दशरथराउसहितसवरानी ॥ सुकृतसुमंगलमूरतिमानी ॥ करौंप्रनामकरममनवानी ॥ करहुकृपासुतसेवकजानी ॥ जिनहिंविरचिवड़भयउविधाता ॥ महिमाअवधिरामपितुमाता ॥

॥ सोरठा ॥

वन्दौंअवधभुआल सत्यप्रेमजेहिरामपद॥
बिछुरतदीनदयाल प्रियतनतृणइवपरिहरेउ॥

॥ चौपाई ॥

प्रणवौंपरिजनसहितविदेहू॥ जाहिरामपदगूढसनेहू॥ योगभोगमहंराखउगोई॥ रामविलोकतप्रगटेउसोई॥ प्रणवौंप्रथमभरतकेचरणा॥ जासुनेमव्रतजाइनवरणा॥ रामचरणपंकजमनजासू॥ लुबुधमधुपइवतजैनपासू॥ वन्दौंलछमनपदजलजाता॥ शीतलसुभगभक्तसुखदाता॥ रघुपतिकीरतिविमलपताका॥ दंडसमानभयोयशजाका॥ शेषसहस्रशीशजगकारण॥ जोअवतरउभूमिभयटारण॥ सदासोसानुकूलरहुमोपर॥ कृपासिंधुसौमित्रगुणाकर॥ रिपुसूदनपदकमलनमामी॥ शूरसुशीलभरतअनुगामी॥ महावीरविनवौंहनुमाना॥ रामजासुयशआपुवखाना॥

॥ सोरठा ॥

वन्दौंपवनकुमार खलवनपावकज्ञानघन॥
जासुहृदयआगार बसहिंरामशरचापधर॥

॥ चौपाई ॥

कपिपतिऋक्षनिशाचरराजा॥ अंगदादिजेकीससमाजा॥ वन्दौंसबकेचरणसुहाये॥ अधमशरीररामजिनपाये॥ रघुपतिचरणउपासकजेते॥ खगमृगसुरनरअसुरसमेते॥ वन्दौंपदसरोजसबकेरे॥ जेविनुकामरामकेचेरे॥ शुकसनकादिभक्तमुनिनारद॥ जेमुनिवरविज्ञानविशारद॥ प्रणवौंसबहिंधरणिधरिशिश

रिसीसा॥ करहु कृपाजनजानिमुनीसा॥ जनकसुताजगजननिजानकी॥ अति

सयप्रियकरुणानिधानकी॥ ताकेजुगपदकमलमनाऊं॥ जासुकृपानिरमलम

तिपाऊं॥ पुनिमनबचनकर्मरघुनायक॥ चरणकमलबन्दैंसबलायक॥ राजि

वनयनधरेधनुसायक॥ भक्तबिपतिभंजनसुखदायक॥

॥ दोहा॥

गिराअरथजलबीचिसम कहियतभिन्ननभिन्न॥

बन्दैंसीतारामपद जिनहिंपरमप्रियखिन्न॥

॥ चौपाई॥

बन्दैंरामनामरघुबरको॥ हेतुकृसानुभानुहिमकरको॥ बिधिहरिहरमयवेद

प्रानसो॥ अगुणअनूपमगुणनिधानसो॥ महामंत्रजोइजपतमहेसू॥ कासी

मुक्तिहेतुउपदेसू॥ महिमाजासुजानगणराऊ॥ प्रथमपूजियतनामप्रभाऊ॥

जानआदिकबिनामप्रतापू॥ भयउसुद्धकरिउलटाजापू॥ सहसनामसमसु

निशिववाणी॥ जपिजेईपियसंगभवानी॥ हरखेहेतुहेरिहरहीको॥ किय

भूषनतियभूषणतीको॥ नामप्रभाउजानशिवनीके॥ कालकूटफलदीन्हअमी

के॥

॥ दोहा॥

बरषारितुरघुपतिभगति तुलसीसालिसुदास॥

रामनामबरबरणजुग सावनभादौमास॥

॥ चौपाई॥

आखरमधुरमनोहरदोऊ॥ बरणबिलोचनजनजियजोऊ॥ सुमिरतसुलभ

सुखदसवकाहू ॥ लोकलाहुपरलोकनिवाहू ॥ कहतसुनतसुमिरतसुठिनीके ॥ रामलखनसमप्रियतुलसीके ॥ बरणतबरणप्रीतिबिलगाती ॥ ब्रह्मजीवसमसहजसंघाती ॥ नरनारायणसरिससुभ्राता ॥ जगपालकविशेषजनत्राता ॥ भक्तिसुतियकलकरणविभूषण ॥ जगहितहेतुविमलविधुपूषण ॥ स्वादतोषसमसुगतिसुधाके ॥ कमठशेषसमधरवसुधाके ॥ जनमनमंजुकंजमधुकरसे ॥ जीहजसोमतिहरिहलधरसे ॥

॥ दोहा ॥

एकछत्रएकमुकुटमणि सबबरणनपरजोउ ॥
तुलसीरघुबरनामके बरणविराजतदोउ ॥

॥ चौपाई ॥

समुझतसरिसनामअरुनामी ॥ प्रीतिपरसपरप्रभुअनुगामी ॥ नामरूपदोईशउपाधी ॥ अकथअनादिसुसमुझसमाधी ॥ कोवडछोटकहतअपराधू ॥ सुनिगुणदोषसमुझिहैंसाधू ॥ देखियरूपनामआधीना ॥ रूपज्ञाननहिंनामविहीना ॥ रूपविशेषनामविनुजाने ॥ करतलगतनपरहिंपहिचाने ॥ सुमिरियनामरूपविनुदेखे ॥ आवतहृदयसनेहविशेषे ॥ नामरूपगतिअकथकहानी ॥ समुझतसुखदनपरैवखानी ॥ अगुणसगुणविचनामसुसाखी ॥ उभयप्रबोधकचतुरदुभाखी ॥

॥ दोहा ॥

राममनममनदीपधरु जीहदेहरीद्वार ॥
तुलसीभीतरवाहिरो जोंचाहसिउजियार ॥

॥ चौपाई ॥

नामजीहजपिजागहिंयोगी ॥ विरतिविचारप्रपंचवियोगी ॥ ब्रह्मसुखहिंअनुभवहिंअनूपा ॥ अकथअनामयनामनरूपा ॥ जानाचहहिंगूढगतिजेऊ ॥ नामजीहअपिजानहिंतेऊ ॥ साधकनामजपहिंलयलाये ॥ होहिंसिद्धअणिमादिकपाये ॥ जपहिंनामजनआरतभारी ॥ मिटहिंकुसंकटहोहिंसुखारी ॥ रामभक्तजगचारिप्रकारा ॥ सुकृतीचारिउअनघउदारा ॥ चहुचतुरनकहंनामअधारा ॥ ज्ञानीप्रभुहिविशेषपियारा ॥ चहुंयुगचहुंश्रुतिनामप्रभाऊ ॥ कलिविशेषनहिंआनउपाऊ ॥

॥ दोहा ॥

सकलकामनाहीनजो रामभक्तिरसलीन ॥
नामप्रेमपियूषहृद तिनहिंकियेमनमीन ॥

॥ चौपाई ॥

अगुणसगुणदोब्रह्मसरूपा ॥ अकथअगाधअनादिअनूपा ॥ मोरेमतवडनामदूहूते ॥ कीयेजेहियुगनिजवसहूते ॥ प्रौढसुजनजनजानहिंजनकी ॥ कहउंप्रतीतिप्रीतिरुचिमनकी ॥ पावकयुगसमब्रह्मविवेकू ॥ एकदारुगतिदेखियएकू ॥ उभयअगमयुगसुगमनामते ॥ कहउंनामवडब्रह्मरामते ॥ व्यापकएकब्रह्मअविनाशी ॥ जडचेतनघणआनंदराशी ॥ असप्रभुहृदयअछतअविचारी ॥ सकलजीवजगदीनदुखारी ॥ रामनिरूपमनामयतनते ॥ सोप्रगटतविनुमोलरतनते ॥

॥ दोहा ॥

निरगुणतेइहिभांतिबड़ नामप्रभावअपार ॥
कहउंनामबड़रामते निजविचारअनुसार ॥

॥ चौपाई ॥

रामभक्तहितनरतनुधारी ॥ सहिसंकटकियसाधुसुखारी ॥ नामसप्रेमजपतअनयासा ॥ भक्तहोहिंमुदमंगलवासा ॥ रामएकतापसतियतारी ॥ नामकोटिखलकुमतिसुधारी ॥ ऋषिहितरामसुकेतुसुताकी ॥ सहितसेनसुतकीन्हविबाकी ॥ सहितदोषदुखदासदुरासा ॥ दलइनामजिमिरविनिशिनाशा ॥ भंजेउरामआपुभवचापू ॥ भवभयभंजननामप्रतापू ॥ दंडकवनप्रभुकीन्हसुहावन ॥ जनमनअमितनामकियपावन ॥ निशचरनिकरदलेरघुनंदन ॥ नामसकलकलिकलुषनिकंदन ॥

॥ दोहा ॥

शवरीगीधसुसेवकनि सुगतिदीन्हरघुनाथ ॥
नामउधारेअमितखल वेदविदितगुणगाथ ॥

॥ चौपाई ॥

रामसुकंठविभीषणदोऊ ॥ राखेशरणजानसबकोऊ ॥ नामअनेकगरीबनिवाजे ॥ लोकवेदवरविरदविराजे ॥ रामभालुकपिकटकबटोरा ॥ सेतुहेतुश्रमकीन्हनथोरा ॥ नामलेतभवसिंधुसुखाहीं ॥ करहुविचारसुजनमनमाहीं ॥ रामसकुलरणरावणमारा ॥ सीयसहितनिजपुरपगुधारा ॥ राजारामअवधरजधानी ॥ गावतगुणसुरमुनिवरवाणी ॥ सेवकसुमिरतनामसप्रीती ॥ विनुश्रमप्रवलमोहदलजीती ॥ फिरतसनेहमगनसुखअपने ॥ नामप्रसादसोचनहिंसपने ॥

॥ दोहा ॥

ब्रह्मरामतेंनामबड वरदायकवरदानि ॥

रामचरितसतकोटिमहं लियमहेशजियजानि ॥

॥ चौपाई ॥

नामप्रसादशंभुअविनाशी ॥ साजअमंगलमंगलराशी ॥ शुकसनकादिसिद्धमुनियोगी ॥ नामप्रसादब्रह्मसुखभोगी ॥ नारदजानेउनामप्रतापू ॥ जगप्रियहरिहरिहरिप्रियआपू ॥ नामजपतप्रभुकीन्हप्रसादू ॥ भक्तशिरोमणिभेप्रह्लादू ॥ ध्रुवसगलानिजपेउहरिनामू ॥ पायेउअचलअनूपमठामू ॥ सुमिरिपवनसुतपावननामू ॥ अपनेवशकरिराखेउरामू ॥ अपरअजामिलगजगणिकाऊ ॥ भेमुक्तहरिनामप्रभाऊ ॥ कहउंकहांलगिनामबडाई ॥ रामनसकहिंनामगुणगाई ॥

॥ दोहा ॥

रामनामकोकल्पतरु कलिकल्याणनिवास ॥

जोसुमिरतभयेभांगते तुलसीतुलसीदास ॥

॥ चौपाई ॥

चहुंयुगतीनिकालतिहुंलोका ॥ भयेनामजपिजीवविशोका ॥ वेदपुराणसंतमतएहू ॥ सकलसुकृतफलरामसनेहू ॥ ध्यानप्रथमयुगमखयुगदूजे ॥ द्वापरपरितोषकप्रभुपूजे ॥ कलिकेवलमलमूलमलीना ॥ पापपयोनिधिजनमनमीना ॥ नामकामतरुकालकराला ॥ सुमिरतसमनसकलजंजाला ॥ रामनामकलिअभिमतदाता ॥ हितपरलोकलोकपितुमाता ॥ नहिंकलिकर्मनभागविवेकू ॥ राम

नामअवलंबनएकू ॥ कालनेमिकलिकपटनिधानू ॥ नामसुमतिसमरथहनुमानू ॥

॥ दोहा ॥

रामनामनरकेसरी कनककशिपुकलिकाल ॥

जापकजनप्रह्लादजिमि पालहिंदलिसुरसाल ॥

॥ चौपाई ॥

भायकुभायअनखआलसहूं ॥ नामजपतमंगलदिशिदशहूं ॥ सुमिरिसोनामरामगुणगाथा ॥ करौंनाइरघुनाथहिंमाथा ॥ मोरिसुधारहिंसोसबभांती ॥ जासुकृपानहिंकृपाअघाती ॥ रामसुस्वामिकुसेवकमोसे ॥ निजदिशिदेखिदयानिधिपोसे ॥ लोकहुंवेदसुसाहेबरीती ॥ विनयसुनतपहिचानतप्रीती ॥ गनीगरीबग्रामनरनागर ॥ पंडितमूढमलीनउजागर ॥ सुकविकुकविनिजमतिअनुसारी ॥ नृपहिसराहतसबनरनारी ॥ साधुसुजानसुशीलनृपाला ॥ ईशअंससंभवपरमकृपाला ॥ सुनिसनमानहिंसबहिंसुबाणी ॥ भणितभक्तिमतिगतिपहिचानी ॥ यहप्राकृतमहिपालसुभाऊ ॥ जानिशिरोमणिकोशलराऊ ॥ रीझतरामसनेहनिसोते ॥ कोजगमंदमलिनमतिमोते ॥

॥ दोहा ॥

शठसेवककीप्रीतिरुचि रखिहहिंरामकृपालु ॥

उपलकिएजलजानजेहि सचिवसुभटकपिभालु ॥

हौंहुकहावतसबकहत रामसहतउपहास ॥

साहेबसीतानाथसे सेवकतुलसीदास ॥

॥ चौपाई ॥

अतिवडिमोरिढिठाईखोरी॥ सुनिअघनरकहुंनाकसकोरी॥ समुझिसहमिमो
हिअपडरअपने॥ सोसुधिरामकीन्हनहिंसपने॥ सुनिअवलोकिसुचितचखु
चाही॥ भक्तिमोरिमतिस्वामिसराही॥ कहतनसाइहोइअतिनीकी॥ रीझतरा
मजानिजनजीकी॥ जेहिअघवधेउव्याधजिमिवाली॥ फिरिसुकंठसोइकीन्ह
कुचाली॥ सोइकरतूतीविभीषणकेरी॥ सपनेहुसोनरामहियहेरी॥ तेभर
तहिंभेटतसनमाने॥ साधुसभारघुवीरवखाने॥

॥ दोहा ॥

प्रभुतरुतरकपिडारपर तेकियआपुसमान ॥
तुलसीकहूंनरामसे साहेबशीलनिधान ॥
रामनिकाईरावरी हैसवहीकोनीक ॥
जौंयहसांचैहैसदा तौनीकोतुलसीक ॥
यहिविधिनिजगुणदोषकहि सवहिंवहुरिशिरनाइ ॥
वरणौंरघुवरविशदयश सुनिकलिकलुषनशाइ ॥

॥ चौपाई ॥

जागवलिकजोकथासुहाई॥ भरद्वाजमुनिवरहिंसुनाई॥ कहिहौंसोइसंवा
दवखानी॥ सुनहुसकलसज्जनमतिमानी॥ शंभुकीन्हयहचरितसुहावा॥
वहुरिकृपाकरिउमहिंसुनावा॥ सोशिवकाकभुसुंडहिंदीन्हा॥ रामभक्तिअ
धिकारीचीन्हा॥ तेहिसनजागवलिकपुनिपावा॥ तिन्हपुनिभरद्वाजप्रतिगावा
॥ तेश्रोतावकतासमशीला॥ समदरशीजानहिंहरिलीला॥ जानहिंतीनिकाल
निजज्ञाना॥ करतलगतआमलकसमाना॥ औरोजेहरिभक्तसुजाना॥ कहहिं

सुनहिंसमुझहिंविधिनाना ॥

॥ दोहा ॥

मैंपुनिनिजगुरुसनसुनी कथासुचिरकुरुखेत॥
समुझनहीतसुबालपन तवअतिरहेउंअचेत ॥
श्रोतावकताज्ञाननिधि कथारामकीगूढ ● ●॥
किमिसमुझैयहजीवजड कलिमलग्रसितविमूढ॥

॥ चौपाई ॥

तदपिकहीगुरुवारहिंवारा ॥ समुझिपरीकछुमतिअनुसारा ॥ भाषाबंधकरबमैंसोई ॥ मोरेमनप्रबोधजेहिहोई ॥ यथाकछुबुधिविवेकबलमेरे ॥ तसकहिहौंहियहरिकेप्रेरे ॥ निजसंदेहमोहभ्रमहरनी ॥ करौंकथाभवसरितातरनी ॥ बुधविश्रामसकलजनरंजनि ॥ रामकथाकलिकलुषविभंजनि ॥ रामकथाकलिपन्नगभरनी ॥ पुनिविवेकपावककहंअरनी ॥ रामकथाकलिकामदगाई ॥ सुजनसजीवनमूरिसुहाई ॥ सोइबसुधातलसुधातरंगिनि ॥ भवभंजनिभ्रमभेकभुअंगिनि ॥ असुरसेनसमनरकनिकंदिनि ॥ साधुविबुधकुलहितगिरिनंदिनि ॥ संतसमाजपयोधिरमासी ॥ विश्वभारधरअचलछमासी ॥ यमगणमुहमसिजगजमुनासी ॥ जीवनमुक्तिहेतुजनुकासी ॥ रामहिंप्रियपावनितुलसीसी ॥ तुलसिदासहितहियहुलसीसी ॥ शिवप्रियमेकलशैलसुतासी ॥ सकलसिद्धिसुखसंपतिरासी ॥ सदगुणसुरगणअंबअदितिसी ॥ रघुबरभक्तिप्रेमपरमितिसी ॥

॥ दोहा ॥

रामकथामंदाकिनी चित्रकूटचितचारु ● ●॥

तुलसीसुभगसनेहबन सियरघुवीरविहारु ॥

॥ चौपाई ॥

रामचरितचिंतामणिचारू ॥ संतसुमतितियसुभगसिंगारू ॥ जगमंगलगुणग्राम रामके ॥ दानिमुक्तिधनधर्मधामके ॥ सदगुरुज्ञानविरागयोगके ॥ विबुधवैदभ वभीमरोगके ॥ जननिजनकसियरामप्रेमके ॥ वीजसकलव्रतधर्मनेमके ॥ समन पापसंतापशोकके ॥ प्रियपालकपरलोकलोकके ॥ सचिवसुभटभूपतिविचार के ॥ कुंभजलोभउदधिअपारके ॥ कामकोहकलिमलकरिगणके ॥ केहरिशावक जनमनवनके ॥ अतिथिपूज्यप्रीतमपुरारिके ॥ कामदघनदारिददवारिके ॥ मंत्र महामणिविषयव्यालके ॥ मेटतकठिनकुअंकभालके ॥ हरनमोहतमदिनकर करसे ॥ सेवकशालिपालजलधरसे ॥ अभिमतदानिदेवतरुवरसे ॥ सेवतसुलभ सुखदहरिहरसे ॥ सुकविशरदनभमनउडुगणसे ॥ रामभक्तजनजीवनध नसे ॥ सकलसुकृतफलभूरिभोगसे ॥ जगहितनिरुपधिसाधुलोगसे ॥ सेवक मनमानसमरालसे ॥ पावनगंगतरंगमालसे ॥

॥ दोहा ॥

कुपथकुतर्ककुचालिकलि कपटदंभपाषंड ॥

दहनरामगुणग्रामजिमि इंधनअनलप्रचंड ॥

रामचरितराकेशकर सरिससुखदसवकाहु ॥

सज्जनकुमुदचकोरचित हितविशेषवडलाहु ॥

॥ चौपाई ॥

कीन्हप्रश्नजेहिभांतिभवानी ॥ जेहिविधिशंकरकहावखानी ॥ सोसवहेतुकहु

वमैगाई ॥ कथाप्रवंधविचित्रवनाई ॥ जेयहकथासुनेनहिहोई ॥ जनिआचर्य्यकरैसुनिसोई ॥ कथाअलौकिकसुनहिंजेज्ञानी ॥ नहिआचर्य्यजकरहिंअसजानी ॥ रामकथाकीमितिजगनाहीं ॥ असप्रतीतितिनकेमनमाहीं ॥ नानाभाँतिरामअवतारा ॥ रामायनशतकोटिअपारा ॥ कलपभेदहरिचरितसुहाए ॥ भाँतिअनेकमुनीसनगाए ॥ करियनसंशयअसउरआनी ॥ सुनियकथासादररतिमानी ॥

॥ दोहा ॥

रामअनंतअनंतगुण अमितकथाविस्तार ॥
सुनिआचर्य्यनमानिहहिं जिनकेविमलविचार ॥

॥ चौपाई ॥

यहिविधिसवसंशयकरिदूरी ॥ शिरधरिगुरुपदपंकजधूरी ॥ पुनिसवहीविनवौंकरजोरी ॥ करतकथाजेहिलागनखोरी ॥ सादरशिवहिनाइअबमाथा ॥ बरनौंविशदरामगुणगाथा ॥ संवतसोरहसैएकतीसा ॥ करौंकथाहरिपदधरिसीसा ॥ नौमीभौमवारमधुमासा ॥ अवधपुरीयहचरितप्रकाशा ॥ जेहिदिनरामजन्मश्रुतिगावहिं ॥ तीरथसकलतहाँचलिआवहिं ॥ असुरनागखगनरमुनिदेवा ॥ आयकरहिंरघुनायकसेवा ॥ जन्ममहोत्सवरचहिंसुजाना ॥ करहिंरामकलकीरतिगाना ॥

॥ दोहा ॥

मज्जहिंसज्जनवृन्दबहु पावनसरजूनीर ॥
जपहिंरामधरिध्यान उरसुंदरश्यामशरीर ॥

॥ चौपाई ॥

दरसपरसमज्जनअरुपाना॥ हरैपापकहवेदपुराना॥ नदीपुनीतअमितमहिमाअति॥ कहिनसकैशारदाविमलमति॥ रामधामदापुरीसुहावनि॥ लोकसमस्तविदितजगपावनि॥ चारिखानिजगजीवअपारा॥ अवधतजेतनुनहिंसंसारा॥ सबविधिपुरीमनोहरजानी॥ सकलसिद्धिप्रदमंगलखानी॥ विमलकथाकरकीन्हअरंभा॥ सुनतनसाहिंकाममददंभा॥ रामचरितमानसयहनामा॥ सुनतश्रवणपाइयविश्रामा॥ मनकरिविषयअनलवनजरहीं॥ होइसुखीजोयहिसरपरहीं॥ रामचरितमानसमुनिभावन॥ विरचेउशंभुसुहावनपावन॥ त्रिविधदोषदुखदारिददावनि॥ कलिकुचालिकलिकलुषनशावनि॥ रचिमहेशनिजमानसराखा॥ पाइसुसमयशिवासनभाखा॥ तातेरामचरितमानसवर॥ धरेउनामहियहेरिहरषिहर॥ कहौंकथासोइसुखदसुहाई॥ सादरसुनहुसुजनमनलाई॥

॥ दोहा ॥

जसमानसजेहिविधिभयो जगप्रचारजेहिहेतु॥
अवसोइकहौंप्रसंगसव सुमिरिउमावृषकेतु॥

॥ चौपाई ॥

शंभुप्रसादसुमतिहियहुलसी॥ रामचरितमानसकवितुलसी॥ करउमनोहरमतिअनुहारी॥ सुजनसुचितसुनिलेहुसुधारी॥ सुमतिभूमिथलहृदयअगाधू॥ वेदपुराणउदधिघनसाधू॥ वरषहिंरामसुयशवरवारी॥ मधुरमनोहरमंगलकारी॥ लीलासगुणजोकहहिंवखानी॥ सोइसाक्षातकरैमलहानी

॥ प्रेमभक्तिजोबरणिनजाई ॥ सोई मधुरताशीतलताई ॥ सोजलसुकृतशालिहितहोई ॥ रामभक्तजनजीवनसोई ॥ मेधामहिगतसोजलपावन ॥ सिमिटिश्रवणमगुचलेउसुहावन ॥ भरेउसुमानसशिथिलथिराणा ॥ सुखदशीतरुचिचारुचिराणा ॥

॥ दोहा ॥

सुठिसुंदरसंवादवर विरचेउबुद्धिविचारि ॥
तेयहपावनसुभगसर घाटमनोहरचारि ॥

॥ चौपाई ॥

सप्तप्रबंधसुभगसोपाना ॥ ज्ञाननयननिरखतमनमाना ॥ रघुपतिमहिमाअगुणअबाधा ॥ वरणवसोइ वरवारिअगाधा ॥ रामसीययशसलिलसुधासम ॥ उपमावीचिविलासमनोरम ॥ पुरइनिसघनचारुचौपाई ॥ युक्तिमंजुमणिसीपसुहाई ॥ छंदसोरठासुंदरदोहा ॥ सोइबहुरंगकमलकुलसोहा ॥ अरथअनूपसुभावसुभासा ॥ सोइ परागमकरंदसुवासा ॥ सुकृतपुंजमंजुलअलिमाला ॥ ज्ञानविरागविचारमराला ॥ धुनिअवरेकवित्तगुणजाती ॥ मीनमनोहरतेबहुभांती ॥ अर्थधर्मकामादिकचारी ॥ कहवज्ञानविज्ञानविचारी ॥ नवरसजपतपयोगविरागा ॥ तेसवजलचरचारुतडागा ॥ सुकृतीसाधुनामगुणगाना ॥ तेविचित्रजलविहगसमाना ॥ संतसभाचहुदिशिअंवराई ॥ श्रद्धाऋतुवसंतसमगाई ॥ भक्तिनिरूपणविविधिविधाना ॥ क्षमादयाद्रुमलतावितानां ॥ संयमनियमफूलफलज्ञाना ॥ हरिपदरतिरसवेदवखाना ॥ औरौकथाअनेकप्रसंगा ॥ तेइ शुकपिकबहुवरणविहंगा ॥

॥ दोहा ॥

पुष्पवाटिकाबागवन सुखसुविहंगविहारु ॥

मालीसुमनसनेहजल सीचतलोचनचारु ॥

॥ चौपाई ॥

जेगावहिंयहचरितसंभारे ॥ तेयहितालचतुररखवारे ॥ सदासुनहिंसादर नरनारी ॥ तेइसुरवरमानसअधिकारी ॥ अतिखलजोविषयीवककागा ॥ यहिसरनिकटनजाहिंअभागा ॥ शंबुकभेकशेवारसमाना ॥ इहांनविषयकथारसनाना ॥ तेहिकारणआवतहियहारी ॥ कामीकाकवलाकविचारी ॥ आवतएहिसरअतिकठिनाई ॥ रामकृपाविनुआइनजाई ॥ कठिनकुसंगकुपंथकराला ॥ तिन्हकेवचनव्याघ्रहरिव्याला ॥ गृहकारजनानाजंजाला ॥ तेइअतिदुर्गमशैलविशाला ॥ वनबहुविषयमोहमदमाना ॥ नदीकुतर्कभयंकरजाना ॥

॥ दोहा ॥

जेश्रद्धासंवररहित नहिसंतनकरसाथ ॥

तिनकहमानसअगमअति जिनहिनप्रियरघुनाथ ॥

॥ चौपाई ॥

जोंकरिकष्टजाइपुनिकोई ॥ जातहिनीदजुडाईहोई ॥ जडताजाडविषमउरलागा ॥ गयहुनमज्जनपावअभागा ॥ करिनजायसरमज्जनपाना ॥ फिरिआवैसमेतअभिमाना ॥ जोवहोरिकोउपूछनआवा ॥ सरनिंदाकरिताहिसुनावा ॥ सकलविघ्नव्यापहिंनहिंतेही ॥ रामकृपाकरिचितवहिंजेही ॥ सोइसादरजनमज्जनकरहीं ॥ महाघोरत्रयतापनजरहीं ॥ तेनरयहसरतजहिंनकाऊ ॥ जि

नकेरामचरितभलभाऊ ॥ जोनहाइचहयहिसरभाई ॥ सोसतसंगकरैमनलाई ॥ असमानसमानसचखचाही ॥ भइकबिबुद्धिबिमलअवगाही ॥ भैउहृदयआनंदउछाहू ॥ उमगेउप्रेमप्रमोदप्रबाहू ॥ चलीसुभगकबितासरितासो ॥ रामबिमलयशजलभरितासो ॥ सरजूनामसुमंगलमूला ॥ लोकबेदमतमंजुलकूला ॥ नदीपुनीतसुमानसनंदिनि ॥ कलिमलतृनतरुमूलनिकंदिनि ॥

॥ दोहा ॥

श्रोतात्रिबिधिसमाजपुर ग्रामनगरदुहुंकूल ॥
संतसभाअनुपमअवध सकलसुमंगलमूल ॥

॥ चौपाई ॥

रामभक्तिसुरसरितेहिजाई ॥ मिलीसुकीरतिसरजुसुहाई ॥ सानुजरामसमरयशपावन ॥ मिलेउमहानदशोणसुहावन ॥ युगबिचभक्तिदेवधुनिधारा ॥ सोहतिसहितसुबिरतिबिचारा ॥ त्रिविधितापत्रासकत्रिमुहानी ॥ रामस्वरूपसिंधुसमुहानी ॥ मानसमूलमिलीसुरसरहीं ॥ सुनतसुजनमनपावनकरहीं ॥ बिचबिचकथाबिचित्रबिभागा ॥ जनुसरितीरतीरबनबागा ॥ उमामहेशबिवाहबराती ॥ तेजलचरअगणितबहुभांती ॥ रघुबरजन्मअनंदबधाई ॥ भवंरतरंगमनोहरताई ॥

॥ दोहा ॥

बालचरितचहुबंधुके बनजबिपुलबहुरंग ॥
नृपरानीपरिजनसुकृत मधुकरबारिबिहंग ॥

॥ चौपाई ॥

सीयस्वयंवरकथासुहाई ॥ सरितसुहावनिसोछबिछाई ॥ नदीनावबटुप्रश्न अनेका ॥ केवटकुशलउतरसविवेका ॥ पुनिअनुकथापरस्परहोई ॥ पथिकसमाजसोहसरिसोई ॥ घोरधारभृगुनाथरिसानी ॥ घाटसुबंधरामबरवानी ॥ सानुजरामबिवाहउछाहू ॥ सोशुभउमगसुखदसबकाहू ॥ कहतसुनतहरषहिंपुलकाहीं ॥ तेसुकृतीजनमुदितनहाहीं ॥ रामतिलकहितमंगलसाजा ॥ पर्वयोगजनुजुरेउसमाजा ॥ काईकुमतिकेकयीकेरी ॥ परीजासुफलविपति घनेरी ॥

॥ दोहा ॥

समनअमितउतपातसब भरतचरितजपयाग ॥
कलिअघखलअवगुणकथन तेजलमलबककाग ॥

॥ चौपाई ॥

कीरतिसरितछहूंऋतुरूरी ॥ समयसुहावनिपावनिभूरी ॥ हिमहिमशैलसुताशिवब्याहू ॥ शिशिरसुखदप्रभुजन्मउछाहू ॥ वरनवरामविवाहसमाजू ॥ सोमुदमंगलमयऋतुराजू ॥ पंथकथाखरआतपपवनू ॥ ग्रीषमदुःसहरामवनगवनू ॥ वर्षाघोरनिशाचररारी ॥ सुरकुलशालिसुमंगलकारी ॥ रामराजसुखविनयबडाई ॥ विशदसुखदसोइशरदसुहाई ॥ सतीशिरोमणिसियगुणगाथा ॥ सोइगुणअमलअनूपमपाथा ॥ भरतसुभाउसुशीतलताई ॥ सदाएकरसवरणिनजाई ॥

॥ दोहा ॥

अवलोकनिबोलनिमिलनि प्रीतिपरस्परहास ॥

भाग्यपभलिबकुबंधुकी जलमाधुरीसुवास ॥

॥ चौपाई ॥

आरतबिनयदीननामेरी ॥ लघुतालबितसुवारिनखोरी ॥ अद्भुतसलिलसुन नगुणकारी ॥ आशपिआसमनोमलहारी ॥ रामसुप्रेमहिंपोषतपानी ॥ हरतसकलकलिकलुखगलानी ॥ भवश्रमशोषकतोषकतोषा ॥ समनदुरितदुखदारिददोषा ॥ कामकोहमदमोहनशावनि ॥ बिमलबिबेकबिरागबढावनि ॥ सादरमज्जनपानकिएतें ॥ मिटहिंपापपरितापहिएतें ॥ जिनएहिंवारिनमानसधोए ॥ तेकायरकलिकालबिगोए ॥ तृषितनिरखिरबिकरभववारी ॥ फिरहिंमृगजिमिजीवदुखारी ॥

॥ दोहा ॥

मतिअनुहारिसुवारिबर गुणगणमनअन्हवाइ ॥
सुमिरिभवानीशंकरहिं कहकविकथासुहाइ ॥
अवरघुपतिपदपंकरुह हियधरिपाइप्रसाद ॥
कहौंयुगलमुनिवर्यकर मिलनसुभगसंवाद ॥

॥ चौपाई ॥

भरद्वाजमुनिबसहिंप्रयागा ॥ तिनहिंरामपदअतिअनुरागा ॥ तापसशमदमदयानिधाना ॥ परमारथपथपरमसुजाना ॥ माघमकरगतरबिजबहोई ॥ तीरथपतिहिंआवसबकोई ॥ देवदनुजकिन्नरनरश्रेणी ॥ सादरमज्जहिंसकलत्रिवेनी ॥ पूजहिंमाधवपदजलजाता ॥ परसिअक्षयवटहर्षितगाता ॥ भरद्वाजआश्रमअतिपावन ॥ परमरम्यमुनिवरमनभावन ॥ तहांहोइमुनिऋषभसमाजा

माजा ॥ जाहिंजेमज्जनतीरथराजा ॥ मज्जहिंप्रातसमेतउछाहा ॥ कहहिंपरस्परहरिगुणगाहा ॥

॥ दोहा ॥

ब्रह्मनिरूपणधर्मविधि वरनहिंतत्त्वविभाग ॥
कहहिंभक्तिभगवंतकी संयुतज्ञानविराग ● ॥

॥ चौपाई ॥

एहिप्रकारभरिमकरनहाहीं ॥ पुनिसवनिजनिजआश्रमजाहीं ॥ प्रतिसंवतअतिहोइअनंदा ॥ मकरमज्जिगवनहिंमुनिवृन्दा ॥ एकवारभरिमकरनहाए ॥ सवमुनीशआश्रमनिसिधाए ॥ जागवलिकमुनिपरमविवेकी ॥ भरद्वाजराखेपदटेकी ॥ सादरचरणसरोजपखारे ॥ अतिपुनीतआसनवैठारे ॥ करिपूजामुनिसुयशवखानी ॥ वोलेअतिपुनीतमृदुवाणी ॥ नाथएकसंशयवडमोरे ॥ करगतवेदतत्त्वसवतोरे ॥ कहतमोहिलागतभयलाजा ॥ जोंनकहींवडहोइअकाजा ॥

॥ दोहा ॥

संतकहहिंअसनीतिप्रभु श्रुतिपुराणजोगाव ॥
होइनविमलविवेकउर गुरुसनकिएदुराव ॥

॥ चौपाई ॥

असविचारिप्रगटौंनिजमोहू ॥ हरहुनाथकरिजनपरछोहू ॥ रामनामकरअमितप्रभावा ॥ संतपुराणउपनिषदगावा ॥ संततजपतशंभुअविनाशी ॥ शिवभगवानज्ञानगुणराशी ॥ आकरचारिजीवजगअहहीं ॥ काशीमरतपरमपदलहहीं

॥ सोपिराममहिमामुनिराया ॥ शिवउपदेशकरतकरिदाया ॥ रामकवनप्रभु पूछौंतोही ॥ कहियेबुझाइकृपानिधिमोही ॥ एकरामअवधेशकुमारा ॥ तिन करचरितविदितसंसारा ॥ नारिविरहदुखलहेउअपारा ॥ भैउरोषरणरावण मारा ॥

॥ दोहा ॥

प्रभुसोइरामकिअपरकोउ जाहिजपतत्रिपुरारि ॥
सत्यधामसर्वज्ञतुम कहहुविवेकविचारि ●● ॥

॥ चौपाई ॥

जैसेंमिटैमोरभ्रमभारी ॥ कहहुसोकथानाथविस्तारी ॥ जागवलिकबोलेमुसुका ई ॥ तुमहिंविदितरघुपतिप्रभुताई ॥ रामभक्ततुममनक्रमवाणी ॥ चतुराईतु म्हारिमैजानी ॥ चाहहुसुनैरामगुणगूढ़ ॥ कीन्हेउप्रश्नमनहुंअतिमूढ़ ॥ ता तसुनहुसादरमनलाई ॥ कहउंरामकीकथासुहाई ॥ महामोहमहिषेश विशाला ॥ रामकथाकलिकालकराला ॥ रामकथाशशिकिरणसमाना ॥ संतचको रकरहिंजेहिपाना ॥ ऐसैसंशयकीन्हभवानी ॥ महादेवतबकहाबखानी ॥

॥ दोहा ॥

कहौंसोमतिअनुहारिअब उमाशंभुसंवाद ●●●● ॥
भयउसमयजेहिहेतुजेहि सुनिमुनिमिटहिंविषाद ॥

॥ चौपाई ॥

एकवारत्रेतायुगमाहीं ॥ शंभुगयेकुंभजऋषिपाहीं ॥ संगसतीजगजननिभवानी ॥ पूजेउऋषिअखिलेश्वरजानी ॥ रामकथामुनिबर्यबखानी ॥ सुनिमहेशपरमसु

सुजानी ॥ जद्यपिपूछाहरिभक्तिसुहाई ॥ कहीशंभुअधिकारीपाई ॥ कहतसुनतरघुपतिगुणगाथा ॥ कछुदिनतहांरहेगिरिनाथा ॥ मुनिसनविदामांगित्रिपुरारी ॥ चलेभवनसंगदक्षकुमारी ॥ तेहिअवसरभंजनमहिभारा ॥ हरिरघुवंशलीन्हअवतारा ॥ पितावचनतजिराजउदासी ॥ दंडकवनविचरतअविनाशी ॥

॥ दोहा ॥

हृदयविचारतजातहर केहिविधिदरशनहोइ ॥
गुप्तरूपअवतरेउप्रभु गयेजानसवकोइ ॥

॥ चौपाई ॥

रावणमरणमनुजकरयाचा ॥ प्रभुविधिवचनकीनचहसांचा ॥ जौंनहिंजाउंरहैपछतावा ॥ करतविचारनवनतवनावा ॥ एहिविधिभएशोचवशईशा ॥ ताहिसमयजाइदशशीशा ॥ लीननीचमारीचहिसंगा ॥ भैउतुरतसोइकपटकुरंगा ॥ करिछलमूढहरेवैदेही ॥ प्रभुप्रतापउरविदितनतेही ॥ मृगवधिबंधुसहितहरिआए ॥ आश्रमदेखिनयनजलछाए ॥ विरहविकलनरइवरघुराई ॥ खोजतविपिनफिरतदोभाई ॥ कबहूंयोगवियोगनजाके ॥ देखाप्रगटविरहदुखताके ॥

॥ दोहा ॥

अतिविचित्ररघुपतिचरित जानहिंपरमसुजान ॥
जेमतिमंदविमोहवश हृदयधरहिंकछुआन ॥

॥ चौपाई ॥

शंभुसमयतेहिरामहिंदेखा ॥ उपजाहियअतिहर्षविशेषा ॥ भरिलोचनछ
विसिंधुनिहारी ॥ कुसमयजानिनकीन्हिचिन्हारी ॥ जयसच्चिदानंदजगपावन
॥ असकहिचलेमनोजनशावन ॥ चलेजातशिवसतीसमेता ॥ पुनिपुनिपुल
कितकृपानिकेता ॥ सतीसोदशाशंभुकीदेखी ॥ उरउपजासंदेहविशेषी ॥ शं
करजगतवंद्यजगदीशा ॥ सुरनरमुनिसवनावतसीसा ॥ तिनन्हपसुतहिकी
न्हपरनामा ॥ कहिसच्चिदानंदपरधामा ॥ भयेमगनछवितासुविलोकी ॥ अज
हुंप्रीतिउररहतिनरोकी ॥

॥ दोहा ॥

ब्रह्मजोव्यापकविरजअज अकलअनीहअभेद ॥
सोकिदेहधरिहोइनर जाहिनजाननवेद ॥

॥ चौपाई ॥

विष्णुजोसुरहिततनरतनुधारी ॥ सोउसर्वज्ञयथात्रिपुरारी ॥ खोजतसोकिअज्ञ
इवनारी ॥ ज्ञानधामश्रीपतिअसुरारी ॥ शंभुगिरापुनिमृषानहोई ॥ शिवस
र्वज्ञजानसवकोई ॥ असंशयमनभैउअपारा ॥ होइनहृदयप्रवोधप्रचारा
॥ यद्यपिप्रगटनकहेउभवानी ॥ हरअंतरजामीसवजानी ॥ सुनहुसतीतव
नारिसुभाऊ ॥ संशयअसनधरियउरकाऊ ॥ जासुकथाकुम्भजऋषिगाई ॥
भक्तिजासुमैमुनिहिंसुनाई ॥ सोइममइष्टदेवरघुवीरा ॥ सेवतजाहिसदा
मुनिधीरा ॥

॥ छंद ॥

मुनिधीरयोगीसिद्धसंततविमलमनजेहिध्यावहीं ॥

कहिनेतिनिगमपुराण आगमजासुकीरतिगावहीं ॥
सोइ रामव्यापकब्रह्मभुवननिकायपतिमायाधनी ● ॥
अवतरेउअपनेभक्तहितनिजतंत्रनित्यरघुकुलमनी ॥

॥ सोरठा ॥

लागनउरउपदेश यदपिकहेउशिवबारबहु ॥
बोलेविहसिमहेश हरिमायावलजानिजिय ● ॥

॥ चौपाई ॥

जोतुम्हरेमनअतिसंदेहू ॥ तौकिनजाइपरिच्छालेहू ॥ तवलगिवैठिरहौंवट छाहीं ॥ जवलगितुमऐहहुमोहिपाहीं ॥ जैसेंजाइमोहभ्रमभारी ॥ करेहुसो यतनविवेकविचारी ॥ चलीसतीशिवआयसुपाई ॥ करहिंविचारकरौंकाभाई ॥ इहांशंभुअसमनअनुमाना ॥ दक्षसुताकहंनहिंकल्याणा ॥ मोरेहुकहेन संशयजाहीं ॥ विधिविपरीतभलाईनाहीं ॥ होइहिसोइजोरामरचिराखा ॥ को करितर्कवढावहिशाखा ॥ असकहिलगेजपनहरिनामा ॥ गयीसतीजहांप्रभु सुखधामा ॥

॥ दोहा ॥

पुनिपुनिहृदयविचारकरि धरिसीताकररूप ॥
आगेंहोइचलीपथहि जेहिआवतसुरभूप ॥

॥ चौपाई ॥

लछुमणदीखउमाकृतवेषा ॥ चकितहृदयभ्रमभेउविशेषा ॥ कहिनशकत कछुअतिगंभीरा ॥ प्रभुप्रभावजानतमतिधीरा ॥ सतीकपटजानेउसुरस्वामी ॥

समदरशीसबअंतरजामी ॥ सुमिरतजाहिमिटैअज्ञाना ॥ सोइसर्वज्ञरामभगवाना ॥ सतीकीन्हचहतहंहुंदुराऊ ॥ देखउनारिसुभावप्रभाऊ ॥ निजमायाबलहृदयबखानी ॥ बोलेबिहंसिराममृदुबाणी ॥ जोरिपाणिप्रभुकीन्हप्रणामू ॥ पितासमेतलीन्हनिजनामू ॥ कहेउबहोरिकहांवृषकेतू ॥ विपिनिअकेलिफिरहुकेहिहेतू ॥

॥ दोहा ॥

रामवचनमृदुगूढसुनि उपजाअतिसंकोच ॥
सतीसभीतमहेशपहं चलीहृदयबडसोच ॥

॥ चौपाई ॥

मैंशंकरकरकहानमाना ॥ निजअज्ञानरामपरआना ॥ जाइउतरअबदेहौंकहा ॥ उरउपजाअतिदारुणदाहा ॥ जानारामसतीदुखपावा ॥ निजप्रभावकछुप्रगटिजनावा ॥ सतीदीखकौतुकमगजाता ॥ आगेरामसहितश्रीभ्राता ॥ फिरिचितवापाछेंप्रभुदेखा ॥ सहितबंधुसियसुंदरबेषा ॥ जहंचितवहिंतहंप्रभुआसीना ॥ सेवहिंसिद्धमुनीशप्रवीणा ॥ देखेशिवविधिविष्णुअनेका ॥ अमितप्रभावएकतेएका ॥ वंदतचरणकरतप्रभुसेवा ॥ विविधिवेषदेखेसबदेवा ॥

॥ दोहा ॥

सतीविधात्रीइंदिरा देखीअमितअनूप ●●●●● ॥
जेहिजेहिवेषअजादिसुर तेहितेहितनुअनुरूप ॥

॥ चौपाई ॥

देखेजहंतहंरघुपतिजेते ॥ शक्तिनसहितसकलसुरतेते ॥ जीवचराचरजेसंसारा ॥

देखेसबजअनेकप्रकारा ॥ पूजहिंप्रभुहिंदेवबहुवेषा ॥ रामरूपदूसरनहिंदेखा ॥ अवलोकेरघुपतिबहुतेरे ॥ सीतासहितनवेषघनेरे ॥ सोइ रघुबरसोइलछिमनसीता ॥ देखिसतीअतिभईसभीता ॥ हृदयकंपतनसुधिकछुनाहीं ॥ नयनमूंदिबैठीमगमाहीं ॥ बहुरिबिलोकेउनयनउघारी ॥ कछुनदीखतहंदक्षकुमारी ॥ पुनिपुनिनाइरामपदसीसा ॥ चलीतहांजहंरहेगिरीशा ॥

॥ दोहा ॥

गयीसमीपमहेशतब हंसिपूछीकुशलात ॥
लीन्हपरीक्षाकवनबिधि कहहुसत्यसबबात ॥

॥ चौपाई ॥

सतीसमुझिरघुवीरप्रभाऊ ॥ भयवशशिवसनकीन्हदुराऊ ॥ कछुनपरीक्षालीन्हगोसांई ॥ कीन्हप्रणामतुम्हारिहिनाई ॥ जोतुमकहासोमृषानहोई ॥ मोरेमनप्रतीतिअससोई ॥ तवशंकरदेखेउधरिध्याना ॥ सतीजोकीन्हचरितसबजाना ॥ बहुरिराममायहिंशिरनावा ॥ प्रेरिसतिहिंजेहिंझूठकहावा ॥ हरिइच्छाभावीबलवाना ॥ हृदयविचारतशंभुसुजाना ॥ सतीकीन्हसीताकरवेषा ॥ शिवउरभैउविषादविशेषा ॥ जोंअबकरौंसतीसनप्रीती ॥ मिटैभक्तिपथहोइअनीती ॥

॥ दोहा ॥

परमप्रेमतजिंजाइनहि कियेप्रेमबडपाप ॥
प्रगटनकहतमहेशकछु हृदयअधिकसंताप ॥

॥ चौपाई ॥

तबहिंशंभुप्रभुपदशिरनावा॥ सुमिरतरामहृदयअसआवा॥ एहितनुसतिहि भेंटमोहिनाहीं॥ शिवसंकल्पकीन्हमनमाहीं॥ असबिचारिशंकरमतिधीरा॥ चलेभवनसुमिरतरघुबीरा॥ चलतगगनभैगिरासुहाई॥ जयमहेशभलिभक्ति दृढाई॥ असप्रणतुमबिनुकरैकोआना॥ रामभक्तसमरथभगवाना॥ सुनिनभगिरासतीउरसोचू॥ पूछाशिवहिंसमेतसकोचू॥ कीन्हकवनप्रणकहहुकृपाला॥ सत्यधामप्रभुदीनदयाला॥ यदपिसतीपूछाबहुभांती॥ तदपिनकहेउत्रिपुरआराती॥

॥ दोहा ॥

सतीहृदयअनुमानकिय सबजानासर्बज्ञ॥
कीन्हकपटमैंशंभुसन नारिसहजजडअज्ञ॥

॥ सोरठा ॥

जलपयसरिसबिकाइ देखहुप्रीतिकिरीतिभलि॥
बिलगहोतरसजाइ कपटखटाईपरतहि॥

॥ चौपाई ॥

हृदयसोचसमुझतनिजकरणी॥ चिंताअमितजाइनहिंबरणी॥ कृपासिंधुशिवपरमअगाधा॥ प्रगटनकहेउमोरअपराधा॥ शंकररुखअवलोकिभवानी॥ प्रभुमोहितजेउहृदयअकुलानी॥ निजअघसमुझिनकछुकहिजाई॥ तपैअवांइवउरअधिकाई॥ सतीहिससोचजानिवृषकेतू॥ कहीकथासुंदरसुखहेतू॥ बरणतपंथबिबिधइतिहासा॥ बिश्वनाथपहुंचेकैलासा॥ तहंपुनिशंभुसमुझिप्रणआपन॥ बैठेबटतरकरिकमलासन॥ शंकरसहजस्वरूपसंभारा॥ लागिसमा

धिअखंडअपार॥

॥ दोहा॥

सतीबसहिंकैलाशतब अधिकसोचमनमांहि॥
मर्म्मनकोऊजानकछु युगसमदिवससिराहिं॥

॥ चौपाई॥

नितनवसोचसतीउरभारा॥ कबजैहौंदुखसागरपारा॥ मैंजोकीन्हरघुपतिअपमाना॥ पुनिपतिवचनमृषाकरिजाना॥ सोफलमोहिविधातादीन्हा॥ जोकछुउचितरहासोइकीन्हा॥ अबविधिअसबूझियनहितोही॥ शंकरविमुखजिआवसिमोही॥ कहिनजाइकछुहृदयगलानी॥ मनमहंरामहिंसुमिरसयानी॥ जौंप्रभुदीनदयालुकहावा॥ आरतिहरणवेदयशगावा॥ तौमैंविनयकरौंकरजोरी॥ छूटेवेगिदेहयहमोरी॥ जौमोरेशिवचरणसनेहू॥ मनक्रमवचनसत्यव्रतएहू॥

॥ दोहा॥

तौसमदर्शीसुनियप्रभु करोसोवेगिउपाइ॥
होइमरणजेहिविनहिंश्रम दुसहविपतिविहाइ॥

॥ चौपाई॥

यहिविधिदुखितप्रजेशकुमारी॥ अकथनीयदारुणदुखभारी॥ बीतेसंवतसहससतासी॥ तजीसमाधिशंभुअविनाशी॥ रामनामशिवसुमिरणलागे॥ जानेउसतीजगतपतिजागे॥ जाइशंभुपदवंदनकीन्हा॥ सनमुखशंकरआसनदीन्हा॥ लगेकहनहरिकथारसाला॥ दक्षप्रजेशभयेतेहिकाला॥ देखाविधि

विचारि सब लायक ॥ दक्षहि कीन्ह प्रजापति नायक ॥ बड अधिकार दक्ष जब पावा ॥ अति अभिमान हृदय तब आवा ॥ नहिं कोउ अस जनमेउ जग मांही ॥ प्रभुता पाइ जाहि मद नाहीं ॥

॥ दोहा ॥

दक्ष लिये मुनि बोलि सब करन लगे बड याग ॥
नेवते सादर सकल सुर जे पावत मखभाग ॥

॥ चौपाई ॥

किन्नर नाग सिद्ध गंधर्वा ॥ बधुन समेत चले सुर सर्वा ॥ विष्णु विरंचि महेश विहाई ॥ चले सकल सुर यान बनाई ॥ सती विलोके व्योम विमाना ॥ जात चले सुंदर विधि नाना ॥ सुर सुंदरी करहिं कल गाना ॥ सुनत श्रवण छूटहिं मुनि ध्याना ॥ पूछेउ तब शिव कहेउ बखानी ॥ पिता यज्ञ सुनि कछु हरखानी ॥ जो महेश मोहि आयसु देहीं ॥ कछु दिन जाय रहौं मिस एही ॥ पति परित्याग हृदय दुख भारी ॥ कहै न निज अपराध विचारी ॥ बोली सती मनोहर बानी ॥ भय संकोच प्रेम रस सानी ॥

॥ दोहा ॥

पिता भवन उत्सव परम जो प्रभु आयसु होइ ॥
तो मैं जाउं कृपायतन सादर देखन सोइ ॥

॥ चौपाई ॥

कहेउ नीक मोरे हु मन भावा ॥ यह अनुचित नहिं नेवत पठावा ॥ दक्ष सकल निज सुता बुलाई ॥ हमरे बयर तुम्हौं बिसराई ॥ ब्रह्मसभा हम सन दुख माना ॥ तेहि

तेहिअजहुंकरहिंअपमाना॥ जौंबिनुबोलेजाहुभवानी॥ रहैनसीलसनेहन कानी॥ यदपिमित्रप्रभुपितुगुरगेहा॥ जाइयबिनुबोलेहुनसंदेहा॥ तद पिविरोधमानजहंकोई॥ तहांगयेकल्यानहोई॥ भांतिअनेकसंभुसमुझावा॥ भावीवसनज्ञानउरआवा॥ कहप्रभुजाहुजोबिनहिंबोलाये॥ नहिंभलिबात हमारेभाये॥ ॥ दोहा॥

॥ कहिदेखाहरयतनबहु रहैनदक्षकुमारि॥

॥ दियेमुख्यगनसंगतब बिदाकियेत्रिपुरारि॥

॥ चौपाई॥

पिताभवनजबगईंभवानी॥ दक्षत्रासकाहुनसनमानी॥ सादरभलेहिंमिलीए कमाता॥ भगिनीमिलीबहुतमुसुकाता॥ दक्षनकछुपूछीकुशलाता॥ सतीहि बिलोकिजरेसबगाता॥ सतीजाइदेखेउतबजागा॥ कतहुंनदीखसंभुकरभागा॥ तबचितचढेउजोशंकरकहेऊ॥ प्रभुअपमानसमुझिउरदहेऊ॥ पाछिल दुखनहृदयअसब्यापा॥ जसयहभयउमहापरितापा॥ यद्यपिजगदारुन दुखनाना॥ सबतेंकठिनजातिअपमाना॥ समुझिसोसतिहिभयउअतिक्रोधा॥ बहुविधिजननीकीन्हप्रबोधा॥ ॥ दोहा॥

शिवअपमाननजाइसहि हृदयनहोतप्रबोध॥

सकलसभहिहठिहटकितब बोलीबचनसक्रोध॥

॥ चौपाई॥

सुनहुसभासदसकलमुनिंदा॥ कहीसुनीजिन्हशंकरनिंदा॥ सोफलतुरत लहबसबकाहू॥ भलीभांतिपछिताबपिताहू॥ संतसंभुश्रीपतिअपवादा॥ सुनिय

जहाँतहँअसमर्य्यादा॥ काटियतासुजीभजोबसाई॥ श्रवणमूँदिनतहिंचलीयप राई॥ जगदातमामहेशपुरारी॥ जगतजनकसबकेहितकारी॥ पितामंदम तिनिंदततेही॥ दक्षसुक्रसंभवयहदेही॥ तजिहौंतुरतदेहतेहिहेतू॥ उर धरिचंद्रमौलिवृषकेतू॥ असकहियोगअगिनितनुजारा॥ भयउसकलमखहा हाकारा॥

॥ दोहा ॥

सतीमरणसुनिशंभुगण लगेकरनमखखीस॥
यज्ञविध्वंसविलोकिभृगु रक्षाकीन्हमुनीश॥

॥ चौपाई ॥

समाचारजबशंकरपाये॥ वीरभद्रकरिकोपपठाये॥ यज्ञविध्वंसजाइतिन्हकी न्हा॥ सकलसुरन्हविधिवतफलदीन्हा॥ भैजगविदितदक्षगतिसोई॥ जस कछुशंभुविमुखकीहोई॥ यहइतिहाससकलजगजानी॥ तातेमैंसंक्षेपबखा नी॥ सतीमरतहरिसनवरमागा॥ जन्मजन्मशिवपदअनुरागा॥ तेहिकारणहि मगिरिगृहजाई॥ जनमीपारबतीतनुपाई॥ जबतेउमाशैलगृहजाई॥ स कलसिद्धिसंपतितहँछाई॥ जहँतहँमुनिनसुआश्रमकीन्हे॥ उचितवासहि मभूधरदीन्हे॥

॥ दोहा ॥

सदासुमनफलसहितसब द्रुमनवनानाजाति॥
प्रगटीसुंदरशैलपर मणिआकरबहुभाँति॥

॥ चौपाई ॥

सरितासबपुनीतजलवहहीं॥ खगमृगमधुपसुखीसबरहहीं॥ सहजबयरुस बजीवनत्यागा॥ गिरिपरसकलकरहिंअनुरागा॥ सोहशैलगिरिजागृहआये

जिमिजनसमभक्तिकेपायें ॥ नितिनूतनमंगलगृहताहू ॥ ब्रह्मादिकगावहिंयशजाहू ॥ नारदसमाचारसबपाये ॥ कौतुकहींगिरिगेहसिधाये ॥ शैलराजबडआदरकीन्हा ॥ पदपखारिवरआसनदीन्हा ॥ नारिसहितमुनिपदशिरनावा ॥ चरणसलिलसबभवनसिचावा ॥ निजसौभाग्यबहुतगिरिवरणा ॥ सुताबोलिमेलेमुनिचरणा ॥

॥ दोहा ॥

त्रिकालज्ञसर्वज्ञतुम गतिसर्वत्रतुम्हारि ॥
कहहुसुताकेदोषगुण मुनिवरहृदयविचारि ॥

॥ चौपाई ॥

कहमुनिविहँसिगूढमृदुवानी ॥ सुतातुम्हारिसकलगुणखानी ॥ सुंदरिसहजसुशीलसयानी ॥ नामउमाअंबिकाभवानी ॥ सबलक्षणसंपन्नकुमारी ॥ होइहिसंततपियहिपियारी ॥ सदाअचलएहिकरअहिवाता ॥ एहितेंयशपैहहिंपितुमाता ॥ होइहिपूज्यसकलजगमांही ॥ एहिसेवतकछुदुर्लभनाहीं ॥ एहिकरनामसुमिरिसंसारा ॥ त्रियचढिहहिंपतिव्रतअसिधारा ॥ शैलसुलक्षणसुतातुम्हारी ॥ सुनहुजेअबअवगुणदुइचारी ॥ अगुणअमानमातुपितुहीना ॥ उदासीनसबसंशयछीना ॥

॥ दोहा ॥

योगीजटिलअकाममन नगनअमंगलभेष ॥
अससामीयहिकहंमिलिहि परीहस्तअसरेख ॥

॥ चौपाई ॥

सुनिमुनिगिरासत्यजियजानी ॥ दुखदंपतिहिउमाहरखानी ॥ नारदहूंयहभेदनजाना ॥ दशाएकसमुझतविलगाना ॥ सकलसखीगिरिजागिरिमयना ॥

पुलकशरीरभरेजलनयना ॥ होइनमृषादेवऋषिभाखा ॥ उमासोवचनहृदयधरिरखा ॥ उपजेउशिवपदकमलसनेहू ॥ मिलनकठिनमनयहसंदेहू ॥ जानिकुअवसरप्रीतिदुराई ॥ सखीउछंगवैठीपुनिजाई ॥ झूठिनहोइदेवऋषिवानी ॥ सोचहिंदंपतिसखीसयानी ॥ उरधरिधीरकहैगिरिराऊ ॥ कहहुनाथकाकरियउपाऊ ॥ ॥दोहा॥

कहमुनीशहिमवंतसुनु जोविधिलिखालिलार ॥
देवदनुजनरनागमुनि कोउनमेटनिहार ॥

॥ चौपाई ॥

तदपिएकमैंकहौंउपाई ॥ होइकरैजोंदैवसहाई ॥ जसवरमैंवरणेउंतुमपाहीं ॥ मिलिहिउमहिंकछुसंशयनाहीं ॥ जेजेवरकेदोषवखाने ॥ तेसवशिवपहंमैंअनुमाने ॥ जोंविवाहशंकरसनहोई ॥ दोषौगुणसमकहसबकोई ॥ जोंअहिशेजशयनहरिकरहीं ॥ बुधकछुतिनकरदोषनधरहीं ॥ भानुकृशानुसर्वरसखाहीं ॥ तिनकहँमंदकहतकोउनाहीं ॥ शुभअरुअशुभसलिलसबबहई ॥ सुरसरिकोउअपुनीतनकहई ॥ समरथकहँनहिंदोषगुसाईं ॥ रविपावकसुरसरिकीनाईं ॥ दोहा ॥ जोंअसहिसिषाकरहिंनरजडविवेकअभिमान ॥ परहिंकल्पभरिनरकमहँजीवकिईशसमान ॥ सुरसरिजलकृतवारुणिजाना ॥ कबहुँनसंतकरहिंतेहिपाना ॥ सुरसरिमिलेसोपावनजैसे ॥ ईशअनीशहिंअंतरतैसे ॥ शंभुसहजसमरथभगवाना ॥ एहिविवाहसबविधिकल्याना ॥ दुराराध्यपैअहहिंमहेशू ॥ आशुतोषपुनिकियेकलेशू ॥ जोंतपकरैकुमारितुम्हारी ॥ भावीउमेटिसकैंत्रिपुरारी ॥ यद्यपिवरअनेकजगमाहीं ॥ यहिकहंनशिवदूसरनाहीं ॥ वरदायकप्रणतारतिभंजन ॥ कृपासिंधुसेवकमनरंजन ॥ इच्छितफलविनुशिवअवराधें ॥ लहइनकोटियोगजपसाधें ॥ ॥दोहा॥

असकहिनारदसुमिरिहरि गिरिजहिंदीन्हअशीष ॥
होइहियहिकल्याणअब संशयतजहुगिरीश ॥

॥ चौपाई ॥

कहिअसब्रह्मभवनमुनिगयेऊ ॥ आगिलचरितसुनहुजसभयेऊ ॥ पतिहिंइ

कंतपायकहमयना ॥ नाथनमैंसमुझेउंमुनिवयना ॥ जौंघरवरकुलहोइअनूपा ॥ करियविवाहसुताअनुरूपा ॥ ननुकन्यावरुरहोकुमारी ॥ कंतउमामम प्राणपियारी ॥ जौंनमिलिहिवरगिरिजहियोगू ॥ गिरिजडसहजकहहिंसव लोगू ॥ सोविचारिअसकरहुविवाहू ॥ जेहिंनवहोरिहोइउरदाहू ॥ असकहि परीचरणधरिसीसा ॥ बोलेसहितसनेहगिरीशा ॥ बरुपावकप्रगटैशशिमांही ॥ नारदवचनअन्यथानाहीं ॥ ॥ दोहा ॥

प्रियासोचपरिहरहुसव सुमिरहुश्रीभगवान ॥
पारवतीजिननिर्मयउ सोइकरिहहिकल्यान ॥

॥ चौपाई ॥

अवजौंतुमहिंसुतापरनेहू ॥ तौअसजाइसिखावनदेहू ॥ करैसोतपजेहिंमिलहिंमहेसू ॥ आनउपायनमिटिहिकलेसू ॥ नारदवचनसत्यसवहेतू ॥ सुंदरसवगुणनिधिवृषकेतू ॥ असविचारितुमतजुसवशंका ॥ सवहिंभांतिशंकरअकलंका ॥ सुनिपतिवचनहर्षमनमाहीं ॥ गयीतुरतउठिगिरिजापाहीं ॥ उमहिंविलोकिनयनभरिवारी ॥ सहितसनेहगोदवैठारी ॥ वारहिवारलेतिउरलाई ॥ गदगदकंठवकछुकहिजाई ॥ जगतमातुसर्वज्ञभवानी ॥ मातुसुखदवोलीमृदुवानी ॥ ॥ दोहा ॥

सुनहुमातुमैंदीखअस सपनसुनाऊंतोहि ॥
सुंदरगौरसुविप्रवर असउपदेशेउमोहि ॥

॥ चौपाई ॥

करहुजाइतपशैलकुमारी ॥ नारदकहासोसत्यविचारी ॥ मातुपितहियहपु

निमतभावा ॥ तपसुखप्रददुखदोषनशावा ॥ तपबलरचैप्रपंचबिधाता ॥ तपब
लविष्णुसकलजगत्राता ॥ तपबलशंभुकरहिंसंघारा ॥ तपबलशेषधरहिंमहि
भारा ॥ तपअधारसबसृष्टिभवानी ॥ करहुजाइतपअसजियजानी ॥ सुनत
वचनबिस्मितमहतारी ॥ सपनसुनायेउगिरिहिहंकारी ॥ मातुपितहिबहुबि
धिसमुझाई ॥ चलीउमातपहितहरखाई ॥ प्रियपरिवारपिताअरुमाता ॥ भ
येबिकलमुखआवनबाता ॥ ॥ दोहा ॥

वेदशिरामुनिआइतब सबहिंकहासमुझाइ ॥
पारवतीमहिमासुनत रहेप्रबोधहिपाइ ॥

॥ चौपाई ॥

उरधरिउमाप्राणपतिचरणा ॥ जाइबिपिनलागीतपकरणा ॥ अतिसुकुमारि
नतनुतपयोगू ॥ पतिपदसुमिरितजेउसबभोगू ॥ नितिनवचरणउपजअनुरा
गा ॥ बिसरीदेहतपहिमनलागा ॥ संबतसहसमूलफलखाये ॥ शाकखाइशतब
र्षगंवाये ॥ कछुदिनभोजनबारिबतासा ॥ कियेकठिनकछुदिनउपवासा ॥ वेलपा
तमहिपरेसुखाई ॥ तीनिसहससंबतसोखाई ॥ पुनिपरिहरेउसुखानेउप
र्णा ॥ उमानामतबभयउअपरणा ॥ देखिउमहितपक्षीनशरीरा ॥ ब्रह्मगिराभ
यीगगनगंभीरा ॥ ॥ दोहा ॥

भयउमनोरथसुफलतव सुनुगिरिराजकुमारि ॥
परिहरदुसहकलेससब अबमिलिहहिंत्रिपुरारि ॥

॥ चौपाई ॥

असतपकाहुनकीन्हभवानी ॥ भयेअनेकधीरमुनिज्ञानी ॥ अबउरधरहुब्रह्म

बरबानी ॥ सत्यसदासंततमुनिजानी ॥ आवेंपिताबुलावनजबहीं ॥ हठपरि
हरिघरजायहुतबहीं ॥ मिलहिंतुमहिंजबसप्तरिषीसा ॥ जानेहुतबप्रमान
बागीसा ॥ सुनतगिराविधिगगनबखानी ॥ पुलकगातगिरिजाहरषानी ॥ उ
माचरितमैंसुंदरगावा ॥ सुनहुशंभुकरचरितसुहावा ॥ जबतेंसतीजाइतनु
त्यागा ॥ तबतेंशिवमनभयेउविरागा ॥ जपहिंसदारघुनायकनामा ॥ जहंतहं
सुनहिंरामगुणग्रामा ॥ ॥ दोहा ॥

चिदानंदसुखधामशिव विगतमोहमदकाम ॥
विचरहिंमहिधरिहृदयहरि सकललोकअभिराम ॥

॥ चौपाई ॥

कतहुंमुनिनउपदेशहिंज्ञाना ॥ कतहुंरामगुणकरहिंबखाना ॥ यदपिअका
मतदपिभगवाना ॥ भक्तविरहदुखदुखितसुजाना ॥ यहिविधिगयेउकालबहु
बीती ॥ नितनवहोइरामपदप्रीती ॥ नेमप्रेमशंकरकरदेखा ॥ अविचलहृद
यभक्तिकीरेखा ॥ प्रगटेरामकृतज्ञकृपाला ॥ रूपशीलनिधितेजविशाला ॥ बहु
प्रकारशंकरहिसराहा ॥ तुमबिनुअसव्रतकोनिरबाहा ॥ बहुविधिरामशिवहिंस
मुझावा ॥ पारवतीकरजन्मसुनावा ॥ अतिपुनीतगिरिजाकीकरणी ॥ विस्तरस
हितकृपानिधिवरणी ॥ ॥ दोहा ॥

अवविनतीममसुनहुशिव जौंमोपरनिजनेहु ॥
जाइविवाहहुशैलजहि यहमोहिमांगेदेहु ॥

॥ चौपाई ॥

कहशिवयदपिउचितअसनाहीं ॥ नाथवचनपुनिमेटिनजाहीं ॥ शिरधरि

आयसु करिय तुम्हारा ॥ परम धरम यह नाथ हमारा ॥ मातु पिता गुरु प्रभु कै बानी ॥ बिनहिं बिचार करिय शुभ जानी ॥ तुम सब भांति परम हितकारी ॥ आज्ञा शिर पर नाथ तुम्हारी ॥ प्रभु तोषेउ सुनि शंकर बचना ॥ भक्ति बिबेक धर्मयुत रचना ॥ कह प्रभु हर तुम्हार प्रण रहेऊ ॥ अब उर राखेउ जो हम कहेऊ ॥ अंतधान भये अस भाखी ॥ शंकर सो मूरति उर राखी ॥ तबहिं सप्तऋषि शिव पहं आये ॥ बोले प्रभु अस बचन सुहाये ॥ ॥ दोहा ॥

पारबती पहं जाइ तुम प्रेम परीक्षा लेऊ ॥
गिरिहि प्रेरि पठयेउ भवन दूर करउ संदेऊ ॥

॥ चौपाई ॥

ऋषिन गौरि देखी तहं कैसी ॥ मूरतिवंत तपस्या जैसी ॥ बोले मुनि सुनु शैलकुमारी ॥ करहु कवन कारण तप भारी ॥ केहि आराधहु का तुम चहहू ॥ हम सन सत्य मर्म किन कहहू ॥ सुनत ऋषिन के बचन भवानी ॥ बोली गूढ मनोहर बानी ॥ कहत बचन मन अति सकुचाई ॥ हंसिहहु सुनि हमार जडताई ॥ मन हठ परा न सुनै शिखावा ॥ चहत बारि पर भीति उठावा ॥ नारद कहा सत्य सोइ जाना ॥ बिनु पंखन हम चहहिं उडाना ॥ देखिय मुनि अबिबेक हमारा ॥ चाहत पति शंकर अबिकारा ॥ ॥ दोहा ॥

सुनत बचन बिहंसे ऋषय गिरिसंभव तव देह ॥
नारद कर उपदेश सुनि कहहु बसे को गेह ॥

॥ चौपाई ॥

दक्ष सुतन्ह उपदेशिन जाई ॥ तिन फिरि भवन न देखे आई ॥ चित्रकेतु कर घर

ऊनघाला॥ कनककशिपुकरपुनिअसहाला॥ नारदशिषसुनहिंनरनारी॥ अवशिभवनतजिहोंहिभिखारी॥ मनकपटीतनसज्जनचीन्हा॥ आपसरिसमवहीचहकीन्हा॥ तेहिकेवचनमानिविश्वासा॥ तुमचाहऊपतिसहजउदासा॥ निर्गुणनिलजकुवेषकपाली॥ अकुलअगेहदिगंबरव्याली॥ कहऊकवनसुखअसवरपाये॥ भलभूलिऊठगकेवौराये॥ पंचकहेशिवसतीविवाही॥ पुनिअवडेरिमराइनताही॥ ॥ दोहा॥

अवसुखसोवतसोचनहि भीखमांगिभवखांहि॥
सहजएकाकिनकेभवन कवऊंकिनारिखटांहि॥

॥ चौपाई॥

अजहूंमानऊकहाहमारा॥ हमतुमकहूंवरनीकविचारा॥ अतिसुंदरशुचिसुखदसुशीला॥ गावंहिवेदजासुयशलीला॥ दूषणरहितसकलगुणराशी॥ श्रीपतिपुरवैकुंठनिवासी॥ असवरतुमहिंमिलाउवआनी॥ सुनतविहंसिकहवचनभवानी॥ सत्यकहऊगिरिभवतनएहा॥ हठनछूटछूटेवरुदेहा॥ कनकौपुनिपषाणतेहोई॥ जारेऊसहजनपरिहरसोई॥ नारदवचनमैंपरिहरऊं॥ वसोभवनउजरोनहिडरऊं॥ गुरुकेवचनप्रतीतिनजेही॥ सपनेऊसुगमनसुखसिधितेही॥ ॥ दोहा॥

महादेवअवगुणभवन विष्णुसकलगुणधाम॥
जेहिकरमनरमजाहिसन ताहितांहिसनकाम॥

॥ चौपाई॥

जौंतुममिलितेऊप्रथममुनीशा॥ सुनतेंउशिषतुम्हारधरिसीसा॥ अवमैंजन्म

संभुहितहारा ॥ कोगुणदोषकहिंकरैबिचारा ॥ जौंतुम्हरेहठहृदयबिसेषी ॥ र
हिनजाइबिनुकियेंबरेषी ॥ तौकौतुकिअन्हआलसनाहीं ॥ बरकन्याअनेकज
गमांही ॥ जन्मकोटिलगिरगरिहमारी ॥ बरौंसंभुनतरहौंकुमारी ॥ तजौंननना
रदकरउपदेसू ॥ आपुकहहिंसतबारमहेसू ॥ मैंपापरौंकहैजगदंबा ॥ तुम
गृहगवनहुभयउबिलंबा ॥ देखिप्रेमबोलेमुनिज्ञानी ॥ जयजयजयजगदंब
भवानी ॥

॥ दोहा ॥

तुममायाभगवानशिव सकलजगतपितुमातु ॥
नाइचरणशिरमुनिचले पुनिपुनिहर्षितगातु ॥

॥ चौपाई ॥

जाइमुनिन्हहिमवंतपठाये ॥ करिबिनतीगिरिजहिगृहल्याये ॥ बहुरिसप्त
ऋषिशिवपहँआई ॥ कथाउमाकीसकलसुनाई ॥ भयेमगनशिवसुनतसने
हा ॥ हरषिसप्तऋषिगवनेगेहा ॥ मनथिरकरितबसंभुसुजाना ॥ लगेकर
णरघुनायकध्याना ॥ तारकअसुरभयेतेहिकाला ॥ भुजप्रतापबलतेजबिशाला
॥ तेसबलोकलोकपतिजीते ॥ भयेदेवसुखसंपतिरीते ॥ अजरअमरसोजीति
नजाई ॥ हारेसुरकरिबिबिधिलराई ॥ तबबिरंचिसनजाइपुकारे ॥ देखेबि
धिसबदेवदुखारे ॥

॥ दोहा ॥

सबसनकहाबुझायबिधि दनुजनिधनतबहोइ ॥
संभुसुक्रसंभूतसुत एहिजीतैरणसोइ ॥

॥ चौपाई ॥

मोरकहासुनिकरहुउपाई ॥ होइहिईश्वरकरिहिसहाई ॥ सतीजोतजीद

हमरवदेहा॥ जनमींजाइहिमाचलगेहा॥ तेइंतपकीन्हसंभुपतिलागी॥ सि
वसमाधिबैठेसबत्यागी॥ यदपिअहैअसमंजसभारी॥ तदपिबातएकसुनहु
हमारी॥ पठवहुकामजाइसिवपाहीं॥ करेछोभसंकरमनमाहीं॥ तवहम
जाइसिवहिंसिरनाई॥ करवाउबबिबाहबरिआई॥ यहिबिधिभलेहिदेव
हितहोई॥ मतअतिनीककहाम्बकोई॥ अस्तुतिसुरनकीन्हअतिहेतू॥ प्रग
टेउबिषमबानझषकेतू॥ ॥ दोहा॥

सुरनकहीनिजबिपतिसब सुनिमनकीन्हबिचार॥
संभुबिरोधनकुसलमोहि बिहंसिकहेउअसमार॥

॥ चौपाई॥

तदपिकरबमैंकाजतुम्हारा॥ श्रुतिकहपरमधर्मउपकारा॥ परहितलागितजैजो
देही॥ संततसंतप्रसंसहिंतेही॥ असकहिचलेउसबहिंसिरनाई॥ सुमनध
नुषकरसहितसहाई॥ चलतमारअसहृदयबिचारा॥ सिवबिरोधध्रुवमरनहमा
रा॥ तबआपनप्रभावबिस्तारा॥ निजबसकीनसकलसंसारा॥ कोपेउजबहिंवा
रिचरकेतू॥ छनमहंमिटेसकलश्रुतिसेतू॥ ब्रह्मचर्यब्रतसंयमनाना॥ धीरज
धर्मज्ञानबिज्ञाना॥ सदाचारजपजोगबिरागा॥ सभयबिबेककटकसबभागा॥

॥ छंद॥

भागेउबिबेकसहाइसहितसोसुभटसंयुगमहिमुरे॥ ● ॥ सदग्रं
थपर्वतकंदरनमहंजाइतेहिअवसरदुरे॥ ● ॥ होनिहारकाकर
तारकोरखवारजगखरभरपरा॥ ● ॥ दुइमाथकेहिरतिनाथजेहि
कहुंकोपिधनुशरकरधरा॥

॥ दोहा ॥

जेसजीवजगअचरचर नारिपुरुषअसनाम ॥
तेनिजनिजमर्य्यादतजि भयेसकलवशकाम ॥

॥ चौपाई ॥

सबकेहृदयमदनअभिलाषा ॥ लतानिहारिनवहिंतरुशाखा ॥ नदीउमगिअंबुधिकहंधाई ॥ संगमकरहिंतलावतलाई ॥ जहंअसदशाजडनकीवरणी ॥ कोकहिशकैसचेतनकरणी ॥ पशुपक्षीनभजलथलचारी ॥ भयेकामवशसमयविसारी ॥ मदनअंधव्याकुलसवलोका ॥ निशदिननहिंअवलोकहिंकोका ॥ देवदनुजनरकिन्नरव्याला ॥ प्रेतपिशाचभूतवैताला ॥ इनकीदशानकहेउवखानी ॥ सदाकामकेचेरेजानी ॥ सिद्धविरक्तमहामुनियोगी ॥ तेपिकामवशभयेवियोगी ॥

॥ छंद ॥

भयेकामवशयोगीशतापसपामरनकीकोकहै ॥ ● ॥ देखहिंचराचरनारिमयजेब्रह्ममयदेखतरहे ॥ ● ॥ अवलाविलोकहिंपुरुषमयजगपुरुषसवअवलामयं ॥ ● ॥ दुइदंडभरिब्रह्मांडभीतरकामकृतकौतुकअयं ॥

॥ सोरठा ॥

धरीनाकाहूधीर सवकेमनमनसिजहरे ॥
जेहिराखेरघुवीर तेउवरेतेहिकालमंह ॥

॥ चौपाई ॥

उभयघरीअसकौतुकभयऊ ॥ जवलगिकामशंभुपंहगयऊ ॥ शिवहिविलोकि

सभंकेउमाहू॥ भयउयथाथितसबसंसारू॥ भयउतुरतजगजीवसुखारे॥
जिमिमदउतरिगयेमतवारे॥ रुद्रहिंदेखिमदनभयमाना॥ दुराधर्षदुर्गम
भगवाना॥ फिरतलाजकछुकरिनहिंजाई॥ मरणठानिमनरचेसिउपाई॥
प्रगटेसितुरतरुचिरऋतुराजा॥ कुसुमितनवतरुराजिविराजा॥ बनउपबनवा
पिकातडागा॥ परमसुभगसबदिशाविभागा॥ जहंतहंजनुउमगतअनुरागा॥
देखिमुएहुमनमनसिजजागा॥ ॥छंद॥

जागेउमनोभवमुएहुमनबनसुभगतानपरैकही॥ ● ॥ शीतल
सुगंधसुमंदमारुतमदनअनलशाखासही॥ ● ॥ विकसेसरन्हिब
हुकंजगुंजतपुंजमंजुलमधुकरा॥ ● ॥ कलहंसपिकशुकसरसर
वकरिगाननाचहिंअपसरा॥ ●●● ॥ दोहा॥ ●●●●●●●●

सकलकलाकरिकोटिविधि हारेउसेनसमेत॥
चलीनअचलसमाधिशिव कोपेउहृदयनिकेत॥

॥चौपाई॥

देखिरसालविटपवरशाखा॥ तेहिपरचढेउमदनमनमाखा॥ सुमनचापनिज
शरसंधाने॥ अतिरिशिताकिश्रवनलगिताने॥ छाडेविषमविशिखउरलागे॥
छूटिसमाधिशंभुतबजागे॥ भयउईशमनक्षोभविशेषी॥ नयनउघारिसकल
दिशदेखी॥ सौरभपल्लवमदनविलोका॥ भयउकोपकंपेउत्रयलोका॥ तवशि
वतीसरनयनउघारा॥ चितवतकामभयउजरिछारा॥ हाहाकारभयउजग
भारी॥ डरपेसुरभयेअसुरसुखारी॥ समुझिकामसुखसोचहिंभोगी॥ भये
अकंटकसाधकयोगी॥ ॥छंद॥

योगीअकंटकभयेउपतिगतिसुनतिरतिमूर्छितभयी ॥ ● ॥ रोदति
वदतिबजुभांतिकरुणाकरतिशंकरपहंगयी ॥ ● ॥ अतिप्रेमकरि
विनतीविविधिविधिजोरिकरसन्मुखरही ॥ ● ॥ प्रभुआसुतोषक
पालुशिवअबलानिरखिबोलेसही ॥ ●●● ॥ दोहा ॥ ●●●●●

अबतेरतितवनाथकर होइहिनामअनंग ●● ॥
विनुवपुव्यापिहिसबहिंपुनि सुनुनिजमिलनप्रसंग ॥

॥ चौपाई ॥

जबयदुवंशकृष्णअवतारा ॥ होइहिहरणमहामहिभारा ॥ कृष्णतनयहोइ
हिपतितोरा ॥ बचनअन्यथाहोइनमोरा ॥ रतिगवनीसुनिशंकरबानी ॥ कथाअ
परअबकहौंबखानी ॥ देवनसमाचारसबपाये ॥ ब्रह्मादिकबैकुंठसिधाये ॥ सब
सुरविष्णुविरंचिसमेता ॥ गयेजहांशिवकृपानिकेता ॥ पृथक् पृथक् तिनकीन्ह
प्रशंसा ॥ भयेप्रसन्नचंद्रअवतंसा ॥ बोलेकृपासिंधुवृषकेतू ॥ कहहुअमरआये
केहिहेतू ॥ कहविधितुमप्रभुअंतरजामी ॥ तदपिभक्तिवशविनवउंस्वामी ॥

॥ दोहा ॥

सकलसुरनकेहृदयअस शंकरपरमउछाह ॥
निजनयनदेखाचहहिं नाथतुम्हारविवाह ●● ॥

॥ चौपाई ॥

यहउत्सवदेखियभरिलोचन ॥ सोकछुकरियमदनमदमोचन ॥ कामजारि
रतिकहंबरदीन्हा ॥ कृपासिंधुयहअतिभलकीन्हा ॥ शासतिकरिपुनिकरहिंप
साऊ ॥ नाथप्रभुनकरसहजसुभाऊ ॥ पारवतीतपकीन्हअपारा ॥ करहुतासु

अबअंगीकारा ॥ सुनिबिधिबचनसमुझिप्रभुबानी ॥ ऐसेइहोउकहासुखमानी ॥ तबदेवनदुंदुभीबजाई ॥ बरषिसुमनजयजयसुरसाई ॥ अवसरजानिसप्तरिषिआये ॥ तुरतहिबिधिगिरिभवनपठाये ॥ प्रथमगयेजहँरहींभवानी ॥ बोलेबचनमधुरछलसानी ॥

॥ दोहा ॥

कहाहमारनसुनेहुतब नारदकरउपदेश ॥
अबभाझूठतुम्हारप्रण जारेउकाममहेश ॥

॥ चौपाई ॥

सुनिबोलीमुसुकाइभवानी ॥ उचितकहेहुमुनिबरबिज्ञानी ॥ तुम्हरेजानकामहरजारा ॥ अबलगिशंभुरहेसबिकारा ॥ हमरेजानसदाशिवयोगी ॥ अजअनवद्यअकामअभोगी ॥ जौंमैंशिवसेयेअसजानी ॥ प्रीतिसमेतकर्ममनबानी ॥ तौहमारप्रणसुनहुमुनीशा ॥ करिहहिंसत्यकृपानिधिईशा ॥ तुमजोकहाहरजारेउमारा ॥ सोअतिबडअबिबेकतुम्हारा ॥ तातअनलकरसहजसुभाऊ ॥ हिमतेहिनिकटजाइनहिंकाऊ ॥ गयेसमीपसोअवशिनशाई ॥ जिमिसंपातिनिजपक्षगंवाई ॥

॥ दोहा ॥

हियहरषेमुनिबचनसुनि देखिप्रीतिविश्वास ॥
चलेभवानिहिनाइशिर गयेहिमाचलपास ॥

॥ चौपाई ॥

सबप्रसंगगिरिपतिहिसुनावा ॥ मदनदहनसुनिअतिदुखपावा ॥ बहुरिकहेउरतिकरबरदाना ॥ सुनिहिमवंतबहुतसुखमाना ॥ हृदयबिचारिशंभुप्रभुताई ॥ सादरमुनिवरलियेबुलाई ॥ सुदिनसुनखतसुघरीसुहाई ॥ बेगिबे

द्दविधिलगनधराई ॥ पत्रीसप्तऋषिनसोइदीन्हे ॥ गहिपदविनयहिमाचल कीन्हे ॥ जाइविधिहिंतिनदीन्हसोपाती ॥ बांचतप्रीतिनहृदयसमाती ॥ लगन बांचिग्रजसभहिंसुनाई ॥ हरषेमुनिसबसुरसमुदाई ॥ सुमनवृष्टिनभबाजा नबाजे ॥ मंगलकलशदशहूदिशिशाजे ॥ ॥ दोहा ॥

लगेसंवारनसकलसुर बाहनविविधिविमान ॥
होहिंसगुणमंगलशुभग करहिंअप्सरगान ॥

॥ चौपाई ॥

शिवहिंशंभुगणकरहिंसिंगारा ॥ जटामुकुटअहिमौरसंवारा ॥ कुंडलकंकनपहि रेब्याला ॥ तनविभूतिपटकेहरिछाला ॥ शशिललाटसुंदरशिरगंगा ॥ नयन तीनउपबीतभुजंगा ॥ गरलकंठउरनरशिरमाला ॥ अशिवभेषशिवधामकृपा ला ॥ करत्रिशूलअरुडमरुबिराजा ॥ चलेबसहचढिवाजहिंबाजा ॥ देखिशिव हिंसुरत्रियमुसुकाही ॥ वरलायकदुलहिनिजगनाही ॥ विष्णुविरंचिआदि सुरत्राता ॥ चढिचढिवाहनचलेबराता ॥ सुरसमाजसबभांतिअनूपा ॥ नहिंब रातदूलहअनुरूपा ॥ दोहा ॥

विष्णुकहाअसविहंसितब बोलिसकलदिशराज ॥
बिलगबिलगहोइचलहुसब निजनिजसहितसमाज ॥

॥ चौपाई ॥

बरअनुहारबरातनभाई ॥ हंसीकरैहहुपरपुरजाई ॥ बिष्णुबचनसुनिसु रमुसुकाने ॥ निजनिजसेनसहितबिलगाने ॥ मनहीमनमहेशमुसुकाहीं ॥ ह रिकेव्यंगबचननहिंजाहीं ॥ अतिप्रियवचनसुनतहरिकेरे ॥ भृंगीप्रेरिसकल

गणटेरे॥ शिवअनुशासनसुनिसबआये॥ प्रभुपदजलजशीसतिननाये॥ नाना
वाहननानाभेषा॥ विहंसेशिवसमाजनिजदेखा॥ कोउमुखहीनविपुलमुखकाहू
॥ विनुपदकरकोउबहुपदबाहू॥ विपुलनयनकोउनयनविहीना॥ रिष्टपु
ष्टकोउअतितनुक्षीणा॥ ॥ छंद ॥

तनुक्षीणकोउअतिपीनपावनकोउअपावनतनुधरे॥ ● ॥ भूषण
करालकपालकरसबसद्यशोणिततनुभरे॥ ● ॥ खरश्वानसुअरसृग
ालमुखगणभेषअगणितकोगनै॥ ● ॥ बहुजिनिसप्रेतपिशाचयो
गिजमातिवरनतनहिंबनै॥ ● ॥ सोरठा ॥

नाचहिंगावहिंगीत परमतरंगीभूतसब॥ ● ॥
देखतअतिविपरीत बोलहिंवचनविचित्रविधि॥

॥ चौपाई ॥

जसदूलहतसबनीवराता॥ कौतुकविविधहोहिंमगजाता॥ इहांहिमाचलर
चेउविताना॥ अतिविचित्रनहिंजायबखाना॥ शैलसकलजहंलगिजगमांही
॥ लघुविशालनहिंवरनिसिराहीं॥ वनसागरसबनदीतलावा॥ हिमगिरिसबक
हुंनेवतपठावा॥ कामरूपसुंदरतनुधारी॥ सहितसमाजसहितवरनारी॥ ग
येसकलहिमाचलगेहा॥ गावहिंमंगलसहितसनेहा॥ प्रथमहिंगिरिबहुगृह
संवराये॥ यथायोगजहंतहंसबछाये॥ पुरशोभाअवलोकिसुहाई॥ लागेल
घुविरंचिनिपुनाई॥ ॥ छंद ॥

लघुलागविधिकीनिपुनताअवलोकिपुरशोभासही॥ ● ॥ वनबाग
कूपतडागसरितासुभगसबशककोकही॥ ● ॥ मंगलविपुलतोर

णपताकाकेतुगृहगृहसोहहीं ॥ ● ॥ वनितापुरुषसुंदरचतुरछ
बिदेखिमुनिमनमोहहीं ॥ ॥ दोहा ॥

जगदंबाजहँअवतरी सोपुरवरनिनजाइ ॥
ऋद्धिसिद्धिसंपतिसकल नितिनूतनअधिकाइ ॥

॥ चौपाई ॥

नगरनिकटबरातसुनिआई ॥ पुरखरभरशोभाअधिकाई ॥ करिबनावसजिवाहननाना ॥ चलेलेनसादरअगवाना ॥ हियहरषेसुरसेननिहारी ॥ हरिहिदेखिअतिभयेसुखारी ॥ शिवसमाजजबदेखनलागे ॥ बिडरिचलेवाहनसबभागे ॥ धरिधीरजतहांरहेसयाने ॥ बालकसबलैजीवपराने ॥ गयेभवनपूछहिंपितुमाता ॥ कहहिंबचनभयकंपितगाता ॥ कहियकहाकहिजाइनबाता ॥ यमकरधारकिधौंवरियाता ॥ वरबौराहबरदअसवारा ॥ व्यालकपालविभूषणछारा ॥

॥ छंद ॥

तनछारव्यालकपालभूषणनगनजटिलभयंकरा ॥ ● ॥ संगभूतप्रेतपिशाचयोगिनिविकटमुखरजनीचरा ॥ ● ॥ जोजियतरहिहिंबरातदेखतपुण्यबडतेहिकरसही ॥ ● ॥ देखिहिंसोउमाबिवाहघरघरबातअसलरिकनकही ॥ ॥ दोहा ॥

समुझिमहेशसमाजसब जननिजनकमुसुकांहि ॥
बालबुझायेबिविधिविधि निडरहोउडरनाहिं ● ॥

॥ चौपाई ॥

लैअगवानबरातहिआये ॥ दियेसबहिजनवांससुहाये ॥ मैनाशुभआरतीसंवा

रीं॥ संगसुमंगलगावहिंनारी॥ कंचनथारसोहवरपानी॥ परिछनचलीहरहिंहरषानी॥ विकटभेषजवरुद्रहिंदेखा॥ अवलनउरभयभयेउविशेषा॥ भागिभवनपैठींअतित्रासा॥ गयेउमहेशजहांजनवासा॥ मयनाहृदयभयेउदुखमारी॥ लीन्हीबोलिगिरीशकुमारी॥ अधिकसनेहगोदवैठारी॥ श्यामसरोजनयनभरिवारी॥ जेइविधितुम्हहिंरूपअसदीन्हा॥ तेइजडवरवावरकसकीन्हा॥

॥ छंद॥

कसकीन्हवरवौराहविधिजेइतुमहिंसुंदरतादई॥ ● ॥ जोफलचहियसुरतरुहिंसोवरवसववूरहिंलागई॥ ● ॥ तुमसहितगिरितेंगिरौंपावकजरौंजलनिधिमहंपरौं॥ ● ॥ घरजाउअपयशहोउजगजीवतविवाहनहौंकरौं॥ ● ॥ दोहा॥

भयींविकलअवलासकल दुखितदेखिगिरिनारि॥
करिविलापरोदतिवदति सुतासनेहसंभारि॥

॥ चौपाई॥

नारदकरमैंकाहविगारा॥ भवनमोरजिनवसतउजारा॥ असउपदेशउमहिंजिनदीन्हा॥ वौरेवरहिंलागितपकीन्हा॥ सांचेहुउनकेमोहनमाया॥ उदासीनधनधामनजाया॥ परघरघालकलाजनभीरा॥ वांझकीजानप्रसवकीपीरा॥ जननिहिंविकलविलोकिभवानी॥ वोलीयुतविवेकमृदुवानी॥ असविचारिसोचहुमतिमाता॥ सोनटरैजोरचैविधाता॥ करमलिखाजौंवावरनाहू॥ तौकतदोषलगाउवकाहू॥ तुमसनमिटिहिकिविधिकेअंका॥ मातुव्यर्थजनिलेहुकलंका॥

॥ छंद॥

अनिलेउमानुकलंककरुणापरिहरउअवसरनहीं ॥ ॥ दुख

सुखजोलिखालिलारहमरेजावजहंपाउवतहीं ॥ ॥ सुनिउमा

वचनविनीतकोमलसकलअवलासोचहीं ॥ ॥ बऊभांतिविधिहिं

लगाइदूषणनयनबारिविमोचहीं ॥ ॥ दोहा ॥

तेहिअवसरनारदसहित अरुचहषिसप्तसमेत ॥

समाचारसुनितुहिनगिरि गवनेतुरतनिकेत ॥

॥ चौपाई ॥

तवनारदसवहींसमुझावा ॥ पूर्वकथाप्रसंगसुनावा ॥ मयनासत्यसुनऊममबा नी ॥ जगदंबातवसुताभवानी ॥ अजअनादिशक्तिअविनाशिनि ॥ सदाशंभुअर धंगनिवासिनि ॥ जगसंभवपालनलयकारिणि ॥ निजइच्छालीलावपुधारिणि ॥ जनमीप्रथमदक्षगृहजाई ॥ नामसतीसुंदरतनुपाई ॥ तहऊंसतीशंकरहिवि बाही ॥ कथाप्रसिद्धसकलजगमाहीं ॥ एकवारआवतिशिवसंगा ॥ देखेउरघु कुलकमलपतंगा ॥ भयउमोहशिवकहानकीन्हा ॥ भ्रमवशभेषसीयकरलीन्हा ॥

॥ छंद ॥

सियभेषसतीजोकीन्हतेहिअपराधशंकरपरिहरी ॥ ॥ हरविर

हजाइबहोरपितुकेयज्ञयोगानलजरी ॥ ॥ अवजनमितुम्हरे

भवननिजपतिलागिदारुणतपकिया ॥ ॥ असजानिसंशयतजऊ

गिरिजासर्वदाशंकरप्रिया ॥ ॥ दोहा ॥

सुनिनारदकेबचनतब सवकरमिटाविषाद ॥

क्षणमहंव्यापेउसकलपुर घरघरयहसंबाद ॥

नवमयनाहिमवंतअनंदे ॥ पुनिपुनिपारवतीपदवंदे ॥ नारिपुरुषशिशुयुवास याने ॥ नगरलोगसबअतिहरषाने ॥ लगेहोनपुरमंगलगाना ॥ सजेसबहि हाटकघटनाना ॥ भांतिअनेकभयेजेंवनारा ॥ सूपशास्त्रजसकछुव्यवहारा ॥ सो जेंवनारकीजाइवखानी ॥ बसहिंभवनजेहिमातुभवानी ॥ सादरबोलेसकलब राती ॥ बिष्णुविरंचिदेवसबजाती ॥ बिविधपांतिबैठीजेंवनारा ॥ लगेपरोसननि पुनसुआरा ॥ नारिवृन्दसुरजेंवतजानी ॥ लागीदेनगारिमृदुबानी ॥

॥ छंद ॥

गारीमधुरसुरदेहिसुंदरिव्यंगवचनसुनावहीं ॥ ● ॥ भोजन करहिंसुरअतिविलंबविनोदसुनिसचुपावहीं ॥ ● ॥ जेंवतजोब ढ्यौअनंदसोमुखकोटिहूंनपरैकही ॥ ● ॥ अंचवाइदीन्हेपानगव नेबासजहंजाकोरही ॥ ●●● ॥ दोहा ॥ ●●●●●●

बहुरिमुनिवहिमवंतकहं लगनजनाईआइ ॥
समयविलोकिविवाहकर पठयेदेवबुलाइ ● ॥

॥ चौपाई ॥

बोलिसकलसुरसादरलीन्हे ॥ सबहिंयथोचितआसनदीन्हे ॥ बेदीबेदविधान संवारी ॥ शुभगसुमंगलगावहिंनारी ॥ सिंघासनअतिदिव्यसुहावा ॥ जाइन वरणिविरंचिबनावा ॥ बैठेशिवविप्रन्हिशिरनाई ॥ हृदयसुमिरिनिजप्रभुरघु राई ॥ बहुरिमुनीशनउमाबुलाई ॥ करिशृंगारसखीलैआई ॥ देखतरूपसकल सुरमोहे ॥ बरनैछविअसजगकविकोहै ॥ जगदंबिकाजानिभवभामा ॥ सुरन मनहिंमनकीन्हप्रणामा ॥ सुंदरतामर्य्यादभवानी ॥ जाइनकोटिहुंवदनब

खानी ॥ ॥ छंद ॥

कोटिहुंवदननहिंवनैबरणतजगजननिशोभामहा ॥ ● ॥ सकुचहिंकहतश्रुतिशेषसारदमंदमतितुलसीकहा ॥ ● ॥ छविखानिमातुभवानिगवनीमध्यमंडपशिवजहां ॥ ● ॥ अवलोकिसकहिंनसकुचिपतिपदकमलमनमधुकरतहां ॥ ॥ दोहा ॥

मुनिअनुशासनगणपतिहिं पूजेशंभुभवानि ● ● ॥

कोउसुनिसंशयकरैजनि सुरअनादिजियजानि ॥

॥ चौपाई ॥

जसविवाहकीविधिश्रुतिगाई ॥ महामुनिनसोसबकरवाई ॥ गहिगिरीशकुशकन्यापाणी ॥ शिवहिंसमर्पीआनिभवानी ॥ पाणिग्रहणजबकीन्हमहेशा ॥ हियहरषेतबसकलसुरेशा ॥ वेदमंत्रमुनिवरउचरहीं ॥ जयजयजयशंकरसुरकरहीं ॥ बाजहिंबाजनविविधविधाना ॥ सुमनवृष्टिनभभैविधिनाना ॥ हरगिरिजाकरभयउविबाहू ॥ सकलभुवनभरिरहाउछाहू ॥ दासीदासतुरगरथनागा ॥ धेनुवसनमणिवस्तुविभागा ॥ अन्नकनकभाजनभरिजाना ॥ दाइजदीन्हनजाइवखाना ॥ ॥ छंद ॥

दाइजदियोबहुभांतिपुनिकरजोरिहिमभूधरकह्यो ॥ ● ॥ कादेउपूरणकामशंकरचरणपंकजगहिरह्यो ॥ ● ॥ शिवकृपासागरश्वसुरकरपरितोषसबभांतिनिकियो ॥ ● ॥ पुनिगहेउपदपाथोजमयनाप्रेमपरिपूरणहियो ॥ ॥ दोहा ॥

नाथउमाममप्राणसम गृहकिंकरीकरेउ ॥

छमहुसकलअपराधअब होइप्रसन्नबरदेहु ॥

॥ चौपाई ॥

बहुबिधिशंभुसासुसमुझाई ॥ गवनीभवनचरणशिरनाई ॥ जननीउमाबोलितबलीन्ही ॥ लैउछंगसुंदरसिखदीन्ही ॥ करहुसदाशंकरपदपूजा ॥ नारिधर्मपतिदेवनदूजा ॥ बचनकहतभरिलोचनबारी ॥ बहुरिलाइउरलीन्हकुमारी ॥ कतबिधिसिरजिनारिजगमाहीं ॥ पराधीनसपनेहुंसुखनाहीं ॥ भैअतिप्रेमबिकलमहतारी ॥ धीरजकीन्हकुसमयबिचारी ॥ पुनिपुनिमिलतिपरतिगहिचरणा ॥ परमप्रेमकछुजाइनबरणा ॥ सबनारिनमिलिभेंटिभवानी ॥ जाइजननिउरपुनिलपटानी ॥

॥ छंद ॥

जननिहिंबहुरिमिलिचलीउचितअशीससबकाहूंदई ॥ ॥ फिरि
फिरिबिलोकतिमातुतनतबसखीलैशिवपहंगई ॥ ॥ याचकसकल
संतोषिशंकरउमासहितभवनहिंचले ॥ ॥ सबअमरहरषेसुमन
बरषिनिसाननभबाजनहिंभले ॥ ॥ दोहा ॥

चलेसंगहिमवंततब पहुंचावनअतिहेतु ॥
बिबिधभांतिपरितोषकरि बिदाकीन्हबृषकेतु ॥

॥ चौपाई ॥

तुरतभवनआएगिरिराई ॥ सकलशैलसरलिएबुलाई ॥ आदरदानबिनयबहुमाना ॥ सबकरबिदाकीन्हहिमवाना ॥ जबहिंशंभुकैलाशहिंआये ॥ सुरसबनिजनिजलोकसिधाये ॥ जगतमातुपितुशंभुभवानी ॥ तेहिशृंगारनकहौंबखानी ॥ करहिंबिबिधबिधिभोगबिलासा ॥ गणनसमेतबसहिंकैलाशा ॥ ह

रगिरिजाविहारनितिनयऊ ॥ यहिविधिविपुलकालचलिगयऊ ॥ तवजनमे
षटबदनकुमारा ॥ तारकअसुरसमरजिनमारा ॥ आगमनिगमप्रसिद्धपुराणा ॥
षटमुखजन्मकर्मजगजाना ॥ ॥ छंद ॥

जगजानषटमुखजन्मकर्मप्रतापपुरुषारथमहा ॥ ● ॥ तेहिहेतुमैं
वृषकेतुसुतकरचरितसंक्षेपहिंकहा ॥ ● ॥ यहउमाशंभुविवाह
जोनरनारिकहहिंजेगावहीं ॥ ● ॥ कल्याणकाजविवाहमंगलस
र्वदासुखपावहीं ॥ ॥ दोहा ॥

चरितसिंधुगिरिजारमण वेदनपावहिंपार ॥
वरनैतुलसीदासकिमि अतिमतिमंदगवांर ॥

शंभुचरितसुनिसरससुहावा ॥ भरद्वाजमुनिअतिसुखपावा ॥ बहुलालसाकथा
परबाढी ॥ नयननीररोमावलिठाढी ॥ प्रेमविवशमुखआवनवानी ॥ दशादेखि
हरखेमुनिज्ञानी ॥ अहोधन्यतवजन्ममुनीशा ॥ तुमहिंप्राणसमप्रियगौरीशा
॥ शिवपदकमलजिनहिंरतिनाहीं ॥ रामहिंतेसपनेहुंनसुहाहीं ॥ बिनुछलवि
श्वनाथपदनेहू ॥ रामभक्तकरलक्षणएहू ॥ शिवसमकोरघुपतिव्रतधारी ॥ विनु
अघतजीसतीअसनारी ॥ प्रणकरिरघुपतिभक्तिदृढाई ॥ कोशिवसमरामहिं
प्रियभाई ॥ ॥ दोहा ॥

प्रथमकहामैंशिवचरित बूझामरमतुम्हार ॥
शुचिसेवकतुमरामके रहितसमस्तविकार ॥

॥ चौपाई ॥

मैंजानातुम्हारगुणशीला ॥ कहौंसुनहुअवरघुपतिलीला ॥ सुनुमुनिआजु

समागमतोरे ॥ कहिनजायजससुखमनमोरे ॥ रामचरितअतिअमितमुनीशा ॥ कहिनशकहिंशतकोटिअहीशा ॥ तदपियथाश्रुतिकहौंवखानी ॥ सुमिरिगिरापतिप्रभुधनुपानी ॥ सारददारुनारिसमस्वामी ॥ रामसूत्रधरअंतरजामी ॥ जेहिपरकृपाकरहिंजनजानी ॥ कबिउरअजिरनचावहिंवानी ॥ प्रणऊंसोइकृपालुरघुनाथा ॥ बरणऊंविशदतासुगुणगाथा ॥ परमरम्यगिरिवरकैलाशू ॥ सदाजहांशिवउमानिवासू ॥ ॥ दोहा ॥

सिद्धतपोधनयोगिजन सुरकिन्नरमुनिवृंद ॥
वसहिंतहांसुकृतीसकल सेवहिंशिवसुखकंद ॥

॥ चौपाई ॥

हरिहरविमुखधर्मरतनाहीं ॥ तेनरतहांनसपनेहुंजाहीं ॥ तेहिगिरिपरवटविटपविशाला ॥ नितनूतनसुंदरसवकाला ॥ त्रिविधसमीरसुशीतलछाया ॥ शिवविश्रामविटपश्रुतिगाया ॥ एकवारतेहितरप्रभुगयऊ ॥ तरुविलोकिउरअतिसुखभयऊ ॥ निजकरडासिनागरिपुछाला ॥ वैठेसहजहिंशंभुकृपाला ॥ कुंदइंदुवरगौरशरीरा ॥ भुजप्रलंबपरिधनमुनिचीरा ॥ तरुणअरुणअंवुजसमचरणा ॥ नखदुतिभक्तहृदयतमहरणा ॥ भुजगभूतिभूषणत्रिपुरारी ॥ आननशरदचंद्रछविहारी ॥ ॥ दोहा ॥

जटामुकुटसुरसरितशिर लोचननलिनविशाल ॥
नीलकंठलावन्यनिधि सोहवालविधुभाल ॥

॥ चौपाई ॥

वैठेसोहकामरिपुकैसें ॥ धरेशरीरशान्तरसजैसें ॥ पारवतीभलअवसरजानी ॥

गईशंभुपहंमातुभवानी ॥ जानिप्रियाआदरअतिकीन्हा ॥ बामभागआसनहर
दीन्हा ॥ बैठीशिवसमीपहरखाई ॥ पूरबजन्मकथाचितआई ॥ पतिहियहेतु
अधिकअनुमानी ॥ बिहंसिउमाबोलीप्रियबानी ॥ कथाजोसकललोकहितकारी
॥ सोइपूछनचहशैलकुमारी ॥ बिश्वनाथममनाथपुरारी ॥ त्रिभुवनमहिमाबि
दिततुम्हारी ॥ चरअरुअचरनागनरदेवा ॥ सकलकरहिंपदपंकजसेवा ॥

॥ दोहा ॥

प्रभुसमर्थसर्बज्ञशिव सकलकलागुणधाम ॥
योगज्ञानबैराग्यनिधि प्रणतकल्पतरुनाम ॥

॥ चौपाई ॥

जौंमोपरप्रसन्नसुखरासी ॥ जानियसत्यमोहिनिजदासी ॥ तौप्रभुहरहुमोरअ
ज्ञाना ॥ कहिरघुनाथकथाबिधिनाना ॥ जासुभवनसुरतरुतरहोई ॥ सहिकि
दरिद्रजनितदुखसोई ॥ शशिभूषणअसहृदयबिचारी ॥ हरहुनाथममतिभ्र
मभारी ॥ प्रभुजेमुनिपरमारथबादी ॥ कहहिंरामकहंब्रह्मअनादी ॥ शेषशार
दाबेदपुराणा ॥ सकलकरहिंरघुपतिगुणगाना ॥ तुमपुनिरामरामदिनराती ॥
सादरजपहुअनंगआराती ॥ रामसोअवधनृपतिसुतसोई ॥ कीअजअगुणअ
लखगतिकोई ॥

॥ दोहा ॥

जौंनृपतनयतोब्रह्मकिमि नारिबिरहमतिभोरि ॥
देखिचरितमहिमासुनत भ्रमतिबुद्धिअतिमोरि ॥

॥ चौपाई ॥

जौंअनीहब्यापकबिभुकोऊ ॥ कहहुबुझाइनाथमोहिसोऊ ॥ अज्ञजानिरिसिज

निज्ञरधरहू ॥ जेहिबिधिमोहमिटैसोइकरहू ॥ मैवनदीखराम प्रभुताई ॥ अ तिभयबिकलनतुमहिंसुनाई ॥ तदपिमलिनमनवोधनआवा ॥ सोफलभलीभांतिमैपावा ॥ अजहूंकछुसंशयमनमोरे ॥ करहुकृपाविनऊंकरजोरे ॥ प्रभुतव मोहिंबहुभांतिप्रबोधा ॥ नाथसोसमुझिकरहुजनिक्रोधा ॥ तवकरअसबिमोह मोहिंनाहीं ॥ रामकथापररुचिमनमाहीं ॥ कहहुपुनीतरामगुणगाथा ॥ भुजगराजभूषणसुरनाथा ॥ ॥ दोहा ॥

बंदौपदधरिधरणिशिर बिनयकरौंकरजोरि ॥

बरणहुरघुवरविशदयश श्रुतिसिद्धांतनिचोरि ॥

॥ चौपाई ॥

यदपियोषितानअनअधिकारी ॥ दासीमनक्रमवचनतुम्हारी ॥ गूढौतत्वनसाधु दुरावहिं ॥ आरतअधिकारीजहंपावहिं ॥ अतिआरतिपूछौंसुरराया ॥ रघुपतिकथाकहहुकरिदाया ॥ प्रथमसोकारणकहहुबिचारी ॥ निर्गुणब्रह्मसगुणवपुधारी ॥ पुनिप्रभुकहहुरामअवतारा ॥ बालचरितपुनिकहहुउदारा ॥ कहहु यथाजानकीबिबाहा ॥ राजतजासोदूषणकाहा ॥ बनबसिकीन्हेउचरितअपारा ॥ कहहुनाथजिमिरावणमारा ॥ राजबैठिकीन्हींबहुलीला ॥ सकलकहहुशंकरसुखशीला ॥ ॥ दोहा ॥

बहुरिकहहुकरुणायतन कीन्हजोअचरजराम ॥

प्रजासहितरघुवंशमणि किमिगवनेनिजधाम ॥

॥ चौपाई ॥

पुनिप्रभुकहहुसोतत्त्वबखानी ॥ जेहिबिज्ञानमगनमुनिज्ञानी ॥ भक्तिज्ञानबिज्ञान

बिरागा ॥ पुनिसबबरणाउसहितबिभागा ॥ औरौरामरहस्यअनेका ॥ कहहुनाथअतिबिमलबिबेका ॥ जोप्रभुमैपूछानहिहोई ॥ सोउदयालुराखहुजनिगोई ॥ तुमत्रिभुवनगुरुबेदबखाना ॥ आनजीवपामरकाजाना ॥ प्रश्नउमाकीसहजसुहाई ॥ छलबिहीनसुनिशिवमनभाई ॥ हरहियरामचरितसबआये ॥ प्रेमपुलकिलोचनजलछाये ॥ श्रीरघुनाथरूपउरआवा ॥ परमानंदअमितसुखपावा ॥ ॥ दोहा ॥

मगनध्यानरसदंडयुग पुनिमनबाहिरकीन्ह ॥
रघुपतिचरितमहेशतब हर्षितबरनैलीन्ह ॥

॥ चौपाई ॥

झूठौसत्यजाहिबिनुजाने ॥ जिमिभुजंगबिनुरजुपहिचाने ॥ जेहिजानेजगजाइहेराई ॥ जागेयथासपनभ्रमजाई ॥ बंदौबालरूपसोइरामू ॥ सबसिधिसुलभजपतजसुनामू ॥ मंगलभवनअमंगलहारी ॥ द्रवौसोदशरथअजिरबिहारी ॥ करिप्रणामरामहिंत्रिपुरारी ॥ हरषिसुधासमगिराउचारी ॥ धन्यधन्यगिरिराजकुमारी ॥ तुमसमाननहिकोउउपकारी ॥ पूछेहुरघुपतिकथाप्रसंगा ॥ सकललोकजगपावनिगंगा ॥ तुमरघुबीरचरणअनुरागी ॥ कीन्हेहुप्रश्नजगतहितलागी ॥ उमाप्रश्नतवसहजसुहाई ॥ सुखदसंतसंमनमुहिभाई ॥ एकबातनहिमोहिसोहानी ॥ यदपिमोहबशकहेहुभवानी ॥ तुमजोकहारामकोउआना ॥ जेहिश्रुतिगावधरहिंमुनिध्याना ॥ ॥ दोहा ॥

कहहिंसुनहिंअसअधमनर ग्रसेजोमोहपिशाच ॥
पाषंडीहरिपदबिमुख जानहिंझूठनसांच ॥

॥ चौपाई ॥

अग्यअकोबिदअंधअभागी ॥ काईबिषयमुकुरमनलागी ॥ लंपटकपटीकुटिलबिसेषी ॥ सपनेउंसंतसभानहिंदेखी ॥ कहहिंतेबेदअसंमतबानी ॥ जिन्हकेंसूझलाभनहिंहानी ॥ मुकुरमलिनअरुनयनबिहीना ॥ रामरूपदेखहिंकिमिदीना ॥ जिन्हकेअगुननसगुनबिबेका ॥ जल्पहिंकल्पितबचनअनेका ॥ हरिमायाबसजगतभ्रमाहीं ॥ तिन्हहिंकहतकछुअघटितनाहीं ॥ बातुलभूतबिबसमतवारे ॥ तेनहिंबोलहिंबचनसंभारे ॥ जिन्हकृतमहामोहमदपाना ॥ तिन्हकरकहाकरियनहिंकाना ॥ ॥ सोरठा ॥

असनिजहृदयबिचारितजुसंशयभजुरामपद ॥
सुनुगिरिराजकुमारिभ्रमतमरबिकरबचनमम ॥

॥ चौपाई ॥

सगुनहिंअगुनहिंनहिंकछुभेदा ॥ गावहिंमुनिपुरानबुधबेदा ॥ अगुनअरूपअलखअजजोई ॥ भगतप्रेमबससगुनसोहोई ॥ जोगुनरहितसगुनसोकैसें ॥ जलहिमउपलबिलगनहिंजैसें ॥ जासुनामभ्रमतिमिरपतंगा ॥ तेहिकिमिकहियबिमोहप्रसंगा ॥ रामसच्चिदानंददिनेसा ॥ नहिंतहंमोहनिसालवलेसा ॥ सहजप्रकासरूपभगवाना ॥ नहिंतहंपुनिबिग्यानबिहाना ॥ हरषबिषादग्यानअग्याना ॥ जीवधर्मअहमितिअभिमाना ॥ रामब्रह्मब्यापकजगजाना ॥ परमानंदपरेसपुराना ॥ ॥ दोहा ॥

पुरुषप्रसिद्धप्रकासनिधि प्रगटपरावरनाथ ॥
रघुकुलमनिममस्वामिसोइ कहिसिवनायउमाथ ॥

॥ चौपाई ॥

॥ ३५ ॥ निजभ्रमनहिंसमुझहिंअज्ञानी ॥ प्रभुपरमोहधरहिंजडप्राणी ॥ जथागगन घनपटलनिहारी ॥ झंपेउभानुकहहिकुबिचारी ॥ चितवतजोलोचनअंगुलिलाये ॥ प्रगटयुगलशशितेहिकेभाये ॥ उमारामबिषयकअसमोहा ॥ नभतमधूमधूरिजिमिसोहा ॥ बिषयकरणसुरजीवसमेता ॥ सकलएकतेंएकसचेता ॥ सबकरपरमप्रकाशकजोई ॥ रामअनादिअवधपतिसोई ॥ जगतप्रकाश्यप्रकाशकरामू ॥ मायाधीशज्ञानगुणधामू ॥ जासुसत्यतातेंजडमाया ॥ भाससत्यइवमोहसहाया ॥

॥ दोहा ॥

रजतसीपमहंभासजिमि यथाभानुकरवारि ॥
यदपिमृषातिहुंकालसोइ भ्रमनशकैकोउटारि ॥

॥ चौपाई ॥

येहिबिधिजगहरिआश्रितरहई ॥ यदपिअसत्यदेतदुखअहई ॥ जौंसपनेशिरकाटैकोई ॥ बिनुजागेंदुखदूरिनहोई ॥ जासुकृपाअसभ्रममिटिजाई ॥ गिरिजासोइकृपालुरघुराई ॥ आदिअंतकोउजासुनपावा ॥ मतिअनुमाननिगमअसगावा ॥ बिनुपदचलैसुनैबिनुकाना ॥ करबिनुकर्मकरैबिधिनाना ॥ आननरहितसकलरसभोगी ॥ बिनुबाणीबक्ताबडयोगी ॥ तनुबिनुपरसनयनबिनुदेखा ॥ ग्रहैघ्राणबिनुवासअशेषा ॥ असस्वभांतिअलौकिककरणी ॥ महिमाजासुजाइनहिंवरणी ॥

॥ दोहा ॥

जेहिइमिगावहिंबेदबुध जाहिधरहिंमुनिध्यान ॥
सोइदशरथसुतभक्तहित कोशलपतिभगवान ॥

॥ चौपाई ॥

काशीमरतजन्तुअवलोकी ॥ जासुनामबलकरौंबिशोकी ॥ सोइप्रभुमोरचराचर स्वामी ॥ रघुबरसबउरअंतरजामी ॥ बिबशज्ञंजासुनामनरकहहीं ॥ जन्मअ नेकसंचितअघदहहीं ॥ सादरसुमिरनजोनरकरहीं ॥ भवबारिधिगोःपदइवत रहीं ॥ रामसोपरमात्माभवानी ॥ तहंभ्रमअतिअविहिततवबानी ॥ असंसंशय आनतउरमाहीं ॥ ज्ञानविरागसकलगुणजाहीं ॥ सुनिशिवकेभ्रमभंजनवचना ॥ मिटिगइसवकुतर्ककीरचना ॥ भइरघुपतिपदप्रीतिप्रतीती ॥ दारुणअंसभाव नावीती ॥ ~~~ ॥ दोहा ॥ ~~~

पुनिपुनिप्रभुपदकमलगहि जोरिपंकरुहपाणि ॥
बोलीगिरिजावचनवर मनज्ञंप्रेमरससानि ॥

॥ चौपाई ॥

शशिकरसमसुनिगिरातुम्हारी ॥ मिटामोहशरदातपभारी ॥ तुमकृपालुसबसंश यहरेउ ॥ रामस्वरूपजानिमोहिपरेउ ॥ नाथकृपाअबगयेउविवादा ॥ सुखी भइउंप्रभुचरणप्रसादा ॥ अवमोहिआपनिकिंकरिजानी ॥ यदपिसहजजड़ना रिअयानी ॥ प्रथमजोमैंपूछासोइकहहू ॥ जौंमोपरप्रसन्नप्रभुअहहू ॥ रामब्रह्म चिन्मयअविनाशी ॥ सर्वरहितसबउरपुरवासी ॥ नाथधरेउनरतनुकेहिहेतू ॥ मोहिसमुझाइकहहुवृषकेतू ॥ उमावचनसुनिपरमविनीता ॥ रामकथापरप्री तिपुनीता ॥ ~~~ ॥ दोहा ॥ ~~~

हियहरषेकामारितब शंकरसहजसुजान ॥
बहुविधिउमहिंप्रशंसिपुनि बोलेकृपानिधान ॥

॥ सोरठा ॥

सुनुसुभकथाभवानि रामचरितमानसबिमल ॥●॥ कहाभुसुंडिब
खानि सुनाबिहगनायकगरुड ॥●॥ सोसंबादउदार जेहिबि
धिभाआगेंकहब ॥●॥ सुनऊरामअवतार चरितपरमसुंदरअ
नघ ॥●॥ हरिगुननामअपार कथारूपअगनितअमित ॥●॥ मै
निजमतिअनुसार कहौंउमासादरसुनऊ ॥●●●●●●●●●●॥

॥ चौपाई ॥

सुनुगिरिजाहरिचरितसुहाये ॥ बिपुलबिसदनिगमागमगाये ॥ हरिअव
तारहेतुजेहिहोई ॥ इदमित्थकहिजाइनसोई ॥ रामअतर्क्यबुद्धिमनवानी
॥ मतहमारअससुनऊभवानी ॥ तदपिसंतमुनिवेदपुराणा ॥ जसकछुकह
हिंस्वमतिअनुमाना ॥ तसमैसुमुखिसुनावउँतोही ॥ समुझिपरैजसकारणमो
ही ॥ जबजबहोइधर्मकीहानी ॥ बाढहिंअसुरअधमअभिमानी ॥ करहिंअ
नीतिजाइनहिंवरणी ॥ सीदहिंविप्रधेनुसुरधरणी ॥ तबतबप्रभुधरिविविध
शरीरा ॥ हरहिंकृपानिधिसज्जनपीरा ॥ ॥ दोहा ॥

असुरमारिथापहिंसुरन्हि रखहिंनिजश्रुतिसेतु ॥
जगविस्तारहिंविशदयश रामजन्मकरहेतु ॥

॥ चौपाई ॥

सोइयशगाइभक्तभवतरहीं ॥ कृपासिंधुजनहितअनुधरहीं ॥ रामजन्मकेहे
तुअनेका ॥ परमविचित्रएकतेंएका ॥ जन्मएकदुइकहौंबखानी ॥ सावधान
सुनुसुमतिभवानी ॥ द्वारपालहरिकेप्रियदोऊ ॥ जयअरुविजयजानसबकोऊ

ऊ ॥ विप्रश्रापतेदोनौभाई ॥ तामसअसुरदेहतिनपाई ॥ कनककशिपुअरु
हाटकलोचन ॥ जगतविदिततसुरपतिमदमोचन ॥ विजयीसमरबीरविख्याता
॥ धरिबराहवपुएकनिपाता ॥ होइनरहरिपुनिदूसरमारा ॥ जनप्रहलादसुय
शविस्तारा ॥ ●●●●●●●●●● ॥ दोहा ॥ ●●●●●●●●●●●●●●●●●

भएनिशाचरजाइते महावीरबलवान ● ॥
कुंभकर्णरावणसुभट सुरविजयीजगजान ॥

॥ चौपाई ॥

मुक्तनभयेहतेभगवाना ॥ तीनजन्मद्विजवचनप्रमाना ॥ एकवारतिनकेहितला
गी ॥ धरेउशरीरभक्तअनुरागी ॥ कश्यपअदितितहांपितुमाता ॥ दशरथकौ
शल्याविख्याता ॥ एककल्पएहिविधिअवतारा ॥ चरितपवित्रकियेसंसारा ॥
एककल्पसुरदेखिदुखारे ॥ समरजलंधरसनसवहारे ॥ शंभुकीन्हसंग्रामअपा
रा ॥ दनुजमहाबलमरैनमारा ॥ परमसतीअसुराधिपनारी ॥ तेहिबलताहिन
जीतपुरारी ॥ ●●●●●●●● ॥ दोहा ॥ ●●●●●●●●●●●●●●●●●●

छलकरिटारेउतासुव्रत प्रभुसुरकारजकीन्ह ॥
जबतेहिजानेउमरमतब श्रापकोपकरिदीन्ह ● ॥

॥ चौपाई ॥

तासुश्रापहरिकीन्हप्रमाना ॥ कौतुकनिधिकृपालुभगवाना ॥ तहांजलंधररा
वणभयऊ ॥ रणहतिरामपरमपददयऊ ॥ एकजन्मकरकारणएहा ॥ जेहि
लगिरामधरीनरदेहा ॥ प्रतिअवतारकथाप्रभुकेरी ॥ सुनिमुनिवरणिनकविन
घनेरी ॥ नारदश्रापदीन्हएकवारा ॥ कल्पएकतेहिलगिअवतारा ॥ गिरिजाच

कितमई सुनिबानी ॥ नारद बिष्णुभक्तमुनिज्ञानी ॥ कारणकवनश्रापमुनिदीन्हा ॥ काअपराधरमापतिकीन्हा ॥ यहप्रसंगमोहिकहहुपुरारी ॥ मुनिमनमोहसोअचरजभारी ॥ ●●●●● ॥ दोहा ॥ ●●●●●●●●●●●●●●●●

बोलेबिहंसिमहेसतब ज्ञानीमूढनकोइ ●●●● ॥
जेहिजसरघुपतिकरहिंजब सोतसतेहिछनहोइ ॥

॥ चौपाई ॥

हिमगिरिगुहाएकअतिपावनि ॥ बहसमीपसुरसरितसुहावनि ॥ आश्रमपरमपुनीतसुहावा ॥ देखिदेवऋषिमनअतिभावा ॥ निरखिशैलगिरिविपिनविभागा ॥ भयेउरमापतिपदअनुरागा सुमिरतहरिहिंश्रापगतिबाधी ॥ सहजबिमलमनलागिसमाधी ॥ मुनिगतिदेखिसुरेशडेराना ॥ कामहिंबोलिकीन्हसनमाना ॥ सहितसहायजाहुममहेतू ॥ चलेउहरषिहियजलचरकेतू ॥ सुनासीरमनमहंअतित्रासा ॥ चहतदेवऋषिममपुरबासा ॥ जेकामीलोलुपजगमाहीं ॥ कुटिलकाकइवसबहिडेराहीं ॥ ●●● ॥ दोहा ॥ ●●●●●●●●●

सूखहाडलेभागुशठ श्वाननिरखिमृगराज ●●● ॥
छीनिलेइजनिजानजड तिमिसुरपतिहिनलाज ॥

॥ चौपाई ॥

तेहिआश्रमहिंमदनजबगयेऊ ॥ निजमायावसंतनिर्मयऊ ॥ कुसुमितविविधविटपबहुरंगा ॥ कुंजहिंकोकिलगुंजहिंभृंगा ॥ चलीसुहावनित्रिविधबयारी ॥ कामकृशानुबढावनहारी ॥ रंभादिकसुरनारिनवीना ॥ सकलअसमशरकलाप्रवीणा ॥ करहिंगानबहुताननतरंगा ॥ बहुविधिक्रीडहिपानिपतंगा

॥ देखिसहायमदनहरखाना ॥ कीन्हेसिपुनिप्रपंचविधिनाना ॥ कामकलाकछु मुनिहिनव्यापी ॥ निजभयडरेउमनोभवपापी ॥ सीमकिचांपिसकैकोउतासू ॥ बडरखवाररमापतिजासू ॥ ॥ दोहा ॥

सहितसहायसभीतअति मानिहारिमनमयन ॥
गहेसिजाइमुनिवरचरण कहिसुठिआरतबयन ॥

॥ चौपाई ॥

भयेउननारदमनकछुरोषा ॥ कहिप्रियवचनकामपरितोषा ॥ नाइचरणसिरआयसुपाई ॥ गयेउमदनतवसहितसहाई ॥ मुनिसुशीलताआपनिकरणी ॥ सुरपतिसभाजाइसबबरणी ॥ सुनिसबकेमनअचरजआवा ॥ मुनिहिंप्रशंसिहरिहिंशिरनावा ॥ तवनारदगवनेशिवपाहीं ॥ जीतिकामअहमितिमनमाहीं ॥ सोचरित्रशंकरहिंसुनावा ॥ अतिप्रियजानिमहेशसिखावा ॥ बारबारविनवउँमुनितोही ॥ जिमियहकथासुनायउमोही ॥ तिमिजनिहरिहिसुनावहुकवहूं ॥ चलेहुंप्रसंगदुराएउतवहूं ॥ ॥ दोहा ॥

शंभुदीन्हउपदेशहित नहिनारदहिसुहान ॥
भरद्वाजकौतुकसुनहु हरिइच्छाबलवान ॥

॥ चौपाई ॥

रामकीन्हचाहैंसोहोई ॥ करैअन्यथाअसनहिकोई ॥ शंभुवचनमुनिमनहिंनभाये ॥ तवविरंचिकेलोकसिधाये ॥ एकबारकरनलवरवीणा ॥ गावतहरिगुणगानप्रवीणा ॥ क्षीरसिंधुगवनेमुनिनाथा ॥ जहंवसश्रीनिवासश्रीसाथा ॥ हरषिमिलेउठिरमानिकेता ॥ बैठेआसनऋषिहिसमेता ॥ बोलेविहसिचराचरराय

या॥ बहुतदिनहिंकीन्हीमुनिदाया॥ कामचरितनारदसबभाषे॥ यद्यपिप्रथमबरजिशिवराखे॥ अतिप्रचंडरघुपतिकीमाया॥ जेहिनमोहअसकोजगजाया॥ ॥ दोहा॥

रूखवदनकरिवचनमृदु वोलेश्रीभगवान॥
तुम्हरेसुमिरणतेमिटहिं मोहमारमदमान॥

॥ चौपाई॥

सुनुमुनिमोहहोइमनताके॥ ज्ञानविरागहृदयनहिंजाके॥ ब्रह्मचर्य्यब्रतरतमतिधीरा॥ तुमहिंकिकरैमनोभवपीरा॥ नारदकहेउसहितअभिमाना॥ कृपातुम्हारिसकलभगवाना॥ करुणानिधिमनदीखविचारी॥ उरअंकुरेउगर्वतरुभारी॥ वेगिसोमैंडारिहौंउपारी॥ प्रणहमारसेवकहितकारी॥ मुनिकरहितममकौतुकहोई॥ अवशिउपायकरबमैंसोई॥ तबनारदहरिपदशिरनाई॥ चलेहृदयअहमितिअधिकाई॥ श्रीपतिनिजमायातबप्रेरी॥ सुनहुकठिनकरणीतेहिकेरी॥ ॥ दोहा॥

विरचेउमगमहंनगरतेहि सतयोजनविस्तार॥
श्रीनिवासपुरतेंअधिक रचनाविविधप्रकार॥

॥ चौपाई॥

वसहिंनगरसुंदरनरनारी॥ जनुबहुमनसिजरतितनुधारी॥ तेहिपुरबसैशीलनिधिराजा॥ अगणितहयगयसेनसमाजा॥ शतसुरेशसमविभवविलासा॥ रूपतेजबलनीतिनिवासा॥ विश्वमोहनीतासुकुमारी॥ श्रीविमोहजेहिरूपनिहारी॥ सोहरिमायासवगुणखानी॥ शोभातासुकिजाइबखानी॥ करैस्वयंब

रसोन्टपवाला ॥ आयेतहंअगणितमहिपाला ॥ मुनिकौतुकीनगरतेहिगयेऊ ॥ पुरवासिनसनबूझतभयऊ ॥ सुनिसवचरितभूपगृहआये ॥ करिपूजान्टपमुनिबैठाये ॥ ॥ दोहा ॥

आनिदेखाईनारदहिं भूपतिराजकुमारि ॥

कहहुनाथगुणदोषसव एहिकरहृदयविचारि ॥

॥ चौपाई ॥

देखिरूपमुनिविरतिविसारी ॥ बडीवारलगिरहेनिहारी ॥ लक्षणतासुविलोकिभुलाने ॥ हृदयहर्षनहिंप्रगटवखाने ॥ जोएहिवरैअमरसोहोई ॥ समरभूमितेहिजीतनकोई ॥ सेवहिंसकलचराचरताही ॥ वरैशीलनिधिकन्याजाही ॥ लक्षणसवविचारिउरराखे ॥ कछुकबनाइभूपसनभाखे ॥ सुतासुलक्षणिकहिन्टपपाहीं ॥ नारदचलेसोचमनमांही ॥ करौंजाइसोइयतनविचारी ॥ जेहिप्रकारमोहिवरैकुमारी ॥ जपतपकछुनहोइयहिकाला ॥ हेविधिमिलैकवनविधिवाला ॥ ॥ दोहा ॥

यहिअवसरचाहियपरम शोभारूपविशाल ॥

जोविलोकिरीझैकुंअरि तवमेलैजयमाल ॥

॥ चौपाई ॥

हरिसनमागौंसुंदरताई ॥ होइहिजातगहरुअतिभाई ॥ मोरेहितहरिसमनहिकोऊ ॥ यहिअवसरसहायसोहोऊ ॥ वहुविधिविनयकीन्हतेहिकाला ॥ प्रगटेउप्रभुकौतुकीकृपाला ॥ प्रभुविलोकिमुनिनयनजुडाने ॥ होइहिकाजहियेहरषाने ॥ अतिआरतकहिकथासुनाई ॥ करहुकृपाप्रभुहोहुसहाई ॥

आपनरूपदेहुप्रभुमोही ॥ आनभांतिनहिपावउंओही ॥ जेहिबिधिनाथहोइ
हितमोरा ॥ करोसोवेगिदासमैंतोरा ॥ निजमायाबलदेखिबिसाला ॥ हियहंसिबो
लेदीनदयाला ॥ ॥ दोहा ॥

जेहिबिधिहोइहिपरमहित नारदसुनहुतुम्हार ॥
सोइहमकरबनआनकछु बचननमृषाहमार ॥

॥ चौपाई ॥

कुपथमांगरुजव्याकुलरोगी ॥ बैदनदेइसुनहुमुनिजोगी ॥ यहिबिधिहितनु
म्हारमैंठैऊं ॥ कहिअसअंतरहितप्रभुभयेऊ ॥ मायाबिबसभयेमुनिमूढा ॥ स
मुझिनहीहरिगिरानिगूढा ॥ गवनेतुरततहांरिषिराई ॥ जहांस्वयंबरभूमिबना
ई ॥ निजनिजआसनबैठेराजा ॥ बहुबनावकरिसहितसमाजा ॥ मुनिमनहर्ष
रूपअतिमोरे ॥ मोहितजिआनबरिहिनहिभोरे ॥ मुनिहितकारनकृपानिधाना
॥ दीन्हकुरूपनजाइबखाना ॥ सोचरित्रलखिकाहुनपावा ॥ नारदजानिसब
हिसिरनावा ॥ ॥ दोहा ॥

रहेतहांदुइरुद्रगन तेजानहिंसबभेउ ॥
बिप्रभेषदेखतफिरहिं परमकौतुकीतेउ ॥

॥ चौपाई ॥

जेहिसमाजबैठेमुनिजाई ॥ हृदयरूपअहमितिअधिकाई ॥ तहंबैठेमहेशग
नदोऊ ॥ बिप्रभेषगतिलखैनकोऊ ॥ करहिंकूटनारदहिंसुनाई ॥ नीकदी
न्हहरिसुंदरताई ॥ रीझिहिराजकुंअरिछबिदेखी ॥ इनहिंबरिहिहरिजा
निबिशेषी ॥ मुनिहिमोहमनहाथपराये ॥ हंसहिंशंभुगनअतिसचुपाये ॥ यद:

पिसुनहिंमुनिअटपटिबानी॥ समुझिनपरैबुद्धिभ्रमसानी॥ काहुनलखासोच
रितबिशेषी॥ सोसरूपनृपकन्यादेषी॥ मर्कटबदनभयंकरदेही॥ देखतहृ
दयक्रोधभातेही॥ ॥दोहा॥

सखीसंगलैकुंअरितब चलिजनुराजमराल॥
देखतिफिरैमहीपसब करसरोजजयमाल॥

॥चौपाई॥

जेहिदिशिबैठेनारदफूली॥ सोदिशितेइंनबिलोकीभूली॥ पुनिपुनिमुनिउकस
हिंअकुलाहीं॥ देखिदशाहरगणमुसुकाहीं॥ धरिनृपतनतहंगयउकृपाला॥
कुंअरिहरषिमेलिउजयमाला॥ दुलहिनिलैगेलक्षिनिवासा॥ नृपसमाजसबभये
उनिरासा॥ मुनिअतिबिकलमोहमतिनाठी॥ मणिगिरिगईछूटिजनुगांठी॥
तबहरगणबोलेमुसुकाई॥ निजमुखमुकुरबिलोकहुजाई॥ असकहिदोउ
भागेभयभारी॥ बदनदीखमुनिबारिनिहारी॥ भेषबिलोकिक्रोधअतिबाढा॥ ति
नहिंश्रापदीन्हीअतिगाढा॥ ॥दोहा॥

होउनिशाचरजाइतुम कपटीपापीदोउ ॥
हंसेहुहमहिंसोलेहुफल बहुरिहंसेउमुनिकोउ॥

॥चौपाई॥

पुनिजलदीखरूपनिजपावा॥ तदपिहृदयसंतोषनआवा॥ फरकतअधरकोप
मनमांही॥ सपदिचलेकमलापतिपांही॥ देहौंश्रापकिमरिहौंजाई॥ जगत
मोरउपहासकराई॥ बीचहिंपंथमिलेदनुजारी॥ संगरमासोइराजकुमारी॥
बोलेमधुरबचनसुरसाईं॥ मुनिकहचलेबिकलकीनाईं॥ सुनतबचनउपजा

अतिक्रोधा ॥ मायावशनरहामनवोधा ॥ परसंपदाशकज्ञनहिंदेषी ॥ तुमरेई्र्ष्या कपटविशेषी ॥ मथतसिंधुरुद्रहिंवौरायेज्ञ ॥ सुरनप्रेरिविषपानकरायेज्ञ ॥

॥ दोहा ॥

असुरसुरविषशंकरहिं आपुरमामणिचारु ॥
स्वारथसाधककुटिलतुम सदाकपटव्यवहारु ॥

॥ चौपाई ॥

परमस्वतंत्रनशिरपरकोई ॥ भावैमनहिंकरज्ञतुमसोई ॥ भलेहिंमंदमंदहिं भलकरहू ॥ विस्मयहर्षनहियककुधरहू ॥ डहंकिडहंकिपरिकेज्ञसवकाहू ॥ अतिअशंकमनसदाउछाहू ॥ कर्मशुभाशुभतुमहिंनवाधा ॥ अवलगितुमहिं काज्ञनहिसाधा ॥ भलेभवनअववायनदीन्हा ॥ पावज्ञगेफलआपनकीन्हा ॥ वंचेज्ञमोहिजवनधरिदेहा ॥ सोइतनधरज्ञशापममयेहा ॥ कपिआकृतितुमकीन्हहमारी ॥ करिहहिंकीससहाइतुम्हारी ॥ ममअप्रकारकीन्हजगभारी ॥ नारिविरहतुमहोवदुखारी ॥ ॥ दोहा ॥

आपसीसधरिहरखिहिय प्रभुसुरकारजकीन्ह ॥
निजमायाकीप्रबलता करखिक्रपानिधिलीन्ह ॥

॥ चौपाई ॥

जबहरिमायाद्दूरिनिवारी ॥ नहिंतहंरमानराजकुमारी ॥ तवमुनिअतिसभीतहरिचरणा ॥ गहेपाहिप्रणतारतिहरणा ॥ मृषाहोउममशापक्रपाला ॥ ममइच्छाकहदीनदयाला ॥ मैंदुर्वचनकहेउंवज्ञतेरे ॥ कहमुनिपापमिटहिंकिमिमेरे ॥ जपज्ञजाइशंकरशतनामा ॥ होइहिहृदयतुरतविश्रामा ॥ कोउनहिशिव

समानप्रियमोरे ॥ अवप्रतीतित्यागेहुजनिभोरे ॥ जेहिपरकृपानकरहिंपुरारी ॥ सोनपावमुनिभक्तिहमारी ॥ असउरधरिमहिविचरहुजाई ॥ अवनतुमहिं मायानियराई ॥ *~~~~* ॥ दोहा ॥ *~~~~~~*

बहुविधिमुनिहिंप्रबोधिप्रभु तवभयअंतर्धान ॥
सत्यलोकनारदचले करतरामगुणगान ** ॥

॥ चौपाई ॥

हरगणमुनिहिंजातपथदेखी ॥ विगतमोहमनहर्षविशेषी ॥ अतिसभीतनारद पहंआये ॥ गहिपदआरतवचनसुनाये ॥ हरगणहमनविप्रमुनिराया ॥ बडअ पराधकीन्हफलपाया ॥ आपअनुग्रहकरहुकृपाला ॥ बोलेनारददीनदयाला ॥ निशचरजायहोहुतुमदोऊ ॥ विभवविपुलतेजबलहोऊ ॥ भुजबलविश्वजितव तुमजहिआ ॥ धरिहहिंविष्णुमनुजतनुतहिआ ॥ समरमरणहरिहाथतुम्हा र ॥ होइहहुमुक्तनपुनिसंसारा ॥ चलेयुगलमुनिपदशिरनाई ॥ भएनिशा चरकालहिंपाई ॥ *~~~~* ॥ दोहा ॥ *~~~~~~*

एककल्पएहिहेतुप्रभु लीन्हमनुजअवतार ॥
सुररंजनसज्जनसुखद हरिभंजनभूभार ॥

॥ चौपाई ॥

एहिविधिजन्मकर्महरिकेरे ॥ सुंदरसुखदविचित्रघनेरे ॥ कल्पकल्पप्रतिप्रभु अवतरहीं ॥ चारुचरितनानाविधकरहीं ॥ तवतवकथामुनीशनगाई ॥ परम विचित्रप्रबंधवनाई ॥ विविधप्रसंगअनूपवखाने ॥ करहिंनसुनिआश्चर्यस याने ॥ हरिअनंतहरिकथाअनंता ॥ कहहिंसुनहिंबहुविधिश्रुतिसंता ॥ राम

चंद्रकेचरितसुहाये ॥ कल्पकोटिलगिजाहिंनगाये ॥ यहप्रसंगमैकहाभवानी हरिमायामोहहिंमुनिज्ञानी ॥ प्रभुकौतुकीप्रणतहितकारी ॥ सेवतसुलभसकलदुखहारी ॥ *—* ॥ सोरठा ॥ *—*

सुरनरमुनिकोउनाहिं जेहिनमोहमायाप्रबल ॥
असविचारिमनमाहिं भजियमहामायापतिहिं ॥

॥ चौपाई ॥

अपरहेतुसुनुशैलकुमारी ॥ कहौंबिचित्रकथाविस्तारी ॥ जेहिकारणअजअगुणअनूपा ॥ ब्रह्मभएकोशलपुरभूपा ॥ जोप्रभुविपिनफिरततुमदेखा ॥ बंधुसमेतकियेमुनिभेखा ॥ जासुचरितअवलोकिभवानी ॥ सतीशरीररहिउबौरानी ॥ अजहुंनछायामिटततुम्हारी ॥ तासुचरितसुनुभ्रमरुजहारी ॥ लीलाकीन्हजोतेहिअवतारा ॥ सोसवकहिहौंमतिअनुसारा ॥ भरद्वाजसुनिशंकरबानी ॥ सकुचिसप्रेमउमामुसुकानी ॥ लगेबहुरिवरनैवृषकेतू ॥ सोअवतारभएउजेहिहेतू ॥ *—* ॥ दोहा ॥ *—*

सोमैतुमसनकहौंसब सुनुमुनीशमनलाइ ॥
रामकथाकलिमलहरणि मंगलकरणिसुहाइ ॥

॥ चौपाई ॥

स्वायंभूमनुअरुशतरूपा ॥ जिनतेभैनरसृष्टिअनूपा ॥ दंपतिधर्मआचरणनीका ॥ अजहुंगावश्रुतिजिनकीलीका ॥ नृपउत्तानपादसुतताहू ॥ ध्रुवहरिभक्तभएसुतजासू ॥ लघुसुतनामप्रियव्रतताही ॥ वेदपुराणप्रशंसतजाही ॥ देवहूतीपुनितासुकुमारी ॥ जोमुनिकर्दमकेप्रियनारी ॥ आदिदेवप्रभुदीनदयाला ॥

जठरधरेउजेहिकपिलकृपाला ॥ सांख्यशास्त्रजिनप्रगटबखाना ॥ तत्त्वविचार निपुनभगवाना ॥ तेइमनुराजकीन्हबहुकाला ॥ प्रभुआयसुबहुविधिप्रतिपाला ॥ ॥ सोरठा ॥

होइनविषयविराग भवनवसतभाचौथपन ॥
हृदयबहुतदुखलाग जन्मगयेहरिभक्तिविनु ॥

॥ चौपाई ॥

वरवसराजसुतहिंतवदीन्हा ॥ नारिसमेतगवनवनकीन्हा ॥ तीरथवरनैमिषविख्याता ॥ अतिपुनीतसाधकसिधिदाता ॥ वसहिंतहांमुनिसिद्धसमाजा ॥ तहंहियहरषिचलेमनुराजा ॥ पंथजातसोहहिंमतिधीरा ॥ ज्ञानभक्तिजनुधरेशरीरा ॥ पहुंचेजाइधेनुमतितीरा ॥ हरषिनहानेनिर्म्मलनीरा ॥ आएमिलनसिद्धमुनिज्ञानी ॥ धर्म्मधुरंधरनृपऋषिजानी ॥ जहंजहंतीरथरहेसुहाए ॥ मुनिनसकलसादरकरवाए ॥ कृशशरीरमुनिपटपरिधाना ॥ शतसमाजनितिसुनहिंपुराना ॥ ॥ दोहा ॥

द्वादशअक्षरमंत्रवर जपहिंसहितअनुराग ॥
वासुदेवपदपंकरुह दंपतिमनअतिलाग ॥

॥ चौपाई ॥

करहिंअहारशाकफलकंदा ॥ सुमिरहिंब्रह्मसच्चिदानंदा ॥ पुनिहरिहेतुकरनतपलागे ॥ वारिअहारमूलफलत्यागे ॥ उरअभिलाषनिरंतरहोई ॥ देखियनयनपरमप्रभुसोई ॥ अगुणअखंडअनंतअनादी ॥ जेहिचिंतवहिंपरमारथवादी ॥ नेतिनेतिजेहिवेदनिरूपा ॥ चिदानंदनिरुपाधिअनूपा ॥ शंभुविरंचि

बिष्णुभगवाना॥ उपजहिंजासुअंसतेंनाना॥ ऐसेउप्रभुसेवकवशअहहीं॥ भक्तहेतुलीलातनुगहहीं॥ जौंएहबचनसत्यश्रुतिभाषा॥ तौहमारपूजिहिअभिलाषा॥ *********** ॥ दोहा ॥ ****************

एहिविधिबीतेबर्षषट सहसबारिआहार॥
सम्बतसप्तसहस्रपुनि रहेसमीरअधार॥

॥ चौपाई ॥

बरषसहसदशत्यागेउसोऊ॥ ठाढेरहेएकपगदोऊ॥ बिधिहरिहरतपदेखिअपारा॥ मनुसमीपआएबहुबारा॥ मांगहुबरबहुभांतिलोभाये॥ परमधीरनहिंचलहिंचलाये॥ अस्थिमात्रहोयरहेशरीरा॥ तदपिमनागमनहिंमनपीरा॥ प्रभुसर्बज्ञदासनिजजानी॥ गतिअनन्यतापसनृपरानी॥ मांगुमांगुबरभैनभबानी॥ परमगभीरकृपामृतसानी॥ मृतकजिआवनिगिरासुहाई॥ श्रवणरंध्रहोइउरजबआई॥ हृष्टपुष्टतनभयेसुहाये॥ मानहुंअबहिंभवनतेंआये॥ * ॥ दोहा ॥ *

श्रवणसुधासमबचनसुनि पुलकप्रफुल्लितगात॥
बोलेमनुकरिदंडवत प्रेमनहृदयसमात ●●●● ॥

॥ चौपाई ॥

सुनुसेवकसुरतरुसुरधेनू॥ बिधिहरिहरबंदितपदरेनू॥ सेवतसुलभसकलसुखदायक॥ प्रणतपालसचराचरनायक॥ जौंअनाथहितहमपरनेहू॥ तौप्रसन्नहोयएहबरदेहू॥ जोसरूपबसशिवमनमांही॥ जेहिकारणमुनियतनकराहीं॥ जोभुसुंडिमनमानसहंसा॥ सगुणअगुणजेहिनिगमप्रशंसा॥ देखहिं

हमसोरूपभरिलोचन ॥ कृपाकरहुप्रणतारतिमोचन ॥ दंपतिवचनपरमप्रिय
लागे ॥ मृदुलविनीतप्रेमरसपागे ॥ भक्तवत्सलप्रभुकृपानिधाना ॥ विश्ववासप्रग
टेभगवाना ॥ ॥ दोहा ॥

नीलसरोरुहनीलमणि नीलनीरधरश्याम ॥
लाजहिंतनशोभानिरखि कोटिकोटिशतकाम ॥

॥ चौपाई ॥

शरदमयंकवदनछविसींवा ॥ चारुकपोलचिवुकदरग्रीवा ॥ अधरअरुणरद
सुंदरनाशा ॥ विधुकरनिकरविनिंदकहासा ॥ नवअंबुजअंबकछविनीकी ॥
चितवनललितभावतेजीकी ॥ भृकुटिमनोजचापछविहारी ॥ तिलकललाटपट
लदुतिकारी ॥ कुंडलमकरमुकुटशिरभ्राजा ॥ कुटिलकेशजनुमधुपसमाजा ॥
उरश्रीवत्सरुचिरवनमाला ॥ पदिकहारभूषणमणिजाला ॥ केहरिकंधरचा
रुजनेऊ ॥ बाहुविभूषणसुंदरतेऊ ॥ करिकरसरिससुभगभुजदंडा ॥ कटि
निषंगकरशरकोदंडा ॥ ॥ दोहा ॥

तडितविनिंदकपीतपट उदररेखवरतीनि ॥
नाभिमनोहरलेतिजनु जमुनभंवरछविछीनि ॥

॥ चौपाई ॥

पदराजीववरणिनहिंजाहीं ॥ मुनिमनमधुपवसहिंजेहिमांही ॥ वामभागशो
भितअनुकूला ॥ आदिशक्तिछविनिधिजगमूला ॥ जासुअंशउपजहिंगुणखानी
॥ अगणितउमारमाब्रह्माणी ॥ भृकुटिविलासजासुजगहोई ॥ रामवामदिशि
सीतासोई ॥ छविसमुद्रहरिरूपविलोकी ॥ एकटकरहेनयनपटरोकी ॥ चि

तवहिंसादररूपअनूपा ॥ तृप्तिनमानहिंमनुशतरूपा ॥ हर्षविवशतनदशा भुलानी ॥ परेदंडइवगहिपदपानी ॥ शिरपरसेप्रभुनिजकरकंजा ॥ तुरत उठाएकरुणापुंजा ॥ *——* ॥ दोहा ॥ ——*

बोलेकृपानिधानपुनि अतिप्रसन्नमोहिजानि ॥
मांगहुवरजोइभावमन महादानिअनुमानि ॥

॥ चौपाई ॥

सुनिप्रभुवचनजोरियुगपाणी ॥ धरिधीरजबोलेमृदुवाणी ॥ नाथदेखिपदकमल तुम्हारे ॥ अवपूजेसवकामहमारे ॥ एकलालसावडिमनमांही ॥ सुगमअगमक हिजातसोनाही ॥ तुमहिंदेतअतिसुगमगोसांई ॥ अगमलागुमोहिनिजकृपिनां ई ॥ यथादरिद्रविबुधतरुजाई ॥ बहुसंपतिमांगतसकुचाई ॥ तासुप्रभावनजा नैसोई ॥ तथाहृदयममसंशयहोई ॥ सोतुमजानहुअन्तरजामी ॥ पुरवहुमो रमनोरथस्वामी ॥ सकुचविहाइमांगुनृपमोही ॥ मोरेनहिंअदेयकछुतोही ॥

—— ॥ दोहा ॥ *——*

दानिशिरोमणिकृपानिधि नाथकहौंसतभाव ॥
चाहौंतुमहिंसमानसुत प्रभुसनकवनदुराव ॥

॥ चौपाई ॥

देखिप्रीतिसुनिवचनअमोले ॥ एवमस्तुकरुणानिधिबोले ॥ आपसरिसखोजौं कहंजाई ॥ नृपतवतनयहोवमैंआई ॥ शतरूपहिंविलोकिकरजोरे ॥ देविमां गुवरजोरुचितोरे ॥ जोवरनाथचतुरनृपमांगा ॥ सोइकृपालुमोहिअतिप्रियला गा ॥ प्रभुपरंतुसुठिहोतिढिठाई ॥ यदपिभक्तिहिततुमहिसुहाई ॥ तुमब्रह्मा

द्विजनकजगस्वामी ॥ ब्रह्मसकलउरअंतरजामी ॥ असससमुझतमनसंशयहोई कहाजोप्रभुप्रमाणपुनिसोई ॥ जोनिजभक्तनाथतवअहई ॥ जोसुखपावहिंजोगतिलहई ॥ ॥ दोहा ॥

सोइसुखसोइगतिसोइभगति सोइनिजचरणसनेहु ॥
सोइविवेकसोइरहनिप्रभु मोहीकृपाकरिदेहु ॥

॥ चौपाई ॥

सुनिमृदुगूढरुचिरवरचरना ॥ कृपासिंधुबोलेमृदुवचना ॥ जोकछुरुचितुम्हरेमनमांही ॥ मैसोदीन्हसवसंशयनाही ॥ मातुविवेकअलौकिकतोरे ॥ कबहुंनमिटिहिअनुग्रहमोरे ॥ वंदिचरणमनुकहेउवहोरी ॥ अवरएकविनतीप्रभुमोरी ॥ सुतविषयकतवपदरतिहोऊ ॥ मोहिवरुमूढकहैकिनकोऊ ॥ मणिविनुफणिजिमिजलविनुमीना ॥ ममजीवनतिमितुमहिंअधीना ॥ असवरमांगिचरणगहिरहेऊ ॥ एवमस्तुकरुणानिधिकहेऊ ॥ अवतुममअनुशासनमानी ॥ वसहुजाइसुरपतिरजधानी ॥ ॥ सोरठा ॥

तहंकरिभोगविसाल तातगएकछुकालपुनि ॥
होइहहुअवधभुआल तवमैहोवतुम्हारसुत ॥

॥ चौपाई ॥

इच्छामयनरभेषसंवारे ॥ होइहौंप्रगटनिकेततुम्हारे ॥ अंशनसहितदेहधरितााता ॥ करिहौंचरितभक्तसुखदाता ॥ जेसुनिसादरनरवडभागी ॥ भवतरिहहिंममताम़दत्यागी ॥ आदिशक्तिजेहिजगउपजाया ॥ सोअवतरिहिमोरयहमाया ॥ पुरउवमैअभिलाषतुम्हारा ॥ सत्यसत्यप्रणसत्यहमारा ॥ पुनिपुनिअस

कहिंकृपानिधाना ॥ अन्तर्धानभएभगवाना ॥ दंपतिउरधरिभक्तिकृपाला ॥ तेहिआश्रमनिवसेकछुकाला ॥ समयपाइतनुतजिअनयासा ॥ जाइकीन्हअमरावतिवासा ॥ ॥ दोहा ॥

यहइतिहासपुनीतअति उमहिंकहेउवृषकेतु ॥
भरद्वाजसुनुअपरपुनि रामजन्मकरहेतु ॥

॥ चौपाई ॥

सुनुमुनिकथापुनीतपुरानी ॥ जोगिरिजाप्रतिसंभुबखानी ॥ विश्वविदितएककैकयदेसू ॥ सत्यकेतुतहंबसैनरेसू ॥ धर्म्मधुरंधरनीतिनिधाना ॥ तेजप्रतापशीलबलवाना ॥ तेहिकेभयेयुगलसुतबीरा ॥ सबगुणधाममहारणधीरा ॥ राजधनीजेठेसुतआही ॥ नामप्रतापभानुअसताही ॥ अपरसुतहिंअरिमर्दननामा ॥ भुजबलअतुलअचलसंग्रामा ॥ भाइहिभाइपरस्परप्रीती ॥ सकलदोषछलवर्ज्जितरीती ॥ जेठेसुतहिंराजनृपदीन्हा ॥ हरिहितआपुगवनबनकीन्हा ॥ ॥ दोहा ॥

जबप्रतापरविभयेउनृप फिरीदोहाईदेश ॥
प्रजापालअतिवेदविधि कतहुंनहीअघलेश ॥

॥ चौपाई ॥

नृपहितकारकसचिवसुजाना ॥ नामधर्म्मरुचिशुक्रसमाना ॥ सचिवसयानबंधुबलबीरा ॥ आपुप्रतापपुंजरणधीरा ॥ सेनसंगचतुरंगअपारा ॥ अमितसुभटसबसमरजुझारा ॥ सेनबिलोकिराउहरषाना ॥ अरुबाजेगहगहेनिसाना ॥ विजयहेतुकटकाइबनाई ॥ सुदिनसाधिनृपचलेउबजाई ॥ जहंतहंपरीअनेकलराई

॥ जीतेसकलभूपवरिआई ॥ सप्तदीपभुजबलबसकीन्हो ॥ लैलैदंडछाडिन्हपदी न्हो ॥ सकलअवनिमंडलतेहिकाला ॥ एकप्रतापभानुमहिपाला ॥ *****

॥ दोहा ॥

सवशविश्वकरिबाहुबल निजपुरकीन्हप्रवेश ॥
अर्थधर्मकामादिसुख सेवहिंसवैनरेश ॥

॥ चौपाई ॥

भूपप्रतापभानुबलपाई ॥ कामधेनुभैभूमिसुहाई ॥ सबदुखबर्जितप्रजासु खारी ॥ धर्मशीलसुंदरनरनारी ॥ सचिवधर्मरुचिहरिपदप्रीती ॥ नृपहित हेतुशिखवतनीती ॥ गुरुसुरसनापितरमहिदेवा ॥ करैसदानृपसबकीसेवा ॥ भूपधर्मजेवेदबखानै ॥ सकलकरैसादरसुखमानै ॥ दिनप्रतिदेहविविधविधि दाना ॥ सुनैशास्त्रवरवेदपुराणा ॥ नानावापीकूपतडागा ॥ सुमनबाटिकासुं दरबागा ॥ विप्रभवनसुरभवनसुहाये ॥ सवतीरथनविचित्रवनाये ॥ ***

॥ दोहा ॥

जहंलगिकहेपुराणश्रुति एकएकसवयाग ॥
बारसहस्रसहस्रनृप किएसहितअनुराग ॥

॥ चौपाई ॥

हृदयनकछुफलअनुसंधाना ॥ भूपविवेकीपरमसुजाना ॥ करैजोधर्मकर्ममन वानी ॥ बासुदेवअर्पितनृपज्ञानी ॥ चढिवरबाजिवारएकराजा ॥ मृगयाकरस वसाजिसमाजा ॥ विंध्याचलगभीरबनगयऊ ॥ मृगपुनीतबहुमारतभयऊ ॥ फिरतविपिननृपदीखबराहू ॥ जनुबनदुरेशशिहिंग्रसिराहू ॥ बडविधुनहिंस

मातमुखमाहीं॥ मनउँक्रोधबसउगिलतनाहीं॥ कोलकरालदसनछबिगाई॥ तनुबिसालपीवरअधिकाई॥ घुरघुरातहयआरवपायें॥ चकितबिलोकतकानउठायें॥ ✻ ॥ दोहा ॥ ✻

नीलमहीधरसिखरसम देखिबिसालबराह ✻✻॥
चपरिचलेउहयसुटुकिनृप हाँकिनहोइनिबाह॥

॥ चौपाई ॥

आवतदेखिअधिकरवबाजी॥ चलेउबराहमरुतगतिभाजी॥ तुरतकीन्हनृपसरसंधाना॥ महिमिलिगयेउबिलोकतबाना॥ तकितकितीरमहीसचलावा॥ करिछलसुअरसरीरबचावा॥ प्रगटतदुरतजाइमृगभागा॥ रिसिबसभूपचलेउसंगलागा॥ गयउदूरिघनगहनबराहू॥ जहँनाहींगजबाजिनिबाहू॥ अतिअकेलबनबिपुलकलेसू॥ तदपिनमृगमगतजैनरेसू॥ कोलबिलोकिभूपबडधीरा॥ भागिपैठगिरिगुहागंभीरा॥ अगमदेखिनृपअतिपछिताई॥ फिरेउमहाबनपरेउभुलाई॥ ✻ ॥ दोहा ॥ ✻

खेदखिन्नतृषितक्षुधित राजाबाजिसमेत ✻✻✻॥
खोजतब्याकुलसरितसर जलबिनुभयेउअचेत॥

॥ चौपाई ॥

फिरतबिपिनआश्रमएकदेखा॥ तहँबसनृपतिकपटमुनिभेषा॥ जासुदेसनृपलीन्हछड़ाई॥ समरसेनतजिगयेउपराई॥ समयप्रतापभानुकरजानी॥ आपनअतिअसमयअनुमानी॥ गयेउनगृहमनबहुतगलानी॥ मिलानराजहिंनृपअभिमानी॥ रिसिउरमारिरंकजिमिराजा॥ बिपिनबसैतापसकेसाजा॥

तासुसमीपगवननृपकीन्हा॥ यहप्रतापरबितेहिंतबचीन्हा॥ राउतृषितनहिंसोपहिचाना॥ देखिसुभेषमहामुनिजाना॥ उतरितुरगतेंकीन्हप्रणामा॥ परमचतुरनकहेउनिजनामा॥

॥ दोहा ॥

भूपतितृषितबिलोकितेहिं सरबरदीन्हदेखाइ॥
मज्जनपानसमेतहय कीन्हनृपतिहरषाइ॥

॥ चौपाई ॥

गैश्रमसकलसुखीनृपभयऊ॥ निजआश्रमतापसलैगयऊ॥ आसनदीन्हअस्तरबिजानी॥ पुनितापसबोलेउमृदुबानी॥ कोतुमकसबनफिरहुअकेले॥ सुंदरयुवाजीवपरहेले॥ चक्रबर्तिकेलच्छनतोरे॥ देखतदयालागिअतिमोरे॥ नामप्रतापभानुअवनीशा॥ तासुसचिवमैंसुनहुमुनीशा॥ फिरतअहेरेंपरेउँभुलाई॥ बडेभाग्यदेखेउँपदआई॥ हमकहँदुर्लभदरसतुम्हारा॥ जानतहौंकछुभलहोनिहारा॥ कहमुनितातभयेउअँधियारा॥ योजनसत्तरिनगरतुम्हारा॥

॥ दोहा ॥

निशाघोरगंभीरबन पंथनसुनहुसुजान॥
बसहुआजुअसजानितुम जाएहुहोतबिहान॥

॥ चौपाई ॥

भलेहिंनाथआयसुधरिसीसा॥ बांधितुरगतरुबैठमहीशा॥ नृपबहुभांतिप्रशंसेउताही॥ चरणबंदिनिजभाग्यसराही॥ पुनिबोलेउमृदुगिरासुहाई॥ जानिपिताप्रभुकरौंढिठाई॥ मोहिमुनीशसुतसेवकजानी॥ नाथनामनिजकहहुबखानी॥ तेहिनजाननृपनृपहिंसोजाना॥ भूपसुहृदयसोकपटसयाना॥ बैरी

पुनिछत्रीपुनिराजा॥ छलबलकीन्हचहैनिजकाजा॥ समुझिराजसुखदुखितअराती॥ अवाअनलइवसुलगैछाती॥ सरलबचननृपकेसुनिकाना॥ बयरसंभारिहृदयहरषाना॥ ॥दोहा॥

कपटवोरिवाणीमृदुल बोलेउजुगुतिसमेत॥
नामहमारभिखारिअब निर्धनरहितनिकेत॥

॥चौपाई॥

कहनृपजेविज्ञाननिधाना॥ तुमसारिखेगलितअभिमाना॥ सदारहहिंअपनेकोदुरायें॥ सबविधिकुशलकुभेषबनायें॥ तेहितेकहहिंसंतश्रुतिटेरे॥ परमअकिंचनप्रियहरिकेरे॥ तुमसमअधनभिखारिअगेहा॥ होतविरंचिशिवहिंसंदेहा॥ योसिसोसितवचरणनमामी॥ मोपरकृपाकरियअबस्वामी॥ सहजप्रीतिभूपतिकीदेखी॥ आपविषयविश्वासविशेषी॥ सबप्रकारराजहिंअपनाई॥ बोलेउअधिकसनेहजनाई॥ सुनुसतिभावकहौंमहिपाला॥ इहांवसतबीतेबहुकाला॥ ॥दोहा॥

अबलगिमोहिनमिलेउकोउ मैनजनावेउंकाहु॥
लोकमान्यताअनलसम करतपकाननदाहु॥

॥चौपाई॥

तातेंगुप्तरहौंजगमाहीं॥ हरितजिकिमपिप्रयोजननाहीं॥ प्रभुजानतसबबिनहिंजनायें॥ कहहुकवनसिधिलोकरिझायें॥ तुमसुचिसुमतिपरमप्रियमोरे॥ प्रीतिप्रतीतिमोहिपरतोरे॥ अबजौंतातदुरावौंतोही॥ दारुणदोषबढैअतिमोही॥ जिमिजिमितापसकथैउदासा॥ तिमितिमिनृपहिउपजविश्वासा॥

देखार्संबरएकर्ममनमानी ॥ तबबोलातापसबकध्यानी ॥ नामहमारएकतनुभाई ॥ सुनिन्हपबोलेउपुनिशिरनाई ॥ कहहुनामकरअर्थबखानी ॥ मोहिसेवकअ तिआपनजानी ॥ *~*~** ॥ दोहा ॥ *~*~*~*~*

आदिसृष्टिउपजीजबै तबउतपतिभइमोरि॥
नामएकतनुहेतुतेहि देहनधरीबहोरि * ॥

॥ चौपाई ॥

जनिआश्चर्य्यकरहुमनमाहीं ॥ सुततपतेंदुर्लभकछुनाहीं ॥ तपबलतेंजगसृजे बिधाता ॥ तपबलबिष्णुभएपरित्राता ॥ तपबलशंभुकरहिंसंहारा ॥ तपबलशेष धरहिंमहिभारा ॥ तपअधारसबसृष्टिअपारा ॥ तपतेंअगमनकछुसंसारा ॥ भ यउन्हपहिंसुनिअतिअनुरागा ॥ कथापुरातनकहैसोलागा ॥ कर्मधर्मइतिहास अनेका ॥ करैनिरूपणबिरतिबिबेका ॥ उद्भवपालनप्रलयकहानी ॥ कहेसि अमितआश्चर्य्यबखानी ॥ सुनिमहीशतापसबशभयऊ ॥ आपनानामकहनतबल यऊ ॥ कहतापसन्हपजानैंतोही ॥ कीन्हेउकपटलागुभलमोही ॥ **** *~*~*~*~* ॥ सोरठा ॥ **~*~*~*~**

सुनिमहीशअसनीति जहंतहंनामनकहहिंन्हप ॥
मोहितोहिपरअतिप्रीति परमचतुरतानिरखितव ॥

॥ चौपाई ॥

नामतुम्हारप्रतापदिनेशा ॥ सत्यकेतुतवपितानरेशा ॥ गुरुप्रसादसबजानियरा जा ॥ कहियनआनहिंजानिअकाजा ॥ देखितातनवसहजसुधाई ॥ प्रीतिप्रती तिनीतिनिपुनाई ॥ उपजिपरीममतामनमोरे ॥ कहौंकथानिजबूझेतोरे ॥ अ

नप्रसन्नमैंसंशयनाहीं ॥ मांगुजोभूपभावमनमाहीं ॥ सुनिसुवचनभूपतिहरषाना ॥ गहिपदविनयकीन्हविधिनाना ॥ कृपासिंधुमुनिदरशनतोरे ॥ चारिपदारथकरतलमोरे ॥ प्रभुहिंतथापिप्रसन्नविलोकी ॥ मांगिअगमवरहोउंअशोकी ॥

॥ दोहा ॥

जरामरणदुखरहिततन समरनजीतैकोउ ॥
एकछत्ररिपुहीनमहि राजकल्पशतहोउ ॥

॥ चौपाई ॥

कहतापसनृपऐसइहोऊ ॥ कारणएककठिनसुनुसोऊ ॥ कालौतवपदनाइहिसीसा ॥ एकविप्रकुलछाडिमहीशा ॥ तपवलविप्रसदावरियारा ॥ तिनकेकोपनकोउरखवारा ॥ जौंविप्रनवशकरहुनरेशा ॥ तौतववशविधिविष्णुमहेशा ॥ चलनब्रह्मकुलसोंवरिआई ॥ सत्यकहौंदोउभुजाउठाई ॥ विप्रश्रापविनुसुनुमहिपाला ॥ तोरनाशनहिंकवनिउंकाला ॥ हरषेउराउवचनसुनितासू ॥ नाथनहोइमोरअवनासू ॥ तवप्रसादप्रभुकृपानिधाना ॥ मोकहंसर्वकालकल्याना ॥

॥ दोहा ॥

एवमस्तुकहिकपटमुनि बोलाकुटिलवहोरि ॥
मिलवहमारभुलावनिज कहहुतोमोहिनखोरि ॥

॥ चौपाई ॥

तातेंमैंतोहिबरजौंराजा ॥ कहेकथातवपरमअकाजा ॥ छठेंश्रवणयहपरतकहानी ॥ नाशतुम्हारसत्यममवानी ॥ यहप्रगटेअथवाद्विजश्रापा ॥ नाशतोरसुनुभानुप्रतापा ॥ आनउपायनिधनतवनाहीं ॥ जौंहरिहरकोपहिंमनमाहीं ॥ स

यनाथपदगहिव्रभाव ॥ द्विजगुरुकोपकहहुकोराया ॥ राखैगुरुजोकोपविधाता ॥ गुरुविरोधनहिंकोउजगत्राता ॥ जौंनचलवहमकहेतुम्हारे ॥ होइनाशनहिसोचहमारे ॥ एकहिडरडरपतमनमोरा ॥ प्रभुमहिदेवश्रापअतिघोरा ॥

॥ दोहा ॥

होंहिविप्रवशकवनविधि कहहुकृपाकरिसोउ ॥
तुमतजिदीनदयालनिज हितूनदेखौंकोउ ॥

॥ चौपाई ॥

सुनुनृपविविधयतनजगमाहीं ॥ कष्टसाध्यपुनिहोंहिकिनाहीं ॥ अहैएकअतिसुगमउपाई ॥ तहांपरंतुएककठिनाई ॥ ममआधीनयुक्तिनृपसोई ॥ मोरजावतवनगरनहोई ॥ आजुलगेअरुजवतेंभयऊं ॥ काहूकेगृहग्रामनगयऊं ॥ जोनजावतवहोइअकाजू ॥ वनाआइअसमंजसआजू ॥ सुनिमहीपबोलेमृदुवानी ॥ नाथनिगमअसनीतिवखानी ॥ वडेसनेहलघुनपरकरहीं ॥ गिरिनिजशिरनसदातृणधरहीं ॥ जलधिअगाधिमौलिवहफेणू ॥ संततधरणिधरतशिररेणू ॥

॥ दोहा ॥

असकहिगहेनरेशपद स्वामीहोहुकृपालु ॥
मोहिलागिदुखसहियप्रभु सज्जनदीनदयालु ॥

॥ चौपाई ॥

जानिनृपहिंआपनआधीना ॥ वोलातापसकपटप्रवीना ॥ सत्यकहौंभूपतिसुनुतोही ॥ जगमहंनहिंदुर्लभकछुमोही ॥ अवशिकाजमैंकरिहौंतोरा ॥ मनक्रमवचनभक्ततैंमोरा ॥ योगयुक्तितपमंत्रप्रभाऊ ॥ फलैतवहिंजवकरियदुराऊ ॥ जौंन

बप्रसन्नमैंसंशयनाहीं ॥ मांगुजोभूपभावमनमाहीं ॥ सुनिसुबचनभूपतिहरखाना ॥ गहिपदबिनयकीन्हबिधिनाना ॥ कृपासिंधुमुनिदरशनतोरे ॥ चारिपदारथकरतलमोरे ॥ प्रभुहिंतथापिप्रसन्नबिलोकी ॥ मांगिअगमवरहोउंअशोकी ॥

॥ दोहा ॥

जरामरणदुखरहिततन समरनजीतैकोउ ॥
एकछत्ररिपुहीनमहि राजकल्पशतहोउ ॥

॥ चौपाई ॥

कहतापसन्टपऐसइहोऊ ॥ कारणएककठिनसुनुसोऊ ॥ कालौतवपदनाइहिसीसा ॥ एकविप्रकुलछाडिमहीशा ॥ तपवलविप्रसदावरियारा ॥ तिनकेकोपनकोउरखवारा ॥ जौंविप्रनवशकरहुनरेशा ॥ तौतववशविधिविष्णुमहेशा ॥ चलनब्रह्मकुलसोंवरिआई ॥ सत्यकहौंदोउभुजाउठाई ॥ विप्रश्रापविनुसुनुमहिपाला ॥ तोरनाशनहिंकवनिउंकाला ॥ हरषेउराउवचनसुनितासू ॥ नाथनहोइमोरअवनासू ॥ तवप्रसादप्रभुकृपानिधाना ॥ मोकहंसर्बकालकल्याना ॥

॥ दोहा ॥

एवमस्तुकहिकपटमुनि बोलाकुटिलवहोरि ॥
मिलवहमारभुलावनिज कहहुतौमोरिनखोरि ॥

॥ चौपाई ॥

तातेंमैतोहिबरजौंराजा ॥ कहेकथातवपरमअकाजा ॥ छठेंश्रवणयहपरतकहानी ॥ नाशतुम्हारसत्यममबानी ॥ यहप्रगटेअथवाद्विजश्रापा ॥ नाशतोरसुनुभानुप्रतापा ॥ आनउपायनिधनतवनाही ॥ जौंहरिहरकोपहिंमनमाहीं ॥ स

थनाथपदगहिऊपभाषा ॥ द्विजगुरुकोपकहहुकोराषा ॥ राखैंगुरुजोकोपविधाता ॥ गुरुविरोधनहिंकोउजगत्राता ॥ जौंनचलवहमकहेतुम्हारे ॥ होइनाशनहिंसोचहमारे ॥ एकहिडरडरपतमनमोरा ॥ प्रभुमहिदेवश्रापअतिघोरा ॥

॥ दोहा ॥

होंहिविप्रवशकवनविधि कहहुकृपाकरिसोउ ॥
तुमतजिदीनदयालनिज हितूनदेखौंकोउ ॥

॥ चौपाई ॥

सुनुनृपविविधयतनजगमाहीं ॥ कष्टसाध्यपुनिहोंहिकिनाहीं ॥ अहैएकअतिसुगमउपाई ॥ तहांपरंतुएककठिनाई ॥ ममअधीनयुक्तिनृपसोई ॥ मोरजावतवनगरनहोई ॥ आजुलगेअरुजवतेंभयऊं ॥ काहूकेगृहग्रामनगयऊं ॥ जोनजावतवहोइअकाजू ॥ वनाआइअसमंजसआजू ॥ सुनिमहीपवोलेमृदुवानी ॥ नाथनिगमअसनीतिवखानी ॥ वडेसनेहलघुनपरकरहीं ॥ गिरिनिजशिरनसदातृणधरहीं ॥ जलअगाधिमौलिवहफेणू ॥ संततधरणिधरतशिररेणू ॥

॥ दोहा ॥

असकहिगहेनरेशपद स्वामीहोउकृपालु ॥
मोहिलागिदुखसहियप्रभु सज्जनदीनदयालु ॥

॥ चौपाई ॥

जानिनृपहिंआपनआधीना ॥ वोलातापसकपटप्रवीना ॥ सत्यकहौंभूपतिसुनुतोही ॥ जगमहंनहिंदुर्लभकछुमोही ॥ अवशिकाजमैंकरिहौंतोरा ॥ मनक्रमवचनभक्ततैंमोरा ॥ योगयुक्तितपमंत्रप्रभाऊ ॥ फलैतवहिंजवकरियदुराऊ ॥ जौंन

रेउँमैंकरबरसोई ॥ तुमपरसकलमोहिजाननकोई ॥ अन्नसोइजोइजोइभोजनकरई ॥ सोइसोइतवआयसुअनुसरई ॥ पुनितिनकेगृहजेवैंजोई ॥ तववसहोइभूपसुनुसोई ॥ जाइउपायरचहुनृपएहू ॥ संबतभरिसंकलपकरेहू ॥

॥ दोहा ॥

नितिनूतनद्विजसहससत बरेहुसहितपरिवार ॥
मैंतुम्हरेसंकलपलगि दिनहिंकरबजेंवनार ** ॥

॥ चौपाई ॥

एहिविधिभूपकष्टअतिथोरें ॥ होइहहिंसकलविप्रवसतोरे ॥ करिहहिंविप्रहोममखसेवा ॥ तेहिप्रसंगसहजहिंवसदेवा ॥ औरएकतोहिकहौंलखाऊ ॥ मैंयहिभेषनआउबकाऊ ॥ तुम्हरेउपरोहितकहंराया ॥ हरिआनबमैंकरिनिजमाया ॥ तपबलतेहिकरिआपुसमाना ॥ रखिहौंइहांबरषपरमाना ॥ मैंधरितासुभेषसुनुराजा ॥ सबविधितोरसंवारबकाजा ॥ गैनिसिबहुतसयनअबकीजे ॥ मोहितोहिभूपभेंटदिनतीजे ॥ मैंतपबलतोहितुरगसमेता ॥ पहुंचैहौंसोवतहिनिकेता ॥

॥ दोहा ॥

मैंआउबसोइभेषधरि पहिचानेहुतबमोहि ॥
जबएकांतबुलाइसब कथासुनाऊंतोहि * ॥

॥ चौपाई ॥

सयनकीन्हनृपआयसुमानी ॥ आसनजाइबैठछलज्ञानी ॥ श्रमितभूपनिद्राअतिआई ॥ सोकिमिसोवसोचअधिकाई ॥ कालकेतुनिसिचरतहंआवा ॥ जेहिसूकरहोइनृपहिंभुलावा ॥ परममित्रतापसनृपकेरा ॥ जानैसोअतिकपटघनेरा ॥

तेहिकेशतसुतअरुदशभाई ॥ खलअतिअजयदेवदुखदाई ॥ प्रथमहिंभूपसमरसबमारे ॥ विप्रसंतसुरदेखिदुखारे ॥ तेहिखलपाछिलबयरसंभारा ॥ तापसनृपमिलिमंत्रविचारा ॥ जेहिरिपुक्षयसोइरचेसिउपाई ॥ भावीबशनजानकछुराई ॥ ***** ॥ दोहा ॥ ******

रिपुतेजसीअकेलअपि लघुकरिगणियननाहु ॥
अजहुंदेतदुखरविशशिहिं शिरअवशेषितराहु ॥

॥ चौपाई ॥

तापसनृपनिजसखहिनिहारी ॥ हरषिमिलेउउठिभयउसुखारी ॥ मित्रहिकहिसबकथासुनाई ॥ यातुधानबोलासुखपाई ॥ अबसाधेउंरिपुसुनहुनरेशा ॥ जौंतुमकीन्हमोरउपदेशा ॥ परिहरिसोचरहहुतुमसोई ॥ बिनुऔषधहिंव्याधिबिधिखोई ॥ कुलसमेतरिपुमूलबहाई ॥ चौथेदिवसमिलबमैंआई ॥ तापसनृपहिंबहुतपरितोषी ॥ चलामहाकपटीअतिरोषी ॥ भानुप्रतापहिंबाजिसमेता ॥ पहुंचायेसिसोवतहिनिकेता ॥ नृपहिंनारिपहंशयनकराई ॥ हयगृहबांधेसिबाजिबनाई ॥ *** ॥ दोहा ॥ *****

राजाकेउपरोहिततहिं हरिलैगयउबहोरि ॥
लैराखेसिगिरिखोहमहं मायाकरिमतिभोरि ॥

॥ चौपाई ॥

आपुबिरचिउपरोहितरूपा ॥ परजाइतेहिंसेजअनूपा ॥ जागेउनृपअनुभयउबिहाना ॥ देखिभवनअतिअचरजमाना ॥ मुनिमहिमामनमहंअनुमानी ॥ उठेगवहिंजेहिजाननरानी ॥ काननगयउबाजिचढ़ितेही ॥ पुरनरनारिनजा

नेहुबेही ॥ गयेउजामजुगभूपतिआवा ॥ घरघरउत्सवबाजबधावा ॥ उपरोहितहिंदेखजबराजा ॥ चकितबिलोकिसुमिरिसोइकाजा ॥ जुगसमनृपहिगएदिनतीनी ॥ कपटीमुनिपदरहमतिलीनी ॥ समयजानिउपरोहितआवा ॥ नृपहिमतेसबकहिसमुझावा ॥ ** ॥ दोहा ॥ ***

नृपहरषेउपहिचानिगुरु भ्रमबशरहानचेत ॥
बरेतुरतशतसहसबर बिप्रकुटुंबसमेत * ॥

॥ चौपाई ॥

उपरोहितजेंवनारबनाई ॥ छरसचारिबिधिजसश्रुतिगाई ॥ मायामयतेहिंकीन्हरसोई ॥ व्यंजनबहुगनिशकैनकोई ॥ बिबिधमृगनकरआमिषरांधा ॥ तेहिमहंबिप्रमांसुखलसांधा ॥ भोजनकहंसबबिप्रबुलाये ॥ पदपखारिसादरबैठाये ॥ परुसनलागुजबहिंमहिपाला ॥ भइआकाशबाणीतेहिकाला ॥ बिप्रबृन्दउठिउठिगृहजाहू ॥ हैबडिहानिअन्नजनिखाहू ॥ भयउरसोईंभूसुरमांसू ॥ सबद्विजउठेमानिबिश्वासू ॥ भूपबिकलमतिमोहभुलानी ॥ भावीबशनआवमुखबानी ॥ ** ॥ दोहा ॥ ***

बोलेबिप्रसकोपतब नहिंकछुकीन्हबिचार ॥
जाइनिशाचरहोहुनृप मूढसहितपरिवार ॥

॥ चौपाई ॥

छत्रबंधतैंबिप्रबोलाई ॥ घालैलियेसहितसमुदाई ॥ ईश्वरराखाधर्महमारा ॥ जैहसितैंसमेतपरिवारा ॥ संवतमध्यनाशतवहोऊ ॥ जलदातानरहिहिकुलकोऊ ॥ नृपसुनिश्रापबिकलअतित्रासा ॥ भइबहोरिबरगिराअकासा ॥ बिप्रहु

आपबिचारिनदीन्हा ॥ नहिंअपसधभूपकछुकीन्हा ॥ चकितविप्रसबसुनिनभ बानी ॥ भूपगयेजहंभोजनखानी ॥ तहंनअसननहिंविप्रसुआरु ॥ फिरेउरा उमनसोचअपारु ॥ सबप्रसंगमहिसुरनसुनाई ॥ त्रसितपरेउअवनीअकुला ई ॥ ****** ॥ दोहा ॥ *******

भूपतिभावीमिटैनहिं यदपिनदूषणतोर ॥
कियेअन्यथाहोइनहिं विप्रश्रापअतिघोर ॥

॥ चौपाई ॥

असकहिसबमहिदेवसिधारे ॥ समाचारपुरलोगनपाए ॥ सोचहिंदूषण दैवहिंदेहीं ॥ बिरचतहंसबकाकियजेही ॥ उपरोहितहिभवनपहुंचाई ॥ असुरतापसहिंखबरिजनाई ॥ तेहिखलजहंतहंपत्रिपठाये ॥ सजिसजिसे नभूपसबआये ॥ घेरिन्हनगरनिसानबजाई ॥ विविधभांतिनितिहोतिलराई ॥ जूझेसकलसुभटकीकरणी ॥ बंधुसमेतपरेन्हपधरणी ॥ सत्यकेतुकुलकोइं नबांचा ॥ विप्रश्रापकिमिहोइअसांचा ॥ रिपुहिंजीतिन्हपनगरबसाई ॥ नि जनिजपुरगयजयजसपाई ॥ ** ॥ दोहा ॥ *************

भरद्वाजसुनुजाहिजब होतबिधाताबाम ॥
धूरिमेरुसमजनकयम ताहिब्यालसमदाम ॥

॥ चौपाई ॥

कालपाइमुनिसुनुसोइराजा ॥ भयउनिशाचरसहितसमाजा ॥ दशशिरताहि बीसभुजदंडा ॥ रावणनामबीरबरिबंडा ॥ भूपअनुजअरिमर्दननामा ॥ भ यउसोकुंभकर्णबलधामा ॥ सचिवजोरहाधर्मरुचिजासू ॥ भयेउविवि

भाववंधुलघुताह्नू ॥ नामविभीषणजेहिजगजाना ॥ विष्णुभक्तविज्ञाननिधाना ॥ रहेजेसुतसेवकन्हपकेरे ॥ भयेनिशाचरघोरघनेरे ॥ कामरूपखलजिनिसअनेका ॥ कुटिलभयंकरबिगतविवेका ॥ कृपारहितहिंसकसवपापी ॥ वरनिनजाइविश्वपरितापी ॥ ॥ दोहा ॥

उपजेयदपिपुलस्त्यकुल पावनअमलअनूप ॥
तदपिमहीसुरशापवश भयेसकलअघरूप ॥

॥ चौपाई ॥

कीन्हविविधतपतीनौभाई ॥ परमउग्रनोवरनिनजाई ॥ गयउनिकटतपदेखिविधाता ॥ मांगहुवरप्रसन्नमैदाता ॥ करिविनतीपदगहिदशसीसा ॥ बोलेउवचनसुनहुजगदीसा ॥ हमकाहूकरमरहिंनमारे ॥ वानरमनुजजातिदुइवारे ॥ एवमस्तुतुमवडतपकीन्हा ॥ मैब्रह्मामिलितेहिवरदीन्हा ॥ पुनिप्रभुकुंभकर्णपहंगयऊ ॥ तेहिविलोकिमनविस्मयभयऊ ॥ जौंयहखलनितिकरवअहारा ॥ होइहिसबउजारिसंसारा ॥ शारदप्रेरितासुमतिफेरी ॥ मांगेसिनींदमासषटकेरी ॥ ॥ दोहा ॥

गयेउविभीषणपासतव कहापुत्रवरमांगु ॥
तेहिमांगेउभगवंतपद कमलअमलअनुरागु ॥

॥ चौपाई ॥

तिनहिंदेइवरब्रह्मसिधाए ॥ हर्षिततेअपनेगृहआए ॥ मयतनुजामंदोदरिनामा ॥ परमसुंदरीनारिललामा ॥ सोइमयदीन्हरावणहिंआनी ॥ भईसोयातुधानपतिरानी ॥ हर्षितभयउनारिभलिपाई ॥ पुनिदोउबंधुविवाहे

सिजाई॥ गिरित्रिकूटएकसिंधुमझारी॥ बिधिनिर्मितदुर्गमअतिभारी॥ सोइ मयदानवबहुरिसंवारा॥ कनकरचितमणिभवनअपारा॥ भोगवतीजसअहि कुलवासा॥ अमरावतिजसशक्रनिवासा॥ तिनतेअधिकरम्यअतिबंका॥ जग विख्याततनामतेहिलंका॥ **~~~**॥ दोहा॥ **~~~**

खाईसिंधुगंभीरअति चारिउदिशिफिरिआव॥
कनककोटमणिखचितदृढ बरणिनजाइबनाव॥

॥ चौपाई॥

रहैतहांनिश्चरभटभारे॥ तेसबसुरनसमरसंहारे॥ अबतहंरहहिंशक्रकेप्रेरे॥ रक्षककोटियक्षपतिकेरे॥ दशमुखकतहुंखबरिअसपाई॥ सेनसाजिगढ घेरेसिजाई॥ देखिविकटभटबडिकटकाई॥ यक्षजीवलैगएपराई॥ फिरिसबनगरदशाननदेखा॥ गयउसोचसुखभयउविशेखा॥ सुंदरसहजअगम अनुमानी॥ कीन्हतहांरावणरजधानी॥ जेहिजसयोगबांटिगृहदीन्हा॥ सुखीसकलरजनीचरकीन्हा॥ एकबारकुवेरपरधावा॥ पुष्पकजानजीतिलै आवा॥ *~~*~~*~~**॥ दोहा॥ **~~*~~*~~*~~**

कौतुकहीकैलासपुनि लीन्हेसिजाइउठाइ॥
मनहुंतौलिनिजबाहुबल चलाअधिकसुखपाइ॥
देवयक्षगंधर्बनर किन्नरनागकुमारि ***॥
जीतिबरीनिजबाहुबल बहुसुंदरिबरनारि॥

॥ चौपाई॥

सुखसंपतिसुतसेनसहाई॥ जयप्रतापबलबुद्धिबडाई॥ नितिनूतनसबबाढत

जाई॥ जिमिप्रतिलाभलोभअधिकाई॥ अतिबलकुंभकर्णअसभ्राता॥ जेहिक
हुंनहिंप्रतिभटजगजाता॥ करिमदपानसोवषटमासा॥ जागतहोइतिहूंपुर
त्रासा॥ जौंदिनप्रतिअहारकरसोई॥ बिश्वबेगिसबचौपटहोई॥ समरधी
रनहिंजाइबखाना॥ तेहिसमअमितबीरबलवाना॥ बारिदनादजेठसुततासू॥
भटमहंप्रथमलीकजगजासू॥ जेहिनहोइरणसन्मुखकोई॥ सुरपुरनि
तहिंपरावनहोई॥ ॥ दोहा॥

कुमुखअकंपनकुलिशरद धूम्रकेतुअतिकाय॥
एकएकजगजीतिशक ऐसेसुभटनिकाय॥

॥ चौपाई॥

कामरूपजानहिंसबमाया॥ सपनेहुजिनकेधर्मनदाया॥ दशमुखबैठसभाए
कबारा॥ देखिअमितआपनपरिवारा॥ सुतसमूहजनपरिजननाती॥ गनैको
पारनिशाचरजाती॥ सेनबिलोकिसहजअभिमानी॥ बोलाबचनक्रोधमदसा
नी॥ सुनहुसकलरजनीचरयूथा॥ हमरेबैरीबिबुधबरूथा॥ तेसन्मुखन
हिंकरहिंलराई॥ देखिसबलरिपुजाहिंपराई॥ तिनकरमरणएकबिधिहो
ई॥ कहौंबुझाइसुनहुअबसोई॥ द्विजभोजनमखहोमसराधा॥ सबकरजा
इकरहुतुमबाधा॥ ॥ दोहा॥

क्षुधाक्षीणबलहीनसुर सहजहिंमिलिहहिंआइ॥
तबमारिहौंकिछाडिहौं भलीभांतिअपनाइ॥

॥ चौपाई॥

मेघनादकहंपुनिहंकरावा॥ दीन्हसीखबलबयरबढावा॥ जेसुरसमरधीरबल

बाना॥ जिनकेलरिबेकोअभिमाना॥ तिन्हहिंजीतिरनआनहिंबांधी॥ उठिसुतपितुअनुशासनकांधी॥ एहिबिधिसबहीअज्ञादीन्ही॥ आपुनचलेउगदाकरलीन्ही॥ चलतदशाननडोलतअवनी॥ गर्जतगर्भश्रवतसुररवनी॥ रावणआवतसुनेउसकोहा॥ देवनतकेउमेरुगिरिखोहा॥ दिगपालनकेलोकसुधारे॥ सूनेसकलदशाननपारे॥ पुनिपुनिसिंहनादकरिभारी॥ देइदेवतन्हिगारिप्रचारी॥ रणमदमत्तफिरैजगधावा॥ प्रतिभटखोजतकतहुंनपावा॥ रविशशिपवनबरुणधनुधारी॥ अग्निकालयमसबअधिकारी॥ किन्नरसिद्धमनुजसुरनागा॥ हठिसबहीकेपंथहिलागा॥ ब्रह्मसृष्टिजहंलगितनुधारी॥ दशमुखबशबर्तीनरनारी॥ आयसुकरहिंसकलभयभीता॥ नवहिंआइनितचरणविनीता॥

॥ दोहा॥

भुजबलविश्ववश्यकरि राखेसिकोउनस्वतंत्र॥
मंडलीकमणिरावण राजकरैनिजमंत्र॥

॥ चौपाई॥

इंद्रजीतसनजोकछुकहेऊ॥ सोसबजनुपहिलेकरिरहेऊ॥ प्रथमहिंजिनकहंआयसुदीन्हा॥ तिन्हकरचरितसुनहुजोकीन्हा॥ देखतभीमरूपसबपापी॥ निशिचरनिकरदेवपरितापी॥ करहिंउपद्रवअसुरनिकाया॥ नानारूपधरहिंकरिमाया॥ जेहिबिधिहोइधर्मनिर्मूला॥ सोसबकरहिंवेदप्रतिकूला॥ जेहिजेहिदेशधेनुद्विजपावहिं॥ नगरग्रामपुरआगिलगावहिं॥ शुभआचरणकतहुंनहिहोई॥ देवविप्रगुरुमाननकोई॥ नहिंहरिभक्तियज्ञजपदाना॥ सपनेहुंसुनियनवेदपुराना॥

॥ छंद॥

जपयोगविरागातपमखभागाश्रवनसुनैदससीसा ॥ * ॥ आपुन
ठिधावैरहैनपावैधरिसबघालैखीसा ॥ * ॥ असभ्रष्टअचारभासं
साधर्मसुनियनहिंकाना ॥ * ॥ तेहिबहुविधित्रासैदेशनिकासै
जोकहबेदपुराणा ॥ * ॥ सोरठा ॥ * *

बरणिनजाइअनीति घोरनिशाचरजोकरहिं ॥
हिंसापरअतिप्रीति तिनकेपापहिकवनमिति ॥

॥ चौपाई ॥

बाढेबहुखलचोरजुआरा ॥ जेलंपटपरधनपरदारा ॥ मानहिंमातुपितानहिदे
वा ॥ साधुनसेंकरवावहिंसेवा ॥ जिनकेयहआचरणभवानी ॥ तेजानहुनिश्च
रसमप्राणी ॥ अतिशयदेखिधर्मकैहानी ॥ परमसभीतधराअकुलानी ॥ गिरिस
रिसिंधुभारनहिमोही ॥ जसमोहिगरुअएकपरद्रोही ॥ सकलधर्मदेखहिंविप
रीता ॥ कहिनसकैरावणभयभीता ॥ धेनुरूपधरिहृदयविचारी ॥ गईतहांज
हंसुरमुनिझारी ॥ निजसंतापसुनायेसिरोई ॥ काहूतेकछुकाजनहोई ॥

॥ छंद ॥

सुरमुनिगंधर्बामिलिकरिसर्बागयेबिरंचिकेलोका ॥ * ॥ संगगोत
नुधारीभूमिबेचारीपरमबिकलभयशोका ॥ * ॥ ब्रह्मासबजानाम
नअनुमानामेरोकछुनबसाई ॥ * ॥ जाकरितैंदासीसोअविनाशी
हमरोतोरसहाई ॥ * ॥ सोरठा ॥ * *

धरणिधरहुमनधीर कहबिरंचिहरिपदसुमिरि ॥
जानतजनकीपीर प्रभुभंजहिदारुणविपति ॥

॥ चौपाई ॥

बैठेसुरसबकरहिंबिचारा ॥ कहंपाइयप्रभुकरियपुकारा ॥ पुरबैकुंठजानकहकोई ॥ कोइकहपयनिधिमहँबसुसोई ॥ जाकेहृदयभक्तिजसप्रीती ॥ प्रभुतेहिप्रगटसदायहरीती ॥ तेहिसमाजगिरिजामैरहेऊं ॥ अवसरपायबचनएककहेऊं ॥ हरिव्यापकसर्वत्रसमाना ॥ प्रेमतेंप्रगटहोहिंमैजाना ॥ देशकालदिशिबिदिशिहुमाहीं ॥ कहहुसोकहांजहांप्रभुनाहीं ॥ अगजगमयसबरहितबिरागी ॥ प्रेमतेप्रगटहोइजिमिआगी ॥ मोरबचनसबकेमनमाना ॥ साधुसाधुकरिब्रह्मबखाना ॥ ॥ दोहा ॥

सुनिबिरंचिमनहर्षतन पुलकनयनबहनीर ॥
अस्तुतिकरतसजोरिकर सावधानमतिधीर ॥

॥ छंद ॥

जयजयसुरनायकजनसुखदायकप्रणतपालभगवंता ॥ ॥ गोद्विजहितकारीजयअसुरारीसिंधुसुताप्रियकंता ॥ ॥ पालनसुरधरणीअद्भुतकरणीमर्मनजानैकोई ॥ ॥ जोसहजकृपालादीनदयालाकरोअनुग्रहसोई ॥ ॥ जयजयअबिनाशीसबघटबासीव्यापकपरमानंदा ॥ ॥ अबिगतगोतीतंचरितपुनीतंमायारहितमुकुन्दा ॥ ॥ जेहिलागिबिरागीअतिअनुरागीबिगतमोहमुनिबृन्दा ॥ ॥ निशबासरध्यावहिंहरिगुणगावहिंजयतिसच्चिदानंदा ॥ ॥ जेहिसृष्टिउपाईत्रिबिधबनाईसंगसहायनदूजा ॥ ॥ सोकरउअघारीचिंतहमारीजानियभक्तिनपूजा

॥ * ॥ जोभवभयभंजनजनमनरंजनगंजनविपतिवरूथा ॥ * ॥ मनवचक्रमवाणीछाडिसयानीसरणसकलसुरयूथा ॥ * ॥ शारदश्रुतिशेषाऋषयअशेषाजाकहुंकोउनजाना ॥ * ॥ जेहिदीनपियारेवेदपुकारेद्रवोसोश्रीभगवाना ॥ * ॥ भववारिधिमंदरसववविधिसुंदरगुणमंदिरसुखपुंजा ॥ * ॥ मुनिसिद्धसकलसुरपरमभयातुरनमतनाथपदकंजा ॥ * * * * * * * * * * ॥

॥ दोहा ॥

जानिसभयसुरभूमिसुनि वचनसमेतसनेह ॥
गगनगिरागंभीरभइ हरणिशोकसंदेह ** ॥

॥ चौपाई ॥

जनिडरपहुमुनिसिद्धसुरेशा ॥ तुमहिंलागिधरिहौंनरवेषा ॥ अंशनसहितमनुजअवतारा ॥ लैहौंदिनकरवंशउदारा ॥ कश्यपअदितिमहातपकीन्हा ॥ तिनकहमैंपूरववरदीन्हा ॥ तेदशरथकौशल्यारूपा ॥ कोशलपुरीप्रगटनरभूपा ॥ तिनकेगृहअवतरिहौंजाई ॥ रघुकुलतिलकसोचारिउभाई ॥ नारदवचनसत्यसबकरिहौं ॥ परमशक्तिसमेतअवतरिहौं ॥ हरिहौंसकलभूमिगरुआई ॥ निर्भयहोहुदेवसमुदाई ॥ गगनब्रह्मवाणीसुनिकाना ॥ तुरतफिरेसुरहृदयजुडाना ॥ तवब्रह्माधरणिहिसमुझावा ॥ अभयभईभरोसजियआवा ॥

॥ दोहा ॥

निजलोकहिंविरंचिगए देवन्हइहैसिखाई ॥
वानरतनुधरिधरणिमहं हरिपदसेवहुजाई ॥

॥ चौपाई ॥

गएदेवसबनिजनिजधामा ॥ भूमिसहितपायेबिश्रामा ॥ जोकछुआयसुब्रह्मादीन्हा ॥ हर्षेदेवबिलंबनकीन्हा ॥ बनचरदेहधरीछितिमाहीं ॥ अतुलितबलप्रतापतिनपाही ॥ गिरितरुनखआयुधसबबीरा ॥ हरिमारगचितवहिंरणधीरा ॥ गिरिकाननजहँतहँभरिपूरी ॥ रहेनिजनिजअनीकरचिरूरी ॥ यहसबरुचिरचरितमैंभाषा ॥ अबसोसुनहुजोबीचहिराखा ॥ अवधपुरीरघुकुलमणिराऊ ॥ वेदविदिततेहिदशरथनाऊ ॥ धर्मधुरंधरगुणनिधिज्ञानी ॥ हृदयभक्तिमतिसारंगपानी ॥

॥ दोहा ॥

कौशल्यादिनारिप्रिय सबआचरणपुनीत ॥
पतिअनुकूलप्रेमदृढ हरिपदकमलबिनीत ॥

॥ चौपाई ॥

एकबारभूपतिमनमाहीं ॥ भैगलानिमोरेंसुतनाहीं ॥ गुरुगृहगयेतुरतमहिपाला ॥ चरणलागिकरिबिनयबिशाला ॥ निजदुखसुखसबगुरहिसुनायउ ॥ कहिबसिष्टबहुबिधिसमुझायउ ॥ धरहुधीरहोइहिंसुतचारी ॥ त्रिभुवनविदितभक्तभयहारी ॥ शृंगीऋषिहिबसिष्टबुलावा ॥ पुत्रलागिशुभयज्ञकरावा ॥ भक्तिसहितमुनिआहुतिदीन्हे ॥ प्रगटेअगिनिचारुकरलीन्हे ॥ बोलेअनलप्रेमयुतबानी ॥ अतिप्रसन्ननहिंपरैबखानी ॥ जोबसिष्टकछुहृदयबिचारा ॥ सकलकाजभासिद्धतुम्हारा ॥ यहहबिबांटिदेहुनृपजाई ॥ यथायोगजेहिभागबनाई ॥

॥ दोहा ॥

तबअदृश्यपावकभये सकलसभहिसमुझाइ ॥

परमानंदमगनन्टप हर्षनहृदयसमाई ॥

॥ चौपाई ॥

तबहिंराउप्रियनारिबुलाई ॥ कौशल्यादितहांचलिआई ॥ अर्द्धभागकौशल्य हिंदीन्हा ॥ उभयभागआधेकरकीन्हा ॥ केकयीकहंन्टपसोदयऊ ॥ रहेउ सोउभयभागपुनिभयऊ ॥ कौशल्याकेकयीहाथधरि ॥ दीन्हसुमित्रहिमनप्र सन्नकरि ॥ यहिविधिगर्भसहितसभनारी ॥ भयउहृदयहर्षितसुखभारी ॥ जादिनतेहरिगर्भहिआये ॥ सकललोकसुखसंपतिछाये ॥ मंदिरमहंसवराजहिं रानी ॥ शोभाशीलतेजकीखानी ॥ सुखयुतकछुककालचलिगयऊ ॥ जेहिप्रभु प्रगटसोअवसरभयऊ ॥ ॥ दोहा ॥

योगलग्नग्रहवारतिथि सकलभएअनुकूल ॥
चरअरुअचरहर्षयुत रामजन्मसुखमूल ॥

॥ चौपाई ॥

नवमीतिथिमधुमासपुनीता ॥ शुक्लपक्षअभिजितहरिप्रीता ॥ मध्यदिवसअतिशी तनघामा ॥ पावनकाललोकविश्रामा ॥ शीतलमंदसुरभिवहवाऊ ॥ हर्षितसु रसंतनमनचाऊ ॥ बनकुसुमितगिरिगणमणियारा ॥ श्रवहिंसकलसरितामृत धारा ॥ सोअवसरविरंचिजबजाना ॥ चलेसकलसुरसाजिविमाना ॥ गगनविम लसंकुलसुरयूथा ॥ गावहिंगुणगंधर्बबरूथा ॥ बर्षहिंसुमनसुअंजलिसाजी ॥ गहगहगगनदुन्दुभीवाजी ॥ अस्तुतिकरहिंनागमुनिदेवा ॥ बहुबिधिलावहिं निजनिजसेवा ॥ ॥ दोहा ॥

सुरसमूहविनतीकरी पहुंचेनिजनिजधाम ॥

जगनिवासप्रभुप्रगटे अखिललोकबिश्राम ॥

॥ छंद ॥

भयेप्रगटकृपालादीनदयालाकौशल्याहितकारी ॥ ● ॥ हर्षितमहतारीमुनिमनहारीअद्भुतरूपविचारी ॥ ● ॥ लोचनअभिरामातनुघनश्यामानिजआयुधभुजचारी ॥ ● ॥ भूषणबनमालानयनविशालाशोभासिंधुखरारी ॥ ● ॥ कहदुइकरजोरीअस्तुतितोरीकेहिविधिकरौंअनंता ॥ ● ॥ मायागुणज्ञानातीतअमानावेदपुराणभनंता ॥ * ॥ करुणासुखसागरसबगुणआगरजेहिगावहिंश्रुतिसंता ॥ * ॥ सोममहितलागीजनअनुरागीप्रगटभयेश्रीकंता ॥ ॥ * ॥ ब्रह्मांडनिकायानिर्मितमायारोमरोमप्रतिवेदकहै ॥ * ॥ ममउरसोवासीयहउपहासीसुनतधीरमतिथिरनरहै ॥ * ॥ उपजाजबज्ञानाप्रभुमुसुकानाचरितबहुतविधिकीन्हचहै ॥ * ॥ कहिकथासुनाईमातुबुझाईजेहिप्रकारसुतप्रेमलहै ॥ * ॥ मातापुनिबोलीसोमतिडोलीतजहुतातयहरूपा ॥ * ॥ कीजैशिशुलीलाअतिप्रियशीलायहसुखपरमअनूपा ॥ * ॥ सुनिबचनसुजानारोदनठानाहोयबालकसुरभूपा ॥ * ॥ यहचरितजेगावहिंहरिपदपावहिंतेनपरहिंभवकूपा ॥

॥ दोहा ॥

विप्रधेनुसुरसंतहित लीन्हमनुजअवतार ॥
निजइच्छानिर्मिततनु मायागुणगोपार ॥

||रा०बा०||

॥ ५५ ॥

॥ चौपाई ॥

सुनिशिशुरोदनपरमप्रियबानी ॥ संभ्रमचलिआईंसबरानी ॥ हर्षितजहंतहं धाईंदासी ॥ आनंदमगनसकलपुरबासी ॥ दशरथपुत्रजन्मसुनिकाना ॥ मानहुंब्रह्मानंदसमाना ॥ परमप्रेममनपुलकशरीरा ॥ चाहतउठनकरतमतिधीरा ॥ जाकरनामसुनतशुभहोई ॥ मोरेगृहआवाप्रभुसोई ॥ परमानंदपूरिमनराजा ॥ कहाबुलाइबजावहुबाजा ॥ गुरुबशिष्ठकहंगयउहंकारा ॥ आएद्विजन्हसहितनृपद्वारा ॥ अनुपमबालकदेखिनजाई ॥ रूपराशिगुणकहिनसिराई ॥

॥ दोहा ॥

नंदीमुखसराधकरि जातकर्मसबकीन्ह ॥
हाटकधेनुबसनमणि नृपविप्रनकहंदीन्ह ॥

॥ चौपाई ॥

ध्वजपताकतोरणपुरछावा ॥ कहिनजाइजेहिभांतिबनावा ॥ सुमनवृष्टिआकासतेहोई ॥ ब्रह्मानंदमगनसबकोई ॥ बृन्दबृन्दमिलिचलींलोगाईं ॥ सहजसिंगारकिएउठिधाईं ॥ कनककलशमंगलभरिथारा ॥ गावतपैठहिंभूपदुआरा ॥ करिआरतीनिछावरकरहीं ॥ बारबारशिशुचरणनपरहीं ॥ मागधसूतबंदीगुणगायक ॥ पावनगुणगावहिंरघुनायक ॥ सर्वसदानदीन्हसबकाहू ॥ जेहिपावाराखानहिंताहू ॥ मृगमदचंदनकुंकुमकीचा ॥ मचीसकलबीथिनबिचबीचा ॥

॥ दोहा ॥

गृहगृहबाजबधावशुभ प्रगटेसुषमाकंद ॥
हरषवंतसबजहंतहं नगरनारिनरवृन्द ॥

॥ चौपाई ॥

केकयसुतासुमित्रादोऊ ॥ सुंदरसुतजनमतभैओऊ ॥ वहसुखसंपतिसमयसमाजा ॥ कहिनसकैसारदअहिराजा ॥ अवधपुरीसोहैएहिभाँती ॥ प्रभुहिमिलनआई जनुराती ॥ देखिभानुजनुमनसकुचानी ॥ तदपिबनीसंध्याअनुमानी ॥ अगरधूपजनुबहुअंधियारी ॥ उडैअबीरमनहुअरुणारी ॥ मंदिरमणिसमूहजनुतारा ॥ नृपगृहकलससोइंदुउदारा ॥ भवनवेदधुनिअतिमृदुवानी ॥ जनुखगमुखरसमयजनुसानी ॥ कौतुकदेखिपतंगभुलाना ॥ एकमासतेहिजातनजाना ॥ ॥ दोहा ॥

मासदिवसकादिवसभा मरमनजानैकोइ ॥
रथसमेतरबिथाकेउ निशाकवनविधिहोइ ॥

॥ चौपाई ॥

यहरहस्यकाहूनहिंजाना ॥ दिनमणिचलेकरतगुणगाना ॥ देखिमहोत्सवसुरमुनिनागा ॥ चलेभवनबरनतनिजभागा ॥ औरौएककहौंनिजचोरी ॥ सुनुगिरिजाअतिदृढमतितोरी ॥ काकभुशुंडिसंगहमदोऊ ॥ मनुजरूपजानैनहिंकोऊ ॥ परमानंदप्रेमसुखफूले ॥ बीथिनफिरहिंमगनमनभूले ॥ यहसबचरितजानपैसोई ॥ कृपारामकीजापरहोई ॥ तेहिअवसरजोजेहिविधिआवा ॥ दीन्हभूपजोजेहिमनभावा ॥ गजरथतुरगहेमगोहीरा ॥ दीन्हेनृपनानाविधिचीरा ॥ ॥ दोहा ॥

मनसंतोषसबनिके जहंतहंदेहिंअशीस ॥
सकलतनयचिरजीवहु तुलसीदासकेईश ॥

॥ चौपाई ॥

कछुकदिवसबीतेयहिभांती॥ जातनजानहिंदिनअरुराती॥ नामकरणकरअवसरजानी॥ भूपबोलिपठयेमुनिज्ञानी॥ करिपूजाभूपतिअसभाखा॥ धरियनामजोमुनिगुनिराखा॥ इनकेनामअनेकअनूपा॥ मैंनृपकहबस्वमतिअनुरूपा॥ जोआनंदसिंधुगुणरासी॥ श्रीकरतेत्रैलोक्यनिवासी॥ सोसुखधामरामअसनामा॥ अखिललोकदायकविश्रामा॥ विश्वभरणपोषणकरजोई॥ ताकरनामभरतअसहोई॥ जाकेसुमिरनतेरिपुनाशा॥ नामशत्रुहनवेदप्रकाशा॥

** * * * ** ॥ दोहा ॥ ** * * * * **

लक्ष्मणधामरामप्रिय सकलजगतआधार॥
गुरुवशिष्ठतेहिराखा लक्ष्मणनामउदार॥

॥ चौपाई ॥

धरेनामगुरुहृदयबिचारी॥ वेदतत्त्वनृपतवसुतचारी॥ मुनिजनधनसर्वसशिवप्राना॥ बालकेलिरसतेहिसुखमाना॥ बारेहितेनिजहितपतिजानी॥ लक्ष्मणरामचरणरतिमानी॥ भरतशत्रुहनदोनौभाई॥ प्रभुसेवकजसप्रीतिबडाई॥ श्यामगौरसुंदरदोउजोरी॥ निरखहिंछबिजननीतृणतोरी॥ चारिउशीलरूपगुणधामा॥ तदपिअधिकसुखसागररामा॥ हृदयअनुग्रहइंदुप्रकासा॥ सूचतकिरणमनोहरहासा॥ कबहुंउछंगकबहुंबरपालन॥ मातुदुलारहिंकहिप्रियलालन॥ * * * ॥ दोहा ॥ **************

व्यापकब्रह्मनिरंजन निर्गुणविगतविनोद॥
सोअजप्रेमभक्तिवश कौशल्याकेगोद ** ॥

कामकोटिछबिश्यामशरीरा ॥ नीलकंजबारिदगंभीरा ॥ अरुणचरणपंकजनखजोती ॥ कमलदलनबैठेजनुमोती ॥ रेखकुलिशध्वजअंकुशसोहे ॥ नूपुरधुनिसुनिमुनिमनमोहे ॥ कटिकिंकिनीउदरत्रयरेखा ॥ नाभिगंभीरजानजेहिदेखा ॥ भुजबिशालभूषणयुतभूरी ॥ हियहरिनखशोभाअतिरूरी ॥ उरमणिहारपदिककीशोभा ॥ बिप्रचरणदेखतमनलोभा ॥ कंबुकंठअतिचिबुकसुहाये ॥ आननअमितमदनछबिछाये ॥ दुइदुइदशनअधरअरुणारे ॥ नासातिलककोबरनैपारे ॥ सुंदरश्रवणसुचारुकपोला ॥ अतिप्रियमधुरसुतोतरिबोला ॥ नीलकमलदोउनयनबिशाला ॥ बिकटभृकुटिलटकनबरभाला ॥ चिक्कणकचकुंचितगभुआरे ॥ बहुप्रकाररचिमातुसँवारे ॥ पीतझिंगुलियातनपहिराये ॥ जानुपाणिबिचरनमोहिभाये ॥ रूपशकहिंनहिंकहिश्रुतिशेषा ॥ सोजानैसपनेहुजिन्हदेखा ॥ **——*——** ॥ दोहा ॥ **——*——*——***

सुखसंदोहमोहपर ज्ञानगिरागोतीत * ॥

दंपतिपरमप्रेमबश करशिशुचरितपुनीत ॥

॥ चौपाई ॥

यहिबिधिरामजगतपितुमाता ॥ कोशलपुरबासिनसुखदाता ॥ जिनरघुनाथचरणरतिमानी ॥ तिनकीयहगतिप्रगटभवानी ॥ रघुपतिबिमुखयतनकरकोरी ॥ कवनशकैभवबंधनछोरी ॥ जीवचराचरबशकैराखे ॥ सोमायाप्रभुसोंभयभाखे ॥ भृकुटिबिलासनचावैताही ॥ असप्रभुछाडिभजियकहुकाही ॥ मनक्रमबचनछाडिचतुराई ॥ भजतकृपाकरिहैंरघुराई ॥ यहिबिधिशिशुबिनोदप्रभुकीन्हा ॥ सकलनगरबासिनसुखदीन्हा ॥ लैउछंगकबहूंहलरावै ॥ कबहूंपालन

घाविंगुनगावै ॥ ॥ दोहा ॥

प्रेममगनकौशल्या निशदिनजातनजान ॥
सुतसनेहबशमाता बालचरितकरिगान ॥

॥ चौपाई ॥

एकबारजननीनह्वाये ॥ करिसिंगारपलनापौढाये ॥ निजकुलइष्टदेवभ
गवाना ॥ पूजाहेतुकीन्हअस्नाना ॥ करिपूजानैवेद्यचढावा ॥ आपुगईजहंपाक
बनावा ॥ बहुरिमातुतहंवांचलिआई ॥ भोजनकरतदीखरघुराई ॥ गईजन
नीशिशुपहंभयभीता ॥ देखाबालकतहांपुनीता ॥ बहुरिआइदेखासुतसोई ॥
हृदयकंपमनधीरनहोई ॥ इहांउहांदुइबालकदेखा ॥ मतिभ्रमभोरिकिऔ
नबिशेषा ॥ देखिरामजननीअकुलानी ॥ प्रभुहंसिदीन्हमधुरमुसुकानी ॥

॥ दोहा ॥

दिखरावामातहिनिज अद्भुतरूपअखंड ॥
रोमरोमप्रतिलागे कोटिकोटिब्रह्मंड *** ॥

॥ चौपाई ॥

अगणितरविशशिशिवचतुरानन ॥ बहुगिरिसरितसिंधुमहिकानन ॥ कालक
र्मगुणदोषसुभाऊ ॥ सोदेखाजोसुनानकाऊ ॥ देखीमायासर्वबिधिगाढी ॥ अ
तिसभीतजोरेकरठाढी ॥ देखाजीवनचावैजाही ॥ देखीभक्तिजोछोरेताही ॥
तनुपुलकितमुखबचननआवा ॥ नयनमूंदिचरणनशिरनावा ॥ बिस्मयवन्तदे
खिमहतारी ॥ भयेबहुरिशिशुरूपखरारी ॥ अस्तुतिकरिनजाइभयमाना
॥ जगतपितामैसुतकरिजाना ॥ हरिजननिहिबहुबिधिसमुझाई ॥ यहजनि

कतऊंकहहसिसुनुभाई ॥ ॥ दोहा ॥

बारबारकौशल्या विनयकरैकरजोरि ॥

अबजनिकबहूंव्यापै प्रभुमोहिमायातोरि ॥

॥ चौपाई ॥

बालचरितहरिबहुविधिकीन्हा ॥ अतिअनंददासनकहंदीन्हा ॥ कछुककाल बीतेसबभाई ॥ बडेभएपरिजनसुखदाई ॥ चूडाकरणकीन्हगुरुआई ॥ बिप्रनपुनिदक्षिणाबहुपाई ॥ परममनोहरचरितअपारा ॥ करतफिरतचारिउसुकुमारा ॥ मनक्रमबचनअगोचरजोई ॥ दशरथअजिरबिचरप्रभुसोई ॥ भोजनकरतबुलावतराजा ॥ नहिंआवहिंतजिबालसमाजा ॥ कौशल्याजबबोलनजाई ॥ ठुमुकिठुमुकिप्रभुचलहिंपराई ॥ निगमनेतिशिवअंतनपावा ॥ ताहिधरेजननीहठिधावा ॥ धूसरधूरभरेतनुआये ॥ भूपतिबिहंसिगोदबैठाये ॥

॥ दोहा ॥

भोजनकरतचपलचित इतउतअवसरपाइ ॥

भाजिचलेकिलकातमुख दधिओदनलपटाइ ॥

॥ चौपाई ॥

बालचरितअतिसरलसुहाये ॥ शारदशेषशंभुश्रुतिगाये ॥ जिनकरमनइनसंननहिंराता ॥ तेजगबंचितकियेबिधाता ॥ भएकुमारजबहिंसबभ्राता ॥ दीन्हजनेउगुरुपितुमाता ॥ गुरुगृहगएपढनरघुराई ॥ अलपकालबिद्यासबपाई ॥ जाकीसहजश्वासश्रुतिचारी ॥ सोहरिपढयहकौतुकभारी ॥ बिद्याबिनयनिपुनगुणशीला ॥ खेलहिंखेलसकलन्टपलीला ॥ करतलबाणधनुषअतिसोहा ॥ द

खतरूपचरअचरमोहा ॥ जिनवीथिनविहरहिंसबभाई ॥ थकितहोहिंसबलोगलोगाई ॥ **~~**~~** ॥ दोहा ॥ **~~*~~*~~*~~**

कोशलपुरबासीनर नारिबृद्धअरुबाल ॥
प्राणहुतेप्रियलागते सबकहंरामकृपाल ॥

॥ चौपाई ॥

बंधुसखासंगलेहिंबुलाई ॥ वनमृगयानितखेलहिंजाई ॥ पावनमृगमारहिंजियजानी ॥ दिनप्रतिनृपहिदेखावहिंआनी ॥ जेमृगरामबाणकेमारे ॥ तेतनुतजिसुरलोकसिधारे ॥ अनुजसखासंगभोजनकरहीं ॥ मातुपिताआज्ञाअनुसरहीं ॥ जेहिबिधिसुखीहोंहिपुरलोगा ॥ करहिंकृपानिधिसोइसंयोगा ॥ बेदपुराणसुनहिंमनलाई ॥ आपुकहहिंअनुजहिसमुझाई ॥ प्रातकालउठिकेरघुनाथा ॥ मातुपितागुरुनावहिंमाथा ॥ आयसुमांगिकरहिंपुरकाजा ॥ देखिचरितहरषहिंमनराजा ॥ *~~* ॥ दोहा ॥ **~~*~~*~~*~~**

व्यापकअकलअनीहअज निर्गुणनामनरूप ॥
भक्तहेतुनानाबिधि करतचरित्रअनूप ** ॥

॥ चौपाई ॥

यहसबचरितकहामैगाई ॥ आगिलकथासुनहुमनलाई ॥ विश्वामित्रमहामुनिज्ञानी ॥ वसहिंबिपिनशुभआश्रमजानी ॥ तहंजपयज्ञयोगमुनिकरहीं ॥ अतिमारीचसुबाहुहिडरहीं ॥ देखतयज्ञनिशाचरधावहिं ॥ करहिंउपद्रवमुनिदुखपावहिं ॥ गाधितनयमनचिंताव्यापी ॥ हरिबिनुमरिहिननिशिचरपापी ॥ तबमुनिवरमनकीन्हबिचारा ॥ प्रभुअवतरेउहरणमहिभारा ॥ यहिमिसुदेखौंप्र

भुपदआई॥ करिबिनतीआनौदोभाई॥ ज्ञानबिरागसकलगुणअयना॥ सोप्र भुमैदेखबभरिनयना॥ ****॥ दोहा॥ *******

बहुबिधिकरतमनोरथ जातनलागीबार॥
करिमज्जनसरजूजल गयेभूपदरबार॥

॥ चौपाई॥

मुनिआगमनसुनाजबराजा॥ मिलनगयउलैबिप्रसमाजा॥ करिदंडवतमुनिहिसनमानी॥ निजआसनबैठारिनआनी॥ चरणपखारिकीन्हअतिपूजा॥ मोसमआजुधन्यनहिदूजा॥ बिबिधभांतिभोजनकरवावा॥ मुनिवरहृदयहर्षअतिपावा॥ पुनिचरणनमेलेसुतचारी॥ रामदेखिमुनिबिरतिबिसारी॥ भयेमगनदेखतमुखशोभा॥ अनुचकोरपूरणशशिलोभा॥ तबमनहर्षिवचनकहराऊ॥ मुनिअसकृपाकीन्हनहिकाऊ॥ केहिकारणआगमनतुम्हारा॥ कहहुसोकरतनलाउवबारा॥ असुरसमूहसंतावहिमोही॥ मैयाचनआएउंन्रपतोही॥ अनुजसमेतदेउरघुनाथा॥ निशचरबधमैहोबसनाथा॥ **********

**********॥ दोहा॥ *********

देहुभूपमनहर्षित तजहुमोहअज्ञान**॥
धर्मसुयशप्रभुतुमकहं इनकहंअतिकल्याण॥

॥ चौपाई॥

सुनिराजाअतिअप्रियबानी॥ हृदयकंपमुखदुतिकुंभिलानी॥ चौथेपनपाएउं सुतचारी॥ बिप्रबचननहिकहेउबिचारी॥ मांगहुभूमिधेनुधनकोशा॥ सर्वसदेउंआजुसहरोषा॥ देहप्राणतेप्रियकछुनाही॥ सोउमुनिदेउंनिमि

चिरएकमांही ॥ सबसुतप्रियमोहिप्राणकिनाई ॥ रामदेतनहिबनैगोसाई ॥ कहँनिशचरअतिघोरकठोरा ॥ कहंसुंदरसुतपरमकिशोरा ॥ सुनिन्टपगिराप्रेमरससानी ॥ हृदयहर्षमानामुनिज्ञानी ॥ तबवसिष्टबहुविधिसमुझावा ॥ न्टपसंदेहनाशकहँपावा ॥ अतिआदरदोउतनयबुलाये ॥ हृदयलाइबहुभांतिसिखाये ॥ मेरेप्राणनाथसुतदोऊ ॥ तुममुनिपिताआननहिकोऊ ॥

॥ दोहा ॥

सौंपेभूपतिऋषिहिसुत बहुविधिदेइअशीस ॥
जननीभवनगयेप्रभु चलेनाइपदशीस ॥

॥ सोरठा ॥

पुरुषसिंहदोवीर हर्षिचलेमुनिभयहरण ॥
कृपासिंधुमतिधीर अखिलविश्वकारणकरण ॥

॥ चौपाई ॥

अरुणनयनउरबाहुबिशाला ॥ नीलजलजतनश्यामतमाला ॥ कटिपटपीतकसेंबरभाथा ॥ रुचिरचापशायकदुहुहाथा ॥ श्यामगौरसुंदरदोउभाई ॥ विश्वामित्रमहानिधिपाई ॥ प्रभुब्रह्मण्यदेवमैजाना ॥ मोहिनितपितातजेभगवाना ॥ चलेजातमुनिदीन्हदेखाई ॥ सुनिताडिकाक्रोधकरिधाई ॥ एकहिबाणप्राणहरलीन्हा ॥ दीनजानितेहिनिजपददीन्हा ॥ तबऋषिनिजनाथहिजियचीन्हा ॥ विद्यानिधिकहंविद्यादीन्हा ॥ जातेलागनक्षुधापियासा ॥ अतुलितबलतनतेजप्रकासा ॥

॥ दोहा ॥

आयुधसकलसमर्पिके प्रभुनिजआश्रमआनि ॥

कंदमूलफलभोजन दिऐभक्तहितजानि ॥

॥ चौपाई ॥

प्रातकहामुनिसनरघुराई ॥ निर्भययज्ञकरहुतुमजाई ॥ होमकरणलागे मुनिझारी ॥ आपुरहेमखकीरखवारी ॥ सुनिमारीचनिशाचरकोही ॥ लैसहाय धावामुनिद्रोही ॥ बिनुफरबाणरामतेहिमारा ॥ सतयोजनगासागरपारा ॥ पावक शरसुबाहुपुनिमारा ॥ अनुजनिशाचरकटकसंघारा ॥ मारिअसुरद्विजनिर्भै यकारी ॥ अस्तुतिकरहिंदेवमुनिझारी ॥ तहंपुनिकछुकदिवसरघुराया ॥ रहे कीन्हबिप्रनपरदाया ॥ भक्तिहेतुबहुकथापुराणा ॥ कहेबिप्रयद्यपिप्रभुजाना ॥ तवमुनिसादरकहावुझाई ॥ चरितएकदेखियप्रभुजाई ॥ धनुषयज्ञसुनिर घुकुलनाथा ॥ हर्षिचलेमुनिवरकेसाथा ॥ आश्रमएकदीखमगमाहीं ॥ खगमृग जीवजन्तुतहंनाहीं ॥ पूछामुनिहिंशिलाप्रभुदेखी ॥ सकलकथाऋषिकहीबि शेषी ॥ *—*—*—** ॥ दोहा ॥ **—*—*—*—*

गौतमनारीश्रापबश उपलदेहधरिधीर ॥

चरणकमलरजचाहती कृपाकरहुरघुवीर ॥

—*—*—*— ॥ छंद ॥ **—*—*—*—**

परसतपदपावनशोकनशावनप्रगटभईतपपुंजसही ॥ * ॥ देखत रघुनायकजनसुखदायकसन्मुखहोइकरजोरिरही ॥ * ॥ अ तिप्रेमअधीरापुलकशरीरामुखनहिंआवैवचनकही ॥ * ॥ अतिश यबडभागीचरणनलागीयुगलनयनजलधारबही ॥ * ॥ धीरज मनकीन्हाप्रभुकहंचीन्हारघुपतिकृपाभक्तिपाई ॥ * ॥ अतिनिर्मै

अतिनिर्मलवाणीअस्तुतिठानीज्ञानगम्यजयरघुराई ॥ * ॥ मैंनारिअपावनि
प्रभुजगपावनरावणरिपुजनसुखदाई ॥ * ॥ राजिवलोचनभ
वभयमोचनपाहिपाहिशरनआई ॥ * ॥ मुनिश्रापजोदीन्हाअ
तिभलकीन्हापरमअनुग्रहमैंमाना ॥ * ॥ देखेउंभरिलोचनहरि
भवमोचनयहैलाभशंकरजाना ॥ * ॥ विनतीप्रभुमोरीमैंमतिभोरी
नाथनवरमागौंआना ॥ * ॥ पदकमलपरागारसअनुरागाममम
नमधुपकरैपाना ॥ * ॥ जेहिपदसुरसरितापरमपुनीताप्रगटभ
ईशिवशीसधरी ॥ * ॥ सोइपदपंकजजेहिपूजतअजममशि
रधरेउकृपालुहरी ॥ * ॥ एहिभांतिसिधारीगौतमनारीबारबा
रहरिचरणपरी ॥ * ॥ जोअतिमनभावासोवरपावागैपतिलोक
अनन्दभरी ॥ * ॥ *

॥ दोहा ॥

असप्रभुदीनबंधुहरि कारणरहितदयाल ॥
तुलसीदासशठतेहिभजु छाडिकपटजंजाल ॥

॥ चौपाई ॥

चलेरामलछिमनमुनिसंगा ॥ गयेजहांजगपावनिगंगा ॥ अनुजसहितप्रभुकीन्ह
प्रणामा ॥ बहुप्रकारसुरसरिअभिरामा ॥ गाधिसुवनसबकथासुनाई ॥ जेहिप्र
कारसुरसरिमहिआई ॥ तबप्रभुऋषिनसमेतनहाये ॥ विविधदानमहिदेव
नपाये ॥ हरषिचलेमुनिवृन्दसहाया ॥ वेगिविदेहनगरनियराया ॥ पुररम्यताराम
जबदेखी ॥ हर्षेअनुजसमेतविशेषी ॥ वापीकूपसरितसरनाना ॥ सलिलसु

आश्रम मनि सोपाना ॥ गुंजत मंजु मत्त रस भृंगा ॥ कूजत कल बहु बरन बिहंगा ॥ बरन बरन बिकसे जलजाता ॥ त्रिबिध समीर सदा सुखदाता ॥

॥ दोहा ॥

सुमन बाटिका बाग बन बिपुल बिहंग निवास ॥
फूलत फलत सुपल्लवित सोहत पुर चहुं पास ॥

॥ चौपाई ॥

बनै न बरनत नगर निकाई ॥ जहां जाइ मन तहां लोभाई ॥ चारु बजार बिचित्र अटारी ॥ मनिमय बिधि जनु स्वकर संवारी ॥ धनिक बनिक बर धनद समाना ॥ बैठे सकल बस्तु लै नाना ॥ चौहट सुंदर गली सुहाई ॥ संतत रहहिं सुगंध सिंचाई ॥ मंगलमय मंदिर सब केरे ॥ चित्रित जनु रतिनाथ चितेरे ॥ पुर नर नारि सुभग सुचि संता ॥ धरमसील ग्यानी गुनवंता ॥ अति अनूप जहं जनक निवासू ॥ बिथकहिं बिबुध बिलोकि बिलासू ॥ होत चकित चित कोट बिलोकी ॥ सकल भुवन सोभा जनु रोकी ॥

॥ दोहा ॥

धवल धाम मनि पुरट पट सुघटित नाना भांति ॥
सिय निवास सुंदर सदन सोभा किमि कहि जाति ॥

॥ चौपाई ॥

सुभग द्वार सब कुलिस कपाटा ॥ भूप भीर नट मागध भाटा ॥ बनी बिसाल बाजि गज साला ॥ हय गय रथ संकुल सब काला ॥ सूर सचिव सेनप बहुतेरे ॥ नृपगृह सरिस सदन सब केरे ॥ पुर बाहिर सर सरित समीपा ॥ उतरे जहं तहं बिपुल महीपा ॥ देखि अनूप एक अंवराई ॥ सब सुपास सब भांति सुहाई ॥ कौसिक कहेउ मोर मन

नमाना॥ इहांरहियरघुबीरसुजाना॥ भलेहिनाथकहिकृपानिकेता॥ उतरेतहंमुनिबृन्दसमेता॥ बिश्वामित्रमहामुनिआए॥ समाचारमिथिलापतिपाए॥

॥ दोहा ॥

संगसचिवसुचिभूरिभट भूसुरबरगुरज्ञाति॥
चलेमिलनमुनिनायकहि मुदितराउयहिभांति॥

॥ चौपाई ॥

कीन्हप्रणामचरणधरिमाथा॥ दीन्हअशीसमुदितमुनिनाथा॥ विप्रवृन्दसबसादरबंदे॥ जानिभाग्यबड़राउअनंदे॥ कुशलप्रश्नकहिबारहिंबारा॥ विश्वामित्रनृपहिबैठारा॥ तेहिअवसरआएदोउभाई॥ गएरहेदेखनफुलवाई॥ श्यामगौरमृदुवयसकिशोरा॥ लोचनसुखदविश्वचितचोरा॥ उठेसकलजबरघुपतिआये॥ विश्वामित्रनिकटबैठाये॥ भएसबसुखीदेखिदोउभ्राता॥ वारिविलोचनपुलकितगाता॥ मूरतिमधुरमनोहरदेखी॥ भयउविदेहविदेहविशेषी॥

॥ दोहा ॥

प्रेममगनमनजानिनृप करिबिबेकधरिधीर॥
बोलेउमुनिपदनाइशिर गद्गदगिरागंभीर॥

॥ चौपाई ॥

कहहुनाथसुंदरदोउबालक॥ मुनिकुलतिलककिनृपकुलपालक॥ ब्रह्मजोनिगमनेतिकहिगावा॥ उभयभेषधरिसोइकिआवा॥ सहजविरागरूपमनमोरा॥ थकितहोतजिमिचंद्रचकोरा॥ तातेप्रभुपूछौंसदभाऊ॥ कहहुनाथजनिकरहुदुराऊ॥ इनहिविलोकतअतिअनुरागा॥ बरबसब्रह्मसुखहिमनत्या

गा॥ कहमुनिबिहंसिकहेउनृपनीका॥ बचनतुम्हारनहोइअलीका॥ येप्रिय सबहिजहांलगिप्राणी॥ मनमुसुकाहिंरामसुनिबाणी॥ रघुकुलमणिदशरथकेजाये॥ ममहितलागिनरेशपठाये॥

॥ दोहा ॥

रामलषनदोउबंधुवर रूपशीलबलधाम॥
मखराखेउसबसाखिजग जीतेअसुरसंग्राम॥

॥ चौपाई ॥

मुनितवचरणदेखिकहराऊ॥ कहिनसकौंनिजपुण्यप्रभाऊ॥ सुंदरश्याम गौरदोउभ्राता॥ आनंदहूकेआनंददाता॥ इनकीप्रीतिपरस्परपावनि॥ कहिनजाइमनभावसुहावनि॥ सुनहुनाथकहमुदितविदेहू॥ ब्रह्मजीवइव सहजसनेहू॥ पुनिपुनिप्रभुहिचितवनरनाहू॥ पुलकगातउरअधिकउछाहू॥ मुनिहिप्रशंसिनाइपदसीसा॥ चलेउलवाइनगरअवनीशा॥ सुंदरसदनसुखदसबकाला॥ तहांवासलैदीन्हभुआला॥ करिपूजासबविधिसेवकाई॥ गयउराउगृहविदाकराई॥

॥ दोहा ॥

ऋषयसंगरघुवंशमणि करिभोजनविश्राम॥
बैठेप्रभुभ्रातासहित दिवसरहाभरियाम॥

॥ चौपाई ॥

लषनहृदयलालसाविशेषी॥ जाइजनकपुरआइयदेखी॥ प्रभुभयबहुरिमुनिहिसकुचाहीं॥ प्रगटनकहहिंमनहिंमुसुकाहीं॥ रामअनुजमनकीगतिजा

श्री ॥ भगतबछलताहियहुलसानी ॥ परमबिनीतसकुचिमुसुकाई ॥ बोलेगुरअनुशासनपाई ॥ नाथलषनपुरदेखनचहहीं ॥ प्रभुसकोचडरप्रगटनकहहीं ॥ जौंराउरआयसुमैंपाऊं ॥ नगरदेखाइतुरतलैआऊं ॥ सुनिमुनीशकहबचनसप्रीती ॥ कसनरामतुमराखहुनीती ॥ धर्मसेतुपालकतुमताता ॥ प्रेमबिवशसेवकसुखदाता ॥ **** ॥ दोहा ॥ ******

जाइदेखिआवहुनगर सुखनिधानदोउभाइ * ॥
करहुसुफलसबकेनयन सुंदरबदनदेखाइ ॥

॥ चौपाई ॥

मुनिपदकमलबंदिदोउभ्राता ॥ चलेलोकलोचनसुखदाता ॥ बालकबृंददेखिअतिशोभा ॥ लगेसंगलोचनमनलोभा ॥ पीतबसनपरिकरकटिभाथा ॥ चारुचापशरसोहतहाथा ॥ तनुअनुहरतसुचंदनखोरी ॥ श्यामलगौरमनोहरजोरी ॥ केहरिकंधरबाहुबिशाला ॥ उरअतिरुचिरनागमणिमाला ॥ सुभगश्रवणसरसीरुहलोचन ॥ बदनमयंकतापत्रयमोचन ॥ कानन्हकनकफूलछबिदेहीं ॥ चितवतचितहिचोरिजनुलेहीं ॥ चितवनिचारुभृकुटिबरबांकी ॥ तिलकरेखशोभाजनुचाकी ॥ *** ॥ दोहा ॥ ******

रुचिरचौतनीसुभगशिर मेचककुंचितकेश ॥
नखशिखसुंदरबंधुदोउ शोभासकलसुदेश ॥

॥ चौपाई ॥

देखननगरभूपसुतआये ॥ समाचारपुरबासिनपाये ॥ धायधामकामसबत्यागी ॥ मनहुरंकनिधिलूटनलागी ॥ निरखिसहजसुन्दरदोउभाई ॥ होहिंसुखी

लोचनफलपाई ॥ युवतीभवनझरोखनिलागी ॥ निरखहिंरामरूपअनुरागी ॥
कहहिंपरस्परवचनसप्रीती ॥ सखिइनकोटिकामछविजीती ॥ सुरनरअसु
रनागमुनिमाहीं ॥ शोभाअसकहुंसुनियतनाहीं ॥ विष्णुचारिभुजविधिमुखचा
री ॥ विकटभेषमुखपंचपुरारी ॥ अपरदेवअसकोजगनाहीं ॥ यहछविसखिप
टतरियैजाही ॥ ***॥ दोहा ॥*****

बयकिशोरसुखमासदन श्यामगौरसुखधाम ॥

अंगअंगपरवारियै कोटिकोटिशतकाम ** ॥

॥ चौपाई ॥

कहहुसखीअसकोतनुधारी ॥ जोनमोहयहरूपनिहारी ॥ कोउसप्रेमबोलीमृ
दुबानी ॥ जोमैंसुनासोसुनहुसयानी ॥ एदोउदशरथकेढोटा ॥ बालम
रालनिकेकलजोटा ॥ मुनिकौशिकमखकेरखवारे ॥ जिनरणअजयनिशाचरमारे
॥ श्यामगातकलकंजविलोचन ॥ जोमारीचसुभुजमदमोचन ॥ कौशल्यासुत
सोसुखखानी ॥ नामरामधनुशायकपानी ॥ गौरकिशोरभेषवरकाछें ॥ करशर
चापरामकेपाछें ॥ लक्ष्मणनामरामलघुभ्राता ॥ सुनुसखितासुसुमित्रामाता ॥

*******॥ दोहा ॥*******

विप्रकाजकरिबंधुदोउ मगमुनिबधूउधारि ॥

आएदेखनचापमख सुनिहरषीसबनारि ॥

॥ चौपाई ॥

देखिरामछविकोउएककहई ॥ योगजानकीयहवरअहई ॥ जौंसखिइन्हहिं
देखिनरनाहू ॥ प्रणपरिहरिहठिकरैविवाहू ॥ कोउकहइन्हभूपतिपहिचाने ॥

मुनिसमेतसादरसनमाने॥ सखिपरंतुप्रणरउनतजाई॥ विधिवशहठिअविवेकहिभजाई॥ कोउकहजौंभलअहैविधाता॥ सबकहसुनियउचितफलदाता॥ तौजानकिहिमिलिहिबरएहू॥ नाहिनआलीयहसंदेहू॥ जौंबिधिवशअसबनैसंयोगू॥ तौकृतकृत्यहोइसवलोगू॥ सखिहमरेअतिआरतिताते॥ कबहुकयेआवहिंएहिनाते॥ **~** ॥ दोहा॥ **~*~*~*~*

नाहिंतहमकहंसुनहुसखि इन्हकरदरशनदूरि॥
यहसंघटनवहोइजव पुण्यपुराकृतभूरि ****॥

॥ चौपाई॥

बोलीअपरकहेउसखिनीका॥ यहबिवाहअतिहितसवहीका॥ कोउकहशंकरचापकठोरा॥ येश्यामलमृदुगातकिशोरा॥ सवअजमंजसअहैसयानी॥ यहसुनिअपरकहैमृदुवानी॥ सखिइनकहंकोउकोउअसकहहीं॥ बडप्रभावदेखतलघुअहहीं॥ परसिजासुपदपंकजधूरी॥ तरीअहल्याकृतअघभूरी॥ सोकिरहैंबिनुशिवधनुतोरे॥ यहप्रतीतिपरिहरियनभोरे॥ जेहिविरंचिरचिसीयसंवारी॥ तेइश्यामलवररचेउविचारी॥ तासुवचनसुनिसवहरखानी॥ ऐसइहोउकहहिंमृदुवानी॥ *~* ॥ दोहा॥*~*~*~*

हियहरषहिंबरषहिंसुमन सुमुखिसुलोचनिवृन्द॥
जांहिंजहांजहंबंधुदोउ तहंतहंपरमानन्द ***॥

॥ चौपाई॥

पुरपूरवदिशिगेदोउभाई॥ जहांधनुषमखभूमिवनाई॥ अतिविस्तारचारुगचढारी॥ विमलवेदिकारुचिरसंवारी॥ चहुंदिशिकंचनमंचविशाला॥ रचेजा

हांबैठहिंमहिपाला॥ तेहिपाछेंसमीपचहुंपासा॥ अपरमंचमंडलीबिलासा कछुकऊंचसबभांतिसुहाई॥ बैठहिंनगरलोगसबआई॥ तिनकेनिकटबिशालसुहाये॥ धवलधामबहुबरणबनाये॥ जहंबैठेदेखहिंपुरनारी॥ यथायोग्यनिजकुलअनुहारी॥ पुरबालककहिकहिमृदुबचना॥ सादरप्रभुहिदेखावहिंरचना॥ **—*—** ॥ दोहा ॥ **—*—*—*—**

सबशिशुएहिमिसुप्रेमबश परसिमनोहरगात ॥
तनपुलकहिंअतिहर्षहिय देखिदेखिदोभ्रात ** ॥

॥ चौपाई ॥

शिशुसबरामप्रेमबशजाने॥ प्रीतिसमेतनिकेतबखाने॥ निजनिजरुचिसबलेहिंबुलाई॥ सहितसनेहजाहिंदोउभाई॥ रामदेखावहिंअनुजहिरचना॥ कहिमृदुमधुरमनोहरबचना॥ लवनिमेषमहंभुवननिकाया॥ रचैजासुअनुशासनमाया॥ भक्तहेतुसोइदीनदयाला॥ चितवतचकितधनुषमखशाला॥ कौतुकदेखिचलेगुरुपाहीं॥ जानिबिलम्बत्रासमनमाहीं॥ जासुत्रासडरकहंडरहोई॥ भजनप्रभावदेखावतसोई॥ कहिबातैंमृदुमधुरसुहाई॥ कियेबिदाबालकबरिआई॥ **—** ॥ दोहा ॥ ***—*—*—***

उभयसप्रेमबिनीतअति सकुचसहितदोउभाइ ॥
गुरुपदपंकजनाइशिर बैठेआयसुपाइ **** ॥

॥ चौपाई ॥

निशिप्रवेशमुनिआयसुदीन्हा॥ सबहीसंध्याबंदनकीन्हा॥ कहतकथाइतिहासपुराणी॥ रुचिररजनीयुगयामसिरानी॥ मुनिवरशयनकीन्हतवजाई॥ लगेच

रन चापन दोउ भाई ॥ जिनकेचरनसरोरुहलागी ॥ करतबिबिधजपजोगबिरागी ॥ तेदोउबंधुप्रेमजनुजीते ॥ गुरुपदकमलपलोटतप्रीते ॥ बारबारमुनिआज्ञादीन्हा ॥ रघुबरजाइशयनतबकीन्हा ॥ चापतचरनलखनउरवारे ॥ सभयसप्रेमपरमसुखपाए ॥ पुनिपुनिप्रभुकहसोवहुताता ॥ पौढेधरिउरपदजलजाता ॥

॥ दोहा ॥

उठेलखननिशिबिगतसुनि अरुनशिखाधुनिकान ॥
गुरुतेपहिलेजगतपति जागेरामसुजान ॥

॥ चौपाई ॥

सकलसौचकरिजाइनहाए ॥ नित्यनिबाहिगुरहिशिरनाए ॥ समयजानिगुरुआयसुपाई ॥ लेनप्रसूनचलेदोउभाई ॥ भूपबागबरदेखेउजाई ॥ जहंबसन्तरितुरहेलोभाई ॥ लागेबिटपमनोहरनाना ॥ बरनबरनबरबेलिबिताना ॥ नवपल्लवफलसुमनसुहाए ॥ निजसंपतिसुररूखलजाए ॥ चातककोकिलकीरचकोरा ॥ कूजनबिहगनटतकलमोरा ॥ मध्यबागसरसोहसुहावा ॥ मणिसोपानबिचित्रबनावा ॥ बिमलसलिलसरसिजबहुरंगा ॥ जलखगकूजतगुंजतभृंगा ॥

॥ दोहा ॥

बागतडागबिलोकिप्रभु हरषेबंधुसमेत ॥
परमरम्यआरामयह जोसबहिसुखदेत ॥

॥ चौपाई ॥

चहुंदिशिचितैपूछिमालीगण ॥ लगेलेनदलफूलमुदितमन ॥ तेहिअवसरसीतातहंआई ॥ गिरिजापूजनजननिपठाई ॥ संगसखीसबसुभगसयानी ॥ गावहिं

गीत मनोहर बानी ॥ सर समीप गिरिजा गृह सोहा ॥ बरनि न जाइ देखि मन मोहा ॥ मज्जन करि सर सखिन समेता ॥ गई मुदित मन गौरि निकेता ॥ पूजा कीन्ह अधिक अनुरागी ॥ निज अनुरूप सुभग बर मांगी ॥ एक सखी सिय संग बिहाई ॥ गई रही देखन फुलवाई ॥ तेहिं दोउ बंधु बिलोके जाई ॥ प्रेम बिबश सीता पहं आई ॥

॥ दोहा ॥

तासु दसा देखी सखिन ॥ पुलक गात जल नैन ॥
कहु कारन निज हरष कर ॥ पूछहिं सब मृदु बैन ॥

॥ चौपाई ॥

देखन बाग कुंवर दोउ आये ॥ बय किशोर सब भांति सुहाये ॥ श्याम गौर किमि कहौं बखानी ॥ गिरा अनयन नयन बिनु बानी ॥ सुनि हरषीं सब सखी सयानी ॥ सिय हिय अति उतकंठा जानी ॥ एक कहै नृपसुत तेइ आली ॥ सुने जे मुनि संग आये काली ॥ जिन निज रूप मोहनी डारी ॥ कीन्हे स्वबस नगर नर नारी ॥ बरनत छबि जहं तहं सब लोगू ॥ अवसि देखिये देखन जोगू ॥ तासु बचन अति सियहि सोहाने ॥ दरस लागि लोचन अकुलाने ॥ चली अग्र करि प्रिय सखि सोई ॥ प्रीति पुरातन लखै न कोई ॥

॥ दोहा ॥

सुमिरि सीय नारद बचन ॥ उपजी प्रीति पुनीत ॥
चकित बिलोकति सकल दिसि ॥ जनु सिसु मृगी सभीत ॥

॥ चौपाई ॥

कंकण किंकिनि नूपुर धुनि सुनि ॥ कहत लखन सन राम हृदय गुनि ॥ मानहु मदन दुंदुभी दीन्ही ॥ मनसा बिश्व बिजय कहं कीन्ही ॥ अस कहि फिरि चितए तेहि

ओरा॥ सियमुखससिभयेनयनचकोर॥ भयेबिलोचनचारुअचंचल॥ मनहुसकुचिनिमितजेदिगंचल॥ देखिसीयसोभासुखपावा॥ हृदयसराहतबचननआवा॥ जनुबिरंचिसबनिजनिपुनाई॥ बिरचिबिस्वकहंप्रगटदेखाई॥ सुंदरताकहुंसुंदरकरई॥ छबिगृहदीपसिखाजनुबरई॥ सबउपमाकबिरहेजुठारी॥ केहिपटतरियबिदेहकुमारी॥

॥ दोहा ॥

सियसोभाहियबरनिप्रभुआपनिदसाबिचारि॥
बोलेसुचिमनअनुजसनबचनसमयअनुहारि॥

॥ चौपाई ॥

तातजनकतनयायहसोई॥ धनुषयज्ञजेहिकारनहोई॥ पूजनगौरिसखीलैआई॥ करतप्रकाशफिरतिफुलवाई॥ जासुबिलोकिअलौकिकसोभा॥ सहजपुनीतमोरमनछोभा॥ सोसबकारनजानबिधाता॥ फरकहिंसुभगअंगसुनुभ्राता॥ रघुबंसिनकरसहजसुभाऊ॥ मनकुपंथपगधरिनकाऊ॥ मोहिअतिसयप्रतीतिजियकेरी॥ जेहिसपनेहुपरनारिनहेरी॥ जिनकेलहहिनरिपुरनपीठी॥ नहिपावहिंपरतियमनडीठी॥ मंगनलहहिंनजिनकेनाहीं॥ तेनरबरथोरेजगमाहीं॥

॥ दोहा ॥

करतबतकहीअनुजसनमनसियरूपलोभान॥
मुखसरोजमकरंदछबिकरतमधुपइवपान॥

॥ चौपाई ॥

चितवतिचकितचहूदिसिसीता॥ [illegible]

मृगसावकनयनी ॥ जनुतहंबरिसकमलसितश्रेनी ॥ लताओटतबसखिन्हलखा
ए ॥ श्यामलगौरकिशोरसुहाए ॥ देखिरूपलोचनललचाने ॥ हरषेजनुनि
जनिधिपहिचाने ॥ थकेनयनरघुपतिछबिदेखी ॥ पलकन्हहूंपरिहरीनिमेषी ॥
अधिकसनेहदेहभइभोरी ॥ सरदससिहिजनुचितवचकोरी ॥ लोचनमगरा
महिंउरआनी ॥ दीन्हेपलककपाटसयानी ॥ जबसियसखिन्हप्रेमबसजानी
॥ कहिनसकहिंकछुमनसकुचानी ॥ ॥ दोहा ॥

लताभवनतेंप्रगटभे तेहिअवसरदोउभाइ ॥

निकसेजनुजुगबिमलबिधु जलदपटलबिलगाइ ॥

॥ चौपाई ॥

सोभासींवसुभगदोउबीरा ॥ नीलपीतजलजाभसरीरा ॥ मोरपंखसिरसोहत
नीके ॥ गुच्छबीचबिचकुसुमकलीके ॥ भालतिलकश्रमबिंदुसुहाए ॥ श्रवनसु
भगभूषनछबिछाए ॥ बिकटभृकुटिकचघूंघुरवारे ॥ नवसरोजलोचनरतना
रे ॥ चारुचिबुकनासिकाकपोला ॥ हासबिलासलेतमनुमोला ॥ मुखछबिकहि
नजाइमोहिपाहीं ॥ जोबिलोकिबहुकामलजाहीं ॥ उरमनिमालकंबुकलग्री
वा ॥ कामकलभकरभुजबलसींवा ॥ सुमनसमेतबामकरदोना ॥ सांवरकुं
अरसखीसुठिलोना ॥ ॥ दोहा ॥

केहरिकटिपटपीतधर सुषमासीलनिधान ॥

देखिभानुकुलभूषनहिं बिसरासखिन्हअपान ॥

॥ चौपाई ॥

धरिधीरजुएकआलिसयानी ॥ सीतासनबोलीगहिपानी ॥ बहुरिगौरिकरध्या

मकरेहू॥ भूपकिसोरदेखिकिनलेहू॥ सकुचिसीयतबनयनउघारे॥ सन्मुख
दोउरघुसिंहनिहारे॥ नखसिखदेखिरामकीशोभा॥ सुमिरिपितापनमनअति
छोभा॥ परबससखिनलखीजबसीता॥ भयोगहरुसबकहहिंसभीता॥ पुनिआ
उबएहिबेरियांकाली॥ असकहिमनबिहंसीएकआली॥ गूढगिरासुनिसिय
सकुचानी॥ भयेबिलंबमातुभयमानी॥ धरिबडधीररामउरआनी॥ फिरिआप
नपापितुवशजानी॥ ॥ दोहा ॥

॥ देखनमिसमृगबिहंगतरु फिरैबहोरिबहोरि॥
॥ निरखिनिरखिरघुबीरछबि बाढीप्रीतिनथोरि॥

॥ चौपाई ॥

जानिकठिनशिवचापबिसूरति॥ चलीराखिउरश्यामलमूरति॥ प्रभुजबजातजान
कीजानी॥ सुखसनेहशोभागुणखानी॥ परमप्रेममयमृदुमसिकीन्ही॥ चा
रुचित्तभीतरलिखिलीन्ही॥ गईभवानीभवनबहोरी॥ बंदिचरणबोलीकरजो
री॥ जयजयजयगिरिराजकिशोरी॥ जयमहेशमुखचंद्रचकोरी॥ जयगज
बदनषडाननमाता॥ जगतजननिदामिनिदुतिगाता॥ नहिंतवआदिमध्यअ
वसाना॥ अमितप्रभावबेदनहिंजाना॥ भवभवविभवपराभवकारिणि॥ बिश्वबि
मोहनिस्ववशबिहारिणि॥ ॥ दोहा ॥

पतिदेवतासुतीयमहं मातुप्रथमतवरेख॥
महिमाअमितनकहिसकहिं सहसशारदाशेष॥

॥ चौपाई ॥

सेवततोहिसुलभफलचारी॥ बरदायिनित्रिपुरारिपियारी॥ देबिपूजिपदकमलतु

तुम्हारे॥सुरनरमुनिसबहोहिंसुखारे॥मोरमनोरथजानहुनीके॥बसहु सदाउरपुरसबहीके॥कीन्हेउंप्रगटनकारणतेही॥असकहिचरणगहीबैदेही॥बिनयप्रेमबशभईभवानी॥खसीमालमूरतिमुसुकानी॥सादरसियप्रसादउरधरेऊ॥बोलीगौरिहर्षहियभरेऊ॥सुनुसियसत्यअशीसहमारी॥पूजिहिमनकामनातुम्हारी॥नारदवचनसदाशुचिसांचा॥सोवरमिलिहिजाहिमनराचा॥ ** * * ** ॥ छंद॥ ** * * * **

मनजाहिराचेमिलिहिसोवरसहजसुंदरसांवरो॥*॥करुणानिधानसुजानशीलसनेहजानतरावरो॥*॥यहिभांतिगौरिअशीससुनिसियसहितहियहर्षितअली॥*॥तुलसीभवानिहिंपूजिपुनिपुनिमुदितमनमंदिरचली॥ *************

*** * * **** ॥ सोरठा॥ *** * * ****

जानिगौरिअनकूल सियहियहर्षनजायकहि॥
मंजुलमंगलमूल वामअंगफरकनलगे ***॥

॥ चौपाई ॥

हृदयसराहतसीयलोनाई॥गुरुसमीपगवनेदोउभाई॥रामकहासबकौशिकपाहीं॥सरलसुभावछुआछलनाहीं॥सुमनपाइमुनिपूजाकीन्ही॥पुनिअशीशदोउभाइन्हदीन्ही॥सुफलमनोरथहोउतुम्हारे॥रामलक्ष्मणसुनिभयेसुखारे॥करिभोजनमुनिवरविज्ञानी॥लगेकहनकछुकथापुराणी॥बिगतदिवसमुनिआयसुपाई॥संध्याकरणचलेदोउभाई॥प्राचीदिशिशशिउगेउसुहावा॥सियमुखसरिसदेखिसुखपावा॥बहुरिबिचारकीन्हमनमाहीं॥सी

यबदनसमहिमकरनाहीं ॥ ॥ दोहा ॥

जन्मसिंधुपुनिबंधुबिष दिनमलीनसकलंक ॥
सियमुखपटतरपावकिमि चंदबापुरोरंक ॥

॥ चौपाई ॥

घटैबढैबिरहिनिदुखदाई ॥ ग्रसैराहुनिजसंधिहिंपाई ॥ कोकशोकप्रदपंकजद्रोही ॥ अवगुणबहुतचंद्रमातोही ॥ वैदेहीमुखपटतरदीन्हा ॥ होइदोषबडअनुचितकीन्हा ॥ सियमुखछबिबिधुब्याजबखानी ॥ गुरुपहंचलेनिशाबडिजानी ॥ करिमुनिचरणसरोजप्रणामा ॥ आयसुपाइकीन्हबिश्रामा ॥ बिगतनिशारघुनायकजागे ॥ बंधुबिलोकिकहनअसलागे ॥ उगेउअरुणअवलोकहुताता ॥ पंकजकोकलोकसुखदाता ॥ बोलेलषणजोरियुगपाणी ॥ प्रभुप्रभावसूचकमृदुबाणी ॥ ॥ दोहा ॥

अरुणउगेसकुचेकुमुद उडुगणजोतिमलीन ॥
जिमितुम्हारआगमनसुनि भयेन्रपतिबलहीन ॥

॥ चौपाई ॥

न्रपसबनखतकरहिंउजीयारी ॥ टारिनसकहिंचापतमभारी ॥ कमलकोकमधुकरखगनाना ॥ हरषेसकलनिशाअवसाना ॥ ऐसहिंप्रभुसबभक्ततुम्हारे ॥ होइहहिंटूटेधनुषसुखारे ॥ उदयभानुबिनुश्रमतमनाशा ॥ दुरेनखतजगतेजप्रकाशा ॥ रबिनिजउदयब्याजरघुराया ॥ प्रभुप्रतापसबन्रपनदेखाया ॥ तबभुजबलमहिमाउदघाटी ॥ प्रगटीधनुबिघटनपरिपाटी ॥ बंधुबचनसुनिप्रभुमुसुकाने ॥ होइशुचिसहजपुनीतअन्हाने ॥ नित्यक्रियाकरिगुरुपहंआये

॥ चरणसरोजप्रभुगशिरनाये ॥ सतानंदतवजनकवुलाए ॥ कौशिकमुनिपहँ
तुरतपठाए ॥ जनकविनयतिनआयसुनाई ॥ हरषेबोलिलिएदोउभाई ॥

॥ दोहा ॥

सतानंदपदवंदिप्रभु हरषेआशिषपाइ * ॥
चलहुतातमुनिकहेउतव पठवाजनकवुलाइ ॥

॥ चौपाई ॥

सीयस्वयंबरदेखियजाई ॥ ईसकाहिधौंदेहिंबडाई ॥ लषणकहायशभाजन
सोई ॥ नाथकृपातवजापरहोई ॥ हरषेमुनिसवमुनिवरवानी ॥ दीन्हअशी
सवहिंसुखमानी ॥ पुनिमुनिवृंदसमेतकृपाला ॥ देखनचलेधनुषमखशाला
॥ रंगभूमिआयेदोउभाई ॥ असमुधिसवपुरवासिनपाई ॥ चलेसकलगृहकाज
विसारी ॥ वालकयुवाजरठनरनारी ॥ देखीजनकभीरिभइभारी ॥ शुचिसेव
कसवलियेहंकारी ॥ तुरतसकललोगनपहँजाहू ॥ आसनउचितदेहुसवकाहू

॥ दोहा ॥

कहिमृदुवचनविनीततिन वैठारेनरनारि ** ॥
उत्तममध्यमनीचलघु निजनिजथलअनुहारि ॥

॥ चौपाई ॥

राजकुंवरतेहिअवसरआये ॥ मनहुमनोहरताविछाये ॥ गुणसागरनागर
वरवीरा ॥ सुंदरश्यामलगौरशरीरा ॥ राजसमाजविराजतरूरे ॥ उडुगण
महंजनुयुगविधुपूरे ॥ जिनकेरहीभावनाजैसी ॥ प्रभुमूरतिदेखीतिनतैसी
॥ देखहिंभूपमहारणधीरा ॥ मनहुंवीररसधरेंशरीरा ॥ डरेकुटिलनृपप्रभु

हिनिहारी ॥ मनहुँभयानकमूरतिभारी ॥ रहेअसुरछलछोनिपवेषा ॥ तिनप्रभुप्रगटकालसमदेखा ॥ पुरवासिनदेखेदोउभाई ॥ नरभूषणलोचनसुखदाई ॥ *\~*\~*\~* ॥ दोहा ॥ **\~*\~*\~*\~**

नारिविलोकहिंहरषिहिय निजनिजरुचिअनुरूप ॥
जनुसोहतशृंगारधरि मूरतिपरमअनूप **** ॥

॥ चौपाई ॥

विदुषनप्रभुविराटमयदीसा ॥ बहुमुखकरपगलोचनसीसा ॥ जनकजातिअवलोकहिंकैसें ॥ सजनसगेप्रियलागहिंजैसें ॥ सहितविदेहविलोकहिंरानी ॥ शिशुसमप्रीतिनजातबखानी ॥ योगिनपरमतत्त्वमयभासा ॥ संतशुद्धमनसहजप्रकासा ॥ हरिभक्तनदेखेउदोउभ्राता ॥ इष्टदेवइवसबसुखदाता ॥ रामहिंचितवभावजेहिसीया ॥ सोसनेहसुखनहिंकथनीया ॥ उरअनुभवतिनकहिसकसोऊ ॥ कवनप्रकारकहैकविकोऊ ॥ यहिविधिरहाजाहिजसभाऊ ॥ तेहिंतसदेखेउकोशलराऊ ॥ * ॥ दोहा ॥ *************

राजतराजसमाजमह कोशलराजकिशोर ॥
सुंदरश्यामलगौरतन विश्वविलोचनचोर ॥

॥ चौपाई ॥

सहजमनोहरमूरतिदोऊ ॥ कोटिकामउपमालघुसोऊ ॥ शरदचंदनिंदकमुखनीके ॥ नीरजनयनभावतेजीके ॥ चितवनिचारुमारमदहरणी ॥ भावतहृदयजायनहिंवरणी ॥ कलकपोलश्रुतिकुंडललोला ॥ चिबुकअधरसुंदरमृदुबोला ॥ कुमुदबंधुकरनिंदकहासा ॥ भृकुटीविकटमनोहरनासा ॥ भाल

भ्रिशालमिलक नवलनाहीं ॥ कचविलोकि अलिअवलिलजाहीं ॥ पीतचौतनीसिर
नसुहाई ॥ कुसुमकलीबिचबीचवनाई ॥ रेखारुचिरकंबुकलग्रीवा ॥ जनुत्रि
भुवनसुखमाकीसींवा ॥ ** ॥ दोहा ॥ *****

कुंजरमणिकंठाकलित उरनुलसीकीमाल ॥
वृषभकंधकेहरिठवनि बलनिधिबाहुविशाल ॥

॥ चौपाई ॥

कटितूनीरपीतपटबांधे ॥ करशरधनुषबामवरकांधे ॥ पीतयज्ञउपबीतसुहाई
॥ नखशिखमंजुमहाछबिछाई ॥ देखिलोगसबभयेसुखारे ॥ एकटकलोचनट
रहिंनटारे ॥ हरषेजनकदेखिदोउभाई ॥ मुनिपदकमलगहेतबजाई ॥ क
रिबिनतीनिजकथासुनाई ॥ रंगअवनिसबमुनिहिदेखाई ॥ जहंजहंजाहिं
कुंअरवरदोऊ ॥ तहंतहंचकितचितवसबकोऊ ॥ निजनिजरुखिरामहिंसबदे
खा ॥ कोउनजानकछुमर्मविशेषा ॥ भलिरचनानृपसनमुनिकहेऊ ॥ राजामुदि
तमहासुखलहेऊ ॥ ** ॥ दोहा ॥ *****

सबमंचनतेमंचएक सुंदरविशदविशाल ॥
मुनिसमेतदोउबंधुतहं बैठारेमहिपाल * ॥

॥ चौपाई ॥

प्रभुहिदेखिसबनृपहियहारे ॥ जनुराकेशउदयभयेतारे ॥ असप्रतीतितिन्हके
मनमांही ॥ रामचापतोरवकसनाही ॥ विनुभंजेहुभवधनुषविशाला ॥ मेलिहि
सीयरामउरमाला ॥ असबिचारिगवनहुघरभाई ॥ जयप्रतापबलतेजगंवाई
॥ बिहंसेअपरभूपसुनिबानी ॥ जेअविवेकअंधअभिमानी ॥ तेरेहुधनुषब्याह

अवगाहा ॥ बिनुतोरें कोकुंवरिबिवाहा ॥ एकबारकालउकिनहोई ॥ सियहित
समरजितबहमसोई ॥ यहसुनिअवरभूपमुसुकाने ॥ धर्मशीलहरिभक्तसयाने ॥

॥ सोरठा ॥

सीयबिवाहबराम गर्बदूरिकरिनृपनकर ॥
जीतिकोशकसंग्राम दशरथकेरणबांकुरे ॥

॥ चौपाई ॥

बृथामरहुजनिगालबजाई ॥ मनमोदकनहिंभूखबुताई ॥ शिखहमारिसुनुप
रमपुनीता ॥ जगदंबाजानहुजियसीता ॥ जगतपितारघुपतिहिबिचारी ॥ भ
रिलोचनछबिलेहुनिहारी ॥ सुंदरसुखदसकलगुणरासी ॥ एदोउबंधुशंभु
उरबासी ॥ सुधासमुद्रसमीपबिहाई ॥ मृगजलनिरखिमरहुकतधाई ॥ क
रहुजाइजाकहंजोइभावा ॥ हमतोआजुजन्मफलपावा ॥ असकहिभलेभूप
अनुरागे ॥ रूपअनूपबिलोकनलागे ॥ देखहिंसुरनभचढेबिमाना ॥ बरषहिंसु
मनकरहिंकलगाना ॥

॥ दोहा ॥

जानिसुअवसरसीयतब पठवाजनकबुलाइ ॥
चतुरिसखीसुंदरिसकल सादरचलीलवाइ ॥

॥ चौपाई ॥

सियशोभानहिंजाइबखानी ॥ जगदंबिकारूपगुणखानी ॥ उपमासकलमोहिं
लघुलागी ॥ प्राकृतनारिअंगअनुरागी ॥ सीयबरणितेहिउपमादेई ॥ कोकबि
कहैअयशकोलेई ॥ जौंपटतरियतीयसमसीया ॥ जगअसयुवतिकहांकमनीया
॥ गिरामुखरतनअर्द्धभवानी ॥ रतिअतिदुखितअतनपतिजानी ॥ बिषबारुणी

बंधुप्रियजेही ॥ कहियरमासमकिमिवैदेही ॥ जौंछबिसुधापयोनिधिहोई ॥ प
रमरूपमयकच्छपसोई ॥ सोभारजुमंदरशृंगारू ॥ मथैपानिपंकजनिजमारू ॥

॥ दोहा ॥

यहिबिधिउपजैलच्छिजब सुंदरतासुखमूल ॥
॥ तदपिसकोचसमेतकबि कहहिंसीयसमतूल ॥

॥ चौपाई ॥

चलींसंगलैसखीसयानी ॥ गावतिगीतमनोहरबानी ॥ सोहनवलतनसुंदरि
सारी ॥ जगतजननिअतुलितछबिभारी ॥ भूषणसकलसुदेशसुहाये ॥ अंग
अंगरचिसखिनबनाये ॥ रंगभूमिजबसियपगुधारी ॥ देखिरूपमोहेनरनारी ॥
हरषिसुरनदुन्दुभीबजाई ॥ बर्षिप्रसूनअप्सरागाई ॥ पानिसरोजसोहजय
माला ॥ अवचटचितैसकलमहिपाला ॥ सीयचकितचितरामहिचाहा ॥ भयेमो
हबशसबनरनाहा ॥ मुनिसमीपबैठेदोउभाई ॥ लगेललकिलोचननिधिपाई ॥

॥ दोहा ॥

गुरुजनलाजसमाजबडि देखिसीयसकुचानि ॥
लगीबिलोकनसखिनतन रघुबीरहिउरआनि ॥

॥ चौपाई ॥

रामरूपअरुसियछबिदेखी ॥ नरनारिनपरिहरीनिमेषी ॥ सोचहिंसकलकह
तसकुचाहीं ॥ विधिसनबिनयकरहिंमनमाहीं ॥ हरुबिधिबेगिजनकजडता
ई ॥ मतिहमारिअसदेहुसुहाई ॥ बिनुबिचारपणतजिनरनाहू ॥ सीयरा
मकरकरैबिबाहू ॥ जगभलकहहिंभावसबकाहू ॥ हठिकीन्हेअंतहुउरदाहू

सहबिलाससंगमगनसबलोगू॥ बरसांवरोजानकीजोगू॥ तबबंदीजनजनकबुलाए॥ बिरदावलीकहतचलिआए॥ कहनृपजाइकहहुपणमोरा॥ चलाभाट हियहरषनथोरा॥ **\~** ॥ दोहा ॥ **\~*\~*\~*\~**

बोलेबंदीबचनबर सुनहुसकलमहिपाल॥
पणबिदेहकरकहहिंहम भुजाउठाइबिशाल॥

॥ चौपाई ॥

नृपभुजबलबिधुशिवधनुराहू॥ गरुअकठोरबिदितसबकाहू॥ रावणबाणमहाभटभारे॥ देखिशरासनगवहिंसिधारे॥ सोइपुरारिकोदंडकठोरा॥ राजसमाजआजुजोइतोरा॥ त्रिभुवनजयसमेतबैदेही॥ बिनहिंबिचारबरैहठितेही॥ सुनिपणसकलभूपअभिलाषे॥ भटमानीअतिशयमनमाषे॥ परिकरबांधिउठेअकुलाई॥ चलेइष्टदेवनशिरनाई॥ तमकिताकितकिशिवधनुधरहीं॥ उठइनकोटिभांतिबलकरहीं॥ जिनकेकछुबिचारमनमाहीं॥ चापसमीपमहीपनजाहीं॥ **\~*\~** ॥ दोहा ॥ **\~*\~*\~*\~**

तमकिधरहिंधनुमूढनृप उठइनचलहिंलजाइ॥
मनहुंपाइभटबाहुबल अधिकअधिकगरुआइ॥

॥ चौपाई ॥

भूपसहसदशएकहिबारा॥ लगेउठावनटरइनटारा॥ डगैनशंभुशरासनकैसें॥ कामीबचनसतीमनजैसें॥ सबनृपभयेयोगउपहासा॥ जैसेबिनुबिरागसन्यासा॥ कीरतिबिजयबीरताभारी॥ चलेचापकरबरबसहारी॥ श्रीहतभयेहारिहियराजा॥ बैठेनिजनिजजाइसमाजा॥ नृपनबिलोकिजनकअकुलाने

॥ बोलेबचनसोचअनुमाने ॥ द्वीपद्वीपकेभूपतिनाना ॥ आएसुनिहमजोप्रणठाना ॥ देवदनुजधरिमनुजशरीरा ॥ बिपुलबीरआएरणधीरा ॥ ****

** ॥ दोहा ॥ **

कुंअरिमनोहरिबिजयबड़ि कीरतिअतिकमनीय ॥
पावनहारबिरंचिजनु रचेउनधनुदमनीय * ॥

॥ चौपाई ॥

कहहुकाहियह्लाभनभावा ॥ काहुनशंकरचापचढ़ावा ॥ रहौचढ़ाउबतोरबभाई ॥ तिलभरिभूमिनसकेछुड़ाई ॥ अबजनिकोउमाखैभटमानी ॥ बीरबिहीनमहीमैंजानी ॥ तजहुआशनिजनिजगृहजाहू ॥ लिखानबिधिबैदेहिबिवाहू ॥ सुकृतजाइजौंप्रणपरिहरऊं ॥ कुंअरिकुंआरिरहौकाकरऊं ॥ जौंजनितेंबिनुभटभुंइभाई ॥ तौप्रणकरिहोतेउँनहंसाई ॥ जनकबचनसुनिसबनरनारी ॥ देखिजानकीभयेदुखारी ॥ माखेलखनकुटिलभईभौंहैं ॥ रदपटफरकतनयनरिसौहैं ॥ * ॥ दोहा ॥ **

कहिनसकतरघुबीरडर लगेबचनजनुबाण ॥
नाइसमपदकमलशिर बोलेगिराप्रमाण ** ॥

॥ चौपाई ॥

रघुबंशिनमहंजहंकोउहोई ॥ तेहिसमाजअसकहइनकोई ॥ कहीजनकजसअनुचितबानी ॥ बिद्यमानरघुकुलमणिजानी ॥ सुनहुभानुकुलपंकजभानू ॥ कहौंसुभावनकछुअभिमानू ॥ जौंराउरअनुशासनपाऊं ॥ कंदुकइवब्रह्मांडउठाऊं ॥ कांचेघटजिमिडारौंफोरी ॥ सकौंमेरुमूलकइमतोरी ॥ तवप्रता

पमहिमाभगवाना ॥ कावापुरोपिनाकपुराणा ॥ नायजानिअसआयसुहोऊ ॥ कौ
तुककरौंबिलोकियसोऊ ॥ कमलनालइमिचापचढावौं ॥ जनयोजनप्रमाणलैधावौं ॥ ॥ दोहा ॥

तोरौंछत्रकदंडजिमि तवप्रतापबलनाथ ॥
जौंनकरौंप्रभुपदशपथ पुनिनधरौंधनुहाथ ॥

॥ चौपाई ॥

लषणसकोपवचनजबबोले ॥ डगमगानिमहिदिग्गजडोले ॥ सकललोगसबभूपडेराने ॥ सियहियहर्षजनकसकुचाने ॥ गुरुरघुपतिसबमुनिमनमाहीं ॥ मुदितभयेपुनिपुनिपुलकाहीं ॥ सैनहिंरघुपतिलषणनिवारे ॥ प्रेमसमेतनिकटबैठारे ॥ बिश्वामित्रसमयशुभजानी ॥ बोलेअतिसनेहमृदुबानी ॥ उठहुरामभंजहुभवचापू ॥ मेटहुतातजनकपरितापू ॥ सुनिगुरुवचनचरणशिरनावा ॥ हर्षबिषादनकछुउरआवा ॥ ठाढभएउठिसहजसुभाये ॥ ठवनियुवामृगराजलजाये ॥ ॥ दोहा ॥

उदितउदयगिरिमंचपर रघुबरबालपतंग ॥
बिकसेसंतसरोजसब हर्षेलोचनभृंग ॥

॥ चौपाई ॥

नृपनकेरिआशानिशनासी ॥ बचननखतअवलीनप्रकासी ॥ मानिमहीपकुमुदसकुचाने ॥ कपटीभूपउलूकलुकाने ॥ भएबिशोककोकमुनिदेवा ॥ बरषहिंसुमनजनावहिंसेवा ॥ गुरुपदवंदिसहितअनुरागा ॥ राममुनिनसनआयसुमांगा ॥ सहजहिंचलेसकलजगस्वामी ॥ मत्तमंजुकुंजरबरगामी ॥ चलतरामसब

पुरनरनारी॥ पुलकपूरितनभयेसुखारी॥ बंदिपितरसुरसुकृतसँभारे॥ जौं कछुपुण्यप्रभावहमारे॥ तौशिवधनुषमृनालकिनाई॥ तोरहिंरामगणेशगोसाईं॥

॥ दोहा॥

रामहिंप्रेमसमेतलखि सखिनसमीपबुलाइ॥
सीतामातुसनेहबश वचनकहैबिलखाइ॥

॥ चौपाई॥

सखिसबकौतुकदेखनहारे॥ जोउकहावतहितूहमारे॥ कोउनबुझाइकहइगुरुपाहीं॥ येबालकअसहठभलनाहीं॥ रावणबाणछुआनहिंचापा॥ हारेसकलभूपकरिदापा॥ सोधनुराजकुँवरकरदेहीं॥ बालमरालकिमंदरलेहीं॥ भूपसयानपसकलसिरानी॥ सखिविधिगतिकछुजाइनजानी॥ बोलीचतुरसखीमृदुबाणी॥ तेजवंतलघुगणियनरानी॥ कहँकुंभजकहँसिंधुअपारा॥ शोषेउसुयशसकलसंसारा॥ रविमंडलदेखतलघुलागा॥ उदयतासुत्रिभुवनतमभागा॥

॥ दोहा॥

मंत्रपरमलघुजासुबश विधिहरिहरसुरसर्व॥
महामत्तगजराजकहँ बशकरअंकुशखर्व॥

॥ चौपाई॥

कामकुसुमधनुशायकलीन्हे॥ सकलभुवनअपनेबशकीन्हे॥ देवितजियसंशयअसजानी॥ भंजबधनुषरामसुनुरानी॥ सखीवचनसुनिभइपरतीती॥ मिटाविषादबढीअतिप्रीती॥ तबरामहिंविलोकिवैदेही॥ सभयहृदयविनवतिजेहितेही॥ मनहीमनमनायअकुलानी॥ होउप्रसन्नमहेशभवानी॥ करउ

सुफलआपनिसेवकाई॥ करिहितहरहुचापगरुआई॥ गणनायकबरदायकदेवा॥ आजुलगेंकीन्हीतवसेवा॥ बारबारबिनतीसुनिमोरी॥ करहुचापगरुताअतिथोरी॥ **** ॥ दोहा॥ ******

देखिदेखिरघुबीरतन सुरमनावधरिधीर॥
भरेबिलोचनप्रेमजल पुलकावलीशरीर॥

॥ चौपाई॥

नीकेनिरखिनयनभरिशोभा॥ पितुपनसुमिरिबहुरिमनछोभा॥ अहहतातदारुणहठठानी॥ समुझतनहिंकछुलाभनहानी॥ सचिवसभयसिखदेइनकोई॥ बुधसमाजबड़अनुचितहोई॥ कहँधनुकुलिशहुचाहिकठोरा॥ कहँश्यामलमृदुगातकिशोरा॥ विधिकेहिभांतिधरौंउरधीरा॥ शिरिससुमनकिमिवेधिहिहीरा॥ सकलसभाकीमतिभइभोरी॥ अबमोहिशंभुचापगतितोरी॥ निजजड़तालोगनपरडारी॥ होउहरुअरघुपतिहिनिहारी॥ अतिपरितापसीयमनमाहीं॥ लवनिमेषयुगसमचलिजाहीं॥ ****************

******** ॥ दोहा॥ *******

प्रभुहिचितैपुनिचितैमहि राजतलोचनलोल॥
खेलतमनसिजमीनयुग जनुविधुमंडलडोल॥

॥ चौपाई॥

गिराअलिनिमुखपंकजरोकी॥ प्रगटनलाजनिशाअवलोकी॥ लोचनजलरहलोचनकोना॥ जैसेपरमकृपणकरसोना॥ सकुचीव्याकुलताबड़िजानी॥ धरिधीरजप्रतीतिउरआनी॥ तनमनवचनमोरपनसांचा॥ रघुपतिपदसरोजमनरांचा॥

तौभगवानसकलउरवासी ॥ करिहहिंमोहिरघुपतिकीदासी ॥ जेहिकेजे हिपरसत्यसनेहू ॥ सोतेहिमिलतननकछुसंदेहू ॥ प्रभुतनचितैप्रेमपणठाना ॥ कृपानिधानरामसबजाना ॥ सियहिविलोकितकेउधनुकैसे ॥ चितवगरुडलघुब्यालहिजैसे ॥ **~**~** ॥ दोहा ॥ **~*~*~*~**

लषणलखेउरघुवंशमणि ताकेउहरकोदंड ॥
पुलकिगातबोलेवचन चरणचांपिब्रह्मंड ** ॥

॥ चौपाई ॥

दिशकुंजरऊकमठअहिकोला ॥ धरऊधरणिधरिधीरनडोला ॥ रामचहहिं शंकरधनुतोरा ॥ होऊसजगसुमिआयसुमोरा ॥ चापसमीपरामजबआये ॥ नरनारिनसुरसुकृतमनाये ॥ सबकरसंशयअरुअज्ञानू ॥ मंदमहीपनकरअभिमानू ॥ भृगुपतिकेरिगर्वगरुआई ॥ सुरमुनिवरनकेरिकदराई ॥ सियकरसोचजनकपछतावा ॥ रानिनकरदारुणदुखदावा ॥ शंभुचापवडवोहितपाई ॥ चढेजाइसबसंगवनाई ॥ राम‌बाहुबलसिंधुअपारा ॥ चहतपारनहिंकोउकनहारा ॥ *~*~* ॥ दोहा ॥ **~*~*~*~**

रामविलोकेलोगसब चित्रलिखेसेदेखि ** ॥
चितईसीयकृपायतन जानिकेविकलविशेषि ॥

॥ चौपाई ॥

देखीविपुलविकलवैदेही ॥ निमिषविहातकल्पसमतेही ॥ तृषितवारिविनुजोतनत्यागा ॥ मुयेकरैकासुधातडागा ॥ काबर्षाजबकृषीसुखाने ॥ समयचूकपुनिकापछताने ॥ असजियजानिजानकीदेखी ॥ प्रभुपुलकेलखिप्रीति

विशेषी ॥ गुरहिप्रनाममनहिमनकीन्हा ॥ अतिलाघवउठाइधनुलीन्हा ॥ दमकेउदामिनिजिमिघनलयऊ ॥ पुनिधनुनभमंडलसमभयऊ ॥ लेतचढावत खैंचतगाढे ॥ काहुनलखादेखसवठाढे ॥ तेहिक्षणराममध्यधनुतोरा ॥ भरेउभुवनधुनिघोरकठोरा ॥ * * ॥ छंद ॥ * * * * *

भरिभुवनघोरकठोररवरविवाजितजिमारगचले ॥ * ॥ चिक्करहिंदिग्गजडोलमहिअहिकोलकूरमकलमले ॥ * ॥ सुरअसुर मुनिकरकानदीन्हेसकलविकलविचारहीं ॥ * ॥ कोदंडभंजेउ रामतुलसीजयतिवचनउचारहीं ॥ * * * * * * * * * * * * *

* * * * * * ॥ सोरठा ॥ * * * * * *

शंकरचापजहाज सागररघुवरवाहुवल ॥
वूडेसकलसमाज चढेजेप्रथमहिमोहवश ॥

॥ चौपाई ॥

प्रभुदोउखंडचापमहिडारे ॥ देखिलोगसवभयेसुखारे ॥ कौशिकरूपपयोनिधिपावन ॥ प्रेमवारिअवगाहसुहावन ॥ रामरूपराकेशनिहारी ॥ बढीवीचिपुलकावलिभारी ॥ वाजेनभगहगहेनिसाना ॥ देववधूनाचहिंकरिगाना ॥ ब्रह्मादिकसुरसिद्धमुनीशा ॥ प्रभुहिप्रशंसहिंदेहिंअशीसा ॥ वरषहिंसुमनरंगवहुमाला ॥ गावहिंकिन्नरिगीतरसाला ॥ रहीभुवनभरिजयजयवानी ॥ धनुषभंगधुनिजातनजानी ॥ मुदितकहहिंजहंतहंनरनारी ॥ भंजेउरामशंभुधनुभारी ॥

* * * * * * ॥ दोहा ॥ * * * * * * *

वंदीमागधसूतगण विरदवदहिंमतिधीर * ॥

करहिं निछावरि लोग सब हय गय धन मनि चीर॥

॥ चौपाई ॥

झांझ मृदंग संख सहनाई॥ भेरि ढोल दुंदुभी सुहाई॥ बाजहिं बहु बाजने सुहाये॥ जहँ तहँ जुबतिन मंगल गाये॥ सखिन सहित हरषित अति रानी॥ सूखत धान परा जनु पानी॥ जनक लहेउ सुख सोच बिहाई॥ पैरत थके थाह जनु पाई॥ श्रीहत भये भूप धनु टूटे॥ जैसें दिवस दीप छबि छूटे॥ सिय हिय सुख बरनिय केहि भांती॥ जनु चातकि पाई जल स्वाती॥ रामहिं लखन बिलोकत कैसें॥ ससिहि चकोर किसोरक जैसें॥ सतानंद तब आयसु दीन्हा॥ सीता गमन राम पहँ कीन्हा॥

॥ दोहा ॥

संग सखी सुंदरि चतुरि गावहिं मंगलचार॥
गवनी बाल मराल गति सुखमा अंग अपार॥

॥ चौपाई ॥

सखिन मध्य सिय सोहति कैसी॥ छबिगन मध्य महाछबि जैसी॥ कर सरोज जयमाल सुहाई॥ बिस्व बिजय सोभा जनु छाई॥ तन सकोच मन परम उछाहू॥ गूढ प्रेम लखि परै न काहू॥ जाइ समीप राम छबि देखी॥ रहि जनु कुंअरि चित्र अवरेखी॥ चतुर सखी लखि कहा बुझाई॥ पहिरावहु जयमाल सुहाई॥ सुनत जुगल कर माल उठाई॥ प्रेम बिबस पहिराइ न जाई॥ सोहत जनु जुग जलज सनाला॥ ससिहि सभीत देत जयमाला॥ गावहिं छबि अवलोकि सहेली॥ सिय जयमाल राम उर मेली॥

॥ सोरठा ॥

रघुबर उर जयमाल देखि देव बरषहिं सुमन॥

सकुचेसकलभुआल जनुबिलोकिरबिकुमुदगण ॥

॥ चौपाई ॥

सुरअनंदव्योमबाजनेबाजे ॥ खलभयेमलिनसाधुसबगाजे ॥ सुरकिन्नरनरनागमुनीशा ॥ जयजयजयकहिंदेहिंअशीसा ॥ नांचहिंगावहिंबिबुधवधूटी ॥ बारबारकुसुमावलिछूटी ॥ जहंतहंबिप्रवेदधुनिकरहीं ॥ बंदीबिरदावलिउच्चरहीं ॥ महिपातालनाकयशव्यापा ॥ रामबरीसियभंजेउचापा ॥ करहिंआरतीपुरनरनारी ॥ देहिंनिछावरिवृत्तिबिसारी ॥ सोहतसीयरामकीजोरी ॥ छबिशृंगारमनहुंएकठोरी ॥ सखीकहहिंप्रभुपदगहुसीता ॥ करतिनचरणपरसअतिभीता ॥ ॥ दोहा ॥

गोतमतीयसुरतिकरि नहिंपरसतिपदपानि ॥
मनबिहंसेरघुबंशमणि प्रीतिअलौकिकजानि ॥

॥ चौपाई ॥

तबसियदेखिभूपअभिलाषे ॥ कूरकपूतमूढमनमाखे ॥ उठिउठिपहिरिसनाहअभागे ॥ जहंतहंगालबजावनलागे ॥ लेहुछडाइसीयकहंकोऊ ॥ धरिबांधहुन्टपबालकदोऊ ॥ तोरेंधनुषचाडनहिंसरई ॥ जीवतहमहिंकुंअरिकोबरई ॥ जौंबिदेहकछुकरैसहाई ॥ जीतहुसमरसहितदोउभाई ॥ साधुभूपबोलेसुनिबाणी ॥ राजसमाजहिंलाजलजानी ॥ बलप्रतापवीरताबडाई ॥ नाकपिनाकहिसंगसिधाई ॥ सोइसूरताकिअबकहंपाई ॥ असबुधितौबिधिमुहमसिलाई ॥ ॥ दोहा ॥

देखहुरामहिंनयनभरि तजिइरिषामदमोहु ॥

लखनकोपपावकप्रबल जानिशलभजनिहोहु॥

॥ चौपाई ॥

बैनतेयबलिजिमिचहकागू॥ जिमिशशचहहिंनागअरिभागू॥ जिमिचहकुशलअकारणकोही॥ सबसंपदाचहहिंशिवद्रोही॥ लोभीलोलुपकीरतिचहई॥ अकलंकिताकिकामीलहई॥ हरिपदबिमुखपरमगतिचाहा॥ तसतुम्हारलालचनरनाहा॥ कोलाहलसुनिसीयसकानी॥ सखीलवाइगईजहँरानी॥ रामसुभायचलेगुरुपाहीं॥ सियसनेहबरणतमनमाहीं॥ रानिनसहितसोचबशसीया॥ अबधौंबिधिहिकहाकरनीया॥ भूपबचनसुनिइतउततकहीं॥ लखनराममडरबोलिनशकहीं॥ ॥ दोहा ॥

अरुणनयनभृकुटीकुटिल चितवतनृपनसकोप॥
मनहुँमत्तगजगणनिरखि सिंहकिशोरहिचोप॥

॥ चौपाई ॥

खरभरदेखिबिकलपुरनारी॥ सबमिलिदेहिंमहीपनगारी॥ तेहिअवसरसुनिशिवधनुभंगा॥ आयेभृगुकुलकमलपतंगा॥ देखिमहीपसकलसकुचाने॥ बाजझपटजनुलवालुकाने॥ गौरशरीरभूतिभलभ्राजा॥ भालबिशालत्रिपुंडबिराजा॥ सीसजटाशशिबदनसुहावा॥ रिसिबशकछुकअरुणहोइआवा॥ भृकुटीकुटिलनयनरिसिराते॥ सहजहिंचितवतमनहुँरिसाते॥ बृषभकंधउरबाहुबिशाला॥ चारुजनेउमालमृगछाला॥ कटिमुनिबसनतूणदुइबांधे॥ धनुशरकरकुठारकलकांधे॥ ॥ दोहा ॥

शान्तभेषकरणीकठिन बरणिनजाइस्वरूप॥

धरिमुनितनुजनुबीररस आयेजहंसबभूप॥

॥ चौपाई ॥

देखतभृगुपतिभेषकराला॥ उठेसकलभयबिकलभुआला॥ पितुसमेतकहिकहिनिजनामा॥ लगेकरनसबदंडप्रणामा॥ जेहिसुभायचितवहिंहितजानी॥ सोजानैजनुआयुखुटानी॥ जनकबहोरिआइसिरनावा॥ सीयबुलाइप्रणामकरावा॥ आशिषदीन्हसखीहरषानी॥ निजसमाजलैगईंसयानी॥ बिश्वामित्रमिलेपुनिआई॥ पदसरोजमेलेदोउभाई॥ रामलषणदशरथकेढोटा॥ दीन्हअशीसदेखिभलजोटा॥ रामहिचितयरहेथकिलोचन॥ रूपअपारमारमदमोचन॥ ॥ दोहा ॥

बहुरिबिलोकिबिदेहसन कहहुकाहअतिभीर॥

पूछतजानअजानजिमि व्यापेउकोपशरीर॥

॥ चौपाई ॥

समाचारकहिजनकसुनाये॥ जेहिकारणमहीपसबआये॥ सुनतबचनफिरिअनतनिहारे॥ देखेचापखंडमहिडारे॥ अतिरिसबोलेबचनकठोरा॥ कहुजडजनकधनुषकेहितोरा॥ बेगिदेखाउमूढनतआजू॥ उलटौंमहिजहंलगितवराजू॥ अतिडरउतरदेतनृपनाहीं॥ कुटिलभूपहरषेमनमाहीं॥ सुरमुनिनागनगरनरनारी॥ सोचहिंसकलत्रासउरभारी॥ मनपछतातिसीयमहतारी॥ बिधिसंवारिसबबातबिगारी॥ भृगुपतिकरसुभावसुनिसीता॥ अर्द्धनिमेषकल्पसमबीता॥ ॥ दोहा ॥

सभयबिलोकेलोगसब जानिजानकीभीरु॥

हृदयनहर्षविषादकछु बोलेश्रीरघुवीर ॥

॥ चौपाई ॥

नाथशंभुधनुभंजनिहारा ॥ होइहिकोउएकदासतुम्हारा ॥ आयसुकहाकहियकिनमोही ॥ सुनिरिसायबोलेमुनिकोही ॥ सेवकसोजोकरैसेवकाई ॥ अरिकरणीकरिकरियलराई ॥ सुनहुरामजेइंशिवधनुतोरा ॥ सहसबाहुसमसोरिपुमोरा ॥ सोबिलगाउबिहाइसमाजा ॥ नतुमारेजैहैंसबराजा ॥ सुनिमुनिबचनलषनमुसुकाने ॥ बोलेपरशुधरहिअपमाने ॥ बहुधनुहींतोरेंलरिकाईं ॥ कबहुँनअसिरिसकीन्हगोसाईं ॥ यहिधनुपरममताकेहिहेतू ॥ सुनिरिसायकहभृगुकुलकेतू ॥ ॥ दोहा ॥

रेनृपबालककालबश बोलततोहिनसंभार ॥

धनुहीसमत्रिपुरारिधनु विदितसकलसंसार ॥

॥ चौपाई ॥

लषनकहाहँसिहमरेंजाना ॥ सुनहुदेवसबधनुषसमाना ॥ काछतिलाभजूनधनुतोरें ॥ देखारामनयनकेभोरें ॥ छुअतटूटरघुपतिहिनदोषू ॥ मुनिबिनुकाजकरियकतरोषू ॥ बोलेचितयपरशुकीओरा ॥ रेशठसुनेसिसुभावनमोरा ॥ बालकबोलिबधौंनहितोही ॥ केवलमुनिजड़जानेसिमोही ॥ बालब्रह्मचारीअतिकोही ॥ विश्वविदितक्षत्रीकुलद्रोही ॥ भुजबलभूमिभूपबिनुकीन्हे ॥ विपुलबारमहिदेवनदीन्हे ॥ सहसबाहुभुजछेदनहारा ॥ परशुबिलोकुमहीपकुमारा ॥ ॥ दोहा ॥

मातुपितहिजनिसोचबश करसिमहीपकिशोर ॥

गर्भन्हकेअर्भकदलन परसुमोरअतिघोर ** ॥

॥ चौपाई ॥

विहसिलषणबोलेमृदुबानी ॥ अहोमुनीशमहाभटमानी ॥ पुनिपुनिमोहिदेखा
वकुठारा ॥ चहतउडावनफूंकिपहारा ॥ इहांकोहंडबतियाकोउनाही ॥ जोत
र्जनिदेखतमरिजाहीं ॥ देखिकुठारशरासनबाना ॥ मैंकछुकहासहितअभिमा
ना ॥ भृगुकुलसमुझिजनेउविलोकी ॥ जोकछुकहहुसहौंरिसिरोकी ॥ सुरम
हिसुरहरिजनअरुगाई ॥ हमरेकुलइनपरनसुराई ॥ वधेपापअपकीर
तिहारे ॥ मारतहूंपांपरियतुम्हारे ॥ कोटिकुलिशसमवचनतुम्हारा ॥ वृथाधर
हुधनुबाणकुठारा ॥ **** ॥ दोहा ॥ ********

जोविलोकिअनुचितकहेउं छमहुमहामुनिधीर ॥
सुनिसरोषभृगुवंशमणि बोलेगिरागंभीर ** ॥

॥ चौपाई ॥

कौशिकसुनहुमंदयहबालक ॥ कुटिलकालवशनिजकुलघालक ॥ भानुवंशरा
केशकलंकू ॥ निपटनिरंकुशअबुधअशंकू ॥ कालकवलहोइहिक्षणमाहीं ॥ क
हौंपुकारिखोरिमोहिनाहीं ॥ तुमहटकहुजौंचहहुउवारा ॥ कहिप्रतापबलरो
षहमारा ॥ लषणकहेउमुनिसुयशतुम्हारा ॥ तुमहिंअछतकोवरनैपारा ॥ अ
पनेमुखतुमआपनिकरणी ॥ वारअनेकभांतिबहुवरणी ॥ नहिसंतोषतोपुनिक
छुकहहू ॥ जनिरिसिरोकिदुसहदुखसहहू ॥ वीरव्रतीतुमधीरअक्षोभा ॥ गा
रीदेतनपावहुशोभा ॥ ** ॥ दोहा ॥ *******

शूरसमरकरणीकरहिं कहिनजनावहिंआपु ॥

विद्यमानरणपाइ रिपु कायरकथहिं प्रलापु ** ॥

॥ चौपाई ॥

तुम तौ कालहांकिजनुलावा ॥ बारबारमोहिलागिबुलावा ॥ सुनतलषणकेवचन कठोरा ॥ परशुसुधारिधरेउकर घोरा ॥ अबजनिदेउदोषमोहिलोगू ॥ कटुबादीबालकबधयोगू ॥ बालबिलोकिबहुतमैंबांचा ॥ अबयहमरणहारभासांचा ॥ कौशिककहाक्षमिअअपराधू ॥ बालदोषगुणगणहिंनसाधू ॥ करकुठारअकारणकोही ॥ आगेंअपराधीगुरुद्रोही ॥ उतरदेतछाडौंबिनुमारें ॥ केवलकौशिकशीलतुम्हारें ॥ नतुएहिकाटिकुठारकठोरे ॥ गुरुहिंउरिणहोतेउंश्रमथोरे ॥

** ॥ दोहा ॥ **

गाधिसुअनकहहृदयहंसि मुनिहिंहरिअरेसूझ ॥
अजगवखंडेउऊखजिमि अजहुंनबूझअबूझ * ॥

॥ चौपाई ॥

कहेउलषणमुनिशीलतुम्हारा ॥ कोनहिंजानबिदितसंसारा ॥ मातुहिंपितहिंउरिणभएनीके ॥ गुरुऋणरहासोचबडजीके ॥ सोजनुहमरेमाथेकाढा ॥ दिनचलिगयेउब्याजबडबाढा ॥ अबआनियब्यवहरियाबोली ॥ तुरतदेवमैंथैलीखोली ॥ सुनिकटुवचनकुठारसुधारा ॥ हाहाकहिसबलोगपुकारा ॥ भृगुवरपरशुदेखावहुमोही ॥ बिप्रबिचारिबचौंन्हपद्रोही ॥ मिलेनकबहुंसुभटरणगाढे ॥ द्विजदेवताघरहीकेबाढे ॥ अनुचितकहिसबलोगपुकारे ॥ रघुपतिसैनहिंलषणनिवारे ॥ ** ॥ दोहा ॥ **

लषणउतरआहुतिसरिस भृगुवरकोपकृशानु ॥

बढतदेखिजलसमबचन बोलेरघुकुलभानु * ॥

॥ चौपाई ॥

नाथकरहुबालकपरछोहू ॥ सुधदूधमुखकरियनकोहू ॥ जौंपैप्रभुप्रभावक
छुजाना ॥ तौंकिबराबरकरतअयाना ॥ जौंलरिकाकछुअनुचितकरहीं ॥ गुरुपि
तुमातुमोदमनभरहीं ॥ करियक्रपासिसुसेवकजानी ॥ तुमसमसीलधीरमुनि
ज्ञानी ॥ रामबचनसुनिकछुकजुडाने ॥ कहिकछुलखनबहुरिमुसुकाने ॥ हंस
तदेखिनखशिखरिसिब्यापी ॥ रामतोरभ्राताबडपापी ॥ गौरशरीरश्याममनमा
हीं ॥ कालकूटमुखपयमुखनाहीं ॥ सहजटेढअनुहरैनतोही ॥ नीचमीचस
मलखैनमोही ॥ *~~**~~* ॥ दोहा ॥ *~~*~~*~~*~~**

लखनकहेउहंसिसुनहुमुनि क्रोधपापकरमूल ॥
जेहिबशजनअनुचितकरहिं परहिंबिश्वप्रतिकूल ॥

॥ चौपाई ॥

मैंतुम्हारअनुचरमुनिराया ॥ परिहरिकोपकरियअबदाया ॥ टूटचापनहिंजु
रहिंरिसाने ॥ बैठियहोइहिपायपिराने ॥ जौंअतिप्रियतौकरियउपाई ॥ जो
रियकोउबडगुणीबुलाई ॥ बोलतलखनहिजनकडेराहीं ॥ मष्टकरहुअनुचि
तभलनाहीं ॥ थरथरकांपहिंपुरनरनारी ॥ छोटकुमारखोटअतिभारी ॥ भृ
गुपतिसुनिसुनिनिर्भयबानी ॥ रिसितनुजरैहोइबलहानी ॥ बोलेरामहिंदेइ
निहोरा ॥ बचौंबिचारिबंधुलघुतोरा ॥ मनमलीनतनुसुंदरकैसे ॥ बिषरसभ
रकनकघटजैसे ॥ **~~** ॥ दोहा ॥ **~~*~~*~~*~~**

सुनिलक्ष्मणबिहंसेबहुरि नयनतरेरेराम ॥

गुरुसमीपगवनेसकुचि परिहरिबानीबाम॥

॥ चौपाई ॥

अतिबिनीतमृदुशीतलबाणी॥ बोलेरामजोरियुगपाणी॥ सुनहुनाथतुमसहज
सुजाना॥ बालकबचनकरियनहिंकाना॥ बररैबालकएकसुभाऊ॥ इनहिं
नसन्तबिदूषहिंकाऊ॥ तेनाहींकछुकाजबिगारा॥ अपराधीमैंनाथतुम्हारा॥
कृपाकोपवधबंधगोसाईं॥ मोपरकरियदासकिनाईं॥ कहियबेगिजेहिबि
धिरिसजाई॥ मुनिनायकसोइकरियउपाई॥ कहमुनिरामजाइरिसकैसे॥
अजहुंबंधुतवचितवअनैसे॥ यहिकेकंठकुठारनदीन्हा॥ तौमैंकहाकोपकरि
कीन्हा॥ ✱ ✱ ✱ ॥ दोहा ॥ ✱ ✱ ✱ ✱ ✱ ✱

गर्भस्रवहिंअवनिपरवनि सुनिकुठारगतिघोर॥
परसुअछतदेखौंजियत बैरीभूपकिशोर ✱✱✱॥

॥ चौपाई ॥

बहैनहाथदहैरिसछाती॥ भाकुठारकुंठितनृपघाती॥ भयउबामबिधिफिरे
उसुभाऊ॥ मोरेहृदयकृपाकसकाऊ॥ आजुदयादुखदुसहसहावा॥ सु
निसौमित्रिबिहंसिसिरनावा॥ बाउकृपामूरतिअनुकूला॥ बोलतबचनझरतज
नुफूला॥ जौंपैकृपाजरैंमुनिगाता॥ क्रोधभयेतनुराखविधाता॥ देखुजनक
हठिबालकयेहू॥ कीन्हचहतजडयमपुरगेहू॥ बेगिकरहुकिनआंखिनओ
टा॥ देखतछोटखोटनृपढोटा॥ बिहंसेलखणकहामुनिपाहीं॥ मूंदियआंखि
कतहुंकोउनाहीं॥ ✱ ✱ ॥ दोहा ॥ ✱ ✱ ✱ ✱ ✱ ✱

परसुरामतबरामप्रति बोलेबचनसक्रोध॥

शंभुशरासनतोरिशठ करसिहमारप्रबोध ॥

॥ चौपाई ॥

बंधुकहैकटुसंमततोरे ॥ तूछलबिनयकरसिकरजोरे ॥ करुपरितोषमोरसंग्रा मा ॥ नाहितछाडुकहाउबरामा ॥ छलतजिकरहुसमरशिवद्रोही ॥ बंधुसहि तनतुमारौंतोही ॥ भृगुपतिकहहिंकुठारउठाएँ ॥ मनमुसुकाहिंरामशिरना एँ ॥ गुणहुलषणकरहमपररोषू ॥ कतहुंसुधाइहुतेबडदोषू ॥ टेढजानि शंकासभकाहू ॥ बक्रचंद्रमहिग्रसैनराहू ॥ रामकहेउरिसितजियमुनीशा ॥ क रकुठारआगेंयहसीसा ॥ जेहिरिसिजाइकरियसोइस्वामी ॥ मोहिजानिआप नअनुगामी ॥ * * * * ॥ दोहा ॥ * * * * * * *

प्रभुहिसेवकहिसमरकस तजहुबिप्रबररोष ॥
भेषविलोकिकहेसिकछु बालकहूंनहिदोष * ॥

॥ चौपाई ॥

देखिकुठारबाणधनुधारी ॥ भैलरिकहिरिसिबीरविचारी ॥ नामजानपैतुमहि नचीन्हा ॥ बंशसुभावउतरतेहिदीन्हा ॥ जौंतुमअवतेउमुनिकीनाईं ॥ पदर जशिरशिशुधरतगोसाईं ॥ क्षमहुचूकअनजानतकेरी ॥ चहियबिप्रउरकृपा घनेरी ॥ हमहिंतुमहिंसरवरिकसनाथा ॥ कहहुतोकहांचरणकहंमाथा ॥ राममात्रलघुनामहमारा ॥ परशुसहितबडनामतुम्हारा ॥ देवएकगुणधनुष हमारे ॥ नवगुणपरमपुनीततुम्हारे ॥ सबप्रकारहमतुमसनहारे ॥ क्षमहुबि प्रअपराधहमारे ॥ * * * * ॥ दोहा ॥ * * * * * * *

बारबारमुनिबिप्रवर कहारामसनराम ॥

बोलेभृगुपतिसरुषहोइ तुहूंबंधुसमबाम॥

॥ चौपाई ॥

निपटहिद्विजकरिजानेऊमोही॥ मैजसबिप्रसुनावौंतोही॥ चापश्रुवाशरआऊतिजानू॥ कोपमोरअतिघोरक्रशानू॥ समिधसेनचतुरंगसोहाई॥ महामहीपभयेपशुआई॥ मैयहिपरसुकाटिबलिदीन्हा॥ समरयज्ञजगकोटिनकीन्हा॥ मोरप्रभावबिदितनहितोरे॥ बोलसिनिदरिबिप्रकेभोरे॥ भंजेउचापदापबड़बाढ़ा॥ अहमितिमनऊंजीतिजगठाढ़ा॥ रामकहामुनिकहऊबिचारी॥ रिसिअतिबड़िलघुचूकहमारी॥ छुअतहिटूटपिनाकपुराणा॥ मैकेहिहेतुकरौंअभिमाना॥ * * * ॥ दोहा ॥ * * * * *

जौंहमनिंदरहिंबिप्रबदि सत्यसुनऊभृगुनाथ॥

तौअसकोजगसुभटजेहि भयबशनावहिंमाथ*॥

॥ चौपाई ॥

देवदनुजभूपतिभटनाना॥ समबलअधिकहोउबलवाना॥ जौंरणहमहिंपचारयकोऊ॥ लरहिंसुखेनकालकिनहोऊ॥ क्षत्रियतनुधरिसमरसकाना॥ कुलकलंकतेहिंपांवरजाना॥ कहौंसुभावनकुलहिप्रशंसी॥ कालऊडरहिंनरणरघुबंशी॥ विप्रबंशकीअसप्रभुताई॥ अभयहोइजोतुमहिडेराई॥ सुनिमृदुगूढबचनरघुपतिके॥ उघरेपटलपरशुधरमतिके॥ रामरमापतिकरधनुलेहू॥ खैंचऊमोरमिटैसंदेहू॥ देतचापआपुहिचढिगयऊ॥ परशुराममनबिस्मयभयऊ॥ * * * ॥ दोहा ॥ * * * * *

जानारामप्रभावतब पुलकप्रफूल्लितगात॥

ओरिपाणिबोलेबचन प्रेमनहृदयसमात॥

॥ चौपाई ॥

जयरघुबंशबनजवनभानू॥ गहनदनुजकुलदहनक्रशानू॥ जयसुरविप्रधेनुहितकारी॥ जयमदमोहकोहभ्रमहारी॥ विनयशीलकरुणागुणसागर॥ जयतिबचनरचनाअतिनागर॥ सेवकसुखदसुभगसबअंगा॥ जयशरीरछबिकोटिअनंगा॥ करौंकहामुखएकप्रशंसा॥ जयमहेशमनमानसहंसा॥ अनुचितबहुतकहेउँअज्ञाता॥ क्षमहुक्षमामंदिरदोउभ्राता॥ कहिजयजयजयरघुकुलकेतू॥ भृगुपतिगएबनहितपहेतू॥ अपभयकुटिलमहीपडेराने॥ जहँतहँकायरगंवहिपराने॥ ॥ दोहा॥

देवनदीन्हीदुंदुभी प्रभुपरबरषहिंफूल॥

हरषेपुरनरनारिसब मिटामोहभयसूल॥

॥ चौपाई ॥

अतिगहगहेबाजनेबाजे॥ सबहिमनोहरमंगलसाजे॥ यूथयूथमिलिसुमुखिसुनयनी॥ करहिंगानकलकोकिलबयनी॥ सुखबिदेहकरबरणिनजाई॥ जन्मदरिद्रमनहुँनिधिपाई॥ बिगतत्रासभइसीयसुखारी॥ जनुविधुउदयचकोरकुमारी॥ जनककीन्हकौशिकहिप्रणामा॥ प्रभुप्रसादधनुभंजेउरामा॥ मोहिकृतकृत्यकीन्हदुहुभाई॥ अबजोउचितसोकहियगोसांई॥ कहमुनिसुनुनरनाहप्रवीना॥ रहाबिबाहचापआधीना॥ टूटतहीधनुभयउबिबाहू॥ सुरनरनागबिदितसबकाहू॥ ॥ दोहा॥

तदपिजाइतुमकरहुअब यथावंशव्यवहार॥

बूझिविप्रकुलवृद्धगुरु बेदविदितआचार॥

॥ चौपाई ॥

दूतअवधपुरपठवहुजाई॥ आनैंन्हपदशरथहिबुलाई॥ मुदितराउकहि भलेहिकृपाला॥ पठएदूतअवधतेहिकाला॥ बहुरिमहाजनसकलबुलाए॥ आइसबनिसादरशिरनाए॥ हाटबाटमंदिरसुरवासा॥ नगरसंवारहुचारिहुपाशा॥ हरषिचलेनिजनिजगृहआये॥ पुनिपरिचारकबोलिपठाये॥ रचहुविचित्रवितानबनाई॥ शिरधरिबचनचलेसंचुपाई॥ पठएबोलिगुणीतिन्हनाना॥ जोवितानविधिकुशलसुजाना॥ विधिहिबंदितिन्हकीन्हअरंभा॥ बिरचेकनककेदलीथंभा॥ ॥ दोहा ॥

हरितमणिनकेपत्रफल पद्मरागकेफूल॥
रचनादेखिविचित्रअति मनविरंचिकेभूल॥

॥ चौपाई ॥

वेनुहरितमणिमयसबकीन्हे॥ सरसमवर्णपरहिंनहिंचीन्हे॥ कनककलित अहिबेलिबनाई॥ लखिनहिपरैसवर्णसेहाई॥ तेहिकेरचिपचिबंधबनाये॥ विचविचमुकुतादामसुहाये॥ मानिकमरकतकुलिशपिरोजा॥ चीरकोरपचिरचेसरोजा॥ किएभृंगबहुरंगविहंगा॥ गुंजहिंकुंजहिंपवनप्रसंगा॥ सुरप्रतिमाखंभनगढ़िकाढे॥ मंगलद्रव्यलिएसबठाढे॥ चौकेभांतिअनेकपुराये॥ सिंदुरमणिमयसहजसुहाये॥ ॥ दोहा ॥

सौरभपल्लवशुभगसुठि कियेनीलमणिकोर॥
हेमबंवरिमरकतघवरि लसतपाटमयडोर॥

॥ चौपाई ॥

रचेरुचिरबरबंदनेवारे ॥ मनऊमनोभवफंदसंवारे ॥ मंगलकलशअनेकवनाये ॥ ध्वजपताकपटचमरसुहाये ॥ दीपमनोहरमणिमयनाना ॥ जाइनवरणिविचित्रबिताना ॥ जेहिमंडपदुलहिनिवैदेही ॥ सोवरणैअसमतिकविकेही ॥ दूलहरामरूपगुणसागर ॥ सोवितानतिहुलोकउजागर ॥ जनकभवनकीशोभाजैसी ॥ गृहगृहप्रतिपुरदेखियतैसी ॥ जेहिंतिरहुतितेहिसमयनिहारी ॥ तेहिलघुलगेभुवनदशचारी ॥ जोसंपदानीचगृहसोहा ॥ सोविलोकिसुरनायकमोहा ॥ *⁓*⁓*⁓* ॥ दोहा ॥ *⁓*⁓*⁓*⁓*

बसैनगरजेहिलक्ष्मिकरि कपटनारिबरभेष ॥
तेहिपुरकीशोभाकहत सकुचैशारदशेष ॥

॥ चौपाई ॥

पहुंचेदूतरामपुरपावन ॥ हरषेनगरविलोकिसोहावन ॥ भूपद्वारतिन्हखवरिजनाई ॥ दशरथन्टपसुनिलयेबुलाई ॥ करिप्रणामतिन्हपातीदीन्ही ॥ मुदितमहीपआपउठिलीन्ही ॥ बारिविलोचनबांचतपाती ॥ पुलकगातआईभरिछाती ॥ रामलषणउरकरबरचीठी ॥ रहिगयेकहतनखाटीमीठी ॥ पुनिधरिधीरपत्रिकाबांची ॥ हरषीसभाबातसुनिसांची ॥ खेलतरहेतहांसुधिपाई ॥ आयेभरतसहितहितभाई ॥ पूछतअतिसनेहसकुचाई ॥ तातकहांतेपातीआई ॥ ***
⁓⁓*⁓*⁓** ॥ दोहा ॥ **⁓*⁓*⁓*⁓**

कुशलप्राणप्रियबंधुदोउ अहहिंकहहुकेहिदेश ॥
सुनिसनेहसानेवचन बांचीबहुरिनरेश *** ॥

॥ चौपाई ॥

मुनिपातीपुलकेदोउभ्राता॥ अधिकसनेहंसमातनगाता॥ प्रीतिपुनीतभरथकी देखी॥ सकलसभासुखलहेउबिशेषी॥ तबन्टपदूतनिकटबैठारे॥ मधुरमनोहरबचनउचारे॥ भैयाकुशलकहहुदोउबारे॥ तुमनीकेनिजनयननिहारे॥ श्यामलगौरधरेधनुभाथा॥ बयकिशोरकौशिकमुनिसाथा॥ पहिचानेहुतौकहहुसुभाऊ॥ प्रेमबिबशपुनिपुनिकहराऊ॥ जादिनतेमुनिगएलवाई॥ तबतेआजुसांचिसुधिपाई॥ कहहुबिदेहकवनबिधिजाने॥ सुनिप्रियबचनदूतमुसुकाने॥ *~*~*~* ॥ दोहा ॥ *~*~*~*~*

सुनहुमहीपतिमुकुटमणि तुमसमधन्यनकोउ॥
रामलषणजिनकेतनय बिश्वबिभूषणदोउ **॥

॥ चौपाई ॥

पूछनयोगनतनयतुम्हारे॥ पुरुषसिंहतिहुंपुरउजियारे॥ जिनकेयशप्रतापकेआगे॥ शशिमलीनरबिशीतललागे॥ तिनकहंकहियनाथकिमिचीन्हे॥ देखियरबिकिदीपकलीन्हे॥ सीयस्वयंबरभूपअनेका॥ सिमिटेसुभटएकतेएका॥ शंभुशरासनकाहुनटारा॥ हारेसकलभूपबरियारा॥ तीनिलोकमहंजे भटमानी॥ सबकीशक्तिशंभुधनुभानी॥ शकैउठाइसुरासुरमेरू॥ सोउहिय हारिगयउकरफेरू॥ जेहिंकौतुकशिवशैलउठावा॥ सोउतेहिसभापराभ वपावा॥ *~*~*~* ॥ दोहा ॥ *~*~*~*~*

तहांरामरघुबंशमणि सुनियमहामहिपाल॥
भंजेउचापप्रयासबिनु जिमिगजपंकजनाल॥

॥ चौपाई ॥

सुनिसरोषभृगुनायकआये ॥ बहुतभाँतितिनआँखिदेखाये ॥ देखिरामबलनिज धनुदीन्हा ॥ करिबहुबिनयगवनबनकीन्हा ॥ राजनरामअतुलबलजैसे ॥ तेज निधानलषणपुनितैसे ॥ कंपहिंभूपबिलोकतजाके ॥ जिमिगजहरिकिशोरके ताके ॥ देवदेखितवबालकदोऊ ॥ अबनआँखितरआवतकोऊ ॥ दूतबचनरच नाप्रियलागी ॥ प्रेमप्रतापवीररसपागी ॥ सभासमेतराउअनुरागे ॥ दूतहिंदेन निछावरलागे ॥ कहिअनीतितेमूंदेउकाना ॥ धर्मबिचारिसबहिंसुखमाना ॥

॥ दोहा ॥

तबउठिभूपबसिष्टकहं दीन्हपत्रिकाजाइ ॥
कथासुनाईगुरहिसब सादरदूतबुलाइ ॥

॥ चौपाई ॥

सुनिबोलेगुरअतिसुखपाई ॥ पुन्यपुरुषकहंमहिसुखछाई ॥ जिमिसरिता सागरमहंजाहीं ॥ यद्यपिताहिकामनानाहीं ॥ तिमिसुखसंपतिबिनहिंबुला एं ॥ धर्मशीलपहंजाहिंसुभाएं ॥ तुमगुरबिप्रधेनुसुरसेवी ॥ तसपुनीतकौ शल्यादेवी ॥ सुकृतीतुमसमानजगमाहीं ॥ भयउनहैकोउहोनेउनाहीं ॥ तु मतेअधिकपुन्यबडकाके ॥ राजनरामसरिससुतजाके ॥ बीरबिनीतधर्मब्रतधा री ॥ गुणसागरबालकबरचारी ॥ तुमकहंसर्वकालकल्याना ॥ सजहुबरातब जाइनिसाना ॥

॥ दोहा ॥

चलेहुबेगिसुनिगुरबचन भलेहिंनाथशिरनाइ ॥
भूपतिगवनेभवनतब दूतहिबासदिवाइ ॥

॥ चौपाई ॥

राजासबरनिवासबुलाई ॥ जनकपत्रिकाबांचिसुनाई ॥ सुनिसंदेशसकलहरषानी ॥ अपरकथासबभूपबखानी ॥ प्रेमप्रफुल्लितराजारानी ॥ मनहुंशिखिनिसुनिबारिदबाणी ॥ मुदितअसीसदेहिंगुरुनारी ॥ अतिआनंदमगनमहतारी ॥ लेहिंपरस्परअतिप्रियपाती ॥ हृदयलगाइजुडावहिंछाती ॥ रामलखनकीकीरतिकरणी ॥ बारहिंबारभूपवरवरणी ॥ मुनिप्रसादकहिद्वारसिधाये ॥ रानिन्हतबमहिदेवबुलाये ॥ दियेदानआनंदसमेता ॥ चलेविप्रवरआशिषदेता ॥

॥ सोरठा ॥

याचकलियेहंकारि दीन्हनिछावरकोटिविधि ॥
चिरंजिवहुसुतचारि चक्रवर्त्तिदशरत्थके ॥

॥ चौपाई ॥

कहतचलेपहिरेंपटनाना ॥ हरषिहनेगहगहेनिशाना ॥ समाचारसबलोगनपाये ॥ लागेघरघरहोनबधाये ॥ भुवनचारिदशभरेउछाहू ॥ जनकसुतारघुबीरबिवाहू ॥ सुनिशुभकथालोगअनुरागे ॥ मगगृहगलीसंवारनलागे ॥ यद्यपिअवधसदैवसुहावनि ॥ रामपुरीमंगलमयपावनि ॥ तदपिप्रीतिकीप्रीतिसुहाई ॥ मंगलरचनारचीबनाई ॥ ध्वजपताकपटचामरचारू ॥ छावापरमविचित्रबजारू ॥ कनककलशतोरणमणिजाला ॥ हरददूबदधिअक्षतमाला ॥

॥ दोहा ॥

मंगलमयनिजनिजभवन लोगनरचेबनाइ ॥
बीथीसींचीचतुरसम चौकेंचारुपुराइ ॥

॥ चौपाई ॥

जहंतहंयूथयूथमिलिभामिनि ॥ सजिनवसप्तसकलदुतिदामिनि ॥ बिधुबदनी मृगशावकलोचनि ॥ निजसरूपरतिमानबिमोचनि ॥ गावहिंमंगलमंजुलबाणी ॥ सुनिकलरवकलकंठलजानी ॥ भूपभवनकिमिजाइबखाना ॥ बिश्वबिमोहनरचेउबिताना ॥ मंगलद्रव्यमनोहरनाना ॥ राजतबाजतबिपुलनिशाना ॥ कतहुंबिरदबंदीउच्चरहीं ॥ कतहुंबेदधुनिभूसुरकरहीं ॥ गंधर्वहिंसुंदरिमंगलगीता ॥ लैलैनामरामअरुसीता ॥ बहुतउछाहभवनअतिथोरा ॥ मानहुंउमगिचलाचहुंओरा ॥ *—*—*॥ दोहा ॥*—*—*—*

शोभादशरथभवनकी कोकबिबरनैपार * ॥
जहांसकलसुरसीसमणि रामलीन्हअवतार ॥

॥ चौपाई ॥

भूपभरतपुनिलयेबुलाई ॥ हयगयस्यंदनसाजहुजाई ॥ चलहुबेगिरघुबीरबराता ॥ सुनतपुलकपूरेदोउभ्राता ॥ भरथसकलसाहनीबुलाये ॥ आयसुदीन्हमुदितउठिधाये ॥ रचिरुचिजीनतुरगतिनसाजे ॥ वर्णवर्णबरबाजिबिराजे ॥ शुभगसकलसुठिचंचलकरणी ॥ अयइवजरतधरतपगधरणी ॥ नानाभांतिनजाहिंबखाने ॥ निदरिपवनजनुचहतउडाने ॥ तिनसबछयलभयेअस्वारा ॥ भरतसरिससबराजकुमारा ॥ सबसुंदरसबभूषणधारी ॥ करशरचापतूणकटिभारी ॥ *—*—*॥ दोहा ॥*—*—*—*—*

छरेछबीलेछयलसब भूरसुजाननबीन ॥
युगपदचरअस्वारप्रति जेअसिकलाप्रबीन ॥

॥ चौपाई ॥

बांधेबिरदबीररनगाढे॥ निकसिभयेपुरबाहिरठाढे॥ फेरहिंचतुरतुरंगगति नाना॥ हरषहिंसुनिसुनिपनवनिसाना॥ रथसारथिन्हबिचित्रबनाये॥ ध्वजपताकमणिभूषणछाये॥ चंवरचारुकिंकिनिधुनिकरहीं॥ भानुयानसोभाअपहरहीं॥ स्यामकर्णअगणितहयहोते॥ तेतिन्हरथनसारथिनजोते॥ सुंदरसकलअलंकृतसोहै॥ जिनहिबिलोकतमुनिमनमोहै॥ जेजलचलहिंथलहिंकीनाईं॥ टापनबूडबेगअधिकाई॥ अस्त्रसस्त्रसबसाजबनाई॥ रथसारथिनलियेबुलाई॥ ॥ दोहा ॥

चढिचढिरथबाहिरनगर लागीजुरनबरात॥
होतसगुनसुंदरसबहि जोजेहिकारजजात॥

॥ चौपाई ॥

कलितकरिबरन्हपरीअंबारी॥ कहिनजाइजेहिभांतिसंवारी॥ चलेमत्तगजघंटबिराजे॥ मनहुंसुभगसावनघनगाजे॥ बाहनअपरअनेकबिधाना॥ सिबिकासुभगसुखासनयाना॥ तिनचढिचलेबिप्रबरबृंदा॥ जनुतनुधरेसकलश्रुतिछंदा॥ मागधसूतबंदिगुणगायक॥ चलेयानचढिजोजेहिलायक॥ बेसरऊंटवृषभबहुजाती॥ चलेवस्तुभरिअगणितभांती॥ कोटिनकांवरिचलेकहारा॥ बिबिधवस्तुकोबरनैपारा॥ चलेसकलसेवकसमुदाई॥ निजनिजसाजसमाजबनाई॥ ॥ दोहा ॥

सबकेउरनिर्भरहरष पूरितपुलकसरीर॥
कबहिंदेखिबेनयनभरि रामलषनदोउबीर॥

॥ चौपाई ॥

गरजहिंगजघंटाधुनिघोरा ॥ रथरववाजिहिंसचहुंओरा ॥ निदरिघनहिंघुर्म्मरहिंनिसाना ॥ निजपरावककछुसुनियनकाना ॥ महाभीरभूपतिकेद्वारे ॥ रज होइजाइपखानपवारे ॥ चढीअटारिनदेखहिंनारी ॥ लयेंआरतीमंगलथारी ॥ गावहिंगीतमनोहरनाना ॥ अतिअनंदनहिजाइबखाना ॥ तवसुमंतदुइस्यंदनसाजी ॥ जोतेरबिहयनिंदकबाजी ॥ दोउरथरुचिरभूपपहंआने ॥ नहिंशारदपहिंजाहिंबखाने ॥ राजसमाजएकरथभ्राजा ॥ दूसरतेजपुंजअतिराजा ॥

॥ दोहा ॥

तेहिरथरुचिरवसिष्टकहं हरषिचढाइनरेश ॥
आपुचढेउस्पंदनसुमिरि हरगुरुगौरिगणेश ॥

॥ चौपाई ॥

सहितवशिष्टसोहन्हपकैसें ॥ सुरगुरुसंगपुरंदरजैसें ॥ करिकुलरीतिबेदबिधिराऊ ॥ देखिसबहिसबभांतिवनाऊ ॥ सुमिरिरामगुरुआयसुपाई ॥ चलेमहीपतिशंखबजाई ॥ हरषेबिबुधविलोकिबराता ॥ बरषहिंसुमनसुमंगलदाता ॥ भयउकोलाहलहयगयगाजे ॥ व्योमबरातवाजनेबाजे ॥ सुरनरनारिसुमंगलगाई ॥ सरसरागबाजहिंसहनाई ॥ घटाघंटधुनिबरणिनजाई ॥ सरौंकरैंपायकफहराई ॥ करहिंबिदूषककौतुकनाना ॥ हांसकुशलकलगानसुजाना ॥

॥ दोहा ॥

तुरगनचावहिंकुंअरबर अकनिमृदंगनिसान ॥
नागरनटचितवहिंचकित डगहिंनतालबिधान ॥

॥ चौपाई ॥

बनैनबरनतबनीबराता॥ होइसगुनसुंदरसुभदाता॥ चाखचाखबामदिसिलेई॥ मनहुंसकलमंगलकहिदेई॥ दाहिनकागसुखेतसुहावा॥ नकुलदरससबकाहुनपावा॥ सानुकूलबहत्रिबिधिबयारी॥ सघटसबालआवबरनारी॥ लोवाफिरिफिरिदरसदिखावा॥ सुरभीसनमुखसिसुहिपिआवा॥ मृगमालादाहिनदिसिआई॥ मंगलगनजनुदीन्हदिखाई॥ छेमकरीकहछेमबिसेषी॥ स्यामाबामसुतरुपरदेखी॥ सनमुखआयउदधिअरुमीना॥ करपुस्तकदुइबिप्रप्रबीना॥ ॥ दोहा ॥

मंगलमयकल्यानमय अभिमतफलदातार॥
जनुसबसांचेहोनहित भयेसगुनएकबार॥

॥ चौपाई ॥

मंगलसगुनसुगमसबताके॥ सगुनब्रह्मसुंदरसुतजाकें॥ रामसरिसबरदुलहिनिसीता॥ समधीदसरथजनकपुनीता॥ सुनिअसब्याहसगुनसबनाचे॥ अबकीन्हेबिरंचिहमसांचे॥ यहिबिधिकीन्हबरातपयाना॥ हयगयगाजहिंहनहिंनिसाना॥ आवतजानिभानुकुलकेतू॥ सरितनजनकबंधायेसेतू॥ बीचबीचबरबासबनाये॥ सुरपुरसरिससंपदाछाये॥ असनसयनबरबसनसुहाये॥ पावहिंसबनिजनिजमनभाये॥ नितिनूतनसुखलखिअनुकूला॥ सकलबरातिनमंदिरभूला॥ ॥ दोहा ॥

आवतजानिबरातबर सुनिगहगहेनिसान॥
सजिगजरथपदचरतुरग लेनचलेअगवान॥

॥ चौपाई ॥

कनककलशभरिकोपरथारा ॥ भोजनललितअनेकप्रकारा ॥ भरेसुधासमसबपकवाना ॥ भांतिभांतिनहिंजाहिंबखाना ॥ फलअनेकबरबस्तुसुहाई ॥ हरषिभेटहितभूपपठाई ॥ भूषणबसनमहामणिनाना ॥ खगमृगहयगयबहुबिधिजाना ॥ मंगलसगुनसुगंधसुहाये ॥ बहुतभांतिमहिपालपठाये ॥ दधिचिउराउपहारअपारा ॥ भरिभरिकांवरिचलेकहारा ॥ अगवाननजबदीखबराता ॥ उरआनंदपुलकभरगाता ॥ देखिबनावसहितअगवाना ॥ मुदितबरातिनहनेनिशाना ॥ ॥ दोहा ॥

हरषिपरस्परमिलनहित कछुकचलेबगमेल ॥

जनुआनंदसमुद्रदुइ मिलतबिहाइसुबेल ॥

॥ चौपाई ॥

बरषिसुमनसुरसुंदरिगावहिं ॥ मुदितदेवदुंदुभीबजावहिं ॥ बस्तुसकलराखींनृपआगे ॥ बिनयकीन्हतिन्हअतिअनुरागे ॥ प्रेमसमेतरायसबलीन्हा ॥ भैबकसीसयाचकनदीन्हा ॥ करिपूजामान्यताबडाई ॥ जनवासेकहंचलेलवाई ॥ बसनबिचित्रपांवडेपरहीं ॥ नृपदधरधनापरपगधरहीं ॥ देखिधनदधनमदपरिहरहीं ॥ बरषिसुमनसुरजयजयकरहीं ॥ अतिसुंदरदीन्हेउजनवासा ॥ जहंसबकहंसबभांतिसुपासा ॥ जानीसियबरातपुरआई ॥ कछुनिजमहिमाप्रगटिजनाई ॥ हृदयसुमिरसबसिद्धिबुलाई ॥ भूपपहुनईकरनपठाई ॥

॥ दोहा ॥

सियआयसुसिरसिद्धिधरि गईजहांजनवास ॥

लयेसंपदासकलसुख सुरपुरभोगविलास ॥

॥ चौपाई ॥

निजनिजवासविलोकिवराती ॥ सुरसुखसकलसुलभसबभांती ॥ बिभवभेदक छुकाऊनजाना ॥ सकलजनककरकरहिंबखाना ॥ सियमहिमारघुनायकजा नी ॥ हरषेहृदयहेतुपहिचानी ॥ पितुआगमनसुनतदोउभाई ॥ हृदयन मातिआनंदसमाई ॥ सकुचनकहिनसकतगुरुपाहीं ॥ पितुदरशनलालचमनमा हीं ॥ विश्वामित्रबिनयबडिदेखी ॥ उपजाउरसन्तोषविशेषी ॥ हरषिबंधुदोउ हृदयलगाये ॥ पुलकअंगलोचनजलछाये ॥ चलेजहांदशरथजनवासे ॥ म नहुंसरोवरतकेपियासे ॥ ** ॥ दोहा ॥ *****

भूपविलोकेजबहिमुनि आवतसुतनसमेत ॥

उठेउहरषिसुखसिंधुमहं चलेथाहसीलेत ॥

॥ चौपाई ॥

मुनिहिदंडवतकीन्हमहीशा ॥ बारबारपदरजधरिसीसा ॥ कौशिकराउलियेउ रलाई ॥ कहिअशीसपूछीकुशलाई ॥ पुनिदंडवतकरतदोउभाई ॥ देखिन्ह पतिउरसुखनसमाई ॥ सुतहियलाइदुसहदुखमेटे ॥ मृतकशरीरप्राणज नुभेटे ॥ पुनिबसिष्टपदशिरतिननाये ॥ प्रेममुदितमुनिवरउरलाये ॥ विप्रवृ न्दवंदेदुहुभाई ॥ मनभावतिअशीसतिन्हपाई ॥ भरतसहानुजकीन्हप्रणामा ॥ लियेउठाइलाइउरामा ॥ हरषेलषणदेखिदोउभ्राता ॥ मिलेप्रेमपरिपूरणगा ता ॥ **** ॥ दोहा ॥ *****

पुरजनपरिजनजातिजन याचकमंत्रीमीत ॥

मिलेयथाविधिसबहिप्रभु परमकृपाशुविनीत॥

॥चौपाई॥

रामहिंदेखिबरातजुडानी॥ प्रीतिकीरीतिनजाइबखानी॥ नृपसमीपसोहहिं सुतचारी॥ जनुधनधर्मादिकतनुधारी॥ सुतन्हसहितदशरथकहंदेखी॥ मुदितनगरनरनारिबिशेषी॥ सुमनबरषिसुरहनहिंनिसाना॥ नाकनटीनाचहिकरिगाना॥ सतानंदअरुबिप्रसचिवगण॥ मागधसूतबिदुषबंदीजन॥ सहितबरातराउसनमाना॥ आयसुमांगिफिरेअगवाना॥ प्रथमबरातलगनतेआई॥ तातेपुरप्रमोदअधिकाई॥ ब्रह्मानंदलोगसबलहहीं॥ बढउदिवसनिशिविधिसनकहहीं॥ ॥ दोहा ॥

रामसीयशोभाअवधि सुकृतअवधिदोउराज॥
जहंतहंपुरजनकहहिंअस मिलिनरनारिसमाज॥

॥ चौपाई ॥

जनकसुकृतमूरतिबैदेही॥ दशरथसुकृतरामधरिदेही॥ इनसमकाहुनशिवअवराधे॥ काहुनइनसमानफलसाधे॥ इनसमकोउनभयेउजगमाहीं॥ हैनहिकतहूंहोनेउनाहीं॥ हमसबसकलसुकृतकीराशी॥ भयेजगजन्मिजनकपुरबासी॥ जिनजानकीरामछबिदेखी॥ कोसुकृतीहमसरिसबिशेषी॥ पुनिदेखबरघुबीरबिबाहू॥ लेबभलीबिधिलोचनलाहू॥ कहहिंपरसपरकोकिलबयनी॥ यहबिबाहबडलाभसुनयनी॥ बडेभागबिधिबातबनाई॥ नयनअतिथिहोइहैंदोउभाई॥ ॥ दोहा ॥

बारहिंबारसनेहबश जनकबोलाउबसीय॥

बेनृपआइरहहिंबंधुदोउ सोठिसमकमनीय ॥

॥ चौपाई ॥

बिबिधभांतिहोइहिपहुनाई ॥ प्रियनकाहिअससासुरमाई ॥ तबतबरामलखनहिंनिहारी ॥ होइहहिंसबपुरलोगसुखारी ॥ सखिजसरामलखनकरजोटा ॥ तैसेइभूपसंगदुइढोटा ॥ स्यामगौरसबअंगसुहाये ॥ तेसबकहहिंदेखिजेआये ॥ कहाएकमैंआजुनिहारे ॥ जनुबिरंचिनिजहाथसंवारे ॥ भरतरामहिकीअनुहारी ॥ सहसालखिनसकहिंनरनारी ॥ लषणशत्रुसूदनएकरूपा ॥ नखशिखतेसबअंगअनूपा ॥ मनभावहिंमुखबरणिनजाहीं ॥ उपमाकहंत्रिभुवनकोउनाहीं ॥ *** ॥ छंद ॥ *********

उपमानकोउकहदासतुलसीकतहुंकबिकोबिदकहैं ॥ * ॥ बलबिनयबिद्यासीलसोभासिंधुइनसमयेअहैं ॥ * ॥ पुरनारिसकलपसारिअंचलबिधिहिबचनसुनावहीं ॥ * ॥ ब्याहियसुचारिउभाइएहिपुरहमसुमंगलगावहीं ॥ **************

********* ॥ सोरठा ॥ *********

कहहिंपरस्परनारि बारिबिलोचनपुलकतन ॥

सखिसबकरबपुरारि पुण्यपयोनिधिभूपदोउ ॥

॥ चौपाई ॥

यहिबिधिसकलमनोरथकरहीं ॥ आनंदउमगिउमगिउरभरहीं ॥ जेनृपसीयस्वयंबरआये ॥ देखिबंधुसबतिनसुखपाये ॥ कहतरामयशबिशदबिशाला ॥ निजनिजभवनगयेमहिपाला ॥ गयेबीतिकछुदिनयहिभांती ॥ प्रमुदितपु

रजनसकलबराती ॥ मंगलमूललगनदिनआवा ॥ हिमरितुअगहनमाससुहा
वा ॥ ग्रहतिथिनखतयोगबरबारू ॥ लगनसोधिबिधिकीन्हबिचारू ॥ पठैदी
न्हिनारदसनसोई ॥ गनीजनककेगनकनजोई ॥ सुनीसकललोगनयहबाता
॥ कहहिंजोतिषीभयेबिधाता ॥ *~* ॥ दोहा ॥ *~*~*~*

धेनुधूलिबेलाबिमल सकलसुमंगलमूल * ॥
बिप्रनकहेउबिदेहसन जानिसमयअनुकूल ॥

॥ चौपाई ॥

उपरोहितहिकहेउनरनाहा ॥ अबबिलंबकेकारणकाहा ॥ सतानंदतबसचिव
बुलाये ॥ मंगलकलशसाजिसबल्याये ॥ शंखनिसानपनवबहुबाजे ॥ मंगलकल
शशगुनसबसाजे ॥ सुभगसुआसिनिगावहिंगीता ॥ करहिंबेदधुनिबिप्रपुनीता
॥ लेनचलेसादरयहिभांती ॥ गयेजहांजनवासबराती ॥ कोशलपतिकरदेखिस
माजू ॥ अतिलघुलगेतिनहिंसुरराजू ॥ भयेउसमयअबधारियपाऊ ॥ यहसु
निपरानिसाननघाऊ ॥ गुरुहिपूछिकरिकुलबिधिराजा ॥ चलेसंगमुनिसाधुसमा
जा ॥ *~*~*~*~* ॥ दोहा ॥ *~*~*~*~*

भाग्यबिभवअवधेशकर देखिदेवब्रह्मादि * ॥
लगेसराहनसहसमुख जानिजन्मनिजबादि ॥

॥ चौपाई ॥

सुरनसुमंगलअवसरजाना ॥ बरषहिंसुमनबजाइनिसाना ॥ शिवब्रह्मादिक
बिबुधबरूथा ॥ चढेबिमाननानायूथा ॥ प्रेमपुलकतनहृदयउछाहू ॥ चले
बिलोकनरामबिबाहू ॥ देखिजनकपुरसुरअनुरागे ॥ निजनिजलोकसबहिंलघु

लागे॥ चितवहिंचकितबिचित्रबिताना॥ रचनासकलअलौकिकनाना॥ नगरनारिनररूपनिधाना॥ सुघरसुधर्मसुशीलसुजाना॥ तिनहिंदेखिसबसुरसुरनारी॥ भयेनखतजनुविधुउजियारी॥ विधिहिभयउआश्चर्यविशेषी॥ निजकरणीकछुकतहुँनदेषी॥ ** ॥दोहा॥ *****

शिवसमुझाएदेवसब जनिआश्चर्यभुलाऊ॥
हृदयविचारऊधीरधरि सियरघुवीरविआहु॥

॥चौपाई॥

जिनकरनामलेतजगमाहीं॥ सकलअमंगलमूलनशाहीं॥ करतलहोहिंपदारथचारी॥ तेसियरामकहेउकामारी॥ यहिबिधिसंभुसुरनसमुझावा॥ पुनिआगेबरबसहचलावा॥ देवनदेखेदशरथजाता॥ महामोदमनपुलकितगाता॥ साधुसमाजसंगमहिदेवा॥ जनुतनुधरेकरहिंसुखसेवा॥ सोहतसाथसुभगसुतचारी॥ जनुअपबर्गसकलतनुधारी॥ मरकतकनकबरणबरजोरी॥ देखिसुरनभैप्रीतिनथोरी॥ पुनिरामहिंबिलोकिहियहरषे॥ नृपहिसराहिसुमनतिनबरषे॥ ** ॥दोहा॥ *****

रामरूपनखशिखसुभग बारहिंबारनिहारि॥
पुलकगातलोचनसजल उमासमेतपुरारि॥

॥चौपाई॥

केकिकंठदुतिश्यामलअंगा॥ तड़ितबिनिंदकबसनसुरंगा॥ ब्याहबिभूषणबिबिधबनाए॥ मंगलमयसबभांतिसुहाए॥ शरदबिमलबिधुबदनसुहावन॥ नयननवलराजीवलजावन॥ सकलअलौकिकसुंदरताई॥ कहिनजाइमनहि

मनभाई॥ बंधुमनोहरसोहहिंसंगा॥ जातनचावतचपलतुरंगा॥ राजकुँअ
रवरवाजिनचावहिं॥ वंशप्रशंसकविरदसुनावहिं॥ जेहितुरंगपररामबिराजे
॥ गतिबिलोकिखगनायकलाजे॥ कहिनजाइसबभांतिसुहावा॥ बाजिभेषजनु
कामबनावा॥ ॥ छंद ॥

जनुवाजिभेषबनाइमनसिजराममहितअतिसोहहीं॥ * ॥ आपन
वयवलरूपगुणगतिसकलभुवनविमोहहीं॥ * ॥ जगमगतजी
नजड़ावज्योतिसुमोतिमानिकनेहिलगे॥ * ॥ किंकिनिललामलगा
मललितविलोकिसुरनरमुनिठगे॥ * * * * * * * * * * *

॥ दोहा ॥

प्रभुमनसहिंलयलीनमन चलतवाजिछबिपाव॥
भूषणउडुगणतड़ितघन जनुवरवर्हिनचाव*॥

॥ चौपाई ॥

जेहिवरवाजिरामअसवारा॥ तेहिशारदउनवरनैपारा॥ शंकररामरूपअनुरा
गे॥ नयनपंचदशअतिप्रियलागे॥ हरिहितसहितरामजवजोहे॥ रमासमेतर
मापतिमोहे॥ निरखिरामछबिबिधिहरषाने॥ आठैनयनजानिपछिताने॥ सु
रसेनपउरवहुतउछाहू॥ विधितेंडेवढ़लोचनलाहू॥ रामहिंचितवसुरेशसु
जाना॥ गौतमश्रापपरमहितमाना॥ देवसकलसुरपतिहिसिहाहीं॥ आजु
पुरंदरसमकोउनाहीं॥ मुदितदेवगणरामहिंदेखी॥ नृपसमाजदुहुँहरषवि
शेषी॥ ॥ छंद ॥

अतिहर्षराजसमाजदुहुँदिशिदुन्दुभीवाजहिंघनी॥ * ॥ वरब

हिंसुमनसुरहरषिकहिजयजयतिजयरघुकुलमनी ॥ * ॥ व
हिभांतिजानिबरानआवनबाजनेबळबाजहीं ॥ * ॥ रानीसुआसि
निकेलिपरिछनहेतुमंगलसाजहीं ॥ * * * * * * * * *

॥ दोहा ॥

सजिआरतीअनेकबिधि मंगलसकलसंवारि * ॥
चलीमुदितपरिछनकरन गजगामिनिबरनारि ॥

॥ चौपाई ॥

बिधुबदनीमृगशावकलोचनि ॥ सबनिजतनुछबिरतिमदमोचनि ॥ पहिरेबर
नवरनवरचीरा ॥ सकलबिभूषणसजेशरीरा ॥ सकलसुमंगलअंगबनाये ॥ कर
हिंगानकलकंठलजाये ॥ कंकणकिंकिनिनूपुरबाजहिं ॥ चालबिलोकिकामगज
लाजहिं ॥ बाजहिंबाजनबिबिधप्रकारा ॥ नभअरुनगरसुमंगलचारा ॥ शची
शारदारमाभवानी ॥ जेसुरतियसुचिसहजसयानी ॥ कपटनारिबरभेषबना
ई ॥ मिलीसकलरनिवासहिआई ॥ करहिंगानकलमंगलबानी ॥ हरषबिबश
सबकाहुनजानी ॥ * ॥ छंद ॥ *

कोजानकेहिआनंदबशसबब्रह्मवरपरिछनचली ॥ * ॥ कलगा
नमधुरनिसानबरषहिंसुमनसुरशोभभली ॥ * ॥ आनंदकंद
बिलोकिदूलहसकलहियहर्षितभई ॥ * ॥ अंभोजअंबकअंबुउ
मगिसुअंगपुलकावलिछई ॥ * ॥ दोहा ॥ *

जोसुखभासियमातुमन देखिरामबरभेष ॥
सोनसकहिंकहिकलपशत सहसशारदाशेष ॥

॥ चौपाई ॥

नयननीरहठिमंगलजानी ॥ परिछनकरहिंमुदितमनरानी ॥ बेदबिहितश्रस कुलश्राचारू ॥ कीन्हभलीबिधिसबब्यवहारू ॥ पंचशब्दधुनिमंगलगाना ॥ पटपावडेपरहिंबिधिनाना ॥ करिश्रारतीश्ररघतिनदीन्हा ॥ रामगवनमंडपतब कीन्हा ॥ दशरथसहितसमाजबिराजे ॥ बिभवबिलोकिलोकपतिलाजे ॥ समयस मयसुरबरषहिंफूला ॥ शांतिपढहिंमहिसुरश्रनुकूला ॥ नभश्ररुनगरकोलाह लहोई ॥ श्रापनपरकछुसुनैनकोई ॥ यहिबिधिराममंडपहिश्राये ॥ श्ररघदे इश्रासनबैठाये ॥ *\~*\~* ॥ छंद ॥ *\~\~\~\~*

बैठारिश्रासनश्रारतीकरिनिरखिबरसुखपावहीं ॥ * ॥ मणिबसन
भूषणभूरिवारहिंनारिमंगलगावहीं ॥ * ॥ ब्रह्मादिसुरबरबिप्र
भेषबनाइकौतुकदेखहीं ॥ * ॥ श्रवलोकिरघुकुलकमलरबिछबि
सुफलजीवनलेखहीं *\~* ॥ दोहा ॥ *\~*\~*

नाऊबारीभाटनट रामनिछावरपाइ **** ॥
मुदितश्रशीसहिंनाइशिर हर्षनहृदयसमाइ ॥

॥ चौपाई ॥

मिलेजनकदशरथश्रतिप्रीती ॥ करिबैदिकलौकिकसबरीती ॥ मिलतमहादोउ राजबिराजे ॥ उपमाखोजिखोजिकबिलाजे ॥ लहीनकतहुंहारिहियमानी ॥ इन समयेउपमाउरश्रानी ॥ समधीदेखिदेवश्रनुरागे ॥ सुमनबरषियशगावनला गे ॥ जगबिरंचिउपजावाजबते ॥ देखेसुनेब्याहबहुतबते ॥ सकलभांतिसमसा जसमाजू ॥ समसमधीदेखेहमश्राजू ॥ देवगिरासुनिसुंदरसांची ॥ प्रीतिश्रलौकि

कदुकुदिशिमांची ॥ देतपावडेअर्घसुहाये ॥ सादरजनकमंडपहिंल्याये ॥

॥ छंद ॥

मंडपबिलोकिबिचित्ररचनारुचिरतामुनिमनहरे ॥ * ॥ निजपाणि
जनकसुजानसबकहंआनिसिंहासनधरे ॥ * ॥ कुलइष्टसरिस
बसिष्टपूजेबिनयकरिआशिषलही ॥ * ॥ कौशिकहिपूजतपर
मप्रीतिकीरीतितोनपरैकही ॥ ******************

॥ दोहा ॥

बामदेवआदिकऋषय पूजेमुदितमहीश ॥
दियेदिव्यआसनसबहि सबसनलहीअशीश ॥

॥ चौपाई ॥

बहुरिकीन्हकोशलपतिपूजा ॥ जानिईशसमभावनदूजा ॥ कीन्हजोरिकरबि
नयबडाई ॥ कहिनिजभाग्यबिभवबहुताई ॥ पूजेभूपतिसकलबराती ॥ समधी
समसादरसबभांती ॥ आसनउचितदयेसबकाहू ॥ कहौंकहामुखएकउछाहू
॥ सकलबरातजनकसनमानी ॥ दानमानबिनतीबरबाणी ॥ बिधिहरिहरदिश
पतिदिनराऊ ॥ जेजानहिंरघुबिरप्रभाऊ ॥ कपटबिप्रबरभेषबनाये ॥ कौतु
कदेखहिंअतिसचुपाये ॥ पूजेजनकदेवसमजाने ॥ दयेसुआसनबिनुपहिचाने ॥

॥ छंद ॥

पहिचानकोकेहिजानसबहिअपानसुधिभोरीभई ॥ * ॥ आनंद
कंदबिलोकिदूलहउभयदिशिआनंदमई ॥ * ॥ सुरलखेरामसु
जानपूजेमानसिकआसनदये ॥ * ॥ अवलोकिसीलसुभावप्रभु

सोविबुधमनप्रमुदितभये ॥ *—* ॥ दोहा ॥ *—*—*

रामचंद्रमुखचंदछबि लोचनचारुचकोर ॥
करतपानसादरसकल प्रेमप्रमोदनथोर ॥

॥ चौपाई ॥

समयबिलोकिबसिष्ठबुलाये ॥ सादरसतानंदसुनिआये ॥ बेगिकुअँरिअबआन
हुजाई ॥ चलेमुदितमुनिआयसुपाई ॥ रानीसुनिउपरोहितबानी ॥ प्रमुदि
तसखिनसमेतसयानी ॥ बिप्रबधूकुलबृद्धबुलाईं ॥ करिकुलरीतिसुमंगलगा
ईं ॥ नारिभेषजेसुरबरबामा ॥ सकलसुभायसुंदरीस्यामा ॥ तिनहिदेखिसु
खपावहिंनारी ॥ बिनुपहिचानिप्रानतेप्यारी ॥ बारबारसनमानहिंरानी ॥ उ
मारमासारदसमजानी ॥ सीयसँवारिसमाजबनाई ॥ मुदितमंडपहिंचलींलवा
ईं ॥ *—*—*—* ॥ छंद ॥ *—*—*—*—*—*

चलिल्याइसीतहिसखींसादरसजीसुमंगलभामिनी ॥ * ॥ नव
सप्तसाजेसुंदरीसबमत्तकुंजरगामिनी ॥ * ॥ कलगानसुनिमुनि
ध्यानत्यागहिंकामकोकिललाजही ॥ * ॥ मंजीरनूपुरकलितकं
कनतालगतिबरबाजहीं ॥ *—* ॥ दोहा ॥ *—*—*

सोहतिबनिताबृंदमहँ सहजसोहावनिसीय ॥
छबिललनागनमध्यजनु सुखमातियकमनीय ॥

॥ चौपाई ॥

सियसुंदरताबरनिनजाई ॥ लघुमतिबहुतमनोहरताई ॥ आवतदेखिबराति
नसीता ॥ रूपरासिसबभाँतिपुनीता ॥ सबहिंमनहिंमनकीन्हप्रणामा ॥ देखि

रामभयेपूरणकामा॥ हरषेदशरथसुतनसमेता॥ कहिनजाइउरआनंदजेता॥ सुरप्रणामकरिबर्षहिंफूला॥ मुनिअशीशधुनिमंगलमूला॥ गाननिशानकोलाहलभारी॥ प्रेमप्रमोदनगरनरनारी॥ यहिविधिसीयमंडपहिंआई॥ प्रमुदितशांतिपढहिंमुनिराई॥ तेहिअवसरकरिविधिव्यवहारू॥ दुहुकुलगुरुसबकीन्हआचारू॥

॥छंद॥

आचारकरिगुरुगौरिगणपतिमुदितविप्रपुजावहीं॥*॥ सुरप्रगटपूजालेहिंदेहिंअशीशअतिसुखपावहीं॥*॥ मधुपर्कमंगलद्रव्यजोजेहिसमयमुनिमनमेंचहैं॥*॥ भरेकनककोपरकलशसबलियेंपरिचारकरहैं॥*॥ कुलरीतिप्रीतिसमेतरविकहिदेतसबसादरकिये॥*॥ यहिभांतिदेवपुजाइसीतहिंसुभगसिंहासनदये॥*॥ सियरामअवलोकनपरस्परप्रेमकाहुनलखपरै॥*॥ मनबुद्धिबरबाणीअगोचरप्रगटकविकैसेकरै॥*॥

॥दोहा॥

होमसमयतनुधरिअनल अतिसुखआहुतिलेहिं॥
विप्रभेषधरिवेदसब कहिविवाहविधिदेहिं॥

॥चौपाई॥

जनकपाटमहिषीजगजानी॥ सीयमातुकिमिजाइबखानी॥ सुयशसुकृतसुखसुंदरताई॥ सबसमेटिविधिरचीबनाई॥ समयजानिमुनिवरनबुलाई॥ सुनतसुआसिनिसादरल्याईं॥ जनकवामदिशिसोहसुनयना॥ हिमगिरिसंगबनीजनुमयना॥ कनककलशमणिकोपररूरे॥ शुचिसुगंधमंगलजलपूरे॥

निजकरमुदितराउअरुरानी ॥ धरेरामकेआगेंआनी॥ पढहिंबेदमुनिमंगलबा
णी ॥ गगनसुमनझरिअवसरजानी ॥ बरबिलोकिदंपतिअनुरागे ॥ पायपुनीत
पखारणलागे ॥ *—*—* ॥ छंद ॥ *—*—*—*—*

लागेपखारणपायपंकजप्रेमतनपुलकावली ॥ * ॥ नभनगरगान
निसानजयधुनिउमगिजनुचहुंदिशिचली ॥ * ॥ जेपदसरोजम
नोजअरिउरसरसदैवबिराजहीं ॥ * ॥ जेसुकृतसूरतिबिमलता
मनसकलकलिमलभाजहीं ॥ * ॥ जेपरसिमुनिबनितालहीगति
रहीजोपातकमई ॥ * ॥ मकरंदजिनकोशंभुशिरसुचिताअव
धिसुरबरनई ॥ * ॥ करिमधुपमुनिमनयोगिजनजेसेइअभिम
तगतिलहै ॥ * ॥ तेपदपखारतभाग्यभाजनजनकजयजयसब
कहै ॥ * ॥ बरकुंअरिकरतलजोरिशाखोचारदोउकुलगुरुकरैं
॥ * ॥ भयेपाणिग्रहणबिलोकिबिधिसुरमनुजमुनिआनंदभरैं ॥
* ॥ सुखमूलदूलहदेखिदंपतिपुलकतनमुहुलसैंहिये ॥ * ॥
करिलोकबेदविधानकन्यादानन्हपभूषणदिये ॥ * ॥ हिमवंतजि
मिगिरिजामहेशहिंहरिहिंश्रीसागरदई ॥ * ॥ तिमिजनकराम
हिंसियसमर्पीविश्वकलकीरतिनई ॥ * ॥ एकठौरकरिजोरीशुभ
गपुनिगोरिमूरतिसांवरी ॥ * ॥ करिहोमबिधिवतगांठिजोरीहो
नलागीभांवरी ॥ *—*—* ॥ दोहा ॥ *—*—*—*

जयधुनिबंदीबेदधुनि मंगलगाननिसान ****॥
सुनिहरषहिंबरषहिंबिबुध सुरतरुसुमनसुजान ॥

॥ चौपाई ॥

कुंअरिकुंअरकलभांवरिदेहीं ॥ नयनलाभसबसादरलेहीं ॥ जाइनबरणिमनोहरजोरी ॥ जोउपमाकछुकहियसोथोरी ॥ रामसीयसुंदरपरिछाहीं ॥ जगमगाहिंमणिखंभनमाहीं ॥ मनहुंमदनरतिधरिबहुरूपा ॥ देखहिंरामबिवाहअनूपा ॥ दरशलालसासकुचनथोरी ॥ प्रगटतदुरतबहोरिबहोरी ॥ भयेमगनसबदेखनहारे ॥ जनकसमानअपानबिसारे ॥ प्रमुदितमुनिनभांवरीफेरी ॥ नेगसहितसबरीतिनिबेरी ॥ रामसीयशिरसिंदुरदेहीं ॥ शोभाकहिनजातविधिकेही ॥ अरुणपरागजलजभरिनीके ॥ शशिहिभूषअहिलोभअमीके ॥ बहुरिवसिष्ठदीन्हअनुशासन ॥ बरदुलहिनिबैठेएकआसन ॥ ***********

॥ छंद ॥

बैठेवरासनरामजानकिमुदितमनदशरथभये ॥ * ॥ तनुपुलकपुनिपुनिदेखिअपनेसुकृतसुरतरुफलनये ॥ * ॥ भरिभुवनरहाउछाहरामबिवाहभासबहींकहा ॥ * ॥ केहिभांतिबरणिसिरातरसनाएकयहमंगलमहा ॥ * ॥ तबजनकपाइवसिष्ठआयसुब्याहसाजसंवारिकै ॥ * ॥ मांडवीश्रुतिकीर्तिउर्मिलाकुंअरिलईहंकारिकै ॥ * ॥ कुशकेतुकन्याप्रथमजोगुणशीलसुखशोभामई ॥ * ॥ सबरीतिप्रीतिसमेतकरिसोब्याहिनृपभरतहिदई ॥ * ॥ जानकीलघुभगिनीसकलसुंदरिशिरोमणिजानिकै ॥ सोजनकदीन्हीब्याहिलखनहिसकलविधिसनमानिकै ॥ * ॥ जेहिनामश्रुतिकीर्तिसुलोचनिसुमुखिसबगुणआगरी ॥ * ॥ सोदईरिपुसूदनहिभूपतिरूपशीलउजागरी

सबजागरी ॥ * ॥ अनुरूपबरदुलहिनिपरस्परलखिसकुचि
हियहरषहीं ॥ * ॥ सबमुदितसुंदरतासराहहिंसुमनसुरगं
गनबरषहीं ॥ * ॥ सुंदरीसुंदरबरणसहसबएकमंडपराजहीं ॥
* ॥ जनुजीवउरचारिउअवस्थाबिभुनसहितबिराजहीं ॥ * ॥

॥ दोहा ॥

मुदितअवधपतिसकलसुत बधुनसमेतनिहारि ॥
जनुपाएमहिपालमणि कृयनसहितफलचारि ॥

॥ चौपाई ॥

जसरघुबीरब्याहबिधिबरणी ॥ सकलकुंअरब्याहेतेहिकरणी ॥ कहिनजाइ
कछुदाइजभूरी ॥ रहाकनकमणिमंडपपूरी ॥ कंबलबसनबिचित्रपटोरे ॥ भां
तिभांतिबहुमोलनथोरे ॥ गजरथतुरगदासअरुदासी ॥ धेनुअलंकृतकामदुहा
सी ॥ बस्तुअनेककरियकिमिलेखा ॥ कहिनजाइजानहिंजिनदेखा ॥ लोकपा
लअवलोकिसिहाने ॥ लीन्हअवधपतिसबसुखमाने ॥ दीन्हयाचकन्हजोजेहि
भावा ॥ उबरासोजनवासहिंआवा ॥ तबकरजोरिजनकमृदुबाणी ॥ बोलेसबबरा
तसनमानी ॥

॥ छंद ॥

सनमानिसकलबरातआदरदानबिनयबड़ाइकै ॥ * ॥ प्रमुदितम
हामुनिबृन्दबंदेपूजिप्रेमलड़ाइकै ॥ * ॥ शिरनाइदेवमनाइसब
सनकहतकरसंपुटकिएँ ॥ * ॥ सुरसाधुचाहतभावसिंधुकितोष
जलअंजलिदिएँ ॥ * ॥ करजोरिजनकबहोरिबंधुसमेतकोशल
रायसों ॥ * ॥ बोलेमनोहरबयनसानिसनेहशीलसुभायसों ॥

* ॥ संबंधराजनसबरेहमबडेअबसबबिधिभये ॥ * ॥ यहराज
साजसमेतसेवकजानिये बिनुगथलये ॥ * ॥ येदारिकापरिचारि
काकरिपालबीकरुणामयी ॥ * ॥ अपराधक्षमिबोबोलिपठएबहु
नहौंछीठीदयी ॥ * ॥ पुनिभानुकुलभूषणसकलसनमानबिधिस
मधीकिये ॥ * ॥ कहिजातनहिंबिनतीपरस्परप्रेमपरिपूरणहि
ये ॥ * ॥ वृन्दारिकागणसुमनबरषहिंराउजनवांसहिचले ॥ * ॥
दुन्दुभीधुनिवेदधुनिनभनगरकौतूहलभले ॥ * ॥ तबसखिनमं
गलगानकरतिमुनीशआयसुपाइकै ॥ * ॥ दुलहदुलहिनिस
हितसुन्दरिचलीकोहबरल्याइकै ॥ * * * * * * * * * *

॥ दोहा ॥

पुनिपुनिरामहिंचितवसिय सकुचतिमनसकुचयन ॥
हरतिमनोहरमीनछबि प्रेमपियासेनयन * * * ॥

॥ चौपाई ॥

श्यामशरीरसुभायसुहावन ॥ शोभाकोटिमनोजलजावन ॥ यावकयुतपद
कमलसुहाये ॥ मुनिमनमधुपरहतजिहछाये ॥ पीतपुनीतमनोहरधोती ॥
हरतबालरविदामिनिजोती ॥ कलकिंकिनिकटिसूत्रमनोहर ॥ बाहुबिशा
लविभूषणसोहर ॥ पीतजनेउमहाछबिदेई ॥ करमुद्रिकाचोरिचितलेई ॥
सोहतब्याहसाजसबसाजे ॥ उरआयतउरभूषणराजे ॥ पीतउपरनाकांखा
सोती ॥ दुहुआंचरन्हलगेमणिमोती ॥ नयनकमलकलकुंडलकाना ॥ बद
नसकलसौंदर्यनिधाना ॥ सुंदरभृकुटिमनोहरनासा ॥ भालतिलकरुचिर

चिर निवासा ॥ सोहतमौर मनोहर माथे ॥ मंगलमयमुकुतामणिगांथे ॥ * ॥

॥ छंद ॥

गांथेमहामणिमौरमंजुलअंगसबचितचोरहीं ॥ * ॥ पुरनारि
सुंदरबरबिलोकहिंनिरखिबिनतृनतोरहीं ॥ * ॥ मणिबसनभूषण
बारिआरतिकरहिंमंगलगावहीं ॥ ● ॥ सुरसुमनबरषहिंसूतमा
गधबंदिसुयशसुनावहीं ॥ ● ॥ कोहबरहिंआनेकुंअरकुंअरिसु
आसिनिन्हसुखपाइकैं ॥ ● ॥ अतिप्रीतिलौकिकरीतिलागीकरण
मंगलगाइकैं ॥ ● ॥ लहकौरिगौरिसिखावरामहिंसीयसनसारद
कहैं ॥ * ॥ रनिवासहासबिलाससरसबशजनमकोफलसबल
हैं ॥ * ॥ निजपाणिमणिमहँदेखिप्रतिमूरतिसुरूपनिधानकी ॥
* ॥ चालतिनभुजबल्लीबिलोकनिबिरहबशभइजानकी ॥ * ॥
कौतुकबिनोदप्रमोदप्रेमनकाइकहिजानहिंअली ॥ * ॥ बरकुंअ
रिसुंदरसकलसखिनल्लवाइजनवासहिचली ॥ * ॥ तेहिसमयसु
नियअसीसजहँतहँनगरनभआनंदमहा ॥ * ॥ चिरजियहुजो
रीचारुचारिउमुदितमनसबहीकहा ॥ * ॥ योगींद्रसिद्धमुनीश
देवबिलोकिप्रभुदुन्दुभिहनी ॥ * ॥ चलेहरषिबरषिप्रसूननिज
निजलोकजयजयजयभनी ॥ * ॥ दोहा ॥ * ॥

सहितबधूटिनकुंअरसब तबआयेपितुपास ॥
शोभामंगलमोदभरि उमगेउजनुजनवास ॥

॥ चौपाई ॥

जिमिनूतनअनंदपुरमाहीं ॥ किमिबिहरिसुदिनयामिनिजाहीं ॥ बड़ेभोरभूपतिमणिजागे ॥ याचकगुणगणगावनलागे ॥ देखिकुअरवरबधुनसमेता ॥ किमिकहिजातमोदमनजेता ॥ प्रातक्रियाकरिगेगुरुपाहीं ॥ महाप्रमोदप्रेममनमाहीं ॥ करिप्रणामपूजाकरजोरी ॥ बोलेगिराअमियजनुबोरी ॥ तुम्हरीकृपासुनिअमुनिराजा ॥ भयउँआजुमैंपूरणकाजा ॥ अबसबविप्रबुलाइगोसाईं ॥ देहुधेनुसबभांतिबनाईं ॥ सुनिगुरुकरिमहिपालबड़ाई ॥ पुनिपठयेमुनिवृन्दबुलाई ॥ *—*—*—* ॥ दोहा ॥ *—*—*—*—*

बामदेवअरुदेवऋषि बालमीकजाबालि ॥
आयेमुनिवरनिकरतब कौशिकादितपसालि ॥

॥ चौपाई ॥

दंडप्रणामसबहिंनृपकीन्हा ॥ पूजिसप्रेमबरासनदीन्हा ॥ चारिलक्षबरधेनुमंगाईं ॥ कामसुरभिसमशीलसुहाईं ॥ सबविधिसकलअलंकृतकीन्हीं ॥ मुदितमहीपऋषिनकहंदीन्हीं ॥ करतविनयबहुविधिनरनाहू ॥ लहेउँआजुजगजीवनलाहू ॥ पाइअशीशमहीशअनंदा ॥ लियेबोलिपुनियाचकवृन्दा ॥ कनकबसनमणिहयगयस्यंदन ॥ दयेबूझिरुचिरविकुलनंदन ॥ चलेपढ़तगावतगुणगाथा ॥ जयजयजयदिनकरकुलनाथा ॥ यहिविधिरामविवाहउछाहू ॥ सकैनबरणिसहसमुखजाहू ॥ ** ॥ दोहा ॥ *—*—*—*

बारबारकौशिकचरण सीसनाइकहराउ ॥
यहसबसुखमुनिराजतव कृपाकटाक्षप्रभाउ ॥

॥ चौपाई ॥

पुनिजेंवनारभयउबहुभांती ॥ पठयेजनकबुलाइबराती ॥ परमपांवडेदेसन अनूपा ॥ सुतनसमेतगवनकियभूपा ॥ सादरसबकेपायपखारे ॥ यथायोगपीढनबैठारे ॥ धोएजनकअवधपतिचरणा ॥ शीलसनेहजाहिंनहिवरणा ॥ बहुरि रामपदपंकजधोए ॥ जेहरहृदयकमलमहंगोए ॥ तीनैभाइरामसमजानी ॥ धोएचरणजनकनिजपानी ॥ आसनउचितसबहिन्हदीन्हे ॥ बोलिसूपकारीसबलीन्हे ॥ सादरलगेपरनपनवारे ॥ कनककीलमणिपरणसंवारे ॥ **

━━*━━*━* ॥ दोहा ॥ *━*━*━*━**

सूपोदनसुरभीसरपि सुंदरस्वादुपुनीत ॥
क्षणमहंसबकेपरुसिगे चतुरसुआरविनीत ॥

॥ चौपाई ॥

पंचकौरकरिजेंवनलागे ॥ गारिगानसुनिअतिअनुरागे ॥ भांतिअनेकपरेपकवाना ॥ सुधासरिसनहिंजाहिंबखाना ॥ परुसनलागेसुघरसुआरा ॥ व्यंजनविविधकोबरनैपारा ॥ चारिभांतिभोजनविधिगाई ॥ एकएककिविधिबरणिनजाई ॥ छरसरुचिरव्यंजनबहुजाती ॥ एकएकरसअगणितभांती ॥ जेंवतदेहिंमधुरधुनिगारी ॥ लैलैनामपुरुषअरुनारी ॥ समयसुहावनगारिबिराजा ॥ हसतराउसुनिसहितसमाजा ॥ यहिविधिसबहीभोजनकीन्हा ॥ आदरसहितआचमनलीन्हा ॥ *━**━* ॥ दोहा ॥ *━*━*━*━*

देइपानपूजेजनक दशरथसहितसमाज ॥
जनवासेगवनेमुदित सकलभूपशिरताज ॥

॥ चौपाई ॥

जनकसनेहशीलकरतूती ॥ नृपसबभांतिसराहविभूती ॥ दिनउठिविदाअवध
पतिमांगा ॥ राखहिंसहितजनकअनुरागा ॥ नितिनूतनआदरअधिकाई ॥ दिन
प्रतिसहसभांतिपहुनाई ॥ नितिनवनगरअनंदउछाहू ॥ दशरथगवनसोहा
इनकाहू ॥ बहुतदिवसवीतेयहिभांती ॥ जनुसनेहरजुबंधेबराती ॥ कौशिकश
तानंदतबजाई ॥ कहीविदेहनृपहिंसमुझाई ॥ अबदशरथकहंआयसुदेहू ॥
यद्यपिछांडिनसकहुसनेहू ॥ भलेहिंनाथकहिसचिवबुलाये ॥ कहिजयजीव
सीसतिननाये ॥ ॥ दोहा ॥

अवधनाथचाहतचलन भीतरकरहुजनाव ॥
भयेप्रेमवशसचिवसुनि विप्रसभासदराव ॥

॥ चौपाई ॥

पुरवासिनसुनिचलीबराती ॥ पूछतविकलपरस्परबाता ॥ सत्यगवनसुनिसबवि
लखाने ॥ मनहुंसांझसरसिजसकुचाने ॥ जहंजहंआवतबसेबराती ॥ तहंतहं
सीधचलाबहुभांती ॥ विविधभांतिमेवापकवाना ॥ भोजनसाजनजाइबखाना
॥ भरिभरिबसहअपारकहारा ॥ पठईजनकअनेकसुआरा ॥ तुरगलाखरथ
सहसपचीसा ॥ सकलसंवारेनखअरुसीसा ॥ मत्तसहसदशसिंधुरसाजे ॥ जि
नहिंदेखिदिशकुंजरलाजे ॥ कनकबसनमणिभरिभरिजाना ॥ महिषीधेनुब
स्तुबिधिनाना ॥ ॥ दोहा ॥

दाइजअमितनशकियकहि दीन्हविदेहबहोरि ॥
जोअवलोकतलोकपति लोकसंपदाथोरि ॥

॥ चौपाई ॥

सवसमाजयहिभांतिबनाई ॥ जनकअवधपुरदीन्हपठाई ॥ चलिहिंबरातसुन
तसबरानी ॥ बिकलमीनगनजनुलघुपानी ॥ पुनिपुनिसीयगोदकरिलेहीं ॥
देइअसीसशिखावनदेहीं ॥ होइहुसंततपियहिपियारी ॥ चिरअहिवातअसी
सहमारी ॥ सासुससुरगुरुसेवाकरेहू ॥ पतिरुखलखिआयसुअनुसरेहू ॥ अ
तिसनेहवशसखीसयानी ॥ नारिधर्मसिखवहिंमृदुबानी ॥ सादरसकलकुंअरि
समुझाई ॥ रानिनबारबारउरलाई ॥ बहुरिबहुरिभेंटहिंमहतारी ॥ कह
हिंबिरंचिरचीकतनारी ॥ *━━* ॥ दोहा ॥ *━━*━━*━━*━━*

तेहिअवसरभाइनसहित रामभानुकुलकेतु ॥
चलेजनकमंदिरमुदित बिदाकरावनहेतु ॥

॥ चौपाई ॥

चारिउभाइसुभायसुभाये ॥ नगरनारिनरदेखनधाये ॥ कोउकहचलनचहत
हहिंआजू ॥ कीन्हबिदेहबिदाकरसाजू ॥ लेहुनयनभरिरूपनिहारी ॥ प्रिय
पाहुनेभूपसुतचारी ॥ कोजानैकेहिसुकृतसयानी ॥ नयनअतिथिकीन्हेबिधिआ
नी ॥ मरणशीलजिमिपावपियूषा ॥ सुरतरुलहैजनमकरभूखा ॥ पावनरकंह
हरिपदजैसें ॥ इनकरदरशनहमकहंतैसें ॥ निरखिरामशोभाउरधरहू ॥ नि
जमनफणिमूरतिमणिकरहू ॥ यहिबिधिसबहिनयनफलदेता ॥ गएकुअरस
बराजनिकेता ॥ *━━* ॥ दोहा ॥ *━━*━━*━━*━━*

रूपसिंधुसबबंधुलखि हरषिउठीरनिवासु ॥
करहिंनिछावरिआरती महामुदितमनसासु ॥

॥ चौपाई ॥

देखिरामछबिअतिअनुरागी॥ प्रेमबिबसपुनिपुनिपदलागी॥ रहीनलाजप्रीतिउ
रछाई॥ सहजसनेहबरनिकिमिजाई॥ भाइनसहितउबटिअन्हवाये॥ छर
सअसनअतिहेतुजेवाये॥ बोलेरामसुअवसरजानी॥ शीलसनेहसकुचमयवा
नी॥ राउअवधपुरचहतसिधाये॥ बिदाहोनहितहमहिंपठाये॥ मातुमुदितमन
आयसुदेहू॥ बालकजानिकरबनितनेहू॥ सुनतबचनबिलखेउरनिवासू॥ बो
लिनसकहिंप्रेमबससासू॥ हृदयलगाइकुअँरिसबलीन्हीं॥ पतिनसौंपिबिन
तीअतिकिन्हीं॥ ॥ छंद॥

करिबिनयसियरामहिंसमर्पीजोरिकरपुनिपुनिकहै॥ * ॥ बलिजा
उँतातसुजानतुमकहँबिदितगतिसबकीअहै॥ * ॥ परिवारपु
रजनमोहिराजहिप्राणप्रियसियजानिबी॥ * ॥ तुलसीसुशील
सनेहलखिनिजकिंकरीकरिमानिबी॥ * ॥

॥ सोरठा॥

तुमपरिपूरनकाम जानशिरोमणिभावप्रिय॥
जनगुणगाहकराम दोषदलनकरुणायतन॥

॥ चौपाई॥

असकहिरहीचरणगहिरानी॥ प्रेमपंकजनुगिरासमानी॥ सुनिसनेहसानीब
रबाणी॥ बहुबिधिरामसासुसनमानी॥ रामबिदामांगतकरजोरी॥ कीन्हप्रणा
मबहोरिबहोरी॥ पाइअशीसबहुरिशिरनाई॥ भाइनसहितचलेरघुराई॥
मंजुमधुरमूरतिउरआनी॥ भईसनेहशिथिलसबरानी॥ पुनिधीरजधरिकुअँ
रिहँकारी॥ बारबारभेटहिंमहतारी॥ पहुँचावहिंफिरिमिलहिंबहोरी॥ ब

सीयपरसबप्रीतिनथोरी ॥ पुनिपुनिमिलतिसखिनबिलगाई ॥ बालबच्छजनुधेनुलवाई ॥ ॥ दोहा ॥

प्रेमबिबसनरनारिसब सखिनसहितरनिवास ॥
मानहुंकीन्हबिदेहपुर करुणाबिरहनिवास ॥

॥ चौपाई ॥

शुकशारिकाजानकीजिआये ॥ कनकपिंजरनराखिपढाये ॥ व्याकुलकहहिंकहांबैदेही ॥ सुनिधीरजपरिहरैनकेही ॥ भयेबिकलखगमृगयहिभांती ॥ मनुजदशाकैसेंकहिजाती ॥ बंधुसमेतजनकतबआये ॥ प्रेमउमगिलोचनजलछाये ॥ सीयबिलोकिधीरताभागी ॥ रहेकहावतपरमबिरागी ॥ लीन्हराउरलाइजानकी ॥ मिटीमहामर्य्यादज्ञानकी ॥ समुझावतसबसचिवसयाने ॥ कीन्हविचारअनवसरजाने ॥ बारहिंबारसुताउरलाई ॥ सजिसुंदरपालकीमंगाई ॥

॥ दोहा ॥

प्रेमबिबशपरिवारसब जानिसुलगननरेश ॥
कुंअरिचढाईपालकी सुमिरेसिद्धगणेश ॥

॥ चौपाई ॥

बहुबिधिभूपसुतासमुझाई ॥ नारिधर्मकुलरीतिसिखाई ॥ दासीदासदियेबहुतेरे ॥ शुचिसेवकजेप्रियसियकेरे ॥ सीयचलतव्याकुलपुरबासी ॥ होहिंशगुनशुभमंगलरासी ॥ भूसुरसचिवसमेतसमाजा ॥ संगचलेपहुंचावनराजा ॥ रथगजबाजिबरातिनसाजे ॥ सुनिगहगहेशंखनेबाजे ॥ दशरथबिप्रबोलिसबलीन्हे ॥ दानमानपरिपूरणकीन्हे ॥ चरणसरोजधूरिधरिसीसा ॥ मुदितमहीपति

धाइ असीसा ॥ सुमिरि गजाननकीन्हपयाना ॥ मंगलमूलशगुनभयेनाना ॥

॥ दोहा ॥

सुरप्रसूनबरषहिंहरषि करहिंअपसरागान ॥
चलेअवधपतिअवधपुर मुदितबजाइनिशान ॥

॥ चौपाई ॥

न्हपकरिविनयमहाजनफेरे ॥ सादरसकलमंगनेटेरे ॥ भूषणबसनबाजिगजदीन्हे ॥ प्रेमपोषिठाढेसबकीन्हे ॥ बारबारबिरदावलिभाषी ॥ फिरेसकलरामहिंउरराखी ॥ बहुरिबहुरिकोशलपतिकहहीं ॥ जनकप्रेमबशफिरनचहहीं ॥ पुनिकहभूपतिबचनसोहाये ॥ फिरियमहीपदूरिबडिआये ॥ राउबहोरिउतरिभयेठाढे ॥ प्रेमप्रवाहविलोचनबाढे ॥ तबविदेहबोलेकरजोरी ॥ बचनसनेहसुधाजनुबोरी ॥ करौंकवनविधिविनयसोहाई ॥ महाराजमोहिंदीन्हबडाई ॥

॥ दोहा ॥

कोशलपतिसमधीसजन सनमानेसबभांति ॥
मिलनपरस्परविनयअति प्रीतिनहृदयसमाति ॥

॥ चौपाई ॥

मुनिमंडलीजनकशिरनावा ॥ आशिरबादसबहिंसनपावा ॥ सादरपुनिभेटेजामाता ॥ रूपशीलगुणनिधिसबभ्राता ॥ जोरिपंकरुहपाणिसोहाये ॥ बोलेबचनप्रेमजनुजाये ॥ रामकरौंकेहिभांतिप्रशंसा ॥ मुनिमहेशमनमानसहंसा ॥ करहिंयोगयोगीजेहिलागी ॥ कोहमोहममतामदत्यागी ॥ व्यापकब्रह्मअलखअविनाशी ॥ चिदानंदनिर्गुणगुणराशी ॥ मनसमेतजेहिजाननवाणी ॥ तरकिनशकहि

हिं सकल अनुरागी॥ सहित मिलि सनमानि करि कहहीं॥ जोरि कुअर ए कर सर सहीं॥ ***॥ दोहा॥ ***

नयनबिषय मो कहँ भयउ सो समस्त सुखमूल॥
सबहिं लाभ जग जीव कहँ भयेहु ईस अनुकूल॥

॥ चौपाई॥

सबहिं भाँति मोहि दीन्ह बड़ाई॥ निज जन जानि लीन्ह अपनाई॥ होइ सहस दस सारद सेषा॥ करहिं कलप कोटिक भरि लेखा॥ मोर भाग्य राउर गुणगाथा॥ कहि न सिराहिं सुनहु रघुनाथा॥ मैं कछु कहौं एक बल मोरें॥ तुम रीझहु सनेह सुठि थोरें॥ बार बार माँगौं कर जोरें॥ मन परिहरै चरन जनि भोरें॥ सुनि बर बचन प्रेम जनु पोषे॥ पूरणकाम राम परितोषे॥ करि बर बिनय ससुर सनमाने॥ पितु कौशिक बशिष्ठ सम जाने॥ बिनती बहुरि भरत सन कीन्हा॥ मिलि सप्रेम पुनि आसिष दीन्हा॥ ***॥ दोहा॥ ***

मिले लखन रिपुसूदनहिं दीन्ह असीस महीस॥
भये परस्पर प्रेमबश फिरि फिरि नावहिं सीस॥

॥ चौपाई॥

बार बार करि बिनय बड़ाई॥ रघुपति चले संग सब भाई॥ जनक गहे कौशिक पद जाई॥ चरण रेणु शिर नयनन लाई॥ सुनु मुनीश बर दरशन तोरे॥ अगम न कछु प्रतीति मन मोरे॥ जो सुख सुयश लोकपति चहहीं॥ करत मनोरथ सकुचत अहहीं॥ सो सुख सुयश सुलभ मोहि स्वामी॥ सब सिधि तव दरशन अनुगामी॥ कीन्ह बिनय पुनि पुनि शिर नाई॥ फिरे महीप आशिष पाई॥ चली बरा

ननिसानबजाई ॥ मुदितछोटबडसबसमुदाई ॥ समहिंनिरखिग्रामनरनारी ॥ पाइनयनफलहोहिंसुखारी ॥ ॥ दोहा ॥

बीचबीचबरबासकरि मगलोगनसुखदेत ॥
अवधसमीपपुनीतदिन पहुंचेआइनिकेत ॥

॥ चौपाई ॥

हनेनिसानपणवबहुबाजे ॥ भेरिशंखधुनिहयगयगाजे ॥ झांझमृदंगडिमडिमी सुहाई ॥ सरसरागबाजैसहनाई ॥ पुरजनआवतअकनिबराता ॥ मुदितसकलपुलकावलिगाता ॥ निजनिजसुंदरसदनसँवारे ॥ हाटबाटचौहटपुरद्वारे ॥ गलीसकलअरगजासिंचाई ॥ जहँतहँचौकेचारुपुराई ॥ बनाबजारनजाइबखाना ॥ तोरणकेतुपताकबिताना ॥ सुफलपूंगफलकदलिरसाला ॥ रोपेबकुलकदंबतमाला ॥ लगेसुभगतरुपरसतधरणी ॥ मणिमयआलबालकरकरणी ॥

॥ दोहा ॥

बिबिधभांतिमंगलकलस गृहगृहरचेसँवारि ॥
सुरब्रह्मादिसिहाहिंसब रघुबरपुरीनिहारि ॥

॥ चौपाई ॥

भूपभवनतेहिअवसरसोहा ॥ रचनादेखिमदनमनमोहा ॥ मंगलसगुनमनोहरताई ॥ ऋधिसिधिसुखसंपदासुहाई ॥ जनुउछाहसबसहजसुहाये ॥ तनुधरिधरिदशरथगृहआये ॥ देखनहेतुरामबैदेही ॥ कहहुलालसाहोइनकेही ॥ यूथयूथमिलिचलीसुआसिनि ॥ निजछबिनिदरहिंमदनबिलासिनि ॥ सकलसुमंगलसजीआरती ॥ गावहिंजनुबहुभेषभारती ॥ भूपतिभवनकोलाहलहो

ई ॥ जाइनबरणिसमयसुखसोई ॥ कैसल्यादिराममहतारी ॥ प्रेमबिबशतनुदशाबिसारी ॥ ***॥ दोहा ॥ ******

दियेदानबिप्रनबिपुल पूजिगणेशपुरारि * ॥
प्रमुदितपरमदरिद्रजनु पाइपदारथचारि ॥

॥ चौपाई ॥

प्रेमप्रमोदबिबशसबमाता ॥ चलहिंनचरणशिथिलसबगाता ॥ रामदरशहितअतिअनुरागी ॥ परिछनसाजसजनसबलागी ॥ बिबिधबिधानबाजनेबाजे ॥ मंगलमुदितसुमित्रासाजे ॥ हरददूबदधिपल्लवफूला ॥ पानपुङ्गफलमंगलमूला ॥ अक्षतअंकुररोचनसाजा ॥ मंजुलमंजरितुलशिबिराजा ॥ छुहेपुरटघटसहजसुहाये ॥ मदनसकुचजनुनीडबनाये ॥ सगुनसुगंधनजाहिंबखानी ॥ मंगलसकलसजहिंसबरानी ॥ रचीआरतीबिबिधबिधाना ॥ मुदितकरहिंकलमंगलगाना ॥ ***॥ दोहा ॥ ******

कनकथारभरिमंगलन्ह कमलकरन्हलियेमातु ॥
चलीमुदितपरिछनकरण पुलकपल्लवितगातु * ॥

॥ चौपाई ॥

धूपधूमनभमेचकभयऊ ॥ शावनघनघर्मडजनुठयऊ ॥ सुरतरुसुमनमालसुरबरषहिं ॥ मनहुंबलाकअवलिमनकरषहिं ॥ मंजुलमणिमयवंदनवारा ॥ मनहुंपाकरिपुचापसंवारा ॥ प्रगटहिंदुरहिंअटन्हपरभामिनि ॥ चारुचपलजनुदमकहिंदामिनि ॥ दुन्दुभिधुनिघनगरजहिंघोरा ॥ याचकचातकदादुरमोरा ॥ शुचिसुगंधबझबरषहिंबारी ॥ सुखीसकलशशिपुरनरनारी ॥ समयजानिगु

रुआयसुदीन्हा ॥ पुरप्रवेशरघुकुलमणिकीन्हा ॥ सुमिरिशंभुगिरिजागणरा
जा ॥ मुदितमहीपतिसहितसमाजा ॥ ** ॥ दोहा ॥ *~*~*~*

होहिंशगुनबरषहिंसुमन सुरदुन्दुभीबजाइ ॥
विबुधवधूनाचहिंमुदित मंजुलमंगलगाइ *** ॥

॥ चौपाई ॥

मागधसूतवंदिनटनागर ॥ गावहिंयशतिहुँलोकउजागर ॥ जयधुनिविम
लवेदवरबाणी ॥ दशदिशसुनियसुमंगलसानी ॥ विपुलबाजनेबाजनलागे
नभसुरनगरलोगअनुरागे ॥ बनेबरातीबरणिनजाहीं ॥ महामुदितमनसुखनस
माहीं ॥ पुरवासिननवराउजोहारे ॥ देखतरामहिंभयेसुखारे ॥ करहिंनिछा
वरिमणिगणचीरा ॥ बारिविलोचनपुलकशरीरा ॥ आरतिकरहिंमुदितपुरनारी
॥ हरषहिंनिरखिकुँअरवरचारी ॥ शिबिकासुभगओहारउघारी ॥ देखिदु
लहिनिन्हहोहिंसुखारी ॥ *~* ॥ दोहा ॥ *~*~*~*

यहिविधिसबहीदेतसुख आयेराजदुआर ॥
मुदितमातुपरिछनकरहिं वधुनसमेतकुमार ॥

॥ चौपाई ॥

करहिंआरतीबारहिंबारा ॥ प्रेमप्रमोदकहैकोपारा ॥ भूषणमणिपटनानाजा
ती ॥ करहिंनिछावरिअगणितभाँती ॥ वधुनसमेतदेखिसुतचारी ॥ परमानंद
मगनमहतारी ॥ पुनिपुनिसीयरामछबिदेखी ॥ मुदितसुफलजगजीवनलेखी ॥
सखीसीयमुखपुनिपुनिचाही ॥ गानकरहिंनिजसुकृतसराही ॥ बरषहिंसुम
नक्षणहिंक्षणदेवा ॥ नाचहिंगावहिंलावहिंसेवा ॥ देखिमनोहरचारिउजोरी

॥ शारदउपमासकलढंढोरी ॥ देखनबनहिंनिपटलघुलागी ॥ एकटकरहीरूपअनुरागी ॥

॥ दोहा ॥

निगमनीतिकुलरीतिकरि अरघपावडेदेत ** ॥
बधुनसहितसुतपरिछिसब चलीलवाइनिकेत ॥

॥ चौपाई ॥

चारिसिंहासनसहजसुहाये ॥ जनुमनोजनिजहाथबनाये ॥ तिनपरकुंअरि कुंवरबैठारे ॥ सादरपायपुनीतपखारे ॥ धूपदीपनैवेद्यबेदविधि ॥ पूजेवर दुलहिनिमंगलनिधि ॥ वारहिंवारआरतीकरहीं ॥ ब्यजनचारुचामरशिरढर हीं ॥ बस्तुअनेकनिछावरिहोहीं ॥ भरीप्रमोदमातुसबसोहीं ॥ पावापरमतत्व जनुयोगी ॥ अमृतलहीजनुसन्ततरोगी ॥ जनमरंकजनुपारसपावा ॥ अंधहिं लोचनलाभसुहावा ॥ मूकबदनजनुशारदछाई ॥ मानहुसमरशूरजयपाई ॥

॥ दोहा ॥

यहिसुखतेसतकोटिगुण पावहिंमातुअनंद * ॥
भाइनसहितबिवाहिघर आयेरघुकुलचंद * ॥
लोकरीतिजननीकरहिं बरदुलहिनिसकुचाहिं ॥
मोदविनोदबिलोकिबड राममनहिंमुसुकाहिं ॥

॥ चौपाई ॥

देवपितरपूजेविधिनीकी ॥ पूजीसकलबासनाजीकी ॥ सबहिंबंदिमांगहिंवरदा ना ॥ भाइनसहितरामकल्याणा ॥ अंतरहितसुरआशिषदेहीं ॥ मुदितमातुअं चलभरिलेहीं ॥ भूपतिबोलिबरातिन्हलीन्हे ॥ यानबसनमणिभूषणदीन्हे ॥ आ

थसु पाइ गरिष्ठ रामहि ॥ मुदित गये सब निज निज धामहि ॥ पुर नर नारि स
कल पहिराये ॥ घर घर बाजहिं अमंद बधाये ॥ याचक जन याचहिं जोइ जोई ॥
प्रमुदित राउ देहिं सोइ सोई ॥ सेवक सकल बजनियां नाना ॥ पूरण किये दान स
नमाना ॥ ॥ दोहा ॥

देहिं असीस जुहारि सब गावहिं गुणगण गाथ ॥
तब गुरु भूसुर सहित गृह गमन कीन्ह नरनाथ ॥

॥ चौपाई ॥

जो बसिष्ठ अनुशासन दीन्हा ॥ लोक बेद बिधि सादर कीन्हा ॥ भूसुर भीर देखि
सब रानी ॥ सादर उठीं भाग्य बड़ जानी ॥ पाय पखारि सकल अन्हवाये ॥ पूजि
भली बिधि भूप जेंवाये ॥ आदर दान प्रेम परिपोषे ॥ देत असीस चले मन तोषे ॥ ब
हु बिधि कीन्ह गाधिसुत पूजा ॥ नाथ मोहि सम धन्य न दूजा ॥ कीन्ह प्रशंसा भूपति
भूरी ॥ रानिन सहित लीन्ह पगधूरी ॥ भीतर भवन दीन्ह बर बासू ॥ मन जोगवत
रह नृप रनिवासू ॥ पूजे गुरु पद कमल बहोरी ॥ कीन्ह बिनय मन प्रीति न थोरी ॥
॥ दोहा ॥

बधुन समेत कुमार सब रानिन सहित महीश ॥
पुनि पुनि बंदत गुरु चरण देत असीस मुनीश ॥

॥ चौपाई ॥

बिनय कीन्ह उर अति अनुरागे ॥ सुत संपदा राखि सब आगे ॥ नेग मांगि मुनिनाय
क लीन्हा ॥ आशिर्बाद बहुत बिधि दीन्हा ॥ उर धरि रामहिं सीय समेता ॥ हर
षि कीन्ह गुरु गवन निकेता ॥ बिप्रबधू कुल वृद्ध बुलाईं ॥ चीर चारु भूषण पहिरा

ई ॥ बहुरिबुलाइसुआशिषनिदीन्हा ॥ हर्षिविदारिपहिरसबनदीन्हा ॥ नेगी नेगयोगसबलेहीं ॥ रुचिअनुरूपभूपमणिदेहीं ॥ प्रियपाहुनेपूज्यजेजाने ॥ भूपतिभलीभांतिसनमाने ॥ देवदेखिरघुवीरवीवाहू ॥ वरषिप्रसूनप्रशंसिउ छाहू ॥ *~*~*~* ॥ दोहा ॥ *~*~*~*~*~*

चलेनिसानबजाइसुर निजनिजपुरसुखपाइ ॥
कहतपरस्पररामयश हर्षनहृदयसमाइ * ॥

॥ चौपाई ॥

सबविधिसबहिसमदिनरनाहू ॥ रहाहृदयभरिपूरिउछाहू ॥ जहंरनिवास तहांपगुधारे ॥ सहितबधूटिनकुंअरनिहारे ॥ लियेगोदकरिमोदसमेता ॥ को कहिसकैभयउसुखजेता ॥ बधूसप्रेमगोदवैठारी ॥ बारबारहियहरषिदुलारी ॥ देखिसमाजमुदितरनिवासू ॥ सबकेउरआनंदकियावासू ॥ कहेउभूप जिमिभयउविवाहू ॥ सुनिसुनिहरषहोतसबकाहू ॥ जनकराजगुणशीलब डाई ॥ प्रीतिरीतिसंपदासुहाई ॥ बहुविधिभूपभाटजिमिबरणी ॥ रानीसबप्र मुदितसुनिकरणी ॥ *~* ॥ दोहा ॥ *~*~*~*~*

सुतनसमेतनहाइन्रप बोलिलियेगुरुज्ञाति ॥
भोजनकीन्हअनेकविधि घरीपंचगइराति ॥

॥ चौपाई ॥

मंगलगानकरहिंवरभामिनि ॥ भइसुखमूलमनोहरयामिनि ॥ अचैपानसबकाहु नपाये ॥ अगरसुगंधभूषितछविछाये ॥ रामहिंदेखिरजायसुपाई ॥ निजनिज भयनचलेशिरनाई ॥ प्रेमप्रमोदविनोदबडाई ॥ समयसमाजमनोहरताई

॥ कहिनसकहिंश्रुतिशारदशेषू ॥ वेदविरंचिमहेशगणेशू ॥ सोमैंकहौंकवनविधिवरणी ॥ भूमिनागशिरधरैकिधरणी ॥ नृपसबभाँतिसवहिसनमानी ॥ कहिमृदुबचनबुलाईरानी ॥ बधूलरिकिनीपरघरआई ॥ राखेउनयनपलककीनाई ॥ ॥ दोहा ॥

लरिकाश्रमितउनींदबश शयनकरावहुजाइ ॥
असकहिगेविश्रामगृह रामचरणचितलाइ ॥

॥ चौपाई ॥

भूपबचनसुनिसहजसुहाये ॥ जटितकनकमणिपलँगडसाये ॥ सुभगसुरभिपयफेनसमाना ॥ कोमलकलितसुपेतीनाना ॥ उपबरहनबरबरनिनजाहीं ॥ स्रगसुगंधमणिमंदिरमांही ॥ रतनदीपसुठिचारुचँदोवा ॥ कहतनबनैजानजेहिजोवा ॥ सेजरुचिररचिरामउठाये ॥ प्रेमसमेतपलँगपौढाये ॥ आज्ञापुनिपुनिभाइनदीनी ॥ निजनिजसेजशयनतिनकीनी ॥ देखिश्याममृदुमंजुलगाता ॥ कहहिंसप्रेमबचनसबमाता ॥ मारगजातभयावनभारी ॥ केहिविधितातताडकामारी ॥ ॥ दोहा ॥

घोरनिशाचरविकटभट समरगनैनहिंकाहु ॥
मारेसहितसहायकिमि खलमारीचसुबाहु ॥

॥ चौपाई ॥

मुनिप्रसादबलितातनुम्हारे ॥ ईशअनेककरवरेटारे ॥ मखरखवारीकरिदुहुभाई ॥ गुरुप्रसादसबविद्यापाई ॥ मुनितियतरीलगतपगधूरी ॥ कीरतिरहीभुवनभरिपूरी ॥ कमठपीठपविकूटकठोरा ॥ नृपसमाजमहँशिवधनुतोरा ॥ वि

बिजय ग्यानबिधि पाई ॥ आये भवन ब्याहि सब भाई ॥ सकल अमानुष कर्म तुम्हारे ॥ केवल कौशिक कृपा सुधारे ॥ आजु सुफल जग जन्म हमारे ॥ देखि तात बिधुबदन तुम्हारे ॥ जे दिन गये तुमहिं बिनु देखे ॥ ते बिरंचि जनि पारहिं लेखे ॥

॥ दोहा ॥

राम प्रतोषी मातु सब कहि बिनीत बर बैन ॥
सुमिरि संभु गुरु बिप्र पद किये नींद बस नैन ॥

॥ चौपाई ॥

नींदउ बदन सोह सुठि लोना ॥ मनहु सांझ सरसीरुह सोना ॥ घर घर करहिं जागरन नारी ॥ देहिं परस्पर मंगल गारी ॥ पुरी बिराजति राजति रजनी ॥ रानी कहहिं बिलोकहु सजनी ॥ सुंदर बधुन सासु लै सोई ॥ फनिकन जनु सिरमनि उर गोई ॥ प्रात पुनीत काल प्रभु जागे ॥ अरुनचूड़ बर बोलन लागे ॥ बंदी मागध गुनगन गाए ॥ पुरजन द्वार जुहारन आए ॥ बंदि बिप्र सुर गुरु पितु माता ॥ पाइ असीस मुदित सब भ्राता ॥ जननिन्ह सादर बदन निहारे ॥ भूपति संग द्वार पगु धारे ॥

॥ दोहा ॥

कीन्ह सौच सब सहज सुचि सरित पुनीत नहाइ ॥
प्रातक्रिया करि तात पहं आये चारिउ भाइ ॥

॥ चौपाई ॥

भूप बिलोकि लिये उर लाई ॥ बैठे हरषि रजायसु पाई ॥ देखि राम सब सभा जुड़ानी ॥ लोचन लाभ अवधि अनुमानी ॥ पुनि बसिष्ट मुनि कौशिक आये ॥ सुभग आसनन्ह मुनि बैठाये ॥ सुतन समेत पूजि पद लागे ॥ निरखि राम दोउ गुरु अनुरागे

॥ कहहिंबसिष्टधर्मइतिहासा ॥ सुनहिंमहीपसहितरनिवासा॥ मुनिमनअगमगाधिसुतकरणी ॥ मुदितबसिष्टबिपुलविधिबरणी॥ बोलेबामदेवसबसांची॥ कीरतिकलितलोकतिहुमांची ॥ सुनिआनंदभयउसबकाहू ॥ रामलखनउरअधिकउछाहू ॥ ** ** ॥ दोहा ॥ ** * *

मंगलमोदउछाहनिति जाहिंदिवसयहिभांति ॥
उमगीअवधअनंदभरि अधिकअधिकअधिकाति ॥

॥ चौपाई ॥

सुदिनसोधिकरकंकणछोरे ॥ मंगलमोदबिनोदनथोरे ॥ नितिनवसुखसुरदेखिसिहाहीं॥ अवधजन्मयाचहिंबिधिपाहीं ॥ बिश्वामित्रचलननितिचहहीं ॥ रामसप्रेमबिनयबशरहहीं ॥ दिनदिनशतगुणभूपतिभाऊ ॥ देखिसराहमहामुनिराऊ ॥ मांगतबिदाराउअनुरागे ॥ सुतनसमेतठाढ़भयेआगे ॥ नाथसकलसंपदातुम्हारी ॥ मैंसेवकसमेतसुतनारी॥ करबसदालरिकनपरछोहू ॥ दरशनदेतरहबमुनिमोहू ॥ असकहिराउसहितसुतरानी ॥ परेचरणमुखआवनबाणी ॥ दीन्हअशीशबिप्रबहुभांती॥ चलेनप्रीतिरीतिकहिजाती ॥ रामसप्रेमसङ्गसबभाई॥ आयसुपाइफिरेपहुंचाई॥ * ॥ दोहा ॥ * * *

रामरूपभूपतिभगति ब्याहउछाहअनन्द ॥
जातसराहतमनहिंमन मुदितगाधिकुलचन्द ॥

॥ चौपाई ॥

बामदेवरघुकुलगुरज्ञानी॥ बहुरिगाधिसुतकथाबखानी॥ सुनिमुनिसुयशमनहिंमनराऊ ॥ बरणतआपनपुण्यप्रभाऊ ॥ बहुरेलोगरजायसुभयऊ ॥

सुतनसमेतनृपतिगृहगयऊ॥ जहँतहँरामब्याहसबगावा॥ सुयशपुनीतलो
कतिहुँछावा॥ आयेब्याहिरामघरजबतें॥ बसेअनन्दअवधसबतबतें॥ प्रभुबिवा
हजसभयउउछाहा॥ शकहिंनबरणिगिराअहिनाहा॥ कबिकुलजीवनपाव
नजानी॥ रामसीयजशमंगलखानी॥ तेहितेमैंकछुकहाबखानी॥ करणपुनी
तहेतुनिजबाणी॥ * ॥ छंद ॥ *

निजगिरापावनकरनकारणरामयशतुलसीकह्यौ॥ * ॥ रघुबीर
चरितअपारबारिधिपारकबिकवनेलह्यौ॥ * ॥ उपबीतब्याहउ
छाहमंगलसुनिजेसादरगावहीं॥ * ॥ बैदेहिरामप्रसादतेजनस
र्वदासुखपावहीं॥ * ॥ दोहा॥ *

कठिनकालमलग्रसितनरनु साधनकछुकनहोइ॥
यहबिचारिबिश्वासकरि हरिसुमिरैबुधसोइ॥

* ॥ सोरठा ॥ *

मनहरिपदअनुराग करत्यागनानाकपट॥
महामोहनिशिजाग सोवतबीतेकालबहु॥
सियरघुबीरबिबाह जेसप्रेमसादरसुनहिं॥
तिनकहँसदाउछाह मंगलायतनरामयश॥

इति श्री रामचरित मानसे सकल कलिकलुष विध्वंसने बिमल विज्ञान वैरा
ग्य संतोष सम्पादनो नाम तुलसी कृत बाल काण्ड प्रथम सोपानः समाप्तः शु
भमस्तु सिद्धिरस्तु॥ * ॥

॥ श्रीगणेशायनमः ॥ * ॥ श्रीगुरुचरणसरोजरज निजमनमु
कुरसुधारि ॥ बरनौंरघुबरविमलयश जोदायकफलचारि ॥ १ ॥

॥ चौपाई ॥

जबतेरामब्याहिघरआये ॥ नितनवमंगलमोदबधाये ॥ भुवनचारिदशभूधर
भारी ॥ सुकृतमेघबरषहिंसुखवारी ॥ ऋधिसिधिसंपतिनदीसुहाई ॥ उमगि
अवधअंबुधिकहँआई ॥ मणिगणपुरनरनारिसुजाती ॥ शुचिअमोलसुंदरसब
भाँती ॥ कहिनजाइकछुनगरविभूती ॥ जनुइतनीविरंचिकरतूती ॥ सबविधिसब
पुरलोगसुखारी ॥ रामचन्द्रमुखचंद्रनिहारी ॥ मुदितमातुसबसखीसहेली ॥
फलितविलोकिमनोरथबेली ॥ रामरूपगुणशीलसुभाऊ ॥ प्रमुदितहोहिंदेखि
सुनिराऊ ॥ * * * ॥ दोहा ॥ * * * *

सबकेउरअभिलाषअस कहहिंमनाइमहेश ॥
आपुअछतयुवराजपद रामहिंदेहिंनरेश ** ॥

॥ चौपाई ॥

एकसमयसबसहितसमाजा ॥ राजसभारघुराजविराजा ॥ नृपसबरहहिंकृपा
अभिलाषे ॥ लोकपकरहिंप्रीतिरुखराखे ॥ त्रिभुवनतीनिकालजगमाहीं ॥ भूरि
भागदशरथसमनाहीं ॥ मंगलमूलरामसुतजासू ॥ जोकछुकहियथोरसबता

सुतनसमेतनृपतिगृहेगयऊ॥ जहँतहँरामव्याहयशगावा॥ सुयशपुनीतलो कतिहुँछावा॥ आयेब्याहिरामघरजबतें॥ बसेअनन्दअवधसबतबतें॥ प्रभुबिवा हजसभयउउछाहा॥ सकहिंनबरणिगिराअहिनाहा॥ कबिकुलजीवनपाव नजानी॥ रामसीयजसमंगलखानी॥ तेहितेमैंकछुकहाबखानी॥ करणपुनी तहेतुनिजबाणी॥ * ॥ छंद ॥ *

निजगिरापावनकरनकारणरामयशतुलसीकह्यो॥ * ॥ रघुबीर चरितअपारबारिधिपारकबिकवनेलह्यो॥ * ॥ उपबीतब्याहउ छाहमंगलसुनिजेसादरगावहीं॥ * ॥ बैदेहिरामप्रसादतेजनस र्बदासुखपावहीं॥ * ॥ दोहा ॥ *

कठिनकालमलकोसिनमनु साधनकछुकनहोइ॥
यहविचारिविश्वासकरि हरिसुमिरैबुधसोइ॥

* ॥ सोरठा ॥ *

मनहरिपदअनुराग करत्यागनानाकपट॥
महामोहनिशिजाग सोवनदीजैकाअवकछु॥
सियरघुवीरबिवाह जेसप्रेमसादरसुनहिं॥
तिनकहुँसदाउछाह मंगलायतनरामयश॥

इति श्री रामचरित मानसे सकल कलिकलुष विध्वंसने विमल विज्ञान बैरा ग्य संतोष सम्पादनो नाम तुलशी कृत बाल काण्ड प्रथम सोपानः समाप्तः शु भमस्तु सिद्धिरस्तु॥ * ॥

॥ श्रीगणेशायनमः ॥ * ॥ श्रीगुरुचरणसरोजरज निजमनमुकुरसुधारि ॥ बरनौंरघुबरविमलयश जोदायकफलचारि ॥ १ ॥

॥ चौपाई ॥

जबतेंरामब्याहिघरआये ॥ नितनवमंगलमोदबधाये ॥ भुवनचारिदशभूधरभारी ॥ सुकृतमेघबरषहिंसुखवारी ॥ ऋद्धिसिद्धिसम्पतिनदीसुहाई ॥ उमगिअवधअंबुधिकहंआई ॥ मणिगणपुरनरनारिसुजाती ॥ शुचिअमोलसुंदरसबभांती ॥ कहिनजाइकछुनगरविभूती ॥ जनुइतनीविरंचिकरतूती ॥ सबविधिसबपुरलोगसुखारी ॥ रामचन्द्रमुखचंदनिहारी ॥ मुदितमातुसबसखीसहेली ॥ फलितविलोकिमनोरथबेली ॥ रामरूपगुणशीलसुभाऊ ॥ प्रमुदितहोहिंदेखिसुनिराऊ ॥

॥ दोहा ॥

सबकेउरअभिलाषअस कहहिंमनाइमहेश ॥
आपुअछतजुबराजपद रामहिंदेहिंनरेश ** ॥

॥ चौपाई ॥

एकसमयसबसहितसमाजा ॥ राजसभारघुराजविराजा ॥ नृपसबरहहिंकृपाअभिलाषे ॥ लोकपकरहिंप्रीतिरुखराखे ॥ त्रिभुवनतीनिकालजगमाहीं ॥ भूरिभागदशरथसमनाहीं ॥ मंगलमूलरामसुतजासू ॥ जोकछुकहियथोरसबतासू

हू॥ सकलसुभायमुकुरकरलीन्हा॥ बदनबिलोकिमुकुटसमकीन्हा॥ श्रवनस मीपभयेसितकेशा॥ मनहुँचौथपनअसउपदेशा॥ नृपजुवराजरामकहँदेहू ॥ जीवनजन्मसुफलकरिलेहू॥ ॥ दोहा ॥

असबिचारिउरआनिनृप सुदिनसुअवसरपाइ॥
मनुपुलकितनमनमुदितअति गुरहिसुनायउजाइ॥

॥ चौपाई ॥

कहेउभुआलसुनियमुनिनायक॥ भयेरामसबविधिसबलायक॥ सेवकसचि वसकलपुरबासी॥ जेहमारअरिमित्रउदासी॥ सबहिरामप्रियजेहिविधिमोही ॥ प्रभुअसीसजनुतनुधरिसोही॥ विप्रसहितपरिवारगोसाईं॥ करहिंछोह सबरौरीनाईं॥ जोगुरुचरणरेणुसिरधरहीं॥ तेजनुसकलविभववशकरहीं॥ मोहिसमयहअनुभयउनदूजे॥ सबपायउँरजपावनपूजे॥ अबअभिलाषएक मनमोरे॥ पूजिहिनाथअनुग्रहतोरे॥ मुनिप्रसन्नलखिसहजसनेहू॥ कहेउ नरेशरजायसुदेहू॥ ॥ दोहा ॥

राजनराउरनामयश सबअभिमतदातार॥
फलअनुगामीमहिपमणि मनअभिलाषतुम्हार॥

॥ चौपाई ॥

सबविधिगुरुप्रसन्नजियजानी॥ बोलेउराउविहँसिमृदुबाणी॥ नाथरामकरियेयु वराजू॥ कहियकृपाकरिकरियसमाजू॥ मोहिअछतअसहोइउछाहू॥ ल हहिंलोगसबलोचनलाहू॥ प्रभुप्रसादशिवसबैनिवाही॥ यहलालसाएकम नमाही॥ पुनिनसोचतनुरहैकिजाऊ॥ जेहिनहोइपाछेपछिताऊ॥ सुनिमुनि

सरथवचनसुहावे ॥ मंगलमूलमोदमनभावे ॥ सुनुनृपजासुविमुखपछता
हीं ॥ जासुभजनविनुजरनिनजाहीं ॥ भयेतुम्हारतनयसोस्वामी ॥ रामपुनीतप्रे
मअनुगामी ॥ ॥ दोहा ॥

वेगिविलंवनकरियनृप साजियसवैसमाज ॥
सुदिनसुमंगलतवहिंजव रामहोहिंजुवराज ॥

॥ चौपाई ॥

मुदितमहीपतिमंदिरआये ॥ सेवकसचिवसुमन्तवुलाये ॥ कहिजयजीवसी
सतिननाये ॥ भूपसुमंगलवचनसुनाये ॥ जौंपांचहिमतलागैनीका ॥ करहुह
रषिहियरामहिटीका ॥ मंत्रीमुदितसुनतप्रियवाणी ॥ अभिमतविरवपरेउजनु
पानी ॥ विनतीसचिवकरहिंकरजोरी ॥ जियहुजगतपतिवरषकरोरी ॥ जगमं
गलभलकाजविचारा ॥ वेगहिनाथनलाइयवारा ॥ नृपहिमोदसुनिसचिवसुभा
षा ॥ बढतविटपजनुलहीसुसाखा ॥ ॥ दोहा ॥

कहेउभूपमुनिराजकर जोजोआयसुहोइ ॥
रामराजअभिषेकहित वेगिकरहुसोइसोइ ॥

॥ चौपाई ॥

हरषिमुनीशकहेउमृदुवाणी ॥ आनहुसकलसुतीरथपानी ॥ औषधमूलफूल
फलपाना ॥ कहेनामगणिमंगलनाना ॥ चामरचमरवसनवहुभांती ॥ रोमपा
टपटअगणितजाती ॥ मणिगणमंगलवस्तुअनेका ॥ जोजगयोगभूपअभिषेका
॥ वेदविदितकहिसकलविधाना ॥ कहेउरचहुपुरविविधविताना ॥ सफलर
सालपुंगीफलकेरा ॥ रोपहुवीथिनपुरचहुंफेरा ॥ रचहुमंजुमणिचौकेचारु

॥ कहहुबनावनबेगिबजारू॥ पूजोगनपतिगुरकुलदेवा॥ सबबिधिकरहु भूमिसुरसेवा॥ ॥ दोहा ॥

ध्वजपताकतोरनकलश सजहुतुरगरथनाग॥
शिरधरिमुनिवरबचनसब निजनिजकाजहिंलाग॥

॥ चौपाई ॥

जेहिमुनीशजोआयसुदीन्हा॥ सोजनुकाजप्रथमतेइकीन्हा॥ बिप्रसाधुसुरपूजतराजा॥ करतरामहितमंगलकाजा॥ सुनतरामअभिषेकसुहावा॥ बाजगहागहअवधबधावा॥ रामसीयतनुसगुनजनाये॥ फरकहिंमंगलअंगसुहाये॥ पुलकिसप्रेमपरसपरकहहीं॥ भरतआगमनसूचकअहहीं॥ भयेबहुतदिनअतिअवसेरी॥ सगुनप्रतीतिभेंटप्रियकेरी॥ भरतसरिसप्रियकोजगमाहीं॥ इहैसगुनफलदूसरनाहीं॥ रामहिंसोचबंधुदिनराती॥ अंडन्हकमठहृदयजेहिभांती॥ ॥ दोहा ॥

तेहिअवसरमंगलपरम सुनिरहँसेउरनिवास॥
शोभितलखिविधुबढतजनु बारिधिबीचिबिलास॥

॥ चौपाई ॥

प्रथमजाइजिन्हबचनसुनाये॥ भूषणबसनभूरितिनपाये॥ प्रेमपुलकतनुमनअनुरागी॥ मंगलसाजसजनसबलागी॥ चौकेचारुसुमित्रापूरी॥ मणिमयबिबिधभांतिअतिरूरी॥ आनंदमगनराममहतारी॥ दियेदानबहुबिप्रहँकारी॥ पूजेग्रामदेवसुरनागा॥ कहेउबहोरिदेनबलिभागा॥ जेहिबिधिहोइरामकल्याणा॥ देहुदयाकरिसोवरदाना॥ गावहिंमंगलकोकिलबयनी॥ बिधुब

दनीमृगशावकनयनी ॥ ॥ दोहा ॥

रामराजअभिषेकसुनि हियहरषेनरनारि ॥
लगेसुमंगलसजनसब बिधिअनुकूलबिचारि ॥

॥ चौपाई ॥

तबनरनाहबसिष्ठबुलाये ॥ रामधामसिखदेनपठाये ॥ गुरुआगमनसुनतरघुनाथा ॥ द्वारआइनायेउपदमाथा ॥ सादरअर्घदेइघरआने ॥ सोरहभांतिपूजिसनमाने ॥ गहेचरनसियसहितबहोरी ॥ बोलेरामकमलकरजोरी ॥ सेवकसदनस्वामिआगमनू ॥ मंगलमूलअमंगलदमनू ॥ तदपिउचितजनबोलिसप्रीती ॥ पठइयनाथकाजअसनीती ॥ प्रभुतातजिप्रभुकीन्हसनेहू ॥ भयउपुनीतआजुममगेहू ॥ आयसुहोइसोकरियगोसाईं ॥ सेवकलहैस्वामिसेवकाई ॥ ॥ दोहा ॥

सुनिसनेहसानेबचन मुनिरघुबरहिप्रशंस ॥
रामकसनतुमकहहुअस हंसबंशअवतंस ॥

॥ चौपाई ॥

बरनिरामगुणशीलसुभाऊ ॥ बोलेप्रेमपुलकिमुनिराऊ ॥ भूपसजेउअभिषेकसमाजू ॥ चाहतदेनतुमहियुवराजू ॥ रामकरहुसबसंयमआजू ॥ जौंबिधिकुशलनिबाहैकाजू ॥ गुरुसिखदेइराउपहंगयऊ ॥ रामहृदयअसबिस्मयभयऊ ॥ जनमेएकसंगसबभाई ॥ भोजनशयनकेलिलरिकाई ॥ कर्णबेधउपबीतबिबाहा ॥ संगसंगसबभयउछाहा ॥ बिमलबंशयहअनुचितएका ॥ अनुजबिहाइबडेहिअभिषेका ॥ प्रभुसप्रेमपछितानिसुहाई ॥ हरेउभरतमन

कौकुटिलाई ॥ **** ॥ दोहा ॥ ****

तेहिअवसरआयेलखण मगनप्रेमआनन्द ॥
सनमानेप्रियबचनकहि रविकुलकैरवचन्द ॥

॥ चौपाई ॥

बाजहिंबाजनबिबिधबिधाना ॥ पुरप्रमोदनहिंजाइबखाना ॥ भरतआगमनस
कलमनावहिं ॥ आवहिंबेगिनयनफलपावहिं ॥ हाटवाटघरगलीअथाई ॥
कहहिंपरस्परलोगलोगाई ॥ कालिलगनभलकेतिकबारा ॥ पूजिहिबिधिअभिला
षहमारा ॥ कनकसिंहासनसीयसमेता ॥ बैठहिंरामहोइचितचेता ॥ सकलक
हहिंकबहोइहिकाली ॥ बिघ्नमनावहिंदेवकुचाली ॥ तिनहिंसोहानतअ
वधबधावा ॥ चोरहिंचांदनिरातिनभावा ॥ सारदबोलिबिनयसुरकरहीं ॥ बार
हिंबारपावपैपरहीं ॥ **** ॥ दोहा ॥ ****

बिपतिहमारिबिलोकिबड़ि मातुकरियसोइआज ॥
रामजाहिंबनराजतजि होइसकलसुरकाज * ॥

॥ चौपाई ॥

सुनिसुरबिनयठाढ़िपछिताती ॥ भयिउंसरोजबिपिनहिमराती ॥ देखिदेवपुनि
कहहिंनिहोरी ॥ मातुतोहिनहिंथोरिउखोरी ॥ बिस्मयहर्षरहितरघुराऊ ॥ तु
मजानहुरघुबीरप्रभाऊ ॥ जीवकर्मबसदुखसुखभागी ॥ जाइयेअवधदेवहित
लागी ॥ बारबारगहिचरणसकोची ॥ चलीबिचारिबिबुधमतिपोची ॥ ऊंचनि
वासनीचकरतूती ॥ देखिनसकहिंपराइबिभूती ॥ आगिलकाजबिचारिबहोरी ॥
करिहैंचाहकुशलकविमोरी ॥ हरषिहृदयदशरथपुरआई ॥ जनुग्रहदशा

दुसहदुखदाई ॥ ॥ दोहा ॥

नाममंथरामंदमति चेरीकैकयिकेरि ॥

अयशपेटारीताहिकरि गईगिरामतिफेरि ॥

॥ चौपाई ॥

देखिमंथरानगरबनावा ॥ मंगलमंजुलबाजबधावा ॥ पूछेसिलोगन्हकाहउछा
हू ॥ राममतिलकसुनिभाउरदाहू ॥ करैबिचारकुबुद्धिकुजाती ॥ होइअकाज
कवनबिधिराती ॥ देखिलागिमधुकुटिलकिरानी ॥ जिमिगवँतकैलेउँकेहिभांती
भरतमातुपहँगईबिलखानी ॥ काअनमनिहसिकहँसिरानी ॥ ऊतरनदेइनलेउसा
सू ॥ नारिचरितकरिढारतिआंसू ॥ हंसिकहरानिगालबडतोरे ॥ दी
न्हलषणशिषअसमनमोरे ॥ तबहुंनबोलचेरिबडिपापिनि ॥ छांडैस्वासकारि
जनुसांपिनि ॥ ॥ दोहा ॥

सभयरानिकहकहसिकिन कुशलराममहिपाल ॥

भरतलषणरिपुदवनसुनि भाकुबरीउरसाल ॥

॥ चौपाई ॥

कतशिषदेइहमहिकोउमाई ॥ गालकरबकेहिकरबलपाई ॥ रामहिंछाडि
कुशलकेहिआजू ॥ जाहिनरेशदेतयुवराजू ॥ भयौकौशल्यहिबिधिअतिदाहिन
॥ देखतगर्वरहतउरनाहिन ॥ देखहुकसनजाइसबशोभा ॥ जोअवलोकि
मोरमनछोभा ॥ पूतबिदेशनसोचतुम्हारे ॥ जानतिहौवशनाहहमारे ॥ नींदब
हुतप्रियसेजतुराई ॥ लषहुनभूपकपटचतुराई ॥ सुनिप्रियबचनकुटिलमनजा
नी ॥ झुकीरानिअबरहुअरगानी ॥ पुनिअसकबहुंकहसिघरफोरी ॥ तौधरिजी

हुकछावैतोरी ॥ *\~*\~* ॥ दोहा ॥ *\~*\~*\~*\~**

कानेखोरेकूवरे कुटिलकुचालीजानि **** ॥

तियविशेषपुनिचेरिकहि भरतमातुमुसुकानि ॥

॥ चौपाई ॥

प्रियवादिनिशिखदीन्हेउतोही ॥ सपनेहुतोपरकोपनमोही ॥ सुदिनसुमंगलदायकसोई ॥ तोरकहाफुरजादिनहोई ॥ जेठसामिसेवकलघुभाई ॥ यहदिनकरकुलरीतिसदाई ॥ रामतिलकजौंसांचेहुकाली ॥ मांगुदेउंमनभावतआली ॥ कौशल्यासमसबमहंतारी ॥ रामहिंसहजसुभावपियारी ॥ मोपरकरहिंसनेहविशेषी ॥ मैकरिप्रीतिपरीक्षादेखी ॥ जौंविधिजन्मदेइकरिछोहू ॥ होहिंरामसियपूतपतोहू ॥ प्राणतेअधिकरामप्रियमोरे ॥ तिनकेतिलकक्षोभकसतोरे ॥ *\~*\~*\~*\~* ॥ दोहा ॥ *\~*\~*\~*\~*

भरतशपथतोहिसत्यकहु परिहरिकपटदुराव ॥

हर्षसमयविस्मयकरसि कारणमोहिसुनाव * ॥

॥ चौपाई ॥

एकहिंवारआशसबपूजी ॥ अबकछुकहबजीहकरिदूजी ॥ फोरेयोगकपारअभागा ॥ भलौकहतदुखरौरेहुलागा ॥ कहइझूठफुरवातबनाई ॥ तेप्रियतुमहिंकरुइमैमाई ॥ हमहुकहबअबठकुरसोहाती ॥ नाहितमौनरहबदिनराती ॥ करिकुरूपबिधिपरवशकीन्हा ॥ बयेसोलूनिलयेजोदीन्हा ॥ कोउन्टपहोउहमेकाहानी ॥ चेरिछडाइकहाइबरानी ॥ जारेजोगसुभावहमारा ॥ अनभलदेखिनजाइतुह्मारा ॥ तातेकछुकवातअनुसारी ॥ क्षमबदेबिबडिचूकहमारी ॥

॥ दोहा ॥

गूढ़कपटप्रियबचनसुनि तीयअधरबुधिरानि ॥

सुरमायाबशवैरिणिहि सुहृदजानिपतियानि ॥

॥ चौपाई ॥

सादरपुनिपुनिपूछतिओही ॥ शबरीगानमृगीजनुमोही ॥ तसमतिफिरीअहैजसभाबी ॥ रहसीचेरिघातभलिफाबी ॥ तुमपूछहुमैकहतडेराऊं ॥ धरेहुमोरघरफोरीनाऊं ॥ सजिप्रतीतिगढ़िबहुबिधिछोली ॥ आयुधसाढ़सतीतबबोली ॥ प्रियसियरामकहातुमरानी ॥ रामहितुमप्रियसोफुरबाणी ॥ रहाप्रथमदिनसोअबबीते ॥ समयपाइरिपुहोहिंपिरीते ॥ भानुकमलकुलपोषनिहारा ॥ बिनुजलजारिकरैसोइछारा ॥ जरितुह्मारिचहसवतिउपारी ॥ रूंधहुकरिउपाइबरबारी ॥

॥ दोहा ॥

तुमहिनसोचसोहागबल निजबशजानहुराव ॥

मनमलीनमुहमीठन्टप शठरसरलसुभाव * ॥

॥ चौपाई ॥

चतुरगंभीररामामहतारी ॥ बीचपाइनिजकाजसंवारी ॥ पठयेभरतभूपननिऔरे ॥ राममातुमतजानबरौरे ॥ सेवहिंसकलसवतिमोहिनीके ॥ गर्बितभरतमातुबलपीके ॥ शालतुह्मारकौशिलहिमाई ॥ चतुरकपटनहिपरतलखाई ॥ राजहितुमपरप्रीतिबिशेषी ॥ सवतिसुभावशकैनहिदेखी ॥ रचिप्रपंचभूपहिंअपनाई ॥ रामतिलकहितलगनधराई ॥ यहिकुलउचितरामकहंटीका ॥ सबहिसोहाइमोहिसुठिनीका ॥ आगिलबातसमुझिडरमोही ॥ देउदैवफिरिसोफ

सत्रोही ॥ *—*—** ॥ दोहा ॥ *—*—*—*—*—*

रविपचिकोटिककुटिलपन कीन्हेसिकपटप्रबोध ॥
कहेसिकथाशतसौतिकर जातेबढैविरोध **** ॥

॥ चौपाई ॥

भावीबशप्रतीतिउरआई ॥ पूछिरानिनिजशपथदेवाई ॥ कापूछहुतुमअजहुँ नजाना ॥ हितअनहितनिजपशुपहिचाना ॥ भयेपाखदिनसजतसमाजू ॥ तुमसुधिपायेहुमोसनआजू ॥ खाइयपहिरियराजतुम्हारे ॥ सत्यकहेनहिंदोष हमारे ॥ जौंअसत्यकछुकहबबनाई ॥ तौविधिदेइहिमोहिसजाई ॥ रामहिंतिलककालिजौंभयऊ ॥ तुमकहँविपतिबीजविधिबयऊ ॥ रेखखैंचिकहौंबलभाखी ॥ भामिनिभयिहुदूधकीमाखी ॥ जौंसुतसहितकरहुसेवकाई ॥ तौघररहहुनआनउपाई ॥ *—* ॥ दोहा ॥ *—*—*—*—*

कद्रूविनतहिदीन्हदुख तुमहिकौशिलादेब ॥
भरतबंदिगृहसेइहैं लखनरामकेनेब ** ॥

॥ चौपाई ॥

कैकयसुतासुनतकटुबाणी ॥ कहिनसकैकछुसहमिसुखानी ॥ तनुपसेवकदलिजिमिकांपी ॥ कुबरीदशनजीभतबचांपी ॥ कहिकहिकोटिककपटकहानी ॥ धीरजधरहुप्रबोधेसिरानी ॥ कीन्हेसिकठिनपढाइकुपाठू ॥ जिमिननवैफिरिउकठकुकाठू ॥ फिराकर्मप्रियलागुकुचाली ॥ बकिहिसराहतिमानमराली ॥ सुनुमंथराबातफुरतोरी ॥ दहिनआंखिनितफरकतिमोरी ॥ दिनप्रतिदेखौंरातिकुसपना ॥ कहौंनतोहिमोहवशअपना ॥ काहकरौंसखिसूधसुभाऊ ॥ दहिनबाम

आनौंनहिकाऊ ॥ *~*~* ॥ दोहा ॥ *~*~*~*~**

अपनेचलतनआजुलगि अनभलकाहुककीन्ह *॥

केहिअघएकहिवारमोहि दैवदुसहदुखदीन्ह ॥

॥ चौपाई ॥

नैहरजन्मभरववसआई ॥ जिअतनकरवसवतिसेवकाई ॥ अरिवशदैवजि आवैजाही ॥ मरजनीकतेहिजिवननचाही ॥ असकबकहउमानिमनऊना ॥ सुखसोहागतुमकहदिनदूना ॥ औराऊरअसअनभलताका ॥ सोपाइहियदुख सपरिपाका ॥ जवतेकुमतिसुनामैस्वामिनि ॥ भूखनवासरनींदनयामिनि ॥ ॥ पूछागुणिन्हरेखतिनखांची ॥ भरतभुआलहोवयहसांची ॥ मामिनिकरहुतो कहौंउपाऊ ॥ हैंतुह्मरेसेवावशराऊ ॥ * ॥ दोहा ॥ *~*~*~*

परौंकूपतववचनलगि सकौंपूतपतित्यागि *** ॥

कहेसिमोरदुखदेखिबड कसनकरवहितलागि ॥

॥ चौपाई ॥

कुवरीकरीकवलिकैकेई ॥ कपटछुरीउरपाहनटेई ॥ लखैनरानिनिकटदुखकै से ॥ चरैहरिततृणवलिपशुजैसे ॥ सुनतबातमृदुअंतकठोरी ॥ देतिमनहुँम धुमाहुरघोरी ॥ कहैचेरिसुधिअहैकिनाही ॥ स्वामिनिकहेहुकथामोहिपांही ॥ दुइकरदानभूपसनथाती ॥ मांगहुआजुजुडावहुछाती ॥ सुतहिराजरामहि वनवासू ॥ देहुलेहुसबसवतिहुलासू ॥ भूपतिरामशपथजबकरई ॥ तबमांग हुजेहिवचननटरई ॥ होइअकाजआजुनिशवीते ॥ वचनमोरप्रियमानहुजी से ॥ *~*~*~*~* ॥ दोहा ॥ *~*~*~*~**

बहुकुघातकरिपातकिनि कहेसिकोपगृहजाहु ॥
काजसँवारेहुसजगसब सहसाजनिपतिआहु ॥

॥ चौपाई ॥

कुवरिहिरानिप्राणप्रियजानी ॥ बारबारवडिबुद्धिवखानी ॥ तोहिसमहितनमोहिसंसारा ॥ वहेजातकरभयिसिअधारा ॥ जौंबिधिपुरवमनोरथकाली ॥ करौंतोहिचषपूतरिआली ॥ बहुविधिचेरिहिआदरदेई ॥ कोपभवनगवनीकैकेई ॥ विपतिबीजवर्षाऋतुचेरी ॥ भुंइभइकुमतिकैकेयीकेरी ॥ पाइकपटजलअंकुरजामा ॥ वरदोउदलदुखफलपरिणामा ॥ कोपसमाजसाजसबसोई ॥ राजकरतनिजकुमतिविगोई ॥ राउरनगरकोलाहलहोई ॥ यहकुचालिकछुजाननकोई ॥ **** ॥ दोहा ॥ *****

प्रमुदितपुरनरनारिसब साजिसुमंगलचार ॥
एकप्रविशहिंएकनिकसहिं भीरभूपदरबार ॥

॥ चौपाई ॥

बालसखासुनिहियहरषाहीं ॥ मिलिदशपांचरामपहंजाहीं ॥ प्रभुआदरहिंप्रेमपहिचानी ॥ पूछहिंकुशलक्षेममृदुवानी ॥ फिरहिंभवनप्रभुआयसुपाई ॥ करतपरस्पररामबडाई ॥ कोरघुबीरसरिससंसारा ॥ शीलसनेहनिबाहनिहारा ॥ जेहिजेहियोनिकर्मबशभ्रमहीं ॥ तहंतहंईशदेहियहहमहीं ॥ सेवकहमस्वामीसियनाहू ॥ होउनातयहओरनिबाहू ॥ असअभिलाषनगरसबकाहू ॥ कैकयसुताहृदयअतिदाहू ॥ कोनकुसंगतिपाइनशाई ॥ रहैननीचमतेचतुराई ॥ **** ॥ दोहा ॥ *****

सांझसमयसानन्दनृप गयेकैकयीगेह ***॥
गवननिठुरतानिपटकिय जनुधरिदेहसनेह॥

॥ चौपाई ॥

कोपभवनसुनिसकुचेराऊ॥ भयवशअगुमनपरैनपाऊ॥ सुरपतिसभयबाहु
बलजाके॥ नरपतिरहहिंसकलरुषताके॥ सोसुनितियरिसिगयेसुखाई॥
देखहुकामप्रतापबड़ाई॥ शूलकुलिशअसिअंगवनिहारे॥ तेरतिनाथसुमन
शरमारे॥ सभयनरेशप्रियापहंगयऊ॥ देखिदशादुखदारुणभयऊ॥ भूमि
शयनपटमोटपुराणा॥ दियेडारितनुभूषणनाना॥ कुमतिहिकसकुरूपताफा
वी॥ अनअहिवातसोचुजनुभावी॥ जाइनिकटनृपकहमृदुबाणी॥ प्राणप्रिया
केहिहेतुरिसानी॥ ** ** ॥ छंद॥ ** * * * **

केहिहेतुरानिरिसानिपरसतपाणिपतिहिनिवारई॥ * ॥ मानहुंस
रोषभुअंगभामिनिविषमभांतिनिहारई॥ * ॥ दुइबासनारसना
दशनबरमर्मठाहरदेखई॥ * ॥ तुलशीनृपतिभवतव्यताबश
कामकौतुकलेखई॥ * * ॥ सोरठा॥ * * * *

बारबारकहराउ सुमुखिसुलोचनिपिकबचनि॥
कारणमोहिसुनाउ गजगामिनिनिजकोपकर॥

॥ चौपाई ॥

अनहिततोरप्रियाकेइकीन्हा॥ केहिदुइशिरकेहियमचहलीन्हा॥ कहुकेहि
रंकहिंकरौंनरेशू॥ कहुकेहिनृपहिनिकारौंदेशू॥ शकौंतोरअरिअमरहुंमा
री॥ कहाकीटबपुरेनरनारी॥ जानसिमोरसुभावबरोरू॥ तवमुखममदृगच

न्हचकोरू ॥ प्रियाप्राणसुतसर्बसमोरे ॥ परिजनप्रजासकलबशतोरे ॥ जौंक
छुकहौंकपटकरितोही ॥ भामिनिरामशपथशतमोही ॥ बिहंसिमांगुमनभावतबा
ता ॥ भूषणसाजुमनोहरगाता ॥ घरीकुघरीसमुझिजियदेखू ॥ बेगिप्रियापरि
हरुकुबेखू ॥ * ॥ दोहा ॥ *

यहसुनिमनगुणिशपथबडि बिहंसिउठीमतिमंद ॥
भूषणसजतिबिलोकिमृग मनहुँकिरातिनिफंद * ॥

॥ चौपाई ॥

पुनिकहराउसुहृदजियजानी ॥ प्रेमपुलकिमृदुमंजुलबानी ॥ भामिनिभय
उतोरमनभावा ॥ घरघरनगरअनंदबधावा ॥ रामहिंदेउँकालियुवराजू ॥
सजहुसुलोचनिमंगलसाजू ॥ दलकिउठीसुनिबचनकठोरू ॥ जनुछुइगयउ
पाकबरतोरू ॥ ऐसीपीरबिहंसितेगोई ॥ चोरनारिजिमिप्रगटनरोई ॥ लख
पिनीमिनिपुननरनाहू ॥ नारिचरित्रजलनिधिअवगाहू ॥ कपटसनेहबढाइबहो
री ॥ बोलीबिहंसिनयनमुखमोरी ॥ * ॥ दोहा ॥ *

मांगुमांगुपैकहहुपिय कबहुंदेहुनलेहु ॥
देनकहेउबरदानदुइ सोउपावतसंदेहु ॥

॥ चौपाई ॥

जानेउंमर्मराउहंसिकहई ॥ तुमहिंकोहावपरमप्रियअहई ॥ थातीराखिनमा
गेउकाऊ ॥ बिसरिगयोमममोरसुभाऊ ॥ झूठहुंदोषहमहिंजनिदेहू ॥ दु
इकैचारिमांगिकिनलेहू ॥ रघुकुलरीतिसदाचलिआई ॥ प्राणजाइबरुबचन
नजाई ॥ नहिंअसत्यसमपातकपुंजा ॥ गिरिसमहोहिंकिकोटिकगुंजा ॥ सत्य

मूलसत्यसुकृतसुहाई ॥ बेदपुराणविदितमुनिगाई ॥ तेहिपररामसपथकरि आई ॥ सुकृतसनेहअवधिरघुराई ॥ बातदृढाइकुमतिहंसिबोली ॥ कुमतकि हंगकुलहजनुखोली ॥ *** ॥ दोहा ॥ ***

भूपमनोरथसुभगबन सुखसुबिहंगसमाज ॥

भिल्लिनजनुछाडनचहति बचनभयंकरबाज ॥

॥ चौपाई ॥

सुनहुप्राणपतिभावतजीका ॥ देहुएकबरभरतहिटीका ॥ दूसरबरमांगौं करजोरी ॥ नाथमनोरथपुरवहुमोरी ॥ तापसभेषबिशेषउदासी ॥ चौदहबर्षरामबनबासी ॥ सुनितियबचनभूपउरसोकू ॥ शशिकरछुवतबिकलजिमिकोकू ॥ गयेसहमिकछुकहिनहिंआवा ॥ जनुशचानबनझपटेउलावा ॥ बिबरणभयउनिपटमहिपालू ॥ दामिनिहनेउमनहुंतरुतालू ॥ माथेहाथमूंदिदोउलोचन ॥ तनुधरिसोचलागुजनुसोचन ॥ मोरमनोरथसुरतरुफूला ॥ फरतकरिणिजनुहतेउसमूला ॥ अवधउजारिकीन्हकैकेई ॥ दीन्हेसिअचलबिपतिकेनेई ॥ *** ॥ दोहा ॥ ***

कवनेअवसरकाभयउ गयउंनारिबिश्वास * ॥

योगसिद्धफलसमयजिमि यतिहिअविद्यानाश ॥

यहिबिधिराउमनहिमनदहई ॥ देखिकुभांतिकुमतिअसकहई ॥ भरतकिराउरपूतनहोहीं ॥ आनेहुमोलबेसाहिकिमोही ॥ जोसुनिशरसमलागुतुम्हारे ॥ काहेनबोलेहुबचनसंभारे ॥ देहुउतरअसकहहुकिनाही ॥ सत्यसिंधुतुमरघुकुलमांही ॥ देनकहेहुबरअबजनिदेहू ॥ तजहुसत्यजगअपयशलेहू ॥ सत्य

सराहिकहेउवरदेना॥ जानेऊलेइहिमांगिचवेना॥ शिविदधीचिबलिजोकछु भाषा॥ तनुधनतजेउबचनपनराषा॥ अतिकटुबचनकहतिकैकेई॥ मानऊंलौ नजरेपरदेई॥ ✻ ✻ ✻ ॥ दोहा॥ ✻✻ ✻ ✻ ✻ ✻✻

धर्मधुरंधरधीरधरि नयनउघारेराउ ✻✻✻ ॥
शिरधुनिलीन्हउसांसअस मारेसिमोहिकुठाउ ॥

॥ चौपाई ॥

आगेदेखिवरतिरिसिभारी॥ मनऊंरोषतरूआरिउघारी॥ मूठकुबुद्धिधारनि ठुराई॥ धरिकुवरीजनुशानवनाई॥ लषेउमहीपकरालकठोरा॥ सत्यकिजी वनलेइहिमोरा॥ बोलेराउकठिनकरिछाती॥ बाणीविनयननाहिसोहाती॥ मो रेभरतरामदोउआंखी॥ सत्यकहौंकरिशंकरसाखी॥ प्रियावचनकसकहसिकु भांती॥ रीतिप्रतीतिप्रीतिकरिघाती॥ अवशिदूतमैपठउवप्राता॥ ऐहैंवेगिसु नतदोउभ्राता॥ सुदिनसाधिसबसाजसजाई॥ देहौंभरतहिराजबजाई॥ ✻ ✻ ✻ ✻ ✻ ✻ ॥दोहा ॥ ✻ ✻ ✻ ✻✻

लोभनरामहिंराजकर बहुतभरतपरप्रीति॥
मैबड़छोटबिचारकरि करतरहेउंनृपनीति॥

॥ चौपाई ॥

रामशपथशतकहौंसुभाऊ॥ राममातुमोहिकहानकाऊ॥ मैसबकीन्हतोहिबि नुपूछे॥ तातेपरेउमनोरथछूछे॥ रिसिपरिहरुअवमंगलसाजू॥ कछुदिन गयेभरतयुवराजू॥ एकहिबातमोहिदुखलागा॥ बरदूसरअसमंजसमांगा॥ अजहूंहृदयदहततेहिआंचा॥ रिसिपरिहासकिसांचऊंसांचा॥ कहुतजिरो

यहतुम्हअपराधू॥ सबकोकहहुरामसुठिसाधू॥ तुम्हहूंसराहहुकरहुसनेहू॥ अबसुनिमोहिपरमसंदेहू॥ जासुसुभावअरिहिअनुकूला॥ सोकिमिकरहिंमातुप्रतिकूला॥ ***** ॥ दोहा॥ ******

प्रियाहासरिसपरिहरहु मांगुविचारिविवेक॥
जेहिदेखौंअवनयनभरि भरतराजअभिषेक॥

॥ चौपाई॥

जियैमीनवरवारिविहीना॥ मणिविनुफणिकजियैदुखदीना॥ कहौंसुभावनछलमनमाहीं॥ जीवनमोररामबिनुनाहीं॥ चितैदेखुतैंप्रियाप्रवीना॥ जीवनरामदरशआधीना॥ सुनिमृदुवचनकुमतिअतिजरई॥ मनहुँअनलआहुतिघृतपरई॥ कहहुकरहुकिनकोटिउपाया॥ इहांनलागिहिराउरमाया॥ देहुकिलेहुअयशकरिनाहीं॥ मोहिनबहुतप्रपंचसोहाहीं॥ रामसाधुतुमसाधुसुजाना॥ राममातुभलितुमपहिचाना॥ जसकौशिल्यामोरभलताका॥ तसफलदेउँउन्हैकरिशाका॥ **** ॥ दोहा॥ ******

होतप्रातमुनिभेषधरि जौंनरामबनजाहिं*॥
मोरमरणराउरअयश नृपसमुझहुमनमांहि॥

॥ चौपाई॥

असकहिकुटिलभईउठिठाढी॥ मानहुंरोषतरंगिनिबाढी॥ पापपहारप्रगटभइसोई॥ भरीक्रोधजलजाइनजोई॥ दोउवरकूलकठिनहठधारा॥ भंवरकूबरीवचनप्रचारा॥ ढाहतभूपरूपतरुमूला॥ चलीविपतिवारिधिअनुकूला॥ लखीनरेशबातसबसांची॥ तियमिसुमीचुसीसपरनाची॥ गहिपदविनयकीन्ह

बैठारी ॥ जनिदिनकरकुलहोसिकुठारी ॥ मांगुमाथअबहींदेउंतोही ॥ रामबि
रहजनिमारसिमोही ॥ राखुरामकहंजेहितेहिभांती ॥ नाहिनजरिहिजन्मभ
रिछाती ॥ ॥ दोहा ॥

देखिब्याधिअसाध्यनृप परेउधरणिधुनिमाथ ॥
कहतपरमआरतबचन रामरामरघुनाथ ॥

॥ चौपाई ॥

व्याकुलराउशिथिलसबगाता ॥ करिणिकलपतरुमनहुनिपाता ॥ कंठसूखमुख
आवनबानी ॥ जिमिपाठीनदीनबिनुपानी ॥ पुनिकहकटुकठोरकैकेई ॥ मर्मपाछि
जनुमाहुरदेई ॥ जौंअंतहुअसकरतबरहेऊ ॥ मांगुमांगुकेहिकेबलकहेऊ ॥
दुइकिहोइएकसमयभुआलू ॥ हंसबठठाइफुलाइबगालू ॥ दानिकहाउबअ
रुकृपणाई ॥ चाहियक्षेमकुशलरौताई ॥ छाडहुबचनकिधीरजधरहू ॥ जनि
अबलाइबकरुणाकरहू ॥ तनतियतनयधामधनधरणी ॥ सत्यसिंधुकहंतृणसम
बरणी ॥ ॥ दोहा ॥

मर्मबचनसुनिराउकह कछुकदोषनहितोर ॥
लागेउमोहिपिशाचजनु कालकहावतमोर ॥

॥ चौपाई ॥

चहतनभरतभूपतहिभोरे ॥ बिधिवशकुमतिबसीउरतोरे ॥ सोसबमोरपापपरि
नामू ॥ कछुनबशाइभयोबिधिबामू ॥ सुबसबसिहिफिरिअवधसुहाई ॥ सबगु
णधामरामप्रभुताई ॥ करिहैंभाइसकलसेवकाई ॥ होइहैतिहुपुररामबडाई
॥ तोरकलंकमोरपछिताऊ ॥ मुयेहुमेटिनजाइहिकाऊ ॥ अबतोहिनीकला

गुकरहसोई ॥ लोचनवोटबैठुमुखगोई ॥ जौंलौजियैंकहैंकरजोरी ॥ तौलौंज निकछुकहसिवहोरी ॥ फिरिपछितैहसिअंतअभागी ॥ मारेसिगायनाहरूला गी ॥ ***** ॥ दोहा ॥ ******

परेउराउकहिकोटिबिधि काहेकरसिनिदान ॥
कपटसयानिनकहतिकछु जागतिमनहुंमसान ॥

॥ चौपाई ॥

रामरामरटिबिकलभुआलू ॥ जनुबिनुपंखबिहंगबिहालू ॥ हृदयमनावभोरजनि होई ॥ रामहिंजाइकहैजनिकोई ॥ उदयकरहुजनिरबिकुलगूरा ॥ अवध बिलोकिसूलहोइउरा ॥ भूपप्रीतिकैकेयिनिठुराई ॥ उभयअवधिबिधिरचीब नाई ॥ बिलपतनृपहिभयउभिनुसारा ॥ बीणावेनुसंखधुनिद्वारा ॥ पढहिंभा टगुणगावहिंगायक ॥ सुनतनृपहिवागहिंजनुसायक ॥ मंगलसकलसोहाइ नकैसें सहगामिनीहिभूषणजैसें ॥ तेहिंनिसिनींदपरीनहिकाहू ॥ रामदरश लालसाउछाहू ॥ **** ॥ दोहा ॥ ******

द्वारभीरसेवकसचिव कहहिंउदयरबिदेखि ॥
जागेअजहुंनजगतपति कारणकवनबिशेषि ॥

॥ चौपाई ॥

पछिलेपहरभूपनितजागा ॥ आजुहमहिबडअचरजलागा ॥ जाहुसुमंतजगा वहुजाई ॥ कीजियकाजरजायसुपाई ॥ गेसुमंतनृपराउरमांही ॥ देखिभया नकजातडेराहीं ॥ धाइखाइजनुजाइनहेरा ॥ मानहुंबिपतिबिषादबसेरा ॥ पु छतकोउनउतरदेई ॥ गेजेहिभवनभूपकैकेई ॥ कहिजयजीवबैठुशिरनाई

॥ देखिभूपगतिगयउसुखाई ॥ सोचविकलविवरनमहिपरेऊ ॥ मानहुंकमलमूलपरिहरेऊ ॥ सचिवसभीतसकैनहिंपूछी ॥ बोलीअसुभभरीसुभछूछी ॥

॥ दोहा ॥

परीनराजहिनींदनिसि हेतुजानुजगदीस ॥
रामरामरटिभोरकिय कहैनमरमुमहीस ॥

॥ चौपाई ॥

आनहुरामहिंबेगिबुलाई ॥ समाचारतबपूछहुआई ॥ चल्योसुमंतरायरुखजानी ॥ लखीकुचालकीन्हकछुरानी ॥ सोचविकलमगपरैनपाऊ ॥ रामहिंबोलिकहहिंकाराऊ ॥ उरधरिधीरजगयउदुआरे ॥ पूछहिंसकलदेखिमनमारे ॥ समाधानमनकरिसवहीका ॥ गयउजहांदिनकरकुलटीका ॥ रामसुमंतहिंआवतदेखा ॥ आदरकीन्हपितासमलेखा ॥ निरखिवदनकहिभूपरजाई ॥ रघुकुलदीपहिचलेलवाई ॥ रामकुभांतिसचिवसंगजाहीं ॥ देखिलोगजहंतहंविलखाहीं ॥

॥ दोहा ॥

जाइदीखरघुवंसमनि नरपतिनिपटकुसाज ॥
सहमिपरेउलखिसिंहिनिहिं मनहुवृद्धगजराज ॥

॥ चौपाई ॥

सूखेअधरजरैसभअंगा ॥ मनहुदीनमणिहीनभुअंगा ॥ सरुषसमीपदेखिकैकेई ॥ मानहुंमृत्युघरीगणिदेई ॥ करुणामयरघुनाथसुभाऊ ॥ प्रथमदीखदुखसुनानकाऊ ॥ तदपिधीरधरिसमयविचारी ॥ पूछीमधुरवचनमहतारी ॥ मोहिकहुमातुतातदुखकारण ॥ करियजतनजेहिहोइनिवारण ॥ सुनहुरा

सबकारनएहू॥ राजहितुमपरसहजसनेहू॥ देनकहेउमोहिंदुइबरदाना॥ मांगेउंजोकछुमोहिसोहाना॥ सोसुनिभयेउभूपउरसोचू॥ छाड़िनसकहिंतुम्हारसकोचू॥ ** ~ * ॥ दोहा॥ ** ~ * ~ * ~ * ~ *

सुतसनेहइतबचनउत संकटपरेउनरेश * ॥

सकहुतोआयसुसीसधरि मेटहुकठिनकलेस॥

॥ चौपाई ॥

निधरकबैठिकहइकटुबानी॥ सुनतकठिनताअतिअकुलानी॥ जीभकमानबचनसरनाना॥ मनहुंभूपमृदुलच्छसमाना॥ जनुकठोरपनधरेंशरीरू॥ सीखधनुषबिद्यावरबीरू॥ सबप्रसंगरघुपतिहिसुनाई॥ बैठीजनुतनुधरिनिठुराई॥ मनमुसुकाहिंभानुकुलभानू॥ रामसहजआनंदनिधानू॥ बोलेबचनबिगतसबदूषन॥ मृदुमंजुलजनुबागबिभूषण॥ सुनुजननीसोइसुतबड़भागी॥ जोपितुमातुबचनअनुरागी॥ तनयमातुपितुपोषनिहारा॥ दुर्लभजननीयहसंसारा॥

* ~ * ~ * ~ * ~ ** ॥ दोहा ॥ ~ * ~ * ~ * ~ ~ *

मुनिगणमिलनबिशेषबन सबहिंभांतिभलमोर॥

तेहिमंहपितुआयसुबहुरि संमतजननीतोर॥

॥ चौपाई ॥

भरतप्रानप्रियपावहिंराजू॥ बिधिसबबिधिमोहिसनमुखआजू॥ जौंनजाउंबन ऐसेहुकाजा॥ प्रथमगनियमोहिमूढ़समाजा॥ सेवहिंअरंडकल्पतरुत्यागी॥ परिहरिअमियलेहिंबिषमांगी॥ तेउनपाइअससमयचुकाहीं॥ देखुबिचारिमातुमनमाहीं॥ अंबएकदुखमोहिबिशेषी॥ निपटबिकलनरनायकदेखी॥ थो

थोरिहि बात पितहि दुख भारी ॥ होति प्रतीति न मोहि महतारी ॥ राउ धीर गुन उदधि अगाधू ॥ भा मोहि तें कछु बड़ अपराधू ॥ जातें मोहि न कहत कछु राऊ ॥ मोरि सपथ तोहि कहु सतिभाऊ ॥ ** ॥ दोहा ॥ *****

सहज सरल रघुबर बचन कुमति कुटिल करि जान ॥
चलै जोंक जिमि बक्र गति जद्यपि सलिल समान * ॥

॥ चौपाई ॥

रहसी रानि राम रुख पाई ॥ बोली कपट सनेह जनाई ॥ सपथ तुम्हार भरत कै आना ॥ हेतु न दूसर मैं कछु जाना ॥ तुम अपराध योग नहि ताता ॥ जननी जनक बंधु सुखदाता ॥ राम सत्य तुम जो कछु कहहू ॥ तुम पितु मातु बचन रत अहहू ॥ पितहि बुझाइ कहौ बलि सोई ॥ चौथेपन जेहि अजस न होई ॥ तुम सम सुवन सुकृत जेहि दीन्हे ॥ उचित न तासु निरादर कीन्हे ॥ लागहि कुमुख बचन सुभ कैसे ॥ मगह गयादिक तीरथ जैसे ॥ रामहि मातु बचन सब भाये ॥ जिमि सुरसरि गति सलिल सुहाये ॥ ** ॥ दोहा ॥ *****

गै मुर्छा रामहि सुमिरि नृप फिरि करवट लीन्ह ॥
सचिव राम आगमन कहि बिनय समय सम कीन्ह ॥

॥ चौपाई ॥

अवनिप अकनि राम पगु धारे ॥ धरि धीरज तब नयन उघारे ॥ सचिव संभारि राउ बैठारे ॥ चरन परत नृप राम निहारे ॥ लिये सनेह बिकल उर लाई ॥ गै मणि फनिक बहुरि जिमि पाई ॥ रामहि चितै रहे नरनाहू ॥ चला बिलोचन बारि प्रबाहू ॥ सोक बिबस कछु कहै न पारा ॥ हृदय लगावत बारहि बारा ॥ बिधिहि मना

[illegible]मनमाही॥ जेहिरघुनाथनकाननजाहीं॥ सुमिरिमहेशहिकहहिंनिहोरी॥ बिनतीसुनहुसदाशिवमोरी॥ आशुतोषतुमअवढरदानी॥ आरतहरहुदीनजनजानी॥ *——*——*॥ दोहा॥ *——*——*——*——**

तुमप्रेरकसबकेहृदय सोमतिरामहिदेउ **॥
बचनमोरतजिरहहिंघर परिहरिशीलसनेउ॥

॥ चौपाई॥

अयशहोउजगसुयशनशाऊ॥ नरकपरौंबरुसुरपुरजाऊ॥ सबदुखदुसहसहावहुमोही॥ लोचनओटरामजनिहोंहीं॥ असमनगुनतराउनहिंबोला॥ पीपरपातसरिसमनडोला॥ रघुपतिपितहिप्रेमबशजानी॥ पुनिकछुकहिहैमातुअनुमानी॥ देशकालअवसरअनुसारी॥ बोलेबचनबिनीतबिचारी॥ तातकहौंकछुकरौंढिठाई॥ अनुचितछमबजानिलरिकाई॥ अतिलघुबातलागिदुखपावा॥ काहुनकहिमोहिप्रथमजनावा॥ देखिगोसांइहिंपूछेउमाता॥ सुनिप्रसंगभेशीतलगाता॥ *——*——*॥ दोहा॥ *——*——*——*——*

मंगलसमयसनेहबश सोचपरिहरियतात॥
आयसुदेइहरषिहिय कहिपुलकेप्रभुगात॥

॥ चौपाई॥

धन्यजन्मजगतीतलतासू॥ पितहिप्रमोदचरितसुनिजासू॥ चारिपदारथकरतलताके॥ प्रियपितुमातुप्राणसमजाके॥ आयसुपालिजन्मफलपाई॥ ऐहौंबेगहिहोउरजाई॥ बिदामातुसनआवौंमांगी॥ चलिहौंबनहिबहुरिपगलागी॥ असकहिरामगवननतबकीन्हा॥ भूपशोकबशउतरनदीन्हा॥ न

गरब्यापिगईबातसतीछी ॥ छुअतचढीजनुसबतनुबीछी ॥ सुनिभैबिकलसकलनरनारी ॥ बेलिबिटपजनुलागुदवारी ॥ जोजहंसुनैधुनैशिरसोई ॥ बडबिषादनहिधीरजहोई ॥ *—* ॥ दोहा ॥ *—*—*—*—*

मुखसूखहिंलोचनस्रवहिं शोकनहृदयसमाइ ॥

मानहुंकरुणाकेकटक उतराअवधबजाइ * ॥

॥ चौपाई ॥

भलिबनाइबिधिबातबिगारी ॥ जहंतहंदेहिंकैकयिहिगारी ॥ यहिपापिनिहिबूझिकापरेऊ ॥ छायभवनपरपावकधरेऊ ॥ निजकरनयनकाढिचहदीषा ॥ डारिसुधाबिषचाहतचीषा ॥ कुटिलकठोरकुबुद्धिअभागी ॥ भइरघुबंशबेणुबनआगी ॥ पल्लवबैठिपेडइनकाटा ॥ सुखमहंशोकठाटघनठाटा ॥ सदारामयहिप्राणसमाना ॥ कारणकवनकुटिलपनठाना ॥ सत्यकहहिंकबिनारिसुभाऊ ॥ सबबिधिअगमअगाधदुराऊ ॥ निजप्रतिबिंबमुकुरगहिजाई ॥ जानिनजाइनारिगतिभाई ॥ *—*—* ॥ दोहा ॥ *—*—*—*—**

कानहिपावकजारिसकै कानसमुद्रसमाइ ॥

कानकरैअबलाप्रबल केहिजगकालनखाइ ॥

॥ चौपाई ॥

कासुनाइबिधिकाहसुनावा ॥ कादेखाइचहकाहदेखावा ॥ एककहैंभलभूपनकीन्हा ॥ बरबिचारिनहिकुमतिहिदीन्हा ॥ जोहठिभयउसकलदुखभाजनु ॥ अबलाबिबशज्ञानगुणगाजनु ॥ एकधर्मपरमितिपहिचाने ॥ नृपहिदोषनहिदेहिंसयाने ॥ शिवदधीचिहरिचंदकहानी ॥ एकएकसनकहहिंबखानी ॥

एकभरतकरसम्मतकहहीं॥ एकउदासभावसुनिरहहीं॥ कानमूंदिकररद
गहिजीहा॥ एककहहिंयहबातअलीहा॥ सुकृतजाइअसकहततुम्हारे॥ भ
रतरामकहंप्राणपिआरे॥ ॥दोहा॥

चंद्रश्रवैबरुअनलकण सुधाहोइविषतूल॥
सपनेहुंकबहिंनकरहिंकछु भरतरामप्रतिकूल॥

॥चौपाई॥

एकविधातहिदूषणदेहीं॥ सुधादेखाइदीन्हविषजेहीं॥ खरभरनगरसोच
सबकाहू॥ दुसहदाहउरमिटाउछाहू॥ विप्रवधूकुलमानजेठेरी॥ जेप्रिय
परमकेकयीकेरी॥ लगींदेनशिखशीलसराही॥ बचनवाणसमलागहिंताही॥
भरतनप्रियमोहिरामसमाना॥ सदाकहहुयहसबजगजाना॥ करहुरामपर
सहजसनेहू॥ केहिअपराधआजुबनदेहू॥ कबहुंनकीन्हसवतिअवरेहू॥
प्रीतिप्रतीतिजानसबदेहू॥ कौसल्याअबकाहबिगारा॥ तुमजेहिलागिबज्रपु
रपारा॥ ॥दोहा॥

सीयकिपियसंगपरिहरिहि लषणकिरहिहहिंधाम॥
भरतकिभूजबराजपुर न्रपकिजियहिंविनुराम॥

॥चौपाई॥

असविचारिजियछाडहुकोहू॥ शोककलंककोठजनिहोहू॥ भरतहिअवशिदे
हुयुवराजू॥ काननकवनरामकरकाजू॥ नाहिनरामराजकरभूखे॥ धर्मधुरीण
विषयरसरूखे॥ गुरुगृहबसहिंरामतजिगेहू॥ न्रपसनअसबरदूसरलेहू॥
अससरिससुतकाननयोगू॥ कहाकहहिंसुनितुमकहंलोगू॥ जौंनमानिहौक

हेहमारे ॥ नहिंलागिहिकछुहाथतुम्हारे ॥ जौंपरिहासकीन्हकछुहोई ॥ तौ कहिप्रगटजनावहुसोई ॥ उठहुबेगिसोइकरहुउपाई ॥ जेहिबिधिशोक कलंकनशाई ॥ *—*—* ॥ छंद ॥ *—*—*—*—*—*

जेहिभांतिशोककलंकजाइउपाइकरिकुलपालहू ॥ * ॥ हठिफे रुरामहिजातबनजनिबातदूसरचालहू ॥ * ॥ जिमिभानुबिनुदिन प्राणबिनुतनचंदबिनुजिमियामिनी ॥ * ॥ तिमिअवधतुलसीदास प्रभुबिनुसमुझिधौंमनभामिनी ॥ *—* ॥ सोरठा ॥ *—**

सखिन्हशिखावनदीन्ह सुनतमधुरपरिणामहित ॥
तेइंकछुकाननकीन्ह कुटिलप्रबोधीकूबरी *** ॥

॥ चौपाई ॥

उतरुनदेइदुसहरुजरूखी ॥ मृगिन्हचितवजनुबाघिनिभूखी ॥ व्याधिअसाधि जानितिन्हत्यागी ॥ चलीकहतिमतिमन्दअभागी ॥ राजकरतयहदैवबिगोई ॥ कीन्हेसिअसजसकरैनकोई ॥ यहिबिधिबिलपहिंपुरनरनारी ॥ देहिंकुचालिहि कोटिकगारी ॥ जरहिंबिषमज्वरलेहिंउसासा ॥ कवनरामबिनुजीवनआशा ॥ बि कलबियोगप्रजाअकुलानी ॥ जिमिजलचरगणसूखतपानी ॥ अतिबिषादवश लोगलोगाई ॥ गयेमातुपहंरामगोसांई ॥ मुखप्रसन्नचितचौगुणचाऊ ॥ इहै सोचजनिराखहिंराऊ ॥ *—* ॥ दोहा ॥ *—*—*—*—***

नवगयंदरघुबंशमणि राजअलानसमान * ॥
छूटजानबनगवनसुनि उरआनंदअधिकान ॥

॥ चौपाई ॥

रघुकुलतिलकजोरिदोउहाथा॥ मुदितमातुपदनायउमाथा॥ दीन्हअशीस लाइउरलीन्हे॥ भूषणबसननिछावरकीन्हे॥ बारबारमुखचुम्बतिमाता॥ नयननेहजलपुलकितगाता॥ गोदराखिपुनिहृदयलगाई॥ अवतप्रेमरसपयदसोहाई॥ प्रेमप्रमोदनकछुकहिजाई॥ रंकधनदपदवीजनुपाई॥ सादरसुन्दरबदननिहारी॥ बोलीमधुरबचनमहतारी॥ कहहुतातजननीबलिहारी॥ कबहिंलगनमुदमंगलकारी॥ सुकृतशीलसुखसींवसोहाई॥ जन्मलाभलहिअवधअघाई॥

॥ दोहा ॥

जेहिचाहतनरनारिसब अतिआरतयहिभांति॥
जिमिचातकचातकितृषित बृष्टिशरदऋतुस्वाति॥

॥ चौपाई ॥

तातजाउंबलिबेगिअन्हाहू॥ जोमनभावमधुरकछुखाहू॥ पितुसमीपतबजायेहु भैआ॥ भइबड़िबारजाइबलिमैआ॥ मातुबचनसुनिअतिअनुकूला॥ जनुसनेहसुरतरुकैफूला॥ सुखमकरन्दभरेश्रीमूला॥ निरखिराममनभंवरनभूला॥ धर्मधुरीणधर्मगतिजानी॥ कहेउमातुसनअतिमृदुबानी॥ पितादीन्हमोहिकाननराजू॥ जहंसबभांतिमोरबडकाजू॥ आयसुदेहुमुदितमनमाता॥ जेहिमुदमंगलकाननजाता॥ जनिसनेहबशडरपसिभोरे॥ आनंदमातुअनुग्रहतोरे॥

॥ दोहा ॥

वर्षचारिदशविपिनबसि करिपितुबचनप्रमाण॥
आयपायपुनिदेखिहौं मनजनिकरसिमलान*॥

॥ चौपाई ॥

बचनबिनीतमधुररघुबरके ॥ शरसमलागुमातुउरकरके ॥ सहमिसुखीसुनि
शीतलबाणी ॥ जिमियवासपरपावसपानी ॥ कहिनजाइ कछुहृदयबिषादू ॥
जनुसहमेकरिकेहरिनादू ॥ नयनसलिलतनथरहरकांपी ॥ मांजामनहुंमीन
कहुंव्यापी ॥ धरिधीरजसुतवदनमिहारी ॥ गद्गदबचनकहतिमहतारी ॥ तात
पितहिनुमप्राणपिआरे ॥ देखिमुदितनितचरितनुम्हारे ॥ राजदेनकहंशुभ
दिनसाधा ॥ कहेउजानवनकेहिअपराधा ॥ तातसुनावहुमोहिनिदानू ॥ केइ
दिनकरकुलभयउकृशानू ॥ ॥ दोहा ॥

निरखिरामरुखसचिवसुत कारणकहेउबुझाइ ॥
सुनिप्रसंगरहिमूकगति दशावरनिनहिजाइ ॥

॥ चौपाई ॥

राखिनशककहिंनकहिसकजाहू ॥ दुहूभांतिउरदारुणदाहू ॥ लिखतसुधाक
रलिखिगाराहू ॥ विधिगतिवामसदासबकाहू ॥ धर्मसनेहउभयमतिघेरी ॥ भइ
गतिसांपछुछुंदरिकेरी ॥ राखौंसुतहिकरौंअनरोधू ॥ धर्मजाइअरुबंधुबिरोधू ॥
कहौंजानवनतौबडिहानी ॥ संकटसोचविकलभइरानी ॥ बहुरिसमुझितियध
र्मसुयानी ॥ रामभरतदोउसुतसमजानी ॥ सरलसुभावराममहतारी ॥ बोली
बचनधीरधरिभारी ॥ तातजाउंबलिकीन्हेउनीका ॥ पितुआयसुसबधर्मकटी
का ॥ ॥ दोहा ॥

राजदेनकहंदीन्हबन मोहिनसोचदुखलेश ॥
तुमबिनुभरतहिभूपतिहि प्रजहिप्रचंडकलेस ॥

॥ चौपाई ॥

जौंकेवलपितुआयसुताता ॥ तौजनिजाहुजाइबड़िमाता ॥ जौंपितुमातुकहेउब नजाना ॥ तौकाननसतअवधसमाना ॥ पितुबनदेवमातुबनदेवी ॥ खगमृगच रनसरोरुहसेवी ॥ अंतहुंउचितनृपहिबनबासू ॥ बयबिलोकिहियहोतहरा सू ॥ बड़भागीबनअवधअभागी ॥ जोंरघुबंसतिलकतुमत्यागी ॥ जौंसुतकहौंसं गमोहिलेहू ॥ तुम्हरेहृदयहोइसंदेहू ॥ पूतपरमप्रियतुमसबहीके ॥ प्रानप्रा नकेजीवनजीके ॥ तेतुमकहहुमातुबनजाऊं ॥ मैंसुनिबचनबैठिपछताऊं ॥

॥ दोहा ॥

यहबिचारिनहिंकरउंहठ झूठसनेहबढ़ाइ ॥
मानिमातुकेनातबलि सुरतिबिसरिजनिजाइ ॥

॥ चौपाई ॥

देवपितरसबतुमहिगोसांई ॥ राखेउपलकनयनकीनांई ॥ अवधिअंबुप्रियप रिजनमीना ॥ तुमकरुनाकरधरमधुरीना ॥ असबिचारिसोइकरहुउपाई ॥ स बहिजिअतजेहिभेंटहुआई ॥ जाहुसुखेनबनहिंबलिजाऊं ॥ करिअनाथज नपरिजनगाऊं ॥ सबकरआजुसुकृतफलबीते ॥ भयेकरालकालबिपरीते ॥ बहुबिधिबिलपिचरनलपटानी ॥ परमअभागिनिआपुहिजानी ॥ दारुनदु सहदाहुउरब्यापा ॥ बरनिनजाइबिलापकलापा ॥ रामउठाइमातुउरलावा ॥ कहिमृदुबचनबहुरिसमुझावा ॥

॥ दोहा ॥

समाचारतेहिसमयसुनि सीयउठीअकुलाइ ॥
जाइसासुपगकमलयुग बंदिबैठिसिरनाइ ॥

॥ चौपाई ॥

दीन्हअशीससासुमृदुबाणी॥ अतिसुकुमारिदेखिअकुलानी॥ बैठिनमितमुख सोचतिसीता॥ रूपराशिपतिप्रेमपुनीता॥ चलनचहतबनजीवननाथा॥ केहि सुकृतसनहोइहिसाथा॥ कीतनुप्राणकिकेवलप्राणा॥ बिधिकरतबकछुजा तनजाना॥ चारुचरणनखलेखतिधरणी॥ नूपुरमुखरमधुरकबिबरणी॥ म नहुंप्रेमवशबिनतीकरहीं॥ हमहिंसीयपदजनिपरिहरहीं॥ मंजुबिलोच नमोचतिबारी॥ देखिबचनबोलीमहतारी॥ तातसुनहुसियअतिसुकुमारी॥ सा सुससुरपरिजनहिंपिआरी॥ *—*॥ दोहा॥ *—*—*—**

पिताजनकभूपालमणि ससुरभानुकुलभानु **॥
पतिरबिकुलकैरवबिपिन बिधुगुणरूपनिधानु॥

॥ चौपाई॥

मैंपुनिपुत्रबधूप्रियपाई॥ रूपराशिगुणशीलसुहाई॥ नयनपुतरिकरिप्रीतिबढा ई॥ राखेउंप्राणजानकिहिंलाई॥ कल्पबेलिजिमिबहुबिधिलाली॥ सींचिस नेहसलिलप्रतिपाली॥ फूलतफलतभयेबिधिबामा॥ जानिनजाइकाहपरिणामा ॥ पलंगपीठतजिगोदहिंडोरा॥ सियनदीनपगुअवनिकठोरा॥ जिवनमूरिजि मिजोगवतरहेऊं॥ दीपबातिनहिंटारनकहेऊं॥ सोसियचलनचहतिबन साथा॥ आयसुकाहहोइरघुनाथा॥ चन्द्रकिरणरसरसिकचकोरी॥ रबिरुख नयनशकैकिमिजोरी॥ *—*॥ दोहा॥ *—*—*—*—*

करिकेहरिनिशिचरचरहिं दुष्टजंतुबनभूरि॥
बिषबाटिकाकिसोहसुत सुभगसजीवनमूरि॥

॥ चौपाई॥

बमहितकोलकिरातकिशोरी॥ रचीबिरंचिबिषयसुखभोरी॥ पाहनकृमिजिमि कठिनसुभाऊ॥ तिनहिकलेसनकाननकाऊ॥ कैतापसतियकाननयोगू॥ जिनतपहेतुतजीसबभोगू॥ सियबनबसिहितातकेहिभांती॥ चित्रलिखितकपिदेखिडेराती॥ सुरसरसुभगबनजबनचारी॥ डाबरयोगकिहंसकुमारी॥ असबिचारिजसआयसुहोई॥ मैंशिखदेउंजानकिहिसोई॥ जौंसियभवनरहैकहंअंबा॥ मोकहंहोइप्राणअवलंबा॥ सुनिरघुबीरमातुप्रियबाणी॥ शीलसनेहसुधाजनुसानी॥ ॥ दोहा ॥

कहिप्रियबचनबिबेकमय कीन्हमातुपरितोष॥
लगेप्रबोधनजानकिहि प्रगटिबिपिनगुणदोष॥

॥ चौपाई ॥

मातुसमीपकहतसकुचाहीं॥ बोलेसमयसमुझिमनमाहीं॥ राजकुमारिशिखावनसुनहू॥ आनभांतिजियजनिकछुगुणहू॥ आपनमोरनीकजौंचहहू॥ बचनहमारमानिग्रहरहहू॥ आयसुमोरसासुसेवकाई॥ सबबिधिभामिनिभवनभलाई॥ यहितेअधिकधर्मनहिदूजा॥ सादरसासुससुरपदपूजा॥ जबजबमातुकरिहिसुधिमोरी॥ होइहिप्रेमबिबशमतिभोरी॥ तबतबतुमकहिकथापुराणी॥ सुंदरिसमुझायेउमृदुबाणी॥ जौंहठकरउप्रेमबशबामा॥ तौतुमदुखपाउबपरिणामा॥ काननकठिनभयंकरभारी॥ घोरघामहिमबारिबयारी॥ कुशकंटकमगुकंकरनाना॥ चलबपयादेहिबिनुपदत्राणा॥ चरणकमलमृदुमंजुतुम्हारे॥ मारगअगमभूमिधरभारे॥ कंदरखोहनदीनदनारे॥ अगमअगाधिनजाहिनिहारे॥ भालुबाघवृककेहरिनागा॥ करहिंनादसुनिधीरजभागा॥

॥ दोहा ॥

भूमिशयनवलकलवसन अशनकंदफलमूल *॥
तेकिसदासबदिनमिलहिं समयसमयअनुकूल ॥

॥ चौपाई ॥

नरअहाररजनीचरकरहीं ॥ कपटभेषविधिकोटिनधरहीं ॥ लागैअतिपहा रकैपानी ॥ विपिनविपतिनहिंजातबखानी ॥ व्यालकरालविहङ्गवनघोरा ॥ निश चरनिकरनारिनरचोरा ॥ डरपहिंधीरगहनसुधिआवे ॥ मृगलोचनितुमभीरुसु भाये ॥ हंसगवनितुमनहिंवनयोगू ॥ सुनिअपयशमोहिदेहहिंलोगू ॥ मान ससलिलसुधाप्रतिपाली ॥ जियइकिलवनपयोधिमराली ॥ नवरसालवनविह रणशीला ॥ सोहकिकोकिलविपिनकरीला ॥ रहहुभवनअसहृदयविचारी ॥ चन्द्रवदनिदुखकाननभारी ॥

॥ दोहा ॥

सहजसुहृदगुरुस्वामिशिख जोनकरैशिरमानि ॥
सोपछिताइअघाइउर अवशिहोइहितहानि *॥

॥ चौपाई ॥

सुनिमृदुवचनमनोहरपीके ॥ लोचनललितभरेजलसीके ॥ शीतलशिखदाह कभइकैसें ॥ चकइहिशरदचांदनीजैसें ॥ उत्तरनआवविकलवैदेही ॥ तजन चहतमोहिपरमसनेही ॥ बरबसरोकिविलोचनवारी ॥ धरिधीरजउरअ वनिकुमारी ॥ लागिसासुपदकहकरजोरी ॥ क्षमवदेविबड़अविनयमोरी ॥ दीन्हप्राणपतिमोहिशिखसोई ॥ जेहिविधिमोरपरमहितहोई ॥ मैंपुनिसमु झिदीखमनमाहीं ॥ पियवियोगसमदुखजगनाहीं ॥ ** ॥ दोहा ॥

प्राननाथकरुनायतन सुंदरसुखदसुजान ** ॥

तुमबिनुरघुकुलकुमुदबिधु सुरपुरनरकसमान ॥

॥ चौपाई ॥

मातुपिताभगिनीप्रियभाई ॥ प्रियपरिवारसुहृदसमुदाई ॥ सासुससुरगुरसुजनसहाई ॥ सुतसुंदरसुशीलसुखदाई ॥ जहंलगिनाथनेहअरुनाते ॥ पियबिनुतियहतरणिहुतेताते ॥ तनधनधामधरणिपुरराजू ॥ पतिबिहीनसबसोकसमाजू ॥ भोगरोगसमभूषणभारू ॥ यमयातनासरिससंसारू ॥ प्राणनाथतुमबिनुजगमाहीं ॥ मोकहंसुखदकतहुंकोउनाहीं ॥ जियबिनुदेहनदीबिनुबारी ॥ तैसहिंनाथपुरुषबिनुनारी ॥ नाथसकलसुखसाथतुम्हारे ॥ शरदबिमलबिधुबदननिहारे ॥ * * * * ॥ दोहा ॥ * * * * * *

खगमृगपरिजननगरबन बलकलबिमलदुकूल ॥

नाथसाथसुरसदनसम पर्णशालसुखमूल ** ॥

॥ चौपाई ॥

बनदेवीबनदेवउदारा ॥ करिहैंसासुससुरसमसारा ॥ कुशकिसलयसाथरीसुहाई ॥ प्रभुसंगमंजुमनोजतुराई ॥ कंदमूलफलअमियअहारू ॥ अवधसौधशतसरिसपहारू ॥ छिनुछिनुप्रभुपदकमलबिलोकी ॥ रहिहौंमुदितदिवसजिमिकोकी ॥ बनदुखनाथकहेबहुतेरे ॥ भयबिषादपरितापघनेरे ॥ प्रभुबियोगलवलेशसमाना ॥ सबमिलिहोहिंनकृपानिधाना ॥ असजियजानिसुजानशिरोमनि ॥ लेइयसंगमोहिछाडियजनि ॥ बिनतीबहुतकरौंकास्वामी ॥ करुणामयउरअंतरजामी ॥ * * * ॥ दोहा ॥ * * * * * *

राखियअवधजौंअवधिलगि रहतनजानियप्रान॥
दीनबंधुसुंदरसुखद सीलसनेहनिधान॥

॥ चौपाई ॥

मोहिमगचलतनहोइहिहारी॥ छिनुछिनुचरनसरोजनिहारी॥ सबहिभांति पियसेवाकरिहौं॥ मारगजनितसकलश्रमहरिहौं॥ पांवपखारिबैठितरुछांहीं॥ करिहौंबावमुदितमनमांहीं॥ श्रमकणसहितस्यामतनुदेखे॥ कहांदुखसमयप्राणपतिपेखे॥ सममहितृणतरुपल्लवडासी॥ पायपलोटिहिसबनिशिदासी॥ बारबारमृदुमूरतिजोही॥ लागिहितापबयारनमोही॥ कोप्रभुसंगमोहिचितवनिहारा॥ सिंहबधुहिजिमिशशकशिआरा॥ मैंसुकुमारिनाथबनयोगू॥ तुमहिंउचिततपमोकहंभोगू॥ ॥ दोहा॥

ऐसेउबचनकठोरसुनि जौंनहृदयबिलगान॥
तौप्रभुबिषमबियोगदुख सहिहैंपांमरप्रान॥

॥ चौपाई ॥

असकहिसीयबिकलभइभारी॥ बचननबियोगनसकीसंभारी॥ देखिदशारघुपति जियजाना॥ हठिराखेनहिंराखिहिप्राना॥ कहेउकृपालुभानुकुलनाथा॥ परिहरिसोचचलहुबनसाथा॥ नहिंबिषादकरअवसरआजू॥ बेगिकरहुबनगवनसमाजू॥ कहिप्रियबचनप्रियहिसमुझाई॥ लगेमातुपदआशिषपाई॥ बेगिप्रजादुखमेटबआई॥ जननीनिठुरबिसरिजनिजाई॥ फिरिहिंदशाबिधिबहुरिकिमोरी॥ देखिहौंनयनमनोहरजोरी॥ सुदिनसुघरीतातकबहोई॥ जननीजियतबदनबिधुजोई॥ ॥ दोहा॥

॥करिपकरणहियाँआकाहि रघुपतिरघुबरमात ॥
कबहिंबधाइलाइउर हरषिनिरखिहौंगात ॥

॥ चौपाई ॥

सचिसनेहकातरिमहतारी॥ बचननआवबिकलभइभारी॥ रामप्रबोधकीन्हबिधि नाना॥ समयसनेहनजाइबखाना॥ तबजानकीसासुपगलागी॥ सुनियमाय मैंपरमअभागी॥ सेवासमयदइबदुखदीन्हा॥ मोरमनोरथसुफलनकीन्हा॥ तजबछोभजनिछाडबछोहू॥ कर्मकठिनकछुदोषनमोहू॥ सुनिसियबचनसा सुअकुलानी॥ दशाकवनबिधिकहौंबखानी॥ बारहिंबारलाइउरलीन्हा॥ धरिधीरजशिखआशिषदीन्हा॥ अचलहोउअहिवातुतुम्हारा॥ जबलगिगंग जमुनजलधारा॥ ॥ दोहा ॥

सीतहिंसासुअशीशशिख दीन्हअनेकप्रकार॥
चलीनाइपदपद्मशिर अतिहितबारहिंबार॥

॥ चौपाई ॥

समाचारजबलछुमनपाये॥ व्याकुलबिलखबदनउठिधाये॥ कंपपुलकतनुन यनसनीरा॥ गहेचरणअतिप्रेमअधीरा॥ कहिनसकतकछुचितवतठाढे॥ मीन दीनजनुजलतेकाढे॥ सोचहृदयबिधिकाहोनिहारा॥ सबसुखसुकृतसिरानह मारा॥ मोकहँकहाकहबरघुनाथा॥ रखिहैंभवनकिलैहहिंसाथा॥ रामबिलोकि बन्धुकरजोरे॥ देहगेहसबसनतृणतोरे॥ बोलेबचनरामनयनागर॥ शीलस नेहसरलसुखसागर॥ तातप्रेमबशजनिकदराहू॥ समुझिहृदयपरिणामउछा हू॥ ॥ दोहा ॥

मातुपितागुरुस्वामिसिख सिरधरिकरहिंसुभाय ॥
लहेउलाभतिनजन्मकर नतरुजन्मजगजाय ॥

॥ चौपाई ॥

असजियजानिसुनहुसिखभाई ॥ करहुमातुपितुपदसेवकाई ॥ भवनभरतरिपुसूदननाही ॥ राउवृद्धममदुखमनमांही ॥ मैंबनजाउंतुमहिलेसाथा ॥ होइहिसवविधिअवधअनाथा ॥ गुरुपितुमातुप्रजापरिवारू ॥ सवकहंपरैदुसहदुखभारू ॥ रहहुकरहुसवकरपरितोषू ॥ नततुतातहोइहिवडदोषू ॥ जासुराजप्रियप्रजादुखारी ॥ सोनृपअवसिनरकअधिकारी ॥ रहहुतातअसनीतिविचारी ॥ सुनतलखणभयेव्याकुलभारी ॥ सियरेवचनसूखिगेकैसें ॥ परततुहीनतामरसजैसें ॥ ॥ दोहा ॥

उतरनआवतप्रेमवस गहेउचरणअकुलाइ ॥
नाथदासमैंस्वामितुम तजहुतौकहावसाइ ॥

॥ चौपाई ॥

दीन्हमोहिसिखनीकगोसांई ॥ लागतअगमअपनिकदराई ॥ नरवरधीरधर्मधुरधारी ॥ निगमनीतिकेतेअधिकारी ॥ मैंशिशुप्रभुसनेहप्रतिपाला ॥ मंदरमेरुकिलेइमराला ॥ गुरुपितुमातुनजानौंकाहू ॥ कहौंसुभावनाथपतिआहू ॥ जहंलगिजगतसनेहसगाई ॥ प्रीतिप्रतीतिनिगमनिजगाई ॥ मोरेंसवैएकतुमस्वामी ॥ दीनबंधुउरअंतरजामी ॥ धर्मनीतिउपदेशियताही ॥ कीरतिभूतिसुगतिप्रियजाही ॥ मनक्रमवचनचरणरतहोई ॥ कृपासिंधुपरिहरियकिसोई ॥

॥ दोहा ॥

करुणासिंधुसुबंधुके सुनिमृदुबचनविनीत॥
समुझाएउरलाइप्रभु जानिसनेहसभीत*॥

॥ चौपाई ॥

मंगउबिदामातुसनजाई॥ आवउबेगिचलउबनभाई॥ मुदितभयेसुनिरघुबरबानी॥ भएउलाभबडमिटीगलानी॥ हर्षितहृदयमातुपहंआये॥ मनउंअंधफिरिलोचनपाये॥ जाइजननिपगनायेउमाथा॥ मनरघुनंदनजानकिसाथा॥ पूछेउमातुमलिनमनदेषी॥ लषणकहेउसबकथाबिशेषी॥ गईसहमिसुनिबचनकठोरा॥ मृगीदेषिजनुदवचहुंओरा॥ लषणलषेउभाअनरथआजू॥ इनसनेहबशकरबअकाजू॥ मांगतबिदासभयसकुचाहीं॥ जानसंगबिधिकहिहिकिनाहीं॥ ॥ दोहा ॥

समुझिसुमित्रारामसिय रूपसुशीलसुभाव*॥
नृपसनेहलषिधुनेउशिर पापिनिकीन्हकुदाव॥

॥ चौपाई ॥

धीरजधरेउकुअवसरजानी॥ सहजसुहृदबोलीमृदुबानी॥ तातुम्हारमातुबैदेही॥ पितारामसबभांतिसनेही॥ अवधतहांजहांरामनिवासू॥ तहांदिवसजहांभानुप्रकासू॥ जौंपैसीयरामबनजाहीं॥ अवधतुम्हारकाजकछुनाहीं॥ गुरुपितुमातुबंधुसुरसांईं॥ सेइयसकलप्राणकीनांईं॥ रामप्राणप्रियजीवनजीके॥ स्वारथरहितसखासबहीके॥ पूजनीयप्रियपरमजहांते॥ मानियसबहिरामकेनाते॥ असजियजानिसंगबनजाहू॥ लेहुतातजगजीवनलाहू॥

॥ दोहा ॥

भूरिभागभाजनभयेहु मोहिसमेतबलिजाउं॥
जौंतुम्हरेंमनछाड़िछल कीन्हरामपदठाउं॥

॥ चौपाई ॥

पुत्रवतीयुवतीजगसोई॥ रघुबरभगतजासुसुतहोई॥ ननरुबांझिभलिबादिबियानी॥ रामबिमुखसुततेंहितहानी॥ तुम्हरेहिभागरामबनजांहीं॥ दूसरहेतुतातकछुनाहीं॥ सकलसुकृतकरफलसुतयेहू॥ रामसीयपदसहजसनेहू॥ रागरोषइरिषामदमोहू॥ जनिसपनेहुइनकेबशहोहू॥ सकलप्रकारबिकारबिहाई॥ मनक्रमबचनकरेहुसेवकाई॥ तुमकहंबनसबभांतिसुपासू॥ संगपितुमातुरामसियजासू॥ जेहिनरामबनलहहिंकलेसू॥ सुतसोइकरेहुइहैउपदेसू॥ ॥ छंद ॥

उपदेशएहिजेहितानतुम्हतेरामसियसुखपावहीं॥*॥ पितुमातुप्रियपरिवारपुरसुखसुरतिबनबिसरावहीं॥*॥ तुलसीप्रभुहिशिखदेइआयसुदेइपुनिआशिषदई॥*॥ रतिहोउअबिरलअमलसियरघुबीरपदनितनितनई॥*॥

॥ सोरठा ॥

मातुचरनशिरनाइ लखनचलेशंकितहियें॥
बागुरबिषमतुराइ मनहुंभागमृगभागबश॥

॥ चौपाई ॥

गयेलखनजहंजानकिनाथा॥ भयमनमुदितपाइप्रियसाथा॥ बंदिरामसियचरणसुहाये॥ चलेसंगनृपमंदिरआये॥ कहहिंपरस्परपुरनरनारी॥ भलिबना

ड़बिधिबातबिगारी॥ तनुजडमनदुखबदनमलीना॥ बिकलमनहुँमाखीमधुछीना॥ करमींजहिंसिरधुनिपछताहीं॥ जनुबिनुपंखबिहंगअकुलाहीं॥ भइबडिभीरिभूपदरबारा॥ वरणिनजाइबिषादअपारा॥ सचिवउठाइराउबैठारे॥ कहिप्रियबचनरामपगुधारे॥ सियसमेतदोउतनयनिहारी॥ ब्याकुलभयेभूमिपतिभारी॥ ॥ दोहा॥

सीयसहितसुतसुभगदोउ देखिदेखिअकुलाइ॥
बारहिंबारसनेहबस राउलेइउरलाइ ॥

॥ चौपाई॥

सकैनबोलिबिकलनरनाहू॥ सोकजनितउरदारुणदाहू॥ नाइसीसपदअतिअनुरागा॥ उठिरघुनाथबिदामनमांगा॥ पितुअसीसआयसुमोहिदीजै॥ हरषसमयबिसमउकतकीजै॥ तातकियेप्रियप्रेमप्रमादू॥ जसजगजाइहोइअपवादू॥ सुनिसनेहबसउठिनरनाहू॥ बैठारेरघुपतिगहिबाहू॥ सुनहुतातुमकहँमुनिकहहीं॥ रामचराचरनायकअहहीं॥ सुभअरुअसुभकर्मअनुहारी॥ ईशदेइफलहृदयविचारी॥ करैजोकर्मपावफलसोई॥ निगमनीतिअसकहसबकोई॥ ॥ दोहा॥

औरकरैअपराधकोउ औरपावफलभोग ॥
अतिबिचित्रभगवंतगति कोजगजानैयोग ॥

॥ चौपाई॥

रायरामराखनहितलागी॥ बहुतउपायकीन्हछलत्यागी॥ लखेरामरुखरहतनजाने॥ धर्मधुरन्धरधीरसयाने॥ तबनृपसीयलाइउरलीनी॥ अतिहितबहुतभांं

तिन्हहिसहितसबी॥ कहिबनकेदुखदुसहसुनाये॥ सासुससुरपितुसुखसमुझाये॥
सियमनरामचरणअनुरागा॥ घरनसुगमबनविषमनलागा॥ औरौसबहिंसीयस
मुझाई॥ कहिकहिविपिनविपतिअधिकाई॥ सचिवनारिगुरुनारिसयानी॥
सहितसनेहकहहिंमृदुबानी॥ तुमकहंतौनदीन्हबनवासू॥ करहुजोकहहिं
ससुरगुरुसासू॥ *~*~*॥ दोहा॥ *~*~*~*~**

शिखशीतलहितमधुरमृदु सुनिसीतहिनसोहानि॥
शरदचंदचांदनीलगत जनुचकईअकुलानि**॥

॥ चौपाई॥

सीयसकुचबशउत्तरनदेई॥ सोसुनितमकिउठीकैकेई॥ मुनिपटभूषण
भाजनआनी॥ आगेंधरिबोलीमृदुबानी॥ नृपहिप्राणप्रियतुमरघुवीरा॥ शील
सनेहनछाडहिंभीरा॥ सुकृतसुयशपरलोकनशाऊ॥ तुमहिजानबनकहहिं
नकाऊ॥ असविचारिसोइकरहुजोभावा॥ रामजननिशिखसुनिसुखपावा॥ भूप
हिबचनबाणसमलागे॥ करहिंनप्राणपयानअभागे॥ लोकविकलमूर्छितनरना
हू॥ काहकरियकछुसूझनकाहू॥ रामतुरतमुनिभेषबनाई॥ चलेजनकज
ननीशिरनाई॥ *~*~*॥ दोहा॥ *~*~*~*~*

सजिबनसाजसमाजसब बनिताबंधुसमेत*॥
बंदिविप्रगुरुचरणप्रभु चलेकरिसबहिअचेत॥

॥ चौपाई॥

निकसिवशिष्ठद्वारभयठाढे॥ देखेलोगविरहदवडाढे॥ कहिप्रियवचनसबहिं
समुझाये॥ विप्रबृन्दरघुबीरबुलाये॥ गुरुसनकहिवरषाशनदीन्हे॥ आदर

दावबिनयसनबोले ॥ याचकदानमानसन्तोषे ॥ मीतपुनीतप्रेमपरितोषे ॥ दा
सीदासबुलाइबहोरी ॥ गुरुहिसौंपिबोलेकरजोरी ॥ सबकरसारसंभारगोसां
ई ॥ करबजनकजननीकीनाईं ॥ बारहिंबारजोरियुगपाणी ॥ कहतरामस
बसनमृदुबाणी ॥ सोइसबभांतिमोरहितकारी ॥ जेहितेंरहनरनाहसुखारी ॥

॥ दोहा ॥

मातुसकलमोरेबिरह जेहिनहोहिंदुखदीन ॥
सोउपायतुमकरबसब पुरजनपरमप्रवीन ॥

॥ चौपाई ॥

एहिबिधिरामसबहिंसमुझावा ॥ गुरुपदपद्मुहरषिशिरनावा ॥ गणपतिगौरिगि
रीशमनाई ॥ चलेअशीशपाइरघुराई ॥ रामचलतअतिभयेबिषादू ॥ सुनि
नजाइपुरआरतनादू ॥ कुसगुनलंकअवधअतिशोकू ॥ हर्षबिषादबिबशसु
रलोकू ॥ गैमुर्छातबभूपतिजागे ॥ बोलिसुमंतकहनअसलागे ॥ रामचलेबन
प्राणनजाहीं ॥ केहिसुखलागिरहततनमाहीं ॥ यहितेंकवनव्यथाबलवाना ॥
जोदुखपाइतजहिंतनप्राना ॥ पुनिधरिधीरकहहिंनरनाहू ॥ लैरथसंगस
खातुमजाहू ॥

॥ दोहा ॥

सुठिसुकुमारकुमारदोउ जनकसुतासुकुमारि ॥
रथचढ़ाइदेखराइबन फिरेहुगयेदिनचारि ॥

॥ चौपाई ॥

जौंनहिंफिरहिंधीरदोउभाई ॥ सत्यसंधदृढ़व्रतरघुराई ॥ तौतुमबिनयक
रेहुकरजोरी ॥ फेरियप्रभुमिथिलेशकिशोरी ॥ जबसियकाननदेखिडेराई ॥

कहेहुमोरिसिषअवसरपाई॥ सासुससुरअसकहेउसँदेसू॥पुत्रिफिरिय बनबहुकलेसू॥ पितुगृहकबहुँकबहुँससुरारी॥ रहेहुजहांरुचिहोइतु म्हारी॥ यहिबिधिकरेहुउपायकदंबा॥ फिरइतहोइप्रानअवलंबा॥ नाहिं तोमोरमरनपरिनामा॥ कछुनबसाइभयेबिधिबामा॥ असकहिमूर्छिपरेम हिराऊ॥ रामलषनसियआनिदेषाऊ॥ ॥दोहा॥

पाइरजायसुनाइसिर रथअतिबेगिबनाइ॥
गयेजहांबाहरनगर सीयसहितदोउभाइ॥

॥चौपाई॥

तबसुमंत्रनृपबचनसुनाये॥ करिबिनतीरथरामचढ़ाये॥ चढ़िरथसीयसहि तदोउभाई॥ चलेहृदयअवधहिंसिरनाई॥ चलतरामलखिअवधअनाथा ॥बिकललोगसबलागेसाथा॥ कृपासिंधुबहुबिधिसमुझावहिं॥ फिरहिंप्रेमबस पुनिफिरिआवहिं॥ लागतअवधभयानकभारी॥ मानहुँकालरातिअँधियारी॥ घोरजन्तुसमपुरनरनारी॥ डरपहिंएकहिएकनिहारी॥ घरमसानपरिज नजनुभूता॥ सुतहितमीतमनहुँजमदूता॥ बागनबिटपबेलिकुम्हिलाहीं॥ स रितसरोवरदेखिनजाहीं॥ ॥दोहा॥

हयगयकोटिनकेलिमृग पुरपसुचातकमोर॥
पिकरथांगसुकसारिका सारसहंसचकोर॥

॥चौपाई॥

रामबियोगबिकलसबठाढ़े॥ जहँतहँमनहुँचित्रलिखिकाढ़े॥ नगरसफलबन गहबरभारी॥ खगमृगबिपुलसकलनरनारी॥ बिधिकेकैयीकिरातिनिकीन्ही

॥जेहिदवदुसहदसहुंदिसिदीन्ही॥ सहिनसकेरघुबरबिरहागी॥ चलेलोगसबब्याकुलभागी॥ सबहिंबिचारकीन्हमनमाहीं॥ रामलखनसियबिनुसुखनाहीं॥ जहांरामतहंसबुइसमाजू॥ बिनुरघुबीरअवधनहिंकाजू॥ चलेसाथअसमंत्रुदृढ़ाई॥ सुरदुर्लभसुखसदनबिहाई॥ रामचरनपंकजप्रियजिन्हहीं॥ बिषयभोगबसकरहिंकितिन्हहीं॥ ॥ दोहा ॥

बालकबृद्धबिहाइगृह लगेलोगसबसाथ॥
तमसातीरनिवासकिय प्रथमदिवसरघुनाथ॥

॥ चौपाई ॥

रघुपतिप्रजाप्रेमबसदेखी॥ सदयहृदयदुखभयउबिसेषी॥ करुनामयरघुनाथगोसांई॥ बेगिपाइअहिंपीरपराई॥ कहिसप्रेममृदुबचनसुहाए॥ बहुबिधिरामलोगसमुझाए॥ किएधरमउपदेसघनेरे॥ लोगप्रेमबसफिरहिंनफेरे॥ सीलसनेहुछाडिनहिंजाई॥ असमंजसबसभेरघुराई॥ लोगसोगश्रमबसगएसोई॥ कछुकदेवमायामतिमोई॥ जबहिंजामजुगजामिनिबीती॥ रामसचिवसनकहेउसप्रीती॥ खोजमारिरथहांकहुताता॥ आनउपायबनिहिनहिंबाता॥ ॥ दोहा ॥

रामलखनसियजानचढ़ि संभुचरनसिरनाइ॥
सचिवचलायेउतुरितरथ इतउतखोजदुराइ॥

॥ चौपाई ॥

जागेसकललोगभएभोरू॥ गेरघुबीरभयउअतिसोरू॥ रथकरखोजकतहुंनहिंपावहिं॥ रामरामकहिचहुंदिसिधावहिं॥ मनहुंबारिनिधिबूड़जहाजू॥

भएउ बिकल बड़ बनिक समाजू॥ एकहि एक देहिं उपदेसू॥ तजे राम हम जानि
कलेसू॥ निंदहिं आपु सराहहिं मीना॥ धिग जीवन रघुबीर बिहीना॥ जौं पै
प्रिय बियोग बिधि कीन्हा॥ तौ कस मरन न मांगन दीन्हा॥ एहि बिधि करत प्रलाप
कलापा॥ आए अवध भरे परितापा॥ बिषम बियोग न जाइ बखाना॥ अवधि आस
सब राखहिं प्राना॥ ॥ दोहा ॥

राम दरस हित नेम ब्रत लगे करन नर नारि॥
मनहुँ कोक कोकी कमल दीन बिहीन तमारि॥

॥ चौपाई ॥

सीता सचिव सहित दोउ भाई॥ सृंगबेर पुर पहुँचे जाई॥ उतरे राम देवसरि दे
खी॥ कीन्ह दंडवत हरष बिसेषी॥ लखन सचिव सिय कीन्ह प्रनामा॥ सबहि स
हित सुख पायउ रामा॥ गंग सकल मुद मंगल मूला॥ सब सुख करनि हरनि सब
सूला॥ कहि कहि कोटिक कथा प्रसंगा॥ राम बिलोकहिं गंग तरंगा॥ सचिवहि अ
नुजहि प्रियहि सुनाई॥ बिबुध नदी महिमा अधिकाई॥ मज्जन कीन्ह पंथ श्रम ग
यऊ॥ सुचि जल पियत मुदित मन भयऊ॥ सुमिरत जाहि मिटइ श्रम भारू॥ ते
हि श्रम यह लौकिक ब्यवहारू॥ ॥ दोहा ॥

सुद्ध सच्चिदानंदमय कंद भानुकुल केतु॥
चरित करत नर अनुहरत संसृति सागर सेतु॥

॥ चौपाई ॥

यह सुधि गुह निषाद जब पाई॥ मुदित लिए प्रिय बंधु बुलाई॥ लिए फल मूल भेंट
भरि भारा॥ मिलन चलेउ हिय हरष अपारा॥ करि दंडवत भेंट धरि आगें॥ प्रभुहिं

बिलोकत अति अनुरागे॥ सहज सनेह बिबस रघुराई॥ पूछी कुसल निकट बैठाई॥ नाथ कुसल पद पंकज देखे॥ भयेउँ भागभाजन जन लेखे॥ देव धरनि धन धाम तुम्हारा॥ मैं जन नीच सहित परिवारा॥ कृपा करिय पुर धारिय पाऊ॥ थापिय जन सब लोग सिहाऊ॥ कहेहु सत्य सब सखा सुजाना॥ मोहि दीन्ह पितु आयसु आना॥ ॥ दोहा ॥

बरष चारिदस बास बन मुनि ब्रत बेष अहार॥
ग्राम बास नहिं उचित सुनि गुहहि भयेउ दुख भार॥

॥ चौपाई॥

राम लखन सिय रूप निहारी॥ कहहिं सप्रेम ग्राम नर नारी॥ ते पितु मातु कहहु सखि कैसे॥ जिन पठए बन बालक ऐसे॥ एक कहहिं भल भूपति कीन्हा॥ लोचन लाहु हमहिं बिधि दीन्हा॥ तब निषादपति उर अनुमाना॥ तरु सिंसुपा मनोहर जाना॥ लै रघुनाथहिं ठाउँ देखावा॥ कहेउ राम सब भाँति सुहावा॥ पुरजन करि जोहार गृह आये॥ रघुबर संध्या करन सिधाये॥ गुह सँवारि साथरी डसाई॥ कुस किसलयमय मृदुल सुहाई॥ सुचि फल मूल मधुर मृदु जानी॥ दोना भरि भरि राखेसि आनी॥ ॥ दोहा ॥

सिय सुमंत्र भ्राता सहित कंद मूल फल खाइ॥
सयन कीन्ह रघुबंसमनि पाय पलोटत भाइ॥

॥ चौपाई॥

उठे लखन प्रभु सोवत जानी॥ कहि सचिवहिं सोवन मृदु बानी॥ कछुक दूरि सजि बान सरासन॥ जागन लगे बैठि बीरासन॥ गुह बुलाइ पाहरू प्रतीती॥ ठां

वठांवरयाअतिप्रीती ॥ आपुलवशापहंवैठेउजाई ॥ कटिभाथाअरचापचढाई ॥ सोवतप्रभुहिनिहारिनिषादा ॥ भयेउप्रेमवशहृदयविषादा ॥ तनुपुलकितलोचनजलवहई ॥ वचनसप्रेमलषणसनकहई ॥ भूपतिभवनसुसहजसुहावा ॥ सुरपतिसदननपटतरपावा ॥ मणिमयरचितचारुचौवारे ॥ जनुरतिपतिनिजहाथसंवारे ॥ ** ॥ दोहा ॥ ***

शुचिसुविचित्रसुभोगमय सुमनसुगंधसुवास ॥
पलंगमंजुमणिदीपजहं सवविधिसकलसुपास ॥

॥ चौपाई ॥

विविधवसनउपधानतुराई ॥ क्षीरफेनमृदुविशदसुहाई ॥ तहंसियरामशयननिशिकरहीं ॥ निजछविरतिमनोजमदहरहीं ॥ तेसियरामसाथरीसोये ॥ श्रमितवसनविधिजाहिनजोये ॥ मातुपितापरिजनपुरवासी ॥ सखासुशीलदासअरुदासी ॥ जोगवहिंजिनहिंप्राणकीनाई ॥ महिसोवततेइरामगोसांई ॥ पिताजनकजगविदितप्रभाऊ ॥ ससुरसुरेशसखारघुराऊ ॥ रामचन्द्रपतिसोवैदेही ॥ महिसोवतिविधिवामनकेही ॥ सियरघुवीरकिकाननयोगू ॥ कर्मप्रधानसत्यकहलोगू ॥ *** ॥ दोहा ॥ ****

कैकयनन्दनिमंदमति कठिनकुटिलपनकीन्ह ॥
जेरघुनंदनजानकिहि सुखअवसरदुखदीन्ह ॥

॥ चौपाई ॥

भइदिनकरकुलविटपकुठारी ॥ कुमतिकीन्हसवविश्वदुखारी ॥ रामसीयमहिशयननिहारी ॥ भयेउविषादनिषादहिभारी ॥ वोलेलषणमधुरमृदुवानी ॥

ज्ञानबिरागभक्तिरससानी॥ कोउनकाहुदुखसुखकरदाता॥ निजकृतकर्मभोगसबभ्राता॥ योगबियोगभोगभलमंदा॥ हितअनहितमध्यमभ्रमफंदा॥ जनममरणजहंलगिजगजालू॥ संपतिबिपतिकर्मअरुकालू॥ धरणिधामधनपुरपरिवारू॥ स्वर्गनरकजहंलगिब्यवहारू॥ देखियसुनियगुनियमनमाहीं॥ मोहमूलपरमारथनाहीं॥ *—*॥ दोहा॥ *—*—*—*—**

सपनेंहोइभिखारिन्टप रंकनाकपतिहोइ*॥

जागेलाभनहानिकछु तिमिप्रपंचजियजोइ॥

॥ चौपाई॥

असबिचारिनहिंकीजियरोहू॥ बादिकाहुनहिंदीजियदोहू॥ मोहनिशासबसोवनिहारा॥ देखहिंस्वप्नअनेकप्रकारा॥ यहिजगयामिनिजागहिंयोगी॥ परमारथपरिपंचबियोगी॥ जानियतबहिंजीवजगजागा॥ जबसबविषयबिलासबिरागा॥ होइबिवेकमोहभ्रमभागा॥ तबरघुबीरचरणअनुरागा॥ सखापरमपरमारथएहू॥ मनक्रमबचनरामपदनेहू॥ रामब्रह्मपरमारथरूपा॥ अबिगतिअलखअनादिअनूपा॥ सकलबिकाररहितगतभेदा॥ कहिंनितिनेतिनिरूपहिंबेदा॥ *—*—*॥ दोहा॥ *—*—*—*—*—*

भक्तभूमिभूसुरसुरभि सुरहितलागिकृपाल*॥

करतचरितधरिमनुजतनु सुनतमिटैजगजाल॥

॥ चौपाई॥

सखासमुझिअसपरिहरिमोहू॥ सियरघुबीरचरणरतहोहू॥ कहतरामगुणभाभिनुसारा॥ जागेजगमंगलदातारा॥ सकलशौचकरिरामअन्हाये॥ शुचिसुजा

बिकल सरीर सँगोये ॥ [illegible] ॥ देखि सुमंत नयन जल छाये ॥
हृदय दाह अति बदन मलीना ॥ कह कर जोरि बचन अति दीना ॥ नाथ कहेउ अ
स कोसलनाथा ॥ लै रथ जाहु राम के साथा ॥ बन देखाइ सुरसरि अन्हवाई ॥ आ
नेहु फेरि बेगि दोउ भाई ॥ लखन राम सिय आनेहु फेरी ॥ संशय सकल सकोच निबे
री ॥ ॥ दोहा ॥

नृप अस कहेउ गोसाईं जस कहइ करौं बलि सोइ ॥
करि बिनती पायन परेउ दीन्ह बाल जिमि रोइ ॥

॥ चौपाई ॥

तात कृपा करि कीजिय सोई ॥ जाते अवध अनाथ न होई ॥ मंत्रिहि राम उठाइ प्र
बोधा ॥ तात धरम मत तुम सब सोधा ॥ सिबि दधीचि हरिचंद नरेशा ॥ सहे धरम हि
त कोटि कलेशा ॥ रंतिदेव बलि भूप सुजाना ॥ धर्म धरेउ सहि संकट नाना ॥ धर्म
न दूसर सत्य समाना ॥ आगम निगम पुरान बखाना ॥ मैं सोइ धर्म सुलभ करि पावा ॥
तजे तिहूं पुर अपयश छावा ॥ संभावित कहं अपयश लाहू ॥ मरन कोटि सम दा
रुण दाहू ॥ तुम सन तात बहुत का कहऊं ॥ दिये उतर फिरि पातक लहऊं ॥

॥ दोहा ॥

पितु पद गहि कहि कोटि नति बिनय करब कर जोरि ॥
चिंता कवनिहु बात कै तात करिय जनि मोरि ॥

॥ चौपाई ॥

तुम पुनि पितु सम अति हित मोरे ॥ बिनती करौं तात कर जोरे ॥ सब बिधि सोइ करतव्य
तुम्हारे ॥ दुख न पाव पितु सोच हमारे ॥ सुनि रघुनाथ सचिव संबादू ॥ भयेउ स

परिजनबिकलबिषादू ॥ पुनिकछुलषणकहेउकटुबानी ॥ प्रभुबरजेउबड़ अनुचितजानी ॥ सकुचिरामनिजशपथदिवाई ॥ लषणसंदेसकहहुजनिजाई ॥ कहसुमंत्रपुनिभूपसंदेसू ॥ सहिनसकिहिसियबिपिनकलेसू ॥ जेहिबिधिअवधआवफिरिसीया ॥ सोइरघुनाथतुमहिकरणीया ॥ नतरुनिपटअवलंबबिहीना ॥ मैंनजियबजिमिजलबिनुमीना ॥ * ॥ दोहा ॥ *~*~*

मैकेससुरेसकलसुख जबहिंजहांमनमान ** ॥
तबतबहूंरहबसुखेनसिय जबलगिबिपतिबिहान ॥

॥ चौपाई ॥

बिनतीकीन्हभूपजेहिभांती ॥ आरतिप्रीतिनसोकहिजाती ॥ पितुसंदेससुनिकृपानिधाना ॥ सियहिदीन्हसिखकोटिबिधाना ॥ सासुससुरगुरुप्रियपरिवारू ॥ फिरहुतोसबकरमिटैखंभारू ॥ सुनिपतिबचनकहतिबैदेही ॥ सुनहुप्राणपतिपरमसनेही ॥ प्रभुकरुणामयपरमबिबेकी ॥ तनुतजिरहतिछांहकिमिछेंकी ॥ प्रभाजाइकहंभानुबिहाई ॥ कहंचंद्रिकाचंद्रतजिजाई ॥ पतिहिप्रेममयबिनयसुनाई ॥ कहतिसचिवसनगिरासुहाई ॥ तुमपितुससुरसरिसहितकारी ॥ उतरदेउंफिरिअनुचितभारी ॥ * ॥ दोहा ॥ *~*~*

आरतबशसन्मुखभइउं बिलगनमानबतात * ॥
आरजसुतपदकमलबिनु बादिजहांलगनात ॥

॥ चौपाई ॥

पितुबैभवबिलासमैंडीठा ॥ नृपमणिमुकुटमिलितपदपीठा ॥ सुखनिधानअसपितुगृहमोरे ॥ पतिबिहीनमनभावनभोरे ॥ ससुरचक्कवइकोशलराऊ ॥ भु

बनचारि दश पुगट प्रभाऊ ॥ आगेहोइ जेहि सुरपति लेई ॥ अर्द्ध सिंहासन आ सन देई ॥ ससुर एतादृश अवधनिवासू ॥ प्रियपरिवार मातु समसासू ॥ बिनु रघुपति पद पदुम परागा ॥ मोहि केउ सपने उ सुखद न लागा ॥ अगम पंथ बन भूमि पहारा ॥ करि केहरि सर सरित अपारा ॥ कोल्ह किरात कुरंग बिहंगा ॥ मोहि सब सुखद प्राणपति संगा ॥ दोहा ॥

सासु ससुर सन मोरि हुति बिनय करब परिपाय ॥
मोर सोच जनि करिय कछु मैं बन सुखी सुभाय ॥

॥ चौपाई ॥

प्राणनाथ प्रिय देवर साथा ॥ बीर धुरीण धरे धनु भाथा ॥ नहिं मग श्रम भ्रम दुख मन मोरे ॥ मोहि लगि सोच करिय जनि भोरे ॥ सुनि सुमंत सिय शीतल बानी ॥ भ एउ बिकल जनु फणि मणि हानी ॥ नयनन सूझ सुनै नहिं काना ॥ कहि न सकै क छु अति अकुलाना ॥ राम प्रबोध कीन्ह बहु भांती ॥ तदपि होइ नहिं शीतल छाती ॥ यतन अनेक साथ हित कीन्हा ॥ उचित उतर रघुनंदन दीन्हा ॥ मेटि जाइ नहिं राम रजाई ॥ कठिन कर्म गति कछु न बसाई ॥ राम लषण सिय पद शिर नाई ॥ फिरे बणिक जिमि मूर गंवाई ॥ दोहा ॥

रथ हांकेउ हय राम तन हेरि हेरि हिहिनाहिं ॥
देखि निषाद बिषाद बश शिर धुनि धुनि पछिताहिं ॥

॥ चौपाई ॥

जासु बियोग बिकल पशु ऐसे ॥ प्रजा मातु पितु जीवहिं कैसे ॥ बरबस राम सुमंत प ठाये ॥ सुरसरि तीर आपु चलि आये ॥ मांगी नाव केवट नहिं आना ॥ कहै तुम्हार म

रममैजाना॥ चरणकमलरजकहंसबकहई॥ मानुषकरनिमूरिकछुअहई॥
छुअतशिलाभइनारिसुहाई॥ पाहनतेनकाठकठिनाई॥ तरणिउमुनिघरनी
होइजाई॥ बाटपरैमोरिनावउडाई॥ यहप्रतिपालौंसबपरिवारू॥ नहिंजा
नौंकछुऔरकबारू॥ जौंप्रभुअवशिपारगाचहहू॥ तौपदपदुमपखारणकह
हू॥ * * * * * ॥ छंद॥ * * * * * *

पदपद्मधोइचढाइनावननाथउतराईचहौं॥ *॥ मोहिरामराउ
रिआनिदशरथसपथसबसांचीकहौं॥ *॥ बरुतीरमारहिंलषण
पैजबलगिनपांयपखारिहौं॥ *॥ तौलगिनतुलसीदासनाथकृपा
लुपारउतारिहौं॥ * * * ॥ सोरठा॥ * * * * *

सुनिकेवटकेबयन प्रेमलपेटेअटपटे *॥
बिहंसेकरुणाअयन चितैजानकीलषणतन॥

॥ चौपाई॥

कृपासिंधुबोलेमुसुकाई॥ सोइकरुजेहिंनावनजाई॥ बेगिआनिजलपाय
पखारू॥ होतबिलंबउतारहुपारू॥ जासुनामसुमिरतएकबारा॥ उतरहिं
नरभवसिंधुअपारा॥ सोइकृपालुकेवटहिनिहोरा॥ जेहिंकियेजगतिहुपगहुतेथो
रा॥ पदनखनिरखिदेवसरिहरषी॥ सुनिप्रभुबचनमोहमतिकरषी॥ केवट
रामरजायसुपावा॥ पानिकठवताभरिलैआवा॥ अतिआनंदउमगिअनुरागा
॥ चरणसरोजपखारनलागा॥ बरषिसुमनसुरसकलसिहाहीं॥ यहिसमपुण्य
पुंजकोउनाहीं॥ * * * ॥ दोहा॥ * * * * * *

पदपखारिजलपानकरि आपुसहितपरिवार॥

पितरप्रारकरिप्रभुहिपुनि मुदितगयेउत्तैपार ॥

॥ चौपाई ॥

उतरिठाढभयेसुरसरिरेता ॥ सीयरामगुहलषणसमेता ॥ केंवटउतरिदंडव तकीन्हा ॥ प्रभुसकुचेएहिकछुनहिदीन्हा ॥ पियहियकीसियजाननिहारी ॥ मणिमुंदरीमनमुदितउतारी ॥ कहेउकृपालुलेहुउतराई ॥ केंवटचरणगहे उअकुलाई ॥ नाथआजुहमकाहनपावा ॥ मिटेदोषदुखदारिददावा ॥ बहुत कालमैकीन्हमजूरी ॥ आजुदीन्हविधिवनिभरिपूरी ॥ अबकछुनाथनचाहिय मोरे ॥ दीनदयालअनुग्रहतोरे ॥ फिरतिवारजोकछुमोहिदेवा ॥ सोप्रसादमैंशि रधरिलेवा ॥ *~*~*~* ॥ दोहा ॥ *~*~*~*~*

बहुतकीन्हहठलषणप्रभु नहिंकछुकेंवटलेइ ॥
बिदाकीन्हकरुणायतन भक्तिबिमलवरदेइ ॥

॥ चौपाई ॥

तबमज्जनकरिरघुकुलनाथा ॥ पूजिपारथीनायउमाथा ॥ सियसुरसरिहिकहा करजोरी ॥ मातुमनोरथपुरइबमोरी ॥ पतिदेवरसंगकुशलबहोरी ॥ आइक रौंजेहिपूजातोरी ॥ सुनिसियवचनप्रेमरससानी ॥ भइतवबिमलबारिवरवानी ॥ सुनुरघुवीरप्रियावैदेही ॥ तवप्रभावजगविदितनकेही ॥ लोकपहोंहिबि लोकततोरे ॥ तोहिसेवहिंसवसिधिकरजोरे ॥ तुमजोहमहिंबडिबिनयसुनाई ॥ कृपाकीन्हमोहिदीन्हबडाई ॥ तदपिदेविमैंदेवअशीशा ॥ सुफलहोनहित निजवागीसा ॥ *~*~* ॥ दोहा ॥ *~*~*~*~**

प्राणनाथदेवरसहित कुशलकोशलाआइ ॥

पूरिहिसबमनकामना सुयशरहिहिजगछाइं॥

॥ चौपाई॥

गंगबचनसुनिमंगलमूला॥ मुदितसीयसुरसरिअनुकूला॥ तबप्रभुगुहहिकहेउघर
जाहू॥ सुनतसूखमुखभाउरदाहू॥ दीनबचनगुहकहकरजोरी॥ विनय
सुनियरघुकुलमणिमोरी॥ नाथसाथरहिपंथदेखाई॥ करिदिनचारिचरणसे
वकाई॥ जेहिबनजाइरहबरघुराई॥ पर्णकुटीमैंकरबसुहाई॥ तबमो
कहंजसदेबरजाई॥ सोकरिहौंरघुबीरदोहाई॥ सहजसनेहरामलखितासू
॥ संगलीन्हगुहहृदयहुलासू॥ पुनिगुहज्ञातिबोलिसबलीन्हे॥ करिपरितो
षबिदातबकीन्हे॥ ॥ दोहा॥

॥तबगणपतिशिवसुमिरिप्रभु नाइसुरसरिहिमाथ॥
सखाअनुजसियसहितबन गवनकीन्हरघुनाथ॥

॥ चौपाई॥

तेहिदिनभयेउबिटपतरबासू॥ लखणसखासबकीन्हसुपासू॥ प्रातप्रातकृत
करिरघुराई॥ तीरथराजदीखप्रभुजाई॥ सचिवसत्यश्रद्धाप्रियनारी॥ माध
वसरिसमीतहितकारी॥ चारिपदारथभरेभंडारू॥ पुण्यप्रदेशदेशअतिचारू॥
क्षेत्रअगमगढगाढसुहावा॥ सुपनेहुजिन्हप्रतिपक्षनपावा॥ सेनसकलतीर
थबरबीरा॥ कलुषअनीकदलनरणधीरा॥ संगमसिंहासनसुठिसोहा॥ छत्र
अक्षयबटमुनिमनमोहा॥ चंवरजमुनअरुगंगतरंगा॥ देखिहोंहिंदुखदारिद्र
भंगा॥ ॥ दोहा॥

सेवहिंसुकृतीसाधुसुचि पावहिंसबमनकाम॥

॥ बंदीवेदपुराणगण कहहिंविमलगुणग्राम ॥

॥ चौपाई ॥

कोकहिशकैप्रयागप्रभाऊ ॥ कलुषपुञ्जकुञ्जरमृगराऊ ॥ असतीरथपतिदेखिसु हावा ॥ सुखसागररघुवरसुखपावा ॥ कहिसियअनुजहिंसखहिंसुनाई ॥ श्रीमुखतीरथराजबडाई ॥ करिप्रणामदेखतबनबागा ॥ कहतमहातमअतिअनुरागा ॥ यहिविधिआइबिलोकेउवेणी ॥ सुमिरतसकलसुमंगलदेनी ॥ मुदितअन्हाइकीन्हशिवसेवा ॥ पूजियथाबिधितीरथदेवा ॥ तबप्रभुभरद्वाजपहंआये ॥ करतदंडवतमुनिउरलाये ॥ मुनिमनमोदनकछुकहिजाई ॥ ब्रह्मानंदराशिजनुपाई ॥ **—*—** ॥ दोहा ॥ *—*—*—*—*—*

॥ दीन्हअशीशमुनीशउर अतिअनन्दअसजानि ॥
॥ लोचनगोचरसुकृतफल मनहुंकियेविधिआनि ॥

॥ चौपाई ॥

कुशलप्रश्नकरिआसनदीन्हा ॥ पूजिप्रेमपरिपूरणकीन्हा ॥ कंदमूलफलअंकुरनीके ॥ दियेआनिमुनिमनहुअमीके ॥ सीयलषणजनसहितसुहाये ॥ अतिरुचिरामूलफलखाये ॥ भयेबिगतश्रमरामसुखारे ॥ भरद्वाजमृदुवचनउचारे ॥ आजुसुफलतपतीरथत्यागू ॥ आजुसुफलजपजोगविरागू ॥ सकलसुफलशुभसाधनसाजू ॥ रामतुमहिंअवलोकतआजू ॥ लाभअवधिसुखअवधिनदूजी ॥ तुम्हरेदरशआशसबपूजी ॥ अबकरिकृपादेहुवरएहू ॥ निजपदसरसिजसहजसनेहू ॥ *—*—*—* ॥ दोहा ॥ *—*—*—*—*—*

॥ कर्मवचनमनछांडिछल जबलगिजननतुम्हार ॥

तवलगिसुजसपुनीतजनेही मिटैकोटिउपचार॥

॥ चौपाई ॥

सुनिमुनिबचनराममसकुचाने॥ भावभगतिआनंदअघाने॥ तबरघुबरमुनिसुयशसुहावा॥ कोटिभांतिकहिसबहिसुनावा॥ सोबडसोसबगुणगणगेहू॥ जेहिमुनीशतुमआदरदेहू॥ मुनिरघुबीरपरस्परनवहीं॥ बचनअगोचरसुखअनुभवहीं॥ यहसुधिपाइप्रयागनिवासी॥ बटुतापसमुनिसिद्धउदासी॥ भरद्वाजआश्रमसबआये॥ देखनदशरथसुअनसुहाये॥ रामप्रणामकीन्हसबकाहू॥ मुदितभयेलहिलोचनलाहू॥ देहिंअसीशपरमसुखपाई॥ फिरेसराहतसुंदरताई॥ ॥ दोहा ॥

राम कीन्हबिश्रामनिशि प्रातप्रयागनहाइ॥

चलेसहितसियलखनजन मुदितमुनिहिंशिरनाइ॥

॥ चौपाई ॥

रामसप्रेमकहेउमुनिपाहीं॥ नाथकहियहमकेहिमगजाहीं॥ मुनिमुनिबिहँसिरामसनकहहीं॥ सुगमसकलमगतुमकहँअहहीं॥ साथलागिमुनिशिष्यबुलाये॥ सुनिमनमुदितपचासकआये॥ सबहिंरामपरप्रेमअपारा॥ सकलकहहिंमगुदेखिहमारा॥ मुनिबटुचारिसंगतबदीन्हे॥ जिन्हबहुजन्मसुकृतसबकीन्हे॥ करिप्रणाममुनिआशिषपाई॥ प्रमुदितहृदयचलेरघुराई॥ ग्रामनिकटजबनिकसहिंजाई॥ देखहिंदरशनारिनरधाई॥ होहिंसनाथजन्मफलपाई॥ फिरहिंदुखितमनसंगपठाई॥ ॥ दोहा ॥

बिदाकीन्हबटुबिनयकरि फिरेपाइमनकाम॥

॥ चौपाई ॥

सुनततीरबासीनरनारी ॥ धाएनिजनिजकाजबिसारी ॥ लखनरामसियसुंदरताई ॥ देखिकरहिंनिजभाग्यबड़ाई ॥ अतिलालसाबसहिंमनमाहीं ॥ नांवगांवपूछतसकुचाहीं ॥ जेतिनमहंबयबृद्धसयाने ॥ तिनकरिजुगुतिरामपहिचाने ॥ सकलकथातिनसबहिंसुनाई ॥ बनहिंचलेपितुआयसुपाई ॥ सुनिसबिषादसकलपछिताहीं ॥ रानीरायकीन्हभलनाहीं ॥ तेहिअवसरएकतापसआवा ॥ तेजपुंजलघुबयससुहावा ॥ कबिअलखितगतिभेषबिरागी ॥ मनक्रमबचनरामअनुरागी ॥

॥ दोहा ॥

॥ सजलनयनतनपुलकिनिज इष्टदेवपहिचानि ॥
॥ परेउदंडजिमिधरणितल दशानजायबखानि ॥

॥ चौपाई ॥

रामसप्रेमपुलकिउरलावा ॥ परमरंकजनुपारसपावा ॥ मनहुंप्रेमपरमारथदोऊ ॥ मिलतधरेतनुकहसबकोऊ ॥ बहुरिलखनपायनसोइलागा ॥ लीन्हउठाइउमगिअनुरागा ॥ पुनिसियचरणधूरिधरिसीसा ॥ जननिजानिशिशुदीन्हअशीसा ॥ कीन्हनिषाददंडवततेही ॥ मिलेउमुदितलखिरामसनेही ॥ पियतनयनपुटरूपपियूषा ॥ मुदितसुअशनपावजिमिभूखा ॥ रामलखनसियरूपनिहारी ॥ सोचसनेहबिकलनरनारी ॥ तेपितुमातुकहौसखिकैसे ॥ जिनपठएबनबालकऐसे ॥

॥ दोहा ॥

॥ तबरघुबीरअनेकबिधि सखहिसिखावनदीन्ह ॥

समरआयसुधीसधरि गवनभवननेकीन्ह ॥

॥ चौपाई ॥

मुनिवियरामलषणकरजोरी ॥ जमुनहिकीन्हप्रणामबहोरी ॥ गवनेसीयसहित दोभाई ॥ रवितनयाकरकरतबडाई ॥ पथिकअनेकमिलहिंमगुजाता ॥ कहहिंसप्रेमदेखिदोभ्राता ॥ राजलक्षणसबअंगतुम्हारे ॥ देखिसोचहियहोतहमारे ॥ मारगचलहुपयादेहिपाऐ ॥ जोतिषझूठहमारेभाऐ ॥ अगमपंथगिरिकाननभारी ॥ तेहिमंहसाथनारिसुकुमारी ॥ करिकेहरिवनजांहिनजोई ॥ हमसंगचलहिंजोआयसुहोई ॥ जावजहांलगितहंपंहुचाई ॥ फिरववहोरितुमहिंशिरनाई ॥ ** ॥ दोहा ॥ * * * *

यहिविधिबूझहिंप्रेमबश पुलकगातजलनयन ॥

कृपासिंधुफेरहिंतिनहिं करिबिनतीमृदुबचन ॥

॥ चौपाई ॥

जेपुरग्रामबसहिंमगुमांही ॥ तिनहिनागसुरनगरसिहांही ॥ केहिसुकृतिकेहिघरीवसाये ॥ धन्यपुण्यमयपरमसुहाये ॥ जहंजहंरामचरणचलिजाहीं ॥ तेहिसमानअमरावतिनाहीं ॥ पुण्यपुंजमगुनिकटनिवासी ॥ तिनहिंसराहहिंसुरपुरबासी ॥ जोभरिनयनविलोकहिंरामहिं ॥ सीतालषणसहितघनश्यामहिं ॥ जेहिसरसरितरामअवगाहहिं ॥ तिनहिंदेवसरसरितसराहहिं ॥ जेहितरुतरप्रभुबैठहिंजाई ॥ करहिकल्पतरुतासुबडाई ॥ परसिरामपदपदुमपरागा ॥ माननिभूमिभूरिनिजभागा ॥ ॥ दोहा ॥ **********

छांहकरहिंघनविबुधगण बरषहिंसुमनसिहाहिं ॥

देखतगिरिबनबिहगमृग रामचलेमगुजाहिं ** ॥

॥ चौपाई ॥

सीतालखनसहितरघुराई ॥ गांवनिकटजबनिसरहिंजाई ॥ सुनिसबबाल बृद्धनरनारी ॥ चलहिंतुरतगृहकाजबिसारी ॥ रामलखनसियरूपनिहारी ॥ पाइनयनफलहोहिंसुखारी ॥ सजलनयनअतिपुलकसरीरा ॥ सबभयेमग नदेखिदोउबीरा ॥ बरनिनजाइदशातिन्हकेरी ॥ लहीरंकजनुसुरमनिढेरी ॥ एकहिंएकबोलिसिखदेहीं ॥ लोचनलाहलेहुछनएहीं ॥ रामहिंदेखिएक अनुरागे ॥ चितवतचलेजातसंगलागे ॥ एकनयनमगछबिउरआनी ॥ होहिं शिथिलतनमनसबानी ॥ *~* ॥ दोहा ॥ * * * * * * * * * * * * *

एकदेखिबटछांहभलि डासिमृदुलतृणपात ** ॥
कहहिंगंवाइयछिनुकश्रम गवनबअबहिंकिप्रात ॥

॥ चौपाई ॥

एककलशभरिआनहिंपानी ॥ अंचइयनाथकहहिंमृदुबानी ॥ सुनिप्रियबचन प्रीतिअतिदेखी ॥ रामकृपालुसुशीलबिशेषी ॥ जानीसीयश्रमितमनमाहीं ॥ घरिकबिलंबकीन्हबटछांहीं ॥ मुदितनारिनरदेखहिंशोभा ॥ रूपअनूपनयन मनलोभा ॥ एकटकसबसोहहिंचहुंओरा ॥ रामचंद्रमुखचंद्रचकोरा ॥ तरुन तमालबरणतनसोहा ॥ देखतकामकोटिमनमोहा ॥ दामिनिबरणलखनसुठिनी के ॥ नखशिखसुभगभावतेजीके ॥ मुनिपटकटिन्हकसेतूणीरा ॥ सोहतकर कमलन्हधनुतीरा ॥ ******* ॥ दोहा ॥ ****************

जटामुकुटसीसनसुभग उरभुजनयनबिशाल ॥

सरदपर्बबिधुबदनबर लसतस्वेदकनजाल ॥

॥ चौपाई ॥

बरनिनजाइमनोहरजोरी ॥ सोभाबहुतथोरिमतिमोरी ॥ रामलखनसियसुंदरताई ॥ सबचितवहिंचितमनमतिलाई ॥ थकेनारिनरप्रेमपियासे ॥ मनहुंमृगीमृगदेखिदियासे ॥ सीयसमीपग्रामतियजाहीं ॥ पूछतअतिसनेहसकुचाहीं ॥ बारबारसबलागहिंपाये ॥ कहहिंबचनमृदुसरलसुभाये ॥ राजकुमारिबिनयहमकरहीं ॥ तियसुभायकछुपूछतडरहीं ॥ स्वामिनिअबिनयछमबहमारी ॥ बिलगुनमानबजानिगंवारी ॥ राजकुंअरदोउसहजसलोने ॥ इनतेलहिदुतिमरकतसोने ॥ ॥ दोहा ॥

स्यामलगौरकिसोरबर सुंदरसुखमाऐन ॥

सरदसर्बरीनाथमुख सरदसरोरुहनयन ॥

॥ चौपाई ॥

कोटिमनोजलजावनिहारे ॥ सुमुखिकहहुकोआहिंतुम्हारे ॥ सुनिसनेहमयमंजुलबानी ॥ सकुचिसीयमनमहंमुसुकानी ॥ तिनहिंबिलोकिबिलोकतधरणी ॥ दुहुसकोचसकुचतिबरबरणी ॥ सकुचिसप्रेमबालमृगनयनी ॥ बोलीमधुरबचनपिकबयनी ॥ सहजसुभायसुभगतनगोरे ॥ नामलखनलघुदेवरमोरे ॥ बहुरिबदनबिधुअंचलढांकी ॥ पियतनचितैभौंहकरिबांकी ॥ खंजनमंजुतिरीछेनयननी ॥ निजपतिकहेउतिनहिंसियसयनी ॥ भईमुदितसबग्रामबधूटी ॥ रंकन्हरतनराशिजनुलूटी ॥ ॥ दोहा ॥

अतिसप्रेमसियपायपरि बहुबिधिदेहिंअसीस ॥

सदासेवहिंगिरिकुहुम अवधगिरहिअहिसीस॥

॥ चौपाई ॥

पारवतीसमपतिप्रियहोहू ॥ देविनहमपरछाडवछोहू ॥ पुनिपुनिविनवकर हिंकरजोरी ॥ जौयहिमारगफिरियबहोरी ॥ दरशनदेवजानिनिजदासी ॥ लखीसीयसवप्रेमपिआसी ॥ मधुरवचनकहिकहिपरितोषी ॥ जनुकुमुदिनींकौमुदीपोषी ॥ तवहिंलषणरघुवररुखजानी ॥ पूछेउमगुलोगनमृदुवानी ॥ सुनतनारिनरभयेदुखारी ॥ पुलकितअंगविलोचनवारी ॥ मिटामोदमनभएमलीने ॥ विधिनिधिदीन्हलीन्हजनुछीने ॥ समुझिकर्मगतिधीरजकीन्हे ॥ शोधिसुगममगुतिन्हकहिदीन्हे ॥ ॥ दोहा ॥

लषणजानकीसहिततव गवनकीन्हरघुनाथ ॥
फेरेसवप्रियवचनकहि लिएलाइमनसाथ ॥

॥ चौपाई ॥

फिरतनारिनरअतिपछताहीं ॥ दैवहिंदोसदेहिंमनमाहीं ॥ सहितविषादपरस्परकहहीं ॥ विधिकरतवसवउलटैअहहीं ॥ निपटनिरंकुशनिठुरनिशंकू ॥ जेहिशशिकीन्हसरुजसकलंकू ॥ रूषकल्पतरुसागरषारा ॥ तेइपठयेवनराजकुमारा ॥ जौंपैइनहिंदीन्हवनवासू ॥ कीन्हवादिविधिभोगविलासू ॥ येविचरहिंमगुविनुपदत्राना ॥ रचेवादिविधिवाहननाना ॥ येमहिपरहिंडासिकुशपाता ॥ सुभगसेजकतकीन्हविधाता ॥ तरुतरवासइनहिंविधिदीन्हा ॥ धवलधामरचिरचिश्रमकीन्हा ॥ ॥ दोहा ॥

जौयेमुनिपटधरजटिल सुंदरसुठिसुकुमार ॥

बिबिधभांतिभूषनबसन बादिकियेबिधिकर ॥

॥ चौपाई ॥

जौंयेकंदमूलफलखाहीं ॥ बादिसुधादिअसनजगमाहीं ॥ एककहहिंयेसहजसुहाये ॥ आपुप्रगटभयेबिधिनबनाये ॥ जहँलगिबेदकहीबिधिकरनी ॥ श्रवननयनमनगोचरबरनी ॥ देखहुखोजिभुवनदसचारी ॥ कहँअसपुरुषकहांअसिनारी ॥ इन्हहिंदेखिबिधिमनअनुरागा ॥ पटतरजोगबनावनलागा ॥ कीन्हबहुतश्रमऐकनआये ॥ तेहिइरिषाबनआनिदुराये ॥ एककहहिंहमबहुतनजानहिं ॥ आपुहिपरमधन्यकरिमानहिं ॥ तेपुनिपुन्यपुंजहमलेखे ॥ जेदेखहिंदेखिहहिंजिन्हदेखे ॥ * ॥ दोहा ॥ *

यहिबिधिकहिकहिबचनप्रिय लेहिंनयनभरिनीर ॥
किमिचलिहहिंमारगअगम सुठिसुकुमारसरीर ॥

॥ चौपाई ॥

नारिसनेहबिकलबसहोहीं ॥ चकईसांझसमयजनुसोहीं ॥ मृदुपदकमलकठिनमगुजानी गहबरिहृदयकहहिंमृदुबानी ॥ परसतमृदुलचरनअरुनारे ॥ सकुचतिमहिजिमिहृदयहमारे ॥ जौंजगदीसइन्हहिंबनदीन्हा ॥ कसनसुमनमयमारगकीन्हा ॥ जौंमांगेपाइयबिधिपाहीं ॥ रखियसखिइन्हआंखिनमांहीं ॥ जेनरनारिनअवसरआये ॥ तेसियरामनदेखनपाये ॥ सुनिसरूपपूछहिंअकुलाई ॥ अबलगिगयेकहांलगिभाई ॥ समरथधाइबिलोकहिंआई ॥ प्रमुदितफिरहिंनयनफलपाई ॥ * ॥ दोहा ॥ *

अबलाबालकबृद्धजन करमींजहिंपछताहिं ॥

होहिंप्रेमबसलोगइमि रामुजहांजहंजाहिं॥

॥ चौपाई ॥

गांउंगांउंअसहोइअनंदू॥ देखिभानुकुलकैरवचंदू॥ जेकछुसमाचारसुनिपावहिं॥ तेन्टपरानिहिंदोषलगावहिं॥ कहहिंएकअतिभलनरनाहू॥ दीन्हहमहिंजिन्हलोचनलाहू॥ कहहिंपरस्परलोगलोगाईं॥ बातेंसरलसनेहसुहाईं॥ तेपितुमातुधन्यजेजाये॥ धन्यसोनगरजहांतेंआये॥ धन्यसोदेससैलबनगाऊं॥ जहंजहंजाहिंधन्यसोठाऊं॥ सुखपायोबिरंचिरचितेही॥ येजिन्हकेसबभांतिसनेही॥ रामलषनपथिकथासुहाई॥ रहीसकलमगकाननछाई॥ ***~~*~~* ॥ दोहा ॥ *~~*~~*~~*~~*~~**

यहिबिधिरघुकुलकमलरबि मगुलोगन्हसुखदेत॥

जाहिंचलेदेखतबिपिन सियसौमित्रिसमेत *** ॥

॥ चौपाई ॥

आगेंरामलषनबनेपाछें॥ तापसबेषबिराजतकाछें॥ उभयमध्यसियसोभतिकैसी॥ ब्रह्मजीवबिचमायाजैसी॥ बहुरिकहौंछबिजसमनबसई॥ जनुमधुमदनमध्यरतिलसई॥ उपमाबहुरिकहौंजियजोही॥ जनुबुधबिधुबिचरोहिनिसोही॥ प्रभुपदरेखबीचबिचसीता॥ धरतिचरनमगुचलतिसभीता॥ सीयरामपदअंकबरायें॥ लषनचलहिंमगुदाहिनलायें॥ रामलषनसियप्रीतिसुहाई॥ बचनअगोचरकिमिकहिजाई॥ खगमृगमगनदेखिछबिहोहीं॥ लियेचोरिचितरामबटोही॥ *~~* ॥ दोहा ॥ *~~*~~*~~*~~**

जिन्हजिन्हदेखेपथिकप्रिय सीयसहितदोउभाइ॥

भएमगुनग्राममगजनंहि बिनुश्रमरहितसिराइ ** ॥

॥ चौपाई ॥

अजहुंजासुउरसपनेहुकाऊ॥ बसहिंलखनसियरामबटाऊ॥ रामधामपथ पाइहिसोई॥ जोपथपावकबहिंमुनिकोई॥ तबरघुबीरश्रमितसियजानी॥ देखिनिकटबटसीतलपानी॥ तहँबसिकंदमूलफलखाई॥ प्रातन्हाइचले रघुराई॥ देखतबनसरसैलसुहाये॥ बालमीकआश्रमप्रभुआये॥ रामदे खिमुनिबाससुहावन॥ सुंदरगिरिकाननजलपावन॥ सरनिसरोजबिटपबन फूले॥ गुञ्जतमंजुमधुपरसभूले॥ खगमृगबिपुलकोलाहलकरहीं॥ रहितबैर प्रमुदितमनचरहीं॥ ** ॥ दोहा ॥ **

शुचिसुंदरआश्रमनिरखि हर्षेराजिवनयन ॥
सुनिरघुबरआगमनमुनि आगेंआयेलयन * ॥

॥ चौपाई ॥

मुनिकहँरामदंडवतकीन्हा॥ आशिरबादबिप्रवरदीन्हा॥ देखिरामछबिनयन जुडाने॥ करिसनमानआश्रमहिंआने॥ मुनिवरअतिथिप्राणप्रियपाये॥ कन्द मूलफलमधुरमंगाये॥ सियसौमित्रिरामफलखाये॥ तबमुनिआसनदियेसुहा ये॥ बालमीकमनआनंदभारी॥ मंगलमूरतिनयननिहारी॥ तबकरकमलजो रिरघुराई॥ बोलेबचनश्रवणसुखदाई॥ तुमत्रिकालदरशीमुनिनाथा॥ बि श्वबदरजिमितुम्हरेहाथा॥ असकहिप्रभुसबकथाबखानी॥ जेहिजेहिभांतिदीन्ह बनरानी॥ ** ॥ दोहा ॥ **

तातबचनपुनिमातुमत भाइभरतअसराउ ॥

मोकहँदरसतुम्हारप्रभु सबुममपुन्यप्रभाउ ॥

॥ चौपाई ॥

देखिपायमुनिरायतुम्हारे ॥ भएसुकृतसबसुफलहमारे ॥ अबजहँराउरआ
यसुहोई ॥ मुनिउदबेगनपावैकोई ॥ मुनितापसजिन्हतेंदुखलहहीं ॥ तेन
रेसबिनुपावकदहहीं ॥ मंगलमूलबिप्रपरितोषू ॥ दहैकोटिकुलभूसुररोषू ॥
असजियँजानिकहियसोइठाऊँ ॥ सियसौमित्रिसहितजहँजाऊँ ॥ तहँरचिरुचि
रपर्णतृनसाला ॥ बासकरौंकछुकालकृपाला ॥ सहजसरलसुनिरघुबरबा
नी ॥ साधुसाधुबोलेमुनिज्ञानी ॥ कसनकहहुअसरघुकुलकेतू ॥ तुम्हपालकसं
ततश्रुतिसेतू ॥ *** ॥ छंद ॥ ******

श्रुतिसेतुपालकरामतुमजगदीसमायाजानकी ॥ * ॥ जोसृजति
जगपालतिहरतिरुखपाइकृपानिधानकी ॥ * ॥ जोसहससीसअही
समहिधरलखनसचराचरधनी ॥ * ॥ सुरकाजधरिनरराजत
नचलेदलनखलनिसिचरअनी ॥ * ॥ सोरठा ॥ ***

रामसरूपतुम्हार बचनअगोचरबुद्धिपर *** ॥
अबिगतअकथअपार नेतिनेतिनितनिगमकह ॥

॥ चौपाई ॥

जगपेखनतुमदेखनिहारे ॥ बिधिहरिसंभुनचावनहारे ॥ तेउनजानहिंमरमतु
म्हारा ॥ औरतुम्हहिंकोजाननिहारा ॥ सोइजानैजेहिदेहुजनाई ॥ जानततुम्है
तुमहिंहोइजाई ॥ तुम्हरीकृपातुम्हहिंरघुनंदन ॥ जानहिंभगतभगतउरचंदन ॥
चिदानंदमयदेहतुम्हारी ॥ बिगतबिकारजानअधिकारी ॥ नरतनुधरेहुसन्त

सुरकाजा॥ धरेउकुमारकुजसप्राकृतराजा॥ रामदेखिसुनिचरिततुम्हारे॥ जड़मोहहिंबुधहोहिंसुखारे॥ तुमजोकहहुकरहुसबसांचा॥ जसकाछियतसचाहियनाचा॥ *—*—*॥ दोहा॥ **—*—*—*—*

पूछेहुमोहिकिरहौंकहां मैंपूछतसकुचाउं॥
जहुंनहोहुतहंदेहुकहि तुमहिदिखावौंठाउं॥

॥ चौपाई॥

सुनिमुनिबचनप्रेमरससाने॥ सकुचिराममनमहंमुसुकाने॥ बालमीकिहंसिकहहिंबहोरी॥ बानीमधुरअमियरसबोरी॥ सुनहुरामअबकहौंनिकेता॥ बसहुजहांसियलषणसमेता॥ जिनकेश्रवणसमुद्रसमाना॥ कथातुम्हारसुभगसरिनाना॥ भरहिंनिरन्तरहोहिंनपूरे॥ तिनकेहियतुमकहंगृहरूरे॥ लोचनचातकजिनकरिराखे॥ रहहिंदरसजलधरअभिलाषे॥ निदरहिंसरितसिंधुसरभारी॥ रूपबिंदुजलहिहोहिंसुखारी॥ तिनकेहृदयसदनसुखदायक॥ बसहुबंधुसियसहरघुनायक॥ *—*॥ दोहा॥ *—*—*—*

यशतुम्हारमानसबिमल हंसिनिजीहाजासु॥
मुक्ताहलगुणगणचुनहि बसहुरामहियतासु॥

॥ चौपाई॥

प्रभुप्रसादसुचिसुभगसुबासा॥ सादरजासुलहैनितनासा॥ तुमहिनिबेदितभोजनकरहीं॥ प्रभुप्रसादपटभूषणधरहीं॥ सीसनवहिंसुरगुरुद्विजदेखी॥ प्रीतिसहितकरिबिनयबिशेषी॥ करनितकरहिंरामपदपूजा॥ रामभरोसहृदयनहिदूजा॥ चरणरामतीरथचलिजाहीं॥ रामबसहुतिनकेमनमाहीं॥

मंत्रराजनितजपहिंतुम्हारा ॥ पूजहिंतुमहिंसहितपरिवारा ॥ तर्पनहोमकरहिं
बिधिनाना ॥ बिप्रजेंवाइदेहिंबहुदाना ॥ तुमतेंअधिकगुरहिंजियजानी ॥
सकलभावसेवहिंसनमानी ॥ *~* ॥ दोहा ॥ *~*~*

सबकरिमांगहिंएकफल रामचरणरतिहोउ ॥
तिनकेमनमंदिरबसहु सियरघुनंदनदोउ ॥

॥ चौपाई ॥

कामक्रोधमदमाननमोहा ॥ लोभनक्षोभनरागनद्रोहा ॥ जिन्हकेकपटदंभन
हिमाया ॥ तिन्हकेहृदयबसहुरघुराया ॥ सबकेप्रियसबकेहितकारी ॥ दुख
सुखसरिसप्रसंसागारी ॥ कहहिंसत्यप्रियबचनबिचारी ॥ जागतसोवतशरण
तुम्हारी ॥ तुमहिंछाडिगतिदूसरिनाहीं ॥ रामबसहुतिन्हकेउरमांहीं ॥ ज
ननीसमजानहिंपरनारी ॥ धनपरायबिषतेंबिषभारी ॥ जेहरषहिंपरसंपति
देखी ॥ दुखितहोहिंपरबिपतिबिशेषी ॥ जिनहिंरामतुमप्राणपियारे ॥ तिन
केउरसुभसदनतुम्हारे ॥ *~* ॥ दोहा ॥ *~*~*~*

स्वामिसखापितुमातुगुरु जिनकेसबतुमतात ॥
तिनकेमनमंदिरबसहु सीयसहितदोउभ्रात ॥

॥ चौपाई ॥

अवगुणतजिसबकेगुणगहहीं ॥ बिप्रधेनुहितसंकटसहहीं ॥ नीतिनिपुणजिन
केजगलीका ॥ घरतुम्हारतिनकोमननीका ॥ गुणतुम्हारसमुझहिंनिजदोषू
॥ जेहिसबभांतितुम्हारभरोसू ॥ रामभक्तिप्रियलागहिंजेही ॥ तेहिउरबसहु
सहितबैदेही ॥ जातिपांतिधनधर्मबडाई ॥ प्रियपरिवारसदनसुखदाई ॥

सबतजितुम्हहिरहैउरलाई ॥ तेहिकेहृदयबसहुरघुराई ॥ स्वर्गनरकअपवर्ग समाना ॥ जहंतहंदेखधरेधनुवाना ॥ करमबचनमनराउरचेरा ॥ रामकरहु तेहिकेउरडेरा ॥ ॥ दोहा ॥

जाहिनचाहिअकबहुंकछु तुम्हसनसहजसनेहु ॥
बसहुनिरंतरतासुउर सोराउरनिजगेहु ॥

॥ चौपाई ॥

यहिविधिमुनिवरभवनदेखाये ॥ बचनसप्रेमराममनभाये ॥ कहमुनिसुनहु भानुकुलनायक ॥ आश्रमकहौंसमयसुखदायक ॥ चित्रकूटगिरिकरहुनिवा सू ॥ तहंतुम्हारसबभांतिसुपासू ॥ सैलसुहावनकाननचारू ॥ करिकेहरिमृ गविहंगविहारू ॥ नदीपुनीतपुरानबखानी ॥ अत्रिप्रियानिजतपबलआनी ॥ सुरसरिधारनाममंदाकिनि ॥ जोसबपातकपोतकडाकिनि ॥ अत्रिआदिमुनि वरबहुबसहीं ॥ करहिंजोगजपतपतनकसहीं ॥ चलहुसफलश्रमसबकरकर हू ॥ रामदेहुगौरवगिरिवरहू ॥ ॥ दोहा ॥

चित्रकूटमहिमाअमित कहीमहामुनिगाइ ॥
आइनहानेसरितवर सियसमेतदोउभाइ ॥

॥ चौपाई ॥

रघुवरकहेउलखनभलघाटू ॥ करहुकतहुंअबठाहरठाटू ॥ लखनदीखपय उतरकरारे ॥ चहुंदिशिफिरेउधनुषजिमिनारे ॥ नदीपनचसरसमदमदा ना ॥ सकलकलुषकलिसाउजनाना ॥ चित्रकूटजनुअचलअहेरी ॥ चूकनघा तमारमुठभेरी ॥ असकहिलखनठामदेखरावा ॥ थलविलोकिरघुपतिसुखपा

ना ॥ रमेउराममनदेवन्हजाना ॥ चलेसहितसुरथपतिप्रधाना ॥ कोलकिरात भेषधरिआये ॥ रचेउपरनतृनसदनसुहाये ॥ बरनिनजाइमंजुदुइशाला ॥ एकललितलघुएकबिशाला ॥ *—* ॥ दोहा ॥ *—*—*—*

लषणजानकीसहितप्रभु राजतरुचिरनिकेत ॥

सोहमदनमुनिभेषजनु रतिऋतुराजसमेत ॥

॥ चौपाई ॥

अमरनागकिन्नरदिक्पाला ॥ चित्रकूटआयेतेहिकाला ॥ रामप्रणामकीन्हसबका हू ॥ मुदितदेवलहिलोचनलाहू ॥ बरषिसुमनकहदेवसमाजू ॥ नाथसनाथभ येहमआजू ॥ करिबिनतीदुखदुसहसुनाये ॥ हर्षितनिजनिजगेहसिधाये ॥ चित्रकूटरघुनंदनछाये ॥ समाचारसुनिसुनिमुनिआये ॥ आवतदेखिमुदितमु निवृन्दा ॥ कीन्हदंडवतरघुकुलचन्दा ॥ मुनिरघुबरहिंलाइउरलेहीं ॥ सुफ लहोनहितआशिषदेहीं ॥ सियसौमित्रिरामछबिदेखी ॥ साधनसकलसुफलक रिलेखी ॥ *—*—*—* ॥ दोहा ॥ *—*—*—*—*

यथायोगसनमानिप्रभु बिदाकिएमुनिवृन्द ॥

करहिंयोगजपयज्ञतप निजआश्रमनस्वछन्द ॥

॥ चौपाई ॥

यहसुधिकोलकिरातनपाये ॥ हर्षेजनुनवनिधिघरआये ॥ कंदमूलफलभरिभ रिदोना ॥ चलेरंकजनुलूटनसोना ॥ तिनमहंजिनदेखेदोभ्राता ॥ औरतिनहिं पूछहिंमगुजाता ॥ कहतसुनतरघुबीरनिकाई ॥ आयेसबदेखेदोभाई ॥ कर हिंजोहारिभेंटधरिआगें ॥ प्रभुहिंबिलोकतअतिअनुरागे ॥ चित्रलिखेजनुजहंत

उरठाढे॥ पुलकशरीरनयनजलबाढे॥ रामसनेहमगनसबजाने॥ कहिप्रिय
बचनसकलसनमाने॥ प्रभुहिंजोहारिबहोरिबहोरी॥ बचनबिनीतकहहिंक
रजोरी॥ ✻——✻——✻ ॥ दोहा ॥ ✻——✻——✻——✻——✻

अबहमनाथसनाथसब भएदेखिप्रभुपाय॥
भागहमारेआगमन राउरकोशलराय ✻ ॥

॥ चौपाई ॥

धन्यभूमिबनपंथपहारा॥ जहंजहंनाथपांवतुमधारा॥ धन्यबिहगमृगकाननचा
री॥ सुफलजन्मभएतुमहिंनिहारी॥ हमसबधन्यसहितपरिवारा॥ देखिअ
नयनभरिदरसतुम्हारा॥ कीन्हबासभलठामबिचारी॥ इहांसकलरितुरहबसु
खारी॥ हमसबभांतिकरबसेवकाई॥ करिकेहरिअहिबाघबराई॥ बनबेहड़
गिरिकंदरखोहा॥ सबहमारप्रभुपगपगजोहा॥ तहंतहंतुमहिंअहेरखेला
उब॥ सरनिर्भरजलठामदेखाउब॥ हमसेवकपरिवारसमेता॥ नाथनसकु
चबआयसुदेता॥ ✻——✻✻ ॥ दोहा ॥ ✻——✻——✻——✻——✻

बेदबचनमुनिमनअगम तेप्रभुकरुणाऐन॥
बचनकिरातनकेसुनत जिमिपितुबालकबैन॥

॥ चौपाई ॥

रामहिंकेवलप्रेमपिआरा॥ जानिलेउजोजाननिहारा॥ रामसकलबनचरपरि
तोषे॥ कहिमृदुबचनप्रेमपरिपोषे॥ बिदाकिएसिरनाइसिधाये॥ प्रभुगुण
कहतसुनतघरआये॥ यहिबिधिसीयसहितदोउभाई॥ बसहिंबिपिनसुरमु
निसुखदाई॥ जबतेआइरहेरघुनायक॥ तबतेभौबनमंगलदायक॥ फूल

हिंफलहिंविटपविधिनाना॥ मंजुललितवरबेलिविताना॥ सुरतरुसरिससुभा वसुहाये॥ मनहुंविबुधवनपरिहरिआये॥ गुंजतमंजुलमधुकरश्रेणी॥ त्रिविधवयारवहैसुखदेनी॥ *—* ॥ दोहा॥ *—*—*—*—*

नीलकंठकलकंठशुक चातकचक्रचकोर *॥
भांतिभांतिबोलहिंविहग श्रवणसुखदचितचोर॥

॥ चौपाई॥

करिकेहरिकपिकोलकुरंगा॥ विगतवयरविहरहिंएकसंगा॥ फिरतअहेरराममछविदेखी॥ होहिंमुदितमृगवृन्दविशेषी॥ विबुधविपिनजहंलगिजगमांही॥ देखिरामवनसकलसिहाहीं॥ सुरसरिसरस्वतिदिनकरकन्या॥ मेकलसुतागोदावरिधन्या॥ सवसरिसिंधुनदीनदनाना॥ मंदाकिनिकरकरहिंवखाना॥ उदयअस्तगिरिवरकैलाशू॥ मंदरमेरुसकलसुरवासू॥ शैलहिमाचलआदिकजेते॥ चित्रकूटयशगावहिंतेते॥ वृन्दमुदितमनसुखनसमाई॥ विनुश्रमविपुलवडाईपाई॥ *—* ॥ दोहा॥ *—*—*—*

चित्रकूटकेविहगमृग वेलिविटपतृणजाति॥
पुण्यपुंजसवधन्यअस कहहिंदेवदिनराति॥

॥ चौपाई॥

नयनवंतरघुपतिहिंविलोकी॥ पाइजन्मफलहोहिंविशोकी॥ परसिचरणरजअचरसुखारी॥ भएपरमपदकेअधिकारी॥ सोवनशैलसुभायसोहावन॥ मंगलमयअतिपावनपावन॥ महिमाकहियेकवनविधितासू॥ सुखसागरजहंकीन्हनिवासू॥ पयपयोधितजिअवधविहाई॥ जहंसियलषणरामरहआई

॥ कहिनसकहिंसुखमाजसकानन ॥ जौंशतसहसहोहिंसहसानन ॥ सोमैंबर
निकहौंबिधिकेही ॥ डाबरकमठकिमंदरलेहीं ॥ सेवहिंलषणकर्ममनबानी ॥
जाइनशीलसनेहबखानी ॥ ** ॥ दोहा ॥ * * * *

छिनुछिनुलखिसियरामपद जानिआपुपरनेह ॥
करतनलषणसपनेहुँचित बंधुमातुपितुगेह * ॥

॥ चौपाई ॥

रामसंगसियरहहिंसुखारी ॥ प्रियपरिजनगृहसुरतिबिसारी ॥ छिनुछिनुपिय
बिधुबदननिहारी ॥ प्रमुदितमनहुँचकोरकुमारी ॥ नाहनेहनितबढतबिलोकी
॥ हर्षितरहतिदिवसजिमिकोकी ॥ सियमनरामचरणअनुरागा ॥ अवधसहस
समबनप्रियलागा ॥ पर्णकुटीप्रियप्रीतमसंगा ॥ प्रियपरिवारकुरंगबिहंगा ॥ सा
सुससुरसममुनितियमुनिवर ॥ अशनअमियसमकंदमूलफर ॥ नाथसाथसाथ
रीसुहाई ॥ मयनशयनसमसवसुखदाई ॥ लोकपहोहिंबिलोकतजासू ॥ ते
हिंकिमोहशकविषयबिलासू ॥ * * ॥ दोहा ॥ * * *

सुमिरतरामहिंतजहिंजन तृणसमविषयबिलासु ॥
रामप्रियाजगजननिसिय कछुनआचरजतासु * ॥

॥ चौपाई ॥

सीयलषणजेहिबिधिसुखलहहीं ॥ सोइरघुनाथकरहिंसोइकहहीं ॥ कहहिं
पुरातनकथाकहानी ॥ सुनहिंलषणसियअतिसुखमानी ॥ जबजबरामअवधसु
धिकरहीं ॥ तबतबबारिबिलोचनभरहीं ॥ सुमिरिमातुपितुपरिजनभाई ॥ भ
रतसनेहशीलसेवकाई ॥ कृपासिंधुप्रभुहोहिंदुखारी ॥ धीरजधरहिंकुसमय

बिचारी ॥ लखिसियलषणबिकलहोइजाहीं ॥ जिमिपुरुषहिंअनुसरपरि
छाहीं ॥ प्रियाबंधुगतिलखिरघुनंदन ॥ धीरकृपालभक्तउरचंदन ॥ लगेक
हनकछुकथापुनीता ॥ सुनिसुखलहहिंलषणअरुसीता ॥ ******

॥ दोहा ॥

रामलषणसीतासहित सोहतपर्णनिकेत ॥
जिमिबासवबसअमरपुर शचीजयंतसमेत ॥

॥ चौपाई ॥

जोगवहिंप्रभुसियअनुजहिंकैसे ॥ पलकबिलोचनगोलकजैसे ॥ सेवहिंलषण
सीयरघुबीरहिं ॥ जिमिअबिबेकीपुरुषशरीरहिं ॥ यहिबिधिप्रभुबनबस
हिंसुखारी ॥ खगमृगसुरतापसहितकारी ॥ कहेउंरामबनगवनसुहावा ॥
सुनहुसुमंतअवधजिमिआवा ॥ फिरेउनिषादप्रभुहिंपहुंचाई ॥ सचिवस
हितरथदेखेउआई ॥ मंत्रिहिंबिकलबिलोकिनिषादू ॥ कहिनजायजसभ
यउबिषादू ॥ रामरामसियलषणपुकारी ॥ परेउधरणितलव्याकुलभारी ॥ दे
खिदक्षिणदिशिहयहिहिनाहीं ॥ जिमिबिनुपंखबिहगअकुलाहीं ॥ ***

॥ दोहा ॥

नहितृणचरहिंनपिअहिंजल मोचतलोचनबारि ॥
व्याकुलभयेउनिषादगण रघुबरबाजिनिहारि ॥

॥ चौपाई ॥

धरिधीरजतबकहहिंनिषादू ॥ अबसुमंतपरिहरहुबिषादू ॥ तुमपंडितपरमार
थज्ञाता ॥ धरहुधीरलखिबामबिधाता ॥ बिबिधकथाकहिकहिमृदुबानी ॥ रथ

बैठारेउ बरबस आनी ॥ सोक सिथिल रथ सकै न हाँकी ॥ रघुबर बिरह पीर उर बाँकी ॥ चरफराहिं मग चलहिं न घोरे ॥ बनमृग मनहुँ आनि रथ जोरे ॥ अढुकि परहिं फिरि हेरहिं पीछे ॥ राम बियोग बिकल दुख तीछे ॥ जो कह राम लखन बैदेही ॥ हिंकरि हिंकरि हित हेरहिं तेही ॥ बाजि बिरह गति कहि किमि जाती ॥ बिनु मनि फनिक बिकल जेहि भाँती ॥ * ॥ दोहा ॥

भयो निषाद बिषाद बस देखत सचिव तुरंग ॥
बोलि सुसेवक चारि तब दिये सारथी संग ॥

॥ चौपाई ॥

गुह सारथिहि फिरेउ पहुँचाई ॥ बिरह बिषाद बरनि नहिं जाई ॥ चले अवध लेइ रथहि निषादा ॥ होहिं छनहिं छन मगन बिषादा ॥ सोच सुमंत्र बिकल दुख दीना ॥ धिग जीवन रघुबीर बिहीना ॥ रहिहि न अंतहु अधम सरीरू ॥ जस न लहेउ बिछुरत रघुबीरू ॥ भये अजस अघ भाजन प्राना ॥ कौन हेतु नहिं करत पयाना ॥ अहह मंद मन अवसर चूका ॥ अजहुँ न हृदय होत दुइ टूका ॥ मीजि हाथ सिर धुनि पछिताई ॥ मनहुँ कृपन धन रासि गँवाई ॥ बिरद बाँधि बर बीर कहाई ॥ चलेउ समर जनु सुभट पराई ॥ * ॥ दोहा ॥ *

बिप्र बिबेकी बेदबिद संमत साधु सुजाति * ॥
जिमि धोखे मदपान कर सचिव सोच तेहि भाँति ॥

॥ चौपाई ॥

जिमि कुलीन तिय साधु सयानी ॥ पतिदेवता करम मन बानी ॥ रहै करम बस परिहरि नाहू ॥ सचिव हृदय तिमि दारुन दाहू ॥ लोचन सजल डीठि भइ थोरी ॥

सुनैनअवधविकलमनिभोरी ॥ सुखगईअधरलागिमुहजाटी ॥ जिवनजाइ उरअवधिकपाटी ॥ विवरणभयेउनजाइनिहारी ॥ मारेसिमनहुंपितामहतारी ॥ हानिगलानिविपुलमनव्यापी ॥ यमपुरपंथसोचजिमिपापी ॥ वचनन आवहृदयपछिताई ॥ अवधकाहमैंदेखवजाई ॥ रामरहितरथदेखिहिजोई ॥ सकुचिहिमोहिविलोककसोई ॥ ** ॥ दोहा ॥ ***

धाइपूछिहहिंमोहिजब विकलनगरनरनारि ॥
उतरदेवमैंसवहितब हृदयवज्रवैठारि *** ॥

॥ चौपाई ॥

पुछिहहिंदीनदुखितसवमाता ॥ कहवकाहमैंतिनहिंविधाता ॥ पुछिहहिंजवहिंलषणमहतारी ॥ कहिहौंकवनसंदेशसुखारी ॥ रामजननिजवआइहिधाई ॥ सुमिरिवच्छजिमिधेनुलवाई ॥ पूछतउतरदेवमैंतेही ॥ गेवनराम लषणवैदेही ॥ जेइपूछिहितेहिउतरदेवा ॥ जाइअवधअवयहसुखलेवा ॥ पूछिहिंजवहिंराउदुखदीना ॥ जीवनजासुरामआधीना ॥ दैहौंउतरकवनमुहलाई ॥ आयेउंकुशलकुंअरपहुंचाई ॥ सुनतलषणसियरामसंदेशू ॥ तृणइवतनपरिहरवनरेशू ॥ ** ॥ दोहा ॥ ***

हृदयनविदरतपंकजिमि विछुरतप्रीतमनीर ॥
जानतहौंमोहिदीन्हविधि यहयातनाशरीर ॥

॥ चौपाई ॥

यहिविधिकरतपंथपछिताबा ॥ तमसातीरतुरतरथआवा ॥ विदाकियेकरिविनयनिषादू ॥ फिरेपायपरिविकलविषादू ॥ पैठतनगरसचिवसकुचाई ॥ जेनु

मारेसिगुरुब्राह्मणगाई ॥ बैठिबिटपतरदिवसगवांवा ॥ सांझसमयतबअवसर पावा ॥ अवधप्रवेशकीन्हअंधिआरे ॥ पैठुभवनरथराखिदुआरे ॥ जिन्हजिन्ह समाचारसुनिपाये ॥ भूपद्वाररथदेखनआये ॥ रथपहिचानिबिकललखिघोरे ॥ गरहिंगातजिमिआतपओरे ॥ नगरनारिनरव्याकुलकैसे ॥ निघटतनीरमीन गनजैसे ॥ ॥ दोहा ॥

सचिवआगमनसुनतसब बिकलभईरनिवास ॥
भवनभयंकरलागतेहि मानहुंप्रेतनिवास ॥

॥ चौपाई ॥

अतिआरतसबपूछहिंरानी ॥ उतरनआवबिकलभइबानी ॥ सुनैनश्रवनयन नहिंसूझा ॥ कहहुकहांनृपतेहितेहिबूझा ॥ दासिन्हदीखसचिवबिकलाई ॥ कौसिल्यागृहगईंलवाई ॥ जाइसुमन्तदीखकसराजा ॥ अमियरहितजनु चंदबिराजा ॥ आसनसयनबिभूषनहीना ॥ परेउभूमितलनिपटमलीना ॥ लेइउसांससोचयहिभांती ॥ सुरपुरतेजनुखसेउजजाती ॥ लेतसोचभरिछि नुछिनुछाती ॥ जनुजरिपंखपरेउसंपाती ॥ रामरामकहरामसनेही ॥ पुनिकह रामलखनबैदेही ॥ ॥ दोहा ॥

देखिसचिवजयजीवकहि कीन्हेसिदंडप्रनाम ॥
सुनतउठेउब्याकुलनृपति कहुसुमन्तकहंराम ॥

॥ चौपाई ॥

भूपसुमन्तलीन्हउरलाई ॥ बूडतकछुअधारजनुपाई ॥ सहितसनेहनिकट बैठारी ॥ पूछतराउनयनभरिबारी ॥ रामकुशलकहुसखासनेही ॥ कहंरघु

नाथलखनबैदेही॥ अनेकउपायफेरिनिअनहिंसिधाये॥ सुनतसचिवलोचनजलछाये॥ सोकबिकलपुनिपूछनरेसू॥ कहुसियरामलखनसंदेसू॥ रामरूपगुनसीलसुभाऊ॥ सुमिरिसुमिरिउरसोचतराऊ॥ राउसुनाइदीन्हबनबासू॥ सुनिमनभयउनहरषहरासू॥ सोसुतबिछुरतगयेनप्राणा॥ कोपापीबडमोहिसमाना॥ ॥दोहा॥

सखारामसियलखनजहँ तहाँमोहिपहुँचाउ॥
नाहितचाहतचलनअब प्रानकहौंसतभाउ॥

॥चौपाई॥

पुनिपुनिपूछतमंत्रिहिराऊ॥ प्रियतमसुअनसँदेससुनाऊ॥ सचिवधीरधरिकहमृदुबानी॥ महाराजतुमपंडितज्ञानी॥ बीरसुधीरधुरंधरदेवा॥ साधुसमाजसदातुमसेवा॥ जन्ममरनसबदुखसुखभोगा॥ हानिलाभप्रियमिलनबियोगा॥ कालकर्मबसहोहिंगोसाईं॥ बरबसरातिदिवसकीनाईं॥ सुखहरषहिंजडदुखबिलखाहीं॥ दोउसमधीरधरहिंमनमाहीं॥ धीरजधरहुबिबेकबिचारी॥ छाडियसोचसकलहितकारी॥

॥दोहा॥

प्रथमबासतमसाभयउ दूसरसुरसरितीर॥
न्हाइरहेजलपानकरि सियसमेतदोउबीर॥

॥चौपाई॥

केवटकीन्हबहुतसेवकाई॥ सोजामिनिसिंगरौरगवाँई॥ होतप्रातबटछीरमँगावा॥ जटामुकुटनिजसीसबनावा॥ रामसखातबनावमँगाई॥ प्रियाचढ़ाइ

चढे रघुराई ॥ धनुष धरे धनुबाण बनाई ॥ आपु चले प्रभु आयसु पाई ॥ विकल बिलोकि मोहि रघुवीरा ॥ बोले मधुर बचन धरि धीरा ॥ तात प्रणाम तात सन कहेहू ॥ बार बार पद पंकज गहेहू ॥ करि विधि प्राय परि विनय बहोरी ॥ तात करि यजनि चिंता मोरी ॥ बन मग मंगल कुशल हमारे ॥ कृपा अनुग्रह पुण्य तुम्हारे ॥

✱~✱~✱~✱ ॥ छंद ॥ ✱~✱~✱~✱

तुम्हरे अनुग्रह तात कानन जात सब सुख पाइहौं ॥ ✱ ॥ प्रतिपालि आयसु कुशल देखन पाय पुनि फिरि आइहौं ॥ ✱ ॥ जननी सकल परितोषि परि परि पाय करि बिनती घनी ॥ ✱ ॥ तुलसी करेउ सोइ यत्न जेहि बिधि कुशल रहु कोशलधनी ॥ ✱ ॥ ✱ ॥ ✱ ॥

✱~✱~✱~✱ ॥ सोरठा ॥ ✱~✱~✱~✱

गुरु सन कहब संदेश बार बार पद पद्म गहि ✱✱ ॥

करब सोइ उपदेश जेहि न सोच मोहि अवधपति ॥

॥ चौपाई ॥

पुरजन परिजन सकल निहोरी ॥ तात सुनाय कहि बिनती मोरी ॥ सोइ सब भांति मोर हितकारी ॥ जातें रह नरनाह सुखारी ॥ कहब संदेश भरत के आये ॥ नीति न तजब राजपद पाये ॥ पालब प्रजहि कर्म मन बानी ॥ सेये मातु सकल सम जानी ॥ ओर निबाहब भायप भाई ॥ करि पितु मातु सुजन सेवकाई ॥ तात भांति तेहि राखब राऊ ॥ सोच मोर जेहि करहिं न काऊ ॥ लषण कहे कछु बचन कठोरा ॥ बरजि राम पुनि मोहि निहोरा ॥ बार बार निज शपथ दिवाई ॥ कहब न तात लषण लरिकाई ॥ ✱~✱~✱ ॥ दोहा ॥ ✱~✱~✱~✱

कहिप्रणामकछुकहनलिय सियभइशिथिलसनेह॥
थकितवचनलोचनसजल पुलकपल्लवितदेह*॥

॥ चौपाई॥

तेहिअवसररघुबररुखपाई॥ केंवटपारहिंनावचलाई॥ रघुकुलतिलकचलेयहिभांती॥ देखेउंठाढकुलिशधरिछाती॥ मैंआपनकिमिकहउंकलेसू॥ जिअतफिरेउंलैरामसंदेसू॥ असकहिसचिववचनरहिगएऊ॥ हानिगलानिसोचवशभयेऊ॥ सुनतसुमंतवचननरनाहू॥ परेउधरणिउरदारुणदाहू॥ तलफतविषममोहमनमांपा॥ मांजामनहुंमीनकहुंव्यापा॥ करिविलापसबरोवहिंरानी॥ महाविपतिकिमिजाइबखानी॥ सुनिविलापदुखहूंदुखलागा॥ धीरजहूकरधीरजभागा॥ ॥ दोहा॥

भयउकोलाहलअवधअति सुनिनृपराउरसोर॥
विपुलविहगवनपरेउनिशि मानहुंकुलिशकठोर॥

॥ चौपाई॥

प्राणकंठगतभयेउभुआलू॥ मणिविहीनजिमिव्याकुलव्यालू॥ इंद्रियसकलविकलभइभारी॥ जनुसरसरसिजवनविनुवारी॥ कौशल्यानृपदीखमलीना॥ रविकुलरविअथएजनुदीना॥ उरधरिधीररामम्हतारी॥ बोलीवचनसमयअनुहारी॥ नाथसमुझिमनकरियविचारू॥ रामवियोगपयोधिअपारू॥ कर्णधारतुमअवधिजहाजू॥ चढेउसकलप्रियवणिकसमाजू॥ धीरजधरियतोपाइयपारू॥ नाहितबूडहिंसवपरिवारू॥ जौंजियधरियविनयपियमोरी॥ रामलषणसियमिलवबहोरी॥ ॥ दोहा॥

प्रियाबचनमृदुसुनतन्टप चितयउआंखिउघारि ॥
तलफतमीनमलीनजनु सींचतशीतलवारि ** ॥

॥ चौपाई ॥

धरिधीरजउठिबैठभुआलू ॥ कहुसुमंतकहंरामकृपालू ॥ कहांलषणकहंराम
सनेही ॥ कहंप्रियपुत्रबधूबैदेही ॥ बिलपतराउबिकलबहुभांती ॥ भइयुग
सरिससिरातिनराती ॥ तापसअंधशापसुधिआई ॥ कौशल्यहिंसबकथासुना
ई ॥ भयउबिकलबरनतइतिहासा ॥ रामरहितधिकजीवनआशा ॥ सोतनुरा
खिकरबमैंकाहा ॥ जेइनप्रेमपनमोरनिबाहा ॥ हारघुनन्दनप्राणपिरीते ॥ तुम
बिनुजिअतबहुतदिनबीते ॥ हाजानकीलषणहारघुवर ॥ हापितुहितचितचा
तकजलधर ॥ ॥ दोहा ॥

रामरामकहिरामकहि रामरामकहिराम * ॥
तनुपरिहरिरघुबरबिरह राउगयेसुरधाम ॥

॥ चौपाई ॥

जिअनमरणफलदशरथपावा ॥ अंडअनेकअमलयशछावा ॥ जिअतरामबिधुब
दननिहारी ॥ रामबिरहकरिमरणसंवारी ॥ शोकबिकलसबरोवहिंरानी ॥ रूपशी
लबलतेजबखानी ॥ करहिंबिलापअनेकप्रकारा ॥ परहिंभूमितलबारहिंबारा ॥ बि
लपहिंबिकलदासअरुदासी ॥ घरघररुदनकरहिंपुरबासी ॥ अथयेउआजुभा
नुकुलभानू ॥ धर्मअवधिगुणरूपनिधानू ॥ गारीसकलकैकयिहिदेहीं ॥ नयन
बिहीनकीन्हजगजेहीं ॥ यहिबिधिबिलपतरैनिबिहानी ॥ आयेसकलमहामुनि
ज्ञानी ॥ ॥ दोहा ॥

तबवसिष्टमुनिसमयसम कहिअनेकइतिहास॥
सोकनेवारेउसबहिकर निजविज्ञानप्रकास*॥

॥ चौपाई ॥

तेलनावभरिन्टपतनुराखा॥ दूतबुलाइबहुरिअसभाषा॥ धावहुबेगिभरतपहिं जाहू॥ न्टपसुधिकतहुंकहहुजनिकाहू॥ इतनेकहेहुभरतसनजाई॥ गुरुबुलाइपठएदोउभाई॥ सुनिमुनिआयसुधावनधाये॥ चलेबेगिबरबाजिलजाये॥ अनरथअवधअरंभेउजबतें॥ कुसगुनहोहिंभरतकहंतवतें॥ देखहिंरातिभयानकसपना॥ जागिकरहिंकटुकोटिकलपना॥ विप्रजेवाइदेहिंदिनदाना॥ शिवअभिषेककरहिंविधिनाना॥ मांगहिंहृदयमहेशमनाई॥ कुशलमातुपितुपरिजनभाई॥ ॥ दोहा ॥

यहिबिधिसोचतभरतमन धावनपहुंचेआइ॥
गुरुअनुशासनश्रवणसुनि चलेगणेशमनाइ॥

॥ चौपाई ॥

चलेसमीरबेगिहयहांके॥ नाघतसरितशैलबनबांके॥ हृदयसोचबडकछुनसोहाई॥ असजानहिंजियजाउंउडाई॥ एकनिमेषबरषसमजाई॥ यहिविधिभरतनगरनियराई॥ असगुनहोहिंनगरपैठारा॥ रटहिंकुभांतिकुखेतकरारा॥ खरसृगालबोलहिंप्रतिकूला॥ सुनिसुनिहोहिंभरतउरशूला॥ श्रीहतसरसरितावनबागा॥ नगरविशेषभयावनलागा॥ खगमृगहयगयजाहिंनजोए॥ रामवियोगकुरोगविगोए॥ नगरनारिनरनिपटदुखारी॥ मनहुंसबनिसबसंपतिहारी॥ ॥ दोहा ॥

पुरजनमिलहिंनकहहिंकछु गवहिंजोहारहिंजांहि ॥

भरतकुशलपूंछिनसकहिं भयबिषादमनमांहि ** ॥

॥ चौपाई ॥

हाटबाटनहिजाइनिहारी ॥ जनुपुरदहूंदिसिलागिदवारी ॥ आवतसुतसुनिकेकयनंदिनि ॥ हरषीरबिकुलजलरुहचंदिनि ॥ सजिआरतीमुदितउठिधाई ॥ द्वारहिंभेंटिभवनलेआई ॥ भरतदुखितपरिवारनिहारी ॥ मानहुंतुहिनबनजबनमारी ॥ केकेयीहर्षितयहिभांती ॥ मनहुंमुदितदवलाइकिराती ॥ सुतहिंससोचदेखिमनमारे ॥ पूछतिनैहरकुशलहमारे ॥ सकलकुशलकहिभरतसुनाई ॥ पूछीनिजकुलकुशलभलाई ॥ कहुकहंतातकहांसबमाता ॥ कहंसियरामलषणप्रियभ्राता ॥ *~* ॥ दोहा ॥ *~*~*~*

सुनिसुतबचनसनेहमय कपटनीरभरिनयन ॥

भरतश्रवणमनशूलसम पापिनिबोलीबयन ॥

॥ चौपाई ॥

तातबातमैसकलसंवारी ॥ भईमंथरासहायबिचारी ॥ कछुककाजबिधिबीचबिगारेउ ॥ भूपतिसुरपतिपुरपगुधारेउ ॥ सुनतभरतभयबिबशबिषादा ॥ जनुसहमेउकरिकेहरिनादा ॥ ताततातहातातपुकारी ॥ परेउभूमितलब्याकुलभारी ॥ चलतनदेखनपायेउंतोही ॥ तातनरामहिंसौंपेउमोही ॥ बहुरिधीरधरिउठेसंभारी ॥ कहुपितुमरणहेतुमहतारी ॥ सुनिसुतबचनकहतिकैकेई ॥ मर्मपाछिजनुमाहुरदेई ॥ आदिहितेंसबआपनिकरणी ॥ कुटिलकठोरमुदितमनबरणी ॥ *~** ॥ दोहा ॥ **~*~*~*~*

भरतहिंबिसरेउपितुमरन सुनतरामबनगौन ॥
हेतुअपनपुनिजानिजिय थकितरहेधरिमौन ॥

॥ चौपाई ॥

बिकलबिलोकिसुतहिंसमुझावति ॥ मनहुंजरेपरलोनलगावति ॥ तातराउनहिंसोचनयोगू ॥ बिढइसुकृतजसकीन्हेउभोगू ॥ जीवतसकलजन्मफलपाये ॥ अंतअमरपतिसदनसिधाये ॥ असअनुमानिसोचपरिहरहू ॥ सहितसमाजराजपुरकरहू ॥ सुनिसुठिसहमेउराजकुमारू ॥ पाकेछतजनुलागुअंगारू ॥ धीरजधरिभरिलेहिंउसासा ॥ पापिनिसबहिभांतिकुलनासा ॥ जौंपैकुरुचिरहीअसतोही ॥ जनमतकाहेनमारेसिमोही ॥ पेडकाटितैंपल्लवसींचा ॥ मीनजिअननितिबारिउलीचा ॥ ** ॥ दोहा ॥ *****

हंसबंशदशरथजनक रामलषणसेभाइ ॥
जननीतूंजननीभई बिधिसेंकछुनबसाइ ॥

॥ चौपाई ॥

जबतेंकुमतिकुमतजियठयऊ ॥ खंडखंडहोइहृदयनगयऊ ॥ बरमांगतमनभइनहिंपीरा ॥ जरिनजीहमुहपरेउनकीरा ॥ भूपप्रतीतितोरिकिमिकीन्ही ॥ मरणकालबिधिमतिहरिलीन्ही ॥ बिधिहुंननारिहृदयगतिजानी ॥ सकलकपटअघअवगुणखानी ॥ सरलसुशीलधर्मरतराऊ ॥ सोकिमिजानहिंतीयसुभाऊ ॥ असकोजीवजंतुजगमांही ॥ जेहिरघुनाथप्राणप्रियनाही ॥ भेअतिअहितरामतेउतोही ॥ कोतूअहसिसत्यकहुमोही ॥ जोहसिसोहसिमुहमसिलाई ॥ आंखिओटउठिबैठहिंजाई ॥ ** ॥ दोहा ॥ ***

रामबिरोधीहृदयतें प्रगटकीन्हबिधिमोहि॥
मोसमानकोपातकी बादिकहौंकछुतोहि *॥

॥ चौपाई ॥

सुनिसत्रुघ्नमातुकुटिलाई॥ जरहिंगातरिसिकछुनबसाई॥ तेहिअवसरकुबरी
तहंआई॥ बसनबिभूषणबिबिधबनाई॥ लखिरिसिभरेउलखनलघुभाई॥ ब
रतअनलघृतआहुतिपाई॥ हुमगिलाततकिकूबरमारा॥ परिमुहभरिमहिक
रतिपुकारा॥ कूबरटूटेउफूटकपारू॥ दलितदशनमुखरुधिरप्रचारू॥ आ
हिदइयमैकाहनसावा॥ करतनीकफलअनइसपावा॥ पुनिरिपुहनलखिन
खसिखखोटी॥ लगेघसीटनधरिधरिझोंटी॥ भरतदयानिधिदीन्हछुडाई॥
कौशल्यापहिंगेदोउभाई॥ *~* ॥ दोहा ॥ *~*~*~*

मलिनबसनबिबरनबिकलकृशशरीरदुखभार॥
कनककलपबरबेलिबन मानहुंहनीतुषार॥

॥ चौपाई ॥

भरतहिंदेखिमातुउठिधाई॥ मूर्छितअवनिपरीझंयआई॥ देखतभरतबिक
लभयेभारी॥ परेचरणतनदशाबिसारी॥ मातुतातकहंदेहिंदेखाई॥ कहंसि
यरामलखनदोउभाई॥ केकयिकतजनमीजगमांझा॥ जौंजनमीभइकाहेनबां
झा॥ कुलकलंकजेहिजनमेउमोही॥ अपयशभाजनप्रियजनद्रोही॥ कोति
भुवनमोहिसरिसअभागी॥ गतिअसतोरिमातुजेहिलागी॥ पितुसुरपुरबन
रघुकुलकेतू॥ मैंकेवलसबअनरथहेतू॥ धिगमोहिभयेउंबेणुबनआगी॥ दुस
हदाहदुखदूषनभागी॥ **~** ॥ दोहा॥ *~*~*~*

मातु भरत के बचन मृदु सुनि पुनि उठी संभारि॥
लिये उठाय लगाय उर लोचन मोचति बारि॥

॥ चौपाई ॥

सरल सुभाय माय हिय लाये॥ अतिहित मनहु राम फिरि आये॥ भेंटेउ बहुरि लखन लघु भाई॥ सोक सनेह न हृदय समाई॥ देखि सुभाय कहत सब कोई॥ राम मातु अस काहे न होई॥ माता भरत गोद बैठारे॥ आंसु पोंछि मृदु बचन उचारे॥ अजहुं बच्छ बलि धीरज धरहू॥ कुसमय समुझि सोक परिहरहू॥ जनि मानहु हिय हानि गलानी॥ काल करम गति अघटित जानी॥ काहुहि दोष देहु जनि ताता॥ भा मोहि सब बिधि बाम बिधाता॥ जो एतेहु दुख मोहि जिआवा॥ अजहुं को जानै का तेहि भावा॥ ✽ ✽ ॥ दोहा ॥ ✽ ✽ ✽ ✽ ✽

पितु आयसु भूषन बसन तात तजे रघुबीर॥
बिसमय हरष न हृदय कछु पहिरे बलकल चीर॥

॥ चौपाई ॥

मुख प्रसन्न मन रंग न रोषू॥ सब कर सब बिधि करि परितोषू॥ चले बिपिन सुनि सिय संग लागी॥ रहै न राम चरन अनुरागी॥ सुनतहि लखन चले उठि साथा॥ रहहिं न जतन किये रघुनाथा॥ तब रघुपति सबही सिर नाई॥ चले संग सिय अरु लघु भाई॥ राम लखन सिय बनहि सिधारे॥ गई न संग न प्रान पठारे॥ यह सब भा इन्ह आंखिन्ह आगें॥ तउ न तजा तन जीव अभागे॥ मोहि न लाज निज नेह निहारी॥ राम सरिस सुत मैं महतारी॥ जिऐ मरै भल भूपति जाना॥ मोर हृदय शत कुलिस समाना॥ ✽ ✽ ✽ ॥ दोहा ॥ ✽ ✽ ✽ ✽ ✽

कौशल्याकेबचनसुनि भरतसहितरनिवास ॥
ब्याकुलबिलपतराजगृह मानऊंशोकनिवास ॥

॥ चौपाई ॥

बिलपहिंबिकलभरतदोऊभाई ॥ कौशल्यालियहृदयलगाई ॥ भांतिअनेकभरतसमुझाये ॥ कहिबिबेकबरबचनसुनाये ॥ भरतऊमातुसकलसमुझाई ॥ कहिपुराणश्रुतिकथासुहाई ॥ छलबिहीनशुचिसरलसुबाणी ॥ बोलेभरतजोरिजुगपाणी ॥ जेअघमातुपितागुरुमारें ॥ गाइगोठमहिसुरपुरजारें ॥ जेअघतियबालकबधकीन्हे ॥ मीतमहीपतिमाऊरदीन्हे ॥ जेपातकउपपातकअहहीं ॥ कर्मबचनमनभवकबिकहहीं ॥ तेपातकमोहिहोऊबिधाता ॥ जौंयहहोइमोरमतमाता ॥ *\~*\~*\~* ॥ दोहा ॥ *\~*\~*\~\~\~*

जेपरिहरिहरिहरचरण भजहिंभूतगणघोर * ॥
तिन्हकीगतिमोहिदेऊबिधि जौंजननीमतमोर ॥

॥ चौपाई ॥

बेंचहिंबेदधर्मदुहिलेहीं ॥ पिशुनपरायपापकहिदेहीं ॥ कपटीकुटिलकलहप्रियक्रोधी ॥ बेदबिदूषकबिश्वबिरोधी ॥ लोभीलंपटलोलुपचारा ॥ जेताकहिंपरधनपरदारा ॥ पावऊंमैंतिन्हकरगतिघोरा ॥ जौंजननीयहसंमतमोरा ॥ जेनहिसाधुसंगअनुरागे ॥ परमारथपथबिमुखअभागे ॥ जेनभजहिंहरिनरतनुपाई ॥ जिन्हहिनहरिहरसुयशसुहाई ॥ तजिश्रुतिपंथबामपथचलहीं ॥ बंचकबिरचिभेषजगछलहीं ॥ तिन्हकीगतिमोहिशंकरदेऊ ॥ जननीजौंयहजानौंभेऊ ॥ *\~*\~* ॥ दोहा ॥ *\~*\~*\~*\~*\~*

मातुभरतकेबचनसुनि साँचेसरलसुभाय ॥
कहतिरामप्रियताततुम सदाबचनमनकाय ॥

॥ चौपाई ॥

रामप्राणतेंप्राणतुम्हारे ॥ तुमरघुपतिहिप्राणतेंप्यारे ॥ बिधुबिषचुवैस्रवै हिमआगी ॥ होइबारिचरबारिबिरागी ॥ भयेंज्ञानबरुमिटैनमोहू ॥ तुमराम हिंप्रतिकूलनहोहू ॥ मततुम्हारयहजोजगकहहीं ॥ सोसपनेहुंसुखसुगति नलहहीं ॥ असकहिमातुभरतहियलाये ॥ थनपयस्रवहिंनयनजलछाये ॥ कर तबिलापबिपुलयहिभांती ॥ बैठेबीतिगईसबराती ॥ बामदेवबसिष्ठतबआये ॥ सचिवमहाजनसकलबुलाये ॥ मुनिबहुभांतिभरतउपदेशे ॥ कहिपरमारथ बचनसुदेशे ॥ ॥ दोहा ॥

तातहृदयधीरजधरहु करहुजोअवसरआजु ॥
उठेभरतगुरुबचनसुनि करणकहेउसबकाजु ॥

॥ चौपाई ॥

नृपतनवेदविहितअन्हवावा ॥ परमविचित्रबिमानबनावा ॥ गहिपदभरतमा तुसबराखी ॥ रहीरामदरशनअभिलाषी ॥ चन्दनअगरभारबहुआये ॥ अमितअ नेकसुगंधसुहाये ॥ सरजुतीररचिचिताबनाई ॥ जनुसुरपुरसोपानसुहाई ॥ यहिबिधिदाहक्रियासबकीन्हा ॥ बिधिवतन्हाइतिलांजलिदीन्हा ॥ शोधिस्मृ तिसबवेदपुराणा ॥ कीन्हभरतदशगात्रविधाना ॥ जहंजसमुनिवरआयसुदी न्हा ॥ तहंतससहसभांतिसबकीन्हा ॥ भयेविशुद्धदियेसबदाना ॥ धेनुबाजिग जबाहननाना ॥ ॥ दोहा ॥

सिंहासनभूषनबसन अन्नधरनिधनधाम ॥
दिएभरतलहिभूमिसुर भेपरिपूरनकाम ॥

॥ चौपाई ॥

पितुहितभरतकीन्हिजसिकरनी ॥ सोमुखलाखजाइनहिंबरनी ॥ सुदिनसोधिमुनिबरतबआये ॥ सचिवमहाजनसकलबोलाये ॥ बैठेराजसभाँसबजाई ॥ पठएबोलिभरतदोउभाई ॥ भरतबसिष्ठनिकटबैठारे ॥ नीतिधर्ममयबचनउचारे ॥ प्रथमकथासबमुनिबरबरनी ॥ कैकयिकुटिलकीन्हिजसिकरनी ॥ भूपधर्मब्रतसत्यसराहा ॥ जेहितनुपरिहरिप्रेमनिबाहा ॥ कहतरामगुनसीलसुभाऊ ॥ सजलनयनपुलकेमुनिराऊ ॥ बहुरिलखनसियप्रीतिबखानी ॥ सोकसनेहमगनमुनिज्ञानी ॥ ॥ दोहा ॥

सुनहुभरतभावीप्रबल बिलखिकहेउमुनिनाथ ॥
हानिलाभजीवनमरन यशअपयशबिधिहाथ ॥

॥ चौपाई ॥

असबिचारिकेहिदीजियदोसू ॥ ब्यर्थकाहिपरकीजियरोसू ॥ तातबिचारकरहुमनमाहीं ॥ सोचजोगदशरथनृपनाहीं ॥ सोचियबिप्रजोबेदबिहीना ॥ तजिनिजधर्मबिषयलयलीना ॥ सोचियनृपतिजोनीतिनजाना ॥ जेहिनप्रजाप्रियप्रानसमाना ॥ सोचियबैश्यकृपणधनवानू ॥ जोनअतिथिशिवभक्तिसुजानू ॥ सोचियशूद्रबिप्रअपमानी ॥ मुखरमानप्रियज्ञानगुमानी ॥ सोचियपुनिपतिबंचकनारी ॥ कुटिलकलहप्रियइच्छाचारी ॥ सोचियबटुनिजब्रतपरिहरई ॥ जोनहिंगुरुआयसुअनुसरई ॥ ॥ दोहा ॥

सोचियगृहीजोमोहवश करैकर्मपथत्याग॥
सोचियजतीप्रपंचरत विगतविवेकविराग॥

॥ चौपाई॥

वैषानससोइसोचनयोगू॥ तपविहायजेहिभावैभोगू॥ सोचियपिशुनअकार
णक्रोधी॥ जननिजनकगुरुबन्धुविरोधी॥ सवविधिसोचियपरअपकारी॥ नि
जतनपोषकनिर्दयभारी॥ सोचनीयसवहीविधिसोई॥ जोनछांडिछलह
रिजनहोई॥ सोचनीयनहिंकोशलराऊ॥ भुवनचारिदशप्रगटप्रभाऊ॥
भयउनअहैनअवहोनिहारा॥ भूपभरतजसपितातुम्हारा॥ विधिहरिहरसु
रपतिदिशिनाथा॥ वरणहिंसवदशरथगुणगाथा॥ **********

॥ दोहा॥

कहहुतातकेहिभांतिकोउ करिहिंबडाईतासु॥
रामलषणतुमशत्रुहन सरिससुअनशुचिजासु॥

॥ चौपाई॥

सवप्रकारभूपतिवडभागी॥ वादिविषादकरियतेहिलागी॥ यहसुनिसमुझि
सोचपरिहरहू॥ शिरधरिराजरजायसुकरहू॥ रायराजपदतुमकहंदीन्हा
॥ पितावचनफुरचाहियकीन्हा॥ तजेरामजेहिवचनहिलागी॥ तनपरिहरेउरा
मविरहागी॥ न्टपहिवचनप्रियनहिंप्रियप्राणा॥ करहुतातपितुवचनप्रमाणा॥
करहुशीशधरिभूपरजाई॥ हैतुमकहंसवभांतिभलाई॥ परशुरामपितुआ
ज्ञाराखी॥ मारीमातुलोकसवसाखी॥ तनयययातिहिंयौवनदयऊ॥ पितुआज्ञा
अघअयशनभयऊ॥ ॥ दोहा॥

अनुचितउचितविचारतजि जेपालहिंपितुबयन ॥
तेभाजनसुखसुयशके बसहिंअमरपतिअयन ॥

॥ चौपाई ॥

अवशिनरेशबचनफुरकरहू ॥ पालहुप्रजाशोकपरिहरहू ॥ सुरपुरनृपपाइहिपरितोषू ॥ तुमकहंसुकृतसुयशनहिदोषू ॥ वेदविहितसंमतसबहीका ॥ जेहिपितुदेइसोपावैटीका ॥ करहुराजपरिहरहुगलानी ॥ मानहुमोरबचनहितजानी ॥ सुनिसुखलहबरामबैदेही ॥ अनुचितकहबनपंडितकेही ॥ कौशल्यादिसकलमहतारी ॥ तेउप्रजासुखहोहिंसुखारी ॥ मरमतुम्हाररामकरजानहिं ॥ सोसबविधितुमसनभलमानहिं ॥ सौंपेहुराजरामकेआये ॥ सेवाकरेहुसनेहसुहाये ॥ ॥ दोहा ॥

कीजियगुरुआयसुअवशि कहहिंसचिवकरजोरि ॥
रघुपतिआयेउचितजस तसतबकरबबहोरि ॥

॥ चौपाई ॥

कौशल्याधरिधीरजकहई ॥ पूतपितागुरुआयसुअहई ॥ सोआदरियकरियहितमानी ॥ तजियविषादकालगतिजानी ॥ बनरघुपतिसुरपुरनरनाहू ॥ तुमयहिभांतितातकदराहू ॥ परिजनप्रजासचिवसबअंबा ॥ तुमहींसुतसबकहंअवलंबा ॥ लखिविधिवामकालकठिनाई ॥ धीरजधरहुमातुबलिजाई ॥ शिरधरिगुरुआयसुअनुसरहू ॥ प्रजापालिपुरजनदुखहरहू ॥ गुरुकेबचनसचिवअभिनंदन ॥ सुनेभरतहियहितजनुचंदन ॥ सुनीबहोरिमातुमृदुबानी ॥ शीलसनेहसरलरससानी ॥ ॥ छंद ॥

सानीसरलरसमातुबाणीसुनिभरतव्याकुलभये ॥ * ॥ लोचनस
रोरुहश्रवतसींचतबिरहउरअंकुरनये ॥ * ॥ सोदशादेखतसम
यतेहिविसरीसबहिसुधिदेहकी ॥ * ॥ तुलसीसराहतसकलसाद
रशीलसहजसनेहकी *——* ॥ सोरठा ॥ **——*——**

भरतकमलकरजोरि धर्म्मधुरंधरधीरधरि ॥
बचनअमियजनुबोरि देतउचितउत्तरसबहि ॥

॥ चौपाई ॥

मोहिउपदेशदीन्हगुरुनीका ॥ प्रजासचिवसंमतसबहीका ॥ मातुउचितधरिआ
यसुदीन्हा ॥ अवशिसीसधरिचाहौंकीन्हा ॥ गुरुपितुमातुस्वामिहितबाणी ॥ सु
निमनमुदितकरियभलजानी ॥ उचितकिअनुचितकियेंविचारू ॥ धर्मजाइ
शिरपातकभारू ॥ तुमतौदेहुसरलशिखसोई ॥ जोआचरतमोरहितहोई ॥ य
द्यपियहसमुझतहौंनीके ॥ तदपिहोतपरितोषनजीके ॥ अबतुमविनयमोरि
सुनिलेहू ॥ मोहिअनुहरतशिखावनदेहू ॥ उत्तरदेउंक्षमबअपराधू ॥ दुखि
तदोषगुणगनहिंनसाधू ॥ *——* ॥ दोहा ॥ *——*——*——*——*

पितुसुरपुरसियरामवन करणकहहुमोहिराज ॥
यहितेजानहुमोरहित कैआपनबडकाज ***॥

॥ चौपाई ॥

हितहमारसियपतिसेवकाई ॥ सोहरिलीन्हमातुकुटिलाई ॥ मैंअनुमानिदीखम
नमांही ॥ आनउपायमोरहितनाही ॥ शोकसमाजराजकेहिलेखें ॥ लषणराम
सियपदबिनुदेखें ॥ बादिबसनबिनुभूषणभारू ॥ बादिबिरतिबिनुब्रह्मविचारू ॥

सहज शरीर बादि बङ भोगा ॥ बिनु हरिभगति जाय जपयोगा ॥ आय जीव बिनु दे हसुखाई ॥ बादि मोर सब बिनु रघुराई ॥ जाउंराम पहं आयसु देहू ॥ एकहि अंक मोर हित येहू ॥ मोहि न्टप करि आपन भल चहहू ॥ सोसनेह जडता बश कहु हू ॥ **** ॥ दोहा ॥ *******

कैकेयी सुत कुटिल मति राम बिमुख गत लाज * ॥

तुम चाहत सुख मोह बश मोहि से अधम के राज ॥

॥ चौपाई ॥

कहौं सांच सब सुनि पतिआहू ॥ चाहिय धर्म शील नरनाहू ॥ मोहि राज हठि देह हु जबहीं ॥ रसा रसातल जाइ हि तबहीं ॥ मोहि समान को पाप निवासी ॥ जेहि लगि सीय राम बनवासी ॥ राय राम कहं कानन दीन्हा ॥ बिछुरत गमन अमर पुर की न्हा ॥ मैं शठ सब अनरथ कर हेतू ॥ बैठ बात सब सुनउं सचेतू ॥ बिनु रघुबीर बि लोकि अवासू ॥ रहे प्राण सहि जग उपहासू ॥ राम पुनीत बिषय रस रूखे ॥ लोलु प भूप भोग के भूखे ॥ कहं लगि कहं उं हृदय कठिनाई ॥ निदरि कुलिश जेहिं ल ही बडाई ॥ **** ॥ दोहा ॥ ********

कारण ते कारज कठिन होइ दोष नहि मोर ॥

कुलिश अस्थि ते उपल ते लोह कराल कठोर ॥

॥ चौपाई ॥

कैकेयी भव तनु अनुरागे ॥ पापन प्राण अघाइ अभागे ॥ जौं प्रिय बिरह प्राण प्रिय ला गे ॥ देखब सुनब बङत कछु आगे ॥ लषण राम सिय कहं बन दीन्हा ॥ पठय अमर पुर पति हित कीन्हा ॥ लीन्ह बिधवपन अपयश आपू ॥ दीन्हें उ प्रजहि शोक संता

जू ॥ मोहिदीन्हसुखसुजससुराजू ॥ कीन्हकैकईसबकरकाजू ॥ यहितेंमोर
काहअबनीका ॥ तेहिपरदेनकहहुतुमटीका ॥ कैकयिजठरजनमिजगमांही
॥ यहमोहिकहंकछुअनुचितनाही ॥ मोरबातसबबिधिहिबनाई ॥ प्रजापांचक
तकरहुसहाई ॥ ॥ दोहा ॥

ग्रहग्रहितपुनिबातबस तेहिपुनिबीछीमार ॥
ताहिपिआइयबारुणी कहहुकवनउपचार ॥

॥ चौपाई ॥

कैकयिसुअनयोगजगजोई ॥ चतुरबिरंचिदीन्हमोहिसोई ॥ दसरथतनयरा
मलघुभाई ॥ दीन्हमोहिबिधिबादिबडाई ॥ तुमसबकहहुकढावनटीका ॥ रा
यरजायसुसबकहंनीका ॥ उतरदेउंकेहिबिधिकेहिकेही ॥ कहहुसुखेनयथा
रुचिजेही ॥ मोहिकुमातुसमेतबिहाई ॥ कहहुकहिहिकेकीन्हभलाई ॥
मोहिबिनुकोसचराचरमांही ॥ जेहिसियरामप्राणप्रियनाही ॥ परमहानिसब
कहंबडलाहू ॥ अदिनमोरनहिदूषनकाहू ॥ संशयशीलप्रेमबशअहहू ॥ स
बैउचितसबजोकछुकहहू ॥ ॥ दोहा ॥

राममातुसुठिसरलचित मोपरप्रेमबिशेषि ॥
कहहिंसुभावसनेहबश मोरिदीनतादेखि ॥

॥ चौपाई ॥

गुरुबिबेकसागरजगजाना ॥ जिन्हहिबिश्वकरबदरसमाना ॥ मोकहंतिलक
साजसजिसोऊ ॥ भाबिधिबिमुखबिमुखसबकोऊ ॥ परिहरिरामसीयजगमांही
॥ कोउनकहिहिमोरमतनाही ॥ सोमैंसुनबसहबसुखमानी ॥ अंतहुंकीचतहां

अहंपानी ॥ डरनमोहिजगकहिहिकिपोचू ॥ परलोकहुकरनाहिनसोचू ॥ एकैवडडरदुसहदवारी ॥ मोहिलगिभेसियरामदुखारी ॥ जीवनलाहुलखनभलपावा ॥ सबतजिरामचरणमनलावा ॥ मोरजन्मरघुबरबनलागी ॥ झूठकाहपछितांउंअभागी ॥ ॥ दोहा ॥

आपनिदारुणदीनता सबहिकहेउंसमुझाय ॥
देखेबिनुरघुबीरपद जियकीजरबिनजाय ॥

॥ चौपाई ॥

आनउपायमोहिनहिंसूझा ॥ कोजियकैरघुबरबिनुबूझा ॥ एकहिआंकइहैमनमाहीं ॥ प्रातकालचलिहौंप्रभुपाहीं ॥ यद्यपिमैंअनभलअपराधी ॥ भैमोहिकारणसकलउपाधी ॥ तदपिशरणसनमुखमोहिदेखी ॥ क्षमिसबकरिहहिंकृपाबिशेषी ॥ शीलसकुचसुठिसरलसुभाऊ ॥ कृपासनेहसदनरघुराऊ ॥ अरिहुकअनभलकीन्हनरामा ॥ मैंशिशुसेवकयद्यपिवामा ॥ तुह्मपैपांचमोरभलमानी ॥ आयसुआशिखदेहुसुबाणी ॥ जेहिसुनिबिनयमोहिजनजानी ॥ आवहिंबहुरिरामरजधानी ॥ ॥ दोहा ॥

यद्यपिजन्मकुमातुतें मैंशठसदासदोस ॥
आपनजानिनत्यागिहैं मोहिरघुबीरभरोस ॥

॥ चौपाई ॥

भरतबचनसबकहंप्रियलागे ॥ रामसनेहसुधाजनुपागे ॥ लोगबियोगबिषमउखदागे ॥ मंत्रसजीवसुनतजनुजागे ॥ मातुसचिवगुरुपुरनरनारी ॥ सकलसनेहबिकलभैभारी ॥ भरतहिकहहिंसराहिसराही ॥ रामप्रेममूरतितनुआही ॥

तातभरतअसकाहिनकहहू ॥ प्रानसमानराममियअहहू ॥ जोपामरआपनिजडताई ॥ तुमहिंसुगाइमातुकुटिलाई ॥ सोशठकोटिकपुरुषसमेता ॥ बसहिंकल्पशतनरकनिकेता ॥ अहिअघअवगुनमणिनहिंगहई ॥ हरैगरलदुखदारिददहई ॥ *** ॥ दोहा ॥ ****

अवशिचलियवनरामपहं भरतमंत्रभलकीन्ह ॥
शोकसिंधुबूडतसबहि तुमअवलंबनदीन्ह ॥

॥ चौपाई ॥

भासबकेमनमोदनथोरा ॥ जनुघनधुनिसुनिचातकमोरा ॥ चलबप्रातलखिनिर्णयनीके ॥ घरघरचलेमिटेदुखजीके ॥ धन्यभरतजीवनजगमांही ॥ शीलसनेहसराहतजाहीं ॥ कहहिंपरस्परभाबडकाजू ॥ सकलचलैकरसाजहिंसाजू ॥ जेहिराखहिंघररहुरखवारी ॥ सोजानैजनुगरदनिमारी ॥ कोउकहंरहनकहैनहिंकाहू ॥ कोनचहैजगजीवनलाहू ॥ **********

***** ॥ दोहा ॥ *****

जरोसुसंपतिसदनसुख सुहृदमातुपितुभाय ॥
सन्मुखहोतजोरामपद करैनसहजसहाय ॥

॥ चौपाई ॥

घरघरवाहनसाजहिंनाना ॥ हर्षेहृदयपरभातपयाना ॥ भरतजाइघरकीन्हबिचारू ॥ नगरवाजिगजभवनभंडारू ॥ संपतिसबरघुपतिकैआही ॥ जौंबिनुयतनचलौंतजिताही ॥ तौपरिनामनमोरभलाई ॥ पापशिरोमणिसांइदोहाई ॥ करहिंस्वामिहितसेवकसोई ॥ दूषणकोटिदेइकिनकोई ॥ असविच

रिमुनिसेवकबोले ॥ जेसपनेहुँनिजधर्मनडोले ॥ कहिसबमर्मधर्मसबभाषा ॥ जोजेहिलायकसोनहंराषा ॥ करिसबयतनराखिरखवारे ॥ राममातुपहंभरतसिधारे ॥ ॥ दोहा ॥

आरतजननीजानिसब भरतसनेहसुजान ॥
कहेउवनावनपालकी सुखदसुखासनजान ॥

॥ चौपाई ॥

चकचकईइवपुरनरनारी ॥ चलतप्रातउरआरतभारी ॥ जागतसबनिशिभयउबिहाना ॥ भरतबुलाएसचिवसुजाना ॥ कहेउलेहुसबतिलकसमाजू ॥ वनहिंदेबमुनिरामहिंराजू ॥ वेगचलहुसुनिसचिवजोहारे ॥ तुरगनरथनागसंवारे ॥ अरुंधतीअरुअग्निसमाऊ ॥ रथचढ़िचलेप्रथममुनिराऊ ॥ विप्रवृन्दचढ़िवाहननाना ॥ चलेसकलतपतेजनिधाना ॥ नगरलोगसबसजिसजियाना ॥ चित्रकूटकहँकीन्हपयाना ॥ शिबिकासुभगनजाइबखानी ॥ चढ़िचढ़िचलतभईसबरानी ॥ ॥ दोहा ॥

सौंपिनगरशुचिसेवकन्हि सादरसबहिंचलाइ ॥
सुमिरिरामसियचरणतब चलेभरतदोउभाइ ॥

॥ चौपाई ॥

रामदरशवशसबनरनारी ॥ जनुकरिकरिणिचलेतकिवारी ॥ वनसियरामसमुझिमनमांही ॥ सानुजभरतपयादेहिजाहीं ॥ देखिसनेहलोगअनुरागे ॥ उतरिचलेहयगयरथत्यागे ॥ जाइसमीपराखिनिजडोली ॥ राममातुमृदुवाणीबोली ॥ तातचढ़हुरथबलिमहतारी ॥ होइहिप्रियपरिवारदुखारी ॥ तुम्हरेचलत

चलिहिं सब लोगू ॥ सकल सोक कलुष नहिं मग जोगू ॥ सिर धरि बचन चरन सिर नाई ॥ रथ चढ़ि चलत भये दोउ भाई ॥ तमसा प्रथम दिवस करि बासू ॥ दूसर गोमति तीर निवासू ॥ *~~* ॥ दोहा ॥ *~~*~~*~~*~~*

पय अहार फल असन एक निसि भोजन सब लोग ॥
करत राम हित नेम ब्रत परिहरि भूषण भोग ** ॥

॥ चौपाई ॥

सोई तीर बसि चले बिहाने ॥ शृंगबेरपुर सब नियराने ॥ समाचार सब सुने उ निषादा ॥ हृदय बिचार करै सबिषादा ॥ कारण कवन भरत बन जाहीं ॥ है कछु कपट भाव मन माहीं ॥ जौं पै जिय न होति कुटिलाई ॥ तौ कत लीन्ह संग कटकाई ॥ जानहिं सानुज रामहिं मारी ॥ करौं अकंटक राज सुखारी ॥ भरत न राजनीति उर आनी ॥ तव कलंक अब जीवन हानी ॥ सकल सुरासुर जुरहिं जुझारा ॥ रामहिं समर न जीतनिहारा ॥ का आचरज भरत अस करहीं ॥ नहिं बिषबेलि अमिय फल फरहीं ॥ *~~*~~*~~* ॥ दोहा ॥ *~~*~~*~~*~~*

अस बिचारि गुह ज्ञाति सन कहेउ सजग सब होहु ॥
हथवासहु बोरहु तरणि कीजिय घाटारोहु * ॥

॥ चौपाई ॥

होहु सँजोइल रोकहु घाटा ॥ ठाटहु सकल मरन कै ठाटा ॥ सन्मुख लोह भरत सन लेऊँ ॥ जियत न सुरसरि उतरन देऊँ ॥ समर मरन पुनि सुरसरि तीरा ॥ राम काज क्षणभंगु शरीरा ॥ भरत भाइ नृप मैं जन नीचू ॥ बडे भाग अस पाइय मीचू ॥ स्वामि काज करिहौं रण रारी ॥ यश धवलिहौं भुवन दश चारी ॥ तजौं प्राण रघुना

बनिहेरे ॥ दुहुहाथमुदमोदकमोरे ॥ साधुसमाजनजाकरलेखा ॥ रामभक्त
महंजासुनरेखा ॥ जायजियतजगसोमहिभारू ॥ जननीयौबनबिटपकुठारू
॥ * * * * * * ॥ दोहा ॥ * * * * * * *

बिगतबिषादनिषादपति सबहिंबढ़ायउछाहु ॥
सुमिरिराममांगेउतुरत तरकसधनुषसनाहु ॥

॥ चौपाई ॥

बेगहिभाइसजउसंजोऊ ॥ सुनिरजायकदरायनकोऊ ॥ भलेनाथसबकहहिं
सहर्षा ॥ एकहिंएकबढ़ावहिंकर्षा ॥ चलेनिषादजुहारिजुहारी ॥ सूरसक
लरनरुचैरारी ॥ सुमिरिरामपदपंकजपनहीं ॥ भाथाबांधिचढ़ायहिंधनु
हीं ॥ अंगरिपहिरिकूंडिसिरधरहीं ॥ फरसाबांसेलसमकरहीं ॥ एककुश
लअतिओड़नखांडे ॥ कूदहिंगगनमनउंछितिछाडे ॥ निजनिजसाजसमाज
बनाई ॥ गुहराउतहिंजुहारेजाई ॥ देखिसुभटसबलायकजाने ॥ लैलैनाम
सकलसनमाने ॥ * * * * * ॥ दोहा ॥ * * * * * * * * * * *

भाइउलावउधोखजनि आजुकाजबड़मोउ ॥
सुनिसरोषबोलेसुभट बीरअधीरनहोउ * ॥

॥ चौपाई ॥

रामप्रतापनाथबलतोरे ॥ करउंकटकबिनुभटबिनुघोरे ॥ जीवतपांवनपी
छेंधरहीं ॥ रुंडमुंडमयमेदिनिकरहीं ॥ दीखनिषादनाथभलटोलू ॥ कहेउ
बजाउजुझाउढोलू ॥ एतनाकहतछींकभइबायें ॥ कहेउसगुनिअनखेतसु
हाये ॥ बूढ़एककहसगुनबिचारी ॥ भरतहिमिलियनहोइहिरारी ॥ रामहिं

भरतमनावनजाहीं॥ सगुनकहैअसविग्रहनाहीं॥ सुनिगुहकहैनीककहबू ढा॥ सहसाकरिपछिताहिंबिमूढा॥ भरतसुभावसीलबिनुबूझे॥ बडिहितहानिजानिबिनुजूझे॥ ॥ दोहा ॥

गहहुघाटभटसिमिटिसब लेउंमरममिलिजाय॥
बूझिमित्रअरिमध्यगति तवतसकरउंआय॥

॥ चौपाई ॥

लखबसनेहसुभावसुहाये॥ बैरप्रीतिनहिंदुरतदुराये॥ असकहिभेंटसंजोवनलागे॥ कंदमूलफलखगमृगमांगे॥ मीनपीनपाठीनपुराने॥ भरिभरिभारकहारन्हआने॥ मिलनसाजसजिमिलनसिधाये॥ मंगलमूलसगुनसुभपाये॥ देखिदूरितेंकहिनिजनामू॥ कीन्हमुनीशहिंदंडप्रणामू॥ जानिरामप्रियदीन्हअशीसा॥ भरतहिकहेउबुझायमुनीसा॥ रामसखासुनिस्यंदनत्यागा॥ चलेउतरिउमगतअनुरागा॥ गांवजातिगुहनांवसुनाई॥ कीन्हजुहारमाथमहिलाई॥ ॥ दोहा ॥

करतदंडवतदेखितेहि भरतलीन्हउरलाइ॥
मनहुंलखनसनभेंटभइ प्रेमनहृदयसमाइ॥

॥ चौपाई ॥

भेंटभरतताहिअतिप्रीती॥ लोगसिहाहिंप्रेमकीरीती॥ धन्यधन्यधुनिमंगलमूला॥ सुरसराहितेहिबरषहिंफूला॥ लोकवेदसबभांतिहिंनीचा॥ जासुछांहछुइलेइयसींचा॥ तेहिभरिअंकरामलघुभ्राता॥ मिलतपुलकपरिपूरितगाता॥ रामरामकहिजेजमुहाहीं॥ तिनहिंनपापपुंजसमुहाहीं॥ यहितौराम

यहउरलीन्हे ॥ कुलसमेतजगपावनकीन्हे ॥ करमनासजलसुरसरिपरई ॥ तेहिकोकहहुसीसनहिंधरई ॥ उलटानामजपतजगजाना ॥ बालमीकभेब्रह्मसमाना ॥ ॥ दोहा ॥

स्वपचसबरखसजमनजड पावँरकोलकिरात ॥
रामकहतपावनपरम होतभुवनबिख्यात ॥

॥ चौपाई ॥

नहिंअचरजयुगयुगचलिआई ॥ केहिनदीन्हरघुबीरबड़ाई ॥ राममाममहिमासुरकहहीं ॥ सुनिसुनिअवधलोगसुखलहहीं ॥ रामसखहिमिलिभरतसप्रेमा ॥ पूछीकुशलसुमंगलखेमा ॥ देखिभरतकरशीलसनेहू ॥ भानिषादतेहिसमयबिदेहू ॥ सकुचसनेहमोदमनबाढ़ा ॥ भरतहिंचितवतएकटकठाढ़ा ॥ धरिधीरजपदबंदिबहोरी ॥ बिनयसप्रेमकरतकरजोरी ॥ कुशलमूलपदपंकजपेखी ॥ मैंतिहुँकालकुशलनिजलेखी ॥ अबप्रभुपरमअनुग्रहतोरे ॥ सहितकोटिकुलमंगलमोरे ॥ ॥ दोहा ॥

समुझिमोरिकरतूतिकुल प्रभुमहिमाजियजोइ ॥
जोनभजैरघुबीरपद जगबिधिबंचितसोइ ॥

॥ चौपाई ॥

कपटीकायरकुमतिकुजाती ॥ लोकबेदबाहेरसबभाँती ॥ रामकीन्हआपनजबहीतें ॥ भयेउँभुवनभूषणतबहीतें ॥ देखिप्रीतिसुनिबिनयसुहाई ॥ मिलेउबहोरिलखनलघुभाई ॥ कहिनिषादनिजनामसुबानी ॥ सादरसकलजोहारीरानी ॥ जानिलखनसमदेहिंअशीशा ॥ जियहुसुखीसयलाखबरीसा ॥ निर

खिनिषादनगरनरनारी॥ भयेसुखीजनुलषणनिहारी॥ कहहिंलहेउंयहजीवनलाहू॥ भेंटेउरामभद्रभरिबाहू॥ सुनिनिषादनिजभागबडाई॥ प्रमुदितमनलैचलेउलवाई॥ ***॥ दोहा॥ ****

सनकारेसेवकसकल चलेस्वामिरुखपाइ॥
घरतरुतरसरबागवन बासबनाएन्हजाइ॥

॥ चौपाई॥

शृंगबेरपुरभरतदीखजब॥ भयसनेहवशअंगशिथिलतब॥ सोहतदियेनिषादहिलागू॥ जनुतनुधरेबिनयअनुरागू॥ यहिविधिभरतसेनसबसंगा॥ दीखजाइजगपावनिगंगा॥ रामघाटकहंकीन्हप्रनामा॥ भामनमगनमिलेजनुरामा॥ करहिंप्रणामनगरनरनारी॥ मुदितब्रह्ममयबारिनिहारी॥ करिमज्जनमांगहिंकरजोरी॥ रामचंद्रपदप्रीतिनथोरी॥ भरतकहेउसुरसरितवरेनू॥ सकलसुखदसेवकसुरधेनू॥ जोरिपाणिवरमांगौंएहू॥ सीयरामपदसहजसनेहू॥ ****॥ दोहा॥ ****

यहिविधिमज्जनभरतकरि गुरुअनुशासनपाइ॥
मातुनहानीजानिसब डेराचलेलवाइ ****॥

॥ चौपाई॥

जहंतहंलोगन्हडेराकीन्हा॥ भरतसोधुसबहीकरलीन्हा॥ गुरुसेवाकरिआयसुपाई॥ राममातुपहिंगेदोउभाई॥ चरणचांपिकहिकहिमृदुबानी॥ जननीसकलभरतसनमानी॥ भाइहिसौंपिमातुसेवकाई॥ आपुनिषादहिंलीन्हबुलाई॥ चलेसखाकरसोंकरजोरे॥ शिथिलशरीरसनेहनथोरे॥ पूछतसखहिं

सोठांवदेखाऊ ॥ नेकुनयनमनजरनिजुडाऊ ॥ जहंसियरामलषणनिशिसो
वे ॥ कहतभरेजललोचनकोवे ॥ भरतबचनसुनिभयेउविषादू ॥ तुरततहां
लैगयेउनिषादू ॥ ॥ दोहा ॥

जहंशिंशिपापुनीततरु रघुबरकियबिश्राम ॥
अतिसनेहसादरभरत कीन्हेउदंडप्रणाम ॥

॥ चौपाई ॥

कुशसाथरीनिहारिसुहाई ॥ कीन्हप्रणामप्रदक्षिणलाई ॥ चरणरेखरजआं
खिन्हलाई ॥ बनैनकहतप्रीतिअधिकाई ॥ कनकबिंदुदुइचारिकदेखे ॥ रा
खेसीससीयसमलेखे ॥ सजलबिलोचनहृदयगलानी ॥ कहतसखासनबचन
सुबानी ॥ श्रीहतसीयबिरहदुतिहीना ॥ यथाअवधनरनारिमलीना ॥ पि
ताजनकदेउंपटतरकेही ॥ करतलभोगयोगजगजेही ॥ ससुरभानुकुलभा
नुभुआलू ॥ जेहिसिहातअमरावतिपालू ॥ प्राणनाथरघुनाथगोसाईं ॥ जोब
डहोतसोरामबडाई ॥ ॥ दोहा ॥

पतिदेवतासुतीयमणि सीयसाथरीदेखि ॥
बिहरतहृदयनहहरिहर पबितेकठिनबिशेषि ॥

॥ चौपाई ॥

लालनयोगलषणलघुलोने ॥ भेनभाइअसअहहिंनहोने ॥ पुरजनप्रियपितुमा
तुदुलारे ॥ सियरघुबीरहिप्राणपियारे ॥ मृदुमूरतिसुकुमारसुभाऊ ॥ ता
तबाउतनलागिनकाऊ ॥ तेबनसहहिंबिपतिसबभांती ॥ निदरेकोटिकुलिशय
हछाती ॥ रामजनमिजगकीन्हउजागर ॥ रूपशीलसुखसबगुणसागर ॥

पुरजनपरिजनगुरुपितुमाता॥ रामसुभावसबहिंसुखदाता॥ बैरिउरामबड़ा
ईकरहीं॥ बोलनिमिलनिबिनयमनहरहीं॥ शारदकोटिकोटिशतशेषा॥ क
रिनसकहिंप्रभुगुणगणलेखा॥ *—*॥ दोहा॥ *—*—*—*

सुखस्वरूपरघुबंशमणि मंगलमोदनिधान॥
तेसोवतकुशडासिमहि विधिगतिअतिबलवान॥

॥ चौपाई॥

रामसुनादुखकाननकाऊ॥ जीवनतरुजिमिजोगवतराऊ॥ पलकनयनफणि
मणिजेहिभांती॥ जोगवहिंजननिसकलदिनराती॥ तेअबफिरतविपिनपदचा
री॥ कंदमूलफलफूलअहारी॥ धिगकैकेयिअमंगलमूला॥ भइसिप्राणप्रिय
तमप्रतिकूला॥ मैंधिगधिगअघउदधिअभागी॥ सबउतपातभयेउजेहिला
गी॥ कुलकलंककरिसृजेउबिधाता॥ सांइद्रोहमोहिकीन्हकुमाता॥ सु
निसप्रेमसमुझावनिषादू॥ नाथकरियकतबादिबिषादू॥ रामतुमहिंप्रियतु
मप्रियरामहिं॥ यहनिरजोवदोषबिधिबामहि॥ * * * * * * * *

——*—*—*॥ छंद॥ *—*—*—*—*

बिधिबामकीकरणीकठिनजेंइमातुकीन्हीबावरी॥ *॥ तेहिरातिपु
निपुनिकरहिंप्रभुसादरसराहनरावरी॥ *॥ तुलसीनतुमसोराम
प्रीतमकहतहौंसौंहेकिये॥ *॥ परिणाममंगलजानिअपनेआनि
एधीरजहियें॥ *॥ *—*॥ सोरठा॥ *—*—**

अंतरजामीराम सकुचसप्रेमकृपायतन ***॥
चलियकरियविश्राम यहविचारदृढआनिमन॥

॥ चौपाई ॥

सखावचनसुनिउरधरिधीरा ॥ बासचलेसुमिरतरघुबीरा ॥ यहसुधिपाइनगर नरनारी ॥ चलेबिलोकनआरतभारी ॥ परदखिनाकरिकरहिंप्रनामा ॥ देहिं कैकयिहिखोरिनिकामा ॥ भरिभरिबारिबिलोचनलेहीं ॥ बामबिधातहिंदूषनदे हीं ॥ एकसराहहिंभरतसनेहू ॥ कोउकहनृपतिनिबाहेउनेहू ॥ निंदहिं आपुसराहिनिषादहिं ॥ कोकहिसकैबिमोहबिषादहिं ॥ एहिबिधिरातिलोगसब जागा ॥ भाभिनुसारगुदारालागा ॥ गुरहिंसुनावचढ़ाइसुहाई ॥ नईनावसब मातुचढ़ाई ॥ दंडचारिमहंभासबपारा ॥ उतरिभरततबसबहिंसँभारा ॥ ***

॥ दोहा ॥

प्रातक्रियाकरिमातुपद बंदिगुरहिसिरनाइ ॥
आगेंकियेनिषादगन दीन्हेउकटकचलाइ * ॥

॥ चौपाई ॥

कियेनिषादनाथअगुआई ॥ मातुपालकीसकलचलाई ॥ साथबुलाइभाइलघु दीन्हा ॥ बिप्रन्हसहितगवनगुरकीन्हा ॥ आपुसुरसरिहिंकीन्हप्रनामू ॥ सुमिरेलखनसहितसियरामू ॥ गवनेभरतपयादेहिपाये ॥ कोतलसंगजाहिंडोरिआये ॥ कहहिंसुसेवकबारहिंबारा ॥ होइयनाथअस्वअसवारा ॥ रामपयादेहिंपावंसिधाये ॥ हमकहंरथगजबाजिबनाये ॥ सिरभरजाउंउचितअस मोरा ॥ सबतेंसेवकधर्मकठोरा ॥ देखिभरतगतिसुनिमृदुबानी ॥ सबसेवक गनगरहिंगलानी ॥ *** ॥ दोहा ॥

भरततीसरेपहरकहं कीन्हप्रवेशप्रयाग * ॥

कहतरामसियरामसिय उमगिउमगिअनुराग॥

॥ चौपाई ॥

झलकाझलकतपायन्हकैसें॥ पंकजकोसओसकणजैसें ॥ भरतपयादेहिंआये आजू॥ भयेदुखितसुनिसकलसमाजू ॥ खबरिलीन्हसबलोगअन्हाये ॥ कीन्हप्रणामत्रिवेणिहिंआये ॥ सबहिसितासितनीरअन्हाने ॥ दियेदानमहिसुरसनमाने ॥ देखतश्यामलधवलहिलोरे ॥ पुलकशरीरभरतकरजोरे ॥ सकलकामप्रदतीरथराऊ ॥ बेदबिदितजगप्रगटप्रभाऊ ॥ मांगौंभीखत्यागिनिजधरमू ॥ आरतकाहनकरहिंकुकरमू ॥ असजियजानिसुजानसुदानी ॥ सफलकरहिंजगयाचकबानी ॥ *——* ॥ दोहा ॥ *——*——*——*——*

अर्थनधर्मनकामरुचि गतिनचहौंनिर्वाण ॥
जन्मजन्मरतिरामपद यहवरदाननआन ॥

॥ चौपाई ॥

जानहुंरामकुटिलकरिमोही ॥ लोगकहौगुरुसाहेबद्रोही ॥ सीतारामचरणरतिमोरे॥ अनुदिनबढौअनुग्रहतोरे ॥ जलदजनमभरिसुरतिबिसारे ॥ याचतजलपविपाहनडारे ॥ चातकरटनिघटेघटिजाई ॥ बढेप्रेमसबभांतिभलाई ॥ कनकहिबानचढैजिमिदाहे ॥ तिमिप्रियतमपदनेमनिबाहे ॥ भरतबचनसुनिमांझत्रिवेणी ॥ भइमृदुबाणिसुमंगलदेनी ॥ तातभरततुमसबबिधिसाधू ॥ रामचरणअनुरागअगाधू ॥ बादिगलानिकरहुमनमांही ॥ तुमसमरामहिकोउप्रियनाही ॥ *——*——*——* ॥ दोहा ॥ *——————*——*——*

तनपुलकेहियहर्षसुनि बेणिबचनअनुकूल ॥

भरत धन्य कहि धन्य सुर हरषित बरषहिं फूल॥

॥ चौपाई ॥

प्रमुदित तीरथराज निवासी॥ बैखानस बटु गृही उदासी॥ कहहिं परसपर मिलि दस पांचा॥ भरत सनेहु सीलु सुचि सांचा॥ सुनत राम गुन ग्राम सुहाए॥ भरद्वाज मुनिबर पहं आए॥ दंड प्रनाम करत मुनि देखे॥ मूरतिवंत भाग निज लेखे॥ धाइ उठाइ लाइ उर लीन्हे॥ दीन्ह असीस कृतारथ कीन्हे॥ आसन दीन्ह नाइ सिर बैठे॥ चहत सकुच गृह जनु भजि पैठे॥ मुनि पूछब कछु यह बड़ सोचू॥ बोले रिषि लखि सील सकोचू॥ सुनहु भरत हम सब सुधि पाई॥ बिधि करतब पर कछु न बसाई॥ ॥ दोहा ॥

तुम्ह गलानि जिय जनि करहु समुझि मातु करतूति॥

तात केकैहि दोष नहिं गई गिरा मति धूति॥

॥ चौपाई ॥

यहउ कहत भल कहिहि न कोऊ॥ लोक बेद बुध संमत दोऊ॥ तात तुम्हार बिमल जस गाई॥ पाइहि लोकउ बेद बड़ाई॥ लोक बेद संमत सब कहई॥ जेहि पितु देइ राज सो लहई॥ राउ सत्यब्रत तुम्हहिं बुलाई॥ देत राज सुख धरम बड़ाई॥ राम गवन बन अनरथ मूला॥ जो सुनि सकल बिस्व भइ सूला॥ सो भावी बस रानि अयानी॥ करि कुचालि अंतहु पछितानी॥ तहंउ तुम्हार अलप अपराधू॥ कहै सो अधम अयान असाधू॥ करतेहु राज त तुम्हहि न दोषू॥ रामहि होत सुनत संतोषू॥ ॥ दोहा ॥

अब अति कीन्हेहु भरत भल तुम्हहिं उचित मत एहु॥

सकलसुमंगलमूलजग रघुबरचरणसनेहु ** ॥

॥ चौपाई ॥

सोतुम्हारधनजीवनप्राना ॥ भूरिभागकोतुमहिंसमाना ॥ यहतुम्हारआचरजनताता ॥ दशरथसुअनरामप्रियभ्राता ॥ सुनहुभरतरघुपतिमनमाहीं ॥ प्रेमपात्रतुमसमकोउनाहीं ॥ लषणरामसीतहिअतिप्रीती ॥ तेनिशितुम्हहिंसराहतबीती ॥ जानामर्मनहातप्रयागा ॥ मगनहोहिंतुम्हरेअनुरागा ॥ तुमपरअससनेहरघुबरके ॥ सुखजीवनजगजसजडनरके ॥ यहनअधिकरघुबीरबडाई ॥ प्रणतकुटुम्बपालरघुराई ॥ तुमतौभरतमोरमतएहू ॥ धरेंदेहजनुरामसनेहू ॥ *~*~*~* ॥ दोहा ॥ *~*~*~*~*

तुमकहंभरतकलंकयह हमसबकहंउपदेश ॥
रामभक्तिरससिद्धिहित भायहसमयगणेश * ॥

॥ चौपाई ॥

नवविधुविमलतातयशतोरा ॥ रघुबरकिंकरकुमुदचकोरा ॥ उदितसदाअथइहिकबहूंना ॥ घटिहिनजगनभदिनदिनदूना ॥ कोकतिलोकप्रीतिअतिकरहीं ॥ प्रभुप्रतापरविछविहिंनहरहीं ॥ निशदिनसुखदसदासबकाहू ॥ ग्रसहिंनकैकयिकरतबराहू ॥ पूरणरामसुप्रेमपियूषा ॥ गुरुअपमानदोषनहिंदूषा ॥ रामभक्तिअबअमियअघाहू ॥ कीन्हेसुलभसुधावसुधाहू ॥ भूपभगीरथसुरसरिआनी ॥ सुमिरतसकलसुमंगलखानी ॥ दशरथगुणगणबरणिनजाहीं ॥ अधिककहाजेहिसमकोनाहीं ॥ *~* ॥ दोहा ॥ *~*~*~*

जासुसनेहसकोचबश रामप्रगटभेआय ॥

जेहरिहियनयनन्हकबहुं निरखेनाहिंअघाय॥

॥ चौपाई ॥

कीरनिविधुतुमकीन्हअनूपा॥ जहंबसरामप्रेममृगरूपा॥ तातगलानिकरहुजियजाये॥ डरहुदरिद्रहिपारसपाये॥ सुनहुभरतहमझूठनकहहीं॥ उदासीनतापसबनरहहीं॥ सबसाधनकरसुफलसुहावा॥ लषणरामसियदरशनपावा॥ तेहिफलकरफलदरशतुम्हारा॥ सहितप्रयागसुभागहमारा॥ भरतधन्यतुमजगयशजयऊ॥ कहिअसप्रेममगनमुनिभयऊ॥ सुनिमुनिबचनसभासदहरषे॥ साधुसराहिसुमनसुरबरषे॥ धन्यधन्यधुनिगगनप्रयागा॥ सुनिसुनिभरतमगनअनुरागा॥ *—* दोहा॥ *—*—*

पुलकगातहियरामसिय सजलसरोरुहनयन॥

करिप्रणाममुनिमंडलिहि बोलेगदगदबयन॥

॥ चौपाई ॥

मुनिसमाजअरुतीरथराजू॥ सांचेहुशपथअघाइअकाजू॥ यहिथलजौंकछुकहियबनाई॥ यहिसमनहिंकछुअघअधमाई॥ तुमसरवज्ञकहौंसतिभाऊ॥ उरअंतरजामीरघुराऊ॥ मोहिनमातुकरतबकरसोचू॥ नहिंदुखजियजगजानहिंपोचू॥ नाहिनडरबिगरहिंपरलोकू॥ पितहुमरेकरमोहिनसोकू॥ सुकृतसुयशभरिभुवनसुहाये॥ लक्ष्मणरामसरिससुतपाये॥ रामविरहतजितनक्षणभंगू॥ भूपसोचकरकवनप्रसंगू॥ रामलषणसियबिनुपगपनहीं॥ करिमुनिवेषफिरहिंबनबनहीं॥ *—*॥ दोहा॥ *—*—*

अजिनबसनफलअशनमहि शयनडासिकुशपात॥

बसितरुतरनितसहतहिम आतपबरषाबात * ॥

॥ चौपाई ॥

एहिदुखदाहदहैदिनछाती ॥ भूखनबासरनींदनराती ॥ एहकुरोगकरऔषधनाहीं ॥ सोधेउंसकलबिस्वमनमांही ॥ मातुकुमतबढ़ईअघमूला ॥ तेहिंहमारहितकीन्हबसूला ॥ कलिकुकाठकरकीन्हकुजंत्रू ॥ गाड़िअवधिपढ़िकठिनकुमंत्रू ॥ मोहिलगियहकुठाटतेहिंठाटा ॥ घालेसिसबजगबारहबाटा ॥ मिटैकुजोगरामफिरिआयें ॥ बसैअवधनहिंआनउपायें ॥ भरतबचनसुनिमुनिसुखपाई ॥ सबहिंकीन्हबहुभांतिबड़ाई ॥ तातकरहुजनिसोचबिसेषी ॥ सबदुखमिटिहिरामपददेखी ॥ * ॥ दोहा ॥ *

करिप्रबोधमुनिबरकहेउ अतिथिप्रेमप्रियहोहु ॥
कंदमूलफलफूलहम देहिंलेहुकरिछोहु * ॥

॥ चौपाई ॥

सुनिमुनिबचनभरतहियसोचू ॥ भयउकुअवसरकठिनसंकोचू ॥ जानिगरुइगुरगिराबहोरी ॥ चरनबंदिबोलेकरजोरी ॥ सिरधरिआयसुकरिअतुम्हारा ॥ परमधरमयहनाथहमारा ॥ भरतबचनमुनिबरमनभाये ॥ सुचिसेवकसिषनिकटबोलाये ॥ चाहिअकीन्हभरतपहुनाई ॥ कंदमूलफलआनहुजाई ॥ भलेहिंनाथकहितिन्हसिरनाये ॥ प्रमुदितनिजनिजकाजसिधाये ॥ मुनिहिंसोचपाहुनबड़नेवता ॥ तसिपूजाचाहियजसदेवता ॥ सुनिरिधिसिधिअनिमादिकआईं ॥ आयसुहोइसोकरहिंगोसाईं ॥ * ॥ दोहा ॥ *

रामबिरहब्याकुलभरत सानुजसहितसमाज * ॥

पहुनाई करि हरहु श्रम कहा मुदित मुनिराउ ॥

॥ चौपाई ॥

सिधि सिधि सिर धरि मुनिवर बानी ॥ बडभागिनि आपुहि अनुमानी ॥ कहहिं परसपर सिधि समुदाई ॥ अतुलित अतिथि राम लघु भाई ॥ मुनि पद बंदि करिय सोइ आजू ॥ होइ सुखी सब राज समाजू ॥ अस कहि रचेउ रुचिर गृह नाना ॥ जे बिलोकि बिलखाहिं बिमाना ॥ भोग बिभूति भूरि भरि राखे ॥ देखत जिन्हहिं अमर अभिलाखे ॥ दासी दास साज सब लीन्हे ॥ जोगवत रहहिं मनहिं मन दीन्हे ॥ सब समाज सजि सिधि पल माहीं ॥ जे सुख सपनेहुं सुरपुर नाहीं ॥ प्रथमहिं बास दिए सब केही ॥ सुंदर सुखद यथा रुचि जेही ॥ ॥ दोहा ॥

बहुरि सपरिजन भरत कहं रिषि अस आयसु दीन्ह ॥
विधि विसमय दायक बिभव मुनिवर तपबल कीन्ह ॥

॥ चौपाई ॥

मुनि प्रभाव जब भरत बिलोका ॥ सब लघु लगे लोकपति लोका ॥ सुख समाज नहिं जाइ बखानी ॥ देखत बिरति बिसारहिं ज्ञानी ॥ आसन सयन सुबसन बिताना ॥ बन बाटिका बिहग मृग नाना ॥ सुरभि फूल फल अमिय समाना ॥ बिमल जलाशय बिबिध बिधाना ॥ असन पान सुचि अमिय अमी से ॥ देखि लोग सकुचात जमी से ॥ सुर सुरभी सुरतरु सबही के ॥ लखि अभिलाष सुरेस सची के ॥ ऋतु बसंत बह त्रिबिध बयारी ॥ सब कहं सुलभ पदारथ चारी ॥ स्रक चंदन बनितादिक भोगा ॥ देखि हरष बिसमय बस लोगा ॥ ॥ दोहा ॥

संपति चकई भरत चक मुनि आयसु खेलवार ॥

जैसिआहिनाथमरपीगरा सखोमामिनुसार॥

॥ चौपाई ॥

कीन्हनिमज्जनतीरथराजा॥ नाइमुनिहिसिरसहितसमाजा॥ रिषिआयसुअसीसशिरराखी॥ करिदंडवतबिनयबहुभाषी॥ पथगतकुशलसाथसबलीन्हे॥ चलेचित्रकूटहिंचितदीन्हे॥ रामसखाकरदीन्हेलागू॥ चलतदेहधरिजनुअनुरागू॥ नहिंपदत्राणसीसनहिंछाया॥ प्रेमनेमब्रतधर्मअमाया॥ लखणरामसियपंथकहानी॥ पूछतसखहिंकहतमृदुबानी॥ रामबासथलबिटपबिलोकी॥ उरअनुरागरहतनहिंरोकी॥ देखिदशासुरबरषहिंफूला॥ भइमृदुमहिमगुमंगलमूला॥ ॥ दोहा ॥

कीयेजाहिंछायाजलद सुखदबहैबरबात॥
तसमगुभयउनरामकहं जसभाभरतहिजात॥

॥ चौपाई ॥

जडचेतनजगजीवघनेरे॥ जेचितएप्रभुजिन्हप्रभुहेरे॥ तेसबभएपरमप दयोगू॥ भरतदरसमेटाभवरोगू॥ यहबडिबातभरतकैनाहीं॥ सुमिरतजिन्हहिंराममनमाहीं॥ बारेकरामकहतजगजेऊ॥ होततरनतारननरतेऊ॥ भरतरामप्रियपुनिलघुभ्राता॥ कसनहोइमगुमंगलदाता॥ सिद्धसाधुमुनिवरअसकहहीं॥ भरतहिंनिरखिहर्षहियलहहीं॥ देखिप्रभावसुरेशहिंसोचू॥ जगभलभलहिंपोचकहंपोचू॥ गुरुसनकहेउकरियप्रभुसोई॥ रामहिंभरतहिंभेंटनहोई॥ ॥ दोहा ॥

रामसकोचीप्रेमबस भरतसप्रेमपयोधि॥

बनीबातबिगरनचहत करियजतनछलसोधि॥

॥चौपाई॥

बचनसुनतसुरगुरुमुसुकाने॥ सहसनयनबिनुलोचनजाने॥ कहगुरुबादि
छोभछलछाडू॥ इहांकपटकरिहोइयभांडू॥ मायापतिसेवकसनमाया॥ क
रियउलटिपरैसुरराया॥ तबकछुकीन्हरामरुखजानी॥ अबकुचालिकरिहो
इहिहानी॥ सुनुसुरेसरघुनाथसुभाऊ॥ निजअपराधरिसाहिंनकाऊ॥
जोअपराधभगतकरकरई॥ रामरोषपावकसोजरई॥ लोकहुंबेदबिदितइति
हासा॥ यहमहिमाजानहिंदुरबासा॥ भरतसरिसकोरामसनेही॥ जगजपराम
रामजपजेही॥ ॥दोहा॥

मनहुंनआनियअमरपति रघुबरभगतअकाज॥
अजसलोकपरलोकदुख दिनदिनसोकसमाज॥

॥चौपाई॥

सुनुसुरेसउपदेसहमारा॥ रामहिसेवकपरमपियारा॥ मानतसुखसेवकसेव
काई॥ सेवकबैरबैरअधिकाई॥ यद्यपिसमनहिंरागनरोषू॥ गहहिंनपापपु
न्यगुणदोषू॥ कर्मप्रधानबिश्वकरिराखा॥ जोजसकरैसोतसफलचाखा॥ तदपि
करहिंसमबिषमबिहारा॥ भक्तहृदयअनुसरअनुसारा॥ अगुणअलेपअमानए
करस॥ रामसगुणभयेभक्तप्रेमबस॥ रामसदासेवकरुचिराखी॥ वेदपुराण
साधुसुरसाखी॥ असजियजानितजहुकुटिलाई॥ करहुभरतपदप्रीतिसु
हाई॥ ॥दोहा॥

रामभक्तपरहितनिरत परदुखदुखीदयाल॥

॥भगतसिरोमनिभरततें जनिडरपहुसुरपाल ॥

॥ चौपाई ॥

सत्यसंधप्रभुसुरहितकारी ॥ भरतरामआयसअनुसारी ॥ स्वारथबिबसबिकल
तुम्हहोहू ॥ भरतदोषनहिंराउरमोहू ॥ सुनिसुरबरसुरगुरबरबानी ॥ भाप्र
मोदमनमिटीगलानी ॥ बरषिप्रसूनहरषिसुरराऊ ॥ लगेसराहनभरतसुभा
ऊ ॥ यहिबिधिभरतचलेमगजाहीं ॥ दशादेखिमुनिसिद्धसिहाहीं ॥ जबहिंरा
मकहिलेहिंउसासा ॥ उमगतप्रेममनहुँचहुँपासा ॥ द्रवहिंबचनसुनिकुलि
शपषाना ॥ पुरजनप्रेमनजाइबखाना ॥ बीचबासकरियमुनहिंआये ॥ निरखि
नीरलोचनजलछाये ॥ *——* ॥ दोहा ॥ *——*——*——*——*

॥ रघुबरबरणबिलोकिबर बारिसमेतसमाज ॥

॥ होतमगनबारिधिबिरह चढ़ेबिबेकजहाज ॥

॥ चौपाई ॥

यमुनतीरतेहिदिनकरिबासू ॥ भयेउसमयसमसबहिंसुपासू ॥ रातिहिंघा
टघाटकीतरणी ॥ आईंअगणितजाइनबरणी ॥ प्रातपारभेएकहिखेवा ॥ तोषे
रामसखाकरिसेवा ॥ चलेंनहाइनदिहिंसिरनाई ॥ साथनिषादनाथलघुभाई
॥ आगेंमुनिबरबाहनआछे ॥ राजसमाजजाइसबपाछें ॥ तेहिपाछेंदोउबंधुप
यादे ॥ भूषणबसनबेषसुठिसादे ॥ सेवकसुहृदसचिवसुतसाथा ॥ सुमिरत
लषणसीयरघुनाथा ॥ जहँजहँरामबासबिश्रामा ॥ तहँतहँकरहिंसुप्रेमप्रणा
मा ॥ *——*——*——*——* ॥ दोहा ॥ *——*——*——*——*

॥ मगबासीनरनारिसुनि धामकामतजिधाइ ॥

देखिसरूपसनेहबस मुदितजनमफलपाइ॥

॥ चौपाई ॥

कहहिंसप्रेमएकएकपाहीं॥ रामलखनसखिहोहिंकिनाहीं॥ बयबपुबरणरूपसोइआली॥ शीलसनेहसरिससमचाली॥ बेषनसोसखिसीयनसंगा॥ आगेंअनीचलीचतुरंगा॥ नहिंप्रसन्नमुखमानसखेदा॥ सखिसंदेहहोतयहिभेदा॥ तासुतर्कतियगणमनमानी॥ कहहिंसकलतेहिसमनसयानी॥ तेहिसराहिबानीफुरपूजी॥ बोलीमधुरबचनतियदूजी॥ कहिसप्रेमसबकथाप्रसंगू॥ जेहिबिधिरामराजरसभंगू॥ भरतहिंबहुरिसराहनलागी॥ शीलसनेहसुभावसुभागी॥ ॥ दोहा ॥

चलतपयादेखातफल पितादीन्हतजिराज॥
जातमनावनरघुबरहिं भरतसरिसकोआज॥

॥ चौपाई ॥

भायपभगतिभरतआचरणू॥ कहतसुनतदुखदूषणहरणू॥ जोकछुकहियथोरसखिसोई॥ रामबंधुअसकाहेनहोई॥ हमसबसानुजभरतहिंदेखें॥ भइधन्ययुवतीजनलेखें॥ सुनिगुणदेखिदशापछिताहीं॥ केकयिजननियोगसुतनाहीं॥ कोउकहदूषणरानिहिनाहिन॥ बिधिवशकीन्हहमहिंजोदाहिन॥ कहंहमलोकवेदबिधिहीनी॥ लघुकुलतियकरतूतिमलीनी॥ बसहिंकुदेशकुगांवकुबामा॥ कहंयहदरशपुण्यपरिणामा॥ असअनन्दअचरजप्रतिग्रामा॥ जनुमरुभूमिकल्पतरुजामा॥ ॥ दोहा ॥

भरतदरशदेखतखुलेउ मगुलोगन्हकरभाग॥

अनुसियलखिबिन्हुभयेउ विधिबशसुलभप्रयाग ॥

॥ चौपाई ॥

निजगुणसहितरामगुणगाथा ॥ सुनतजाहिंसुमिरतरघुनाथा ॥ तीरथमुनि आश्रमसुरधामा ॥ निरखिनिमज्जहिंकरहिंप्रणामा ॥ मनहींमनमांगहिंबर एहू ॥ सीयरामपदपद्मसनेहू ॥ मिलहिंकिरातकोलबनबासी ॥ बैखानसबटु यतीउदासी ॥ करिप्रणामपूछहिंजेहितेही ॥ केहिबनलषणरामबैदेही ॥ ते प्रभुसमाचारसबकहहीं ॥ भरतहिंदेखिजन्मफललहहीं ॥ जेजनकहहिंकुशल हमदेखे ॥ तेप्रियरामलषणसमलेखे ॥ यहिबिधिबूझतसबहिंसुबानी ॥ सुनतरामबनबासकहानी ॥ *—* ॥ दोहा ॥ *—*—*—*—**

तेहिबासरबसिप्रातहीं चलेसुमिरिरघुनाथ ॥
रामदरशकीलालसा भरतसरिसबसाथ ॥

॥ चौपाई ॥

मंगलशगुनहोहिंसबकाहू ॥ फरकहिंसुखदबिलोचनबाहू ॥ भरतहिसहित समाजउछाहू ॥ मिलिहहिंराममिटिहिदुखदाहू ॥ करतमनोरथजसजिय जाके ॥ जांहिसनेहसुरासबछाके ॥ शिथिलअंगमगुपगडगिडोलहिं ॥ बिह्वल बचनप्रेमबशबोलहिं ॥ रामसखातेहिसमयदेखावा ॥ शैलशिरोमणिसहजसु हावा ॥ जासुसमीपसरितपयतीरा ॥ सीयसमेतबसहिंदोउबीरा ॥ देखिकरहिं सबदंडप्रणामा ॥ कहिजयजानकिजीवनरामा ॥ प्रेममगनअसराजसमाजू ॥ अनुफिरिअवधचलेरघुराजू ॥ *—* ॥ दोहा ॥ *—*—*—*

भरतप्रेमतेहिसमयजस तसकहिसकैनशेषु ॥

कबिहिअगमजिमिब्रह्मसुख अहममलिनजनेषु ॥

॥ चौपाई ॥

सकलसनेहसिथिलरघुबरके ॥ गएकोसदुइदिनकरढरके ॥ जलथलदेखि बसेनिसिबीते ॥ कीन्हगवनरघुनाथपिरीते ॥ उहांरामरजनीअवशेषा ॥ जागे सीयसपनअसदेखा ॥ सहितसमाजभरतजनुआए ॥ नाथबियोगतापतनताए ॥ सकलमलिनमनदीनदुखारी ॥ देखीसासुआनअनुहारी ॥ सुनिसियसपनभरे जललोचन ॥ भएसोचबसशोचबिमोचन ॥ लखनसपनयहनीकनहोई ॥ क ठिनकुचाहसुनाइहिकोई ॥ असकहिबंधुसमेतनहाने ॥ पूजिपुरारिसाधुस नमाने ॥ *** ॥ छंद ॥ ****

सनमानिसुरमुनिबंदिबैठेउतरदिसिदेखतभए ॥ * ॥ नभधूरि खगमृगभूरिभागेबिकलप्रभुआश्रमगए ॥ * ॥ तुलसीउठेअवलो किकारणकाहचितसचकितरहे ॥ * ॥ सबसमाचारकिरातकोलन्ह आइतेहिअवसरकहे ॥ ** ॥ सोरठा ॥ ****

सुनतसुमंगलबयन मनप्रमोदतनपुलकभर ॥
सरदसरोरुहनयन तुलसीभरेसनेहजल ** ॥

॥ चौपाई ॥

बहुरिसोचबसभेसियरमनू ॥ कारनकवनभरतआगमनू ॥ एकआइअसक हाबहोरी ॥ सेनसंगचतुरंगनथोरी ॥ सोसुनिरामहिभाअतिसोचू ॥ इतपितुब चउतबंधुसकोचू ॥ भरतसुभावसमुझिमनमाहीं ॥ प्रभुचितहितथितिपावतना हीं ॥ समाधानतबभायहजाने ॥ भरतकहेमहुंसाधुसयाने ॥ लखनलखेउप्र

भुहृदयसंभारू ॥ कहतसमयसमनीतिबिचारू ॥ बिनुपूछेकछुकहउंगोसांई सेवकसमयनढीठढिठाई ॥ तुमसर्बग्यसिरोमणिस्वामी ॥ आपनिसमुझिकहै अनुगामी ॥ ॥ दोहा ॥

नाथसुहृदसुठिसरलचित सीलसनेहनिधान ॥
सबपरप्रीतिप्रतीतिजिय जानियआपुसमान ॥

॥ चौपाई ॥

बिषयीजीवपाइप्रभुताई ॥ मूढमोहबसहोहिंजनाई ॥ भरतनीतिरतसाधुसुजाना ॥ प्रभुपदप्रेमसकलजगजाना ॥ तेउआजुराजपदपाई ॥ चलेधरममरजादमिटाई ॥ कुटिलकुबंधुकुअवसरताकी ॥ जानिरामबनवासएकाकी ॥ करिकुमंत्रमनसाजिसमाजू ॥ आयेकरनअकंटकराजू ॥ कोटिप्रकारकलपिकुटिलाई ॥ आयेदलबटोरिदोउभाई ॥ जौंजियहोतिनकपटकुचाली ॥ केहिसोहातरथबाजिगजाली ॥ भरतहिदोसदेइकोजाये ॥ जगबौराइराजपदपाये ॥

॥ दोहा ॥

शशिगुरुतियगामीनघुष चढेउभूमिसुरयान ॥
लोकबेदतेंबिमुखभा अधमनबेनसमान ॥

॥ चौपाई ॥

सहसबाहुसुरनाथत्रिसंकू ॥ केहिनराजमददीन्हकलंकू ॥ भरतकीन्हयहउचितउपाऊ ॥ रिपुऋणरंचनराखबकाऊ ॥ एककीन्हनहिंभरतभलाई ॥ निदरेरामजानिअसहाई ॥ समुझिपरिहिसोआजुबिसेषी ॥ समरसरोषराममुखपेखी ॥ इतनाकहतनीतिरसभूला ॥ रणरसबिटपपुलकमिसिफूला ॥ प्रभुपद

बंदिसीसरजरषी ॥ बोलेसत्यसहजबलभाषी ॥ अनुचितनाथनमानबमोरा ॥ भ
रतहमहिंउपचारनथोरा ॥ कहंलगिसहियरहियमनमारे ॥ नाथसाथधनुहा
थहमारे ॥ **** ॥ दोहा ॥ ******

छत्रिजातिरघुकुलजनम रामअनुजजगजान ॥
लातहुंमारेचढ़तशिर नीचकोधूरिसमान ** ॥

॥ चौपाई ॥

उठिकरजोरिरजायसुमांगा ॥ मनहुंबीररससोवतजागा ॥ बांधिजटाशिरक
टिकसिभाथा ॥ साजिशरासनशायकहाथा ॥ आजुरामसेवकयशलेऊं ॥ भरत
हिसमरशिखावनदेऊं ॥ रामनिरादरकरफलपाई ॥ सोवहुंसमरसेजदोउ
भाई ॥ आइबनाभलसकलसमाजू ॥ प्रगटकरौंरिसिपाछिलआजू ॥ जिमिकरि
निकरदलैमृगराजू ॥ लेइलपेटिलवाजिमिबाजू ॥ तैसेहिंभरतहिसेनसमेता ॥
सानुजनिदरिनिपातौंखेता ॥ जौंसहायकरशंकरआई ॥ तदपिहतौंरणरामदो
हाई ॥ **** ॥ दोहा ॥ ******

अतिसरोषभायेलषण सुनिगुणिशपथप्रमान ॥
सभयबिलोकतलोकपति चाहतभभरिभगान ॥

॥ चौपाई ॥

जगभामगनगगनभैबाणी ॥ लषणबाहुबलबिपुलबखानी ॥ तातप्रतापप्रभावतु
म्हारा ॥ कोकहिशकैकोजाननिहारा ॥ अनुचितउचितकाजकछुहोई ॥ स
मुझिकरियभलकहसबकोई ॥ सहसाकरिपाछेंपछिताहीं ॥ कहहिंवेदबुधते
बुधनाहीं ॥ सुनिसुरबचनलषणसकुचाने ॥ रामसीयसादरसनमाने ॥ कहीं

तातनुमनीतिसुहाई॥ सबतेंकठिनराजमदभाई॥ जोअंचवतनृपमातहितेई॥ नाहिनसाधुसभाजिन्हसेई॥ सुनहुलखनभलभरतसरीसा॥ विधिप्रपंचमहंसुनानदीसा॥ *~*~* ॥ दोहा ॥ *~**~**~**~*

भरतहिहोइनराजमद बिधिहरिहरपदपाइ॥
कबहुंकिकांजीसीकरनि छीरसिंधुबिनसाइ **॥

॥ चौपाई ॥

तिमिरतरुनतरणिहिंमकुगिलई॥ गगनमगनमकुमेघहिंमिलई॥ गोपदजलबूडहिंघटयोनी॥ सहजछमाबरुछाडहिंछोणी॥ मशकफूंकबरुमेरुउडाई॥ होइनन्नृपमदभरतहिंभाई॥ लखनतुम्हारसपथपितुआना॥ सुचिसुबंधुनहिं भरतसमाना॥ सुगुणछीरअवगुणजलताता॥ मिलैरचैपरपंचविधाता॥ भरतहंसरविबंशतडागा॥ जनमिकीन्हगुणदोषविभागा॥ गहिगुणपयतजिअवगुणवारी॥ निजयशजगतकीन्हउजियारी॥ कहतभरतगुणशीलसुभाऊ॥ प्रेमपयोधिमगनरघुराऊ *~* ॥ दोहा ॥ *~**~**~**~**

सुनिरघुबरबाणीबिबुध देखिभरतपरहेतु॥
सकलसराहतरामसे प्रभुकोकृपानिकेतु **॥

॥ चौपाई ॥

जौंनहोतजगजन्मभरतको॥ सकलधरमधुरधरणिधरतको॥ कविकुलअगमभरतगुणगाथा॥ कोजानैतुमबिनुरघुनाथा॥ लखनरामसियसुनिसुरबाणी॥ अतिसुखलहेउनजाइबखानी॥ इहांभरतसबसहितसहाये॥ मंदाकिनीपुनीतअन्हाये॥ सरितसमीपराखिसबलोगा॥ मांगिमातुगुरुसचिवनियोगा॥

चलेभरतजहँसियरघुराई॥ साथनिषादनाथलघुभाई॥ समुझिमातुकरतबस कुचाहीं॥ करतकुतर्ककोटिमनमाहीं॥ रामलषनसियसुनिममनाऊं॥ उठि जनिअनतजाहिंतजिठाऊं॥ *~*॥ दोहा॥ *~*~*~*

मातुमतेमहंमानिमोहि जोकछुकरहिंसोथोर॥

अघअवगुनछमिआदरहिं समुझिआपनीवोर॥

॥ चौपाई॥

जौंपरिहरहिंमलिनमनजानी॥ जौंसनमानहिंसेवकमानी॥ मोरेंसरनरामहि कीपनही॥ रामसुस्वामिदोषसबजनही॥ जगजसभाजनचातकमीना॥ नेम प्रेमनिजनिपुननवीना॥ असमनगुनतचलेमगजाता॥ सकुचसनेहसिथिल सबगाता॥ फेरतिमनहुंमातुकृतखोरी॥ चलतभक्तिबलधीरजधोरी॥ जब समुझतरघुनाथसुभाऊ॥ तबपथपरतउताइलपाऊ॥ भरतदसातेहिं अवसरकैसी॥ जलप्रवाहजलअलिगतिजैसी॥ * * * * * * * * *

~~*~*~*॥ दोहा॥ *~*~*~*~*

लगेहोनमंगलसगुन सुनिगुनिकहतनिषाद॥

मिटिहिसोचहोइहिहरष पुनिपरिणामबिषाद॥

॥ चौपाईं॥

सेवकवचनसत्यसबजानें॥ आश्रमनिकटजाइनिअरानें॥ भरतदीखबनसैलस माजू॥ मुदितछुधितजनुपाइसुनाजू॥ ईतिभीतिजनुप्रजादुखारी॥ त्रिविध तापपीडितग्रहमारी॥ जाइसुराजसुदेससुखारी॥ भईभरतगतितेहिअनु हारी॥ रामबासबनसंपतिभ्राजा॥ सुखीप्रजाजनुपाइसुराजा॥ सचिवविराग

बिबेकनरेसू ॥ बिपिनसुहावनपावनदेसू ॥ भटजमनीयमसैलरजधानी ॥ सांतिसुमतिसुचिसुंदररानी ॥ सकलअंगसंपन्नसुराऊ ॥ रामचरणआश्रितचितचाऊ ॥ *~*~* ॥ दोहा ॥ *~*~*~*~*~*

जीतिमोहमहिपालदल सहितबिबेकभुआल ॥
करतअकंटकराजपुर सुखसंपदासुकाल * ॥

॥ चौपाई ॥

बनप्रदेशमुनिबासघनेरे ॥ जनुपुरनगरगांवगणखेरे ॥ बिपुलबिचित्रबिहंगमृगनाना ॥ प्रजासमाजनजाइबखाना ॥ खगहाकरिहरिबाघबराहा ॥ देखिमहिषबृषसाजसराहा ॥ बैरबिहाइचरहिंएकसंगा ॥ जहंतहंमनहुंसेनचतुरंगा ॥ झरनाझरहिंमत्तगजगाजहिं ॥ मनहुनिसानबिबिधबिधिबाजहिं ॥ चकचकोरचातकशुकपिकगण ॥ कूजतमंजुमरालमुदितमन ॥ अलिगणगावतनाचतमोरा ॥ जनुसुराजमंगलचहुंओरा ॥ बेलिबिटपतृणसफलसफूला ॥ सबसमाजमुदमंगलमूला ॥ *~*~*~* ॥ दोहा ॥ *~*~*~*~*

रामसैलशोभानिरखि भरतहृदयअतिप्रेम ॥
तापसतपफलपाइजिमि सुखीसिरानेनेम ॥

॥ चौपाई ॥

तबकेवटऊंचेचढिजाई ॥ कहाभरतसनभुजाउठाई ॥ नाथदेखुयहबिटपबिशाला ॥ पाकरिजंबुरसालतमाला ॥ तिन्हतरुवरन्हमध्यबटसोहा ॥ मंजुबिशालदेखिमनमोहा ॥ नीलसघनपल्लवफललाला ॥ अबिरलछांहसुखदसबकाला ॥ मानहुंतिमिरअरुणमयरासी ॥ बिरचीबिधिसकेलिसुखमासी ॥ तेहितरु

सरितसमीपगोसांई ॥ रघुवरपर्णकुटीजहंछाई ॥ तुलसीतरुवरविविध सुहाये ॥ कहुंसियपियकहुंलषणलगाये ॥ बटछायावेदिकाबनाई ॥ सिय निजपाणिसरोजसुहाई ॥ *~* ॥ दोहा ॥ *~**~**~**

जहंबैठेमुनिगणसहित नितिसियरामसुजान ॥
सुनहिंकथाइतिहाससब आगमनिगमपुराण ॥

॥ चौपाई ॥

सखावचनसुनिविटपनिहारी ॥ उमगेभरतविलोचनबारी ॥ करतप्रणामचले दोउभाई ॥ कहतप्रीतिशारदसकुचाई ॥ हर्षहिंनिरखिरामपदअंका ॥ मा नहुंपारसपायेउरंका ॥ रजशिरधरिहियनयननलावहिं ॥ रघुवरमिलन सरिससुखपावहिं ॥ देखिभरतगतिअकथअतीवा ॥ प्रेममगनमृगखगजडजी वा ॥ सखहिसनेहविवशमगुभूला ॥ कहिसुपंथसुरवरषहिंफूला ॥ निरखिसि द्धसाधकअनुरागे ॥ सहजसनेहसराहनलागे ॥ होतनभूतलभावभरतको ॥ अ चरसचरचरअचरकरतको ॥ *~* ॥ दोहा ॥ ********

प्रेमअमियमंदरविरह भरतपयोधिगंभीर ॥
मथिप्रगटेसुरसाधुहित कृपासिंधुरघुवीर * ॥

॥ चौपाई ॥

सखासमेतमनोहरजोटा ॥ लखेउनलषणसघनबनओटा ॥ भरतदीखप्रभुआ श्रमपावन ॥ सकलसुमंगलसदनसुहावन ॥ करतप्रवेशमिटादुखदावा ॥ ज नुयोगीपरमारथपावा ॥ देखेभरतलषणप्रभुआगे ॥ पूछेवचनकहतअनुरागे ॥ शीशजटाकटिमुनिपटबांधे ॥ तूणकसेकरशरधनुकांधे ॥ बेदीपरमुनिसाधु

समाजू ॥ सीयसहितराजतरघुराजू ॥ वल्कलवसनजटिलतनुश्यामा ॥ जनुमुनिवेषकीन्हरतिकामा ॥ करकमलन्हधनुशायकफेरत ॥ जियकीजरनिहरतहंसिहेरत ॥ ****** ॥ दोहा ॥ *************

लसतमंजुमुनिमंडली मध्यसीयरघुचंद ॥
ज्ञानसभाजनुतनुधरे भक्तिसच्चिदानंद ॥

॥ चौपाई ॥

सानुजसखासमेतमगनमन ॥ बिसरेहर्षशोकसुखदुखगण ॥ पाहिनाथकहिपाहिगोसांई ॥ भूतलपरेलकुटकीनाई ॥ बचनसप्रेमलषणपहिचाने ॥ करतप्रणामभरतजियजाने ॥ बंधुसनेहसरसयहिओरा ॥ उतसाहेवसेवाबरजोरा ॥ मिलिनजाइनहिगुदरतबनई ॥ सुकबिलषणमनकीगतिभनई ॥ रहेराखिसेवापरभारू ॥ चढीचंगजनुखैंचखेलारू ॥ कहतसप्रेमनाइमहिमाथा ॥ भरतप्रणामकरतरघुनाथा ॥ उठेरामसुनिप्रेमअधीरा ॥ कहुंपटकहुंनिषंगधनुतीरा ॥ ******* ॥ दोहा ॥ *********

बरवसलिएउठाइउर लाएकृपानिधान ॥
भरतरामकीमिलनलखि बिसरेसबहिअपान ॥

॥ चौपाई ॥

मिलनिप्रीतिकिमिजाइबखानी ॥ कबिकुलअगमकर्ममनबानी ॥ परमप्रेमपूरणदोउभाई ॥ मनबुधिचितअहमितिअधिकाई ॥ कहहुसोप्रेमप्रगटकोकरई ॥ केहिछायाकबिमतिअनुसरई ॥ कबिहिअर्थआखरबलसांचा ॥ अनुहरतालगतिहिनटनांचा ॥ अगमसनेहभरतरघुबरको ॥ जहंनजाइमनबिधि

हरिहरको॥ सोमैंकुमतिकहौंकेहिभांती॥ बाजुसुरागकिगांडरतांती॥ मिलनिबिलोकिभरतरघुबरकी॥ सुरगणसभयधुकधुकीधरकी॥ समुझाएसुरगुरुजडजागे॥ बरषिप्रसूनप्रशंसनलागे॥ *——* ॥ दोहा ॥ *——*

मिलिसप्रेमरिपुसूदनहि केवटभेंटेउराम॥
भूरिभाग्यभेंटेभरत लक्ष्मणकरतप्रणाम॥

॥ चौपाई ॥

भेंटेलषणललकिलघुभाई॥ बहुरिनिषादलीन्हउरलाई॥ पुनिमुनिगणदुहुभाइन्हबंदे॥ अभिमतआशिषपाइअनंदे॥ सानुजभरतउमगिअनुरागा॥ धरिशिरसियपदपदुमपरागा॥ पुनिपुनिकरतप्रणामउठाए॥ सियकरकमलपरसिबैठाए॥ सीयअशीसदीन्हमनमांही॥ मगनसनेहदेहसुधिनाहीं॥ सबविधिसानुकूललखिसीता॥ भेनिसोचउरअपडरबीता॥ कोउकछुकहैन कोउकछुपूछा॥ प्रेमभरामननिजगतिछूछा॥ तेहिअवसरकेवटधीरजधरि॥ जोरिपाणिबिनवतप्रणामकरि॥ *——* ॥ दोहा ॥ *——*——*

नाथसाथमुनिनाथके मातुसकलपुरलोग * ॥
सेवकसेनपसचिवसब आयेबिकलबियोग॥

॥ चौपाई ॥

शीलसिंधुसुनिगुरुआगमनू॥ सीयसमीपराखिरिपुदमनू॥ चलेसबेगरामतेहिकाला॥ धीरधरमधुरदीनदयाला॥ गुरुहिदेखिसानुजअनुरागे॥ दंडप्रणामकरनप्रभुलागे॥ मुनिवरधाइलिएउरलाई॥ प्रेमउमगिभेंटेदोउभाई॥ प्रेमपुलकिकेवटकहिनामू॥ कीन्हदूरितेदंडप्रणामू॥ रामसखाऋषिवरबसभें

टे॥ जनुमहिलुठतसनेहसमेटे॥ रघुपतिभगतिसुमंगलमूला॥ नभसराहिसुरबरषहिंफूला॥ यहिसमनिपटनीचकोउनाही॥ बडबसिष्ठसमकोजगमांही॥ ***** ॥ दोहा ॥ *****

जेहिलखिलखनहुतेंअधिक मिलेमुदितमुनिराउ॥
सोसीतापतिभजनको प्रगटप्रतापप्रभाउ * * * * ॥

॥ चौपाई ॥

आरतलोगरामसबजाना॥ करुनाकरसुजानभगवाना॥ जोजेहिभांतिरहाअभिलाषी॥ तेहितेहिकैतसितसिरुखराखी॥ सानुजमिलिपलमहंसबकाहू॥ कीन्हदूरिदुखदारुनदाहू॥ यहबडिबातरामकैनाही॥ जिमिघटकोटिएकरबिछाहीं॥ मिलिकेवटहिंउमगिअनुरागा॥ पुरजनसकलसराहहिंभागा॥ देखीरामदुखितमहतारी॥ जनुसुबेलिअवलीहिममारी॥ प्रथमरामभेंटेकैकेयी॥ सरलसुभावभगतिमतिभेई॥ पगपरिकीन्हप्रबोधबहोरी॥ कालकर्मबिधिसिरधरिखोरी॥ ***** ॥ दोहा ॥ *****

भेंटीरघुबरमातुसब करिप्रबोधपरितोष॥
अंबईसआधीनजग काहुनदेइअदोष॥

॥ चौपाई ॥

गुरतियपदबंदेदोउभाई॥ सहितबिप्रतियजेसंगआई॥ गंगगौरिसमसबसनमानी॥ देहिंअशीसमुदितमृदुबानी॥ गहिपदलगेसुमित्राअंका॥ जनुभेंटीसंपतिअतिरंका॥ पुनिजननीचरणन्हदोउभ्राता॥ परेप्रेमब्याकुलसबगाता॥ अतिअनुरागअंबउरलाए॥ नयनसनेहसलिलअन्हवाए॥ तेहिअव

तेहिअवसरकरहरषबिषादू॥ किमिकबिकहैमूकजिमिस्वादू॥ मिलिजननिहिसानुजरघु
राउ॥ गुरसनकहेउकिधारियपाउ॥ पुरजनपाइमुनीसनियोगू॥ ज
लथलतकितकिउतरेउलोगू॥ ॥ दोहा ॥

महिसुरमंत्रीमातुगुर गनेलोगलियेसाथ॥
पावनआश्रमगवनकिय भरतलखनरघुनाथ॥

॥ चौपाई ॥

सीयआइमुनिबरपगलागी॥ उचितअसीसलहीमनमागी॥ गुरपतिनिहि
मुनितियन्हसमेता॥ मिलिप्रेमकहिजाइनजेता॥ बंदिबंदिपगसियसबहीके
॥ आसिरबचनलहेप्रियजीके॥ सासुसकलजबसीयनिहारी॥ मूदेनयनसह
मिसुकुमारी॥ परीबधिकबसमनहुमराली॥ काहकीन्हकरतारकुचाली॥ तिन्ह
सियनिरखिनिपटदुखपावा॥ सोसबसहियजोदैउसहावा॥ जनकसुतातबउ
रधरिधीरा॥ नीलनलिनलोयनभरिनीरा॥ मिलीसकलसासुन्हसियजाई॥
तेहिअवसरकरुनामहिछाई॥ ॥ दोहा ॥

लागिलागिपगसबनिसिय भेंटतिअतिअनुराग॥
हृदयअसीसहिंप्रेमबस रहियहुभरीसोहाग॥

॥ चौपाई ॥

बिकलसनेहसीयसबरानी॥ बैठनसबहिकहेउगुरज्ञानी॥ कहिजगगतिमायिक
मुनिनाथा॥ कहेकछुकपरमारथगाथा॥ नृपकरसुरपुरगमनसुना
वा॥ सुनिरघुनाथदुसहदुखपावा॥ मरणहेतुनिजनेहबिचारी॥ भेअतिबि
कलधीरधुरधारी॥ कुलिशकठोरसुनतकटुबानी॥ बिलपतलखनसीयसबरा

नी॥ सोकबिकलअतिसकलसमाजू॥ मानहुंराजअकाजेउआजू॥ मुनिबरब हुरिरामसमुझाऐ॥ सहितसमाजसुसरितनहाऐ॥ ब्रतनिरंबुतेहिदिनप्रभु कीन्हा॥ मुनिहुंकहेजलकाहुनलीन्हा॥ ॥ दोहा॥

भोरभऐरघुनंदनहिं जोमुनिआयसुदीन्ह॥
श्रद्धाभगतिसमेतप्रभु सोसबसादरकीन्ह॥

॥ चौपाई॥

करिपितुक्रियावेदजसबरनी॥ भेपुनीतपातकतमतरनी॥ जासुनामपावकअघ तूला॥ सुमिरतसकलसुमंगलमूला॥ सुद्धसोभयेउसाधुसंमतअस॥ तीर थआवाहनसुरसरिजस॥ सुद्धभयेदुइबासरबीते॥ बोलेगुरसनरामपिरीते॥ नाथलोगसबनिपटदुखारी॥ कन्दमूलफलअंबुअहारी॥ सानुजभरतसचि बसबमाता॥ देखिमोहिपलजिमिजुगजाता॥ सबसमेतपुरधारिअपाऊ॥ आपु इहांअमरावतिराऊ॥ बहुतकहेउंसबकिऐउंढिठाई॥ उचितहोइतसक रिअगोसांई॥ ॥ दोहा॥

धर्महेतुकरुनायतन कसनकहहुअसराम॥
लोगदुखितदिनदुइदरस देखिलहहिंबिश्राम॥

॥ चौपाई॥

रामबचनसुनिसभयसमाजू॥ जनुजलनिधिमहंबिकलजहाजू॥ सुनिमुनिगि रासुमंगलमूला॥ भयेउमनहुमारुतअनुकूला॥ पावनपयतिहुकालनहाहीं॥ जोबिलोकिअघओघनसाहीं॥ मंगलमूरतिलोचनभरिभरि॥ निरखहिं हरषिदंडवतकरिकरि॥ रामसैलबनदेखनजाहीं॥ जहंसुखसकलसकलदुख

नाहीं ॥ झरनाझरहिंसुधासमबारी ॥ त्रिबिधतापहरत्रिबिधबयारी ॥ बिटपबेलितृणअगणितजाती ॥ फलप्रसूनपल्लवबहुभांती ॥ सुंदरशिलासुखदतरुछांही ॥ जाइबरनिबनछबिकेहिपाहीं ॥ *\~* ॥ दोहा ॥ *\~\~*

सरनिसरोरुहजलबिहग कूजतगुञ्जतभृंग ॥
बैरबिगतबिहरतबिपिन मृगबिहंगबहुरंग ॥

॥ चौपाई ॥

कोलकिरातभिल्लबनवासी ॥ मधुशुचिसुंदरस्वादुसुधासी ॥ भरिभरिपर्णकुटीरचिरूरी ॥ कंदमूलफलअंकुरजूरी ॥ सबहिंदेहिंकरिबिनयप्रणामा ॥ कहिकहिस्वादभेदगुणनामा ॥ देहिंलोगबहुमोलनलेहीं ॥ फेरतरामदोहाईदेहीं ॥ कहहिंसनेहमगनमृदुबानी ॥ मानतसाधुप्रेमपहिचानी ॥ तुमसुकृतीहमनीचनिषादा ॥ पावादरशनरामप्रसादा ॥ हमहिंअगमअतिदरशतुम्हारा ॥ जसमरुधरणिदेवधुनिधारा ॥ रामकृपालनिषादनेवाजा ॥ परिजनप्रजाचहियजसराजा ॥ **\~*\~* ॥ दोहा ॥ *\~*\~*\~*

कहजियजानिसकोचतजि करियछोहलखिनेहु ॥
हमहिंकृतारथकरनलगि फलतृनअंकुरलेहु ॥

॥ चौपाई ॥

तुमप्रियपाहुनबनपगुधारे ॥ सेवाजोगनभाग्यहमारे ॥ देबकाहहमतुमहिंगोसांई ॥ इंधनपातकिरातमिताई ॥ यहहमारअतिबडिसेवकाई ॥ लेहिंनबासनबसनचोराई ॥ हमजडजीवजीवगणघाती ॥ कुटिलकुचालीकुमतिकुजाती ॥ पापकरतनिशिबासरजाहीं ॥ नहिंपटकटिनहिंपेटअघाहीं ॥ सपनेऊ

…र्मबुधिकसकाऊ ॥ यहरघुनंदनदरसप्रभाऊ ॥ जबतेंप्रभुपदपदुमनिहा
रे॥ मिटेदुसहदुखदोषहमारे ॥ बचनसुनतपुरजनअनुरागे ॥ तिन्हकेभागस
राहनलागे॥ ॥ छंद ॥

लागेसराहनभागसबअनुरागबचनसुनावहीं ॥ * ॥ बोलनिमिल
निसियरामचरनसनेहुलखिसुखपावहीं ॥ * ॥ नरनारिनिदर
हिंनेहनिजसुनिकोलभिल्लनिकीगिरा ॥ * ॥ तुलसीकृपारघुबं
समनिकीलोहलैलौकातिरा ॥ ॥ सोरठा ॥

बिहरहिंबनचहुंओर ॥ प्रतिदिनप्रमुदितलोगसब ॥
जलज्योंदादुरमोर ॥ भएपीनपावसप्रथम ॥

॥ चौपाई ॥

पुरनरनारिमगनअतिप्रीती ॥ बासरजाहिंपलकसमबीती ॥ सीयसासुप्रति
बेषबनाई ॥ सादरकरइसरिससेवकाई ॥ लखानमरमरामबिनुकाहू ॥ मा
यासबसियमायामाहू ॥ सीयसासुसेवाबसकीन्ही ॥ तिन्हलहिसुखसिखआसि
षदीन्ही ॥ लखिसियसहितसरलदोउभाई ॥ कुटिलरानिपछितानिअघाई ॥
अवनिजमहिजाचतिकैकेई ॥ महिनबीचबिधिमीचुनदेई ॥ लोकहुंबेदबिदि
तकबिकहहीं ॥ रामबिमुखथलनरकनलहहीं ॥ यहसंशयसबकेमनमांही ॥
रामगवनबिधिअवधकिनाही ॥ ॥ दोहा ॥

निसिननींदनहिंभूखदिन भरतबिकलसुठिसोच ॥
नीचकीचबिचमगनजस मीनहिंसलिलसकोच ॥

॥ चौपाई ॥

कीन्हिमातुमिसुकालकुचाली॥ ईतिभीतिजसपाकतसाली॥ केहिबिधिहोइराम
अभिषेकू॥ मोहिअवकलतउपायनएकू॥ अवसिफिरहिंगुरआयसुमानी॥
मुनिपुनिकहबरामरुचिजानी॥ मातुकहेंबहुरहिंरघुराऊ॥ रामजननिहठ
करबिकिकाऊ॥ मोहिअनुचरकरकेतिकबाता॥ तेहिमहंकुसमयबामबिधा
ता॥ जौंहठकरौंतौनिपटकुकरमू॥ हरगिरितेंगुरुसेवकधरमू॥ एकौजुगुति
नमनठहरानी॥ सोचतभरतहिरैनिबिहानी॥ प्रातनहाइप्रभुहिसिरनाई॥
बैठतपठऐरिषयबुलाई॥ ॥ दोहा॥

गुरपदकमलप्रणामकरि बैठेआयसुपाइ॥
बिप्रमहाजनसचिवसब जुरेसभासदआइ॥

॥ चौपाई॥

बोलेमुनिबरसमयसमाना॥ सुनहुसभासदभरतसुजाना॥ धर्मधुरीणभा
नुकुलभानू॥ राजारामस्वबसभगवानू॥ सत्यसिंधुपालकश्रुतिसेतू॥ रामजन्म
जगमंगलहेतू॥ गुरुपितुमातुबचनअनुसारी॥ खलदलदलनदेवहितकारी
॥ नीतिप्रीतिपरमारथस्वारथ॥ कोउनरामसमजानयथारथ॥ बिधिहरिह
रससिरबिदिशपाला॥ मायाजीवकर्मकलिकाला॥ अहिपमहिपजहंलगि
प्रभुताई॥ योगसिद्धिनिगमागमगाई॥ करिबिचारजियदेखहुनीकें॥ रामर
जायसीससबहीके॥ ॥ दोहा॥

राखेरामरजायरुख हमसबकरहितहोइ॥
समुझिसयानेकरहुअब सबमिलिसंमतसोहू॥

॥ चौपाई॥

सबकहंसुखदरामअभिषेकू॥ मंगलमूलमोदमगुएकू॥ केहिविधिअवधच
लहिंरघुराई॥ कहहुसमुझिसोइकरियउपाई॥ सबसादरसुनिमुनिवरबा
नी॥ नयपरमारथस्वारथसानी॥ उतरनदेतलोगभेभोरे॥ तबसिरनाइभरत
करजोरे॥ भानुवंशभेभूपघनेरे॥ अधिकएकतेएकबडेरे॥ जन्महेतुसबकहं
पितुमाता॥ करमशुभाशुभदेइविधाता॥ दलिदुखसजैसकलकल्याना॥ अ
सअशीसराउरजगजाना॥ सोगोसांइविधिगतिजेइछेंकी॥ सकैकोटारिटेक
जोटेकी॥ ॥ दोहा ॥

बूझियमोहिउपायअब सोसबमोरअभाग॥
सुनिसनेहमयबचनगुरु उरउमगाअनुराग॥

॥ चौपाई ॥

तातबातफुरराममुपाही॥ रामविमुखसिधिसपनेहुंनाही॥ सकुचौंतातकह
तएकबाता॥ अरधतजहिंबुधसरबसजाता॥ तुम्हकाननगवनहुदोभाई॥
फिरिअहिंलषणसीयरघुराई॥ सुनिसुभबचनहरषेदोभ्राता॥ भेप्रमोदपरिपू
रणगाता॥ मनप्रसन्नतनतेजबिराजा॥ जनुजिवराउरामभेराजा॥ बहुतलाभ
लोगन्हलघुहानी॥ समदुखसुखसबरोवहिंरानी॥ कहहिंभरतमुनिकहासोकीन्हे
॥ फलजगजीवनअभिमतदीन्हे॥ काननकरउंजन्मभरिवासू॥ यहितेअधि
कनमोरसुपासू॥ ॥ दोहा ॥

अंतरजामीरामसिय तुमसरबज्ञसुजान॥
जौंफुरकहौतोनाथनिज कीजियबचनप्रमान॥

॥ चौपाई ॥

भरतबचनसुनिदेखिसनेहू ॥ सभासहितमुनिभयेउबिदेहू ॥ भरतमहामहिमाजलरासी ॥ मुनिमतिठाढ़ितीरअबलासी ॥ गाचहपारयतनबहुहेरा ॥ पावतिनावनबोहितबेरा ॥ औरकरहिंकोभरतबड़ाई ॥ सरसरिसीपकिसिंधुसमाई ॥ भरतमुनिहिमनभीतरभाये ॥ सहितसमाजरामपहंआये ॥ प्रभुप्रणामकरिदीन्हसुआसन ॥ बैठेसबसुनिमुनिअनुशासन ॥ बोलेमुनिवरबचनबिचारी ॥ देशकालअवसरअनुहारी ॥ सुनहुरामसरबज्ञसुजाना ॥ धर्मनीतिगुणज्ञाननिधाना ॥ ***** ॥ दोहा ॥ ********

सबकेउरअंतरबसहु जानहुभावकुभाउ ** ॥
पुरजनजननीभरतहित होइसोकहियउपाउ ॥

॥ चौपाई ॥

आरतकहहिंबिचारिनकाऊ ॥ सूझजुआरिहिआपनदाऊ ॥ सुनिमुनिबचनकहतरघुराऊ ॥ नाथतुम्हारेहिहाथउपाऊ ॥ सबकरहितरुखराउररासे ॥ आयसुकिएमुदितफुरभाषे ॥ प्रथमजोआयसुमोकहंहोई ॥ माथेमानिकरौंसिखसोई ॥ पुनिजेहिकहंजसकहबगोसाई ॥ सोसबभांतिघटिहिसेवकाई ॥ कहमुनिरामसत्यतुमभाषा ॥ भरतसनेहबिचारनराखा ॥ तेहितेकहौंबहोरिबहोरी ॥ भरतभक्तिबसभइमतिमोरी ॥ मोरेजानभरतरुचिराखी ॥ जोकीजियसोशुभशिवसाखी ॥ ***** ॥ दोहा ॥ ********

भरतबिनयसादरसुनिय करियबिचारबहोरि ॥
करबसाधुमतलोकमत नृपनयनिगमनिचोरि ॥

॥ चौपाई ॥

गुरअनुरागभरतपरदेखी॥ रामहृदयआनंदबिसेषी॥ भरतहिधरमधुरंधरजा
नी॥ निजसेवकतनमानसबानी॥ बोलेगुरआयसुअनुकूला॥ बचनमंजुमृदु
मंगलमूला॥ नाथसपथपितुचरनदोहाई॥ भयेउनभुवनभरतसमभाई॥ जे
गुरपदअंबुजअनुरागी॥ तेलोकहुबेदहुबड़भागी॥ राउरजापरअसअनुरा
गू॥ कोकहिसकैभरतकरभागू॥ लखिलघुबंधुबुद्धिसकुचाई॥ करतबदनपर
भरतबड़ाई॥ भरतकहहिंसोइकियेभलाई॥ असकहिरामरहेअरगाई॥ **

***** ॥ दोहा ॥ *****

तबमुनिबोलेभरतसन सबसंकोचतजितात॥
कृपासिंधुप्रियबंधुसन कहहुहृदयकीबात॥

॥ चौपाई ॥

सुनिमुनिबचनरामरुखपाई॥ गुरसाहिबअनुकूलअघाई॥ लखिअपनेसिर
सबछरुभारू॥ कहिनसकहिंकछुकरहिंबिचारू॥ पुलकसरीरसभाभेठाढे॥
नीरजनयननेहजलबाढे॥ कहबमोरमुनिनाथनिबाहा॥ यहितेअधिककहौं
मैंकाहा॥ मैंजानौंनिजनाथसुभाऊ॥ अपराधिहुपरकोहनकाऊ॥ मोपरकृ
पासनेहबिसेषी॥ खेलतखुनसकबहुँनदेखी॥ सिसुपनतेपरिहरेउँनसं
गू॥ कबहुँनकीन्हमोरमनभंगू॥ मैंप्रभुकृपारीतिजियजोही॥ हारेहुखेलजि
तावहिंमोही॥ ** ॥ दोहा ॥ *****

महूंसनेहसकोचबस सनमुखकहेउंनबैन॥
दरसनतृप्तिनआजुलगि प्रेमपियासेनैन॥

॥ चौपाई ॥

बिधिनश्रएकेउसहिमोरदुलारा ॥ नीचबीचजननीमिसुपारा ॥ यहउकहत मोहिश्राजुनशोभा ॥ श्रापनिसमुझिसाधुसुचिकोभा ॥ मातुमंदिमैसाधुसुचाली ॥ उरश्रसश्राननकोटिकुचाली ॥ फरैकिकोदवबालिसुशाली ॥ मुकुताप्रसव किसंबुकनाली ॥ सपनेउदोषकलेशुनकाहू ॥ मोरश्रभागउदधिश्रवगाहू ॥ बिनसमुझेनिजश्रघपरिपाकू ॥ जारेउजायजननिकहिकाकू ॥ हृदयहेरि हारेउंसबश्रोरा ॥ एकहिभांतिभलेहिभलमोरा ॥ गुरुगोसांइसाहेबसियरामू ॥ लागतमोहिनीकपरिणामू ॥ * * ॥ दोहा ॥ * * * *

साधुसभाप्रभुगुरुनिकट कहौंसुथलसतिभाउ ॥
प्रेमप्रपंचकिझूठफुर जानहिंमुनिरघुराउ * ॥

॥ चौपाई ॥

भूपतिमरणप्रेमपनराखी ॥ जननीकुमतिजगतसबसाखी ॥ देखिनजाहिंबिकलमहतारी ॥ जरहिंदुसहज्वरपुरनरनारी ॥ महीसकलश्रनरथकरमूला ॥ सोसुनिसमुझिसहौंसबशूला ॥ सुनिबनगवनकीन्हरघुनाथा ॥ करिमुनिभेषलषणसियसाथा ॥ बिनुपनहीश्रकप्यादेहिपाये ॥ शंकरसाखिरहेउयहिघाये ॥ बहुरिनिहारिनिषादसनेहू ॥ कुलिशकठिनउरभयउनबेहू ॥ श्रबसबश्रांखिन्हदेखेउंश्राई ॥ जियतजीवजडसबैसहाई ॥ जिन्हहिनिरखिमगसांपिनिबीछी ॥ तजहिंबिषमबिषतापसुतीछी ॥ * * ॥ दोहा ॥ * * * *

तेरघुनंदनलषणसिय श्रनहितलागेजाहि ॥
तासुतनयतजिदुसहदुख दैवसहावैकाहि ॥

॥ चौपाई ॥

सुनिअतिबिकलभरतबरबाणी॥ आरतिप्रीतिबिनयनयसानी॥ सोकमगनसब सभाखभारू॥ मनहुंकमलबनपरेउतुसारू॥ कहिअनेकबिधिकथापुरानी ॥ भरतप्रबोधकीन्हमुनिज्ञानी॥ बोलेउचितबचनरघुनंदू॥ दिनकरकुलकै रवबनचंदू॥ तातजायजियकरहुगलानी॥ ईसअधीनजीवगतिजानी॥ तीनिकालतिभुअनमतमोरे॥ पुण्यसलोकतातकरतोरे॥ उरआनततुमपरकुटि लाई॥ जाइलोकपरलोकनसाई॥ दोषदेहिंजननिहिजडतेई॥ जिन्हगु रुसाधुसभानहिंसेई॥ *——**॥दोहा॥*——*——*——*——*

मिटहिंपापपरपंचसब अखिलअमंगलभार॥
लोकसुयशपरलोकसुख सुमिरतनामतुह्मार॥

॥चौपाई॥

कहौंसुभावसत्यशिवसाखी॥ भरतभूमिरहराउरिराखी॥ तातकुतर्ककरहुज निजाए॥ बैरप्रेमनहिंदुरैदुराए॥ मुनिगणनिकटबिहंगमृगजाहीं॥ बाध कबधिकबिलोकिपराहीं॥ हितअनहितपशुपंछिउजाना॥ मानुषतनगुणज्ञान निधाना॥ ताततुम्हहिमैंजानौंनीकें॥ करौंकाहअसमंजसजीके॥ राखेउराउ सत्यमोहित्यागी॥ तनपरिहरेउप्रेमप्रणलागी॥ तासुबचनमेटतमनसोचू॥ ते हितेअधिकतुह्मारसकोचू॥ तापरगुरुमोहिआयसुदीन्हा॥ अवशिजोकहहु चहौंसोकीन्हा॥ *——*——*॥दोहा॥**——*——*——*——**

मनप्रसन्नकरिसकुचतजि कहहुकरौंसोआज॥
सत्यसंधरघुबरबचन सुनिभासुखीसमाज*॥

॥चौपाई॥

सुरगनसहितसभयसुरराजू॥ सोचहिंचाहतहोनअकाजू॥ करतबिचारबन
तकछुनाहीं॥ रामशरणसबगेमनमाहीं॥ बहुरिबिचारपरस्परकहहीं॥ र
घुपतिभक्तभक्तिबशअहहीं॥ सुधिकरिअंबरीषदुरबासा॥ भेसुरसुरपतिनिपट
निराशा॥ सहेसुरन्हबहुकालबिषादा॥ नरहरिकियेप्रगटप्रहलादा॥ लगि
लगिकानकहहिंधुनिमाथा॥ अबसुरकाजभरतकेहाथा॥ आनउपायनदेखि
यदेवा॥ मानतरामसुसेवकसेवा॥ हियसप्रेमसुमिरहुसबभरतहि॥ निजगुण
शीलरामबशकरतहिं॥ **॥ दोहा॥ *****

सुनिसुरमतसुरगुरुकहेउ भलतुम्हारबडभाग॥
सकलसुमंगलमूलजग भरतचरणअनुराग**॥

॥ चौपाई॥

सीतापतिसेवकसेवकाई॥ कामधेनुशतसरिससुहाई॥ भरतभक्तितुम्हरेम
नआई॥ तजहुसोचबिधिबातबनाई॥ देखुदेवपतिभरतप्रभाऊ॥ सहजसु
भावविवशरघुराऊ॥ मनथिरकरहुदेवडरनाहीं॥ भरतहिजानिरामपरि
छाहीं॥ सुनिसुरगुरुसुरसंमतसोचू॥ अंतरजामीप्रभुहिसकोचू॥ निजशिर
भारभरतजियजाना॥ करतकोटिबिधिउरअनुमाना॥ करिबिचारमनदीन्ही
ठीका॥ रामरजायसुआपननीका॥ निजप्रणतजिराखेउप्रणमोरा॥ छोहस
नेहकीन्हनहिंथोरा॥ **॥ दोहा॥ *****

कीन्हअनुग्रहअमितअति सबबिधिसीतानाथ॥
करिप्रणामबोलेभरत जोरिजलजयुगहाथ॥

॥ चौपाई॥

कहउंकहावउंकाअबस्वामी ॥ क्रपाअंबुनिधिअंतरजामी ॥ गुरुप्रसन्नसाहेब अनुकूला ॥ मिटीमलिनमनकलपितसूला ॥ अपडरडरउंनसोचसमूले ॥ रबिहिनदोषदेवदिशिभूले ॥ मोरअभागमातुकुटिलाई ॥ विधिगतिविषमकाल कठिनाई ॥ पावरोपिसबमिलिमोहिघाला ॥ प्रनतपालपनआपनपाला ॥ यहनइरीतिनराउरिहोई ॥ लोकऊंबेदबिदितनहिगोई ॥ जगअनभलभल एकगोसांई ॥ कहियहोइभलकासुभलाई ॥ देवदेवतरुसरिससुभाऊ ॥ सनमुखबिमुखनकाउहिकाऊ ॥ * * ॥ दोहा ॥ * * * * * * *

जाइनिकटपहिचानितरु छांहसमनसबसोच ॥
मंगतअभिमतपावजग राउरंकभलपोच * ॥

॥ चौपाई ॥

लखिसबविधिगुरुस्वामिसनेहू ॥ मिटेउछोभनहिमनसंदेहू ॥ अबकरुणाकरकीजियसोई ॥ जनहितप्रभुचितछोभनहोई ॥ जोसेवकसाहेबसंकोची ॥ निज हितचहैतासुमतिपोची ॥ सेवकहितसाहेबसेवकाई ॥ करैसकलसुखलोभबिहाई ॥ स्वारथनाथफिरेसबहीके ॥ किएरजाइकोटिविधिनीके ॥ यहस्वारथपरमारथसारू ॥ सकलसुकृतफलसुगतिसिंगारू ॥ देवएकबिनतीसुनिमोरी ॥ उचितहोइतसकरबबहोरी ॥ तिलकसमाजसाजिसबआना ॥ करियसुफलप्रभुजौंमनमाना ॥ * * ॥ दोहा ॥ * * * * * *

सानुजपठइयमोहिबन कीजियसबहिसनाथ ॥
नातरुफेरियबंधुदौ नाथचलौंमैसाथ * * * * ॥

॥ चौपाई ॥

कारजजोरिविनतीमिसभाई॥ मजरियधीयसहितकरसुराई॥ जेहिबिधिप्रभु प्रसन्नमनहोई॥ करुणासागरकीजियसोई॥ देवदीन्हसबमोपरभारू॥ मोरेनीतिनधर्मविचारू॥ कहौंबचनसबस्वारथहेतू॥ रहतनआरतकेचितचेतू॥ उतरदेइसुनिस्वामिरजाई॥ सोसेवकलखिलाजलजाई॥ असमैंअवगुण उदधिअगाधू॥ स्वामिसनेहसराहतसाधू॥ अबकृपालमोहिसोमतभावा॥ सकुचस्वामिमनजाइनपावा॥ प्रभुपदसपथकहौंसतिभाऊ॥ जगमंगलहितएक उपाऊ॥ *———*———*———*॥ दोहा॥ *———*———*———*

प्रभुप्रसन्नमनसकुचतजि जोजेहिआयसुदेव॥
सोसिरधरिधरिकरिहिसव मिटिहिअनटअवरेव॥

॥ चौपाई॥

भरतवचनसुचिसुनिसुरहरषे॥ साधुसराहिसुमनसुरवरषे॥ असमंजस वशअवधनिवासी॥ प्रमुदितमनतापसवनवासी॥ चुपहिंरहेरघुनाथसकोची॥ प्रभुगतिदेखिसभासबसोची॥ जनकदूततेहिअवसरआये॥ मुनिवसिष्ठ सुनिवेगबुलाये॥ करिप्रणामतिन्हरामनिहारे॥ वेषदेखिभेनिपटदुखारे॥ दूतनिमुनिवरपूछीबाता॥ कहहुविदेहभूपकुशलाता॥ सुनिसकुचाइनाइम हिमाथा॥ बोलेचरवरजोरेहाथा॥ बूझवराउरसादरसांई॥ कुशलहेतुसो भयउगोसांई॥ *———*———*॥ दोहा॥ *———*———*———*

नाहितकोशलनाथके साथकुशलगैनाथ॥
मिथिलाअवधविशेषते जगसबभयउअनाथ॥

॥ चौपाई॥

कोशलपतिगतिसुनिजनकौरा ॥ भेसबलोगशोकबसबौरा ॥ जोहिदेखेतेहिस
मयबिदेहू ॥ नामसत्यअसलागनकेहू ॥ रानिकुचालिसुनतमहिपालहिं ॥ सूझ
नकछुजसमणिबिनुब्यालहिं ॥ भरतराजरघुबरबनबासू ॥ भामिथिलेशहि
हृदयहरासू ॥ न्टपबूझेबुधसचिवसमाजू ॥ कहहुबिचारिउचितकाआजू ॥
समुझिअवधअसमंजसदोऊ ॥ चलियकिरहियनकहकछुकोऊ ॥ न्टपतिधीर
धरिहृदयबिचारी ॥ पठयेअवधचतुरचरचारी ॥ बूझिभरतसतभाउकुभाऊ ॥
आयेहुबेगिनहोइलखाऊ ॥ ॥ दोहा ॥

गएअवधचरभरतगति बूझिदेखिकरतूति ॥
चलेचित्रकूटहिंभरत चारचलेतिरहूति ॥

॥ चौपाई ॥

दूतन्हआइभरतकीकरणी ॥ जनकसमाजयथामतिबरणी ॥ सुनिगुरुपुरजन
सचिवमहीपति ॥ भेसबसोचसनेहबिकलमति ॥ धरिधीरजकरिभरतबडाई
॥ लिएसुभटसाहनीबुलाई ॥ घरपुरदेशराखिरखवारे ॥ हयगयरथबहु
यानसँवारे ॥ दुघरीसाधिचलेततकाला ॥ कियबिश्रामनमगमहिपाला ॥ भोर
हिआजुनहाइप्रयागा ॥ चलेयमुनउतरनसबलागा ॥ खबरिलेतहमपठएना
था ॥ तिन्हकहिअसमहिनायेउमाथा ॥ साथकिरातछसातकदीन्हे ॥ मुनिबरतु
रतबिदाचरकीन्हे ॥ ॥ दोहा ॥

सुनतजनकआगमनसब हर्षेउअवधसमाज ॥
रघुनन्दनहिंसकोचबड सोचबिबशसुरराज ॥

॥ चौपाई ॥

मरकुगन्यानिकुटिलकैकेयी ॥ काहिकहैकेहिदूषयादेई ॥ असमनमानिमुदितनरनारी ॥ भयेउबहोरिरहबदिनचारी ॥ यहिप्रकारगतबासरदोऊ ॥ प्रातन्हानलगेसबकोऊ ॥ करिमज्जनपूजहिंनरनारी ॥ गणपतिगौरिपुरारितमारी ॥ रमारमनपदबंदिबहोरी ॥ विनवहिंअंजलिअंचलजोरी ॥ राजारामजानकीरानी ॥ आनंदअवधिअवधरजधानी ॥ सुबसबसहिंफिरिसहितसमाजा ॥ भरतहिंरामकरहिंयुवराजा ॥ यहिसुखसुधासींचिसबकाहू ॥ देवदेहुजगजीवनलाहू ॥ ॥ दोहा ॥

गुरसमाजभाइन्हसहित रामराजपुरहोउ ॥
अछतराममराजाअवध मरियमांगसबकोउ ॥

॥ चौपाई ॥

सुनिसनेहमयपुरजनबानी ॥ निंदहिंयोगविरतिमुनिज्ञानी ॥ यहिविधिनित्यकर्मकरिपुरजन ॥ रामहिंकरहिंप्रणामपुलकितन ॥ ऊंचनीचमध्यमनरनारी ॥ लहहिंदरशनिजनिजअनुहारी ॥ सावधानसबहींसनमानहिं ॥ सकलसराहतकृपानिधानहिं ॥ लरिकाइहितेरघुबरबानी ॥ पालतनीतिप्रीतिपहिचानी ॥ शीलसकोचसिंधुरघुराऊ ॥ सुमुखसुलोचनसरलसुभाऊ ॥ कहतरामगुणगणअनुरागे ॥ सबनिजभागसराहनलागे ॥ हमसमपुण्यपुंजजगथोरे ॥ जिनहिंरामजानतकरिमोरे ॥ ॥ दोहा ॥

प्रेममगनतेहिसमयसब सुनिआवतमिथिलेश ॥
सहितसभासंभ्रमउठे रविकुलकमलदिनेश ॥

॥ चौपाई ॥

भाइसचिवगुरुपुरजनसाथा॥ आगेंगवनकीन्हरघुनाथा॥ गिरिबरदीखजनकपतिजबहीं॥ करिप्रणामरथत्यागेउतबहीं॥ रामदरसलालसाउछाहू॥ पथश्रमलेशकलेशनकाहू॥ मनतहँजहँरघुबरबैदेही॥ बिनुमनतनदुखसुखसुधिकेही॥ आवतजनकचलेयहिभांती॥ सहितसमाजप्रेममदमाती॥ आएनिकटदेखिअनुरागे॥ सादरमिलनपरस्परलागे॥ लगेजनकमुनिजनपदबंदन॥ ऋषिन्हप्रणामकीन्हरघुनंदन॥ भाइनसहितराममिलिराजहिं॥ चलेलवाइसमेतसमाजहिं॥ *॥ दोहा ॥*

आश्रमसागरशांतरस पूरनपावनपाथ *॥
सेनमनहुंकरुणासरित लिएजातरघुनाथ॥

॥ चौपाई ॥

बोरतिज्ञानबिरागकरारे॥ बचनससोकमिलतनदनारे॥ सोचउसाससमीरतरंगा॥ धीरजतटतरुबरकरभंगा॥ बिषमबिषादतुरावतिधारा॥ भयभ्रमभंवरअवर्तअपारा॥ केवटबुधिविद्याबडिनावा॥ शकहिंनखेइऐकनहिंआवा॥ बनचरकोलकिरातबिचारे॥ थकेबिलोकिपथिकहियहारे॥ आश्रमउदधिमिलीजबजाई॥ मनहुंउठेउअंबुधिअकुलाई॥ सोकबिकलदोउराजसमाजा॥ रहानज्ञाननधीरजलाजा॥ भूपरूपगुणशीलसराही॥ रोवहिंसोकसिंधुअवगाही॥

॥ छंद ॥

अवगाहिशोकसमुद्रसोचहिंनारिनरब्याकुलमहा॥*॥ दैदोषसकलसरोषबोलहिंबामबिधिकीन्होकहा॥*॥ सुरसिद्धतापसयोगिजनमुनिदशादेखिबिदेहकी॥*॥ तुलसीनसमरथकोउ

जोतरिअकैसरितसनेहकी ॥ *—* ॥ सोरठा ॥ *—**

किऐअमितउपदेश जहंतहंलोगन्हमुनिवरन्ह ॥
धीरजधरियनरेश कहेउबसिष्ठबिदेहसन * ॥

॥ चौपाई ॥

जासुज्ञानरविभवनिशनाशा ॥ बचनकिरणमुनिकमलविकासा ॥ तेहिकिमोहम
मतानियराई ॥ यहसियरामसनेहबड़ाई ॥ विषयीसाधकसिद्धसयाने ॥ त्रिवि
धजीवजगवेदबषाने ॥ रामसनेहसरसमनजासू ॥ साधुसभाबड़आदरतासू ॥
सोहनरामप्रेमविनुज्ञाना ॥ कर्णधारविनुजिमिजलयाना ॥ मुनिबहुविधिवि
देहसमुझाऐ ॥ रामघाटसवलोगन्हाऐ ॥ सकलसोकसंकुलपुरनरनारी ॥ सोवा
सरवीतेउविनुवारी ॥ पशुषगमृगन्हनकीन्हअहारा ॥ प्रियपरिजनकरकवन
बिचारा ॥ *—*—**॥ दोहा ॥*—*—*—*—*—**

दोउसमाजनिमिराजरघु राजनहानेप्रात ॥
बैठेसववटविटपतर मनमलीनकृशगात ॥

॥ चौपाई ॥

जेमहिसुरदशरथपुरबासी ॥ जेमिथिलापतिनगरनिवासी ॥ हंसवंशगुरुजन
कपरोधा ॥ जिन्हजगमगपरमारथशोधा ॥ लगेकहनउपदेशअनेका ॥ सहि
तधर्मनयविरतिविवेका ॥ कौशिककहिकहिकथापुरानी ॥ समुझाईसवसभासु
बानी ॥ तवरघुनाथकौशिकहिंकहेउ ॥ नाथकालिजलविनुसवरहेउ ॥ मुनि
कहउचितकहतरघुराई ॥ गयउबीतिदिनपहरअढाई ॥ रिषिरुषलषि
कहतिरहुतिराजू ॥ इहांउचितनहिंअशनअनाजू ॥ कहाभूपभलसवहिसो

हाना ॥ पाइ रजायसु चलेनहाना ॥ *~* ॥ दोहा ॥ *~*~**

तेहिअवसरफलफूलदल मूलअनेकप्रकार ॥
लैआऐबनचरबिपुल भरिभरिकांवरिभार ॥

॥ चौपाई ॥

कामदभेगिरिरामप्रसादा ॥ अवलोकतअपहरतबिषादा ॥ सरसरितावनभूमिबिभागा ॥ जनुउमगतआनंदअनुरागा ॥ बेलिबिटपसबसफलसफूला ॥ बोलतखगमृगअतिअनुकूला ॥ तेहिअवसरबनअधिकउछाहू ॥ त्रिविधसमीरसुखदसबकाहू ॥ जाइनबरणिमनोहरताई ॥ जनुमहिकरतिजनकपहुनाई ॥ तबसबलोगनहाइनहाई ॥ रामजनकमुनिआयसुपाई ॥ देखिदेखितरुवरअनुरागे ॥ जहंतहंपुरजनउतरणलागे ॥ दलफलफूलकन्दबिधिनाना ॥ पावनसुन्दरसुधासमाना ॥ *~* ॥ दोहा ॥ **~*~*~*~*

सादरसबकहंरामगुरु पठएभरिभरिभार * ॥
पूजिपितरसुरअतिथिगुरु लगेकरणफलहार ॥

॥ चौपाई ॥

यहिबिधिबासरबीतेचारी ॥ रामनिरखिनरनारिसुखारी ॥ दुहुसमाजअसरुचिमनमाहीं ॥ बिनुसियरामफिरबभलनाहीं ॥ सीतारामसंगबनवासू ॥ कोटिअमरपुरसरिससुपासू ॥ परिहरिलषणरामबैदेही ॥ जेहिघरभावबामबिधितेही ॥ दाहिनदैवहोइजबसबहीं ॥ रामसमीपबसियबनतबहीं ॥ मंदाकिनिमज्जनतिहुकाला ॥ रामदरशमुदमंगलमाला ॥ अटनरामगिरिबनतापसथल ॥ अशनअमियसमकन्दमूलफल ॥ सुखसमेतसंवतदुइसाता ॥ पलसमहोहिंन

आनियहिबाता ॥ ** * ॥ दोहा ॥ * * * * *

यहिसुखयोगनलोगसब कहहिंकहांअसभाग ॥

सहजसुभावसमाजदुहु रामचरणअनुराग * ॥

॥ चौपाई ॥

यहिविधिसकलमनोरथकरहीं ॥ बचनसप्रेमसुनतमनहरहीं ॥ सीयमातुतेहिं समयपठाई ॥ दासीदेखिसुअवसरआई ॥ सावकाससुनिसबसियसासू ॥ आईजनकराजरनिवासू ॥ कौशल्यासादरसनमानी ॥ आसनदीन्हसमयसमजानी ॥ शीलसनेहसरसदुहुंओरा ॥ द्रवहिंदेखिसुनिकुलिशकठोरा ॥ पुलकशिथिलतनुबारिविलोचन ॥ महिनखलिखनलगींसबसोचन ॥ सबसियरामप्रेमकीमूरति ॥ जनुकरुणाबहुवेषविसूरति ॥ सीयमातुकहविधिबुधिबांकी ॥ जिमिपयफेनुफोरपविटांकी ॥ * * ॥ दोहा ॥ ** * * **

सुनियसुधादेखियगरल सबकरतूतिकराल ॥

जहंतहंकाकउलूकबक मानससकृतमराल ॥

॥ चौपाई ॥

सुनिससोचकहदेविसुमित्रा ॥ विधिगतिअतिविपरीतविचित्रा ॥ जोसृजिपालैहरैबहोरी ॥ बालकेलिसमविधिमतिभोरी ॥ कौशल्याकहदोषनकाहू ॥ कर्म्मविवशदुखसुखक्षतिलाहू ॥ कठिनकर्म्मगतिजानविधाता ॥ सोशुभअशुभकर्मफलदाता ॥ ईशरजाइसीससबहीके ॥ उतपतिथितिलयविषहुअमीके ॥ देविमोहवशसोचियबादी ॥ विधिप्रपंचअसअचलअनादी ॥ भूपतिजिअबमरबउरआनी ॥ सोचियसखिलखिनिजहितहानी ॥ सीअमातुकहसत्य

सुबानी॥ सुकृतअवधिअवधपतिरानी॥ ॥दोहा॥

अवधउमसियजाहिंबन भलपरिनामनपोच॥
गहबरिहियकहकौशला मोहिभरतकरसोच॥

॥चौपाई॥

ईशप्रसादअशीसतुम्हारी॥ सुतसुतबधूबिबुधसरिबारी॥ रामशपथमैंकीन्हिनकाऊ॥ सोकरिसखीकहौंसतिभाऊ॥ भरतशीलगुणबिनयबडाई॥ भायपभक्तिभरोसभलाई॥ कहतशारदहुकैमतिहीचे॥ सागरसीपकिजाहिंउलीचे॥ जानौंसदाभरतकुलदीपा॥ बारबारमोहिकहेउमहीपा॥ कसेंकनकमणिपारिखपाये॥ पुरुषपरिखियहिंसमयसुभाये॥ अनुचितआजुकहबअसमोरा॥ शोकसनेहसयानपथोरा॥ सुनिसुरसरिसमपावनिबानी॥ भईसनेहबिकलसबरानी॥ ॥दोहा॥

कौशल्याकहधीरधरि सुनहुदेबिमिथिलेशि॥
कोबिवेकनिधिबल्लभहि तुमहिंसकैउपदेशि॥

रानिरायसनअवसरपाई॥ आपनिभाँतिकहबसमुझाई॥ राखियलखनभरतगवनहिंबन॥ जौंयहमतमानैमहीपमन॥ तौभलयतनकरबसुबिचारी॥ मोरेसोचभरतकरभारी॥ गूढसनेहभरतमनमाहीं॥ रहेनीकमोहिलागतनाहीं॥ लखिसुभावसुनिसरलसुबानी॥ सबभइमगनकरुणरसरानी॥ नभप्रसूनझरिधन्यधन्यधुनि॥ शिथिलसनेहसिद्धयोगीमुनि॥ सबरनिवासबिथकितलखि रहेऊ॥ तबधरिधीरसुमित्राकहेऊ॥ देबिदंडयुगयामिनिबीती॥ राममातुसुनिउठीसप्रीती ॥दोहा॥

बेगिपाउधारिअथलहि कहसनेहसतिभाय ॥

अमरहेनौअबईअगति कैमिथिलेशसहाय ॥

॥ चौपाई ॥

सुनिसनेहसुनिबचनबिनीता॥जनकप्रियागहिपांवपुनीता॥देविउचितअ
सबिनयतुम्हारी॥दशरथघरनिराममहतारी॥प्रभुअपनेनीचहुंआदरहीं
॥अग्निधूमगिरिशिरतृणधरहीं॥सेवकराउकर्म्ममनबाणी॥सदासहायम
हेशभवानी॥रौरेअंगयोगजगकोहै॥दीपसहायकिदिनकरसोहै॥रामजा
इबनकरिसुरकाजू॥अचलअवधपुरकरिहहिंराजू॥अमरनागनरराममबा
हुबल॥सुखबसिहहिंअपनेअपनेथल॥यहसबजागबलिकरचिराखा॥दे
बिनहोइमुधामुनिभाषा॥ *—* ॥दोहा॥ *—*—*—*—*

असकहिपगपरिप्रेमअति सियहितविनयसुनाइ ॥

सियसमेतसियमातुतब चलीसुआयसुपाइ ** ॥

॥ चौपाई ॥

प्रियपरिजनहिमिलीबैदेही॥जोजेहियोगभांतितसनेही॥तापसभेषजा
नकिसियदेखी॥भासबबिकलबिषादबिशेषी॥जनकरामगुरुआयसुपाई॥चले
थलहिसियदेखेउआई॥लीन्हिलाइउरजनकजानकी॥पाहुनिपावनिप्रेम
प्राणकी॥उरउमगेउअंबुधिअनुरागू॥भयउभूपमनमनहुंप्रयागू॥सिय
सनेहबटुबाढतजोहा॥तापररामप्रेमशिशुसोहा॥चिरंजीविमुनिज्ञानविकल
जनु॥बूडतलहेउबालअवलंबनु॥मोहमगनमतिनहिबिदेहकी॥महिमा
सियरघुबरसनेहकी॥ *—* ॥दोहा॥ *—*—*—*—*

सियपितुमातुसनेहवश विकलनशकीसंभारि ॥
धरणिसुताधीरजधरेउ समयसुधर्मबिचारि ॥

॥ चौपाई ॥

तापसभेषजनकसियदेखी ॥ भयउप्रेमपरितोषविशेषी ॥ पुत्रिपवित्रकिएकुलदोऊ ॥ सुयशधवलजगकहसबकोऊ ॥ जितिसुरसरिकीरतिसरितोरी ॥ गवनकीन्हविधिअंडकरोरी ॥ गंगअवनिथलतीनिबडेरे ॥ यहिंकिएसाधुसमाजघनेरे ॥ पितुकहसत्यसनेहसुबाणी ॥ सीयसकुचिमहंमनहुंसमानी ॥ पुनिपितुमातुलीन्हउरलाई ॥ शिखआशिषहितदीन्हिसुहाई ॥ कहतिनसीयसकुचमनमाहीं ॥ इहांबसबरजनीभलनाहीं ॥ लखिरुखरानिजनायउराऊ ॥ हृदयसराहतशीलसुभाऊ ॥ ॥ * ~ * ॥ दोहा ॥ * ~ * * ~ * * ~ * *

बारबारमिलिभेंटिसिय बिदाकीन्हसनमानि ॥
कहीसमयशिरभरतगति रानिसुबाणिसयानि ॥

॥ चौपाई ॥

सुनिभूपालभरतव्यवहारू ॥ सोनसुगंधसुधाशशिसारू ॥ मूदेसजलनयनपुलकेतन ॥ सुयशसराहनलगेमुदितमन ॥ सवधानसुनुसुमुखिसुलोचनि ॥ भरतकथाभवबंधबिमोचनि ॥ धरमराजनयब्रह्मबिचारू ॥ इहांयथामतिमोरप्रचारू ॥ सोमतिमोरिभरतमहिमाहीं ॥ कहैकाहछलिछुअतिनछांहीं ॥ विधिगणपतिअहिपतिशिवशारद ॥ कबिकोविदबुधबुद्धिविशारद ॥ भरतचरितकीरतिकरतूती ॥ धर्मशीलगुणबिमलबिभूती ॥ समुझतसुनतसुखदसबकाहू ॥ शुचिसुरसरिरुचिनिदरसुधाहू ॥ * ~ * ॥ दोहा ॥ * ~ ~ * *

निरवधिगुननिरुपमपुरुष भरतभरतसमजानि ॥
कहियसुमेरुकिसेरसम कबिकुलमतिसकुचानि ॥

॥ चौपाई ॥

अगमसबहिबरनतबरबरणी ॥ जिमिजलहीनमीनगमुधरणी ॥ भरतअमितम
हिमासुनुरानी ॥ जानहिंरामनशकहिंबखानी ॥ बरणिसप्रेमभरतअनुभाऊ ॥
तियजियकीरुचिलखिकहराऊ ॥ बहुरहिंलखणभरतबनजांही ॥ सबकरभल
सबकेमनमांही ॥ देबिपरंतुभरतरघुबरकी ॥ प्रीतिप्रतीतिजाइनहिंतरकी ॥ भ
रतसनेहअवधिममताके ॥ यद्यपिरामसीमसमताके ॥ परमारथस्वारथसुख
सारे ॥ भरतनसपनेहुंमनहुंनिहारे ॥ साधनसिद्धिरामपदनेहू ॥ मोहिल
खिपरतभरतमतएहू ॥ ॥ दोहा ॥

भोरहुंभरतनपेलिहहिं मनसहुंरामरजाइ ॥
करियनसोचसनेहबश कहेउभूपबिलखाइ ॥

॥ चौपाई ॥

रामभरतगुणगणतसप्रीती ॥ निशदंपतिहिपलकसमबीती ॥ राजसमाज
प्रातयुगजागे ॥ न्हाइन्हाइसुरपूजनलागे ॥ गेनहाइगुरपहंरघुराई ॥
बन्दिचरणबोलेरुखपाई ॥ नाथभरतपुरजनमहतारी ॥ सोचबिकलबनबास
दुखारी ॥ सहितसमाजराउमिथिलेशू ॥ बहुतदिवसभेसहतकलेशू ॥ उचि
तहोइसोकीजियनाथा ॥ हितसबहीकररौरेहाथा ॥ असकहिअतिसकुचेरघु
राऊ ॥ मुनिपुलकेलखिशीलसुभाऊ ॥ तुमबिनुरामसकलसुखसाजा ॥ नरक
सरिसदुहुराजसमाजा ॥ ॥ दोहा ॥

प्रानप्रानकेजीवकेजीवके सुखकेसुखतुमराम * ॥
तुमतजितातसोहातगृह जिन्हहितिन्हहिंविधिवाम॥

॥ चौपाई ॥

सोसुखकरमधरमजरिजाऊ॥ जहंनरामपदपंकजभाऊ॥ जोगकुजोगज्ञानअज्ञानू॥ जहांनरामप्रेमपरधानू॥ तुमविनुदुखीसुखीतुमतेही॥ तुमजानजियजोजेहिकेही॥ राउरआयसुसिरसबहीके॥ विदितकृपालहिगतिसबनीके॥ आपुआश्रमहिधारियपाऊ॥ भएसनेहशिथिलमुनिराऊ॥ करिप्रनामतबरामसिधाए॥ ऋषिधरिधीरजनकपहंआए॥ रामबचनगुरुनृपहिंसुनाए॥ शीलसनेहसुभावसुहाए॥ महाराजअबकीजियसोई॥ सबकरधर्मसहितहितहोई॥ *—* ॥ दोहा॥ *—*—*—*—**

ज्ञाननिधानसुजानसुचि धर्मधीरनरपाल * ॥
तुमबिनुअसमंजसशमन कोसमर्थयहिकाल॥

॥ चौपाई ॥

सुनिमुनिबचनजनकअनुरागे॥ लखिगतिज्ञानबिरागबिरागे॥ शिथिलसनेहगुनतमनमाही॥ आएइहांकीन्हभलनाही॥ रामहिरायकहेउबनजाना॥ कीन्हआपुप्रियप्रेमप्रमाना॥ हमअबबनतेबनहिंपठाई॥ प्रमुदितफिरबबिबेकबड़ाई॥ तापसमुनिमहिसुरगतिदेखी॥ भएप्रेमबशबिकलबिशेषी॥ समयसमुझिधरिधीरजराजा॥ चलेभरतपहंसहितसमाजा॥ भरतआयआगेंभयलीन्हे॥ अवसरसरिससुआसनदीन्हे॥ तातभरतकहतिरहुतिराऊ॥ तुमहिबिदितरघुबीरसुभाऊ॥ *—*॥ दोहा॥ *—*—*—*

रामसत्यब्रतधर्मरत सबकरशीलसनेहु ॥

संकटसहतसकोचबस कहियजोआयसुदेहु ॥

॥ चौपाई ॥

सुनितनपुलकिनयनभरिबारी ॥ बोलेभरतधीरधरिभारी ॥ प्रभुप्रियपूज्यपिता समआपू ॥ कुलगुरुसमहितमायनबापू ॥ कौशिकादिमुनिसचिवसमाजू ॥ ज्ञानअंबुनिधिआपुनआजू ॥ शिशुसेवकआयसुअनुगामी ॥ जानिमोहिशिखदेइयस्वामी ॥ यहिसमाजथलबूझबराउर ॥ मौनमलीनमैंबोलबबाउर ॥ छोटेबदनकहौंबड़िबाता ॥ छमबतातलखिबामबिधाता ॥ आगमनिगमप्रसिद्धपुराणा ॥ सेवाधर्मकठिनजगजाना ॥ स्वामिधर्मस्वारथहिबिरोधू ॥ बधिरअंधप्रेमहिनप्रबोधू ॥ ॥ दोहा ॥

राखिरामरुखधर्मब्रत पराधीनमोहिजान ॥

सबकेसंमतसर्वहित करियप्रेमपहिचान ॥

॥ चौपाई ॥

भरतबचनसुनिदेखिसुभाऊ ॥ सहितसमाजसराहतराऊ ॥ सुगमअगममृदुमंजुकठोरा ॥ अर्थअमितअतिआखरथोरा ॥ मुखनिजमुकुरमुकुरनिजपाणी ॥ गहिनजाइअसअद्भुतबाणी ॥ भूपभरतमुनिसाधुसमाजू ॥ गेजहँबिबुधकुमुदद्विजराजू ॥ सुनिसुधिसोचबिकलसबलोगा ॥ मनहुंमीनगणनवजलयोगा ॥ देवप्रथमकुलगुरुगतिदेखी ॥ निरखिबिदेहसनेहबिशेषी ॥ रामभक्तिमयभरतनिहारे ॥ सुरस्वारथीहहरिहियहारे ॥ सबकोइरामप्रेममयपेखा ॥ भएअलेखसोचबसलेखा ॥ ॥ दोहा ॥

रामसनेहसकोचबस कहससोचसुरराज ॥
रचहुप्रपंचहिंपंचमिलि नाहिंतभयउअकाज ॥

॥ चौपाई ॥

सुरन्हसुमिरिशारदासराही ॥ देबिदेवशरणागतपाहीं ॥ फेरिभरतमतिकरिनिजमाया ॥ पालुबिबुधकुलकरिछलछाया ॥ बिबुधबिनयसुनिदेबिसयानी ॥ बोलीसुरस्वारथिजडजानी ॥ मोसनकहहुभरतमतफेरू ॥ लोचनसहसनसूझसुमेरू ॥ बिधिहरिहरमायाबडिभारी ॥ सोउनभरतमतिसकैनिहारी ॥ सोमतिमोहिकहतकरभोरी ॥ चांदनिकरैकिचंदकचोरी ॥ भरतहृदयसियरामनिवासू ॥ तहंकितिमिरजहंतरणिप्रकासू ॥ असकहिशारदगइबिधिलोका ॥ बिबुधबिकलनिशिमानहुंकोका ॥ ॥ दोहा ॥

सुरस्वारथीमलीनमन कीन्हकुमंत्रकुठाट ॥
रचिप्रपंचमायाप्रबल भयभ्रमअरतिउचाट ॥

॥ चौपाई ॥

करिकुचालिसोचतसुरराजू ॥ भरतहाथसबकाजअकाजू ॥ गएजनकरघुनाथसमीपा ॥ सनमानेसबरघुकुलदीपा ॥ समयसमाजधर्मअविरोधा ॥ बोलेतबरघुबंशपुरोधा ॥ जनकभरतसंबादसुनाई ॥ भरतकहाउतिकहीसुहाई ॥ तातरामजसआयसुदेहू ॥ सोसबकरैमोरमतएहू ॥ सुनिरघुनाथजोरियुगपाणी ॥ बोलेसत्यसरलमृदुवाणी ॥ बिद्यमानआपुनमिथिलेसू ॥ मोरकहबसबभांतिभदेसू ॥ राउररायरजायसुहोई ॥ राउरिशपथसहीसिरसोई ॥

॥ दोहा ॥

समाचारयसुनिमुनिजनक सकुचिसभासमेत॥
सकलबिलोकहिंभरतमुख बनैनउतरदेत॥
॥ चौपाई ॥
सभासकुचवशभरतनिहारी॥ रामबंधुधरिधीरजभारी॥ कुसमयदेखिसनेहसंभारा॥ बढतबिंध्यजिमिघटजनिवारा॥ शोककनकलोचनमतिछोणी॥ हरीबिमलगुणगणजगयोनी॥ भरतबिबेकबराहबिशाला॥ अनायासउधरीतेहिकाला॥ करिप्रणामसबकहंकरजोरी॥ रामराउगुरसाधुनिहोरी॥ छमबआजुअतिअनुचितमोरा॥ कहउंबदनमृदुबचनकठोरा॥ हियसुमिरीशारदासुहाई॥ मानसतेमुखपंकजआई॥ बिमलबिबेकधर्मनयशाली॥ भरतभारतीमंजुमराली॥ ॥ ॥ दोहा ॥
निरखिबिबेकबिलोचनन्हि शिथिलसनेहसमाज॥
करिप्रणामबोलेभरत सुमिरिसीयरघुराज॥
॥ चौपाई ॥
प्रभुपितुमातुसुहृदगुरस्वामी॥ पूज्यपरमहितअंतरजामी॥ सरलसुसाहिबशीलनिधानू॥ प्रणतपालसरबज्ञसुजानू॥ समरथशरणागतहितकारी॥ गुणगाहकअवगुणअघहारी॥ स्वामिगोसांई सरिसगोसाई॥ मोहिसमानमैंसाईदोहाई॥ प्रभुपितुबचनमोहवशपेली॥ आयउंइहांसमाजसकेली॥ जगभलपोचऊंचअरुनीचू॥ अमीअमरपदमाहुरमीचू॥ रामरजाइमेटिमनमाहीं॥ देखासुनाकतहुंकोउनाहीं॥ सोमैंसबबिधिकीन्हिढिठाई॥ प्रभुमानीसनेहसेवकाई॥ ॥ दोहा ॥

कृपाभलाईआपनी नाथकीन्हभलमोर॥

दूषनभेभूषनसरिस सुयशचारुचहुंओर॥

॥ चौपाई ॥

राउरिरीतिसुबानिबडाई ॥ जगतबिदितनिगमागमगाई ॥ कूरकुटिलषलकुमतिकलंकी ॥ नीचनिसीलनिरीशनिशंकी ॥ तेउसुनिसरनसामुहेंआये ॥ सकृतप्रणामकियेअपनाये ॥ देषिदोषकबहुंनउरआने ॥ सुनिगुनसाधुसमाजबखाने ॥ कोसाहिबसेवकहिनेवाजी ॥ आपुसमाजसाजसबसाजी ॥ निजकरतूतिनसमुझियसपने ॥ सेवकसकुचसोचउरअपने ॥ सोगोसांइनहिंदूसरकोपी ॥ भुजाउठाइकहौंप्रणरोपी ॥ पशुनाचतशुकपाठप्रबीना ॥ गुणगतिनटपाठकआधीना ॥

॥ दोहा ॥

योंसुधारिसनमानिजन किएसाधुसिरमोर॥

कोकृपालबिनुपालिहै बिरुदावलिबरजोर॥

॥ चौपाई ॥

सोकसनेहकिबालसुभायें ॥ आयउंलाइरजायसुबायें ॥ तबहुंकृपालहेरिनिजओरा ॥ सबहिभांतिभलमानेउमोरा ॥ देखेउंपायसुमंगलमूला ॥ जानेउंस्वामिसहजअनुकूला ॥ बडेसमाजबिलोकेउंभागू ॥ बडीचूकसाहिबअनुरागू ॥ कृपाअनुग्रहअंगअघाई ॥ कीन्हिकृपानिधिसबअधिकाई ॥ राखामोरदुलारगोसांईं ॥ अपनेसीलसुभावभलाई ॥ नाथनिपटमैंकीन्हिढिठाई ॥ स्वामिसमाजसकोचबिहाई ॥ अबिनयबिनययथारुचिबाणी ॥ क्षमियदेवअतिआरतजानी ॥

॥ दोहा ॥

सुहृदसुजानसुसाहेबहि बज्जतकहबबडिखोरि॥
आयसुदेइयदेवअब सबइसुधारियमोरि ***॥

॥ चौपाई ॥

प्रभुपदपदुमपरागदोहाई॥ सत्यसुकृतसुखसीमसुहाई॥ सोकरिकहौंहि
येअपनेकी॥ रुचिजागतसोवतसपनेकी॥ सहजसनेहस्वामिसेवकाई॥ स्वा
रथछलफलचारिबिहाई॥ आज्ञासमनसुसाहेबसेवा॥ सोप्रसादजनपावैदे
वा॥ असकहिप्रेमबिबशभेभारी॥ पुलकशरीरबिलोचनबारी॥ प्रभुपदकम
लगहेअकुलाई॥ समयसनेहनसोकहिजाई॥ कृपासिंधुसनमानिसुबानी॥
बैठाएसमीपगहिपानी॥ भरतबिनयसुनिदेखिसुभाऊ॥ शिथिलसनेहसभा
रघुराऊ॥ *———*———*———* ॥ छंद ॥ *———*———*———*———**

रघुराउशिथिलसनेहसाधुसमाजमुनिमिथिलाधनी॥ * ॥ मन
महंसराहतभरतभायपभक्तिकीमहिमाघनी॥ * ॥ भरतहिप्र
शंसतबिबुधबरषतसुमनमानसमलिनसे॥ * ॥ तुलसीबिकलस
बलोगसुनिसकुचेनिसागमनलिनसे॥ * ॥ सोरठा ॥ **** ॥

देखिदुखारीदीन दुहुसमाजनरनारिसब॥
मघवामहामलीन मुएमारिमंगलचहत॥

॥ चौपाई ॥

कपटकुचालिसीमसुरराजू॥ परअकाजप्रियआपनकाजू॥ काकसमानपाक
रिपुरीती॥ छलीमलीनकतहुंनप्रतीती॥ प्रथमकुमतिकरिकपटसकेला॥ सोउ
चाटसबकेसिरमेला॥ सुरमायासबलोगबिमोहे॥ रामप्रेमअतिशयनबिछोहे

॥ भयउचाटबश मनथिरनाहीं ॥ क्षणबनरुचिक्षणसदनसोहाहीं ॥ दुबिधम
नोगतिप्रजादुखारी ॥ सरितसिंधुसंगमजिमिबारी ॥ दुचितकतहुँपरितोषन
लहहीं ॥ एकएकसनमर्मनकहहीं ॥ लखिहियहँसिकहकृपानिधानू ॥ सरिस
श्वानमघवाकरबानू ॥ ॥ दोहा ॥

भरतजनकमुनिजनसचिव साधुसचेतबिहाइ ॥
लगीदेवमायासबहि यथायोगजनुपाइ ॥

॥ चौपाई ॥

कृपासिंधुलखिलोगदुखारे ॥ निजसनेहसुरपतिछलभारे ॥ सभाराउगुरम
हिसुरमंत्री ॥ भरतभक्तिसबकेमतियंत्री ॥ रामहिंचितवतचित्रलिखेसे ॥ स
कुचतबोलतबचनसिखेसे ॥ भरतप्रीतिनतिबिनयबडाई ॥ सुनतसुखदबरण
तकठिनाई ॥ जासुबिलोकिभक्तिलवलेशू ॥ प्रेममगनमुनिगणमिथिलेशू ॥ म
हिमातासुकहैकिमितुलसी ॥ भक्तिसुभावसुमतिहियहुलसी ॥ आपुछोटम
हिमाबडिजानी ॥ कबिकुलकानिमानिसकुचानी ॥ कहिनसकतिगुणरुचिअ
धिकाई ॥ मतिगतिबालबचनकीनाई ॥ ॥ दोहा ॥

भरतबिमलयशबिमलबिधु सुमतिचकोरकुमारि ॥
उदितबिमलजनहृदयनभ एकटकरहीनिहारि ॥

॥ चौपाई ॥

भरतप्रभावनसुगमनिगमहू ॥ लघुमतिचापलताकबिछमहू ॥ कहतसुन
तसतिभावभरतको ॥ सीयरामपदहोइनरतको ॥ सुमिरतभरतप्रेमरामको ॥
जेहिनसुलभतेहिसरिसबामको ॥ देखिदयालदशासबहीकी ॥ रामसुजान

...मानि मनजानी॥ धर्म धुरीन धीर नय नागर॥ सत्य सनेह शील सुख सागर॥ देस काल लखि समय समाजू॥ नीति प्रीति पालक रघुराजू॥ बोले बचन बानि सरबसु से॥ हित परिनाम सुनत ससि रसु से॥ तात भरत तुम धर्म धुरीना॥ लोक बेद बिद प्रेम प्रबीना॥

॥ दोहा ॥

करम बचन मानस बिमल तुम समान तुम तात॥
गुरु समाज लघु बंधु गुन कुसमय किमि कहि जात॥ [illegible]

॥ चौपाई ॥

जानहु तात तरनि कुल रीती॥ सत्यसंध पितु कीरति प्रीती॥ समय समाज लाज गुरजन की॥ उदासीन हित अनहित मन की॥ तुमहि बिदित सबही कर करमू॥ आपन मोर परम हित धरमू॥ मोहि सब भांति भरोस तुम्हारा॥ तदपि कहौं अवसर अनुसारा॥ तात तात बिनु बात हमारी॥ केवल गुरकुल कृपा संभारी॥ नतरु प्रजा परिजन परिवारू॥ हमहिं सहित सब होत खुआरू॥ जौं बिनु अवसर अथवै दिनेसू॥ जग केहि कहहु न होइ कलेसू॥ तस उतपात तात बिधि कीन्हा॥ मुनि मिथिलेस राखि सब लीन्हा॥

॥ दोहा [illegible] ॥

राज काज सब लाज पति धर्म धरनि धन धाम॥
गुरु प्रभाव पालिहि सबहि भल होइहि परिनाम॥

॥ चौपाई ॥

सहित समाज तुम्हार हमारा॥ घर बन गुरु प्रसाद रखवारा॥ मातु पिता गुरु स्वामि निदेसू॥ सकल धर्म धरनीधर सेसू॥ सो तुम करहु करावहु मोहू॥ तात तरनिकुल पालक होहू॥ साधक एक सकल सिधि देनी॥ कीरति सुगति भूतिमय बेनी॥

सेनी॥ सोबिचारिसहिसंकटभारी॥ करहुप्रजापरिवारसुखारी॥ बांटिबिपतिसबमोहिभाई॥ तुमहिअवधिभरिअतिकठिनाई॥ जानितुमहिमृदुकहौंकठोरा॥ कुसमयतातनअनुचितमोरा॥ होहिंकुठांवसुबंधुसहाये॥ ओड़िअहिंहाथअसनिकेघाये॥ *॥ दोहा ॥*

सेवककरपदनयनसे मुखसोसाहिबहोइ *॥
तुलसीप्रीतिकिरीतिसुनि सुकविसराहहिंसोइ॥

॥ चौपाई ॥

सभासकलसुनिरघुबरबानी॥ प्रेमपयोधिअमियजनुसानी॥ सिथिलसमाजसनेहसमाधी॥ देखिदसाचुपसारदसाधी॥ भरतहिभयेउपरमसंतोषू॥ सनमुखस्वामिबिमुखदुखदोषू॥ मुखप्रसन्नमनमिटेउबिषादू॥ भाजनुगूंगेहिगिराप्रसादू॥ कीन्हसप्रेमप्रनामबहोरी॥ बोलेपानिपंकरुहजोरी॥ नाथभयेउसुखसाथगयेको॥ लहेउंलाभजगजनमभयेको॥ अबकृपालजसआयसुहोई॥ करौंसीसधरिसादरसोई॥ सोअवलंबदेवमोहिदेई॥ अवधिपारपावौंजेहिसेई॥ *॥ दोहा ॥*

देवदेवअभिषेकहित गुरुअनुसासनपाइ *॥
आनेउंसबतीरथसलिल तेहिकहंकाहरजाइ॥

॥ चौपाई ॥

एकमनोरथबड़मनमाहीं॥ सभयसकोचजातकहिनाहीं॥ कहहुतातप्रभुआ यसुपाई॥ बोलेबानिसनेहसुहाई॥ चित्रकूटमुनिथलतीरथबन॥ खगमृगसरसरिनिर्झरगिरिगन॥ प्रभुपदअंकितअवनिबिसेषी॥ आयसुहोइतआवौंदे

खी ॥ अवसि अत्रि आयसु सिर धरहू ॥ तात बिगत भय कानन चरहू ॥ मुनिप्रसाद बन मंगलदाता ॥ पावन परम सुहावन भ्राता ॥ रिषिनायक जहँ आयसु देहीं ॥ राखेउ तीरथ जल थल तेहीं ॥ सुनि प्रभु बचन भरत सुख पावा ॥ मुनिपद कमल मुदित सिर नावा ॥ ॥ दोहा ॥

भरत राम संबाद सुनि सकल सुमंगल मूल ॥
सुर स्वारथी सराहि कुल हरषित बरषहिं फूल ॥

॥ चौपाई ॥

मुनि मिथिलेस सभा सब काहू ॥ भरत बचन सुनि भयउ उछाहू ॥ भरत राम गुन ग्राम सनेहू ॥ पुलकि प्रसंसत राउ बिदेहू ॥ सेवक स्वामि सुभाव सुहावन ॥ नेम प्रेम अति पावन पावन ॥ मति अनुसार सराहन लागे ॥ सचिव सभासद सब अनुरागे ॥ सुनि सुनि राम भरत संबादू ॥ दुहु समाज हिय हरष बिषादू ॥ राम मातु दुख सुख सम जानी ॥ कहि गुन राम प्रबोधी रानी ॥ एक कहहिं रघुबीर बड़ाई ॥ एक सराहत भरत भलाई ॥ ॥ दोहा ॥

अत्रि कहेउ तब भरत सन सैल समीप सुकूप ॥
राखिय तीरथ तोय तहँ पावन अमल अनूप ॥

॥ चौपाई ॥

भरत अत्रि अनुसासन पाई ॥ जल भाजन सब दिए चलाई ॥ सानुज आपु अत्रि मुनि साधू ॥ सहित गए जहँ कूप अगाधू ॥ पावन पाथ पुन्य थल राखा ॥ प्रमुदित प्रेम अत्रि अस भाखा ॥ तात अनादि सिद्ध थल एहू ॥ लोपेउ काल बिदित नहिं केहू ॥ सेवकन सरस थल देखी ॥ कीन्ह सुजल हित कूप बिसेषी ॥ बिधिबस भये

उबिधिउपकारू ॥ सुगमअगमअतिधर्मबिचारू ॥ भरतकूपअबकहिहहिं
लोगा ॥ अतिपावनतीरथजलयोगा ॥ प्रेमसनेमनिमज्जतप्रानी ॥ होइहहिंबि
मलकर्ममनबानी ॥ ॥ दोहा ॥

कहतकूपमहिमासकलगएजहांरघुराउ ॥
अत्रिसुनायेउरघुबरहि तीरथपुण्यप्रभाउ ॥

॥ चौपाई ॥

कहतधर्मइतिहाससप्रीती ॥ भयेउभोरनिशिसोसुखबीती ॥ नित्यनिबाहिभरत
दोउभाई ॥ रामअत्रिगुरुआयसुपाई ॥ सहितसमाजसाजसबसादे ॥ चलेरा
मबनअटनपयादे ॥ कोमलचरणचलतबिनुपनहीं ॥ भैमृदुभूमिसकुचिमनम
नहीं ॥ कुशकंटककांकरीकुराईं ॥ कटुककठोरकुबस्तुदुराईं ॥ महिमंजुल
मृदुमारगकीन्हे ॥ बहतसमीरत्रिबिधिसुखदीन्हे ॥ सुमनबरषिसुरघनकरि
छांही ॥ बिटपफूलिफलितृणमृदुताही ॥ मृगबिलोकिखगबोलिसुबानी ॥ सेव
हिंसकलरामप्रियजानी ॥ ॥ दोहा ॥

सुलभसिद्धिसबप्राकृतहु रामकहतजंभुआत ॥
रामप्राणप्रियभरतकहं यहनहोइबडिबात ॥

॥ चौपाई ॥

यहिबिधिभरतफिरतबनमाहीं ॥ नेमप्रेमलखिमुनिसकुचाहीं ॥ पुण्यजलाश्रय
भूमिबिभागा ॥ खगमृगतरुतृणगिरिबनबागा ॥ चारुबिचित्रपवित्रबिशेषी ॥ बू
झतभरतदिव्यसबदेषी ॥ सुनिमनमुदितकहतऋषिराऊ ॥ हेतुनामगुणपुण्य
प्रभाऊ ॥ कतहुंनिमज्जनकतहुंप्रणामा ॥ कतहुंबिलोकतमनअभिरामा ॥ कत

कतहुँबैठिमुनिआयसुपाई॥सुमिरतसीयसहितदोउभाई॥देखिसुभायसने
हसुसेवा॥देहिँअसीसमुदितवनदेवा॥फिरहिंगएदिनपहरअढ़ाई॥प्र
भुपदकमलबिलोकहिंआई॥ *~~* ॥दोहा॥ *~~*~~*~~*

देखेथलतीरथसकल भरतपाँचदिनमांझ ॥
कहतसुनतहरिहरसुजसु गयउदिवसभइसांझ ॥

॥ चौपाई ॥

भोरन्हाइसबजुरासमाजू॥भरतभूमिसुरतिरहुतिराजू॥भलदिनआजुजानि
मनमाहीं॥रामकृपालकहतसकुचाहीं॥गुरनृपभरतसभाअवलोकी॥सकु
चिरामफिरिअवनिबिलोकी॥सीलसराहिसभासबसोची॥कहुँनरामसमस्वा
मिसकोची॥भरतसुजानरामरुखदेखी॥उठिसप्रेमधरिधीरबिसेषी॥करि
दंडवतकहतकरजोरी॥राखीनाथसकलरुचिमोरी॥मोहिलगिसहेउसब
हिंसंतापू॥बहुतभांतिदुखपावाआपू॥अबगोसाइँमोहिदेउरजाई॥सेवौं
अवधअवधिभरिजाई॥ *~* ॥दोहा॥ *~~*~~*~~*

जेहिउपायपुनिपायजन देखैंदीनदयाल ॥
सोसिखदेइयअवधिलगि कोसलपालकृपाल॥

॥ चौपाई ॥

पुरजनपरिजनप्रजागोसाईं॥सबसुचिसरसनेहसगाई॥राउरबदिभ
लभवदुखदाहू॥प्रभुबिनुबादिपरमपदलाहू॥स्वामिसुजानजानिसबही
की॥रुचिलालसारहनिजनजीकी॥प्रनतपालपालहिंसबकाहू॥देवदुहूँदि
सिओरनिबाहू॥असमोहिसबबिधिभूरिभरोसो॥किएबिचारनसोचखरोसो

[illegible] मारग मिलि मोहि नाथ कर [illegible] ॥ [illegible] मोहू ॥ [illegible] जामी ॥ तजि [illegible] अनुगामी ॥ भरत बिनय सुनि सबहि प्रसंसी ॥ खीर नीर बिबरन गति हंसी ॥ दोहा ॥

॥ दीनबंधु सुनि बंधु के बचन दीन छलहीन ॥
॥ देशकाल अवसर सरिस बोले राम प्रबीन ॥

॥ चौपाई ॥

तात तुम्हार मोर परिजन की ॥ चिन्ता गुरुहि नृपहि घर बन की ॥ माथे पर गुरु मुनि मिथिलेसू ॥ हमहिं तुमहिं सपने हुं न कलेसू ॥ मोर तुम्हार परम पुरुषारथ ॥ स्वारथ सुयश धरम परमारथ ॥ पितु आयसु पालिय दुहु भाई ॥ लोक बेद भल भूप भलाई ॥ गुरु पितु मातु स्वामि सिख पाले ॥ चलत कुमग पग परहिं न खाले ॥ अस बिचारि सब सोच बिहाई ॥ पालहु अवध अवधि भरि जाई ॥ देश कोश परिजन परिवारू ॥ गुरु पद रजहि लाग छरुभारू ॥ तुम मुनि मातु सचिव सिख मानी ॥ पालहु पुहुमि प्रजा रजधानी ॥ दोहा ॥

॥ मुखिया मुख सो चाहिये खान पान को एक ॥
॥ पालै पोषै सकल अंग तुलसी सहित बिबेक ॥

॥ चौपाई ॥

राजधरम सरबस इतनोई ॥ जिमि मन मांह मनोरथ गोई ॥ बंधु प्रबोध कीन्ह बहु भांती ॥ बिनु अधार मन तोष न सांती ॥ भरत शील गुरु सचिव समाजू ॥ सकुच सनेह बिबस रघुराजू ॥ प्रभु करि कृपा पावरी दीन्ही ॥ सादर भरत सीस धरि लीन्ही ॥ चरणपीठ करुणानिधान के ॥ जनु युग यामिक प्रजा प्राण के ॥ संपुट भर

नसनेहरतनके ॥ आषरजुगजनुजीवयतनके ॥ कुलकपाटकरकुशलकरमके ॥ बिमलनयनसेवासुधर्मके ॥ भरतमुदितअवलंबलहेते ॥ असमुखजससियरामरहेते ॥ *~*~* ॥ दोहा ॥ *~*~*~*~*

मांगेउबिदाप्रणामकरि रामलिएउरलाइ ॥
लोगउचाटेअमरपति कुटिलकुअवसरपाइ ॥

॥ चौपाई ॥

सोकुचालिसबकहंभइनीकी ॥ अवधिआशसमजीवनजीकी ॥ नतरुलखनसियरामवियोगा ॥ हहरिमरतसबलोगकुरोगा ॥ रामकृपाअवरेबसुधारी ॥ बिबुधधारभइगुणदगोहारी ॥ भेंटतभुजभरिभाइभरतसो ॥ रामप्रेमरसकहिनपरतसो ॥ तनमनबचनउमगिअनुरागा ॥ धीरधुरंधरधीरजत्यागा ॥ बारिजलोचनमोचनबारी ॥ देखिदशासुरसभादुखारी ॥ मुनिगणगुरुजनधीरजनकसे ॥ ज्ञानअनलमनकसेकनकसे ॥ जेबिरंचिनिर्लेपउपाए ॥ पदुमपत्रजिमिजगजलजाए ॥ *~*~* ॥ दोहा ॥ **~**~**~**

तेउबिलोकिरघुबरभरत प्रीतिअनूपअपार ॥
भएमगनमनतनबचन सहितबिरागबिचार ॥

॥ चौपाई ॥

जहांजनकगुरुगतिमतिभोरी ॥ प्राकृतप्रीतिकहतबडिखोरी ॥ बरणतरघुबरभरतवियोगू ॥ सुनिकठोरकबिजानिहिलोगू ॥ सोसकोचरसअकथसुबाणी ॥ समयसनेहसुमिरिसकुचानी ॥ भेंटिभरतरघुबरसमुझाए ॥ पुनिरिपुदमनहर्षिहियलाए ॥ सेवकसचिवभरतरुखपाई ॥ निजनिजकाजलगेसबजाई ॥ सु

निदारुसादुखदुखसमाजा॥ लगेचलनकेसाजनसाजा॥ प्रभुपदपदुमबंदि दोउभाई॥ चलेसीसधरिरामरजाई॥ मुनितापसबनदेवनिहोरी॥ सबसनमानिबहोरिबहोरी॥ ***॥ दोहा॥***

लखनहिभेंटिप्रनामकरि सिरधरिसियपदधूरि॥

चलेसप्रेमअसीससुनि सकलसुमंगलमूरि**॥

॥ चौपाई॥

सानुजरामन्टपहिसिरनाई॥ कीन्हबहुतबिधिबिनयबड़ाई॥ देवदयावशबड़दुखपायेउ॥ सहितसमाजकाननहिंआयेउ॥ पुरपगुधारियदेइअसीसा॥ कीन्हधीरधरिगमनमहीसा॥ मुनिमहिदेवसाधुसनमाने॥ बिदाकियहरिहरसमजाने॥ सासुसमीपगएदोउभाई॥ फिरेबंदिपदआशिषपाई॥ कौशिकबामदेवजाबाली॥ परिजनपुरजनसचिवसुचाली॥ यथायोगकरिबिनयप्रनामा॥ बिदाकिएसबसानुजरामा॥ नारिपुरुषलघुमध्यबड़ेरे॥ सबसनमानिकृपानिधिफेरे॥ ***॥ दोहा॥***

भरतमातुपदबंदिप्रभु शुचिसनेहमिलिभेंटि॥

बिदाकीनिसजिपालकी सकुचसोचसबमेटि॥

॥ चौपाई॥

परिजनमातुपितहिमिलिसीता॥ फिरीप्राणप्रियप्रेमपुनीता॥ करिप्रणामभेंटीसबसासू॥ प्रीतिकहतकबिहियनहुलासू॥ सुनिशिखअभिमतआशिषपाई॥ रहीसीयदुहुप्रीतिसमाई॥ रघुपतिपटुपालकीमंगाई॥ करिप्रबोधसबमातुचढाई॥ बारबारहिलिमिलिदोउभाई॥ समसनेहजननीपहुंचाई॥ सा

सिख सिरि गिरिजा मा सुनत मनमानी ॥ भूप भरत कद कीन्ह पयाना ॥ हृदय राम सिय लखन समेता ॥ चले जाहिं सब लोग अचेता ॥ बसह बाजि गज पसु हिय हारे ॥ चले जाहिं परबस मन मारे ॥ *—* ॥ दोहा ॥ *—*—*—*

गुरु गुरतिय पद बंदि प्रभु सीता लखन समेत ॥
फिरे हरष बिसमय सहित आए परन निकेत * ॥

॥ चौपाई ॥

बिदा कीन्ह सनमानि निषादू ॥ चले हृदय बड़ बिरह बिषादू ॥ कोल किरात भिल्ल बनचारी ॥ फेरे फिरे जोहारि जुहारी ॥ प्रभु सिय लखन बैठि बट छाहीं ॥ प्रिय परिजन बियोग बिलखाहीं ॥ भरत सनेह सुभाव सुबानी ॥ प्रिया अनुज सन कहत बखानी ॥ प्रीति प्रतीति बचन मन करनी ॥ श्रीमुख राम प्रेम बस बरनी ॥ तेहि अवसर खग मृग जल मीना ॥ चित्रकूट चर अचर मलीना ॥ बिबुध बिलोकि दशा रघुबर की ॥ बरषि सुमन कहि गति घर घर की ॥ प्रभु प्रनाम करि दीन्ह भरोसो ॥ चले मुदित मन डर न खरो सो ॥ *—* ॥ दोहा ॥ *—*—*—*

सानुज सीय समेत प्रभु राजत परन कुटीर ॥
भक्ति ज्ञान बैराग्य जनु सोहत धरे शरीर ॥

॥ चौपाई ॥

मुनि महिसुर गुरु भरत भुआलू ॥ राम बिरह सब साज बेहालू ॥ प्रभु गुण ग्राम गुणत मन माहीं ॥ सब चुपचाप चले मग जाहीं ॥ यमुना उतरि पार सब भयेऊ ॥ सो बासर बिनु भोजन गयेऊ ॥ उतरि देवसरि दूसरि बासू ॥ रामसखा तहं कीन्ह सुपासू ॥ सई उतरि गोमती नहाये ॥ चौथे दिवस अवधपुर आये ॥ जनक रहे

पुरबासरचारी ॥ राजकाजसबसाजसंभारी ॥ सौंपिसचिवगुरुभरतहिराजू ॥ तिरहुतिचलेसाजिसबसाजू ॥ नगरनारिनरगुरुशिखमानी ॥ बसेसुखेनरामर जधानी ॥ *~~*~~* ॥ दोहा ॥ *~~*~~*~~*~~*

रामदरशलगिलोगसब करतनेमउपवास ***॥
तजितजिभूषणभोगसुख जिअतअवधिकीआस॥

॥ चौपाई ॥

सचिवसुसेवकभरतप्रबोधे ॥ निजनिजकाजपाइशिषसोधे ॥ पुनिशिषदीन्हबोलिलघुभाई ॥ सौंपीसकलमातुसेवकाई ॥ भूसुरबोलिभरतकरजोरे ॥ करिप्रणामबरबिनयनीहोरे ॥ ऊंचनीचकारजभलपोचू ॥ आयसुदेवनकरबसकोचू ॥ परिजनपुरजनप्रजाबुलाए ॥ समाधानकरिसुबसबसाए ॥ सानुजगेगुरुगेहबहोरी ॥ करिदंडवतकहतकरजोरी ॥ आयसुहोउतोरहौंसनेमा ॥ बोलेमुनिसुनिपुलकिसप्रेमा ॥ समुझबकहबकरबतुमसोई ॥ धर्मसारजगहोइहिजोई ॥ *~~*~~* ॥ दोहा ॥ *~~*~~*~~*

मुनिशिषपाइअसीसबडि गनककबोलिदिनसाधि ॥
सिंहासनप्रभुपादुका बैठारेनिरुपाधि *****॥

॥ चौपाई ॥

राममातुगुरुपदशिरनाई ॥ प्रभुपदपीठिरजायसुपाई ॥ नंदिग्रामकरिपर्णकुटीरा ॥ कीन्हनिवासधर्मधुरधीरा ॥ जटाजूटशिरमुनिपटधारी ॥ महिखनिकुशसाथरीसवांरी ॥ अशनवसनबासरब्रतनेमा ॥ करतकठिनब्रतधर्मसप्रेमा ॥ भूषणबसनभोगसुखभूरी ॥ मनतनवचनतजेतृणतोरी ॥ अवधराजसुरराजसि

चाहीं ॥ दशरथधनलखिधनदलजाहीं ॥ तेहिपुरबसतभरतबिनुरागा ॥ चंचरीकजिमिचंपकबागा ॥ रमाबिलासराम अनुरागी ॥ तजतबमनइवजन रवडभागी ॥ **** ॥ दोहा ॥ ******

रामप्रेमभाजनभरत बडीनयहकरतूति ॥
चातकहंसराहियत टेकबिबेकबिभूति * ॥

॥ चौपाई ॥

देहदिनहिंदिनदूबरिहोई ॥ घटनतेजबलमुखछबिसोई ॥ नितिनवरामप्रेम पनपीना ॥ बढधर्मदलमनमलीना ॥ जिमिजलनिघटतशरदप्रकासे ॥ बिल सतबेतसुबनजबिकासे ॥ शमदमसंयमनेमउपासा ॥ नखतभरतहियबिमल अकाशा ॥ धुवबिस्वासअवधिराकासी ॥ स्वामिसुरतिसुरबीथिबिकासी ॥ रामप्रेम बिधुअचलअदोषा ॥ सहितसमाजसोहनितिचोखा ॥ भरतरहनिसमुझनिकर तूती ॥ भक्तिबिरतिगुणबिमलबिभूती ॥ बरनतसकलसुकबिसकुचाहीं ॥ शेष गणेशगिरागमनाहीं ॥ ** ॥ दोहा ॥ ********

नितिपूजतप्रभुपावरी प्रीतिनहृदयसमाति ॥
मांगिमांगिआयसुकरत राजकाजबहुभांति ॥

॥ चौपाई ॥

पुलकगातहियसियरघुबीरू ॥ जीहनामजपुलोचननीरू ॥ लषणरामसिय काननबसहीं ॥ भरतभवनबसितपतनकसहीं ॥ दुहुदिशिसमुझिकहतसबलो गू ॥ सबबिधिभरतसराहनयोगू ॥ सुनिब्रतनेमसाधुसकुचाहीं ॥ देखिदशामु निराजलजाहीं ॥ परमपुनीतभरतआचरणू ॥ मधुरमंजुमुदमंगलकरणू ॥

॥रा०अ०॥ हरणकठिनकलिकलुषकलेसू ॥ महामोहनिशदलनदिनेसू ॥ पापपुञ्जकु

॥ ८२ ॥ ञ्जरमृगराजू ॥ शमनसकलसंतापसमाजू ॥ जनरंजनभंजनभवभारू ॥ रामस

नेहसुधाशशिसारू ॥ * * ॥ छंद ॥ * * * * * *

सियरामप्रेमपियूषपूरणहोतजन्मनभरतको ॥ * ॥ मुनिमनअ

गमयमनियमशमदमविषमव्रतआचरतको ॥ * ॥ दुखदाहदा

रिददंभदूषणसुयशमिसुअपहरतको ॥ * ॥ कलिकालतुलसी

सेशठहिहठिरामसनमुखकरतको ॥ * ॥ * ॥ सोरठा ॥ * * ॥

भरतचरितकरिनेम तुलसीजेसादरसुनहिं * ॥

तिनहिरामपदप्रेम अवशिहोइभवरसबिरति ॥

॥ ३३० ॥ इतिश्रीरामचरितमानसेसकलकलिकलुषविध्वंसनेविमलविज्ञानवै

राग्यसम्पादनोनामतुलसीकृतायोध्याकाण्डद्वितीयः सोपानः समाप्तः शुभमस्तु

सिद्धिरस्तु ॥

॥ श्रीगणेशायनमः ॥

॥ सोरठा ॥

उमारामगुणगूढ़ पंडितमुनिपावहिंबिरति ॥
मोहहिंमोहविमूढ़ जोहरिबिमुखनधर्म्मरति ॥

॥ चौपाई ॥

पूरणभरतप्रीतिमैंगाई ॥ मतिअनुरूपअनूपसुहाई ॥ अबप्रभुचरितसुनहुअतिपावन ॥ करतजेवनसुरनरमुनिभावन ॥ एकबारचुनिकुसुमसुहाये ॥ निजकरभूषणरामबनाये ॥ सीतहिंपहिराएप्रभुसादर ॥ बैठेफटिकशिलापरसुन्दर ॥ सुरपतिसुतधरिवायसबेषा ॥ शठचाहतरघुपतिबलदेखा ॥ जिमिपिपीलचहसागरथाहा ॥ महामन्दमतिपावनचाहा ॥ सीताचरणचोंचहतिभागा ॥ मूढ़मन्दमतिकारणकागा ॥ चलारुधिररघुनायकजाना ॥ सींकधनुषशायकसंधाना ॥

॥ दोहा ॥

अतिकृपालरघुनायक सदादीनपरनेह ॥
तासनआइकीन्हछल मूरखअवगुणगेह ॥

॥ चौपाई ॥

विनापहुष्प्रभुतेनकाहू॥ अबहरपरेंसबबिसहू॥ अबप्रभुपीक्षीकथ नुबाना॥ कोधजानिभैअ्नलसमाना॥ प्रेरितअस्त्रब्रह्मसरधावा॥ चलाभाजि बायसभयपावा॥ धरिनिजरूपगयेउपितुपाहीं॥ रामबिमुखराखानिन्हनाहीं॥ भानिरासउपजीउरत्रासा॥ यथाचक्रभयऋषिदुर्बासा॥ ब्रह्मधामशिवपुरसब लोका॥ फिराश्रमितव्याकुलभयशोका॥ काहूबैठनकहानओही॥ राखिकोशकै रामकरद्रोही॥ मातुमृत्युपितुसमनसमाना॥ सुधाहोइबिषसुनुहरिजाना॥ मित्रकरैशतरिपुकीकरनी॥ ताकहँबिबुधनदीबैतरनी॥ सबजगताहिअन लहुतेताता॥ जोरघुबीरबिमुखसुनुभ्राता॥ *—*॥ दोहा॥ *—**

तिमितिमिभागतसुकसुत आकुलअतिदुखदीन॥
तिमितिमिधावतसमसर पाछेंपरमप्रवीन **॥

॥ चौपाई॥

सचरिंउरगतसमनेसरोस॥ रघुपतिउरकुटिलबलभंदेस॥ नारददेखाबि कलजयंता॥ लागिदयाकोमलचितसंता॥ दूरिहितेकहिप्रभुप्रभुताई॥ भजे आतनऊबिबिधिसमुझाई॥ पठवातुरतरामपहंताही॥ कहेसिपुकारिप्रनतहि तपाही॥ आतुरसभयगहेसिपदआई॥ त्राहित्राहिदयालरघुराई॥ अतु लितबलअतुलितप्रभुताई॥ मैंमतिमन्दजानिनहिपाई॥ निजकृतकर्मजनि तफलपायेउं॥ अबप्रभुपाहिसरनतकिआयेउं॥ सुनिकृपालअतिआरतबानी ॥ एकनयनकरितजाभवानी॥ *—*॥ सोरठा॥ *—*—*—*

कीन्हमोहबसद्रोह यद्यपितेहिकरबधउचित॥
प्रभुछाडेउकरिछोह कोकृपालरघुबीरसम॥

॥ चौपाई ॥

रघुपतिचित्रकूटबसिनाना॥ चरितकरतश्रुतिसुधासमाना॥ बहुरिरामअस मनअनुमाना॥ होइहिभीरिसबहिंमोहिंजाना॥ सकलमुनिन्हसनबिदाकराई॥ सीतासहितचलेदोउभाई॥ अत्रीकेआश्रमप्रभुगयेऊ॥ सुनतमहामुनिहर्षितभयेऊ॥ पुलकितगातअत्रिउठिधाये॥ देखिरामआतुरचलिआये॥ करतदंडवतमुनिउरलाये॥ प्रेमबारिदोउजनअन्हवाये॥ देखिरामछबिनयनजुडाने॥ सादरनिजआश्रमतबआने॥ करिपूजाकहिबचनसुहाये॥ दियेमूलफलप्रभुमनभाये॥ ॥ सोरठा ॥

प्रभुआसनआसीन भरिलोचनसोभानिरखि॥
मुनिबरपरमप्रबीन जोरिपानिअस्तुतिकरत॥

॥ छंद ॥

नमामिभक्तवत्सलं कृपालुशीलकोमलं॥ * ॥ भजामितेपदांबुजं अकामिनांस्वधामदं॥ * ॥ निकामश्यामसुंदरं भवांबुनाथमंदरं॥ * ॥ प्रफुल्लकंजलोचनं मदादिदोषमोचनं॥ * ॥ प्रलंबबाहुविक्रमं प्रभोप्रमेयवैभवं॥ * ॥ निषंगचापसायकं धरंत्रिलोकनायकं॥ * ॥ दिनेशवंशमंडनं महेशचापखंडनं॥ * ॥ मुनींद्रसंतरंजनं सुरारिवृन्दभंजनं॥ * ॥ मनोजवैरिवंदितं अजादिदेवसेवितं॥ * ॥ विशुद्धबोधविग्रहं समस्तदूषणापहं॥ * ॥ नमामिइंदिरापतिं सुखाकरंसतांगतिं॥ * ॥ भजेसशक्तिसानुजं शचीपतिप्रियानुजं॥ * ॥ त्वदंघ्रिमूलयेनराः भजंति

हीनमत्सराः ॥ * ॥ पतंतिनोभवार्णवे वितर्कबीचिसंकुलं ॥ * ॥ विविक्तवासनाःसदा भजंतिमुक्तिदंमुदा ॥ * ॥ निरस्यइंद्रियादिकं प्रयांतितेगतिंस्वकं ॥ * ॥ त्वमेकमद्भुतंप्रभुं निरीहमीश्वरंविभुं ॥ * ॥ जगद्गुरुंचशाश्वतं तुरीयमेककेवलं ॥ * ॥ भजामिभाववल्लभं कुयोगिनांसुदुर्लभं ॥ * ॥ स्वभक्तकल्पपादपं समस्तसेव्यमस्तकं ॥ * ॥ अनूपरूपभूपतिं ॥ * ॥ नतोहमुर्विजापतिं प्रसीदमेनमामिते ॥ * ॥ पदाब्जभक्तिदेहिमे ॥ * * * * *

॥ दोहा ॥

बिनतीकरिमुनिनाइशिर कहकरजोरिबहोरि ॥
चरणसरोरुहनाथजनि कबहुंतजैमतिमोरि ॥

॥ चौपाई ॥

जन्मजन्मनवपदसुखकंदा ॥ बढोप्रेमजनुचकोरशिमचंदा ॥ देखिरामसुनिविनयप्रणामा ॥ विविधभांतिपायउविश्रामा ॥ अनुसुयाकेपदगहिसीता ॥ मिलीवहोरिसुशीलविनीता ॥ जेसियसकललोकसुखदाता ॥ अखिलकोटिब्रह्मंडकिमाता ॥ तेपाइंसियमुनिवरभामिनि ॥ सुखीभइंकुमुदिनिजिमियामिनि ॥ चढविपतिनीमनसुखअधिकाई ॥ आशिषदेइनिकटबैठाई ॥ दिव्यवसनभूषणपहिराये ॥ जेनितनूतनअमलसुहाये ॥ जाहिनिरखिदुखदूरिपराहीं ॥ गरुडजानिजिमिपन्नगजाहीं ॥ * * ॥ दोहा ॥ * * * * *

ऐसेवसनविचित्रसुठि दियेसीयकहंआनि ॥
सनमानीप्रियवचनकहि प्रीतिनजाइबखानि ॥

॥ चौपाई ॥

कहिरिषिवधूसरलमृदुबाणी ॥ नारिधर्मकछुव्याजवखानी ॥ मातुपिताभ्राताहि
तकारी ॥ मितसुखप्रदसुनुराजकुमारी ॥ अमितदानिभर्तावैदेही ॥ अधमसो
नारिजोसेवननेही ॥ धीरजधर्ममित्रअरुनारी ॥ आपदकालपरिखियेहिचा
री ॥ वृद्धरोगवशजडधनहीना ॥ अंधवधिरक्रोधीअतिदीना ॥ ऐसेहुपतिक
रकियअपमाना ॥ नारिपावयमपुरदुखनाना ॥ एकैधर्मएकव्रतनेमा ॥ काय
वचनमनपतिपदप्रेमा ॥ जगपतिव्रताचारिविधिअहहीं ॥ वेदपुराणसन्तअस
कहहीं ॥ * * * * ॥ दोहा ॥ * * * * * *

उत्तममध्यमनीचलघु सकलकहउंसमुझाइ ॥
आगेसुनहिंतेभवतरहिं सुनहुसीयचितलाइ ॥

॥ चौपाई ॥

उत्तमकेअसवसमनमाहीं ॥ सपनेहुआनपुरुषजगनाहीं ॥ मध्यमपरपति
देखहिंकैसे ॥ भ्रातापितापुत्रनिजजैसे ॥ धर्मविचारिसमुझिकुलरहहीं ॥ सोनि
कृष्टत्रियश्रुतिअसकहहीं ॥ विनुअवसरभयतेंरहजोई ॥ जानेहुअधमनारि
जगसोई ॥ पतिवंचकपरपतिरतिकरई ॥ रौरवनरककल्पशतपरई ॥ क्षणसु
खलागिजन्मशतकोटी ॥ दुखनसमुझतेहिसमकोखोटी ॥ विनुश्रमनारिपरमग
तिलहई ॥ पतिव्रतधर्मछाडिछलगहई ॥ पतिप्रतिकूलजन्मजहंजाई ॥ वि
धवाहोयपाइतरुणाई ॥ * * ॥ सोरठा ॥ * * * * * *

सहजअपावनिनारि पतिसेवतशुभगतिलहहिं ॥
यशगावतश्रुतिचारि अजहुंतुलसीहरिहिप्रिय ॥

सुनुसीतातवनाम सुमिरिनारिपतिब्रतकरहिं ॥
तोहिप्राणप्रियराम कहेउंकथासंसारहित ** ॥

॥ चौपाई ॥

सुनिजानकीपरमसुखपावा ॥ सादरतासुचरणशिरनावा ॥ तवमुनिसनकहकृपानिधाना ॥ आयसुहोउजाउंवनआना ॥ सन्ततमोपरकृपाकरेहू ॥ सेवकजानितजकुजनिनेहू ॥ धर्मधुरंधरप्रभुकैबाणी ॥ सुनिसप्रेमबोलेमुनिज्ञानी ॥ जासुकृपाअजशिवसनकादी ॥ चहतसकलपरमारथवादी ॥ तेतुमराम अकामपिआरे ॥ दीनवंधुमृदुबचनउचारे ॥ अवजानीमैश्रीचतुराई ॥ भजियतुमहिंसवदेवबिहाई ॥ जेहिसमानअतिशयनहिंकोई ॥ ताकरशीलकसनअसहोई ॥ केहिबिधिकहौंजाकुअवस्वामी ॥ कहहुनाथतुमअंतरजामी ॥ असकहिप्रभुबिलोकिमुनिधीरा ॥ लोचनजलवहपुलकशरीरा ॥ * * *

~~~*~~* ॥ छन्द ॥ *~*~*~*~*

तनपुलकनिर्भरप्रेमपूरणनयनमुखपंकजदिये ॥ * ॥ मनज्ञानगुणगोतीतप्रभुमैदीखजपतपकाकिये ॥ * ॥ जपयोगधर्मसमूहतेनरभक्तिअनुपमपावई ॥ * ॥ रघुवीरचरितपुनीतनिशदिनदासतुलसीगावई ॥ *~~* ॥ दोहा ॥ *~*~

कलिमलशमनदमनमन रामसुयशसुखमूल ॥
सादरसुनहिंजोतिहिपर रामरहहिंअनुकूल ॥

~~*~*~** ॥ सोरठा ॥ **~*~*~*~**

कठिनकालमलकोश धर्मनज्ञाननयोगजप ॥

परिहरिसकलभरोस रामभजहिंतेचतुरनर ॥

~*~*~~* ॥ दोहा ॥ **~**~**~**

मुनिकहकियअस्तुतिकीन्हप्रभु दीन्हसुभगवरदान ॥

सुमनवृष्टिनभसंकुल जयजयकृपानिधान ** ॥

॥ चौपाई ॥

मुनिपदकमलनाइकरिसीसा ॥ चलेबनहिंसुरनरमुनिईशा ॥ आगेंरामअनु जपुनिपाछें ॥ मुनिवरवेषबनेअतिकाछे ॥ उभयबीचसियसोहतिकैसी ॥ ब्रह्म जीवबिचमायाजैसी ॥ सरितावनगिरिअवघटघाटा ॥ पतिपहिचानिदेहिंवर बाटा ॥ जहंजहंजाहिंदेवरघुराया ॥ करहिंमेघनभतहंतहंछाया ॥ आश्र मविपुलटीखवनमाहीं ॥ देवसदनजेहिपटतरनाहीं ॥ तेहिंदिनतहंप्रभुकी न्हनिवासा ॥ सकलमुनिन्हमिलिकीन्हसुपासा ॥ होतप्रभातमुनिन्हशिरनावा ॥ आशीर्वादसबहिसनपावा ॥ सुमिरिउमासुरसिद्धगणेशा ॥ पुनिप्रभु चलेसुनहुउरगेशा ॥ बनअनेकसुंदरगिरिनाना ॥ लांघतचलेजाहिंभगवा ना ॥ मिलाअसुरविराधमगुजाता ॥ गरजतघोरकठोररिसाता ॥ रूपभयंक रमानहुकाला ॥ केशवंतधरएउविशिमाला ॥ गगनदेवगणमुनिवरनाना ॥ ते हिक्षणहृदयहारिभयमाना ॥ तुरतहिंसोसीतहिलैगयेऊ ॥ रामहृदयकछुवि स्मयभयेऊ ॥ समुझिहृदयकेकेयिकवरणी ॥ कहाअनुजसनबहुविधिवरणी ॥ बहुरिलषणरघुवरहिप्रबोधा ॥ पांचवाणछाडाकरिक्रोधा ॥ *****

~*~*~ ॥ छंद ॥ *~*~*~*~*

भयेक्रोधलषणसंधानधनुशरमारितेहिआकुलकियो ॥ * ॥ पुनि

उठिनिशाचरराखिसीतहिंभू बलैधावतभये ॥ * ॥ अनुकालई
चकसलधावाबिकलसबखगमृगभये ॥ * ॥ धनुमानिश्रीरघुबंश
मणिपुनिकाटितेहिरजसमकिये ॥ * ॥ * ॥ दोहा ॥ * * *

मकुरिएकशरमारेउ पराधरणिधुनिमाथ ॥
उठेउप्रबलपुनिगर्जिकै चलाजहाँरघुनाथ ॥

॥ चौपाई ॥

ऐसेकहतनिशाचरधावा ॥ अवनहिवचजनुमहिमैसावा ॥ आवतबनयहि
बिधिजनुभूधर ॥ होइहिकहाकहहिंब्याकुलसुर ॥ तासुतेजहतमरुतसमाना
टूटहिंतरुवकुउडहिंपखाना ॥ जीवजंतुजहंलगिरहेजेते ॥ व्याकुलभाजिब
लेसबतेते ॥ उरगसमानजोरिशरसाता ॥ आवतहीरघुबीरनिपाता ॥ तुरत
हिंरुचिररूपतेहिंपावा ॥ देखिदुखीनिजधामपठावा ॥ तासुअस्तिगाडेउप्र
भुधरणी ॥ देवमुदितबर्षिप्रभुक्षीकरणी ॥ सीताआइचरणलपटानी ॥ अनुजब
हिबनवचलेभवानी ॥ पुनिआएजहंमुनिशरभंगा ॥ सुंदरअनुजजानकीसंगा ॥

* ॥ दोहा ॥ *

देखिराममुखपंकज मुनिवरलोचनभृङ्ग ॥
सादरपानकरतअति धन्यजन्मशरभङ्ग ॥

॥ चौपाई ॥

कहमुनिसुनुरघुबीरकृपाला ॥ शंकरमानसराजमराला ॥ जातरहेउँबिरंचि
केधामा ॥ सुनेउंश्रवणबनआवनरामा ॥ चितवतपंथरहेउंदिनराती ॥ अबप्र
भुदेखिजुडानीछाती ॥ नाथसकलसाधनमैहीना ॥ कीन्हीकृपाजानिजनदीना

॥ सोकछुदेवनमोरनिहोरा ॥ निजपनराखेउजनमनचोरा ॥ तबलगिरहहु दीनहितलागी ॥ जबलगिमिलौंतुम्हैतनत्यागी ॥ जोगजग्यजपतपव्रतकीन्हा ॥ प्रभुकहँदेइभक्तिवरलीन्हा ॥ यहिबिधिसररचिमुनिसरभंगा ॥ बैठेहृदयछाडिसब संगा ॥ **~~*~~** ॥ दोहा ॥ **~~*~~*~~*~~*

सीताअनुजसमेतप्रभु नीलजलदतनश्याम ॥
ममहियबसहुनिरंतर सगुणरूपश्रीराम ॥

॥ चौपाई ॥

असकहिजोगअगिनितनजारा ॥ रामकृपाबैकुण्ठसिधारा ॥ ताते मुनिहरिलीननभयेऊ ॥ प्रथमहिंभेदभक्तिवरलयेऊ ॥ ऋषिनिकायमुनिवरगतिदेखी ॥ सुखी भयेनिजहृदयविशेषी ॥ अस्तुतिकरहिंसकलमुनिवृन्दा ॥ जयतिप्रणतहित करुणाकन्दा ॥ पुनिरघुनाथचलेबनआगे ॥ मुनिवरवृन्दचलेसंगलागे ॥ अस्थि समूहदेखिरघुराया ॥ पूछामुनिन्हलागिअतिदाया ॥ जानतहूँकसपूछहुस्वामी ॥ समदरशीउरअन्तरजामी ॥ निश्चरनिकरसकलमुनिखाये ॥ सुनिरघुना थनयनजलछाये ॥ *~~** ॥ दोहा ॥ *~~*~~*~~*~~*

निश्चरहीनकरौंमहि भुजउठाइप्रणकीन्ह ** ॥
सकलमुनिन्हकेआश्रमन्ह जाइजाइसुखदीन्ह ॥

॥ चौपाई ॥

मुनिअगस्तकरशिष्यसुजाना ॥ नामसुतीक्ष्णरतभगवाना ॥ मनक्रमवचन रामपदसेवक ॥ सपनेहुँआनभरोसनदेवक ॥ प्रभुआगमनश्रवणसुनिपावा ॥ करतमनोरथआतुरधावा ॥ हेविधिदीनबंधुरघुराया ॥ मोसेशठपरकरिहहिंदा

या ॥ सहितअनुजमोहिरामगोसांई ॥ मिलिहहिंनिजसेवककीनाई ॥ मोरेदृ ढभरोसजियनाहीं ॥ भक्तिनबिरतिज्ञानमनमाहीं ॥ नहिसतसंगयोगजपजागा ॥ नहिदृढचरणकमलअनुरागा ॥ एकबानिकरुणानिधानकी ॥ सोप्रियजाके गतिनआनकी ॥ *~*~~* ॥ छंद ॥ *~*~*~*~*

सोपरमप्रियअतिपातकीजिन्हकबहुंनहिंसुमिरणकस्यौ ॥ * ॥
तेआजुमैनिजनयनदेखौंपूरिपुलकितहियभस्यौ ॥ * ॥ जेपदस
रोजअनेकमुनिकरिध्यानकबहुंनआवहीं ॥ * ॥ तेरामश्रीरघुवं
शमणिप्रभुप्रेमतेसुखपावहीं ॥*~* ॥ दोहा ॥ *~***

पन्नगारिसुनुप्रेमसम भजननदूसरआन ॥
यहबिचारिपुनिपुनिमुनि करतरामगुणगान॥

॥ चौपाई ॥

होइहहिंसुफलआजुममलोचन ॥ देखिबदनपंकजभवमोचन ॥ निर्भरप्रेम मगनमुनिज्ञानी ॥ कहिनजाइसोइदशाभवानी ॥ दिशिअरुबिदिशिपंथनहि सूझा ॥ कोमैचलेउंकहानहिंबूझा ॥ कबहुंकफिरिपाछेंपुनिजाई ॥ कबहुंक नृत्यकरैगुणगाई ॥ अबिरलप्रेमभक्तिमुनिपाई ॥ प्रभुदेखहिंतरुओटलुका ई ॥ अतिशयप्रीतिदेखिरघुबीरा ॥ प्रगटेहृदयहरणभवभीरा ॥ मुनिमगमां झअचलहोइवैशा ॥ पुलकशरीरपनसफलजैशा ॥ तबरघुनाथनिकटचलि आये ॥ देखिदासनिजप्रभुमनभाये ॥ मुनिहिंरामबहुभांतिजगावा ॥ जागन ध्यानजनितसुखपावा ॥ भूपरूपतबसमदुरावा ॥ हृदयचतुर्भुजरूपदिखावा ॥ मुनिअकुलाइउठातबकैसे ॥ बिकलहीनमणिबिनुफणिजैसे ॥ आगेंदेखिरामतन

नश्यामा ॥ सीताअनुजसहितसुखधामा ॥ परेउलकुटइवचरणन्हलागी ॥ प्रेममगनमुनिवरबडभागी ॥ भुजबिशालगहिलिएउठाई ॥ परमप्रीतिराखेउराई ॥ मुनिहिमिलतअससोहकृपाला ॥ कनकतरुहिजनुभेंटतमाला ॥ रामबदनबिलोकिमुनिठाढ ॥ मानहुंचित्रमांझलिखिकाढ ॥

॥ दोहा ॥

तबमुनिहृदयधीरधरि गहिपदबारहिबार ॥
निजआश्रमप्रभुआनिकरि पूजाबिबिधप्रकार ॥

॥ चौपाई ॥

कहमुनिप्रभुसुनुबिनतीमोरी ॥ अस्तुतिकरौंकवनबिधितोरी ॥ महिमाअमितमोरिमतिथोरी ॥ रबिसन्मुखखद्योतअंजोरी ॥ श्यामतामरसदामशरीरं ॥ जटामुकुटपरिधनमुनिचीरं ॥ पाणिचापशरकटितूणीरं ॥ नौमिनिरंतरश्रीरघुबीरं ॥ मोहबिपिनघनदहनकृशानू ॥ संतसरोरुहकाननभानू ॥ निशिचरकरिबरूथमृगराजं ॥ त्रातुसदानोभवखगबाजं ॥ अरुणनयनराजीवसुवेषं ॥ सीतानयनचकोरनिशेषं ॥ हरहृदमानसराजमरालं ॥ नौमिरामउरबाहुबिशालं ॥ संशयसर्पग्रसनउरगादं ॥ शमनसुकर्कशतर्कबिषादं ॥ भवभंजनरंजनसुरयूथं ॥ त्रातुसदानोकृपावरूथं ॥ निर्गुणसगुणबिषमसमरूपं ॥ ज्ञानगिरागोतीतमनूपं ॥ अमलमखिलमनवद्यमपारं ॥ नौमिराममंजनमहिभारं ॥ भक्तकल्पपादपआरामं ॥ तर्जनक्रोधलोभमदकामं ॥ अतिनागरसागरभवसेतुं ॥ त्रातुसदादिनकरकुलकेतुं ॥ अतुलितभुजप्रतापबलधामं ॥ कलिमलबिपुलबिभंजननामं ॥ धर्मबर्मनिर्मदगुणग्रामं ॥ संततसंतचातुमममामं ॥ यदपिबिरजब्यापकअबि

नामी॥ सबकेहृदयनिरंतरबासी॥ तदपिअनुजस्त्रियसहितखरारी॥ बसऊमन सिमम काननचारी॥ जेजानहिंतेहिजानऊस्वामी॥ सगुणअगुणउरअंतरजामी॥ जोकोसलपतिराजिवनयना॥ करौसोरामहृदयममअयना॥

॥ सोरठा ॥

मायाबशजिमिजीव रहहिंसदासंततमगन॥
तिमिलागऊमोहिप्रीय करुणाकरसुंदरसुखद॥

॥ चौपाई ॥

असअभिमानजाइनहिंभोरे॥ मैंसेवकरघुपतिपतिमोरे॥ रामभक्तिनजिचहक ल्याना॥ सोनरअधमशृगालसमाना॥ सुनिमुनिबचनराममनभाऐ॥ बऊरिहर्षिमुनिबरउरलाऐ॥ परमप्रसन्नजानिमुनिमोही॥ जोबरमांगुदेऊंमैंतोही॥ मुनिकहमैंबरकबऊंनयांचा॥ समुझिनपरैझूठकासांचा॥ तुमहिंनीकलागैरघुराई॥ सोमोहिदेऊदाससुखदाई॥ अबिरलभक्तिबिरतिबिज्ञाना॥ होऊसकलगुणज्ञाननिधाना॥ प्रभुजोदीन्हसोबरमैंपावा॥ अबसोदेऊमोहिजोभा वा॥

॥ दोहा ॥

अनुजजानकीसहितप्रभु चापबाणधरराम॥
ममहियगगनइंदुइव बसऊसदानिःकाम॥

॥ चौपाई ॥

एवमस्तुकहिरमानिवासा॥ हर्षिचलेकुंभजऋषिपासा॥ पुनिप्रणामकरिकहकरजोरी॥ सुनऊनाथकछुबिनतीमोरी॥ बऊतदिवसगुरुदरशनपाऐ॥ भएमोहियहिआश्रमआऐ॥ अबप्रभुसंगजाऊंगुरुपाहीं॥ तुमकहंनाथनिहोरे

ग नाहीं ॥ चलेजात मगु नव पद कंजा ॥ देखिहैं जो बिराध मद गंजा ॥ देखिहु
पानिधि मुनि चतुराई ॥ लिए संग बिहँसे दोउ भाई ॥ पंथ कहत निज भक्ति अनूपा ।
मुनि आश्रम पहुँचे सुरभूपा ॥ आश्रम देखि महा सुचि सुंदर ॥ सरित सरोवर का
नन भूधर ॥ बनचर जलचर जीव जहाँ ने ॥ बैर न करहिं प्रीति सब होते ॥ **

॥ दोहा ॥

नह बहु बिधि बिहंग मृग बोलत बिबिध प्रकार ॥
बसहिं सिद्ध मुनि तप करहिं महिमा गुण आगार ॥

॥ चौपाई ॥

सुनत सुतीछन गुरु पहँ गयऊ ॥ करि दंडवत कहत अस भयऊ ॥ नाथ कोशला
धीश कुमारा ॥ आए मिलन जगत आधारा ॥ राम अनुज समेत बैदेही ॥ निशि दिन
देव जपत हहु जेही ॥ सुनत अगस्त तुरत उठि धाए ॥ हरिहिं बिलोकि लोचन
जल छाए ॥ मुनि पद कमल परे दोउ भाई ॥ ऋषि अति प्रीति लिए उर लाई ॥
सादर कुशल पूछि मुनि ज्ञानी ॥ आसन पर बैठारे आनी ॥ पुनि करि बहु प्रकार
प्रभु पूजा ॥ मोहि सम भागवंत नहिं दूजा ॥ जहँ लगि रहे अपर मुनि बृन्दा ॥ ह
र्षे सब बिलोकि सुखकन्दा ॥ ** ॥ दोहा ॥ **

मुनि समूह महँ बैठे प्रभु सन्मुख सब की ओर ॥
शरद इंदु जनु चितवत मान हुँ निकर चकोर ॥

॥ चौपाई ॥

धाइ सुथल जल हर्षित मीना ॥ पारस पाइ सुखी जिमि दीना ॥ प्रभुहि निरखि सु
खभाय हि भांती ॥ चातक जिमि पाई जल स्वाती ॥ तब रघुबीर कहा मुनि पाहीं ॥

तुमसनप्रभुदुरावकछुनाही॥ तुमजानहुजेहिकारणआयेउं॥ ताततेतातनक
हिसमुझायेउं॥ अवसोमंत्रदेहुप्रभुमोही॥ जेहिप्रकारमारौंसुरद्रोही॥ नि
शिचरअवनवचहिंमुनिराई॥ जिमिपंकजवनहिमचहतुपाई॥ मुनिमुसकानेसु
निप्रभुवाणी॥ पूछहुनाथमोहिकाजानी॥ तुम्हरेभजनप्रभावअधारी॥ जानौं
महिमाकछुकतुम्हारी॥ अतिकरालसबपरजगजाना॥ औरौंकहौंसुनियभगवा
ना॥ ऊमरितरुविशालतवमाया॥ फलब्रह्मांडअनेकनिकाया॥ जीवचराचर
जंतुसमाना॥ भीतरवसहिंनजानहिंआना॥ तेफलभक्षककठिनकराला॥ तवभ
यडरतसदासोकाला॥ तेतुमसकललोकपतिसांई॥ पूछेहुमोहिमनुजकीना
ई॥ यहवरमांगौंकृपानिकेता॥ वसहुहृदयसियअनुजसमेता॥ अविरलभ
क्तिविरतिसतसंगा॥ चरणसरोरुहप्रीतिअभंगा॥ यद्यपिब्रह्मअखंडअनंता॥
अनुभवगम्यभजहिंजेहिसंता॥ असतवरूपवखानौंजानौं॥ फिरिफिरिसगुणब्र
ह्मरतिमानौं॥ संततदासन्हदेहुवडाई॥ तातेमोहिपूछेहुरघुराई॥ हैप्रभुप
रममनोहरठाऊं॥ पावनपंचवटीतेहिनाऊं॥ गोदावरीनदीनहंवहई॥ चारि
हुयुगप्रसिद्धसोअहई॥ दंडकवनपुनीतप्रभुकरहू॥ उग्रशापमुनिवरकेह
रहू॥ वासकरहुतहंरघुकुलराया॥ कीजैसकलमुनिन्हपरदाया॥ चलेराम
मुनिआयसुपाई॥ तुरतहिंपंचवटीनिअराई॥ दिखलताद्रुमप्रभुमनभाये
॥ निरखिरामतेभयेसुहाये॥ लखणरामसियचरणनिहारी॥ काननअघ
गणभासुखकारी॥ **—**॥ दोहा॥ **—*—*—*—**

गीधराजसोंभेंटभइ वहुविधिप्रीतिबढ़ाइ॥
गोदावरीसमीपप्रभु रहेपर्णगृहछाइ॥

॥ चौपाई ॥

अब जो राम कीन्ह तहं बासा ॥ सुखी भए मुनि बीती त्रासा ॥ गिरि बन नदी ताल छबि छाए ॥ दिन दिन प्रति अति होत सुहाए ॥ खग मृग बृन्द अनंदित रहहीं ॥ मधुप मधुर गुंजत छबि लहहीं ॥ सो बन बरनि न सक अहिराजा ॥ जहां प्रगट रघुबीर बिराजा ॥ एक बार प्रभु सुख आसीना ॥ लछिमन बचन कहे छलहीना ॥ सुर नर मुनि सचराचर साईं ॥ मैं पूछौं निज प्रभु की नाईं ॥ मोहि समुझाइ कहहु सोइ देवा ॥ सब तजि करौं चरन रज सेवा ॥ कहहु ग्यान बिराग अरु माया ॥ कहहु भगति जेहि हो दाया ॥

॥ दोहा ॥

ईस्वर जीव भेद प्रभु सकल कहहु समुझाइ ॥
जातें होइ चरन रति सोक मोह भ्रम जाइ ॥

॥ चौपाई ॥

थोरे महं सब कहौं बुझाई ॥ सुनहु तात मति मन चित लाई ॥ मैं अरु मोर तोर तैं माया ॥ जेहि बस कीन्हे जीव निकाया ॥ गो गोचर जहं लगि मन जाई ॥ सो सब माया जानेहु भाई ॥ तेहि कर भेद सुनहु तुम सोऊ ॥ बिद्या अपर अबिद्या दोऊ ॥ एक दुष्ट अतिसय दुखरूपा ॥ जा बस जीव परा भवकूपा ॥ एक रचै जग गुन बस जाकै ॥ प्रभु प्रेरित नहिं निज बल ताकै ॥ ग्यान मान जहं एकौ नाहीं ॥ देखत ब्रह्म समान सब माहीं ॥ कहिय तात सो परम बिरागी ॥ तृन सम सिद्धि तीनि गुन त्यागी ॥

॥ दोहा ॥

माया ईस न आपु कहं जानि कहिय सो जीव ॥
बंध मोच्छ प्रद सर्बपर माया प्रेरक सीव ॥

॥ चौपाई ॥

धर्मतेबिरतियोगतेज्ञाना ॥ ज्ञानमोक्षप्रदबेदबखाना ॥ जातेंबेगिद्रवौंमैंभाई ॥ सोममभक्तिभक्तसुखदाई ॥ सोसुतंत्रअवलंबनआना ॥ तेहिआधीनज्ञानबिज्ञाना ॥ भक्तिकसाधनकहौंबखानी ॥ सुगमपंथमोहिपावहिंप्राणी ॥ प्रथमहिंबिप्रचरणअतिप्रीती ॥ निजनिजधर्मनिरतश्रुतिरीती ॥ यहिकरफलपुनिविषयविरागा ॥ तबममचरणउपजअनुरागा ॥ श्रवणादिकनवभक्तिदृढाहीं ॥ ममलीलारतिअतिमनमाहीं ॥ सन्तचरणपंकजअतिप्रेमा ॥ मनक्रमबचनभजनदृढनेमा ॥ गुरुपितुमातुबंधुपतिदेवा ॥ सबमोहिकहंजानैदृढसेवा ॥ ममगुणगावतपुलकशरीरा ॥ गद्गदगिरानयनबहनीरा ॥ कामआदिमददंभनजाके ॥ तातनिरंतरबशमैंताके ॥ ॥ दोहा ॥

बचनकर्ममनमोरिगति भजनकरैंनिःकाम ॥
तिन्हकेहृदयकमलमहं करौंसदाविश्राम ॥

॥ चौपाई ॥

भक्तियोगसुनिअतिसुखपावा ॥ लक्ष्मणप्रभुचरणन्हशिरनावा ॥ नाथसुनेवनममसंदेहा ॥ भयउज्ञानउपजेउनवनेहा ॥ अनुजबचनसुनिप्रभुमनभाये ॥ हर्षिरामनिजहृदयलगाये ॥ यहिविधिगयेकछुकदिनबीती ॥ कहतविरागज्ञानगुणनीती ॥ शूर्पनखारावणकीबहिनी ॥ दुष्टहृदयदारुणजिमिअहिनी ॥ पंचवटीसोगइएकबारा ॥ देखिबिकलभइयुगलकुमारा ॥ भ्रातापितापुत्रउरगारी ॥ पुरुषमनोहरनिरखतिनारी ॥ होइबिकलशकमननहिरोकी ॥ जिमिरबिमणिद्रवरबिहिबिलोकी ॥ ॥ दोहा ॥

अधमनिसाचरिकुटिलअति खलीकरणोउपहांस ॥

सुनुखगेसभाकीप्रबल भावहिनिस्वरनाग *** ॥

॥ चौपाई ॥

रुचिररूपधरिप्रभुपहंजाई ॥ बोलीबचनमधुरिमुसुकाई ॥ तुमसमपुरुषन मोसमनारी ॥ यहसंयोगबिधिरचाबिचारी ॥ ममअनुरूपपुरुषजगनाही ॥ देखेउंखोजिलोकतिऊमांही ॥ तातेअबलगिरहीकुमारी ॥ मनमानाकछुतुम हिनिहारी ॥ सीतहिचितइकहीप्रभुबाता ॥ अहैकुमारमोरलघुभ्राता ॥ गइ लछिमनरिपुभगिनीजानी ॥ प्रभुबिलोकिबोलेमृदुबानी ॥ सुंदरिसुनुमैउन्हक रदासा ॥ पराधीननहितोरसुपासा ॥ प्रभुसमरथकोसलपुरराजा ॥ जोकछु करहिंउन्हैसबछाजा ॥ *——* ॥ दोहा ॥ *——*——*——*——**

केहरिसमनहिकरिबर खवाकिवाजसमान ॥

प्रभुसेवकइमिजानहू मानउबचनप्रमान * ॥

॥ चौपाई ॥

सेवकसुखचहमानभिखारी ॥ ब्यसनीधनसुभगतिबिभिचारी ॥ लोभीयशचह चारगुमानी ॥ नभदुहिदूधचहतकोउप्रानी ॥ पुनिफिरिरामनिकटसोआई ॥ प्रभुलछिमनपहंबहुरिपठाई ॥ लछिमनकहातोहिसोबरई ॥ जोतृणतोरि लाजपरिहरई ॥ तबरिसिआनिरामपहंजाई ॥ रूपभयंकरप्रगटिदेखाई ॥ बिथुरेकेशरदनबिकराला ॥ भृकुटीकुटिलकरालबिगाला ॥ सीतहिसभयदे खिरघुराई ॥ कहाअनुजसनसैनबुझाई ॥ अनुजसममनकीगतिजानी ॥ उठे रिसाइसोसुनअभवानी ॥ *——* ॥ दोहा ॥ *——**——*——*——*

लछमन अति लाघव करि   नाक कान बिनु कीन्ह॥
ताके कर रावन कहं मनउं चुनौती दीन्ह ** ॥

॥ चौपाई ॥

नाक कान बिनु भइ बिकरारा॥ जनु स्रव सैल गेरु कै धारा॥ आम घटा दरबायन की
री॥ तहँ बास बस अनु मन कुल घेरी॥ खरदूषण पहँ गइ बिलपाता॥ धृग धृग तव
पौरुष बल भ्राता॥ तेइ पूछा सब कहेसि बुझाई॥ जातुधान सुनि सेन बनाई॥
चौदह सहस सुभट संग लीन्हे॥ जिन्ह सपनेउ रन पीठ न दीन्हे॥ धाए निसिचर
निकर बरूथा॥ जनु सपक्ष कज्जल गिरि यूथा॥ नाना बाहन नानाकारा॥ नाना
आयुध घोर अपारा॥ सूर्पनखहिं आगें करि लीन्ही॥ असुभ रूप श्रुति नासा हीनी

॥ ****** ॥ दोहा॥ ****** ॥

निज निज बल सब मिलि कहहिं एकहि एक सुनाइ॥
राजकुआँर अनुराग सूर्पनख हृदय समाइ *** ॥

॥ चौपाई ॥

असगुन अमित होहिं भयकारी॥ गनहिं न मृत्यु बिबस भये सारी॥ गर्जहिं तर्ज
हिं गगन उड़ाहीं॥ देखि कटक भट अति हरषाहीं॥ कोउ कह जियत धरहु द्वौ
भाई॥ धरि मारहु तिय लेहु छड़ाई॥ कोउ कह सुनिय सत्य हम कहहीं॥ ब
न न फिरहिं बीर कोउ अहहीं॥ एकैं कहा मस्ट भेर हहू॥ खर के आगें असुर जनि कह
हू॥ बहु बिधि कहत तब चन रन धीरा॥ आए सकल जहाँ रघुबीरा॥ धूरि पूरि न
भमंडल रहेऊ॥ राम बोलाइ अनुज सन कहेऊ॥ लै जानकिहिं जाहु गिरि कंदर
॥ आवा निसिचर कटक भयंकर॥ रहेहु सजग सुनि प्रभु कै बानी॥ चले सहित

सियहरि धनुपानी ॥ देखि राम रिपुदल चलि आवा ॥ बिहँसि कठिन कोदंड च-
ढ़ावा ॥ *—*—*—*॥ छंद ॥ *—*—*—*

कोदंड कठिन चढ़ाइ प्रभु सिर जटा बाँधत सोहहीं ॥*॥ मरकत
सयल पर लरत दामिनि कोटि सें जुग भुजग ज्यौं ॥*॥ कटि कसि
निषंग बिसाल भुज गहि चाप बिसिख सुधारि कै ॥*॥ चितवत मनहुँ
मृगराज प्रभु गजराज घटा निहारि कै ॥*॥*॥ सोरठा ॥ ***

आइ गये बगमेल धरहु धरहु धावत सुभट ॥
जथा बिलोकि अकेल बाल रबिहि घेरत दनुज ॥

॥ चौपाई ॥

घेरि रहे निसिचर समुदाई ॥ दंडक बन मृग चले पराई ॥ प्रभु बिलोकि सर सक-
हिं न डारी ॥ थकित भई रजनीचर धारी ॥ सचिव बोलि बोले खर दूषन ॥ यह
कोउ नृपबालक नर भूषन ॥ सुर नर नाग असुर मुनि जेते ॥ देखे जिते हते हम के-
ते ॥ हम भरि जनम सुनहु सब भाई ॥ देखी नहिं असि सुंदरताई ॥ जद्यपि
भगिनिहिं कीन्ह कुरूपा ॥ बध लायक नहिं पुरुष अनूपा ॥ देहु तुरत निज नारि
दुराई ॥ जीअत भवन जाहु दोउ भाई ॥ मोर कहा तुम ताहि सुनावहु ॥ तासु
बचन सुनि आतुर आवहु ॥ *—* ॥ दोहा ॥ *—*—*—*

भएउ [illegible] सब मूक सब आनहिं नहिं रघुबीर ॥
[illegible] मेरहुउ [illegible] मनि धीर ॥

॥ चौपाई ॥

दूतन्ह कहा राम सन जाई ॥ सुनत राम बोले मुसुकाई ॥ [illegible] भागहु

मारा॥ तुम्हरेप्रभुअसकीन्हबिचारा॥ हमछत्रीमृगयाबनकरहीं॥ तुमसेखल
मृगखोजतफिरहीं॥ रिपुबलवंतदेखिनहिडरहीं॥ एकबारकालहुसनलर
हीं॥ यद्यपिमनुजदनुजकुलघालक॥ मुनिपालकखलशालकबालक॥ जौंन
होइबलघरफिरिजाहू॥ समरविमुखमैंहतौंनकाहू॥ रनचढिकरियक
पटचतुराई॥ रिपुपरकृपापरमकदराई॥ दूतन्हजाइतुरतसबकहेऊ॥
सुनिखरदूषणउरअतिदहेऊ॥ ** ॥ छंद ॥ *~*~*~~*

उरदहेउकहेउकिधरहुधावहुविकटभटरजनीचरा॥*॥ श
रचापतोमरशक्तिशूलकृपाणिपरिघपरशुधरा॥*॥ प्रभुकीन्हध
नुषटकोरप्रथमकठोरघोरभयोमहा॥*॥ भएबधिरब्याकुलया
तुधाननज्ञानतेहिअवसररहा॥*~*॥ दोहा॥ *~**

सावधानहोइधाए जानिसबलआराति॥
लागेबरषनरामपर अस्त्रशस्त्रबहुभांति॥
तिन्हकेआयुधतिलसरिस करिकाटेरघुवीर॥
तानिशरासनश्रवणलगि पुनिछाडेनिजतीर॥

~~*~~* ॥ छंद ॥ *~*~~~*

तबचलेबाणकराल फुंकरतजनुबहुब्याल॥*॥ कोपेउसमरश्री
राम चलेविशिखनिसितनकाम॥*॥ अवलोकिखरतरतीर मुरि
चलेनिशिचरबीर॥*॥ एकएककोनसंभार करततातमातुपुका
र॥*॥ भएकुद्धतीनौभाइ जोभागिरणतेजाइ॥*॥ तेहि
बधिहौंनिजपाणि फिरेमरणमनठानि॥*॥ आयुधअनेक

प्रकार ॥ * ॥ सनमुखनेकरहिंप्रहार ॥ * ॥ रिपुपरमकोपेजा
नि ॥ * ॥ प्रभुधनुषशरसंधानि ॥ * ॥ छाडेविपुलनाराच ॥ * ॥
लगेकटनविकटपिशाच ॥ * ॥ उरसीसकरभुजचरण ॥ * ॥ ज
हंतहंलगेमहिपरण ॥ * ॥ चिक्करतलागतबाण ॥ * ॥ धरपर
तकुधरसमान ॥ * ॥ भटकटततनशतखंड ॥ * ॥ पुनिउठतक
रिपाषंड ॥ * ॥ नभउडतबहुभुजमुण्ड ॥ * ॥ बिनुमौलिधावत
रुण्ड ॥ * ॥ खगकंककागसृगाल ॥ * ॥ कटकटाहिंकठिनकराल ॥

~~*~** ॥ छंद ॥ *~*~*~*~*

कटकटाहिंजंबुकभूतप्रेतपिशाचखप्परसंचहीं ॥ * ॥ वैतालवीर
कपालतालबजाइयोगिनिनाचहीं ॥ * ॥ रघुवीरबाणप्रचंडखंड
हिंभटनकेउरभुजशिर ॥ * ॥ जहंतहंपरहिंउठिलरहिंध
रुधरुधरुकरहिंसकलभयंकरा ॥ * ॥ अंतावरीलैउडतगीधपिशाचक
रगहिधावहीं ॥ * ॥ संग्रामपुरवासीमनहुंबहुबालगुड्डिउडा
वहीं ॥ * ॥ मारेपछारेउरबिदारेविपुलभटकहंरतपरे ॥ * ॥
अवलोकिनिजदलविकलभटत्रिशिरादिखरदूषणफिरे ॥ * ॥ श
रशक्तितोमरपरशुशूलकृपाणिएकहिबारहीं ॥ * ॥ करिकोपश्री
रघुवीरपरअगणितनिशाचरडारहीं ॥ * ॥ प्रभुनिमिषमहंरिपु
शरनिवारिप्रचारिडारेशायका ॥ * ॥ दशदशविशिखउरमांझमा
रेसकलनिश्चरनायका ॥ * ॥ महिपरतउठिभटभिरतपुनिपुनिक
रतमायाअतिघनी ॥ * ॥ सुरडरतचौदहसहसनिश्चरएकसर

रघुकुलमनी ॥ * ॥ सुरमुनिसभयप्रभुदेखिमायानाथअतिकौतु

ककरयो ॥ * ॥ देखहिंपरसपररामकरिसंग्रामरिपुदललरिमरयो ॥

॥ दोहा ॥

रामरामकहितनतजहिं पावहिंपदनिर्बान ॥

करिउपायरिपुमारेउ क्षणमहँकृपानिधान ॥

हर्षितबर्षहिंसुमनसुर बाजहिंगगननिशान ॥

अस्तुतिकरिकरिसबचले शोभितबिबिधबिमान ॥

॥ चौपाई ॥

जबरघुनाथसमररिपुजीते ॥ सुरनरमुनिसबकेभयबीते ॥ तबलछिमनसीत

हिलैआए ॥ प्रभुपदपरतहर्षिउरलाए ॥ सीताचितवश्याममृदुगाता ॥ पर

मप्रेमलोचननअघाता ॥ पंचबटीबसिश्रीरघुनायक ॥ करतचरितसुरमुनिसु

खदायक ॥ धुआंदेखिखरदूषनकेरा ॥ जाइसुपनखांरावणप्रेरा ॥ बोलीबचनक्रो

धकरिभारी ॥ देशकोशकीसुरतिबिसारी ॥ करसिपानसोवसिदिनराती ॥ सु

धिनहिंतवशिरपरआराती ॥ राजनीतिबिनुधनबिनुधर्मा ॥ हरिहिंसमर्पैबिनु

सतकर्मा ॥ बिद्याबिनुबिबेकउपजाये ॥ श्रमफलपाठकिएअरुपाये ॥ संगते

यतीकुमंत्रतेराजा ॥ मानतेज्ञानज्ञानतेलाजा ॥ प्रीतिप्रणयबिनुमदतेगुणी ॥ नाश

हिंबेगिनीतिअससुनी ॥ * ॥ सोरठा ॥

रिपुरुजपावकपाप प्रभुअहिगनियनछोटकरि ॥

असकहिबिबिधबिलाप करिलागीरोदनकरन ॥

॥ दोहा ॥

सभामांझपरिब्याकुलबहुप्रकारकहरोइ ॥
तोहिजिअतदशकंधरमोरिकिअसगतिहोइ ॥

सुनतसभासदउठेअकुलाई ॥ समुझाईगहिबांहउठाई ॥ कहुलंकेशकहु
सिनिजबाता ॥ केइंतवनासाकाननिपाता ॥ अवधनृपतिदशरथकेजाए ॥ पुरुष
सिंहबनखेलनआए ॥ समुझिपरीमोहिउन्हकैकरनी ॥ रहितनिशाचरकरि
हहिंधरनी ॥ जिन्हकरभुजबलपाइदशानन ॥ अभयभयेमुनिबिचरहिंकान
न ॥ देखतबालककालसमाना ॥ परमधीरधन्वीगुणनाना ॥ अतुलितबलप्रताप
दोउभ्राता ॥ खलबधरतसुरमुनिसुखदाता ॥ शोभाधामरामअसनामा ॥ ति
न्हकेसंगनारिएकश्यामा ॥ रूपराशिबिधिनारिसँवारी ॥ रतिशतकोटितासुब
लिहारी ॥ तासुअनुजकाटेश्रुतिनासा ॥ सुनितवभगिनीकरहिंपरिहासा ॥ ख
रदूषणसुनिलगेपुकारा ॥ छनमहँसकलकटकउन्हमारा ॥ खरदूषणत्रि
शिरकरघाता ॥ सुनिदशशीशजरेसबगाता ॥ * ॥ दोहा ॥

सूर्पनखहिसमुझाइकरि बलबोलेसिबहुभांति ॥
गयउभवनअतिसोचबस नींदपरैनहिंराति ॥

॥ चौपाई ॥

सुरनरअसुरनागखगमाहीं ॥ मोरेअनुचरकहँकोउनाहीं ॥ खरदूषणमोहिसम
बलवंता ॥ तिन्हहिकोमारैबिनुभगवंता ॥ सुररंजनभंजनमहिभारा ॥ जौंभग
वंतलीन्हअवतारा ॥ तौमैंजाइबैरहठिकरऊं ॥ प्रभुसरप्राणतजेभवतरऊं ॥
होइहिभजननतामसदेहा ॥ मनक्रमबचनमंत्रदृढएहा ॥ जौंनररूपभूप
सुतकोऊ ॥ हरिहौंनारिजीतिरणदोऊ ॥ चलाअकेलयानचढ़ितहवां ॥ बस

मारीचसिंधुतटजाहां ॥ इहांरामजसयुक्तिबनाई ॥ सुनऊउमासोकथासुहाई ॥ **—*—** ॥ दोहा ॥ **—*——*—*—*

लक्ष्मणगएवनहिंजब लेनमूलफलकंद ॥
जनकसुतासनबोले बिहंसिकृपासुखबृन्द ॥

॥ चौपाई ॥

सुनऊप्रियाब्रतरुचिरसुशीला ॥ मैंकछुकरबललितनरलीला ॥ तुमपावकमहंकरऊनिवासा ॥ जौंलगिकरौंनिशाचरनासा ॥ जबहिंरामसबकहेउबखानी ॥ प्रभुपदधरिहियअनलसमानी ॥ निजप्रतिबिंबराखितहंसीता ॥ तैसइशीलरूपबिनीता ॥ लक्ष्मणहूंयहमर्मनजाना ॥ जोकछुचरितरचाभगवना ॥ दशमुखगएउजहांमारीचा ॥ नाइमाथस्वारथरतनीचा ॥ नवनिनीचकैअतिदुखदाई ॥ जिमिअंकुशधनुउरगबिलाई ॥ भयदायकखलकैप्रियबाणी ॥ जिमिअकालकेकुसुमभवानी ॥ *—* ॥ दोहा ॥ *—*——*—*

करिपूजामारीचतब सादरपूछीबात ** ॥
कवनहेतुमनब्यग्रअति एकसरआवेउतात ॥

॥ चौपाई ॥

दशमुखसकलकथातेहिआगें ॥ कहीसहितअभिमानअभागे ॥ होऊकपटमृगतुमछलकारी ॥ जेहिबिधिहरिआनौंन्टपनारी ॥ तेइपुनिकहासुनऊदशसीसा ॥ तेनररूपचराचरईशा ॥ तासोंतातबैरनहिंकीजै ॥ मारेमरियजिआयजीजै ॥ मुनिमखराखनगएउकुमारा ॥ बिनुफरशररघुपतिमोहिमारा ॥ शतयोजनआयेउंछणमाहीं ॥ तिन्हसनबैरकिएभलनाहीं ॥ भइममकीटभृङ्ग

कीनाई ॥ जहंतहंमैंदेखौंदोउभाई ॥ जौंनरताततदपिअतिसूरा ॥ तिनहिंबिरोधनआइहिपूरा ॥ ***** ॥ दोहा ॥ ******

जेइंताडिकासुबाहुहति खंडेउहरकोदंड * ॥
खरदूषणत्रिशिरबधेउ मनुजकिअसबरिबंड ॥

॥ चौपाई ॥

जाहुभवनकुलकुशलबिचारी ॥ सुनतजरादीन्हेसिबहुगारी ॥ गुरुजिमिमूढकरसिममबोधा ॥ कहुजगमोहिसमानकोयोधा ॥ तबमारीचहृदयअनुमाना ॥ नवहिबिरोधेनहिंकल्याना ॥ शस्त्रीमर्मीप्रभुशठधनी ॥ वैद्यबंदिकबिभानसगुणी ॥ उभयभांतिदेखानिजमरणा ॥ तबताकेसिरघुनायकशरणा ॥ उतरदेतमोहिबधिहिअभागे ॥ कसनमरौंरघुपतिशरलागे ॥ असजियजानिदशाननसंगा ॥ चलारामपदप्रेमअभंगा ॥ मनअतिहर्षजनावततेही ॥ आजुदेखिहौंपरमसनेही ॥ *** ॥ छंद ॥ ******

निजपरमप्रीतमदेखिलोचनसुफलकरिसुखपाइहौं ॥ * ॥ श्री
सहितअनुजसमेतकृपानिकेतपदमनलाइहौं ॥ * ॥ निर्वाणदा
यकक्रोधजाकरभक्तिअवशहिवशकरी ॥ * ॥ निजपाणिशरसंधा
निसोमोहिबधिहिंसुखसागरहरी ॥ * ॥ * ॥ दोहा ॥ *****

ममपाछेंधरधावत धरेशरासनबाण ***** ॥
फिरिफिरिप्रभुहिबिलोकिहौं धन्यनमोसमआन ॥

॥ चौपाई ॥

सीतालछमणसहितरघुराई ॥ जेहिबनबसहिंमुनिन्हसुखदाई ॥ तेहिबन

निकटदशाननगयेऊ ॥ तवमारीचकपटमृगभयेऊ ॥ ञ्चतिबिचित्रकछुवरणिनजाई ॥ कनकदेहमणिरचितवनाई ॥ सीतापरमरुचिरमृगदेखा ॥ ञ्चंगञ्चंगसुमनोहरबेषा ॥ सुनऊदेवरघुबीरक्षपाला ॥ एहिमृगकरञ्चतिसुंदरछाला ॥ सत्यसिंधुप्रभुवधकरिएही ॥ ञ्चानऊचर्मकहीबैदेही ॥ तवरघुपतिजानासवकारण ॥ उठेहर्षिसुरकाजसंवारण ॥ मृगबिलोकिकटिपरिकरबांधा ॥ करतलचापरुचिरशरसाधा ॥ प्रभुलक्ष्मणहिंकहासमुझाई ॥ फिरतविपिननिशिचरवऊभाई ॥ सीताकेरिकरेऊरखवारी ॥ बुधिबिवेकवलसमयबिचारी ॥

********** ॥ दोहा ॥ **********

ञ्चसकहिचलेतहांप्रभु जहांकपटमृगनीच ॥
देवहर्षबिस्मयबिवश चातकबरघावीच ** ॥

॥ चौपाई ॥

प्रभुहिबिलोकिचलामृगभाजी ॥ धाएरामशरासनसाजी ॥ निगमनेतिशिवध्याननपावा ॥ मायामृगपाछेंसोधावा ॥ कवहिंनिकटपुनिदूरिपराई ॥ कवऊंकप्रगटैकवऊंछपाई ॥ प्रगटतदुरतकरतछलभूरी ॥ यहिविधिप्रभुहिगयोलइदूरी ॥ तवतकिरामकठिनशरमारा ॥ धरणिपरेउकरिघोरचिकारा ॥ लक्ष्मणकरप्रथमहिंलैनामा ॥ पाछेंसुमिरेसिमनमहंरामा ॥ प्राणतजतप्रगटेसिनिजदेहा ॥ सुमिरेसिरामसमेतसनेहा ॥ ञ्चंतरप्रेमतासुपहिचाना ॥ मुनिदुर्लभगतिदीन्हसुजाना ॥ ** ॥ दोहा ॥ *******

विपुलसुमनसुरवर्षेंहिं गावहिंप्रभुगुणगाथ ॥
निजपददीन्हेंञ्चसुरकहं दीनबंधुरघुनाथ * ॥

॥ चौपाई ॥

खलबधितुरतफिरेरघुबीरा ॥ सोहचापकरकटितूणीरा ॥ आरतगिरासुनीजब सीता ॥ कहलक्ष्मणसनपरमसभीता ॥ जाज्ञबेगिसंकटतवभ्राता ॥ लक्ष्मणबिहसिंकहासुनुमाता ॥ भृकुटिबिलासस्रष्टिलयहोई ॥ सपनेज्ञसंकटपरैंकिसोई ॥ सौंपिगएमोहिरघुपतिथाती ॥ जौंतजिजाउंतोयनहिंछाती ॥ यहजिय जानिसुनज्ञममाता ॥ पूरबकहबकबनमैवाता ॥ मर्मबचनसीताजबबोली ॥ हरिप्रेरितलक्ष्मणमतिडोली ॥ चज्ञदिशिरेखखचाइ अहीसा ॥ बारबारनाएपद सीसा ॥ बनदिशिदेवसौंपिसबकाहू ॥ चलेजहांरावणशशिराहू ॥ चितवहिं लषणसियहिफिरिकैसे ॥ तजतवच्छनिजमातहिजैसे ॥ ● ● ● ● ● ●

●**~*~*~*~* ॥ दोहा ॥ *~*~*~*~**●

एकउरतडररामके दूजेसीयअकेलि ●● ॥

लषणतेजनतहतभयो जिमिडाळीदवबेलि ॥

॥ चौपाई ॥

शून्यबीचदशकंधरदेखा ॥ आवानिकटयतीकेभेखा ॥ जाकेडरसुरअसुरडेराहीं ॥ निशिननींददिनअन्ननखाहीं ॥ सोदशसीसस्वानकीनाई ॥ इतउतचितैचलाभंडिहाई ॥ जिमिकुपंथपगदेतखगेसा ॥ रहनतेजबलबुधिलवलेसा ॥ करिअनेकविधिछलचतुराई ॥ मंगेउभीखदशाननजाई ॥ अतिथिजानिबियकंदमूलफल ॥ देनलगीतेइंकीन्हवज्ञरिछल ॥ कहदशमुखसुनुसुंदरिबाणी ॥ बांधीभीखिनलेउंसयानी ॥ विधिगतिवामकालकठिनाई ॥ रेखलांघिसियबाहिरआई ॥ **~* ॥ दोहा ॥ *~*~*~*~*~*

विश्वभरनिश्चयदलनिर्बिय करणिसकलसुरकाज ॥
नानानचिनेहिसमयतहं दशशिरकपटकेसाज ॥

॥ चौपाई ॥

नानाबिधिकहिकथासुहाई ॥ राजनीतिभयप्रीतिदेखाई ॥ कहसीतासुनुयती गोसांई ॥ बोलेऊवचनदुष्टकीनाई ॥ तबरावणनिजरूपदेखावा ॥ भईसभितजबनामसुनावा ॥ कहसीताधरिधीरजगाढा ॥ आइगएप्रभुरऊखलठाढा ॥ जिमिहरिवधुहिक्षुद्रशशचाहा ॥ भएसिकालवशनिश्चरनाहा ॥ बायसचहखगपतिहिसभीता ॥ सिंधुसमानहोइकिमिसरिता ॥ खरिकिहोइसुरधेनुसमान ॥ आऊभवनबिजसुनुअज्ञाना ॥ सुनतवचनदशसीसलजाना ॥ मनमंहचरणबंदिसुखमाना ॥ ॥ दोहा ॥

क्रोधवंततबरावण लीन्हेसिरथबैठाइ ॥
चलेऊगगनपथआतुर भयरथहांकिनजाइ ॥

॥ चौपाई ॥

हाजगदीशदेवरघुराया ॥ केहिअपराधबिसारेऊदाया ॥ आरतहरणशरणसुखदायक ॥ हारघुकुलसरोजदिननायक ॥ हालक्ष्मणतुम्हारनहिदोषा ॥ सोफलपायेऊंकीन्हेऊंरोषा ॥ कैकेयीमनजोकछुरहेऊ ॥ सोबिधिआजुमोहिदुखदयऊ ॥ पंचवटीकेखगमृगजाती ॥ दुखीभएवनचरबऊभांती ॥ बिबिधबिलापकरतिबैदेही ॥ भूरिकृपाप्रभुभूरिसनेही ॥ बिपतिमोरिकोप्रभुहिसुनावा ॥ पुरोडासचहरासभखावा ॥ सीताकेबिलापसुनिभारी ॥ भयेऊचराचरजीवदुखारी ॥ ॥ दोहा ॥

[illegible] प्रिया [illegible] नर [illegible] ॥

[illegible] बंधु [illegible] ॥

॥ चौपाई ॥

[illegible] निसाचर [illegible] ॥ रघुकुल [illegible] ॥ [illegible] निस्‌चर [illegible] होइ जाई ॥ [illegible] ॥ [illegible] माही ॥ [illegible] ॥ [illegible] ॥ करि [illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible] ॥ रे रे दुष्ट [illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible] समाना ॥ [illegible] ॥ [illegible] होई ॥ [illegible] ॥ जाना [illegible] ॥ [illegible] ॥ * * * * *

॥ दोहा ॥

[illegible] नहिं [illegible] ॥
[illegible] ॥

॥ चौपाई ॥

[illegible] रधावा ॥ [illegible] ॥ [illegible] कुसल [illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible] ॥ दोहा ॥

सोई संवशानिजवशकिरई मुनिगयासिद्धसुरेश॥

तेहिसकलासनसमरअति वीरवीरगृध्रेश ***॥

॥ चौपाई ॥

तबसक्रोधनिसिचरखिसिआना ॥ काढेसिपरमकरालकृपाना॥ काटेपंखपराखगधरणी॥ सुमिरिरामकरिअद्भुतकरणी ॥ मनमहंगृध्रपरमसुखमाना ॥ रामकाजममलागेउप्राणा ॥ सीतहियानचढ़इबहोरी ॥ चलाउताइलत्रासनथोरी ॥ करतिविलापजातिनभसीता ॥ ब्याधबिबसजनुमृगीसभीता ॥ गिरिपरबैठेकपिन्हनिहारी ॥ कहिहरिनामदीन्हपटडारी॥ यहिविधिसीतहिसोलैगयऊ ॥ बनअशोकमहंराखतभयऊ॥ *~~* ॥ दोहा ॥ *~~*~~*~~*~~*

हारिपराखलबहुविधि भयअरुप्रीतिदेखाइ ॥

तबअशोकपादपतरे राखेसियतननकराइ ***॥

जेहिविधिकपटकुरंगसंग धाइचलेश्रीराम **॥

सोछबिसीताराखिउर रटतिरहतिहरिनाम ॥

॥ चौपाई ॥

रघुपतिअनुजहिआवतदेखी ॥ बाहिजचिंताकीन्हविशेषी ॥ जनकसुतापरिहरेउअकेली॥ आयेउतातवचनममपेली ॥ निसिचरनिकरफिरहिंबनमाहीं ॥ ममममनसीताआश्रमनाहीं ॥ अहहुतातभयकीन्हेउनाही ॥ सियविहीनममजीवनकाही॥ यहितेअधमविपतिबडभाई ॥ सोएउंजीयअवनहिंआई ॥ गहिपदकमलअनुजकरजोरी ॥ कहेउनाथकछुमोहिनखोरी ॥ अनुजसमेतगयउप्रभुतहवां ॥ गोदावरितटआश्रमजहवां ॥ आश्रमदेखिजानकीहीना

|| भएबिकलजसप्राकृतदीना || ||दोहा||

काननरहेछनडागइव चकचकाईंसियराम॥

सावरानिसिबिछुरनकिये दुखबीतेचकअयाम॥

|| चौपाई ||

परहुखहरषलोककदुखनाही॥भाविषादतिन्हकेमनमाहीं॥हागुणखानिजा
नकीसीता॥रूपशीलब्रतनेमपुनीता॥लछिमनसमुझाएबहुभांती॥पूछत
चलेलतातरुपंती॥हेखगमृगहेमधुकरश्रेणी॥तुमदेखीसीतामृगनैनी॥खंज
नसुककपोतमृगमीना॥मधुपनिकरकोकिलाप्रवीना॥कुंदकलीदाडिमदा
मिनी॥कमलसरदससिअहिभामिनी॥बरुणपासमनोजधनुहंसा॥गजकेह
रिनिजसुनतप्रशंसा॥श्रीफलकनककदलिहरषाहीं॥नेकुनसंकसकुचमन
माहीं॥सुनुजानकीतोहिबिनुआजू॥हरषेसकलपाइजनुराजू॥किमिस
हिजातअनखतोहिपाहीं॥प्रियाबेगिप्रगटसिकसनाहीं॥

|| दोहा ||

फणिमणिबिहीनदीनजिमि मीनहीनजिमिबारि॥

निमिव्याकुलभवेसवरातहं रघुबरदशानिहारि॥

|| चौपाई ||

धरिकरधीररघुआर्यहरमहिं॥तजहिंनशोकअधिकसुखधमहिं॥यहिबिधि
खोजतबिलपतस्वामी॥मनहुंमहाबिरहीअतिकामी॥पूरणकामरामसुखरा
सी॥मनुजचरितकरअजअबिनासी॥सकलअमितनरौगिरिखोहा॥बहु
बिधिरामखोजततहंजोहा॥आगेपरागृध्रपतिदेखा॥सुमिरतरामचरणके

रेखा॥ ॥दोहा॥

॥करसरोजशिरपरसेउ कृपासिंधुरघुबीर॥
॥निरखिरामछबिधाममुख बिगतभई सबपीर॥

॥ चौपाई ॥

तबकहगृध्रबचनधरिधीरा॥ सुनहुराम भंजनभवभीरा॥ नाथदशाननयह गतिकीन्ही॥ तेहिखलजनकसुताहरिलीन्ही॥ लैदक्षिणदिशिगयेउगोसांई॥ विलपतिअतिकुररीकीनाई॥ दरशलागिप्रभुराखेउंप्राणा॥ चलनचहत अबकृपानिधाना॥ रामकहातनुराखहुताता॥ मुखमुसुकाइकहीतेहिंबाता॥ जाकरनाममरतमुखआवा॥ अधमोमुक्तहोइश्रुतिगावा॥ सोममलोचनगोचर आगें॥ राखैंदेहनाथकेहिखागे॥ जलभरिनयनकहहिरघुराई॥ तातकर्मनिज तेगतिपाई॥ परहितबसजिन्हकेमनमांही॥ तिन्हकहंजगदुर्लभकछुनाही॥ तनतजितातजाहुममधामा॥ देउंकहातुमपूरणकामा॥ गृध्रदेहतजिधरि हरिरूपा॥ भूषणबहुपटपीतअनूपा॥ श्यामगातविशालभुजचारी॥ अस्तुति करतनयनभरिवारी॥ ॥छंद॥

जयरामरूपअनूपनिर्गुणसगुणगुणप्रेरकसही॥ * ॥ दशशीसबाहुप्रचंडखंडनचापशरमंडनमही॥ * ॥ पाथोदगातसरोजमुखराजीवआयतलोचनं॥ * ॥ नितनौमिरामकृपालबाहुविशालभवभयमोचनं॥ * ॥ बलमप्रमेयमनादिमजमव्यक्तमेकमगोचरं॥ * ॥ गोविंदगोपरद्वंद्वहरविज्ञानघनधरणीधरं॥ * ॥ जोराममंत्रजपंतसंतअनंतजनमनरंजनं॥ * ॥ नितनौमिरामअकामप्रियकामादि

खलदलगंजनं ॥ * ॥ जोहिश्रुतिनिरंजनब्रह्मब्यापकबिरजअज कहिंगावहीं ॥ * ॥ करिध्यानग्यानबिरागयोगअनेकमुनिजेहिपावहीं ॥ * ॥ सोप्रगटकरुनाकंदसोभाबृंदअगजगमोहई ॥ * ॥ ममहृदयपंकजभृंगअंगअनंगबहुछबिसोहई ॥ * ॥ जोअगमसुगमसुभावनिर्मलअसमसमसीतलसदा ॥ * ॥ पश्यन्तियंयोगीयतनकरिकरतमनगोबसयदा ॥ * ॥ सोरामरमानिवाससंततदासबसत्रिभुवनधनी ॥ * ॥ ममउरबसउसोसमनसंसृतिजासुकीरतिपावनी ॥ * ॥ दोहा ॥

अबिरलभक्तिमागिबर गृध्रगयउहरिधाम ॥
तेहिकीक्रियायथोचित निजकरकीन्हीराम ॥

॥ चौपाई ॥

कोमलचितअतिदीनदयाला ॥ कारनबिनुरघुनाथकृपाला ॥ गृध्रअधमखगआमिषभोगी ॥ गतितेहिदीन्हजोयाचतयोगी ॥ सुनहुउमातेलोगअभागी ॥ हरितजिहोहिंबिषयअनुरागी ॥ पुनिसीतहिखोजतद्वौभाई ॥ चलेबिलोकतबनबहुताई ॥ संकुललताबिटपघनकानन ॥ बहुखगमृगतहँगजपंचानन ॥ आवतपंथकबंधनिपाता ॥ तेहिंसबकहीसापकैबाता ॥ दुर्बासामोहिदीन्हीसापा ॥ प्रभुपदपेखिमिटासोपापा ॥ सुनुगंधर्बकहउँमैंतोही ॥ मोहिनसोहाइब्रह्मकुलद्रोही ॥ * ॥ दोहा ॥

मनक्रमबचनकपटतजि जोकरभूसुरसेव ॥
मोहिसमेतबिरंचिसिव बसताकेसबदेव ॥

॥ चौपाई ॥

शापततताडनपुरुषकहंता ॥ बिप्रपूज्यअसगावहिंसंता ॥ पूजियबिप्रशीलगुणहीना ॥ नहिनशूद्रगुणज्ञानप्रवीना ॥ कहिनिजधर्मताहिसमुझावा ॥ निजपदप्रीतिदेखिमनभावा ॥ रघुपतिचरणकमलशिरनाई ॥ गयउगगनआपनिगतिपाई ॥ ताहिदेइगतिरामउदारा ॥ शबरीकेआश्रमपगुधारा ॥ शबरीदीखरामगृहआये ॥ मुनिकेबचनसमुझिजियभाये ॥ सरसिजलोचनबाहुबिशाला ॥ जटामुकुटशिरउरबनमाला ॥ श्यामगौरसुंदरदोउभाई ॥ शबरीपरीचरणलपटाई ॥ प्रेममगनमुखबचननआवा ॥ पुनिपुनिपदसरोजशिरनावा ॥ सादरजललैचरणपखारी ॥ पुनिसुंदरआसनबैठारी ॥ ॥ दोहा ॥

कंदमूलफलसरसअति दिएरामकहंआनि ॥
प्रेमसहितप्रभुखारउ बारहिंबारबखानि ॥

॥ चौपाई ॥

पाणिजोरिआगेंमइठाढी ॥ प्रभुहिबिलोकिप्रीतिअतिबाढी ॥ केहिबिधिअस्तुतिकरौं तुम्हारी ॥ अधमजातिमैंजडमतिभारी ॥ अधमतेअधमअधमअतिनारी ॥ तिनमहंमैंअतिमंदगंवारी ॥ कहरघुपतिसुनुभामिनिबाता ॥ मानौंएकभक्तिकैनाता ॥ जातिपांतिकुलधर्मबडाई ॥ धनबलपरिजनगुणचतुराई ॥ भक्तिहीननरसोहैकैसे ॥ बिनुजलबारिददेखियजैसे ॥ नवधाभक्तिकहौंतोहीपांही ॥ सावधानसुनुधरुमनमांही ॥ प्रथमभक्तिसन्तनकरसंगा ॥ दूसररतममकथाप्रसंगा ॥

॥ दोहा ॥

गुरुपदपंकजसेवा तीसरिभक्तिअमान ॥

चौथिभक्तिममगुणगण करैकपटतजिगान * ॥

॥ चौपाई ॥

मंत्रजापममदृढविश्वासा ॥ पंचमभजनसोबेदप्रकासा ॥ छठदमशीलविरतबहुकर्म्मा ॥ निरतनिरंतरसज्जनधर्म्मा ॥ सातवंसममोहिमयजगदेखे ॥ मोतेसन्तअधिककरिलेखे ॥ आठवंयथालाभसन्तोषा ॥ सपनेहुनहिदेखैपरदोषा ॥ नवमसरलसबसोंछलहीना ॥ ममभरोसजियहर्षनदीना ॥ नवमहंएकौजिन्हकेंहोई ॥ नारिपुरुषसचराचरकोई ॥ सोअतिशयप्रियभामिनिमोरे ॥ सकलप्रकारभक्तिदृढतोरे ॥ योगिवृन्ददुर्लभगतिजोई ॥ तोकहंआजुसुलभभईसोई ॥ ममदरशनफलपरमअनूपा ॥ जीवपावनिजसहजसरूपा ॥ ****

॥ * * * * * * * * ॥ दोहा ॥ * * * * * * * * * *

सबप्रकारतवभागवड ममचरणन्हअनुराग ॥

नवमहिमाजेहिउरवसिहि तासुपरमवडभाग ॥

॥ चौपाई ॥

सुनिप्रभुवचनहर्षकहंपाई ॥ पुनिवोलेप्रभुगिरासुहाई ॥ जनकसुताकीसुधिकहुभामिनि ॥ देखेहुकतहिंतुकरिवरगामिनि ॥ पंपासरहिंजाहुरघुराई ॥ मुनिवरविपुलरहेजहंछाई ॥ तहँविमलतरामहिमागुणभारी ॥ जीवचराचररहतसुखारी ॥ वैरनकरकाहूसनकोई ॥ जासनवैरप्रीतिकरसोई ॥ विखरसुहावनकाननफूले ॥ खगमृगजीवजंतुअनुकूले ॥ करहुसफलश्रमसवकरजाई ॥ तहंहोइहिसुग्रीवमिताई ॥ सोसवकहिहिदेकरघुवीरा ॥ जाननहूंपूछतमतिधीरा ॥ वारवारप्रभुपदशिरनाई ॥ प्रेमसहितसबकथासुनाई ॥

॥ छंद ॥

कहिकथासकलबिलोकिहरिमुखहृदयपदपंकजधरे ॥ * ॥ तजि
योगपावकदेहहरिपदलीनभइजहँनहिंफिरे ॥ * ॥ नरविवि
धकर्मअधर्मबहुमतशोकप्रदसबत्यागहू ॥ * ॥ विश्वासकरिकहदा
सनुलश्रीरामपदअनुरागहू ॥ * ॥ दोहा ॥ *

जातिहीनअघजनमहि मुक्तकीन्हअसनारि ॥
महामंदमनसुखचहसि ऐसेप्रभुहिबिसारि ॥

॥ चौपाई ॥

चलेरामत्यागावनसोऊ ॥ अतुलितबलनरकेहरिदोऊ ॥ विरहीइवप्रभुकर
तविषादा ॥ कहतकथाअनेकसंवादा ॥ लक्ष्मणदेखहुकाननशोभा ॥ देखत
केहिकरमननहिंछोभा ॥ नारिसहितसबखगमृगबृन्दा ॥ मानहुमोरकरतह
हिंनिन्दा ॥ हमहिंदेखिमृगनिकरपराहीं ॥ मृगीकहहिंतुमकहभयनाहीं ॥
तुमआनंदकरहुमृगजाये ॥ कंचनमृगखोजनएआये ॥ संगलाइकरिणीकरिले
हीं ॥ मानहुमोहिंसिखावनदेहीं ॥ शास्त्रसुचिन्तितपुनिपुनिदेखिय ॥ भूपसुसे
वितवशनहिंलेखिय ॥ राखियनारियदपिउरमाहीं ॥ युवतीशास्त्रनृपतिवशना
हीं ॥ देखहुतातबसंतसुहावा ॥ प्रियाहीनमोहिंभयउपजावा ॥ *****

॥ दोहा ॥

विरहविकलबलहीनमोहिं जानेसिनिपटअकेल ॥
सहितविपिनमधुकरखगन्ह मदनकीन्हबगमेल ॥
देखिगएउभ्राताहित तासुदूतसुनिबात ** ॥

डेरादीन्हेउमनहुतिन्ह कटकहटकिमनजात॥

॥ चौपाई॥

बिटपबिसाललताअरुझानी॥ बिबिधबितानदिएजनुतानी॥ कदलितालबरधुजा पताका॥ देखिनमोहधीरमनजाका॥ बिबिधभाँतिफूलेतरुनाना॥ जनुबा नैतबनेबहुबाना॥ कहुँकहुँसुन्दरबिटपसुहाये॥ जनुभटबिलगबिलगहो इछाये॥ कूजतपिकमानहुँगजमाते॥ ढेकमहोखऊँटबिसराते॥ मोरचकोर कीरबरबाजी॥ पारावतमरालसबताजी॥ तीतरलावापदचरयूथा॥ बरनिन जाइमनोजबरूथा॥ रथगिरिसिलादुन्दुभीझरना॥ चातकबंदीगुणगणबरना ॥ मधुकरमुखरभेरिसहनाई॥ त्रिबिधबयारिबसीठीआई॥ चतुरंगिनीसेन सँगलीन्हे॥ बिचरतसबहिंचुनौतीदीन्हे॥ लछिमनदेखतकामअनीका॥ रहहिं धीरतिन्हकैजगलीका॥ एहिकेएकपरमबलनारी॥ तेहितेउबरसुभटसोइ भारी॥ ॥ दोहा॥

तातनीनिअतिप्रबलखल कामक्रोधअरुलोभ॥
मुनिबिग्यानधाममन करहिंनिमिषमहुँछोभ॥
लोभकेइच्छादंभबल कामकेकेवलनारि॥
क्रोधकेपरुषबचनबल मुनिबरकहहिंबिचारि॥

॥ चौपाई॥

गुणातीतसचराचरस्वामी॥ रामउमासबअन्तरजामी॥ कामिन्हकेदीनतादेखा ई॥ धीरन्हकेमनबिरतिदृढाई॥ क्रोधमनोजलोभमदमाया॥ छूटहिंसकल रामकीदाया॥ सोनरइन्द्रजालनहिंभूला॥ जापरहोइसोनटअनुकूला॥ उ

माकहैंमैअनुभवअपना ॥ हरिकोभजनसत्यजगसपना ॥ पुनिप्रभुगएसरोवर तीरा ॥ पंपानामसुभगगंभीरा ॥ सन्तहृदयजसनिर्मलवारी ॥ वांधेघाटमनोहरचारी ॥ जहंतहंपिअहिंबिविधमृगनीरा ॥ जनुउदारगृहयाचकभीरा ॥ **

॥ दोहा ॥

पुरइनिसघनओटजल वेगिनपाइयमर्म ॥
मायाछन्नतनदेखिऐ जैसेनिर्गुणब्रह्म ** ॥
सुखीमीनसबएकरस अतिअगाधजलमांहि ॥
यथाधर्मशीलन्हके दिनसुखसंयुतजाहिं * ॥

॥ चौपाई ॥

बिकसेसरसिजनानारंगा ॥ मधुरमुखरगुञ्जतबहुभृङ्गा ॥ वोलतजलकुक्कुटकलहंसा ॥ प्रभुबिलोकिजनुकरतप्रशंसा ॥ चक्रवाकबकखगसमुदाई ॥ देखतबनैबरणिनहिंजाई ॥ सुंदरखगगणगिरासुहाई ॥ जातपथिकजनुलेतबुलाई ॥ तालसमीपमुनिन्हगृहछाए ॥ चहुंदिशिकाननबिटपसुहाए ॥ चंपकबकुलकदंबतमाला ॥ पाटलपनसपलाशरसाला ॥ नवपल्लवकुसुमिततरुनाना ॥ चंचरीकपटलीकरगाना ॥ शीतलमंदसुगंधसुहाऊ ॥ सन्ततबहैमनोहरबाऊ ॥ कुहूंकुहूंकोकिलपिकधुनिकरहीं ॥ सुनिरवसरसध्यानमुनिटरहीं ॥ **

॥ दोहा ॥

फूलेफलेबिटपसब रहेभूमिनिअराइ **** ॥
परउपकारीपुरुषजिमि नवहिंसुसंपतिपाइ ॥

॥ चौपाई ॥

देखिरामअतिरुचिरतलावा॥ मज्जनकीन्हपरमसुखपावा॥ देखासुंदरतरुवरछाया॥ बैठेअनुजसहितरघुराया॥ तहंपुनिसकलदेवमुनिआए॥ अस्तुतिकरिनिजधामसिधाए॥ बैठेपरमप्रसन्नकृपाला॥ कहतअनुजसनकथारसाला॥ बिरहवंतभगवंतहिदेखी॥ नारदमनभासोचबिशेषी॥ मोरश्रापकरिअंगीकारा॥ सहतरामनानादुखभारा॥ ऐसेप्रभुहिबिलोकौंजाई॥ पुनिनबनिहिअसअवसरआई॥ यहबिचारिनारदकरबीना॥ गएजहांप्रभुसुखआसीना॥ गावतरामचरितमृदुबानी॥ प्रेमसहितबहुभांतिबखानी॥ करतदंडवतलिएउठाई॥ राखेबडीबारउरलाई॥ स्वागतपूछिनिकटबैठारे॥ लक्ष्मणसादरचरणपखारे॥ **** ॥दोहा॥ ******

नानाबिधिबिनतीकरि प्रभुप्रसन्नजियजानि॥
नारदबोलेबचनतब जोरिसरोरुहपाणि **॥

॥चौपाई॥

सुनहुउदारपरमरघुनायक॥ सुंदरअगमसुगमबरदायक॥ देहुएकबरमांगौंस्वामी॥ यद्यपिजानहुअंतरजामी॥ जानहुमुनितुममोरसुभाऊ॥ जनसनकबहुंकिकरौंदुराऊ॥ कवनबस्तुअसप्रियमोहिलागी॥ जोमुनिवरनसकहुतुममागी॥ जनकहंकछुअदेयनहिमोरे॥ असबिश्वासतजहुजनिभोरे॥ तबनारदबोलेहरषाई॥ असबरमागौंकरौंढिठाई॥ यद्यपिप्रभुकेनामअनेका॥ श्रुतिकहअधिकएकतेएका॥ रामसकलनामन्हतेअधिका॥ होउनाथअघखगगणबधिका॥ *** ॥दोहा॥ *****

राकारजनीभक्तितव रामनामसोइसोम *॥

ञ्चपरनामञ्जगणविमल बसज्ञभक्तउरब्योम॥
एवमस्तुमुनिसनकहेउ कृपासिंधुरघुनाथ॥
अबनारदमनहर्षअति प्रभुपदनाएउमाथ॥

॥ चौपाई ॥

अतिप्रसन्नरघुनाथहिजानी ॥ पुनिनारदबोलेमृदुवाणी ॥ रामजबहिंप्रेरेउ निजमाया ॥ मोहेउमोहिसुनउरघुराया ॥ तबबिबाहचाहौंमैंकीन्हा ॥ प्रभु केहिकारणकरैनदीन्हा ॥ सुनुमुनितोहिकहौंसहरोसा ॥ भजहिंजेमोहितजि सकलभरोसा ॥ करौंसदातिन्हकेरखवारी ॥ जिमिबालकहिंराखुमहतारी ॥ गहिशिशुबच्छअनलअहिधाई ॥ तहँराखैंजननीअरगाई ॥ प्रौढभएतेहिसुत परमाता ॥ प्रीतिकरैनहिपाछिलबाता ॥ मोरेप्रौढतनयसमज्ञानी ॥ बालक सुतसमदासअमानी ॥ जनहिमोरबलनिजबलताही ॥ दुउकहँकामक्रोधरि पुआही ॥ यहबिचारिपंडितमोहिभजहीं ॥ पाएउंज्ञानभक्तिनहितजहीं ॥

॥ दोहा ॥

कामक्रोधलोभादिमद प्रबलमोहकैधारि॥
तिन्हमहँअतिदारुणदुखद मायारूपीनारि॥

॥ चौपाई ॥

सुनुमुनिकहपुराणश्रुतिसंता ॥ मोहबिपिनकहँनारिबसंता ॥ जपतपनेमजला श्रयझारी ॥ होइग्रिषमसोषैसबनारी ॥ कामक्रोधमदमत्सरभेका ॥ इन्हहि हर्षप्रदबरषाएका ॥ दुर्बासनाकुमुदसमुदाई ॥ तिन्हकहँशरदसदासुखदा ई ॥ धर्मसकलसरसीरुहवृन्दा ॥ होइहिमतिन्हहिदैनिदुखमंदा ॥ पुनिमम

तजबासवकुताई ॥ पलुहैनारिशिशिरऋतुपाई ॥ पापउलूकनिकरसुख
कारी ॥ नारिनिविडरजनीअंधिआरी ॥ बुधिबलशीलसत्यसबमीना॥ बनशीस
मत्रियकहहिंप्रवीना ॥ ॥ दोहा ॥

अवगुणमूलशूलप्रद प्रमदासबदुखखानि ॥
तातेकीन्हिनिवारण मुनिमैयहजियजानि ॥

॥ चौपाई ॥

सुनिरघुपतिकेबचनसुहाये ॥ मुनितनपुलकिनयनभरिआये॥ कहहुकव
नप्रभुकेअसरीती ॥ सेवकपरममताअतिप्रीती ॥ जेनभजहिंअसप्रभुभ्रमत्यागी
॥ ज्ञानरंकमतिमंदअभागी ॥ पुनिसादरबोलेमुनिनारद ॥ सुनहुरामविज्ञा
नविशारद ॥ संतन्हकेलक्षणरघुवीरा ॥ कहहुनाथभंजनभवभीरा ॥ सुनुमु
निसंतनकेगुणकहऊं ॥ जेहितेमैउन्हकेबशरहऊं ॥ षटविकारतजिअनघअ
कामा ॥ अकलअकिंचनशुचिसुखधामा ॥ अमितबोधपरमारथभोगी ॥ सत्य
सारकविकोविदयोगी ॥ सावधानमानदमदहीना ॥ धीरधर्मगतिपरमप्रवीना
॥ ॥ दोहा ॥

गुणागारसंसारदुख रहितविगतसंदेह ॥
तजिममचरणसरोजप्रिय तिन्हकहंदेहनगेह ॥

॥ चौपाई ॥

निजगुणसुनतश्रवणसकुचाहीं॥ परगुणसुनतअधिकहर्षाहीं ॥ समशीतलन
हित्यागहिंनीती ॥ सरलसुभावसबहिसनप्रीती ॥ जपतपव्रतदमसंयमनेमा ॥
गुरुगोविंदविप्रपदप्रेमा ॥ श्रद्धाक्षमामइत्रीदाया ॥ मुदिताममपदप्रीतिअमा

या ॥ विरतिविबेकविनयविज्ञाना ॥ बोधयथारथबेदपुराणा ॥ दंभमानमदकर हिंनकाऊ ॥ भूलिनदेहिंकुमारगपाऊ ॥ गावहिंसुनहिंसदाममलीला ॥ हेतु रहितपरहितरतशीला ॥ सुनुमुनिसाधुन्हकेगुणजेते ॥ कहिनशकहिंशारद श्रुतितेते ॥ * * * * ॥ छंद ॥ ** * * **

कहिशकनशारदशेषनारदसुनतपदपंकजगहे ॥ * ॥ असदी
नबंधुकृपालअपनेभक्तगुणनिजमुखकहे ॥ * ॥ शिरनाइबारहि
बारचरणन्हब्रह्मपुरनारदगये ॥ * ॥ तेधन्यतुलशीदासआशबि
हाइजेहरिरंगरये ॥ * ॥ ** ॥ दोहा ॥ ●●●● ●●●●

रावणारियशपावन गावहिंसुनहिंजेलोग ** ॥
रामभक्तिदृढपावहीं बिनुविरागजपयोग ** ॥
दीपशिखासमयुवतिजन मनजनिहोसिपतंग ॥
भजहिंरामतजिकाममद करहिंसदासतसंग ॥

इतिश्रीरामचरितमानसेसकलकलिकलुषबिध्वंसनेविमलबैराग्यसंपादिनोनाम तृतीयः सोपानः समाप्तः ॥ शुभमस्तु ॥ सिद्धिरस्तु ॥

॥ श्रीगणेशायनमः ॥

॥ सोरठा ॥

मुक्तिजन्ममहिजानि ज्ञानखानिअघहानिकर ॥
जहँबसशंभुभवानि सोकाशीसेइयकिन ॥ १ ॥
जरतसकलसुरबृन्द बिषमगरलजेहिपानकिय ॥
तेहिनभजसिमतिमन्द कोकृपालशंकरसरिस ॥

॥ चौपाई ॥

आगेंचलेबहुरिरघुराई ॥ ऋष्यमूकपर्वतनियराई ॥ तहँरहसचिवसहित सुग्रीवा ॥ आवतदेखिअतुलबलसींवा ॥ अतिसभीतकहसुनुहनुमाना ॥ पुरुष युगलबलरूपनिधाना ॥ धरिबटुरूपदेखुतैंजाई ॥ कहेसिमोहिजियसैनबुझा ई ॥ पठवाबालिहोइमनमैला ॥ भागौंतुरतत्यजौंयहशैला ॥ बिप्ररूपधरिक पितहँगयऊ ॥ माथनाइपूछतअसभयऊ ॥ कोतुमश्यामलगौरशरीरा ॥ क्षत्री रूपफिरहुबनबीरा ॥ कठिनभूमिकोमलपदगामी ॥ कवनहेतुबनबिचरहुस्वा मी ॥ मृदुलमनोहरसुन्दरगाता ॥ सहतदुसहबनआतपबाता ॥ कीतुमतीनि देवमहँकोऊ ॥ नरनारायणकीतुमदोऊ ॥ ॥ दोहा ॥

जगकारणतारणभवहिं भंजनधरणीभार॥
कैतुमअखिलभुवनपति लीन्हमनुजअवतार॥

॥ चौपाई ॥

कोशलेश दशरथकेजाये॥ हमपितुवचनमानिबनआये॥ रामनामलक्ष्मणदो उभाई॥ संगनारिसुकुमारिसुहाई॥ इहांहरीनिश्चरवैदेही॥ खोजतवि प्रफिरहिंहमतेही॥ आपनचरितकहाहमगाई॥ कहहुबिप्रनिजकथाबुझाई॥ प्रभुपहिचानिपरेगहिचरणा॥ सोसुखउमाजाइनहिवरणा॥ पुलकिततन मुखआवनबचना॥ देखतरुचिरबेषकैरचना॥ पुनिधीरजधरिअस्तुतिकीन्हा॥ हर्षहृदयनिजनाथहिचीन्हा॥ मैंअजानहोंएपूछासांई॥ तुमकसपूछहु नरकीनाई॥ तवमायावशफिरैंभुलाना॥ तातेनहिप्रभुपदपहिचाना॥ * * *

॥ दोहा ॥

एकमंदमैंमोहवश कीसहृदयअज्ञान *॥
पुनिप्रभुमोहिविसारेहु दीनबंधुभगवान॥

॥ चौपाई ॥

यदपिनाथबहुअवगुणमोरे॥ सेवकप्रभुहिपरैनहिभोरे॥ नाथजीवतवमाया मोहू॥ सोनिस्तरैतुम्हारेछोहू॥ तापरमैंरघुवीरदोहाई॥ जानौंनहिंकछुभ जनउपाई॥ सेवकसुतपितुमातुभरोसे॥ रहैअसोचबनैप्रभुपोसे॥ असकहि चरणपरेअकुलाई॥ निजतनप्रगटप्रीतिउरछाई॥ तवरघुपतिउठाइउरला ये॥ निजलोचनजलसींचिजुडाये॥ सुनुकपिजियजनिमानसिऊना॥ तैंमम प्रियलक्ष्मणतेंदूना॥ समदरशीमोहिकहसबकोई॥ सेवकप्रियअनन्यगति

होई ॥ ॥ दोहा ॥

सोअनन्यअसजाहिकै मतिनटरैहनुवंत ॥

मैसेवकसचराचर रूपराशिभगवंत ॥

॥ चौपाई ॥

देखिपवनसुतपतिअनुकूला ॥ हृदयहर्षबीतीसबशूला ॥ नाथशैलपरकपिप-
तिरहई ॥ सोसुग्रीवदासतवअहई ॥ तासननाथमइत्रीकीजे ॥ दीनजानितेहि
अभयकरीजै ॥ सोसीताकरखोजकराइहि ॥ जहँतहँमरकटकोटिपठाइहि ॥
यहिविधिसकलकथासमुझाई ॥ लियेदोउजनपीठचढाई ॥ जबसुग्रीवरामक-
हंदेखा ॥ अतिशयजन्मधन्यकरिलेखा ॥ सादरमिलेनाइपदमाथा ॥ भेंटेअनु-
जसहितरघुनाथा ॥ कपिकेमनविचारयहरीती ॥ करिहहिंविधिमोसनयेप्रीती ॥

॥ दोहा ॥

तबहनुमन्तउभयदिशि कहिसबकथाबुझाइ ॥

पावकसाखीदेइकरि जोरीप्रीतिदृढाइ ॥

॥ चौपाई ॥

कीन्हप्रीतिकछुबीचनराखा ॥ लक्ष्मणरामचरितसबभाखा ॥ कहसुग्रीवनयन
भरिवारी ॥ मिलिहिनाथमिथिलेशकुमारी ॥ मंत्रिनसहितइहांएकबारा ॥ बैठ
रहेउंकछुकरतविचारा ॥ गगनपंथदेखीमैजाता ॥ परबशपरीबहुतबिलखाता ॥
रामराम हा रामपुकारी ॥ हमहिदेखिदीन्हपटडारी ॥ मांगारामतुरतसोदीन्हा ॥
पटउरलाइसोचअतिकीन्हा ॥ कहसुग्रीवसुनहुरघुवीरा ॥ तजहुसोचमनआ-
नहुधीरा ॥ सबप्रकारकरिहौंसेवकाई ॥ जेहिविधिमिलहिंजानकीआई ॥

॥ दोहा ॥

सखावचनसुनिहरषे रघुपतिकहजासीव॥
कारणकवनवसहुवन मोसनकहहुसुग्रीव॥

॥ चौपाई ॥

नाथवालिअरुमैदोभाई ॥ प्रीतिरहीकछुवरणिनजाई ॥ दुन्दुभिसुतमयाबितेहिनाऊं॥ आवासोप्रभुहमरेगाऊं॥ अर्द्धरातिपुरद्वारपुकारा॥ वालिऊरिपुवलसहैनपारा॥ धावावालिदेखिसोभागा॥ मैपुनिगयउंबंधुसंगलागा॥ गिरिवरगुहापैठुसोधाई॥वालिमोहिनवकहाबुझाई॥ परखेऊमोहिएकपखवारा॥ नहिआवौंतौजानेऊमारा॥ मांसदिवसतहंरहेउंखरारी॥ निसराऊधिरधारतहंभारी॥ तबमैनिजमनकीन्हविचारा॥ जानातिन्हबान्धवकहंमारा॥ वालिहतेसिमोहिमारिहिआई॥ शिलाद्वारदेचलेउंपराई॥ मंत्रिन्हपुरदेखाबिनुसांई॥ दीन्हेउराजमोहिवरिआंई॥ वालिताहिमारिगृहआवा॥ देखिमोहिजियभेदबढावा॥ रिपुसमानमोहिमारेसिमारी॥ हरिलीन्हेसिसर्वसअरुनारी॥ ताकेभयरघुवीरकृपाला॥सकलभुवनमैफिरेउंबिहाला॥ इहांआपबसआवतनाही॥ तदपिसभीनरहैंमनमांही॥ सुनिसेवकदुखदीनदयाला॥ फरकिउठेदोउभुजाबिशाला॥ ॥ दोहा ॥

सुनुसुग्रीवमैमारिहैं वालिहिएकहिवाण॥
ब्रह्मरुद्रशरणागतऊ गएनउबरहिंप्राण॥

॥ चौपाई ॥

जेनमित्रदुखहोहिंदुखारी॥ तिन्हैविलोकतपातकभारी॥ निजदुखगिरिसम

रजकरिजाना॥ मित्रकदुखरजमेरुसमाना॥ जिन्हकेंअसिमतिसहजनआई॥ ते
सठकतहठिकरतमिताई॥ कुपथनिवारिसुपंथचलावा॥ गुनप्रगटैअवगुनन्हि
दुरावा॥ देतलेतमनसंकनधरहीं॥ बलअनुमानसदाहितकरहीं॥ विपतिका
लकरसतगुननेहा॥ श्रुतिकहसंतमित्रगुनयेहा॥ आगेंकहमृदुवचनबना
ई॥ पाछेंअनहितमनकुटिलाई॥ जाकरचितअहिगतिसमभाई॥ असकुमि
त्रपरिहरेभलाई॥ सेवकसठनृपकृपनकुनारी॥ कपटीमित्रसूलसमचारी
॥ सखासोचत्यागहुबलमोरे॥ सबबिधिघटबकाजमैंतोरे॥ कहसुग्रीवसुनौ
रघुबीरा॥ बालिमहाबलअतिरनधीरा॥ दुंदुभिअस्थितालदेखराये॥ बिनुप्र
यासरघुनाथढहाये॥ देखिअमितबलबाढीप्रीती॥ बालिबधबइन्हभइपरतीती
॥ बारहिबारनावइपदसीसा॥ प्रभुहिजानिमनहरषकपीसा॥ उपजाज्ञानब
चनतबबोला॥ नाथकृपामनभयउअलोला॥ सुखसंपतिपरिवारबडाई॥ सब
परिहरिकरिहौंसेवकाई॥ येसबरामभक्तिकेबाधक॥ कहहिंसंततवपदअवरा
धक॥ शत्रुमित्रसुखदुखजगमाहीं॥ मायाकृतपरमारथनाहीं॥ बालिपरमहि
तजासुप्रसादा॥ मिलेहुरामतुमसमनविषादा॥ सपनेंजेहिसनहोइलराई
॥ जागेसमुझतमनकदराई॥ अबप्रभुकृपाकरहुयहिभांती॥ सबतजिभजनक
रौंदिनराती॥ सुनिबिरागसंजुतकपिबानी॥ बोलेबिहंसिरामधनुपानी॥ जोक
छुकहेउसत्यसबसोई॥ सखावचनममम्रृषानहोई॥ नटमरकटइवसबहि
नचावत॥ रामखगेसबेदअसगावत॥ लैसुग्रीवसंगरघुनाथा॥ चलेचापसाय
कगहिहाथा॥ तबरघुपतिसुग्रीवपठावा॥ गर्जेसिजाइनिकटबलपावा॥ सुन
तबालिक्रोधातुरधावा॥ गहिकरचरननारिसमुझावा॥ सुनुपतिजिन्हहि

मिलासुग्रीवा ॥ तेदोऊबंधुतेजबलसीवा ॥ कोशलेशसुतलक्ष्मणरामा ॥ कालऊजीतिशकहिसंग्रामा ॥ *\~* ॥ दोहा ॥ *\~*\~*\~*\~*

कहावालिसुनुभीरुप्रिय समदरशीरघुनाथ ॥
जौंकदापिमोहिमारिहैं तौपुनिहोवसनाथ * ॥

॥ चौपाई ॥

असकहिचलामहाअभिमानी ॥ तृणसमानसुग्रीवहिंजानी ॥ भीरेउभयवालि तवतर्जा ॥ मुष्टिकमारिमहाधुनिगर्जा ॥ तबसुग्रीवविकलहोइभागा ॥ मुष्टिप्रहारवज्रसमलागा ॥ मैजोकहारघुवीरकृपाला ॥ बंधुनहोइमोरयहकाला ॥ एकरूपतुमभ्राताटोऊ ॥ तेहिभ्रमतेनहिमारेउंसोऊ ॥ करपरसासुग्रीवशरीरा ॥ तनभाकुलिशगईसबपीरा ॥ मेलेकंठसुमनकैमाला ॥ पठवापुनिबलदेइविशाला ॥ पुनिनानाविधिभईलराई ॥ बिटपवोटदेखहिंरघुराई ॥ ●●●

\~\~**\~** ॥ दोहा ॥ **\~*\~*\~*\~**

बहुछलबलसुग्रीवकरि हियहारिभयमानि ॥
मारावालिहिरामतब हृदयमांझसरतानि ●●● ॥

॥ चौपाई ॥

पराबिकलमहिशरकेलागें ॥ पुनिउठिबैठदेखुप्रभुआगें ॥ श्यामगातसिरजटाबनाए ॥ अरुणनयनशरचापचढाए ॥ पुनिपुनिचितैचरणचितदीन्हे ॥ सुफलजन्ममानाप्रभुचीन्हे ॥ हृदयप्रीतिमुखवचनकठोरा ॥ बोलाचितैरामकीओरा ॥ धर्महेतुअवतरेऊगोसांई ॥ मारेऊमोहिब्याधाकीनाई ॥ मैबैरीसुग्रीवपिआरा ॥ कारणकवननाथमोहिमारा ॥ अनुजबधूभगिनीसुतनारी ॥ सुनुशठकंये

कन्यासमचारी ॥ इन्हहिकुदृष्टिबिलोकैजोई ॥ ताहिबधेकछुपापनहोई ॥ मूढतो
हिअतिशयअभिमाना ॥ नारिशिखावनकरसिनकाना ॥ ममभुजबलआश्रिततेहि
जानी ॥ माराचहसिअधमअभिमानी ॥ *——* ॥ दोहा ॥ *——*——*

सुनहुरामस्वामीसन चलनचातुरीमोरि ॥
प्रभुअजहूंमैंपापी अंतकालगतितोरि ॥

॥ चौपाई ॥

सुनतरामअतिकोमलबानी ॥ बालिसीसपरसेउनिजपानी ॥ अचलकरौंतनरा
खहुप्राना ॥ बालिकहासुनुकृपानिधाना ॥ जन्मजन्ममुनिजतनकराहीं ॥ अंतरा
मकहिआवतनाहीं ॥ जासुनामबलशंकरकाशी ॥ देतसबहिसमगतिअबिना
शी ॥ ममलोचनगोचरसोइआवा ॥ बहुरिकिअसप्रभुबनिहिबनावा ॥ ●●●

————*——** ॥ छंद ॥ *——*——*——*

सोनयनगोचरजासुगुननितनेतिकहिश्रुतिगावहीं ॥ ● ॥ जि
तिपवनमनगोनिरसकरिमुनिध्यानकबहुंकपावहीं ॥ ● ॥ मोहि
जानिअतिअभिमानबसप्रभुकहेउराखुसरीरही ॥ ● ॥ असकवन
सठहठिकाटिसुरतरुबारिकरिहिबबूरही ॥ ● ॥ अबनाथकरिक
रुणाबिलोकहुदेहुजोबरमांगऊं ॥ ● ॥ जेहियोनिजन्मौंकर्म
बसतहंरामपदअनुरागऊं ॥ ● ॥ यहतनयममसमबिनयबल
कल्याणप्रदप्रभुलीजियै ॥ ● ॥ गहिबांहसुरनरनाहआपनदास
अंगदकीजियै ॥ *——* ॥ दोहा ॥ **——*——**

रामचरणदृढप्रीतिकरि बालिकीन्हतनत्याग ॥

सुमनमालजिमिकंठतें गिरतनजानैनाग॥

॥ चौपाई॥

रामबालिनिजधामपठावा॥ नगरलोगसबब्याकुलधावा॥ नानाविधविलापकरतारा॥ छूटेकेशनदेहसंभारा॥ ताराविकलदेखिरघुराया॥ दीन्हज्ञानहरिलीन्हीमाया॥ क्षितिजलपावकगगनसमीरा॥ पंचरचितयहअधमशरीरा॥ प्रगटसोतनुतवआगेंसोवा॥ जीवनित्यतुमकेहिलगिरोवा॥ उपजाज्ञानचरणतबलागी॥ लीन्हेसिपरमभक्तिवरमांगी॥ उमादारुयोषितकीनाईं॥ सबहिनचावतरामगोसाईं॥ तबसुग्रीवहिंआयसुदीन्हा॥ मृतककर्मविधिवतसबकीन्हा॥ रामकहाअनुजहिंसमुझाई॥ राजदेहुसुग्रीवहिंजाई॥ रघुपतिचरणनाइकरिमाथा॥ चलेसकलप्रेरितरघुनाथा॥ ॥ दोहा॥

लक्ष्मणतुरतबुलाये पुरजनविप्रसमाज॥

राजदीन्हसुग्रीवकहं अंगदकहंयुवराज॥

॥ चौपाई॥

उमारामसमहितजगमाहीं॥ गुरुपितुमातुबंधुप्रभुनाहीं॥ सुरनरमुनिसबकेयहरीती॥ स्वारथलागिकरैंसबप्रीती॥ बालित्रासव्याकुलदिनराती॥ तनबहुव्रणचिंताजरछाती॥ सोसुग्रीवकीन्हकपिराऊ॥ अतिकृपालरघुवीरसुभाऊ॥ जानतहूंअसप्रभुपरिहरहीं॥ काहेनविपतिजालनरपरहीं॥ पुनिसुग्रीवहिंलीन्हबुलाई॥ बहुप्रकारनृपनीतिसिखाई॥ कहप्रभुसुनुसुग्रीवहरीशा॥ पुरनजाउंदशचारिवरीशा॥ गतग्रीषमवरषाऋतुआई॥ रहिहौंनिकटशैलपरछाई॥ अंगदसहितकरहुतुमराजू॥ सन्ततहृदयधरहुममकाजू॥

काजू ॥ तबसुग्रीवभवनफिरिआये ॥ रामप्रबर्षणगिरिपरछाये ॥ ****

॥ दोहा ॥

प्रथमहिंदेवनगिरिगुहा राखीरुचिरबनाइ ॥
रामकृपानिधिकछुकदिन बासकरहिंगेआइ ॥

॥ चौपाई ॥

सुंदरबनकुसुमितअतिशोभा ॥ गुञ्जतचंचरीकमधुलोभा ॥ कन्दमूलफलअतिहिसुहाये ॥ भयेबहुतजबतेंप्रभुआये ॥ देखिमनोहरशैलअनूपा ॥ रहेतहंअनुजसहितसुरभूपा ॥ मंगलरूपभएबनतबते ॥ कीन्हनिवासरमापतिजबते ॥ मधुकरखगमृगतनधरिदेवा ॥ करहिंसिद्धमुनिप्रभुकैसेवा ॥ फटिकशिलाअतिसुभ्रसुहाई ॥ सुखआसीनतहांदोउभाई ॥ कहतअनुजसनकथाअनेका ॥ भक्तिबिरतिनृपनीतिबिबेका ॥ बरषाकालमेघनभछाये ॥ गरजतलागतपरमसुहाये ॥

॥ दोहा ॥

लछिमनदेखहुमोरगण नाचतबारिदपेखि ॥
गृहीबिरतिरतहर्षजस विष्णुभक्तकहंदेखि ॥

॥ चौपाई ॥

घनघमंडनभगरजतघोरा ॥ प्रियाहीनडरपतमनमोरा ॥ दामिनिदमकिरहैघनमाहीं ॥ खलकैप्रीतियथाथिरनाहीं ॥ बरषहिंजलदभूमिनिअराये ॥ यथानवहिंबुधबिद्यापाये ॥ बुन्दअघातसहैगिरिकैसे ॥ खलकेबचनसन्तसहजैसे ॥ क्षुद्रनदीभरिचलिउतराई ॥ जसथोरेधनखलबौराई ॥ भूमिपरतभाढाबरपानी ॥ जिमिजीवहिमायालपटानी ॥ सिमिटिसिमिटिजलभरैतलावा ॥ जिमिसद्गु

सासबजनपहंआवा॥ सरितासबजलमिलिनिधिमहंजाई॥ होइअचलजिमिजिवजन हरिपाई॥ ॥ दोहा ॥

हरितभूमितृणसंकुल समुझिपरैनहिंपंथ॥
जिमिपाखंडविवादते लुप्तभयेसद्‌ग्रंथ ** ॥

॥ चौपाई ॥

दादुरधुनिचहुंओरसुहाये॥ वेदपढैंजनुवटुसमुदाये॥ नवपल्लवभयेविटपअनेका॥ साधुकमनजसहोइविवेका॥ आकजवासपातविनुभयऊ॥ जससुराज्यखलउद्यमगयऊ॥ खोजतकतहुंमिलैनहिधूरी॥ करैक्रोधजिमिधर्महिदूरी॥ ससिसंपन्नसोहमहिकैसे॥ उपकारीकीसंपतिजैसे॥ निशितमघनखद्योतविराजा॥ जनुदंभिनकरजुरासमाजा॥ महावृष्टिचलिफूटिकियारी॥ जिमिस्वतंत्रहोइबिगरहिंनारी॥ कृषीनिरावहिंचतुरकिसाना॥ जिमिबुधतजहिंमोहमदमाना॥ देखियचक्रवाकखगनाहीं॥ कलिहिपाइजिमिधर्मपराहीं॥ ऊसरवरसैतृणनहिंजामा॥ सन्तहृदयजसउपजनकामा॥ विविधजंतुसंकुलमहिभ्राजा॥ वढैप्रजाजिमिपाइसुराजा॥ जहंतहंपथिकरहेथकिनाना॥ जिमिइन्द्रियगनउपजेज्ञाना॥ ॥ दोहा ॥

कवहुंप्रवलचलमारुत जहंतहंमेघविलाहिं * ॥
जिमिकपूतकुलउपजे सम्पतिधर्मनशांहि * ॥
कवहुंदिवसमहंनिविडतम कवहुंकप्रगटपतंग ॥
उपजैविनशैज्ञानजिमि पाइसुसंगकुसंग *** ॥

॥ चौपाई ॥

वर्षाविगतशरदऋतुआई ॥ देखहुलक्ष्मणपरमसुहाई ॥ फूलेकाशसकल
महिछाई ॥ जनुवर्षाकृतिप्रगटवुढाई ॥ उदितअगस्तपंथजलशोषा ॥ जि
मिलोभहिशोषैसंतोषा ॥ सरितासरजलनिर्मलसोहा ॥ संतहृदयजसगतमद
मोहा ॥ रसरसशोषसरितसरपानी ॥ ममतात्यागकरहिंजिमिज्ञानी ॥ जानि
शरदऋतुखंजनआये ॥ पाइसमयजिमिसुकृतसुहाये ॥ पंकनरेणुसोहअसि
धरणी ॥ नीतिनिपुणनृपकैजसकरणी ॥ जलसंकोचविकलभैमीना ॥ विविध
कुटुम्बीजिमिधनहीना ॥ विनुघननिर्मलसोहअकाशा ॥ जिमिहरिजनपरिहर
सवआशा ॥ कहुंकहुंवृष्टिशारदीथोरी ॥ कोउएकपावभक्तिजिमिमोरी ॥ *

॥ दोहा ॥

चलेहर्षितजिनगरनृप तापसवणिकभिखारि ॥
जिमिहरिभक्तिपाइजन तजहिंआश्रमीचारि ॥

॥ चौपाई ॥

सुखीमीनजहंनीरअगाधा ॥ जिमिहरिशरणनएकौवाधा ॥ फूलेकमलसोह
सरकैसे ॥ निर्गुणब्रह्मसगुणभएजैसे ॥ गुञ्जतमधुकरनिकरअनूपा ॥ सुंदरख
गरवनानारूपा ॥ चक्रवाकमनदुखनिशिपेखी ॥ जिमिदुर्जनपरसंपतिदेखी ॥
चातृकरटततृषाअतिवोही ॥ जिमिसुखलहैनशंकरद्रोही ॥ शरदातपनिशि
शिअपहरई ॥ संतदरशजिमिपातकटरई ॥ देखहिंविधुचकोरसमुदाई ॥
चितवहिंहरिजनहरिजिमिपाई ॥ मशकदंशवीतेहिमत्रासा ॥ जिमिद्विजद्रो
हकियेकुलनाशा ॥ ॥ दोहा ॥

भूमिजीवसंकुलरहे गयेशरदऋतुपाइ ॥

सतगुरुमिलेतेजाहिंजिमि संशयभ्रमसमुदाइ ॥

॥ चौपाई ॥

बर्षागतनिर्मलऋतुआई ॥ सुधिनतातसीताकीपाई ॥ एकबारकैसेज्ञसुधि पावौं ॥ कालज्ञजीतिनिमिषमहंल्यावौं ॥ कतज्ञंरहैजौंजीवतीहोई ॥ तात यतनकरिआनौंसोई ॥ सुग्रीवज्ञंसुधिमोरिबिसारी ॥ पावाराजकोशपुरना री ॥ जेहिशायकमैमाराबाली ॥ तेहिशररहतेंमूढकहंकाली ॥ जासुकृपाछू टैमदमोहा ॥ ताकहंउमाकिसपनेज्ञकोहा ॥ जानहिंयहचरित्रमुनिज्ञानी ॥ जिन्हरघुबीरचरणरतमानी ॥ लक्ष्मणक्रोधवंतप्रभुजाना ॥ धनुषचढाइग हेकरबाना ॥ ॥ दोहा ॥

तबअनुजहिसमुझावा रघुपतिकरुणासींव ॥
भयदेखाइलैआवज्ञ तातसखासुग्रीव ॥

॥ चौपाई ॥

इहांपवनसुतहृदयविचारा ॥ रामकाजसुग्रीवबिसारा ॥ निकटआइचरणन शिरनावा ॥ चारिज्ञविधितेहिकहिसमुझावा ॥ सुनिसुग्रीवपरमभयमाना ॥ विषयमोरहरिलीन्हेउज्ञाना ॥ अबमारुतसुतदूतसमूहा ॥ पठवज्ञजहंतहंवा नरयूहा ॥ कहेज्ञपक्षमहंआवनजोई ॥ मोरेकरताकरवधहोई ॥ तबहनुमं तबलायेदूता ॥ सबकरकरिसनमानबज्ञता ॥ भयअरुप्रीतिनीतिदिखराई ॥ च लेसकलचरणनशिरनाई ॥ तेहिअवसरलक्ष्मणपुरआये ॥ क्रोधदेखिजहंत हंकपिधाये ॥ ॥ दोहा ॥

धनुषचढाइकहातब जारिकरौंपुरक्षार ॥

ब्याकुल नगर देखि तब आयउ बालिकुमार ॥

॥ चौपाई ॥

चरणनाइ शिर विनतीकीन्ही ॥ लछिमन अभयबांहतेहिदीन्ही ॥ क्रोधवंतलछिमनसुनिकाना ॥ कहकपीशअतिभयअकुलाना ॥ सुनुहनुमंतसंगलैतारा ॥ करिविनतीसमुझाउकुमारा ॥ तारासहितजाइहनुमाना ॥ चरणवंदिप्रभुसुयशबखाना ॥ करिविनतीमंदिरलैआए ॥ चरणपखारिपलंगबैठाए ॥ तबकपीशचरणनशिरनावा ॥ गहिभुजलछिमनकंठलगावा ॥ नाथविषयसममदकछुनाहीं ॥ मुनिमनमोहकरैछणमाहीं ॥ सुनतविनीतवचनसुखपावा ॥ लछिमनतेहिबहुविधिसमुझावा ॥ पवनतनयसबकथासुनाई ॥ जेहिविधिगयेदूतसमुदाई ॥ ॥ दोहा ॥

हर्षिचलेसुग्रीवतब अंगदादिकपिसाथ ॥
रामानुजआगेंकियें आएजहंरघुनाथ ॥

॥ चौपाई ॥

नाइचरणशिरकहकरजोरी ॥ नाथमोहिकछुनाहिनखोरी ॥ अतिशयप्रबलदेवतवमाया ॥ छूटैतबहिंकरहुजबदाया ॥ विषयवश्यसुरनरमुनिस्वामी ॥ मैपामरपशुकपिअतिकामी ॥ नारिनयनशरजाहिनलागा ॥ महाघोरनिशिसोनजागा ॥ लोभपाशजेहिगरनवंधाया ॥ सोनरतुमसमानरघुराया ॥ यहगुणसाधनतेनहिंहोई ॥ तुम्हरीकृपापावकोइकोई ॥ तबरघुपतिबोलेमुसुकाई ॥ तुमप्रियमोहिभरतजिमिभाई ॥ अबसोइयतनकरहुमनलाई ॥ जेहिविधिसीताकीसुधिपाई ॥ ॥ दोहा ॥

यहिविधिहोतबतकही आयेबानरयूथ॥
नानावरणअतुलबल देखियकीसवरूथ॥

॥ चौपाई ॥

बानरकटकउमामैदेखा॥ सोमूरखजोकियचहलेखा॥ आइरामपदनावहिंमाथा॥ निरखिवदनसवहोहिंसनाथा॥ असकपिएकनसेनामाहीं॥ रामकुशलपूछाजेहिनाहीं॥ यहनकछुकप्रभुकेअधिकाई॥ विश्वरूपव्यापकरघुराई॥ ठाढेजहंतहंआयसुपाई॥ कहिसुग्रीवसबहिंसमुझाई॥ रामकाजअरुमोरनिहोरा॥ बानरयूथजाहुचहुंवोरा॥ जनकसुताकहंखोजहुजाई॥ माससिदिवसमहंआयेहुभाई॥ अवधिमेटिजोबिनुसुधिपाये॥ अवशिमरिहिसोममकरआये॥ **—*—**॥ दोहा॥ *—*—*—*—*—*

वचनसुनतसबवानर जहंतहंचलेतुरंत॥
तबसुग्रीवबुलाये अंगदादिहनुमंत **॥

॥ चौपाई ॥

सुनहुनीलअंगदहनुमाना॥ जामवंतमतिधीरसुजाना॥ सकलसुभटमिलिदक्षिणजाहू॥ सीतासुधिपूछेहुसबकाहू॥ मनवचक्रमसोयतनविचारेहु॥ रामचंद्रकरकाजसंवारेहु॥ भानुपीठसेइयउरआगी॥ स्वामीसेइयसबछलत्यागी॥ तजिमायासेइयपरलोका॥ मिटैसकलभवसंभवशोका॥ देहधरेकरयहफलभाई॥ भजियरामसबकामविहाई॥ पाछेंपवनतनयशिरनावा॥ जानिकाजप्रभुनिकटबुलावा॥ आयसुमांगिचरणशिरनाई॥ चलेहर्षिसुमिरतरघुराई॥ परसाशीसंसरोरुहपानी॥ करमुद्रिकादीन्हसहिदानी॥ बहुप्रका

रवीमहिंबमुझायेहु ॥ कहि बल बीर बेगि तुम आयेहु ॥ हनुमत जन्म सुफल करि
माना ॥ चले हृदय धरि कृपानिधाना ॥ यद्यपि प्रभु जानत सब बाता ॥ राजनीति
राखत सुरत्राता ॥ **—** ॥ दोहा ॥ *—*—*—*

चले सकल बन खोजत सरिता सर गिरि खोह ॥
राम काज लयलीन मन बिसरा तन कर छोह ॥

॥ चौपाई ॥

कतहुं होइ निसिचर सन भेंटा ॥ प्राण लेहिं एक एक चपेटा ॥ बहु प्रकार गिरि कान
न हेरहिं ॥ कोउ मुनि मिलै ताहि सब घेरहिं ॥ लागि तृषा अतिसय अकुलाने ॥ मि
लै न जल घन गहन भुलाने ॥ मन हनुमान कीन्ह अनुमाना ॥ मरन चहत सब बिनु
जल पाना ॥ चढ़ि गिरि सिखर चहूं दिसि देखा ॥ भूमि बिबर एक कौतुक पेखा ॥ चक्र
बाक बक हंस उड़ाहीं ॥ बहुतक खग प्रविसहिं तेहि माहीं ॥ गिरि ते उतरि पवन
सुत आवा ॥ सब कहं लै सो बिबर दिखावा ॥ आगे करि हनुमंतहि लीन्हा ॥ पैठे बि
बर बिलंब न कीन्हा ॥ **—** ॥ दोहा ॥ *—*—*—*

दीख जाइ उपवन बर सर बिगसित बहु कंज ॥
मंदिर एक रुचिर तहां बैठि नारि तप पुंज ॥

॥ चौपाई ॥

दूरि हि ते तेहि सबन्हि सिर नावा ॥ पूछे सिनिज बृत्तान्त सुनावा ॥ तब तेइ कहा कर
जल पाना ॥ खाऊ सरस सुंदर फल नाना ॥ मज्जन कीन्ह मधुर फल खाये ॥ ता
सु निकट पुनि सब चलि आये ॥ तेहि सब आपनि कथा सुनाई ॥ मैं अब जाब जहां र
घुराई ॥ मूंदहु नयन बिबर तजि जाहू ॥ पैहहु सीतहि जनि पछिताहू ॥ नयन

मूँदि नयन पुनि देखहिं बीरा॥ ठाढ़े सकल सिंधु के तीरा॥ सो पुनि गई जहाँ रघुराई॥ जाइ कमल पद नायउ माथा॥ नाना भाँति बिनय तेइ कीन्ही॥ अनपायनी भक्ति प्रभु दीन्ही॥

॥ दोहा ॥

॥ बदरीबन को सो गई प्रभु आज्ञा धरि सीस॥

॥ उर धरि राम चरन युग जो बंदत अज ईस॥

॥ चौपाई ॥

इहाँ बिचारहिं कपि मन माहीं॥ बीती अवधि काज कछु नाहीं॥ सब मिलि कहहिं परस्पर बाता॥ बिनु सुधि लिये करब का भ्राता॥ कह अंगद लोचन भरि बारी॥ दुहुँ प्रकार भइ मृत्यु हमारी॥ इहाँ न सुधि सीता कर पाई॥ उहाँ गये मारिहि कपिराई॥ पिता बधे पर मारत मोही॥ राखा राम निहोर न ओही॥ पुनि पुनि अंगद कह सब पाहीं॥ मरन भयो कछु संसय नाहीं॥ असकहि लवणसिंधु तट जाई॥ बैठे कपि सब दर्भ डसाई॥ जामवंत अंगद दुख देखी॥ कही कथा उपदेस बिसेषी॥ तात राम कहँ नर जनि मानहु॥ निर्गुण ब्रह्म अजित अज जानहु॥ हम सब सेवक अति बडभागी॥ संतत सगुण ब्रह्म अनुरागी॥

॥ दोहा ॥

निज इच्छा अवतरेउ प्रभु सुर महि द्विज गो लागि॥

सगुण उपासक रहहिं सब मोक्ष सकल सुख त्यागि॥

॥ चौपाई ॥

यहि बिधि कहत कथा बहु भाँती॥ गिरि कंदरा सुनी संपाती॥ बाहिर होइ देखि बहु कीसा॥ मोहि अहार दीन्ह जगदीसा॥ आजु सबहि कहँ भक्षण करऊं॥

दिनबहुचलेअहारबिनुमरऊं॥ कबहुंनमिलभरिउदरअहारा॥ आजुदीन्ह
बिधिएकहिबारा॥ डरपेगृध्रबचनसुनिकाना॥ अबभामरनसत्यहमजा
ना॥ कपिसबउठेगृध्रकहंदेखी॥ जामवंतमनसोचबिशेषी॥ कहबिचारिअंग
दमनमांही॥ धन्यजटायुसरिसकोउनाही॥ रामकाजकारनतनत्यागी॥
हरिपुरगयेउपरमबडभागी॥ सुनिखगहर्षशोकयुतबाणी॥ आवानिकट
कपिन्हभयमानी॥ ताहिदेखिसबभालेपराई॥ ठाढकीन्हतेइशपथदिवाई
॥ तिन्है अभयकरिपूछेसिजाई॥ कथासकलतिन्हताहिसुनाई॥ सुनिसंपा
तिबंधुकीकरणी॥ रघुपतिमहिमाबहुबिधिबरणी॥

॥ दोहा॥

मोहिलैचलहुसिंधुतट देउंतिलांजलिताहि॥
बचनसहायकरबमैं पैहहुखोजहुजाहि॥

॥ चौपाई॥

अनुजक्रियाकरिसागरतीरा॥ कहिनिजकथासुनहुकपिवीरा॥ हमदोउबंधुप्र
थमतरुणाई॥ गगनगयेउंरबिनिकटउडाई॥ तेजनसहिसकसोफिरिआवा
॥ मैंअभिमानीरबिनिअरावा॥ जरेपंखअतितेजअपारा॥ परेउंभूमिकरिघो
रचिकारा॥ मुनिएकनामचंद्रमाओही॥ लागीदयादेखिकरिमोही॥ बहुप्रका
रतिन्हज्ञानसुनावा॥ देहजनितअभिमानछडावा॥ त्रेताब्रह्ममनुजतनुधरि
हैं॥ तासुनारिनिशिचरपतिहरिहैं॥ ताहिखोजपठउबप्रभुदूता॥ तिन्हैमिले
तुमहोबपुनीता॥ जमिहहिंपंखकरसिजनिचिंता॥ तिन्हैदेखाइदेबमैंसीता॥
मुनिकैगिरासत्यभइआजू॥ सुनिममबचनकरहुप्रभुकाजू॥ गिरित्रिकूटऊप

रवसलंका॥ तहंरहरावणसहजअशंका॥ तहांअशोकवाटिकाअहई॥ सीयबैठितहंसोचतिरहई॥ ** ॥दोहा॥ ****

मैदेखौंतुमनाहिन गृध्रहिदृष्टिअपार **॥
बूढभयेंनततोकरितेउं कछुकसहायतुम्हार॥

॥चौपाई॥

जोलांघैशतयोजनसागर॥ करैसोरामकाजअतिआगर॥ जोकोइकरैरामकरकाजू॥ तेहिसमधन्यआननहिआजू॥ मोहिबिलोकिधरहुमनधीरा॥ रामकृपाकसभयेउशरीरा॥ पापिउजाकरनामसुमिरहीं॥ अतिअपार भवसागरतरहीं॥ तासुदूततुमतजिकदराई॥ रामहृदयधरिकरहुउपाई॥ असकहिउमागृध्रजवगयेऊ॥ सबकेमनअतिविस्मयभयेऊ॥ निजनिजबलसवकाहूभाषा॥ पारजानकरसंशयराखा॥ जरठभयेउंअवकहेउऋक्षेसा॥ नहितनरहाप्रथमबललेसा॥ जवहित्रिविक्रमभयेखरारी॥ तवमैतरुणरहाबलभारी॥

॥दोहा॥

बलिबांधतप्रभुबाढेऊ सोतनुवरणिनजाइ॥
उभयघरीमहंदीन्हमै सातप्रदक्षिणधाइ॥

॥चौपाई॥

अंगदकहाजाउंमैपारा॥ जियसंशयकछुफिरतीवारा॥ जामवंतकहतुमसबलायक॥ किमिपठवौंसवहीकरनायक॥ कहाऋक्षपतिसुनुहनुमाना॥ काचुपसाधिरहाबलवाना॥ पवननतनयबलपवनसमाना॥ बुधिविवेकविज्ञाननिधाना॥ कौनसोकाजकठिनजगमांही॥ जोनहितातहोइतुमपांही॥ रामकाज

लगितवश्रवतारा ॥ सुनिकपिभयेउपर्वताकारा ॥ कनकवरणतनतेजविराजा ॥ मानउं अपरगिरन्हकरराजा ॥ सिंहनादकरिवारहिंवारा ॥ लीलहिंनाघैंजलनिधिखारा ॥ सहितसहायरावणहिमारी ॥ आनैंइहांत्रिकूटउपारी ॥ जामवंतमैंपूछौंतोही ॥ उचितशिखापनदीजैमोही ॥ इतनाकरेउतातनुम जाई ॥ सीतहिदेखिकहौसुधिआई ॥ तवनिजभुजबलराजिवनयना ॥ कौतुकलागिसंगकपिसयना ॥ *—*॥ छंद ॥ *—*—*—*

कपिसेनसंगसंहारिनिशिचररामसीतहिआनिहैं ॥ * ॥ त्रयलोक

पावनसुयशसुरमुनिनारदादिवखानिहैं ॥ * ॥ जोसुनतगावत

कहतसमुझतपरमपदनरपावहीं ॥ * ॥ रघुवीरपदपाथोजमधु

करदासतुलसीगावहीं ॥ * ॥ * ॥ दोहा ॥ **—*—**

भवभेषजरघुनाथयश सुनैजोनरअरुनारि ॥

तिनकरसकलमनोरथ सिद्धकरहिंत्रिपुरारि ॥

——*—* ॥ सोरठा ॥ *—*—*—*—*

नीलोत्पलतनश्याम काममकोटिशोभाअधिक ** ॥

सुनियतासुगुणग्राम जासुनामअघखगवधिक ॥

इतिश्रीरामचरितमानसेसकलिकलुषविध्वंसनेविमलवैराग्यसंपादिनोनामचतुर्थः सोपानः समाप्तः शुभमस्तु ॥ सिद्धिरस्तु ॥

॥ * ॥ श्रीगणेशायनमः ॥ * ॥

॥ चौपाई ॥

जामवन्तकेबचनसुहाये॥ सुनिहनुमानहृदयअतिभाये॥ तबलगिमोहिपरेखे
हुभाई॥ सहिदुखकन्दमूलफलखाई॥ जबलगिआवौंसीतहिदेखी ॥ होइ
काजमनहर्षविशेषी॥ असकहिनाइसबनिकहंमाथा॥ चलेउहर्षिहियधरिर
घुनाथा॥ सिंधुतीरएकसुन्दरभूधर॥ कौतुककूदिचढेतेहिऊपर॥ बारबारर
घुबीरसंभारी॥ तरकेउपवनतनयबलभारी॥ जेहिगिरिचरणदेइहनुमन्ता॥
सोचलिगयोपतालतुरन्ता॥ जिमिअमोघरघुपतिकेबाना॥ ताहीभांतिचलाह
नुमाना॥ जलनिधिरघुपतिदूतबिचारी॥ तेमैनाकभयोश्रमहारी * * * *

॥ दोहा ॥

हनूमानतेहिपरसिकर पुनितेहिकीन्हप्रणाम॥
रामकाजकीन्हेबिना मोहिकहांबिश्राम * * ॥

॥ चौपाई ॥

जातपवनसुतदेवनदेखा॥ जानैकहंबलबुद्धिबिशेषा॥ सुरसानामअहिनकैमा
ता॥ पठयन्हआइकहीतेबाता॥ आजुसुरनमोहिदीन्हअहारा॥ सुनिहंसि
बोलापवनकुमारा॥ रामकाजकरिफिरिमैआवौं॥ सीताकरसुधिप्रभुहिसुनावौं

तबतवबदनपैठिहौंआई ॥ सत्यकहौंमोहिजानदेमाई ॥ कवनिहुंजतनदेइ
नहिंजाना ॥ ग्रससिनमोहिकहाहनुमाना ॥ योजनभरितेइंबदनपसारा ॥ कपि
तनकीन्हदुगुणबिस्तारा ॥ सोरहयोजनमुखतेइंठयऊ ॥ तुरतपवनसुतबत्ति
सभयऊ ॥ जसजससुरसाबदनबढ़ावा ॥ तासुदुगुणकपिरूपदिखावा ॥ श
तयोजनतेइंआननकीन्हा ॥ अतिलघुरूपपवनसुतलीन्हा ॥ बदनपैठिपुनिबा
हरआवा ॥ मांगीबिदाताहिशिरनावा ॥ मोहिसुरन्हजेहिलागिपठावा ॥ बुधि
बलमर्मतोरमैंपावा ॥ * * ॥ दोहा ॥ * * * *

रामकाजसबकरिहौ ॥ तुमबलबुद्धिनिधान ॥
आशिषदैसुरसाचली ॥ हर्षिचलेहनुमान ॥

॥ चौपाई ॥

निशिचरिएकसिंधुमहंरहई ॥ करिमायानभकेखगगहई ॥ जीवजन्तुजेगगनउ
ड़ाहीं ॥ जलबिलोकितिनकैपरिछाहीं ॥ गहैछांहसकसोनउड़ाई ॥ यहिबि
धिसदागगनचरखाई ॥ सोइछलहनूमानकहंकीन्हा ॥ तासुकपटकपितुरत
हिंचीन्हा ॥ ताहिमारिमारुतसुतबीरा ॥ बारिधिपारगयउमतिधीरा ॥ तहांजा
इदेखाबनशोभा ॥ गुंजतचंचरीकमधुलोभा ॥ नानातरुफलफूलसुहाये ॥ ख
गमृगवृन्ददेखिमनभाये ॥ शैलविशालदेखिएकआगे ॥ तापरधाइचढ़ेउभयत्या
गे ॥ उमानकछुकपिकीअधिकाई ॥ प्रभुप्रतापजोकालहिखाई ॥ गिरिपरच
ढ़िलंकातेइंदेखी ॥ कहिनजाइअतिदुर्गविशेषी ॥ अतिउतंगजलनिधिचहुंपा
सा ॥ कनककोटकरपरमप्रकाशा ॥ * * ॥ छन्द ॥ * * * *

कनककोटविचित्रमणिकृतसुन्दरायतनाघना ॥ * ॥ चौहट्ट

हट्टसुहट्टबीथीचारुपुरबहुविधिबना ॥ * ॥ गजबाजिखच्चर
निकरपदचररथवरूथन्हिकोगनै ॥ * ॥ बहुरूपनिसिचरजूथअ
तिबलसेनवरनतनहिबनै ॥ * ॥ बनबागउपबनबाटिकासरकूप
बापीसोहहीं ॥ * ॥ नरनागसुरगंधर्बकन्यारूपमुनिमनमोहहीं
॥ * ॥ कहुंमालदेहबिसालसैलसमानअतिबलगर्जहीं ॥ * ॥
नानाअखारेन्हभिरहिंबहुबिधिएकएकन्हतर्जहीं ॥ * ॥ करिज
तनभटकोटिन्हबिकटतननगरचहुंदिसिरच्छहीं ॥ * ॥ कहुं
महिषमानुषधेनुखरअजखलनिसाचरभच्छहीं ॥ * ॥ एहिलागि
तुलसीदासइन्हकीकथाकछुएकहैकही ॥ * ॥ रघुबीरसरतीरथ
सरीरन्हित्यागिगतिपैहहिंसही ॥ * ॥ दोहा ॥ * ॥

पुररखवारेदेखिबहु कपिमनकीन्हबिचार ॥
अतिलघुरूपधरौंनिसि नगरकरौंपइसार ॥ * ॥

॥ चौपाई ॥

मसकसमानरूपकपिधरी ॥ लंकाचलेउसुमिरिनरहरी ॥ नामलंकिनीएकनिसिच
री ॥ सोकहचलेसिमोहिनिंदरी ॥ जानेहिनहींमरमुसठमोरा ॥ मोरअहार
जहांलगिचोरा ॥ मुठिकाएकमहाकपिहनी ॥ रुधिरबमतधरनीढनमनी ॥
पुनिसंभारिउठीसोलंका ॥ जोरिपानिकरबिनयससंका ॥ जबरावनहिब्रह्मबर
दीन्हा ॥ चलतबिरंचिकहामोहिचीन्हा ॥ बिकलहोसितैंकपिकेमारे ॥ तबजा
नेसुनिसिचरसंघारे ॥ तातमोरअतिपुन्यबहूता ॥ देखेउंनयनरामकरदूता ॥ *

॥ दोहा ॥

नामसर्गअपवर्गसुख धरीतुलाइकअंग * ॥
तुलेनताहिसकलमिलि जोसुखलवसतसंग ॥

॥ चौपाई ॥

प्रविशिनगरकीजैसबकाजा ॥ हृदयराखिकोशलपुरराजा ॥ गरलसुधारिपुकरैमिताई ॥ गोःपदसिंधुअनलशितलाई ॥ गरुड़सुमेरुरेणुसमताही ॥ रामकृपाकरिचितवहिंजाही ॥ अतिलघुरूपधरेउहनुमाना ॥ पैठनगरसुमिरिभगवाना ॥ मंदिरमंदिरप्रतिकरिशोधा ॥ देखाजहंतहंअगणितयोधा ॥ गयेउदशाननमंदिरमांही ॥ अतिविचित्रकहिजातसोनाही ॥ शयनकीएदेखाकपितेही ॥ मंदिरमहंनदीखवैदेही ॥ भवनएकपुनिदीखसुहावा ॥ हरिमंदिरतहंभिन्नबनावा ॥ रामनामअंकितगृहसोहा ॥ बरणिनजाइदेखिमनमोहा ॥ *~~*~*~* ॥ दोहा ॥ **~*~*~~**

रामनामअंकितगृह शोभावरणिनजाइ * ॥
नवतुलशीकोवृन्दवहु देखिहर्षकपिराइ ॥

॥ चौपाई ॥

लंकानिशिचरनिकरनिवासा ॥ इहांकहांसज्जनकरवासा ॥ मनमहंतर्ककरनकपिलागे ॥ ताहीसमयबिभीषणजागे ॥ रामरामतेहिंसुमिरणकीन्हा ॥ हृदयहर्षकपिसज्जनचीन्हा ॥ यहिसनहठिकरिहौंपहिचानी ॥ साधुतेंहोइनकारजहानी ॥ विप्ररूपधरिवचनसुनावा ॥ सुनतबिभीषणउठितहंआवा ॥ करिप्रणामपूछीकुशलाई ॥ विप्रकहहुनिजकथाबुझाई ॥ कीतुमहरिदासनमेंकोई ॥ मोरेहृदयप्रीतिअतिहोई ॥ कीतुमदीनबंधुअनुरागी ॥ आयेहुमोहिकरनब

कभागी॥ ॥ दोहा ॥

तबहनुमंतकहीसब रामकथानिजनाम॥

सुनतजुगलतनपुलकमन मगनसुमिरिगुनग्राम॥

॥ चौपाई॥

सुनहुपवनसुतरहनिहमारी॥ जिमिदसनन्हिमहँजीभबिचारी॥ तातकब
हुँमोहिजानिअनाथा॥ करिहहिंकृपाभानुकुलनाथा॥ तामसतनुकछुसाधन
नाहीं॥ प्रीतिनपदसरोजमनमाहीं॥ अबमोहिभाभरोसहनुमंता॥ बिनुहरिकृ
पामिलहिंनहिंसंता॥ जौंरघुबीरअनुग्रहकीन्हा॥ तौतुममोहिदरसहठिदीन्हा
॥ सुनहुबिभीषनप्रभुकैरीती॥ करहिंसदासेवकपरप्रीती॥ कहहुकवन
मैंपरमकुलीना॥ कपिचंचलसबहीबिधिहीना॥ प्रातलेइजोनामहमारा॥ ता
हिदिनताहिनमिलैअहारा॥ ॥ दोहा॥

अस मैंअधमसखासुनु मोहूपररघुबीर॥

कीन्हीकृपासुमिरिगुन भरेबिलोचननीर॥

॥ चौपाई॥

जानतहूंअसस्वामिबिसारी॥ फिरहिंतेकाहेनहोहिंदुखारी॥ यहिबिधिकहतरा
मगुनग्रामा॥ पावाअनिर्बाच्यबिश्रामा॥ पुनिसबकथाबिभीषनकही॥ जे
हिबिधिजनकसुतातहँरही॥ तबहनुमंतकहासुनुभ्राता॥ देखाचहौंजान
कीमाता॥ जुगुतिबिभीषनसकलसुनाई॥ चलेउपवनसुतबिदाकराई॥ क
रिसोइरूपगयेउपुनितहवां॥ बनअसोकसीतारहजहवां॥ देखिमनहिं
महँकीन्हप्रनामा॥ बैठेहिबीतिजातनिसिजामा॥ कृसतनुसीसजटाएकबेनी॥

अपनिहृदयग्रसकुमतिगुणकेगी ॥ ॥ दोहा ॥

निजपदनयनदियेंमन रामचरणमहंलीन ॥
परमदुखीभापवनसुत निरखिजानकीदीन ॥

॥ चौपाई ॥

तरुपल्लवमहंरहालुकाई ॥ करैविचारकरौंकाभाई ॥ तेहिअवसररावणतहं आवा ॥ संगनारिबहुकिऐंबनावा ॥ बहुबिधिखलसीतहिसमुझावा ॥ शामदाम भयभेददिखावा ॥ कहरावणसुनुसुमुखिसयानी ॥ मन्दोदरीआदिसबरानी ॥ तवअनुचरीकरौंपनमोरा ॥ एकवारबिलोकुममओरा ॥ तृणधरिओटकहतिवैदेही ॥ सुमिरिअवधपतिपरमसनेही ॥ सुनुदशमुखखद्योतप्रकासा ॥ कबहुं किनलिनीकरहिंविकासा ॥ असमनसमुझुकहतिजानकी ॥ खलसुधिनहिरघुवीरबाणकी ॥ शठसूनेहरिआनेसिमोही ॥ अधमनिलज्जलाजनहितोही ॥ * *

॥ दोहा ॥

आपुहिसुनिखद्योतसम रामहिंभानुसमान ॥
परुषवचनसुनिकाढ़िअसि बोलाअतिरिसिआन ॥

॥ चौपाई ॥

सीतातैंममकृतअपमाना ॥ काटौंतवशिरकठिनकृपाना ॥ नाहितसपदिमानुम मबानी ॥ सुमुखिहोतननतजीवनहानी ॥ श्यामसरोजदामसमसुंदर ॥ प्रभु भुजकरिवरसमदशकंधर ॥ सोभुजकंठकितवअसिघोरा ॥ सुनुशठअसप्रमान पनमोरा ॥ चन्द्रहासहरुममपरितापा ॥ रघुपतिबिरहअनलसंजाता ॥ शीतल निशतवअसिवरधारा ॥ कहसीताहरुममदुखभारा ॥ सुनतवचनपुनिमारनधावा

या ॥ मथतनथाकहिनीतिसुआवा ॥ कहेसकलनिश्चरीबुलाई ॥ सीतहिंत्रासदे
खावहुजाई ॥ मासदिवसमहंकह्यानमाना ॥ तौमैंमारबकाढिकृपाना ॥ * *

* * * * * * * ॥ दोहा ॥ * * * * * * *

भवनगयउदशकंधतब इहांपिशाचरिबृन्द ॥
सीतहित्रासदिखावहीं धरहिंरूपबहुमन्द ॥

॥ चौपाई ॥

त्रिजटानामराक्षसीएका ॥ रामचरणरतनिपुनबिबेका ॥ सबहिबुलाइसुनाये
सिसपना ॥ सीतहिसेइकरौहितअपना ॥ सपनेबानरलंकाजारी ॥ यातुधानसे
नासबमारी ॥ खरआरूढनगनदशसीसा ॥ मुण्डितशिरखंडितभुजबीसा ॥ य
हिबिधिसोदक्षिणदिशिजाई ॥ लंकामनहुंबिभीषणपाई ॥ यहसपनामैंकहौं
बिचारी ॥ होइहैसत्यगयेदिनचारी ॥ * * ॥ दोहा ॥ * * * *

जहांतहांगईसब सीताकेमनसोच * ॥
मासदिवसकेबीते मारिहिनिश्चरपोच ॥

॥ चौपाई ॥

त्रिजटासनबोलीकरजोरी ॥ मातुबिपतिसंगिनितैंमोरी ॥ तजौंदेहकरबेगिउ
पाई ॥ दुसहबिरहअबसहानजाई ॥ आनुकाठरचुचिताबनाई ॥ मातुअनल
पुनदेहुलगाई ॥ सत्यकरहिममप्रीतिसयानी ॥ सुनैकोश्रवणशूलसमबानी
॥ सुनतबचनपदगहिसमुझावा ॥ प्रभुप्रतापबलसुयशसुनावा ॥ निशिनअनल
मिलुराजकुमारी ॥ असकहिसोनिजभवनसिधारी ॥ कहसीताबिधिभाप्रतिकूला
॥ मिलैनपावकमिटैनशूला ॥ देखियनभमहंबिपुलअंगारा ॥ अवनिनआवतए

कौतारा ॥ पावकमयशशिस्रवतनत्रागी ॥ मानहुंमोहिजानिहतभागी ॥ सुनहु बिनयममबिटपत्रशोका ॥ सत्यनामकरुहरुममशोका ॥ नूतनकिशलयत्रनल समाना ॥ देहुत्रगिनितनकरत्रनिदाना ॥ देखिपरमविरहाकुलसीता ॥ सो क्षणकपिहिकल्पसमबीता ॥ सोरठा ॥

कपिकरिहृदयविचार दीन्हमुद्रिकाडारितब ॥
जनुत्रशोकत्रंगार दीन्हहरषिउठिकरलयो ॥

॥ चौपाई ॥

तबदेखीमुद्रिकामनोहर ॥ रामनामत्रंकितत्रतिसुंदर ॥ चकितचितैमुद्रिकाप हिचानी ॥ हर्षविषादहृदयत्रकुलानी ॥ जीतिकोसकैत्रजयरघुराई ॥ माया तेत्रसिरचीनजाई ॥ सीतामनविचारकरनाना ॥ मधुरवचनबोलेहनुमाना ॥ रामचंद्रगुणबरननलागे ॥ सुनतहिसीताकरदुखभागे ॥ लागीसुनेश्रवणमन लाई ॥ त्रादिहितेसबकथासुनाई ॥ तबहनुमंतनिकटचलिगयेऊ ॥ फिरि बैठीमनबिस्मयभयेऊ ॥ रामदूतमैमातुजानकी ॥ सत्यशपथकरुणानिधानकी ॥ यहमुद्रिकामातुमैत्रानी ॥ दीन्हरामतुमकहँसहिदानी ॥ नरबानरहिसंगकहु कैसे ॥ कहीकथासंगतिभइजैसे ॥ दोहा ॥

कपिकरवचनसप्रेमसुनि उपजामनविश्वास ॥
जानामनक्रमवचनयह कृपासिंधुकरदास ॥

॥ चौपाई ॥

हरिजनजानिप्रीतित्रतिबाढी ॥ सजलनयनपुलकावलिबाढी ॥ बूडतविरहज लधिहनुमाना ॥ भयेहुतातमोकहंजलयाना ॥ त्रबकहुकुशलजाउंबलिहारी ॥

हारी ॥ अनुजसहितसुखभवनखरारी ॥ कोमलचितकृपालरघुराई ॥ कपि
केहिहेतुधरीनिठुराई ॥ सहजबानिसेवकसुखदायक ॥ कबहुंकमोहिसुमि
रतरघुनायक ॥ कबहुंनयनममशीतलताता ॥ होइहिंनिरखिश्याममृदुगाता ॥
बचननआवनयनभरिबारी ॥ अहोनाथमोहिनिपटबिसारी ॥ देखिबिरहव्या
कुलअतिसीता ॥ बोलेउकपिमृदुबचनबिनीता ॥ मातुकुशलप्रभुअनुजसमेता
॥ तवदुखदुखीसोकृपानिकेता ॥ जननीजनिमानहुमनऊना ॥ तुमतेप्रेमरा
मकेदूना ॥ ॥ दोहा ॥

रघुपतिकेसंदेशअब सुनुजननीधरिधीर ॥
असकहिकपिगद्गदभयउ भरेबिलोचननीर ॥

॥ चौपाई ॥

रामबियोगकहासुनुसीता ॥ मोकहंसकलभयेबिपरीता ॥ नूतनकिशलयमन
हुंकृशानू ॥ कालनिसासमनिसिससिभानू ॥ कुवलयबिपिनकुन्तवनसरिसा ॥ बा
रिदतप्ततेलजनुबरिसा ॥ जेहितरहेकरततेइपीरा ॥ उरगश्वाससमत्रिबि
धसमीरा ॥ कहेहूतेंकछुदुखघटिहोई ॥ काहिकहौंयहजाननकोई ॥ त
त्वप्रेमकरममअरुतोरा ॥ जानतप्रियाएकमनमोरा ॥ सोमनसदारहततो
हिपाहीं ॥ जानुप्रीतिरसएतनेहिमाहीं ॥ प्रभुसंदेशसुनतबैदेही ॥ मगनप्रे
मतनसुधिनहितेही ॥ कहकपिहृदयधीरधरुमाता ॥ सुमिरिरामसेवकसुखदा
ता ॥ उरआनहुरघुपतिप्रभुताई ॥ सुनिममबचनतजहुकदराई ॥

॥ दोहा ॥

निशिचरनिकरपतंगसम रघुपतिबाणकृशानु ॥

जननीहृदयधीरधरु जरेनिशाचर जानु ॥

॥ चौपाई ॥

जौंरघुवीरहोतसुधिपाई ॥ करतेनहिंविलंबरघुराई ॥ रामबाणरविउदयजानकी ॥ तमवरूथकहंयातुधानकी ॥ अवहिंमातुमैंजाउंलवाई ॥ प्रभुआयसुनहिंरामदोहाई ॥ कछुकदिवसजननीधरुधीरा ॥ कपिन्हसहितऐहैंरघुवीरा ॥ निशिचरमारितुमहिंलैजैहैं ॥ तिहुंपुरनारदादियशगैहैं ॥ हैंसुतकपिसबतुमहिंसमाना ॥ यातुधानभटअतिबलवाना ॥ मोरेहृदयपरमसंदेहा ॥ सुनिकपिप्रगटकीन्हनिजदेहा ॥ कनकभूधराकारशरीरा ॥ समरभयंकरअतिबलवीरा ॥ सीतामनभरोसतबभयेऊ ॥ पुनिलघुरूपपवनसुतलयेऊ ॥ ● ● ● ●

॥ दोहा ॥

सुनुमाताशाखामृगहिं नहिंबलबुद्धिविशाल ॥
प्रभुप्रतापतेगरुडहीं खाइपरमलघुव्याल ॥

॥ चौपाई ॥

मनसंतोषसुनतकपिबानी ॥ तनअतिपुलकनयनजलपानी ॥ भक्तिप्रतापतेजबलसानी ॥ आशिषदीन्हरामप्रियजानी ॥ अजरअमरगुणनिधिसुतहोहू ॥ करहुबहुतरघुनायकछोहू ॥ करहिंकृपाप्रभुअससुनिकाना ॥ निर्भरप्रेममगनहनुमाना ॥ बारबारनावहिंपदसीसा ॥ बोलेवचनजोरिकरकीसा ॥ अबकृतकृत्यभयेउंमैंमाता ॥ आशिषतवअमोघविख्याता ॥ सुनियमातुमोहिंअतिशयभूखा ॥ लागिदेखिसुंदरफलरूखा ॥ सुनुसुतकरहिंविपिनरखवारी ॥ परमसुभटरजनिचरभारी ॥ तिनकरभयमातामोहिंनाही ॥ जौंतुमसुखमानहुमनमांही ॥

॥ दोहा ॥

देखिबुद्धिबलनिपुनकपि कहाजानकीजाहु॥

रघुपतिचरणहृदयधरि तातमधुरफलखाहु॥

॥ चौपाई ॥

चलानाइसिरपैठेउबागा॥ फलखाएतरुतोरनलागा॥ रहेतहांबहुभटरखवारें॥ कछुमारेकछुजाइपुकारे॥ नाथएकआवाकपिभारी॥ तेइंअसोकबाटिकाउजारी॥ खाएसिफलअरुबिटपउपारेसि॥ जहांतहंपटकिपटकिभटमारेसि॥ सुनिरावणपठएभटनाना॥ तिन्हहिदेखिगरजाहनुमाना॥ सबरजनीचरकपिसंघारे॥ गएपुकारतकछुअधमारे॥ पुनिपठवातेइंअक्षयकुमारा॥ चलासंगलैसुभटअपारा॥ आवतदेखिबिटपगहितर्जा॥ ताहिनिपातिमहाधुनिगर्जा॥

॥ दोहा ॥

कछुमारेसिकछुमर्देसि कछुकमिलाएसिधूरि॥

कछुपुनिजाइपुकारे प्रभुमर्कटबलभूरि॥

॥ चौपाई ॥

सुनिसुतबधलंकेशरिसाना॥ पठवामेघनादबलवाना॥ मारेसिजनिसुतबांधेसिताही॥ देखौंकीसकहांकरआही॥ चलाइन्द्रजीतअतुलितजोधा॥ बंधुवधसुनिउपजाक्रोधा॥ कपिदेखादारुणभटआवा॥ कटकटाइगरजाअरुधावा॥ अतिविशालतरुएकउपारा॥ बिरथकीन्हलंकेशकुमारा॥ रहेंमहाभटताकेसंगा॥ गहिगहिकपिमर्देसिनिजअंगा॥ तिन्हेंनिपातिताहिसनबाजा॥ भिरेजुगलमानहुंगजराजा॥ मुष्टिकमारिचढातरुजाई॥ ताहिएकक्षणमूर्छाआई॥

उठिबहोरिकीन्हेसिबहुमाया ॥ जीतिनजाइप्रभंजनजाया ॥ * * * * *

॥ दोहा ॥

॥ ब्रह्मअस्त्रतेहिसाधा कपिमनकीन्हबिचार ॥

जौंनब्रह्मशरमानौं महिमामिटैअपार * ॥

॥ चौपाई ॥

ब्रह्मबाणतेकपिकहंमारा ॥ परतेऊबारकटककसंघारा ॥ तेइंजानाकपिमूर्छितभयऊ ॥ नागफांसबांधतलैगयऊ ॥ जासुनामजपिसुनऊभवानी ॥ भवबंधनकाटहिंनरज्ञानी ॥ तासुदूतबंधनतरुआवा ॥ प्रभुकारजलगिआपुबंधावा ॥ कपिबंधनसुनिनिसिचरधाए ॥ कौतुकलागिसभालैआए ॥ दशमुखसभादीखकपिजाई ॥ कहिनजाइकछुअतिप्रभुताई ॥ करजोरेंसुरदिशपविनीता ॥ भृकुटिबिलोकतसकलसभीता ॥ देखिप्रतापनकपिमनशंका ॥ जिमिअहिगणमहंगरुड़असंका ॥

॥ दोहा ॥

॥ कपिहिबिलोकिदशानन बिहंसिकहेसिदुर्बाद ॥

सुतबधसुरतिकीन्हपुनि उपजाहृदयबिषाद ॥

॥ चौपाई ॥

कहुलंकेशकवनतैंकीसा ॥ केहिकेबलघालेहिबननीसा ॥ कीधौंश्रवणसुनेहिनहिमोही ॥ देखौंअतिअसंकशठतोही ॥ मारेनिशिचरकेहिअपराधा ॥ कहुशठतोहिनप्राणकैबाधा ॥ सुनुरावणब्रह्मांडनिकाया ॥ पाइजासुबलबिरचतिमाया ॥ जाकेबलबिरंचिहरिईसा ॥ पालतसृजतहरतदशशीशा ॥ जाबलशीशधरेसहसानन ॥ अंडकोशसमेतगिरिकानन ॥ धरेजोबिबिधदेहसुरत्राता ॥ तुम

सोसठनहिंसिखावनदाता॥ हरकोदंडकठिनजेहिंभंजा॥ तेहिसमेतनृपदलमद
गंजा॥ खरदूषणत्रिसिराअरुबाली॥ बधेसकलअतुलितबलशाली॥

॥ दोहा ॥

जाकेबललवलेशतें जितेउंचराचरझारि॥
तासुदूतमैंजाहिकी हरिआनेउप्रियनारि॥

॥ चौपाई ॥

जानौंमैंतुम्हारिप्रभुताई॥ सहसबाहुसनपरीलराई॥ समरबालिसनकरिज
सपावा॥ सुनिकपिबचनबिहंसिबहलावा॥ खायेउंफलमोहिलागीभूखा॥ क
पिसुभावतेंतोरेउंरूखा॥ सबकेदेहपरमप्रियस्वामी॥ मारहिंमोहिकुमारग
गामी॥ जिन्हमोहिमारातेमैंमारा॥ तेहिपरबांधेउतनयतुम्हारा॥ मोहिन
कछुबांधेकरलाजा॥ कीन्हचहौंनिजप्रभुकरकाजा॥ बिनतीकरौंजोरिकररावण॥
सुनहुमानतजिमोरशिखावण॥ देखहुतुमनिजहृदयबिचारी॥ भ्रमतजिभ
जहुभक्तभयहारी॥ जाकेडरअतिकालडेराई॥ जोसुरअसुरचराचरखाई॥
तासोंबैरकबहुँनहिंकीजै॥ मोरेकहेंजानकीदीजै॥

॥ दोहा ॥

प्रणतपालरघुबंशमणि करुणासिंधुखरारि॥
गएशरणप्रभुराखिहैं तवअपराधबिसारि॥

॥ चौपाई ॥

रामचरणपंकजउरधरहू॥ लंकाअचलराजतुमकरहू॥ ऋषिपुलस्त्ययशबि
मलमयंका॥ तेहिकुलमहंजनिहोसिकलंका॥ रामनामबिनुगिरानसोहा॥ दे

सुविचारित्यागिमदमोहा॥ सबभूषणभूषितबरनारी॥ बसनहीननहिंसोहसु
रारी॥ रामबिमुखसंपतिप्रभुताई॥ गईरहीपाईबिनुपाई॥ सजलमूलजे
हिसरितानाहीं॥ बरखिगएपुनितबहिंसुखाहीं॥ सुनुदसकंठकहौंपनरोपी॥
रामबिमुखत्राताननहिंकोपी॥ संकरसहसविष्णुअजतोही॥ सकहिंनराखिराम
करद्रोही॥ ॥ दोहा॥

मोहमूलबहुसूलप्रद त्यागहुतमअभिमान॥
भजहुरामरघुनायकहिं कृपासिंधुभगवान॥

॥ चौपाई॥

जदपिकहीकपिअतिहितबानी॥ भक्तिबिवेकबिरतिनयसानी॥ बोलाबिहँसिम
हाअभिमानी॥ मिलाहमहिंकपिगुरुबडज्ञानी॥ मृत्युनिकटआईखलतोही
॥ लागेसिअधमसिखावनमोही॥ उलटाहोइकहाहनुमाना॥ मतिभ्रमतोरि
प्रगटमैंजाना॥ सुनिकपिबचनबहुतखिसियाना॥ बेगिनहरहुमूढकरप्रा
ना॥ सुनतनिसाचरमारनधाए॥ सचिवन्हसहितबिभीषणआए॥ नाइसी
सकरिबिनयबहूता॥ नीतिबिरोधनमारियदूता॥ आनदंडकछुकरियगोसांई
॥ सबहींकहामंत्रभलभाई॥ सुनतबिहंसिबोलादसकंधर॥ अंगभंगकरिप
ठवहुबंदर॥ ॥दोहा॥

कपिकरममतापोंछिपर सबहिंकहासमुझाइ॥
तेलबोरिपटबांधिपुनि पावकदेहुलगाइ॥

॥ चौपाई॥

पोंछिहीनबंदरजबजाइहि॥ तबशठनिजनाथहिलैआइहि॥ जिन्हकैकीन्हि

सि अमित बडाई ॥ देखौं धौं तिन्ह कै प्रभुताई ॥ बचन सुनत कपि मन मुसुकाना ॥ भई सहाय सारद मैं जाना ॥ जातुधान सुनि रावन बचना ॥ लागे रचन मूढ सो रचना ॥ रहा न नगर बसन घृत तेला ॥ बाढी पूँछ कीन्ह कपि खेला ॥ कौतुक कहँ आए पुरबासी ॥ मारहिं चरन करहिं बहु हाँसी ॥ बाजहिं ढोल देहिं सब तारी ॥ नगर फेरि पुनि पूँछ प्रजारी ॥ पावक जरत देखि हनुमन्ता ॥ भयउ परम लघु रूप तुरन्ता ॥ निबुकि चढेउ पुनि कनक अटारी ॥ भयें सभीत निसाचर नारी ॥

॥ दोहा ॥

हरि प्रेरित तेहि अवसर चले पवन उनचास ॥
अट्टहास करि गर्जा कपि बढि लाग अकास ॥

॥ चौपाई ॥

देह बिसाल परम हरुआई ॥ मंदिर तें मंदिर चढि धाई ॥ जरै नगर भे लोग बिहाला ॥ झपट लपट बहु कोटि कराला ॥ तात मातु हा सुनिअ पुकारा ॥ यहि अवसर को हमहि उबारा ॥ हम जो कहा यह कपि नहिं होई ॥ बानर रूप धरें सुर कोई ॥ साधु अवग्या कर फल ऐसा ॥ जरै नगर अनाथ कर जैसा ॥ जारा नगर निमिष एक माहीं ॥ एक बिभीषन को गृह नाहीं ॥ ताकर दूत अनल जेहिं सिरजा ॥ जरा न सो तेहि कारन गिरिजा ॥ उलटि पलटि लंका कपि जारी ॥ कूदि परा तब सिंधु मझारी ॥

॥ दोहा ॥

पूँछ बुझाइ खोइ श्रम धरि लघु रूप बहोरि ॥
जनकसुता के आगें ठाढ भयो कर जोरि ॥

॥ चौपाई ॥

मातुमोहिदीजैकछुचीन्हा ॥ जैसेरघुनायकमोहिदीन्हा ॥ चूडामणिउतारितबदयऊ ॥ हर्षसमेतपवनसुतलयऊ ॥ कहेउतातगयेमोरप्रणामा ॥ सवप्रकारप्रभुपूरणकामा ॥ दीनदयालविरदसंभारी ॥ हरहुनाथममसंकटभारी ॥ तातशक्रसुतकथासुनायेउ ॥ बाणप्रतापप्रभुहिसमुझायेउ ॥ मासदिवसमहंनाथनआये ॥ तौपुनिमोहिंजिवतनहिंपाये ॥ कहुकपिकेहिविधिराखौंप्राणा ॥ तुमहूंतातकहतहउजाना ॥ तुमहिदेखिशीतलभइछाती ॥ पुनिमोकहंसोइदिनसोइराती ॥ *~*~* ॥ दोहा ॥ **~*~*~~**

जनकसुतहिंसमुझाइकरि बहुविधिधीरजदीन्ह ॥
चरणकमलशिरनाइकरि गमनरामपहंकीन्ह * ॥

॥ चौपाई ॥

चलतमहाधुनिगरजेउभारी ॥ गर्भस्रवेउसुनिनिश्चरनारी ॥ लांघिसिंधुयहिपारहिंआवा ॥ शब्दकिलकिलाकपिन्हसुनावा ॥ हर्षेसवविलोकिहनुमाना ॥ नूतनजन्मकपिन्हतबजाना ॥ मुखप्रसन्नतनतेजविराजा ॥ कीन्हेसिरामचन्द्रकरकाजा ॥ मिलेसकलअतिभयेसुखारी ॥ तलफतमीनपावजनुबारी ॥ चलेहर्षिरघुनायकपासा ॥ पूछतकहतनवलइतिहासा ॥ तबमधुबनभीतरसबआये ॥ अंगदसहितमधुरफलखाये ॥ रखवारेतबबरजनलागे ॥ मुष्टिप्रहारकरतसबभागे ॥ *~*~* ॥ दोहा ॥ **~*~*~*~**

जाइपुकारेसबकहते बनउजारयुवराज ॥
सुनिसुग्रीवहर्षकपि करिआयेप्रभुकाज ॥

॥ चौपाई ॥

जौंनहोतसीतासुधिपाई॥ मधुबनकेफलकोशककखाई॥ यहिबिधिमनबिचार करराजा॥ आइगएकपिसहितसमाजा॥ आइसबन्हिंनावापदसीसा॥ मिलेसबन्हिअतिप्रेमकपीसा॥ पूछेउकुशलकुशलपददेषी॥ रामकृपाभाकाजविशेषी॥ नाथकाजकीन्हेउहनुमाना॥ राषेसकलकपिन्हकरप्राणा॥ सुनिसुग्रीवबहुरिउठि मिलेऊ॥ कपिन्हसहितरघुपतिपहंचलेऊ॥ रामकपिन्हकहंआवतदेषा॥ कियेकाजउरहर्षविशेषा॥ फटिकशिलाबैठेदोउभाई॥ परेसकलकपिचरणनजाई॥ ********—* ॥ दोहा ॥ *—*—*—*****

प्रीतिसहितभेंटेसकल रघुपतिकरुणापुञ्ज॥
पूछेउकुशलनाथअब कुशलदेखिपदकञ्ज॥

॥ चौपाई ॥

जामवन्तकहसुनुरघुराया॥ जापरनाथकरहुतुमदाया॥ ताहिसदाशुभकुशल निरंतर॥ सुरनरमुनिप्रसन्नतेहिऊपर॥ सोविजयीविनयीगुणसागर॥ तासुसुयशत्रिहुलोकउजागर॥ प्रभुकीकृपाभयउसबकाजू॥ जन्महमारसुफलभाआजू॥ नाथपवनसुतकीन्हजोकरणी॥ सोमुखलाखहुंजाइनवरणी॥ सुनिक पालउठिहृदयलगाये॥ जानिसुभटरघुपतिमनभाये॥ कहहुतातकेहिभांति जानकी॥ रहतिकरतिरक्षास्वप्राणकी॥ *—* ॥ दोहा ॥ *—*

नामपाहरूदिवसनिशि ध्यानतुम्हारकपाट॥
लोचननिजपदयंत्रिका प्राणजांहिकेहिबाट॥

॥ चौपाई ॥

चलतमोहिचूड़ामणिदीन्हा॥ रघुपतिहृदयलगाइतेहिलीन्हा॥ नाथयुगललो

चनभरिबारी॥ बचनकहेउकछुजनककुमारी॥ अनुजसमेतगहेउप्रभुचरणा॥ दीनबंधुप्रणतारतिहरणा॥ मनक्रमबचनचरणअनुरागी॥ केहिअपराधनाथमोहित्यागी॥ अवगुणएकमोरमैजाना॥ बिछुरतप्राणनकीन्हपयाना॥ नाथसो नयनन्हकरअपराधा॥ निसरतप्राणकरहिंहठिबाधा॥ बिरहअनलतनतूल समीरा॥ स्वासजरेक्षणमांहशरीरा॥ नयनश्रवैजलनिजहितलागी॥ जरैनपावदेहबिरहागी॥ सीताकैअतिबिपतिबिशाला॥ बिनहिंकहेभलदीनदयाला॥

*** * ** ॥ दोहा ॥ ** * * * *

निमिषिनिमिषिकरुणायतन जाहिंकल्पशनबीति॥
बेगिचलियप्रभुआनियै भुजबलखलदलजीति॥

॥ चौपाई ॥

सुनिसीतादुखप्रभुसुखअयना॥ भरिआएजलराजिवनयना॥ वचनकायमनममगतिजाही॥ सपनेउंबिपतिकिचाहियताही॥ कहहनुमानबिपतिप्रभुसोई॥ जबतवसुमिरणभजननहोई॥ केतिकबातप्रभुयातुधानकी॥ बेगिचलियआनियैजानकी॥ सुनुकपितोहिसमानउपकारी॥ नहिंकोउसुरनरमुनितनुधारी॥ प्रत्युपकारकरौंकातोरा॥ सनमुखहोइनशकतमनमोरा॥ सुनुकपितोहिउरिनमैंनाहीं॥ देखेउंकरिबिचारमनमाहीं॥ पुनिपुनिकपिहिचितवसुरत्राता॥ लोचननीरपुलकअतिगाता॥ ** * ॥ दोहा ॥ ** ** **

सुनिप्रभुवचनबिलोकिमुख हृदयहर्षेहनुमन्त॥
चरणपरेउपरमाकुल त्राहित्राहिभगवन्त *॥

॥ चौपाई ॥

बारबारप्रभुचहतउठावा ॥ प्रेममगनतेहिउठननभावा ॥ प्रभुपदपंकजकपि
करसीसा ॥ सुमिरिसोदशामगनगौरीसा ॥ सावधानमनकरिपुनिशंकर ॥ ला
गेकहनकथाअतिसुंदर ॥ कपिउठायप्रभुहृदयलगावा ॥ करगहिपरमनिक
टबैठावा ॥ कहुकपिरावणपालितलंका ॥ केहिबिधिदहेउदुर्गअतिबंका ॥ प्रभुप्र
सन्नजानाहनुमाना ॥ बोलेबचनबिगतअभिमाना ॥ शाखामृगकैबड़िमनुसाई
शाखातेंशाखापरजाई ॥ नांघिसिंधुहाटकपुरजारा ॥ निशिचरगणबधिबिपिन
उजारा ॥ सोसबतवप्रतापरघुराई ॥ नाथनकछुमोरप्रभुताई ॥

॥ दोहा ॥

ताकहंप्रभुकछुअगमनहिं जापरतुमअनुकूल ॥
तवप्रतापबड़वानलहिं जारिसकैखलतूल * ॥

॥ चौपाई ॥

नाथभक्तिअतिअनपावनि ॥ देहुकृपाकरिशिवमनभावनि ॥ सुनिप्रभुपरम
सरलकपिबानी ॥ एवमस्तुतबकहेउभवानी ॥ उमारामसुभावजिन्हजाना
॥ ताहिभजनतजिभावनआना ॥ यहसंबादजासुउरआवा ॥ रघुपतिचरण
भक्तितेइंपावा ॥ सुनिप्रभुबचनकहहिंकपिवृन्दा ॥ जयजयजयकृपालसुखकन्दा
॥ तबरघुपतिकपिपतिहिबुलावा ॥ कहाचलेकरकरउबनावा ॥ अबबिलंबकेहिका
रणकीजै ॥ तुरतकपिनकहंआयसुदीजै ॥ कौतुकदेखिसुमनबहुबर्षे ॥ नभ
तेभवनचलेसुरहर्षे ॥

॥ दोहा ॥

कपिपतिबेगिबुलाएउ आएयूथपयूथ ॥
नानाबरणअतुलबल बानरभालुबरूथ ॥

॥ चौपाई ॥

प्रभुपदपंकजनावहिंसीसा ॥ गरजहिंभालुमहाबलकीसा ॥ देखीराममकलकपिसेना ॥ चितैकृपाकरिराजिवनयना ॥ राममकृपाबलपाइकपिंदा ॥ भयेपच्छयुतमनहुंगिरींदा ॥ हरषिरामतवकीन्हपयाना ॥ शगुनभयेसुंदरशुभनाना ॥ जासुसकलमंगलमयनीती ॥ तासुपयानशगुनयहरीती ॥ प्रभुपयानजानावैदेही ॥ फरकेबामअंगशुभनेही ॥ जोजोशगुनजानकिहिहोई ॥ अशगुनभयउरावणहिसोई ॥ चलाकटककोबरणैपारा ॥ गरजहिंवानरभालुअपारा ॥ नखआयुधगिरिपादपधारी ॥ चलेगगनमहिइच्छाचारी ॥ केहरिनादभालुकपिकरहीं ॥ डगमगमहिदिग्गजचिकरहीं ॥ *—* ॥ छन्द ॥ **—*—**

चिकरहिंदिग्गजडोलमहिगिरिकोलसागरखरभरे ॥ * ॥ मनहरषदिनकरसोमसुरमुनिनागकिन्नरदुखटरे ॥ * ॥ कटकटाहिंमरकटविकटभटबहुकोटिकोटिन्हधावहीं ॥ * ॥ जयरामप्रबलप्रतापकोशलनाथगुणगणगावहीं ॥ * ॥ शकसहिनभारअपारअहिपतिबारबारविमोहई ॥ * ॥ गहिदशनपुनिपुनिकमठपीठकठोररेखसोसोहई ॥ * ॥ रघुबीररुचिरपयानप्रस्थितजानिपरमसुहावनी ॥ * ॥ जनुकमठखप्परसर्पराजसोलिखतअविचलपावनी ॥ * ॥ *—* ॥ दोहा ॥ —*—*—*—**

यहिविधिजाइकृपानिधि उतरेसागरतीर * ॥
जहंतहंलागेखानफल भालुविपुलकपिबीर ॥

॥ चौपाई ॥

उहाँनिशाचर रहहिंसशंका॥ जबतेंजारिगयउकपिलंका॥ निजनिजगृहस
बकरहिंबिचारा॥ नहिंनिशिचरकुलकेरउबारा॥ जासुदूतबलबरणिनजाई॥ ते
हिआएपुरकवनभलाई॥ दूतनिसनसुनिपुरजनबाणी॥ मन्दोदरीहृदयअ
कुलानी॥ रहसिजोरिकरपतिपदलागी॥ बोलीबचननीतिरसपागी॥ कन्तक
र्षहरिसनपरिहरहू॥ मोरकहाअतिहितहियधरहू॥ समुझतजासुदूतकीक
रणी॥ स्रवहिंगर्भरजनीचरधरनी॥ तासुनारिनिजसचिवबुलाई॥ पठव
हुकन्तजोचहहुभलाई॥ तवकुलकमलबिपिनदुखदाई॥ सीतासीतनिशास
मआई॥ सुनहुनाथसीताबिनुदीन्हे॥ हितनतुम्हारशंभुअजकीन्हे॥ * *

॥ दोहा ॥

रामबाणअहिगणसरिस निकरनिशाचरभेक॥
जबलगिग्रसतनतबलगि यतनकरहुतजिटेक॥

॥ चौपाई ॥

श्रवणसुनतशठताकरिबाणी॥ बिहंसाजगतबिदितअभिमानी॥ सभयसुभावना
रिकरसांचा॥ मंगलमाहंभयमनअतिकाचा॥ जौंआवैमरकटकटकाई॥ जिअहिंबे
चारेनिशिचरखाई॥ कंपहिंलोकपजाकेत्रासा॥ तासुनारिसभीतबडिहासा॥ अ
सकहिबिहंसिताहिउरलाई॥ चलेउसभाममताअधिकाई॥ मन्दोदरीहृदय
करचिंता॥ भयोकन्तपरबिधिबिपरीता॥ बैठेउसभाखबरिअसपाई॥ सिंधु
पारसेनासबआई॥ बूझेसिसचिवउचितमतकहहू॥ तेसबहंसेमौनकरिरह
हू॥ जितेहुसुरासुरतबश्रमनाहीं॥ नरबानरकेहिलेखेमांही॥ * * * *

॥ दोहा ॥

सचिववैद्यगुरुतीनिजौं बोलहिंप्रियभयत्रास॥
राजधर्मतनतीनिकर होइवेगहींनाश ** ॥

॥ चौपाई ॥

सोइरावणकहंबनीसहाई॥ अस्तुतिकरहिंफुलाइफुलाई॥ अवसरजानिबिभीषणआवा॥भ्राताचरणसीसतेहिनावा॥ पुनिशिरनाइबैठिनिजआसन॥ बोलावचनपाइअनुशासन॥ जौंकृपालपूछेहुमोहिबाता॥ मतिअनुरूपकहहुमैंताता॥ जौंआपनचाहहुकल्याना॥सुयशसुमतिशुभगतिसुखनाना॥ तौपरनारिनिवारिगोसांई॥ तजौचौथिचंदाकीनांई॥ चौदहभुवनएकपतिहोई॥भूतद्रोहतिष्ठैनहिंकोई॥ गुणसागरनागरबरजोऊ॥ अलपलोभभलकहैनकोऊ॥ *~**~*~* ॥ दोहा ॥ *~*~*~**~*

कामक्रोधमदलोभसब नाथनरककरपंथ ***॥
सबपरिहरिरघुबीरपद भजहुकहहिंसदग्रंथ॥

॥ चौपाई ॥

तातरामनहिंनरभूपाला॥भुवनेश्वरकालहुकरकाला॥ ब्रह्मअनामयअजभगवन्ता॥ व्यापकअजितअनादिअनन्ता॥ गोद्विजधेनुदेवहितकारी॥कृपासिंधुमानुषतनुधारी॥ जनरञ्जनगञ्जनखलभ्राता॥ वेदधर्मरक्षकसुरत्राता॥ ताहिवैरतजिनाइयमाथा॥ प्रणतारतिभंजनरघुनाथा॥ देहुनाथप्रभुकहंवैदेही॥ भजहुरामबिनुकामसनेही॥ शरणागतप्रभुनाहुनत्यागा॥ बिश्वद्रोहकृतअघजेहिलागा॥ जासुनामत्रयतापनशावन॥ सोप्रभुप्रगटभजहुतेहिरावण॥

~*~*~*~* ॥ दोहा ॥ **~*~*~*~

बारबारपदलागौं विनयकरौंदससीस ॥
परिहरिमानमोहमद भजहुकोशलाधीश ॥
मुनिपुलस्तिनिजशिष्यसन कहिपठईयहबात ॥
तुरतसोमैंप्रभुसनकही पाइसुअवसरतात ॥

॥ चौपाई ॥

मालवंतएकसचिवसयाना ॥ तासुबचनसुनिअतिसुखमाना ॥ तातअनुजतव नीतिविभूषण ॥ सोउरधरियजोकहहिंविभीषण ॥ रिपुउतकरषकहत शठदोऊ ॥ दूरिकरहुइहांहैंनकोऊ ॥ मालवंतगृहगयेउबहोरी ॥ कहेउविभीषणपुनिकरजोरी ॥ सुमतिकुमतिसबकेउररहई ॥ नाथपुराननिगमअसकहई ॥ जहांसुमतितहंसंपतिनाना ॥ जहांकुमतितहंविपतिनिदाना ॥ तवउरकुमतिवसीविपरीती ॥ हितअनहितजानतरिपुप्रीती ॥ कालरात्रिनिशिचरकुलकेरी ॥ तेहिसीतापरप्रीतिघनेरी ॥ * * * * *

॥ दोहा ॥

तातचरणगहिमागौं राखहुमोरदुलार ॥
सीतादेहुरामकहं अतिहितहोइतुम्हार ॥

॥ चौपाई ॥

बुधपुराणश्रुतिसंमतबानी ॥ कहीविभीषणनीतिबखानी ॥ सुनतदशाननउठारिसाई ॥ खलतोहिमृत्युनिकटचलिआई ॥ जिअसिसदाशठमोरजिआवा ॥ रिपुकरपक्षसदातोहिभावा ॥ कहसिनखलअसकोजगमांही ॥ भुजबलजेहिजीतेहुमनाही ॥ ममपुरवसितपसीसनप्रीती ॥ शठमिलुजाहु ताहिकहुनीती

नी ॥ असकहिकीन्हेसिचरणप्रहारा ॥ अनुजगहेपदवारहिंवारा ॥ उमासंतके
इहैवड़ाई ॥ मंदकरतजोकरैभलाई ॥ तुमपितुसरिसभलेमोहिमारा ॥ रामभ
जेहितहोइतुम्हारा ॥ सचिवसंगलैनभपथगयेऊ ॥ सबहिंसुनाइकहतअसभ
येऊ ॥ ॥ दोहा ॥

रामसत्यसर्वज्ञप्रभु सभाकालवशतोरि ॥
मैंरघुनायकशरणअव जाउंदेहुजनिखोरि ॥

॥ चौपाई ॥

असकहिचलाविभीषणजवहीं ॥ आयुहीनभेनिश्चरतवहीं ॥ साधुअवज्ञातुर
तभवानी ॥ करकल्याणअखिलकरहानी ॥ रावणजवहिंविभीषणत्यागा ॥ भयो
विभवविनुतवहिंअभागा ॥ चलेउहर्षिरघुनायकपाहीं ॥ करतमनोरथवहुम
नमांही ॥ देखिहौंजाइचरणजलजाता ॥ अरुणमृदुलसेवकसुखदाता ॥ जे
पदपरसितरीऋषिनारी ॥ दंडककाननपावनकारी ॥ जेपदजनकसुताउरला
ये ॥ कपटकुरंगसंगधरिधाये ॥ हरउरसरसरोजपदजोई ॥ अहोभाग्यमैंदे
खवसोई ॥ ॥ दोहा ॥

जिनपायनकरपादुका भरतरहेमनलाइ ॥
तेपदआजुविलोकिहौं इननयननयुगजाइ ॥

॥ चौपाई ॥

यहिविधिकरतसप्रेमविचारा ॥ आयेउसपदिसिंधुकेपारा ॥ कपिन्हविभीषण
आवतदेखा ॥ जानेउकोउरिपुदूतविशेषा ॥ ताहिराखिकपिपतिपहंआये
॥ समाचारसवजाइसुनाये ॥ कहसुग्रीवसुनियरघुराई ॥ आवामिलनद

दशाननभाई॥ कहप्रभुसखाबूझियेकाहा॥ कहैकपीशसुनहुनरनाहा॥ जानिनजाइनिशाचरमाया॥ कामरूपकेहिकारणआया॥ भेदहमारलेनशठआवा॥ राखियबांधिमोहिअसभावा॥ सखानीतितुमनीकबिचारी॥ ममप्रणशरणागतभयहारी॥ सुनिप्रभुबचनहर्षहनुमाना॥ शरणागतवत्सलभगवाना॥

॥ दोहा॥

शरणागतकहंजेतजहिं निजअनहितअनुमानि॥
तेनरपामरपापमय तिनहिंबिलोकतहानि ***॥

॥ चौपाई॥

कोटिबिप्रबधलागहिंजाही॥ आएशरणतजौंनहिंताही॥ सन्मुखहोइजीवमोहिंजबहीं॥ जन्मकोटिअघनाशैंतबहीं॥ पापवन्तकरसहजसुभाऊ॥ भजनमोरतेहिभावनकाऊ॥ जौंपैदुष्टहृदयसोहोई॥ मोरेसन्मुखआवकिसोई॥ निर्मलमनजनसोमोहिंपावा॥ मोहिंकपटछलछिद्रनभावा॥ भेदलेनपठवादशशीसा॥ तबहुंनकछुभयहानिकपीसा॥ जगमहंसखानिशाचरजेते॥ लछमनहनइंनिमिषमहंतेते॥ जौंसभीतआवाशरनाई॥ रखिहौंताहिप्राणकीनाई॥

॥ दोहा॥

उभयभांतितेहिआनहु हंसिकहकृपानिधान॥
जयकृपालुकहिकपिचले अंगदादिहनुमान॥

॥ चौपाई॥

सादरतेहिआगेकरिबानर॥ चलेजहांरघुपतिकरुणाकर॥ दूरिहिंतेदेखेद्वौभ्राता॥ नयनानन्ददानकेदाता॥ बहुरिरामछबिधामबिलोकी॥ रहासेठा

दशकंधरकपगणेकी ॥ भुजप्रलंबकंजारुणलोचन ॥ श्यामलगातप्रणतभयमोचन ॥ सिंहस्कंधआयतउरसोहा ॥ आननअमितमदनमनमोहा ॥ नयननीरपुलकित अतिगाता ॥ मनधरिधीरकहेमृदुबाता ॥ निश्चरबंशजनमसुरत्राता ॥ नाथ दशाननकरमैभ्राता ॥ सहजपापप्रियतामसदेहा ॥ यथाउलूकहितमपरनेहा ॥ * * * ॥ दोहा ॥ * * * * *

श्रवणसुयशसुनिआयउं प्रभुभंजनभयभीर ॥
त्राहित्राहिआरतहरण शरणसुखदरघुवीर ॥

॥ चौपाई ॥

असकहिकरतदंडवतदेषी ॥ तुरतउठेप्रभुहर्षविशेषी ॥ दीनवचनसुनिप्रभु मनभावा ॥ भुजविशालगहिहृदयलगावा ॥ अनुजसहितउठिढिगबैठारे ॥ बोलेवचनभक्तभयहारे ॥ कहुलंकेशसहितपरिवारा ॥ कुशलकुठाहरवासतुम्हारा ॥ खलमंडलीबसहुदिनराती ॥ सखाधर्मनिबहेकेहिभांती ॥ मैजानौंतुम्हारसबरीती ॥ अतिशयनिपुनभावतअनीती ॥ बरुभलबासनरककरताता ॥ दुष्टसंगजनिदेहिंविधाता ॥ अबपददेखिकुशलरघुराया ॥ जौंतुमकीन्हजानिजनदाया ॥ * * * ॥ दोहा ॥ * * * * *

तवलगिकुशलनजीवकहं सपनेहुंमनविश्राम ॥
जबलगिभजननरामके शोकधामतजिकाम ॥

॥ चौपाई ॥

जबलगिहृदयबसतखलनाना ॥ लोभमोहमत्सरमदमाना ॥ जबलगिउरनबसतरघुनाथा ॥ धरेचापशायककटिभाथा ॥ ममतातिमिरतरुणअंधियारी ॥ राग

षेयउलूकसुखकारी॥ तबलगिबसतजीवउरमांहीं॥ जबलगिप्रभुप्रतापरबि नाहीं॥ अबमैंकुशलमिटेभयभारे॥ देखिरामपदकमलतुम्हारे॥ तुमकृपाल जापरअनुकूला॥ ताहिनव्यापत्रिबिधभवसूला॥ मैंनिश्चरअतिअधमसुभाऊ॥ शुभआचरणकीन्हनहिंकाऊ॥ जासुरूपमुनिध्याननपावा॥ सोप्रभुहरषिहृदयमोहिलावा॥

॥ दोहा॥

अहोभाग्यममअमितअति रामकृपासुखपुंज॥
देखेउंनयनबिरंचिशिव सेव्ययुगलपदकंज॥

॥ चौपाई ॥

सुनउसखानिजकहउंसुभाऊ॥ जानभुशुंडिशंभुगिरिजाऊ॥ जोनरहोइ चराचरद्रोही॥ आवैसभयशरणतकिमोही॥ तजिमदमोहकपटछलनाना॥ करौंसद्यतेहिसाधुसमाना॥ जननीजनकबंधुसुतदारा॥ तनधनभवनसुहृदप रिवारा॥ सबकेममताताग बटोरी॥ ममपदमनहिंबांधिबटिडोरी॥ समदर शीइच्छाकछुनाहीं॥ हर्षशोकभयनहिंमनमांहीं॥ असमज्जनममउरबसकैसे॥ लोभीहृदयबसतधनजैसे॥ तुमसेसंतनअतिप्रियमोरे॥ धरेउंदेहनहिं आननिहोरे॥

॥ दोहा॥

सगुणउपासकपरहित निरतनीतिदृढनेम॥
तेनरप्राणसमानमोहिं जिनकेद्विजपदप्रेम॥

॥ चौपाई ॥

सुनुलंकेशसकलगुणतोरे॥ तातेतुमअतिशयप्रियमोरे॥ रामबचनसुनिबानर यूथा॥ सकलकहहिंजयकृपावरूथा॥ सुनतविभीषणप्रभुकरबाणी॥ नहिं

अघातश्रवणामृतसानी॥ पदअंबुजगहिबारहिंबारा॥ हृदयसमातनप्रेमअपा
रा॥ सुनिदेवसचराचरस्वामी॥ प्रणतपालउरअंतरजामी॥ उरकछुप्रथम
बासनारहेऊ॥ प्रभुपदप्रीतिसरितसोबहेऊ॥ अवकृपालनिजभक्तिजोपाव
नि॥ देहुदयाकरिशिवमनभावनि॥ एवमस्तुप्रभुकहिरणधीरा॥ मांगातुर
तसिंधुकेनीरा॥ यदपिसखातोहिइच्छानाहीं॥ ममदर्शनअमोघजगमांहीं
॥ असकहिरामतिलकतेहिसारा॥ सुमनवृष्टिनभभयउअपारा॥

॥ दोहा॥

रावणक्रोधअनलनिज स्वाससमीरप्रचंड॥
जरतविभीषणराखेउ दीन्हेउराजअखंड॥
जोसंपतिशिवरावणहि दीन्हदियेदशमाथ॥
सोसंपदाविभीषणनहि सकुचिदीन्हरघुनाथ॥

॥ चौपाई॥

असप्रभुछाडिभजहिंजेआना॥ तेनरपशुविनुपूंछविषाना॥ निजजनजानिता
हिअपनावा॥ प्रभुसुभावकपिकुलमनभावा॥ पुनिसर्वज्ञसर्वउरवासी॥ स
र्वरूपसवरहितउदासी॥ बोलेवचननीतिप्रतिपालक॥ कारणमनुजदनुज
कुलघालक॥ सुनुकपीशलंकापतिबीरा॥ केहिविधितरियजलधिगंभीरा॥
संकुलउरगमकरझखजाती॥ अतिअगाधदुस्तरसवभांती॥ कहलंकेशसुन
हुरघुनायक॥ कोटिसिंधुशोषकतवशायक॥ यद्यपितदपिनीतिअसगाई॥ वि
नयकरियसागरपहंजाई॥

॥ दोहा॥

प्रभुतुम्हारकुलगुरुजलधि कहहिंउपायविचारि॥

विनुप्रयाससमुद्रतरहिं सकलभालुकपिधारि * ॥

॥ चौपाई ॥

सखाकहीतुमनीकउपाई ॥ करिअदैवजौंहोइसहाई ॥ मंत्रनयहलछिमनमनभावा ॥ रामवचनसुनिअतिदुखपावा ॥ नाथदैवकरकवनभरोसा ॥ सोषियसिंधुकरियमनरोसा ॥ कादरमनकहँएकअधारा ॥ दैवदैवआलसीपुकारा ॥ सुनतविहंसिवोलेरघुवीरा ॥ ऐसेइकरवधरहुमनधीरा ॥ असकहिप्रभुअनुजहिसमुझाई ॥ साधुवचनादुखअधिकपाई ॥ प्रथमप्रणामकीन्हप्रभुजाई ॥ वैठेनटपुनिदर्भडसाई ॥ जवहिंविभीषणप्रभुपहंआये ॥ पाछेंरावणदूतपठाये ॥

*** ॥ दोहा ॥ ***

सकलचरितदेखेतिन्ह धरेंकपटकपिदेह ॥

प्रभुगुणहृदयसराहिअति शरणागतपरनेह ॥

॥ चौपाई ॥

प्रगटवखाननरामसुभाऊ ॥ अतिसप्रेमगाविसरिदुराऊ ॥ रिपुकेदूतकपिन्हतवजाने ॥ सकलवांधिकपिपतिपहंआने ॥ कहसुग्रीवसुनहुसववानर ॥ अंगभंगकरिपठवहुनिशिचर ॥ सुनिसुग्रीववचनकपिधाये ॥ वांधिकटकचहुंपासफिराये ॥ वहुप्रकारमारनकपिलागे ॥ दीनपुकारततदपिनत्यागे ॥ जोहमारहरनासाकाना ॥ तेहिकोशलाधीशकरआना ॥ सुनिलछिमनसवनिकटवुलाये ॥ दयालागिहंसिदीन्हछुडाये ॥ रावणकरदीजेयहपाती ॥ लछिमनवचनवांचुकुलघाती ॥ *** ॥ दोहा ॥ ***

कहेउमुखागरमूढसन ममसंदेशउदारि ॥

॥ सीतादेइमिलहुनतो आवाकालतुम्हार *॥

॥ चौपाई ॥

तुरतनाइलक्ष्मणपदमाथा॥ चलादूतवरनतगुणगाथा॥ कहतरामयशलंका आवा॥ रावणचरणसीसतिन्हनावा॥ बिहंसिदशाननपूछेसिबाता॥ कहसिन शुकआपनिकुशलाता॥ पुनिकहुकुशलविभीषणकेरी॥ जासुमृत्युआईअति नेरी॥ करतराजलंकाशठत्यागा॥ होइहियवकरकीटअभागा॥ पुनिकहुभालु कीसकटकाई॥ कठिनकालप्रेरितचलिआई॥ जिन्हकेजीवनकररखवारा॥ भयउमृदुलचितसिंधुबेचारा॥ कहुतपसिन्हकरबातबहोरी॥ जिन्हकेहृदयत्रा सबढ़िमोरी॥ ***॥ दोहा॥ ***

भईभेंटकीफिरिगए श्रवणसुयशसुनिमोर॥
कहसिनरिपुदलतेजबल बहुतचकितचितमोर॥

॥ चौपाई ॥

नाथकृपाकरिपूछेहुजैसें॥ मानोकहाक्रोधतजितैसें॥ मिलाजाइजबअनुजतु म्हारा॥ जातहिरामतिलकतेहिसारा॥ रावणदूतहमहिसुनिकाना॥ कपिन्ह बांधिदीन्हेउदुखनाना॥ श्रवणनासिकाकाटनलागे॥ रामशपथदीन्हीतबत्या गे॥ पूछेहुनाथकीसकटकाई॥ बदनकोटिशतबरनिनजाई॥ नानाबरणभा लुकपिधारी॥ बिकटाननबिशालभयकारी॥ जेहिपुरदहेउबधेउसुततोरा॥ सकलकपिन्हमहँतेहिबलथोरा॥ अमितनामभटकठिनकराला॥ बिपुलनागत नतेजबिशाला॥ ***॥ दोहा॥ ***

द्विविदमयंदनीलनल अंगदगदबिकटासि॥

दधिमुखकेहरिनिसठसठ जामवंतबलरासि॥

॥ चौपाई ॥

एकपिसबसुग्रीवसमाना॥ इन्हसमकोटिनगनैकोनाना॥ रामकृपाअतुलितबलतिनहीं॥ तृनसमानत्रयलोकहिगनहीं॥ असमैंश्रवणसुनादसकंधर॥ पदुमअठारहयूथपबंदर॥ नाथकटकमहँसोकपिनाहीं॥ जोनतुम्हहिंजीतैरनमाहीं॥ परमक्रोधमींजहिंसबहाथा॥ आयसुपैनदेहिंरघुनाथा॥ सोषहिंसिंधुसहितझषब्याला॥ पूरहिंनतभरिकुधरबिसाला॥ मर्दिगर्दमिलवहिंदससीसा॥ ऐसेइबचनकहहिंसबकीसा॥ गर्जहिंतर्जहिंसहजअसंका॥ मानहुंग्रसनचहतहैंलंका॥

सहजसूरकपिभालुसब पुनिसिरपरप्रभुराम॥
रावणकालकोटिकहं जीतिसकहिंसंग्राम॥

॥ चौपाई ॥

रामतेजबलबुधिबिपुलाई॥ सेषसहससतसकहिंनगाई॥ सकसरएकसोषिसतसागर॥ तबभ्रातहिपूछेउनयनागर॥ तासुबचनसुनिसागरपाहीं॥ मांगतपंथकृपामनमाहीं॥ सुनतबचनबिहँसादससीसा॥ जौंअसिमतिसहायकृतकीसा॥ सहजभीरुकरबचनदृढाई॥ सागरसनठानीमचलाई॥ मूढमृषाकाकरसिबडाई॥ रिपुबलबुद्धिथाहमैंपाई॥ सचिवसभीतबिभीषणजाके॥ बिजयबिभूतिकहांजगताके॥ सुनिखलबचनदूतरिसबाढी॥ समयबिचारिपत्रिकाकाढी॥ रामअनुजदीन्हीयहपाती॥ नाथबंचाइजुडावहुछाती॥ बिहँसिबामकरलीन्हीरावन॥ सचिवबोलिसठलागबंचावन॥

॥ दोहा ॥

बाननहमनहिहरि गाइप्रभु सठ जनिघालसिकुलखीस ॥

रामविरोधनउबरसि ईश अरणविधुब्रजईश ॥

होउमाननविब्रनुजइव प्रभुपदपंकजभृङ्ग ॥

होहिंरामसरश्रनलखल जनिकुलसहितपतंग ॥

॥ चौपाई ॥

सुनतसभयमनमुहमुसुकाई ॥ कहतदशाननसबहिसुनाई ॥ भूमिपराकरग हतअकासा ॥ लघुतापसकरबागविलासा ॥ कहसुकनाथसत्यसबबाणी ॥ समुझहुछाडिप्रकृतिअभिमानी ॥ सुनहुवचनममपरिहरिक्रोधा ॥ नाथरामसनतजहुविरोधा ॥ अतिकोमलरघुवीरसुभाऊ ॥ यद्यपिअखिललोककरराऊ ॥ मिलतकृपाप्रभुतुमपरकरिहैं ॥ उरअपराधनएकौधरिहैं ॥ जनकसुतारघुनाथहिदीजै ॥ एतनाकहामोरप्रभुकीजै ॥ जबतेइदेनकहेउबैदेही ॥ चरणप्रहारकीन्हशठतेही ॥ नरणनाइशिरचलासोतहां ॥ कृपासिंधुरघुनायकजहां ॥ करिप्रणामनिजकथासुनाई ॥ रामकृपाआपनगतिपाई ॥ ऋषिअगस्त्यकरश्रापभवानी ॥ राक्षसभयारहामुनिज्ञानी ॥ बंदिरामपदबारहिबारा ॥ पुनिनिजआश्रमकहंपगुधारा ॥ ॥ दोहा ॥

विनयनमानतजलधिजड गएतीनिदिनबीति ॥

बोलेरामसकोपतब भयविनुहोइनप्रीति ॥

॥ चौपाई ॥

लक्ष्मणबाणशरासनआनू ॥ शोषौंवारिधिविशिखकृशानू ॥ शठसनविनयकुटिल

सनप्रीती॥ सहजकृपणसनसुंदरनीती॥ ममतारतसनज्ञानकहानी॥ अतिलो भीसनविरतिबखानी॥ क्रोधिहिशमकामिहिहरिकथा॥ ऊसरवीजवयेफल यथा॥ असकहिरघुपतिचापचढावा॥ यहमतलक्ष्मणकेमनभावा॥ संधाने उधनुविशिखकराला॥ उठीउदधिउरअंतरज्वाला॥ मकरउरगझखगणअ कुलाने॥ जरतजंतुजलनिधिपहिचाने॥ कनकथारभरिमणिगणनाना॥ विप्ररूपआयोतजिमाना॥ ॥ दोहा॥

काटेपैकेदलिफरै कोटियतनकोउसींच॥
विनयनमानखगेशसुनु भयबिनुनवैननीच॥

॥चौपाई॥

सभयसिंधुगहिपदप्रभुकेरे॥ क्षमहुनाथसबअवगुणमेरे॥ गगनसमीरअ नलजलधरणी॥ इनकैनाथसहजजडकरणी॥ तवप्रेरितमायाउपजाये॥ सृष्टिहेतुसबग्रंथनगाये॥ प्रभुआयसुजेहिकहंजसअहहीं॥ सोतेहिंभांति रहेसुखलहहीं॥ प्रभुभलकीन्हमोहिशिखदीन्हा॥ मर्य्यादासबतुम्हरीकीन्हा॥ ढोलगंवारशूद्रपशुनारी॥ येसबताडनकेअधिकारी॥ प्रभुप्रतापमैंजा येलशुतिगाई॥ करउँवेगिजोतुमहिसोहाई॥

॥ दोहा॥

सुनतविनीतवचनअति कहकृपालमुसुकाइ॥
जेहिविधिउतरैकपिकटक तातसोकरहुउपाइ॥

॥ चौपाई॥

नाथनीलनलकपिदोउभाई॥ लरिकाईऋषिआयसुपाई॥ तिनकेपरसकिऐं

॥ दोहा ॥

बातन्हमनहिरिझाइसठ जनिघालसिकुलखीस॥

रामबिरोधनउबरसिहि शरणबिष्णुअजईश ॥

होउमानतजिअनुजइव प्रभुपदपंकजभृङ्ग ॥

होहिंरामसरअनलखल जनिकुलसहितपतंग ॥

॥ चौपाई ॥

सुनतसभयमनमुहमुसुकाई ॥ कहतदशाननसबहिसुनाई ॥ भूमिपराकरगहतअकासा ॥ लघुतापसकरबागविलासा ॥ कहशुकनाथसत्यसबबाणी ॥ समुझहुछाडिप्रकृतिअभिमानी ॥ सुनहुबचनममपरिहरिक्रोधा ॥ नाथरामसनतजहुविरोधा ॥ अतिकोमलरघुबीरसुभाऊ ॥ यद्यपिअखिललोककरराऊ ॥ मिलतकृपाप्रभुतुमपरकरिहैं ॥ उरअपराधनएकौधरिहैं ॥ जनकसुतारघुनाथहिदीजै ॥ एतनाकहामोरप्रभुकीजै ॥ जबतेइंदेनकहेउबैदेही ॥ चरणप्रहारकीन्हशठतेही ॥ चरणनाइशिरचलासोतहां ॥ कृपासिंधुरघुनायकजहां ॥ करिप्रणामनिजकथासुनाई ॥ रामकृपाआपनगतिपाई ॥ ऋषिअगस्त्यकरश्रापभवानी ॥ राक्षसभयारहामुनिज्ञानी ॥ बंदिरामपदबारहिंबारा ॥ पुनिनिजआश्रमकहंपगुधारा ॥

॥ दोहा ॥

बिनयनमानतजलधिजड गएतीनिदिनबीति ॥

बोलेरामसकोपतब भयबिनुहोइनप्रीति ॥

॥ चौपाई ॥

लक्ष्मणबाणशरासनआनू ॥ सोषौंबारिधिबिशिखकृशानू ॥ शठसनबिनयकुटिल

सनप्रीती ॥ सहजकृपणसनसुंदरनीती ॥ ममतारतसनज्ञानकहानी ॥ अतिलोभीसनविरतिबखानी ॥ क्रोधिहिशमकामिहिहरिकथा ॥ ऊसरबीजबयेफलयथा ॥ असकहिरघुपतिचापचढावा ॥ यहमतलक्ष्मणकेमनभावा ॥ संधानेउधनुविशिखकराला ॥ उठीउदधिउरअंतरज्वाला ॥ मकरउरगझखगणअकुलाने ॥ जरतजंतुजलनिधिपहिचाने ॥ कनकथारभरिमणिगणनाना ॥ विप्ररूपआयोतजिमाना ॥ ** ॥ दोहा ॥ *****

काटेपैकेदलिफरै कोटियतनकोउसींच ॥
विनयनमानखगेशसुनु भयविनुनवैननीच ॥

॥ चौपाई ॥

सभयसिंधुगहिपदप्रभुकेरे ॥ क्षमहुनाथसबअवगुणमेरे ॥ गगनसमीरअनलजलधरणी ॥ इनकैनाथसहजजडकरणी ॥ तवप्रेरितमायाउपजाये ॥ सृष्टिहेतुसबग्रंथनगाये ॥ प्रभुआयसुजेहिकहंजसअहहीं ॥ सोतेहिंभांतिरहेसुखलहहीं ॥ प्रभुभलकीन्हमोहिशिखदीन्हा ॥ मर्य्यादासबतुम्हरीकीन्हा ॥ ढोलगंवारशूद्रपशुनारी ॥ येसबताडनकेअधिकारी ॥ प्रभुप्रतापमैंजाबसुखाई ॥ उतरिहिकटकनमोरिबडाई ॥ प्रभुआज्ञाअपेलश्रुतिगाई ॥ करउँसोवेगिजोतुमहिसोहाई ॥ ● ● ● ● ● ● ● ● ● ● ●

***** ॥ दोहा ॥ ******

सुनतविनीतवचनअति कहकृपालमुसुकाइ ॥
जेहिविधिउतरैकपिकटक तातसोकरहुउपाइ ॥

॥ चौपाई ॥

नाथनीलनलकपिदोउभाई ॥ लरिकाईऋषिआयसुपाई ॥ तिनकेपरसकियें

गिरिभारे ॥ तरिहहिंजलधिप्रतापतुम्हारे ॥ मैपुनिउरधरिप्रभुप्रभुताई ॥ करिहौंबलअनुमानसहाई ॥ यहिशरममउत्तरतटवासी ॥ हतऊनाथनरखलअघरासी ॥ सुनिकृपालसागरमनपीरा ॥ तुरतहिहरीरामरणधीरा ॥ देखिरामबलअतुलितभारी ॥ हर्षिपयोनिधिभयोसुखारी ॥ सकलचरितकहिप्रभुहिसुनावा ॥ चरणवंदिपाथोधिसिधावा ॥ ** ॥ छन्द ॥ *****

निजभवनगवनेउसिंधुश्रीरघुवीरहियमतभायऊ ॥ * ॥ यहचरितकलिमलहरणजसमतिदासतुलसीगायऊ ॥ * ॥ सुखभवनसंशयदमनशमनविषादरघुपतिगुणगना ॥ * ॥ तजिआशसकलभरोसगावहिंसुनहिंसज्जनसुचिमना ॥ * ॥ ****

********** ॥ दोहा ॥ **********

सकलसुमंगलदायक रघुनायकगुणगान * ॥
सादरसुनहिंतेतरहिंभव सिंधुविनाजलयान ॥

॥ ६४ ॥ इतिश्रीरामचरितमानसेसकलकलिकलुषविध्वंसनेविमलविज्ञानवैराग्यसम्पादनोनामपंचमः सोपानः समाप्तः ॥ शुभमस्तु ॥ सिद्धिरस्तु ॥

****

॥ गणेशायनमः ॥

॥ दोहा ॥

लवनिमेषपरमाणुयुग वर्षकल्पशरचंड ॥
भजसिनमनतेहिरामकहं कालजासुकोदंड ॥

॥ सोरठा ॥

सिंधुवचनसुनिराम सचिवबोलिप्रभुअसकहेउ ॥
अबविलंबकेहिकाम करहुसेतुउतरैकटक ॥
सुनहुभानुकुलकेतु जामवन्तकरजोरिकह ॥
नाथनामतवसेतु नरचढिभवसागरतरहिं ॥

॥ चौपाई ॥

यहलघुजलधितरतकतवारा ॥ असमुनिपुनिकहपवनकुमारा ॥ प्रभुप्रताप वडवानलभारी ॥ शोषेउप्रथमपयोनिधिवारी ॥ तवरिपुनारिरुदनजलधारा ॥भरेउबहोरिभयोतेहिखारा ॥ सुनिअसउक्तिपवनसुतकेरी ॥ विहंसेरघुपति कपितनहेरी ॥ जामवन्तबोलेदोउभाई ॥ नलनीलहिसबकथासुनाई ॥ रामप्रतापसुमिरिउरमांही ॥ करहुसेतुप्रयासकछुनाहीं ॥ बोलिलियेकपिनिकरब

होरी ॥ सकलसुनज्ञविनतीएकमोरी ॥ रामचरणपंकजउरधरह्न ॥ कौतुकएकभालुकपिकरह्न ॥ धावज्ञमर्कटविकटवरूथा ॥ आनज्ञविटपगिरिनकेयूथा ॥ सुनिकपिभालुचलेकरिह्नहा ॥ जयरघुवीरप्रतापसमूहा ॥ *****

~*~*~*~ ॥ दोहा ॥ *~*~*~*~**

अतिउतंगतरुशैलगण लीलहिलेहिंउठाइ ॥
आनिदेहिंनलनीलकहं विरचहिंसेतुवनाइ ॥

॥ चौपाई ॥

शैलविशालआनिकपिदेहीं ॥ कंदुकइवनलनीलसोलेहीं ॥ देखिसेतुअतिसुंदररचना ॥ विहंसिकृपानिधिवोलेवचना ॥ परमरम्यसुंदरयहधरणी ॥ महिमाअमितजाइनहिवरणी ॥ करिहौंइहांशंभुअस्थापन ॥ मोरेहृदयेपरमकलापन ॥ सुनिकपीशवज्ञदूतपठाये ॥ मुनिवरनिकरवोलिलेआये ॥ लिंगथापिविधिवतकरिपूजा ॥ शिवसमानप्रियमोहिनदूजा ॥ शिवद्रोहीममदासकहावै ॥ सोनरसप्नेज्ञमोहिनपावै ॥ शंकरविमुखभक्तिचहमोरी ॥ सोनरमूढमंदमतिथोरी ॥ * * * * * * ॥ दोहा ॥ ● ● ● ● ● ● ● ● ● ● ● ● ● ●

शंकरप्रियममद्रोही शिवद्रोहीममदास ॥
तेनरकरहिंकल्पभरि घोरनरकमहंवास * ॥

॥ चौपाई ॥

जोरामेश्वरदरशनकरिहैं ॥ सोतनतजिममधामसिधरिहैं ॥ रामवचनसवकेमनभाये ॥ मुनिवरनिजनिजआश्रमआये ॥ गिरिजारघुपतिकेयहरीती ॥ संततकरहिंप्रणतपरप्रीती ॥ वांधेउसेतुनीलनलनागर ॥ रामकृपायशभयउ

आगर ॥ बोरहिंपाहनबूडहिंजेई ॥ भयेप्रबलबोहितसमतेई ॥ महिमाक छुनजलधिकेबरणी ॥ पाहनगुणनकपिनकेकरणी ॥

॥ दोहा ॥

श्रीरघुबीरप्रतापतें सिंधुतरैपखाण ॥
तेमतिमंदजोरामतजि हृदयकरहिंकछुआन ॥

॥ चौपाई ॥

बांधिसेतुअतिसुदृढबनावा ॥ देखिकृपानिधिकेमनभावा ॥ चलीसेनकछुबर णिनजाई ॥ चितवहिंकृपासिंधुहरषाई ॥ देखनकहंप्रभुकरुणाकंदा ॥ प्रगटभये सबजलचरवृन्दा ॥ नानामकरनक्रझखब्याला ॥ शतयोजनतनपरमविशाला ॥ ऐसेएकएकहिधरिखाहीं ॥ एकनिकेडरएकडेराहीं ॥ प्रभुहिबिलोकहिंटरहिं नटारे ॥ मनहर्षितसबभयेसुखारे ॥ तिनकीओटनदेखियबारी ॥ मगनभये हरिरूपनिहारी ॥ चलीकटककछुगणिनसिराई ॥ कोकहिसककपिदलबिपु लाई ॥

॥ दोहा ॥

सेतुबंधभइभीरअति कपिनभपंथउडाहिं ॥
अपरजलचरनिउपरचढि बिनुश्रमपारहिंजाहिं ॥

॥ चौपाई ॥

यहकौतुकबिलोकिद्वौभाई ॥ बिहंसिचलेकृपालरघुराई ॥ सेनसहितउतरे रघुबीरा ॥ कहिनजातकछुयूथपभीरा ॥ सिंधुपारप्रभुडेराकीन्हा ॥ सकलक पिनकहंआयसुदीन्हा ॥ खाऊजाइफलफूलसुहाये ॥ सुनतभालुकपिजहंत हंधाये ॥ सबतरुफरेरामहितलागी ॥ ऋतुअनऋतुहिकालगतित्यागी ॥ खाहिं

मधुरफलबिटपहिलावहिं ॥ लंकासन्मुखशिखरचलावहिं ॥ जहंकहुंफिरत निशाचरपावहिं ॥ घेरिसकलमिलिनाचनचावहिं ॥ दशननकाटिनासिकाकाना ॥ कहिप्रभुसुयशदेहिंतेहिजाना ॥ जिनकरनासाकाननिपाना ॥ तेइंरावणहिकहीसबबाता ॥ सुनतश्रवणबारिधिबंधाना ॥ दशमुखबोलिउठाअकुलाना

॥ दोहा ॥

बांधेउजलनिधिनीरनिधि जलधिसिंधुबारीश ॥

सत्यतोयनिधिपंकनिधि उदधिपयोधिनदीश ॥

॥ चौपाई ॥

व्याकुलतानिजसमुझिबहोरी ॥ बिहंसिचलागृहकरिभयभोरी ॥ मन्दोदरीसुनाप्रभुआये ॥ कौतुकहीपाथोधिबंधाये ॥ करगहिपतिहिभवननिजआनी ॥ बोलीपरममनोहरबाणी ॥ चरणनाइशिरअंचलरोपा ॥ सुनहुबचनप्रियपरिहरिकोपा ॥ नाथबैरकीजैताहीसों ॥ बुधिबलजीतिशकियजाहीसों ॥ तुमहींरघुपतिअंतरकैसा ॥ खलखद्योतदिवाकरजैसा ॥ अतिबलमधुकैटभजिनमारा ॥ महावीरदितिसुतसंहारा ॥ जेइंबलिबांधिसहसभुजमारा ॥ सोअवतरेउहरणमहिभारा ॥ तासुबिरोधनकीजियनाथा ॥ कालकर्मगुणजिनकेहाथा ॥

॥ दोहा ॥

रामहिंसौंपहुजानकी नाइकमलपदमाथ ॥

सुतकहंराजदेइबन जाइभजहुरघुनाथ ॥

॥ चौपाई ॥

नाथदीनदयालरघुराई ॥ बाघौसन्मुखगयेनखाई ॥ चाहियकरणसोसबक

रिबीते ॥ तुमसुरअसुरचराचरजीते ॥ संतकहहिंअसनीतिदशानन ॥ चौथेपनजाइयनृपकानन ॥ तासुभजनकिजैतुमभर्ता ॥ जोकर्तापालकसंहर्ता ॥ सोइरघुबीरप्रनतअनुरागी ॥ भजहुनाथममताबसत्यागी ॥ मुनिबरयतनकरहिंजेहिलागी ॥ भूपराजतजिहोहिंबिरागी ॥ सोइकोशलाधीशरघुराया ॥ आयेकरनतोहिपरदाया ॥ जौंपियमानहुमोरसिखावन ॥ होइहिसुयशतिहूपुरपावन ॥ ● ● ● ● ● ● ● ● ● ● ॥ दोहा ॥ ● ● ● ● ● ● ● ● ● ● ● ● ● ●

असकहिलोचनबारिभरि गहिपदकंपितगात ॥

नाथभजहुरघुनाथपद अचलहोइअहिवात ॥

॥ चौपाई ॥

तबरावणमयसुताउठाई ॥ कहैलागखलनिजप्रभुताई ॥ सुनुतैंप्रियावृथाभयमाना ॥ जगयोधाकोमोहिसमाना ॥ बरुणकुबेरपवनयमकाला ॥ भुजबलजितेसकलदिकपाला ॥ देवदनुजनरसबबशमोरे ॥ कवनहेतुउपजीभयतोरे ॥ नानाबिधितेहिकहिसमुझाई ॥ सभाबहोरिबैठसोआई ॥ मन्दोदरीहृदयअसजाना ॥ कालबिबशउपजाअभिमाना ॥ सभाआइमंत्रिनसोबूझा ॥ करिबकवनबिधिरिपुसनजूझा ॥ कहहिंसचिवसुनुनिशिचरनाहा ॥ बारबारप्रभुपूछहुकाहा ॥ कहहुकवनभयकरियबिचारा ॥ नरकपिभालुअहारहमारा ॥ ● ● ● ● ● ●

● ● * ॥ दोहा ॥ *

सबकेबचनश्रवणसुनि कहप्रहस्तकरजोरि ॥

नीतिबिरोधनकरियप्रभु मंत्रिनमतिअतिथोरि ॥

॥ चौपाई ॥

कहहिंसचिवसबठकुरसोहाती॥नाथनपुरआवहिंयहिभांती॥बारिधिनांघिए ककपिआवा॥तासुचरितमनमहंसबगावा॥छुधानरहीतुमहिंसबकाहू॥जा रतनगरनकसधरिखाहू॥सुनततनीकआगेंदुखपावा॥सचिवन्हअसमतप्र भुहिंसुनावा॥जोवारीशबंधाएउहेला॥उतरेकपिदलसहितसुवेला॥सो जनुमनुजखावहमभाई॥बचनकहहिंसबगालफुलाई॥सुनिममबचनतात अतिआदर॥जनिमनगुणहुमोहिकहिकादर॥प्रियबाणीजेसुनहिंजेकह हीं॥ऐसेजगनिकायनरअहहीं॥बचनपरमहितसुनतकठोरे॥कहहिंसु नहिंतेनरप्रभुथोरे॥प्रथमवशिठपठइयसुनुनीती॥सीतहिंदेइकरियपुनि प्रीती॥ ⁂⁂⁂⁂⁂⁂⁂ ॥ दोहा ॥ ⁂⁂⁂⁂⁂⁂⁂⁂⁂⁂⁂

नारिपाइफिरिजांहिजौं तौनबढाइयरार॥
नाहितोसन्मुखसमरमंह नाथकरियहठमार॥

॥ चौपाई ॥

यहमतजौंमानहुप्रभुमोरा॥उभयप्रकौरसुयशजगतोरा॥सुतसनकहदशक ठरिसाई॥असमतशठतोहिकवनसिखाई॥अबहींतेउरसंशयहोई॥बेणु बंशसुतभयेसिवमोई॥सुनिअसबचनताहिकेघोरा॥चलाभवनकहिबचनक ठोरा॥हितमततोहिनलागतकैसे॥कालविबशकंहभेषजजैसे॥संध्यासमय जानिदशसीसा॥भवनचलानिरखतभुजवीसा॥लंकाशिखररुचिरआगार॥ अतिविचित्रतहंहोतअखार॥बैठुजाइतेहिमंदिरसवरा॥लागेकिन्नरगंधर्व गावन॥बाजैतालपखाउजवीना॥नृत्यकरहिंअप्सराप्रवीना॥ * * * ●

* * * ॥ दोहा ॥ * * *

सुनासीरशतसरिससो सन्ततकरैंविलास ॥
परमप्रबलरिपुसीसपर तदपिनमनकछुत्रास ॥

॥ चौपाई ॥

इहांसुवेलशैलरघुबीरा ॥ उतरेसेनसहितअतिभीरा ॥ शैलशृंगएकसुंदर देखी ॥ अतिउतंगसमसुभगविशेषी ॥ तहंतरुकिसलयसुमनसुहाये ॥ लछ्मणरचिनिजहाथडसाये ॥ तापररुचिरमृदुलमृगछाला ॥ तेहिआसनआसीनकृपाला ॥ प्रभुकृतसीसकपीशउछंगा ॥ बामदहिनदिशिचापनिषंगा ॥ दुहुकरकमलसुधारतबाना ॥ कहलंकेशमंत्रलगिकाना ॥ बडभागीअंगदहनुमाना ॥ चरणकमलचापतविधिनाना ॥ तेहिपाछेंलछ्मणबीरासन ॥ कटिनिषंगकरबाणशरासन ॥ ॥ दोहा ॥

यहिविधिकहणाशीलगुण धामरामआसीन ॥
धन्यतेनरयहध्यानरत रहतसदालवलीन ॥
पूरबदिशाविलोकिप्रभु देखाउदितमयंक ॥
कहेउसबहिंदेखहुशशिहि मृगपतिसरिसअशंक ॥

॥ चौपाई ॥

पूरबदिशिगिरिगुहानिवासी ॥ परमप्रतापतेजबलरासी ॥ मत्तनागतमकुम्भविदारी ॥ शशिकेहरीगगनबनचारी ॥ बिथुरेनभमुकुताहलतारा ॥ निशिसुन्दरीकरीशृंगारा ॥ कहप्रभुशशिमहंमेचकताई ॥ कहहुकाहनिजनिजमतिभाई ॥ कहसुग्रीवसुनहुरघुराई ॥ शशिमहंप्रगटभूमिकीछाई ॥ मारेउराहुशशिहिकहकोई ॥ उरमहंपरीश्यामतासोई ॥ कोउकहजबविधिरतिमुख

कीन्हा ॥ सारभागशशिकरहरिलीन्हा ॥ छिद्रसोप्रगटइंदुउरमांही ॥ तेहिम
गदेखियनभपरिछांही ॥ कहप्रभुगरलबंधुशशिकेरे ॥ अतिप्रियनिजउरदीन्ह
बसेरे ॥ विषसंयुतनिजनिकरपसारी ॥ जारतबिरहवन्तनरनारी ॥ ❁❁❁

॥ दोहा ॥

कहमारुतसुतसुनहुप्रभु शशितुम्हारप्रियदास ॥
तवमूरतितेहिउरबसत सोइश्यामताभास ❁❁❁ ॥
पवनतनयकेवचनसुनि बिहँसेरामसुजान ❁❁ ॥
दक्षिणदिशाबिलोकिपुनि बोलेकृपानिधान ❁❁❁ ॥

॥ चौपाई ॥

देखुबिभीषणदक्षिणआशा ॥ घनघमंडदामिनीबिलासा ॥ मधुरमधुरगर्जतघ
नघोरा ॥ होइवृष्टिजनुउपलकठोरा ॥ कहतबिभीषणसुनुकृपाला ॥ हो
इनतडितनवारिदमाला ॥ लंकाशिखरउपरआगारा ॥ तहँदशकंधरकेरअखा
रा ॥ छत्रमेघडंबरशिरधारी ॥ सोइजनुजलदघटाअतिकारी ॥ मन्दोदरीश्रवण
ताटंका ॥ सोइप्रभुजनुदामिनीदमंका ॥ बाजहिंतालमृदंगअनूपा ॥ सोइरवम
धुरसुनहुसुरभूपा ॥ प्रभुमुसुकानदेखिअभिमाना ॥ चापचढाइवाणसंधाना ॥

॥ दोहा ॥

छत्रमुकुटताटंकसब हनेएकहीवाण ❁ ॥
सबकेदेखतमहिगिरे मर्मनकाहूजान ❁ ॥
असकौतुककरिरामशर प्रविशेउआइनिषंग ॥
रावणसभाशशंकसब देखिमहारसभंग ❁ ॥

॥ चौपाई ॥

कंपनभूमिनमरुतविशेषा॥ अस्त्रशस्त्रकछुनयननदेषा॥ सोचहिंसवनिजहृदयविचारी॥ असगुनभयउभयंकरभारी॥ रावणदीखसभाभयपाई॥ बिहंसिबचनकहयुक्तिबनाई॥ शिरोगिरेसंततशुभजाही॥ मुकुटपरेकसअसगुनताही॥ शयनकरहुनिजनिजगृहजाई॥ गवनेभवनसकलशिरनाई॥ मन्दोदरीसोचउरबसेऊ॥ जबतेश्रवणपूरमहिखसेऊ॥ सजलनयनकहयुगकरजोरी॥ सुनहुप्राणपतिविनतीमोरी॥ कंतरामविरोधपरिहरहू॥ जानिमनुजजनिहठउरधरहू॥ ॥ दोहा ॥

विश्वरूपरघुवंशमणि करहुवचनविश्वास॥
लोककल्पनावेदकर अंगअंगप्रतिजासु॥

॥ चौपाई ॥

पदपातालशीशअजधामा॥ अपरलोकअंगन्हविश्रामा॥ भृकुटिविलासभयंकरकाला॥ नयनदिवाकरकचघनमाला॥ जासुघ्राणअश्विनीकुमारा॥ निशअरुदिवसनिमेषअपारा॥ श्रवणदिशादशवेदवखानी॥ मारुतश्वासनिगमनिजवाणी॥ अधरलोभयमदशनकराला॥ मायाहासबाहुदिक्पाला॥ आननअनलअंबुपतिजीहा॥ उतपतिपालनप्रलयसमीहा॥ रोमावलीअष्टदशभारा॥ अस्थिशैलसरितानसजारा॥ उदरउदधिअधगोजातन॥ जगमायाबहुकलाकलापन॥ ॥ दोहा ॥

अहंकारशिवबुद्धिअज मनशशिचित्तमहान॥
मनुजवाससचराचर रूपराशिभगवान॥

असविचारिसुनुप्राणपति प्रभुसनबैरबिहाइ॥
प्रीतिकरहुरघुबीरपद ममअहिवातनजाइ॥

॥ चौपाई ॥

बिहँसानारिबचनसुनिकाना॥ अहोमोहमहिमाबलवाना॥ नारिसुभावसत्य कविकहहीं॥ अवगुणआठसदाउररहहीं॥ सहसाअनृतचपलतामाया॥ भयअबिबेकअसोचअदाया॥ रिपुकररूपसकलतैंगावा॥ अतिबिशालभयमोहिसुनावा॥ सोसबप्रियासहजबशमोरे॥ समुझिपराप्रभावअबतोरे॥ जानेउँ प्रियातोरिचतुराई॥ यहमिसुकहेहुमोरिप्रभुताई॥ तवबतकहीगूढमृगलोचनि॥ समुझतसुखदसुनतभयमोचनि॥ मंदोदरिमनमंहयहठयऊ॥ प्रियहिकालबशमतिभ्रमभयऊ॥

॥ दोहा॥

बहुबिधिजल्पेसिसकलनिशि प्रातभयेदशकंध॥
सहजअशंकसोलंकपति सभागयोमदअंध॥

॥ सोरठा॥

फूलैफलैनबेत यदपिसुधावर्षहिंजलद॥
मूरखहृदयनचेत जौंगुरुमिलहिंबिरंचिसम॥

॥ चौपाई॥

इहांप्रातजागेरघुराई॥ पूछामतसबसचिवबुलाई॥ कहहुबेगिकाकरियउपाई॥ जामवन्तकहपदशिरनाई॥ सुनुसर्वज्ञसकलउरबासी॥ सर्वरूपसबरहितउदासी॥ मंत्रकहवनिजमतिअनुसारा॥ दूतपठाइयबालिकुमारा॥ नीकमंत्रसबकेमनमाना॥ अंगदसनकहकृपानिधाना॥ बालितनयबुधिबलगुणधा

मा॥ लंका जाहु तात मम कामा॥ बहुत बुझाइ तुम्हहि का कहऊँ॥ परम चतुर मैं जानत अहऊँ॥ काजु हमार तासु हित होई॥ रिपु सन करेहु बतकही सोई॥

॥ सोरठा॥

प्रभु आज्ञा धरि सीस चरन बंदि अंगद उठेउ॥
सोइ गुन सागर ईस राम कृपा जा पर करहु॥
स्वयं सिद्ध सब काज नाथ मोहि आदर दयउ॥
अस बिचारि जुबराज तन पुलकित हरषित हियउ॥

॥ चौपाई॥

बन्दि चरन उर धरि प्रभुताई॥ अंगद चलेउ सबहि सिर नाई॥ प्रभु प्रताप उर सहज असंका॥ रन बाँकुरा बालिसुत बंका॥ पुर पैठत रावन कर बेटा॥ खेलत रहा सो होइ गइ भेंटा॥ बातहि बात करष बढ़ि आई॥ जुगल अतुल बल पुनि तरुनाई॥ तेहि अंगद कहँ लात उठाई॥ गहि पद पटकेउ भूमि भवाँई॥ निसिचर निकर देखि भट भारी॥ जहँ तहँ चले न सकहिं पुकारी॥ एक एक सन मरम न कहहीं॥ समुझि तासु बध चुप करि रहहीं॥ भयउ कोलाहल नगर मझारी॥ आवा कपि लंका जेहि जारी॥ अब धौं कहा करिहि करतारा॥ अति सभीत सब करहिं बिचारा॥ बिनु पूछे मगु देहिं दिखाई॥ जेहि बिलोकि सो जाइ सुखाई॥

॥ दोहा॥

गयउ सभा दरबार तब सुमिरि राम पद कंज॥
सिंह ठवनि इत उत चितव धीर बीर बल पुंज॥

॥ चौपाई॥

॥रा०ल०॥

॥ ६ ॥

तुरितनिसाचरएकपठावा ॥ समाचाररावनहिसुनावा ॥ सुनतबचनबोलेउ दससीसा ॥ आनहुबोलिकहांकरकीसा ॥ आयसुपाइदूतबहुधाये ॥ कपिकुंजरहिबोलिलैआये ॥ अंगददीखदसाननबैसा ॥ सहितप्रानकज्जलगिरिजैसा ॥ भुजाबिटपसिरसृंगसमाना ॥ रोमावलीलताजनुनाना ॥ मुखनासिकानयनअरुकाना ॥ गिरिकंदराखोहअनुमाना ॥ गयउसभामननेकुनमुरा ॥ बालितनयअतिबलबांकुरा ॥ उठेसभासदकपिकहंदेखी ॥ रावनउरभाक्रोधबिसेषी ॥

॥ दोहा ॥

यथामत्तगजयूथमहं पंचाननचलिजाय ॥
रामप्रतापसुमिरिमन बैठसभासिरनाय ॥

॥ चौपाई ॥

कहदसकंठकवनतैंबंदर ॥ मैंरघुबीरदूतदसकंधर ॥ ममजनकहितोहिरहीमिताई ॥ तवहितकारनआयेउंभाई ॥ उत्तमकुलपुलस्तिकरनाती ॥ सिवबिरंचिपूजेहुबहुभांती ॥ बरपायेहुकीन्हेहुसबकाजा ॥ जीतेहुलोकपालसबराजा ॥ नृपअभिमानमोहबसकिंबा ॥ हरिआनेहुसीताजगदंबा ॥ अबसुभकहासुनहुतुममोरा ॥ सबअपराधछमिहिप्रभुतोरा ॥ दसनगहहुतृनकंठकुठारी ॥ परिजनसंगसहितनिजनारी ॥ सादरजनकसुताकरिआगे ॥ यहिबिधिचलहुसकलभयत्यागे ॥

॥ दोहा ॥

प्रनतपालरघुबंसमनि त्राहित्राहिअबमोहि ॥
आरतगिरासुनतप्रभु अभयकरहिंगेतोहि ॥

॥ चौपाई ॥

रेकपिपोतकबोलुसंभारी॥ मूढनजानसिमोहिसुरारी॥ कहुनिजनामजनककरभाई॥ केहिनातेमानियैमिताई॥ अंगदनामबालिकरबेटा॥ तासोंकबहूंभइहोइभेंटा॥ अंगदबचनसुनतसकुचाना॥ रहाबालिबानरमैंजाना॥ अंगदताहिबालिकरबालक॥ उपजेहुबंशअनलकुलघालक॥ गर्भनगयेहुबृथातुमजाये॥ निजमुखतापसदूतकहाये॥ अबकहुकुशलबालिकहंअहई॥ बिहंसिबचनअंगदअसकहई॥ दिनदशगयेबालिपंहजाई॥ पूछेहुकुशलसखाउरलाई॥ रामबिरोधकुशलजसहोई॥ सोसबतुमहिसुनाइहिसोई॥ सुनुशठभेदहोइमनताके॥ श्रीरघुबीरहृदयनहिंजाके॥

॥ दोहा ॥

हमकुलघालकसत्यतुम कुलपालकदशशीश॥
अंधौबधिरनअसकहहिं नयनकानतवबीस॥

॥ चौपाई ॥

शिवबिरंचिसुरमुनिसमुदाई॥ चाहतजासुचरनसेवकाई॥ तासुदूतहोइहमकुलबोरा॥ ऐसीमतिउरबिहरनतोरा॥ सुनिकठोरबानीकपिकेरी॥ कहतदशाननमयनतरेरी॥ खलतवबचनकठिनसबसहऊं॥ नीतिधर्मसबजानतअहऊं॥ कहकपिधर्मशीलतातोरी॥ हमहुंसुनीकृतपरत्रियचोरी॥ देखेउनयनदूतरखवारी॥ बूडिनमरहुधर्मब्रतधारी॥ कानकानबिनुभगिनिनिहारी॥ क्षमाकीन्हतुमधर्मबिचारी॥ धर्मशीलतातवजगजागी॥ पावादरशहमहुंबड़भागी॥

॥ दोहा ॥

जनिजल्पसिजडजन्तुकपि शठबिलोकुममबाहु॥

लोकपालबलबिपुलशशि ग्रसनहेतुजिमिराहु ॥
पुनिनभशर मधुकर निकर करकमलनपरवास ॥
शोभितभयेउमरालइव शंभुसहितकैलाश ** ॥

॥ चौपाई ॥

तुम्हरेकटकमांहसुनुअंगद ॥ मोसनभिरहिंकवनयोधावद ॥ तबप्रभुनारिबिरहबलहीना ॥ अनुजतासुदुखदुखितमलीना ॥ तुमसुग्रीवकुलद्रुमदोऊ ॥ बंधुहमारभीरुअतिसोऊ ॥ जामवन्तमंत्रीअतिबूढा ॥ सोकिमिहोइसमरआरूढा ॥ शिल्पकर्मजानतनलनीला ॥ हैकपिएकमहाबलशीला ॥ आवाप्रथमनगरजेहिंराजा ॥ सुनिहंसिबोलेउबालिकुमारा ॥ सत्यबचनकहनिशिचरनाहा ॥ सांचहुंकीसकीन्हपुरदाहा ॥ रावणनगरअल्पकपिदहई ॥ कोअसमूढकहैकोसुनई ॥ जोअतिसुभटसराहेउरावण ॥ सोसुग्रीवकेरलघुधावन ॥ चलेबहुतसोबीरनहोई ॥ पठवाखबरिलेनहमसोई ॥ * * * * * * *

॥ दोहा ॥

अबजानापुरदहेउकपि बिनुप्रभुआयसुपाइ ॥
गयउनफिरिनिजनाथपहं तेहिभयरहेउलुकाइ ॥
सत्यकहसिदशकंठसौं मोहिनसुनिकछुकोह ** ॥
कोउनहमरेकटकमहं तुमसनलरतजोसोह * ॥
प्रीतिबिरोधसमानसन करियनीतिअसआहि * ॥
जौंमृगपतिबधमेढुकहिं भलोकहैकोताहि ** ॥
यद्यपिलघुताराममहं तेहिबधेबडदोस *** ॥

तदपिकठिनदशकंठसुनु क्षत्रिजातिकरशेष * ॥
हंसिबोलेउदशमौलितब कपिकरगुणबडएक ॥
जोप्रतिपालैतासुहित करैउपायअनेक * * * ॥

॥ चौपाई ॥

धन्यकीसजोनिजप्रभुकाजा ॥ जहंतहंनाचहिंपरिहरिलाजा ॥ नाचिकूदिकरिलोगरिझाई ॥ पतिहितकरतधर्मनिपुनाई ॥ अंगदस्वामिभक्ततवजाती ॥ प्रभुगुणकसनकहसियहिभांती ॥ मैगुणगाहकपरमसुजाना ॥ तवकटुवचनकरैंनहिकाना ॥ कहकपितवगुणगाहकताई ॥ सत्यपवनसुतमोहिसुनाई ॥ बनबिधंसिसुतवधिपुरजारा ॥ तदपिनतेहिककुकृतअपकारा ॥ सोइबिचारितवप्रकृतिसुहाई ॥ दशकंधरमैकीन्हढिठाई ॥ देखेउंआइजोकछुकपिभाषा ॥ तुम्हरेलाजनरोषनमाखा ॥ जौंअसमतिपितुखायेउकीसा ॥ कहिअसबचनहँसादशसीसा ॥ पितहिंखाइखातेउंअवतोही ॥ अवहींसमुझिपराकछुमोही ॥ बालिबिमलयशभाजनजानी ॥ हतौंनतोहिअधमअभिमानी ॥ सुनुसवणरावणजगकेते ॥ मैनिजश्रवणसुनेसुनुतेते ॥ बलिजीतनएकगयउपताला ॥ राखाबांधिशिशुनहयशाला ॥ खेलहिंबालकमारहिंजाई ॥ दयालागिबलिदीन्हछडाई ॥ एकबहोरिसहसभुजदेखा ॥ धाइधराजनुजन्तुविशेषा ॥ कौतुकलागिभवनलैआवा ॥ सोपुलस्त्यमुनिजाइछडावा ॥ *—* ॥ दोहा ॥ *—**

एककहतमोहिसकुचअति रहावालिकेकांख ॥
तिनमहंरावणकवनतुम सत्यकहहुतजिमांख ॥

॥ चौपाई ॥

सुनुशठसोइरावणबलशीला ॥ हरगिरिजानुजासुभुजलीला ॥ जानुउमापति जासुसुराई ॥ पूजेजेहिशिरसुमनचढाई ॥ शिरसरोजनिजकरन्हउतारी ॥ पजेअमितबारत्रिपुरारी ॥ भुजबिक्रमजानहिंदिकपाला ॥ शठअजहूंजिनकेउर शाला ॥ जानहिंदिग्गजउरकठिनाई ॥ जबजबभिरेउंजाइबरिआई ॥ जिन केदशनकरालनफूटे ॥ उरलागतमूलकइवटूटे ॥ जासुचलतडोलतइमिधरणी ॥ चढतमत्तगजजिमिलघुतरणी ॥ सोइरावणजगविदितप्रतापी ॥ सुनेन श्रवणअलीकप्रलापी ॥ ** ॥ दोहा ॥ *****

तेहिरावणकहंलघुकहसि नरकरकरसिबखान ॥
रेशठबर्बरखर्बखल तबनजानअबजान ॥

॥ चौपाई ॥

सुनिअंगदसकोपकहवाणी ॥ बोलुसंभारिअधमअभिमानी ॥ सहस्रबाहुभु जगहनअपारा ॥ दहनअनलकुलजासुकुठारा ॥ जासुपरशुसागरखरधारा ॥ बूडेन्टपअगणितबहुवारा ॥ तासुगर्बजेहिदेखतभागा ॥ सोनरकिमिदशकंठ अभागा ॥ राममनुजकसरेशठबंगा ॥ धन्वीकामनदीपुनिगंगा ॥ पशुसुरधे नुकल्पतरुरूखा ॥ अन्नदानअरुरसपीयूखा ॥ बैनतेयखगअहिसहसानन ॥ चिन्तामणिपुनिउपलदशानन ॥ सुनुमतिमंदलोकवैकुण्ठ ॥ लाभकिरघुपति भक्तिअकुण्ठ ॥ ** ॥ दोहा ॥ *****

सेनसहिततवमानमथि बनउजारिपुरजारि ॥
कसरेशठहनुमानकपि गयउजोतवसुतमारि ॥

॥ चौपाई ॥

सुनुरावणपरिहरिचतुराई ॥ भजसिनकृपासिंधुरघुराई ॥ जौंखलभयेसि
रामकरद्रोही ॥ ब्रह्मरुद्रशकराखिनतोही ॥ मूढमृषाजनिमारसिगाला ॥ राम
वैरहोइहिअसहाला ॥ तरुगिरनिकरकपिनकेआगे ॥ परिहैंधरणिराम
शरलागे ॥ तवतवशिरकंदुकइवनाना ॥ खेलहिंभालुकीसचौगाना ॥ जवहिं
समरकोपहिंरघुनायक ॥ छूटिहिंअतिकरालबहुसायक ॥ तवकिचलिहिअ
सगालतुम्हारा ॥ असबिचारिभजुरामउदारा ॥ सुनतवचनरावणपरजरा ॥ ज
रतअनलमंहजनुघृतपरा ॥ *\~* ॥ दोहा ॥ *\~*\~*\~\~*

कुम्भकर्णसमबंधुमम सुतप्रसिद्धशक्रारि ॥
मोरपराक्रमसुनेसिनहिं जितेउंचराचरझारि ॥

॥ चौपाई ॥

शठशाखामृगजोरिसहाई ॥ बांधासिंधुइहैप्रभुताई ॥ लांघहिंखगअनेकवारी
शा ॥ सूरनहोहिंसुनुजडकीसा ॥ ममभुजसागरजलबलपूरा ॥ जहंबू
डेसुरनरवरसूरा ॥ विंशपयोधिअगाधअपारा ॥ कोअसवीरजोपावहिंपारा
॥ दिकपालनमैनीरभरावा ॥ भूपसुयशखलमोहिसुनावा ॥ जौंपैसमरसुभ
टतवनाथा ॥ पुनिपुनिकहसिजासुगुणगाथा ॥ तौवसीठपठवाकेहिकाजा ॥
रिपुसनप्रीतिकरतनहिंलाजा ॥ हरगिरिमथननिरखिममबाहू ॥ पुनिपुनिश
ठनिजस्वामिसराहू ॥ *\~* ॥ दोहा ॥ **\~*\~*\~*\~**

सूरकवनरावणसरिस निजकरकाटेसीस ** ॥
हुनेउंअनलमंहवारवहु हर्षितसाखिगिरीश ॥

॥ चौपाई ॥

जरतबिलोकेउंजबहिंकपाला॥बिधिकेलिखेअंकनिजभाला॥नरकेकरआ
पनबधबांची॥हंसेउंजानिबिधिगिराअसांची॥सोउमनसमुझित्रासनहिंमोरे॥
लिखाबिरंचिजरठमतिभोरे॥आनबीरबलसठममआगे॥पुनिपुनिकहसि
लाजपरित्यागे॥कहअंगदसलज्जजगमांही॥रावनतोहिसमानकोउनाही॥
लाजवंततवसहजसुभाऊ॥निजगुननिजमुखकहसिनकाऊ॥सिरअरुसै
लकथाचितरही॥तातेंबारबीसतैंकही॥सोभुजबलराखेउउरघाली॥जि
तेउसहसबाहुबलिबाली॥सुनुमतिमंददेहिंअबपूरा॥काटेसीसनहोइ
यसूरा॥बाजीगरकहंकहियनबीरा॥काटैनिजकरसकलशरीरा॥**

●●●●●●●●●●●●●●॥दोहा॥●●●●●●●●●●●●●●

जरहिंपतंगमोहबश भारबहहिंखरबृन्द॥
तेनहिंसूरकहावहीं समुझिदेखुमतिमन्द●॥

॥चौपाई॥

अबजनिबतबढ़ावखलकरहीं॥सुनुममबचनमानपरिहरहीं॥दशमुखमैंन
बसीठीआये॥असबिचारिरघुबीरपठाये॥बारबारअसकहेउकृपाला॥न
हिंगजारियशबधेंसृगाला॥मनमहंसमुझिबचनप्रभुकेरे॥सहेउंकठोरबच
नशठतेरे॥नाहिंतकरिमुखभंजनतोरा॥लैजातेउंसीतहिबरजोरा॥जानातव
बलअधमसुरारी॥सूनेहरिआनीपरनारी॥तैंनिशिचरपतिगर्बबहूता॥मैंरघु
पतिसेवककरदूता॥जौंनरामअपमानहिडरऊं॥तोहिदेखतअसकौतुककर
ऊं॥**॥दोहा॥**

तोहिपटकिमहिसेनहति चौपटकरितेउंगाउं॥

मन्दोदरीसमेतसठ जानकसुतहिबैनाउं ॥

॥ चौपाई ॥

जौंअसकरउंतदपिनबड़ाई ॥ मुयेबधेकछुनहिंमनुसाई ॥ कौलिकामबशकृपणबिमूढा ॥ अतिदरिद्रअयशीअतिबूढा ॥ सदारोगबशसन्ततक्रोधी ॥ विष्णुबिमुखश्रुतिसन्तविरोधी ॥ तनपोषकनिंदकअघखानी ॥ अनजीवतसमचौदहप्राणी ॥ असबिचारिखलबधौंनतोही ॥ अबजनिरिसउपजावसिमोही ॥ सुनिसकोपकहनिशिचरनाथा ॥ अधरदशनगहिमींजतहाथा ॥ रेकपिअधममरणअबचहसी ॥ छोटेबदनबातबड़कहसी ॥ कटुजल्पसिशठकपिबलजाके ॥ बुधिबलतेजप्रतापनताके ॥ * * * * * * ॥ दोहा ॥

अगुणअमानजानितेहि दीन्हपितावनवास ॥
सोदुखअरुयुवतीबिरह पुनिनिशिदिनममत्रास ॥
जिनकेबलकरगर्वतोहि ऐसेमनुजअनेक ॥
खांहिंनिशाचरदिवसनिशि मूढसमुझुतजिटेक ॥

॥ चौपाई ॥

जबतेंकीन्हरामकरनिंदा ॥ क्रोधवन्तअतिभयउकपिंदा ॥ हरिहरनिंदासुनहिंजोकाना ॥ होइपापगोघातसमाना ॥ कटकटाइकपिकुञ्जरभारी ॥ द्वौभुजदंडतमकिमहिमारी ॥ डोलतधरणिसभासदखसेऊ ॥ चलेभाजिभयमारुतग्रसेऊ ॥ गिरतदशाननउठासंभारी ॥ भूतलपरेमुकुटघटचारी ॥ कछुनिजकरलैशिरनिसंभारे ॥ कछुअंगदप्रभुपासपवारे ॥ आवतमुकुटदेखिकपिभागे ॥ दीनहिलूकपरनविधिलागे ॥ कैरावणकरिकोपचलाए ॥ कुलिशचारिआवतअति

धारे ॥ कहप्रभुहंसिजनिहृदयडेराहू ॥ लूकनअहैनकेतुनराहू ॥ यहकिरीट दशकंधरकेरे ॥ आवतबालितनयकेप्रेरे ॥ *—* ॥ दोहा ॥ **—**

कूदिगहेकरपवनसुत आनिधरेप्रभुपास ॥
कौतुकदेखहिंभालुकपि दिनकरसरिसप्रकास ॥

॥ चौपाई ॥

उहांकहूतदशकंधरिसाई ॥ धरिमारहुकपिभागिनजाई ॥ यहिविधिवेगि सुभटसबधावहु ॥ खाहुभालुकपिजहंतहंपावहु ॥ महिअकीसकरिफेरिदो हाई ॥ जिअतधरहुतपसीदोउभाई ॥ पुनिसकोपबोलेउयुवराजा ॥ गालबजावतनोहिनलाजा ॥ मरुगलकाटिनिलजकुलघाती ॥ बलबिलोकिबिहरत नहिंछाती ॥ रेतियचोरकुमारगगामी ॥ खलमलराशिमंदमतिकामी ॥ सन्निपात जल्पसिदुर्वादा ॥ भयेसिकालवशशठमनुजादा ॥ याकोफलपावहुगेआगे ॥ बानरभालुचपेटनलागे ॥ राममनुजबोलतअसबाणी ॥ गिरहिनतवरसनाअभि मानी ॥ गिरिहैरसनासंशयनाही ॥ शिरनसमेतसमरमहिमांही ॥ *—*

——* ॥ सोरठा ॥ *—*—*

सोनरकहदशकंध बालिबधेउजेहिंएकशर ॥
बीशहुलोचनअंध धृगतवजन्मकुजातिजड * ॥
तवशोणितकीप्यास तृषितरामशायकनिकर ॥
तजेउंतोहितेहित्रास कटुजल्पसिनिश्चरअधम ॥

॥ चौपाई ॥

मैंतवदशननतोरिवेलायक ॥ आयसुपैनदीन्हरघुनायक ॥ असरिसहोतदशौ

मुखतोरौं॥ लंकागहिसमुद्रमहंबोरौं॥ गूलरिफलसमानतवलंका॥ बसहुमध्य तुम्हजंतुअसंका॥ मैंबानरफलखातनबारा॥ आयसुदीन्हनरामउदारा॥ जुगुतिसुनतरावनमुसुकाई॥ मूढसिखिहिकहंबहुतझुठाई॥ बालिनकबहुंगालअसमारा॥ मिलितपसिनतैंभयेसिलबारा॥ सांचेहुंमैंलबारभुजबीसा॥ जौंनउपारौंतवभुजबीसा॥ रामप्रतापसुमिरिकपिकोपा॥ सभामांझकरिप्रणपदरोपा॥ जौंममचरणसकसिशठटारी॥ फिरहिंरामसीतामैंहारी॥ सुनहुसुभटसबकहदशसीसा॥ पदगहिधरणिपछारहुकीसा॥ इंद्रजीतआदिकबलवाना॥ हरषिउठेजहंतहंभटनाना॥ झपटहिंकरिबलविपुलउपाई॥ पदनटरैबैठहिंशिरनाई॥ पुनिउठिझपटहिंसुरआराती॥ टरैनकीशचरणयहिभांती॥ पुरुषकुयोगीजिमिउरगारी॥ मोहविटपनहिंशकहिंउपारी॥ ***

॥ दोहा ॥

भूमिनछांडैकपिचरण देखतरिपुमदभाग॥
कोटिविघ्नतेसंतकर मनजिमिनीतिनत्याग॥

॥ चौपाई ॥

कपिबलदेखिसकलहियहारे॥ उठाआपुकपिकेपरचारे॥ गहतचरणकहबालिकुमारा॥ ममपदगहेनतोरउबारा॥ गहसिनरामचरणशठजाई॥ सुनतफिरामनअतिसकुचाई॥ भयोतेजहतश्रीसबगई॥ मध्यदिवसजिमिशशिसोहई॥ सिंहासनबैठाशिरनाई॥ मानहुंसंपतिसकलगंवाई॥ जगदाधारप्राणपतिरामा॥ तासुबिमुखकिमिलहबिश्रामा॥ उमारामकरभृकुटिबिलासा॥ होइबिश्वपुनिपावैनासा॥ तृणतेकुलिशकुलिशतृणकरहीं॥ तासुदूतपदकहुकि

मिटइ रही ॥ पुनि कपि बिकल भये निज निज नामा ॥ मांसतना हि कोल निसिचर ना ॥ रि

पु मद मथि प्रभु सुजसु सुनाये ॥ यह कहि बचन प्रभु चित्त लाये ॥ अब सों मुख बख

करौं बडाई ॥ हनि निसिचर जो हिय सेखाइ लोगाइं ॥ प्रथमहिं तासु तनय कपि मारा ॥ सों

सुनि रावण भयो दुखारा ॥ यातुधान अंगद बल देखी ॥ भय ब्याकुल सब हृदय बिशेषी

॥ दोहा ॥

रिपुबल धर्षि हर्षि हिय बालितनय बलपुञ्ज ॥
सजल नयन तनपुलक अति गहे राम पद कञ्ज ॥
सांझ जानि दशकंठ तब भवन गयो बिलखाइ ॥
मंदोदरी अनेक बिधि बहुरि कहा समुझाइ ॥

॥ चौपाई ॥

कंत समुझि मन तजऊ कुमतिही ॥ सोह न समर तुम्हहि रघुपतिही ॥ राम अनुज

लघु रेख खचाई ॥ सो नहिं लांघे ऊ अस मनुसाई ॥ पिय तुम्ह तेहि जीतब संग्रामा ॥

जाके दूतन के अस कामा ॥ कौतुक सिंधु लांघि तव लंका ॥ आये ऊ कपि केहरी अशं

का ॥ रखवारे हति बिपिन उजारा ॥ देखत तुमहि अक्षय जिन्ह मारा ॥ जारि सग

र जेइ कीन्हेसि छारा ॥ कहां रहा बल गर्व तुम्हारा ॥ अब पति मृषा गाल जनि मार ऊ ॥

मोर कहा कछु हृदय बिचार ऊ ॥ पति रघुपतिहि मनुज जनि जान ऊ ॥ अग जग

नाथ अतुल बल मान ऊ ॥ बाण प्रताप जान मारीचा ॥ तासु कहा नहिं माने ऊ नीचा

॥ जनक सभा अगणित महिपाला ॥ रहे ऊ तहं तुम गर्व बिशाला ॥ भंजि धनुष जान

की बिबाही ॥ तब संग्राम जिते ऊ न हि ताही ॥ सुरपति सुत जानत बल थोरा ॥ राखा जि

यत आंखि इक फोरा ॥ सूर्पनखा की गति तुम देखी ॥ तदपि हृदय नहिं लाज बि

बिरोधी ॥ ॥ दोहा ॥

बधिबिराधखरदूषणहिं लीलाँहनेउकबंध ॥

बालिएकशरमारेउ तेहिजानहुदशकंध ॥

॥ चौपाई ॥

जेहिंजलनाथबंधायोहेला ॥ उतरेउकपिदलसहितसुबेला ॥ कारुणीकदिनकरकुलकेतू ॥ दूतपठायेउतवहितहेतू ॥ सभामांझजेइंतवबलमथा ॥ करिबरूथमहंमृगपतियथा ॥ अंगदहनुमंतअनुचरजाके ॥ रणबांकुरेबीरअतिबांके ॥ तेहिकहंपियपुनिपुनिनरकहहू ॥ मुधामानममतामदबहहू ॥ अहहकंतकृतरामबिरोधा ॥ कालबिबशमनउपजनबोधा ॥ कालदंडगहिकाहुनमारा ॥ हरैधर्मबलबुद्धिबिचारा ॥ निकटकालजेहिआवतसाईं ॥ तेहिभ्रमहोइतुम्हारिहिनाईं ॥ ॥ दोहा ॥

दुइसुतमारेउदहेउपुर अजहूंपरप्रियदेहु ॥

कृपासिंधुरघुबीरभजि नाथबिमलयशलेहु ॥

॥ चौपाई ॥

नारिबचनसुनिबिशिखसमाना ॥ सभागयउउठिहोतबिहाना ॥ बैठाजाइसिंहासनफूली ॥ अतिअभिमानत्राससबभूली ॥ इहांरामअंगदहिबुलावा ॥ आइचरणपंकजशिरनावा ॥ अतिआदरसमीपबैठारी ॥ बोलेबिहंसिकृपालखरारी ॥ बालितनयअतिकौतुकमोही ॥ तातसत्यकहुपूछौंतोही ॥ रावणयातुधानकुलटीका ॥ भुजबलअतुलजासुजगलीका ॥ तासुमुकुटतुमचारिचलाये ॥ कहहुतातकवनीबिधिपाये ॥ कहाबालिसुतसुनुखरारी ॥ मुकुटनहोइभूपगुणचारी

॥ सामदानअरुदंडबिभेदा ॥ नृपउरबसहिंनाथकहबेदा ॥ नीतिधर्मकेचर
नसुहाये ॥ असजियजानिनाथपहिंआये ॥ ॥ दोहा ॥

धर्महीनप्रभुपदबिमुख कालबिबसदससीस ॥
आयेगुसातजिसवताहिं सुनहुकोसलाधीस ॥
परमचतुरताश्रवणसुनि बिहँसेरामउदार ॥
समाचारसबपुनिकहे गढकेबालिकुमार ** ॥

॥ चौपाई ॥

रिपुकेसमाचारजबपाये ॥ रामसचिवसबनिकटबुलाये ॥ लंकाबांकेचारिदुआर
॥ केहिबिधिलागियकरअबिचार ॥ तबकपीसरिच्छेसबिभीषण ॥ सुमिरिहृद
यदिनकरकुलभूषण ॥ करिबिचारतिनमंत्रदृढावा ॥ चारिअनीकपिकटकबना
वा ॥ यथायोगसेनापतिकीन्हे ॥ यूथपसकलबोलितबलीन्हे ॥ प्रभुप्रतापसब
कहिसमुझाये ॥ सिंहनादकरिसबकपिधाये ॥ गर्जहिंतर्जहिंभालुकपीसा ॥ ज
यरघुबीरकोशलाधीशा ॥ जानतपरमदुर्गअतिलंका ॥ प्रभुप्रतापकपिचलेअसं
का ॥ घटाटोपकरिचहुंदिशिघेरी ॥ मुखहिंनिसानबजावहिंभेरी ॥ ****

॥ दोहा ॥

जयतिरामजयलछिमन जयकपीससुग्रीव ॥
गर्जेकेहरिनादकपि भालुमहाबलसींव ** ॥

॥ चौपाई ॥

लंकाभयउकोलाहलभारी ॥ सुनेउदशाननअतिअहंकारी ॥ देखहुबनरन्ह
केरिढिठाई ॥ बिहंसिनिशाचरसेनबुलाई ॥ आयेकीसकालकेप्रेरे ॥ छुधाव

नारजनीघरमेरे॥ असकहिअवहुहोसठकीन्हा॥ गृहबैठेअहारबिधिदीन्हा
॥सुभटसकलचारिहुदिसिजाहू॥ धरिधरिभालुकीससबखाहू॥ उमारावण
हिंअसअभिमाना॥ जिमिटिटिभखगसूतउताना॥ चलेनिसाचरआयसुमां
गी॥ गहिकरभिंडिपालबरसांगी॥ तोमरमुद्गरपरिघप्रचंडा॥ सूलकृपानि
परसुगिरिखंडा॥ जिमिअरुणोपलनिकरनिहारी॥ धायेखगसठमांसुअहा
री॥ चोंचभंगदुखतिनहिंनसूझा॥ तिमिधायेमनुजादअबूझा॥ ●●●●

नानायुधसरचापधरि जातुधानबलबीर॥

कोटकंगूरनचढ़िगये कोटिकोटिरणधीर॥

॥चौपाई॥

कोटकंगूरनसोहहिंकैसे॥ मेरुसृंगनजनुघनबैसे॥ बाजहिंढोलनिसान
जुझाऊ॥ सुनिसुनिसुभटनकेमनचाऊ॥ बाजहिंभेरिनफीरिअपारा॥ सुनि
कादरउरजाइंदरारा॥ देखिनजाइकपिनकेठट्टा॥ अतिबिसालतनुभालुसुभट्टा
॥कटकटाइकोटिनभटगर्जहिं॥ दशननओठकाटिअतितर्जहिं॥ उतरावण
इतरामदोहाई॥ जयतिजयतिकरिपरीलराई॥ निसचरसिखरसमूहढहाव
हिं॥ कूदिधरहिंकपिफेरिचलावहिं॥ *—*॥ छन्द॥ *—*—**

धरिकुधरखंडप्रचंडमर्कटभालुगढ़परडारहीं॥*॥ झपटहिंच
रणगहिपटकिमहिमहँबारबारप्रचारहीं॥*॥ अतितरलतरुन
प्रतापतर्जहिंतमकिगढ़परचढ़िगये॥*॥ कपिभालुचढ़िमंदिरन
जहँतहँरामयशगावतभये॥ *—*॥ दोहा॥ *—*—*

एकएकगहिनिसचर पुनिकपिचलेपराइ*॥

ऊपरआपुनहेठभट गिरहिंधरहिंमहंआइ॥

॥ चौपाई ॥

रामप्रतापप्रबलकपियूथा॥ मर्दहिंनिसिचरनिकरबरूथा॥ चढेदुर्गपुनिजहंतहंवानर॥ जयरघुवीरप्रतापदिवाकर॥ चलेनिशाचरनिकरपराई॥ प्रबलपवनजिमिघनसमुदाई॥ हाहाकारभयोपुरभारी॥ रोवहिंआरतबालकनारी॥ सबमिलिदेहिंरावणहिंगारी॥ राजकरतजेंइमृत्युहंकारी॥ निजदलविचलसुनाजबकाना॥ फिरेसुभटलंकेशरिसाना॥ जोरणविमुखफिरामैजाना॥ तेहिमारिहौंकरालकृपाना॥ सर्वसखाइभोगकरिनाना॥ समरभूमिभादुर्लभप्राना॥ उग्रवचनसुनिसकलडेराने॥ फिरेवीरकरिक्रोधलजाने॥ सन्मुखमरणवीरकीशोभा॥ तबतिनतजाप्राणकरलोभा॥ ॥ दोहा ॥

बहुआयुधधरिधरिसुभट भिरहिंप्रचारिप्रचारि॥
कीन्हेव्याकुलभालुकपि परिघप्रचंडनिमारि॥

॥ चौपाई ॥

भयआतुरकपिभागनलागे॥ यद्यपिउमाजीतहैंआगे॥ कोउकहकहंअंगदहनिवन्ता॥ कहंनलनीलदुविदबलवन्ता॥ निजदलविचलसुनाहनुमाना॥ पश्चिमद्वाररहाबलवाना॥ मेघनादतहंकरैलराई॥ टूटनद्वारपरमकठिनाई॥ पवनतनयमनभाअतिक्रोधा॥ गर्जेउप्रलयकालसमयोधा॥ कूदिलंकागढऊपरआवा॥ गहिगिरिमेघनादपरधावा॥ भंजेउरथसारथीनिपाता॥ ताहिहृदयमहंमारेउलाता॥ दूसरसूतविकलतेहिजाना॥ स्यंदनघालितुरतघरआना॥ ॥ दोहा ॥

अंगद सुनेउ कि पवनसुत गढ़ पर गयउ अकेल ॥
समर बांकुरा बालिसुत तरकि चढ़ेउ करि खेल ॥

॥ चौपाई ॥

युद्ध बिरुद्ध क्रुद्ध दोउ बंदर ॥ रामप्रताप सुमिरि उर अंतर ॥ रावन भवन चढ़े दोउ धाई ॥ करहिं कोसलाधीश दोहाई ॥ कलस सहित गहि भवन ढहावा ॥ देखि निशाचर अति भय पावा ॥ नारि बृन्द कर पीटहिं छाती ॥ अब दोउ कपि आये उतपाती ॥ कपि लीला करि सबहिं डेरावहिं ॥ रामचंद्र कर सुयश सुनावहिं ॥ पुनि कर गहि कंचन कर खंभा ॥ कहिन करहु उतपात अरंभा ॥ कूदि परे रिपु कटक मझारी ॥ लागे मर्दन भुज बल भारी ॥ काहु लात चपेटन केहू ॥ भजेउ न रामहिं सो फल लेहू ॥ * ॥ दोहा ॥ * * * * * * * * * * *

एक एक सन मर्दि करि तोरि चलावहिं मुण्ड ॥
रावन आगे परहिं ते जनु फूटहिं दधि कुण्ड ॥

॥ चौपाई ॥

महा महा मुखिया जे पावहिं ॥ ते पद गहि प्रभु पास चलावहिं ॥ कहहिं बिभीषण तिनके नामा ॥ देहिं राम ताकहुं निज धामा ॥ खल मनुजाद जो आमिष भोगी ॥ पावहिं गति जो याचत योगी ॥ उमा राम मृदु चित करुणाकर ॥ बैर भाव मोहि सुमिरत निशिचर ॥ देहिं परम गति अस जिय जानी ॥ को कृपाल अस अहै भवानी ॥ जो अस प्रभु न भजहिं भ्रम त्यागी ॥ ते मतिमंद सो परम अभागी ॥ अंगद अरु हनुमंत प्रवेसा ॥ कीन्ह दुर्ग अस कह अवधेसा ॥ लंक महं कपि सो सोहहिं कैसे ॥ मथहिं सिंधु दुइ मंदर जैसे ॥ * ॥ दोहा ॥ *

॥ भुजबलरिपुदलदलमलि देखिदिवसकोअंत ॥
॥ कूदेयुगलप्रयासबिनु आयेजहँभगवंत ॥

॥ चौपाई ॥

प्रभुपदकमलसीसतिननाये ॥ देखिसुभटरघुपतिमनभाये ॥ रामकृपाकरियुगलनिहारे ॥ भयेबिगतश्रमपरमसुखारे ॥ गयेजानिअंगदहनुमाना ॥ फिरेभालुमर्कटभटनाना ॥ यातुधानप्रदोषबलपाई ॥ धायेकरिदशसीसदोहाई ॥ निशिचरअनीदेखिकपिफिरे ॥ कटकटाइजहँतहँभटभिरे ॥ दोउदलप्रबलपचारिपचारी ॥ लरहिंसुभटनहिंमानहिंहारी ॥ बीरतमीचरसबअतिकारे ॥ नानाबरनबलीमुखभारे ॥ सबलयुगलदलसबअतियोधा ॥ बिबिधप्रकारलरहिंकरिक्रोधा ॥ प्राबृटशरदपयोदघनेरे ॥ लरतमनहुँमारुतकेप्रेरे ॥ अनीअकंपनअरुअतिकाया ॥ बिचलतसेनकीनतिनमाया ॥ भयउनिमिषमहँअतिअँधिआरा ॥ बृष्टिहोइरुधिरोपलक्षारा ॥ *** ॥ दोहा ॥ ************

देखिनिबिडतमदशहुदिशि कपिदलभयउखभार ॥
एकहिएकनदेखत जहँतहँकरहिंपुकार ●● ॥

॥ चौपाई ॥

सकलमरमरघुनायकजाना ॥ लियेबोलिअंगदहनुमाना ॥ समाचारसबकहिसमुझाये ॥ सुनतकोपिकपिकुंजरधाये ॥ पुनिकृपालहँसिचापचढावा ॥ पावकसायकसपदिचलावा ॥ भयउप्रकाशकतहुँतमनाहीं ॥ ज्ञानउदयजिमिसंशयजाहीं ॥ भालुबलीमुखपाइप्रकाशा ॥ धायेहरषिबिगतश्रमत्रासा ॥ हनूमानअंगदरणगाजे ॥ हाँकसुनतरजनीचरभाजे ॥ भागतभटपटकहिंधरिधरनी ॥ कर

हिंभालुकपिअद्भुतकरणी॥ गहिपदडारहिंसागरमांही॥ मकरग्राहझखधरि धरिखाहीं॥ *—*—* ॥ दोहा॥ *—*—*—*—*—*

कछुघायलकछुरणपरे कछुगढ़चढ़ेपराइ॥
गर्जैंउमर्कटभालुभट रिपुदलबलबिचलाइ॥

॥ चौपाई॥

निशाजानिकपिचारिउअनी॥ आयेसबजहंकोशलधनी॥ रामकृपाकरिचितवा जबहीं॥ भयेबिगतश्रमबानरतबहीं॥ उहांदशाननसचिवहंकारे॥ सबसन कहेसिसुभटजेमारे॥ आधाकटककपिनसंहारा॥ कहहुबेगिकाकरियबिचारा ॥ मालवन्तएकजठरनिशाचर॥ रावणमातपितामंत्रीवर॥ बोलाबचननीतिअति पावन॥ तातसुनहुकछुमोरसिखावन॥ जबतेंतुमसीताहरिआनी॥ असगुन होहिंनजातबखानी॥ बेदपुराणजासुयशगाया॥ तासुविमुखसुखकाहुनपा ना॥ **—*—* ॥ दोहा ॥ *—*—*—*—*

हिरण्याक्षभ्रातासहित मधुकैटभबलवान*॥
जेहिमारेसोइअवतरेउ कृपासिंधुभगवान॥

॥ चौपाई॥

परिहरिबैरदेहुबैदेही॥ भजहुकृपानिधिपरमसनेही॥ ताकेबचनबाणसम लागे॥ करियामुखकरिजाहुअभागे॥ बूढ़भयेउनतमरितेउंतोही॥ अबजनि नयनदेखावसिमोही॥ तेइअपनेमनअसअनुमाना॥ बधेचहतएहिकृपानिधा ना॥ सोउठिगयउकहतदुर्बादा॥ तबसकोपबोलेउघननादा॥ कौतुकप्रात देखियहुमोरा॥ करिहौंबहुतकहौंकाथोरा॥ सुनिसुतवचनभरोसाआवा॥ प्री

निसमेतनिकटबैठावा ॥ करतबिचार भक्तश्रभिनुसारु ॥ जगेभालुकपिचारिउद्वा
र ॥ कोपिकपिनदुर्गमगढघेरा ॥ नगरकोलाहलभयउघनेरा ॥ बिबिधश्रस्त्र
गहिनिश्वरधाये ॥ गढतेपर्बतशिखर ढहाये ॥ ** ॥ छंद ॥ ** ** *

ढाहेमहीधरशिखरकोटिनबिबिधबिधिगोलाचले ॥ * ॥ ब्रहरातजि
मिपबिघातपर्बतप्रलयकेजनुबादले ॥ * ॥ मर्कटबिकटभटजुटत
कटततेलरततनजर्जरभये ॥ * ॥ गहिशैलतेगढपरचलावहिं
जहंसोतहंनिश्वरहये ॥ * * * ॥ दोहा ॥ * * * * * * * *

मेघनादसुनिश्रवणश्रस गढपुनिछेंकाश्राइ ॥
उतरिदुर्गतेबीरबर सनमुखचलावजाइ ॥

॥ चौपाई ॥

कहंकोशलाधीशदोउभ्राता ॥ धन्वीसकललोकबिख्याता ॥ कहंनलनीलदुबिद
सुग्रीवा ॥ कहंहनुमतश्रंगदबलसींवा ॥ कहांबिभीषणभ्राताद्रोही ॥ श्राजुशठ
हिंहठमारउंश्रोही ॥ श्रसकहिकठिनबाणसंधाने ॥ श्रतिशयक्रोपिश्रवणलगिता
ने ॥ शरसमूहसोछाडैलागा ॥ जनुसपक्षधावैंबहुनागा ॥ जहंतहंपरतदेखि
येबानर ॥ सनमुखहोइनशकतेहिश्रवसर ॥ भागेभयब्याकुलकपिऋच्छा ॥ बिस
रीसबहिंयुद्धकीइच्छा ॥ सोकपिभालुनरणमहंदेखा ॥ कीन्हेंसिजेहिनप्राणश्र
वशेषा ॥ * * * * * ॥ दोहा ॥ * * * * * * * *

मारेसिदशदशबिशिखउर परेभूमिसबबीर ॥
सिंहनादकरिगर्जतब मेघनादरणधीर ** ॥

॥ चौपाई ॥

देखिपवनसुतकटकबेहाला॥ क्रोधवन्तधावाजनुकाला॥ महामहीधरतमकि उपारा॥ अतिरिसिमेघनादपरडारा॥ आवतदेखिगयेउनभसोई॥ रथसारथीतुरततेहिखोई॥ बारबारप्रचारहनुमाना॥ निकटनआवमरमसोजाना॥ रामसमीपगयेउघननादा॥ नानाभांतिकहतदुर्वादा॥ अस्त्रशस्त्रआयुधडारे॥ कौतुकहींप्रभुकाटिनिवारे॥ देखिप्रभावमूढखिसियाना॥ करैलागमायाविधिनाना॥ जिमिकोउकरैगरुडसनखेला॥ डरपावहिंगहिस्वल्पसपेला॥

॥ दोहा ॥

जासुप्रबलमायाविवश शिवविरंचिबडछोट॥
ताहिदेखावैनिशिचर निजमायामतिखोट॥

॥ चौपाई ॥

नभचढिवरषैविपुलअंगारा॥ महितेप्रगटहोइजलधारा॥ नानाभांतिपिशाचपिशाची॥ मारुकाटुधुनिबोलहिंनाची॥ कीन्हेसिवृष्टिरुधिरकचहाडा॥ बरषैकबहुंउपलबहुछाडा॥ बरषिधूरिकीन्हेसिअंधियारा॥ सूझनआपनहाथपसारा॥ कपिअकुलानेमायादेखी॥ सबकरमरणबनायहिलेखी॥ कौतुकदेखिराममुसुकाने॥ भयेसभीतसकलकपिजानें॥ एकहिबाणकाटसबमाया॥ जिमिदिनकरहरतिमिरनिकाया॥ कृपादृष्टिकपिभालुबिलोके॥ भयेप्रबलरणरहहिंनरोके॥

॥ दोहा ॥

आयसुमांगीरामपहं अंगदादिकपिसाथ॥
लछमनचलेसकोपितब बाणसरासनहाथ॥

॥ चौपाई ॥

क्षितिजतनयनउरबाहुबिशाला ॥ हिमगिरिवरणकछुकएकलाला ॥ उहांदश
ननसुभटपठाये ॥ नानाअस्त्रशस्त्रगहिधाये ॥ भूधरबिटपायुधधरिभारी ॥ धा
एकपिजयरामपुकारी ॥ भिरेसकलजोरीसनजोरी ॥ इतउतजयइच्छानहिं
थोरी ॥ मुठिकनलातनदांतनकाटहिं ॥ कपिगिरिशिलामारिपुनिडांटहिं ॥
मारुमारुधरुधरुधरुमारू ॥ सीसतोरिगहिभुजाउपारू ॥ असधुनिपूरिरही
नवखंडा ॥ धावहिंजहंतहंरुंडप्रचंडा ॥ देखहिंकौतुकनभसुरबृन्दा ॥ कबहुं
कबिस्मयकबहुंअनंदा ॥ *\~* ॥ दोहा ॥ **\~*\~*\~**

जमेउगाडभरिभरिरुधिर ऊपरधूरिउडाइ॥
जिमिअंगारनराशिपर मृतकधूमरहिछाइ ॥

॥ चौपाई ॥

घायलबीरबिराजहिंकैसे ॥ कुसुमितकिंशुककेतरुजैसे ॥ लक्ष्मणमेघनाददौ
योधा ॥ भिरहिंपरस्परकरिअतिक्रोधा ॥ एकहिएकसकैनहिंजीती ॥ नि
शिचरछलबलकरैअनीती ॥ क्रोधवंततबभयउअनंता ॥ भंजेउरथसारथीतुरं
गा ॥ नानायुधप्रहारकरिशेषा ॥ राक्षसभयउप्राणअवशेषा ॥ नेहिअपनेम
नअसअनुमाना ॥ संकटभयेंहरिहिममप्राणा ॥ बीरघातिनीछाडेसिसांगी ॥ ते
जपुञ्जलक्ष्मणउरलागी ॥ मूर्छाभईशक्तिकेलागे ॥ तबचलिगयउनिकटभय
त्यागे ॥ *\~*\~*\~* ॥ दोहा ॥ *\~*\~*\~*\~*\~*

मेघनादसमकोटिशत योधारहेउठाइ * ॥
जगदाधारअनन्तसो उठहिंनचलालजाइ ॥

॥ चौपाई ॥

[illegible] को [illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible] निकेत [illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible] सोई ॥ [illegible] होई ॥ [illegible] फिरी [illegible] ॥ [illegible] निज [illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible] आकर ॥ [illegible] ॥ [illegible] प्रभु [illegible] समाना ॥ [illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible] हनुमाना ॥ [illegible] ॥

॥ दोहा ॥

रघुपति [illegible] नाइ [illegible] सुखेन ॥
[illegible] ॥

॥ चौपाई ॥

[illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible] ॥

॥ दोहा ॥

[illegible] ॥
[illegible] ॥

॥ चौपाई ॥

असकहिचलारचीसिमगमाया॥ सरमंदिरबरबागबनाया॥ मारुतसुतदेखासुभ आश्रम॥ मुनिहिंबूझिजलपियौंजाइश्रम॥ राच्छसकपटभेषतहंसोहा॥ मायापतिदूतहिंचहमोहा॥ जाइपवनसुतनायउमाथा॥ लागकहनरामगुनगाथा॥ होतमहारनरावनरामहि॥ जीतहिंरामनसंसययामहि॥ इहांभयेमैंदेखौंभाई॥ ग्यानदृष्टिबलमोहिअधिकाई॥ मांगाजलतेइंदीन्हकमंडल॥ कहकपिनहिअघाउंथोरेजल॥ सरमज्जनकरिआतुरआवहु॥ दिच्छादेउंज्ञानजेहिपावहु॥ **—*—**॥ दोहा॥*—*—*—*—*—*

सरपैठतकपिपदगहे मकरीअतिअकुलान॥
मारेसोधरिदिव्यतन चलीगगनचढ़ियान *॥

॥ चौपाई॥

कपितवदरसभयउंनिस्पापा॥ मिटीतातमुनिबरकीसापा॥ मुनिनहोइयहनिसिचरघोरा॥ मानहुसत्यबचनकपिमोरा॥ असकहिगईअपछराजबहीं॥ निसिचरनिकटगयउकपितबहीं॥ कहकपिमुनिगुरुदछिनालेहू॥ पाछेहमहिंमंत्रतुमदेहू॥ सिरलंगूरलपेटिपछारा॥ निजतनप्रगटेसिमरतीबारा॥ रामरामकहिछाड़ेसिप्राणा॥ सुनिमनहरषिचलेहनुमाना॥ देखासैलनऔषधिचीन्हा॥ सहसाकपिउपारिगिरिलीन्हा॥ गहिगिरिनिसिनभधावतभयऊ॥ अवधपुरीऊपरचलिगयऊ॥ ● ● ● ● ● ● ॥ दोहा॥ ● ● ● ● ● ● ● ● ● ● ● ● ● ● ●

देखाभरतबिसालअति निसिचरमनअनुमानि ●●॥
बिनुफरसरतेहिमारेउ चापश्रवनलगितानि॥

॥ चौपाई॥

परेउमूर्छिमहिलागतसायक॥ सुमिरतराममरघुनायक॥ सुनिप्रियबचन
भरतउठिधाये॥ कपिसमीपअतिआतुरआये॥ बिकलबिलोकिकीशउरलावा॥ जा
गतनहिंबहुभांतिजगावा॥ मुखमलीनमनभयउदुखारी॥ कहतबचनभरिलो
चनवारी॥ जेहिबिधिराममबिमुखमोहिकीन्हा॥ तेहिपुनियहदारुणदुखदीन्हा॥
जौंमोरेमनबचअरुकाया॥ प्रीतिरामपदकमलअमाया॥ तौकपिहोउबिगतश्र
मशूला॥ जौंमोपररघुपतिअनुकूला॥ बचनसुनतउठिबैठुकपीशा॥ कहिज
यजयतिकोशलाधीशा॥ ॥ सोरठा ॥

लीन्हकपिहिउरलाइ पुलकगातलोचनसजल॥
प्रीतिनहृदयसमाइ सुमिरिरामरघुकुलतिलक॥

॥ चौपाई ॥

तातकुशलकहुसुखनिधानकी॥ सहितअनुजअरुमातुजानकी॥ कपिसबचरित
संक्षेपबखाने॥ भयेदुखितमनमहंपछिताने॥ अहहदैवमैंकतजगजाये॥ प्र
भुकेएकौकाजनआये॥ जानिकुअवसरमनधरिधीरा॥ पुनिकपिसनबोलेबलबी
र॥ तातगहरहोइहिमोहिजाता॥ काजनशाइहिहोतप्रभाता॥ चढुममसाय
कशैलसमेता॥ पठवौंतोहिजहंकृपानिकेता॥ सुनिकपिमनउपजाअभिमान
॥ मोरेभारचलिहिकिमिबाना॥ रामप्रभावबिचारिबहोरी॥ बंदिचरणबोलेक
रजोरी॥ तवप्रतापउररखिगोसांई॥ जैहौंनाथबेगिकीनाई॥ हरषिभरत
तबआयसुदीन्हा॥ पदसिरनाइगमनकपिकीन्हा॥

॥ दोहा ॥

भरतबाहुबलशीलगुण प्रभुपदप्रीतिअपार॥

[illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥ सो अनुराग कहाँ अब भाई ॥ [illegible] ॥ जौं जनि
तेउँ बन बंधु बिछोहू ॥ पिता बचन मनतेउँ नहिं ओहू ॥ सुत बित नारि भवन परिवार
॥ होहिं जाहिं जग बारहिं बारा ॥ अस बिचारि जिअ जागहु ताता ॥ मिलहिं न
जग न सहोदर भ्राता ॥ जथा पंख बिनु खग अति दीना ॥ मनि बिनु फनि करिबर क
र हीना ॥ अस मम जिअन बंधु बिनु तोही ॥ जौं जड़ दैव जिआवै मोही ॥ जैहौं अ
वध कवन मुहु लाई ॥ नारि हेतु प्रिय भाइ गँवाई ॥ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥ ॥ सोरठा ॥
[illegible]
[illegible] ॥
॥ [illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible]

हरषिरामभेंटेहनुमाना ॥ अतिकृतज्ञप्रभुपरमसुजाना ॥ तुरतबैद्यतबकीन्हउपाई ॥ उठिबैठेलक्ष्मणहरषाई ॥ हृदयलाइभेंटेप्रभुभ्राता ॥ हर्षेसकलभालुकपिब्राता ॥ पुनिकपिबैद्यतहांपहुंचावा ॥ जेहिविधितबहिंताहिलैआवा ॥ यहवृत्तांतदशाननसुनेऊ ॥ अतिविषादपुनिपुनिशिरधुनेऊ ॥ व्याकुलकुम्भकर्णपहंगयऊ ॥ करिबहुयतनजगावतभयऊ ॥ जागानिशिचरदेखियकैसा ॥ मानहुंकालदेहधरिबैसा ॥ कुम्भकर्णपूछासुनुभाई ॥ काहेतवमुखरहासुखाई ॥ कथाकहीतेंइसकलभवानी ॥ जेहिप्रकारसीताहरिआनी ॥ तातकपिननिशिचरसंघारे ॥ महामहायोद्धासबमारे ॥ दुर्मुखसुररिपुमनुजअहारी ॥ भटअतिकायअकंपनभारी ॥ अपरमहोदरआदिकबीरा ॥ परेसमरमहसबरणधीरा ॥ *—* ॥ दोहा ॥ *—*

दशकंधरकेबचनसुनि कुम्भकर्णबिलखान ॥
जगदंबाहरिआनिके शठचाहसिकल्याण * ॥

॥ चौपाई ॥

भलनकीन्हतैंनिशिचरनाहा ॥ अबमोहिंआनिजगायेहुकाहा ॥ अजहूंतातत्यागुअभिमाना ॥ भजहुरामहोइहिकल्याना ॥ हैंदशसीसमनुजरघुनायक ॥ जाकेहनूमानसेपायक ॥ अहहबंधुतैंकीन्हखोटाई ॥ प्रथमहिंमोहिनजगायेहुआई ॥ कीन्हेहुप्रभुविरोधतेहिदेवक ॥ शिवविरंचिसुरजाकेसेवक ॥ नारदमुनिमोहिज्ञानजोकहेऊ ॥ कहतेउंतोहिसमयनहिरहेऊ ॥ अबभरिअंकभेंटुमोहिभाई ॥ लोचनसुफलकरौंमैंजाई ॥ श्यामगातसरसीरुहलोचन ॥ देखौंजाइतापत्रयमोचन ॥ *—* ॥ दोहा ॥ *—*

समरूपगुणसुंदरिमन मगनभयउदसशएक ॥
सवशमंगेउकोटिकट मद अरुमहिषअनेक ॥

॥ चौपाई ॥

महिषखाइकरिमदिरापाना ॥ गर्जेउवज्रघातअनुमाना ॥ कुम्भकर्णदुर्मदरणरंगा ॥ चलेउदुर्गतजिसेननसंगा ॥ देखिविभीषणआगेंआयउ ॥ पुनिपदगहिनिजनामसुनायउ ॥ अनुजउठाइहृदयतेंहिलावा ॥ रघुपतिभक्तजानिमनभावा ॥ तातलातमोहिरावणमारा ॥ कहतपरमहितमंत्रबिचारा ॥ तेहिगलानिरघुपतिपहंआयेउं ॥ दीनजानिप्रभुकेमनभायेउं ॥ सुनुसुतभयउकालबशरावण ॥ सोकिमिमानैपरमसिखावन ॥ धन्यधन्यतैंधन्यविभीषण ॥ भयहुतातनिश्चरकुलभूषण ॥ बंधुबंशतैंकीन्हउजागर ॥ भजहुरामशोभासुखसागर ॥ ॥ दोहा ॥

मनक्रमवचनकपटतजि भजहुतातरघुवीर ॥
जाहुननिजपरसूझमोहि भयेउकालबशवीर ॥

॥ चौपाई ॥

बंधुवचनसुनिफिराविभीषण ॥ आयउजहंत्रैलोकविभूषण ॥ नाथभूधराकारशरीरा ॥ कुम्भकर्णआवतरणधीरा ॥ इतनाकपिनसुनाजबकाना ॥ किलकिलाइधायेबलवाना ॥ लियेउपारिबिटपअरुभूधर ॥ कटकटाइडारहिंताऊपर ॥ कोटिकोटिगिरिशिखरउपारा ॥ डारहिंतेहिपरएकहिवारा ॥ मरैनमुरैटरैनहिटारे ॥ जिमिगजआकफलनिकेमारे ॥ तबमारुतसुतमुठिकाहनेउ ॥ परेउधरणिव्याकुलशिरधुनेऊ ॥ पुनिउठितेंइमारेउहनुमंता ॥ घुमित

धाय धपरेउ नुरेमा ॥ पुनि मंतमालहि ओमिपछारेसि ॥ जहँ तहँ पटकिपट किमहि डारेसि ॥ भलीव भीमुखसैनपराई ॥ अतिभय असितन कोउ समुहाई ॥

*********** ॥ दोहा ॥ **********

अंगदादिकपिमूर्छित करिसमेतसुग्रीव * ॥
कांखदाबिकपिराजकहँ चला अमितबलसींव ॥

॥ चौपाई ॥

उमाकरत रघुपतिनरलीला ॥ खेलगरुडजिमि अहिगनमीला ॥ भृकुटिबिलासजोकालहिखाई ॥ ताहिकिऐसी सोहलराई ॥ जगपावनकीरतिबिस्तरहीं ॥ गाइगाइभवनिधिनरतरहीं ॥ मूर्छागइमारुतसुतजागा ॥ सुग्रीवहितबखोजनलागा ॥ मधुसूदन अम्बर मूर्छाकीती ॥ निबुकिगबतेन वमूतमप्रतीती ॥ कानन्दनासासिकपनाना ॥ गर्जेअकासचलातेहिजाना ॥ गहेसि चरणगहिधरणिपछार ॥ अतिलाघवपुनिउठितेहिमारा ॥ पुनिआयउप्रभुपहँबलधाना ॥ जयतिजयतिजयकृपानिधाना ॥ नाककानकाटेतेहिजानी ॥ फिराक्रोधकरिमानिगलानी ॥ सहजभीमपुनिबिनुश्रुतिनासा ॥ देखतकपिदलउपजीत्रासा ॥ ***

*********** ॥ दोहा ॥ **********

जयजयजयरघुबंशमणि धायेकपिकरिहूह ॥
एकहिबारजोतासुपर डारेगिरितरुजूह * ॥

॥ चौपाई ॥

कुम्भकरणरणरंगबिरुद्धा ॥ सन्मुखचलाकालजनुक्रुद्धा ॥ कोटिकोटिकपिधरिधरिखाई ॥ जनुटीड़ीगिरिगुहांसमाई ॥ कोटिनगहिशरीरमहमर्दा ॥ कोटि

नमैं जिमि जिमि पेखि गिरि गर्दा॥ मुसल नासिका श्रवन कीन्हा॥ निकसि फिरहिं भालुपति ठट्ठा॥ रनमद मत्त निशाचर दर्पा॥ मानहुँ बिस्व ग्रसन कहँ अर्पा॥ मुरे सुभट सब फिरहिं न फेरे॥ सूझ न नयन सुनहिं नहिं टेरे॥ कुम्भकरण कपि फौज बिडारी॥ सुनि धाये रजनीचर धारी॥ देखि राम बिकल कटकाई॥ रिपु अनीक नाना बिधि आई॥ *•~•~** ॥ दोहा ॥ *~*~~*~•~•

सुनु सौमित्रि बिभीषण मर्कट संभारहु सयन॥
मैं देखौं खलदल बलहिं बोले राजिवनयन *॥

॥ चौपाई ॥

कर सारंग धनुष साजि कटि भाथा॥ मृगपति ठवनि चले रघुनाथा॥ प्रथम कीन्ह प्रभु धनुष टंकोरा॥ रिपुदल बधिर भये सुनि सोरा॥ सत्यसंध छाँड़े शर लक्षा॥ कालसर्प जनु चले सपक्षा॥ जनि तहँ चले निकर नाराचा॥ लगे कटन भट बिकट पिशाचा॥ कटहिं चरन सिर उर भुजदंडा॥ बहुतक बीर होहिं शतखंडा॥ घुर्मि घुर्मि घायल महि परहीं॥ उठहिं संभारि सुभट फिरि लरहीं॥ रुंड प्रचंड मुण्ड बिनु धावहिं॥ धरु धरु मारु मारु गोहरावहिं॥ *~* ॥ दोहा ॥ *~**

क्षणमहँ प्रभुके शायकनि काटे बिकट पिशाच॥
पुनि रघुपतिके तोणमहँ प्रबिशे सब नाराच॥

॥ चौपाई ॥

कुम्भकर्ण मन दीख बिचारी॥ क्षणमहँ हते निशाचर धारी॥ भय अतिक्रोध महाबल बीरा॥ करि मृगनायक नाद गँभीरा॥ कोपि महीधर लिये उपारी॥ डारे जहँ मर्कट भट भारी॥ आवत देखि शैल प्रभु भारे॥ शरनि काटि रजसम करि

कारे ॥ पुनिधनुतानिकोपिरघुनायक ॥ छाडेअतिकरालबहुसायक ॥ तनमहुं प्रबिसिनिसरिसरजाहीं ॥ जिमिदामिनिघनमांझसमाहीं ॥ शोणितश्रवततसोहतनकारे ॥ जिमिकज्जलगिरिगेरुपनारे ॥ बिकलबिलोकिभालुकपिधाये ॥ बिहंसाजबहिंनिकटकपिआये ॥ * * ॥ दोहा ॥ * * * * *

गर्जनधायेउबेगिअति कोटिकोटिभटकीश ॥

महिपटकैगजराजइव शपथकरैदशशीश ॥

॥ चौपाई ॥

भागेभालुकपिनकेजूथा ॥ वृकविलोकिजिमिमेषबरूथा ॥ चलेभागिभालुकपिभागिभवा नी ॥ बिकलपुकारतआरतबानी ॥ यहनिशिचरदुकालसमअहई ॥ कपिकुलदे शपरनअबचहई ॥ कृपाबारिधररामखरारी ॥ पाहिपाहिप्रणतारतिहारी ॥ संकटबचनसुनतभगवाना ॥ चलेसुधारिशरासनबाना ॥ रामसेननिजपाछेंघा ली ॥ चलेसकोपमहाबलशाली ॥ खैंचिधनुषशतशरसंधाने ॥ छूटेतीरशरीर समाने ॥ लागतशरधावारिसभरा ॥ कुधरडगमगतडोलतिधरा ॥ लीन्होतेइए कशैलउपाटी ॥ रघुकुलतिलकभुजासोइकाटी ॥ धावाबामबाहुगिरिधारी ॥ प्रभुसोउभुजाकाटिमहिडारी ॥ काटेभुजसोहैखलकैसे ॥ पक्षहीनमंदरगिरि जैसे ॥ उग्रबिलोकनिप्रभुहिंबिलोका ॥ मानहुग्रसनचहतत्रैलोका ॥ * * *

* * * * * ॥ दोहा ॥ * * * * *

करिचिकारघोरअति धावाबदनपसार ॥

गगनसिद्धसुरत्रासितअति हाहाकारपुकार ॥

॥ चौपाई ॥

सुमयदेवकहयाविधिजाने ॥ अवशप्रवनमुरमनमाने ॥ छाडेविशिखकनिकर मुसभरेऊ ॥ तदपिमहायबभूमिनपरेऊ ॥ उरमेंनिकमुसमनमुरधावा ॥ का लनेमिलंकनधरिआवा ॥ तबप्रभुकोपितीव्रशरलीन्हा ॥ धरतेभिन्नतासुशिर कीन्हा ॥ सोशिरपरदशाननआगे ॥ बिकलभयउजिमिफणिमणित्यागे ॥ धर णिधसैधरधावप्रचंडा ॥ तबप्रभुकाटिकीन्हयुगखंडा ॥ तासुतेजप्रभुबदनसमा ना ॥ सुरमुनिसबविस्मयमाना ॥ नभदुन्दुभीबजावहिंहर्षहिं ॥ जयजय कहिप्रसूनसुरवर्षहिं ॥ करिबिनतीसुरसकलसिधाये ॥ तबतेहिसमयदेवच्छ पिआये ॥ गगनोपरिहरिगुणगणगाये ॥ रुचिरबीररसप्रभुमनभाये ॥ वे गिहनउखलमुनिकहिगयऊ ॥ रामसमरमहंशोभितभयऊ ॥ * * * *

●●* * ॥ छंद ॥ * * * *

संग्रामभूमिबिराजरघुपतिअतुलबलकोशलधनी ॥ * ॥ श्रमबिंदु मुखराजीवलोचनरुचिरतनशोणितकनी ॥ * ॥ भुजयुगलफेरत शरसरासनभालुकपिचहुंदिशिबने ॥ * ॥ कहदासतुलसीकहि नसककविशेषजेहिआननघने ॥ * * ॥ दोहा ॥ * * *

निशिचरअधममलायतन ताहिदीन्हनिजधाम ॥
गिरिजातेनरमंदमति जेनभजहिंश्रीराम * * ॥

॥ चौपाई ॥

दिनकेअंतफिरीदोउअनी ॥ समरभयउसुभटनसनधनी ॥ रामकृपाबलकपिद लबाढा ॥ जिमितृणपायलागअतिडाढा ॥ छीजहिंनिशिचरदिनअरराती ॥ निजमु खधर्मकहेजेहिभांती ॥ बहुविलापदशकंधरकरई ॥ पुनिपुनिबंधुसीसउरध

रई ॥ रोवहिंनारिहृदयहतिपानी ॥ तासुतेजबलबिपुलबखानी ॥ मेघनादते
हिअवसरआवा ॥ कहिबहुकथापिताहिसमुझावा ॥ देखेहुकालिमोरिमनुसा
ई ॥ अबहिंबहुतकाकहौंबड़ाई ॥ इष्टदेवसनजोबरपायेउं ॥ सोबरतातनतुम
हिंसुनायेउं ॥ यहिबिधिजल्पतभयउबिहाना ॥ चहुंदुआरलागेकपिना
ना ॥ इतकपिभालुकालसमबीरा ॥ उतरजनीचरअतिरनधीरा ॥ लरहिंसु
भटनिजनिजजयहेतू ॥ बरनिनजाइसमरखगकेतू ॥ ● ● ● ● ● ● ● ●

॥ दोहा ॥

मेघनादमायामयरथचढ़िगयेउअकास ॥
गर्जेउअट्टहासकरिभइकपिकटकहित्रास ॥

॥ चौपाई ॥

सक्तिसूलतरवारिकृपाना ॥ अस्त्रसस्त्रकुलिसायुधनाना ॥ डारैपरसुपरिघपा
षाना ॥ लागावृष्टिकरैबहुबाना ॥ रहेउदशउदिशिबाणनभछाई ॥ मानउं
मघामेघझरिलाई ॥ धरुधरुमारुसुनिहिंधुनिकाना ॥ जोमारैतेहिकोउनजाना
॥ गहिगिरितरुअकाशकपिधावहिं ॥ देखहिंतेहिनदुखितफिरिआवहिं ॥ अ
वघटघाटबाटगिरिकंदर ॥ मायाबशकीन्हेसिशरपंजर ॥ जांहिकहांब्याकुल
भयबंदर ॥ सुरपतिबंदिपरेजनुमंदर ॥ पुनिलछिमनसुग्रीवविभीषण ॥ शर
नमारिकीन्हेसिजर्जरतन ॥ पुनिरघुपतिसनजूझैलागा ॥ शरछाडतहोइलाग
हिंनागा ॥ ब्यालपाशबशभयखरारी ॥ स्वबसअनंतएकअविकारी ॥ नट
इवकपटचरितकरनाना ॥ सदास्वतंत्रएकभगवाना ॥ रनशोभालगिप्रभुहिंबंधाया
॥ देखिदशादेवनभयपावा ॥ * ॥ दोहा ॥ * * * * * * * * * *

खगपतिबिद्याकरनामजपि नरकाटहिंभवफांस॥
सोप्रभुआवकिबंधतर ब्यापकबिस्वनिवास॥

॥ चौपाई ॥

चरितरामकेसगुणभवानी ॥ तरकिनजाइबुद्धिमनबाणी ॥ असबिचारिजेपर मबिरागी ॥ रामहिंभजहिंतर्कसबत्यागी ॥ ब्याकुलकटककीन्हघननादा ॥ पुनि भाप्रगटकहतदुर्बादा ॥ जामवंतकहखलरहुठाढा ॥ सुनिकैताहिक्रोधअतिबा ढा ॥ बूढजानिशठछाडेउँतोही ॥ लागेसिअधमप्रचारणमोही ॥ असकहितर हित्रिशूलचलावा ॥ जामवंतसोकरगहिधावा ॥ मारेउमेघनादकेछाती ॥ प राधरणिघुर्मितसुरघाती ॥ पुनिरिसाइगहिचरणफिरावा ॥ महिपछारिनि जबलहिंदेखावा ॥ बरप्रसादसोमरैनमारा ॥ तबपदगहिलंकापरडारा ॥ इहांदेवऋषिगरुडपठाये ॥ रामसमीपसपदिचलिआये ॥

॥ दोहा ॥

पन्नगारिखायेसकल मायानागबरूथ ॥
भईबिगतमायातुरत हर्षेबानरयूथ ॥
गहिगिरिपादपउपलनख धायेकीशरिसाइ ॥
चलेतमीचरबिकलअति गढपरचढेपराइ ॥

॥ चौपाई ॥

मेघनादकैमूर्छाजागी ॥ पितहिबिलोकिलाजअतिलागी ॥ तुरतगयउजोगिरि वरकंदर ॥ करणअजयमखअसमनहठधर ॥ सोसुधिपाइबिभीषणकहई ॥ सुनुप्रभुसमाचारअसअहई ॥ मेघनादमखकरैअपावन ॥ खलमायाविदेवसं

पावन ॥ सोप्रभुसिद्धहोइजौंपाइहि ॥ नाथवेगिरिपुजीतिनजाइहि ॥ सुनि रघुपतिअतिशयसुखमाना ॥ बोलिलियेअंगदहनुमाना ॥ लक्ष्मणसंगजाहुस बभाई ॥ यज्ञविधंसकरहुतुमजाई ॥ तुमलक्ष्मणरणमारेहुवोही ॥ देखिस भयसुरवडदुखमोही ॥ जामवंतकपिराजविभीषण ॥ सेनसमेतरहहुतीनौज न ॥ जवरघुवीरदीन्हअनुशासन ॥ कटिनिषंगकरवाणशरासन ॥ प्रभुप्रता पउरधरिरणधीरा ॥ बोलेउघनइववगिरागंभीरा ॥ जौंतेहिआजुवधौंविनुआकैं ॥ तौरघुपतिसेवकनकहावौं ॥ जौंशतशंकरकरहिंसहाई ॥ तदपिहतौंर घुवीरदोहाई ॥ ॥ दोहा ॥

वंदिरामपदकमलयुग चलेतुरंतअनंत ॥
अंगदनीलमयंदनल संगसुभटहनुमंत ॥

॥ चौपाई ॥

जाइकपिनदेखासोबैसा ॥ आहुतिदेतरुधिरअरुभैंसा ॥ कपिनजाइतवयज्ञवि धंसा ॥ जवनउठैतवकरहिंप्रशंसा ॥ तदपिनउठैधरहिंकचजाई ॥ लातनहह तिहतिचलहिंपराई ॥ लैत्रिशूलधावाकपिभागे ॥ आवारामअनुजकेआगे ॥ आव तपरमक्रोधकरिमारा ॥ गर्जिघोरपुनिवारहिवारा ॥ कोपिमरुतसुतअंगदधाये ॥ हतित्रिशूलउरधरणिगिराये ॥ प्रभुपरछाडेसिशूलप्रचंडा ॥ शरहतिकृतअ नंतयुगखंडा ॥ उठिवहोरिमारुतयुवराजा ॥ हतेउकोपितेहिघावनवाजा ॥ फिरैवीररिपुमरैनमारा ॥ पुनिधावाकरिघोरचिकारा ॥ धावतदेखिक्रोधजनुका ला ॥ लक्ष्मणछाडेविशिखकराला ॥ आवतदेखिवज्रसमवाना ॥ तुरतभयेखलअं तरधाना ॥ विविधवेषधरिकरैलराई ॥ कवहुंकप्रगटकवहुंदुरिजाई ॥ तव

त्रिमूलछाडेसिलक्ष्मणपर ॥ काटिकीन्हशतखंडधरणीधर ॥ शिखरएकलेसु निशाधावा ॥ रामअनुजसोकाटिखंसावा ॥ ॥ दोहा ॥

आयुधबिबिधप्रहारकिय रजसमकीन्हपाणीश ॥
बिस्मयहर्षक्षणहिक्षण बिबुधसहितसुरईश ॥

॥ चौपाई ॥

बहुरिबिबिधशरछाडनलागा ॥ रणकारणछूटहिंजिमिनागा ॥ रामअनुजशर गरुडसमाना ॥ उमायसतछूटहिंअभिमाना ॥ लक्ष्मणमनअसमंत्रदृढावा ॥ एहिपापिहिमैबहुतखेलावा ॥ सुमिरिकोशलाधीशप्रतापा ॥ शरसंधानकीन्ह करिदापा ॥ छाडेउबाणतासुतनलागा ॥ सीसभुजाकाटेन्हपनागा ॥ घनसमान होगर्जिअभागा ॥ मरतीबारकपटसबत्यागा ॥ ॥ दोहा ॥

रामअनुजकहिरामकहि असकहिछाडेसिप्राण ॥
धन्यधन्यजिसमातुतव कहिअंगदहनुमान ॥
करिश्रमसाहसमहारिपुहि रामअनुजरणधीर ॥
निज्झरसुमनबरषहिंबिबुध कहिजयअगिसगंभीर ॥

॥ चौपाई ॥

नाचुमरमुनसुनिसुरगंधर्बा ॥ चढिबिमानआयेसुरसर्बा ॥ बरषिसुमनदुन्दुभी बजावहिं ॥ श्रीरघुबीरबिमलयशगावहिं ॥ करिबिनतीसुरसकलसिधाये ॥ ल क्ष्मणकृपासिंधुपहंआये ॥ प्रभुहिंबिलोकिसीसपदनाये ॥ उठिप्रभुअनुजहि ंचिउरलाये ॥ मुखप्रसन्ननाटेखिपूछिजब ॥ रिपुबधकहाबिभीषणहुंतब ॥ ज पाहुष्टिकपिकटकनिहारे ॥ भेअमरद्वितरामबैठारे ॥ सुनबधसुनेकदशान

नजबहीं ॥ संभ्रममूर्छिपरामहिंतबहीं ॥ दुखितभयउलोचनभरिआवा ॥ अ
नुनिजमर्षिअहिरजगंवावा ॥ हासुतसन्ततआज्ञाकारी ॥ करिबिलापदशकंध
पुकारी ॥ शक्रआदिजीतेउसबदेवा ॥ सुरमुनिबंदिकरायेउसेवा ॥ दूसरर
हानभुजबलदापा ॥ स्वर्गभूमितलतपेउप्रतापा ॥ एहिबिधिकरिबिलापलंकेशा
॥ भयउतेजहतसुनुउरगेशा ॥ मन्दोदरीरुदनकरिभारी ॥ उरताडतिबहु
भांतिपुकारी ॥ नगरलोगसबव्याकुलसोचा ॥ सकलकहहिंदशकंधरपोचा ॥ *

● ● ● ● ● ● ● ● ● ● ● ॥ दोहा ॥ ● ● ● ● ● ● ● ● ● ● ● ● ●

तबदशकंधअनेकबिधि समुझाईसबनारि ॥
बिश्वरूपप्रपंचयह देखउहृदयबिचारि ॥

॥ चौपाई ॥

तिनहिज्ञानउपदेशेउरावण ॥ आपनमंदकथाअतिपावन ॥ तासुक्रियाकरिनि
श्चरनाहा ॥ भयउतेजहतअतिमनमांहा ॥ सचिवआइसबलागबुझावन ॥ बादि
बिषादकरिअजनिरावण ॥ सुनतबिननारिबिबिधसुखकैसे ॥ उपजहिंघटामेघन
भजैसे ॥ यहजियजानिसुनउदशभाला ॥ बचहिंनकोउजगआयेकाला ॥
अबप्रभुयतनबिचारउसोई ॥ रिपुकरनाशजवनबिधिहोई ॥ बचनसुनततेइ
कहुसुखमाना ॥ कालबिबशजसतीरअज्ञाना ॥ एहिबिधिजल्पतभाभिनुसारा ॥
लगेभालुकपिद्वारिउद्वारा ॥ सुभटबुलाइदशाननबोला ॥ रणसनमुखजाकरम
नडोला ॥ सोअबहोंबहुजाइपराई ॥ रणसनमुखभागेनभलाई ॥ निजभुजबल
मैबैरबढावा ॥ दैहौंउतरजोरिपुचढिआवा ॥ असकहिमारुतबेगरथसाजा ॥ बा
जहिंसकलजुझाऊबाजा ॥ चलेबीरसबअतुलितबली ॥ जनुकज्जलगिरिआंधीच

खी ॥ अगुनअमितहोंहिंनोहिकाला ॥ गनेनभुजबलगर्वविसाला ॥ * * * *

॥ छंद ॥

अतिगर्वगणतनसगुनअसगुनअवहिंआयुधहाथते ॥ * ॥ भटगि रहिंरथतेबाजिगजचिक्करहिंभाजहिंसाथते ॥ * ॥ गोमायुगृध्र कराल खररवस्वानबोलहिंअतिघने ॥ * ॥ जनुकालदूतउलूकबो लहिंसकलपरमभयावने ॥ * ॥ ● ● ॥ दोहा ॥ ● ● ● ● ● ●

ताहिकिसंपतिसगुनसुभ सपनेहुमनविश्राम ॥
भूतद्रोहरतमोहबस रामविमुखरतकाम ● ॥

॥ चौपाई ॥

चलीनिशाचरअनीअपारा ॥ चतुरंगिनीचमूबहुधारा ॥ विविधभांतिवाहनरथ याना ॥ विपुलवरणपताकध्वजनाना ॥ चलेमत्तगजयूथघनेरे ॥ मनहुंजल दमारुतकेप्रेरे ॥ वरणवरणवरदैत्यनिकाया ॥ समरशूरजानहिंबहुमाया ॥ अतिविचित्रवाहनीविराजी ॥ वीरवसंतसेनजनुसाजी ॥ चलतकटकदिगसिंदु रडगहीं ॥ क्षुभितपयोधिकुधरडगमगहीं ॥ उठीरेणुरविगयउछपाई ॥ प वनथकितवसुधाअकुलाई ॥ पणवनिसानघोररववाजहिं ॥ महाप्रलयकेजनु घनगाजहिं ॥ भेरिनफीरिवाजुसहनाई ॥ मारूरागशूरसुखदाई ॥ केहरि नादवीरसवकरहीं ॥ निजनिजबलपौरुषअनुसरहीं ॥ कहैदशाननसुनहु सुभट्टा ॥ मर्दहुभालुकपिनकरठट्टा ॥ हौंमारिहौंभूपदोउभाई ॥ असकहिस नमुखफौजचलाई ॥ यहसुधिसकलकपिनजवपाई ॥ धायेकरिरघुवीरदोहा ई ॥ ● ● ● ● ● ● ● ● ● ● ॥ छंद ॥ ● ● ● ● ● ● ● ● ● ● ● ●

ध्यावै विज्ञानी [illegible] सुजान [illegible] ॥ * ॥ मानस हंस पद

उड़ाहिं भूधर वृंद नाना बाण लागत ॥ * ॥ नख दशन शैल महा द्रुम

गहि सकल शंकर मानहीं ॥ * ॥ जय राम रावण मत्त गज मृगराज

सुयश सुनावहीं ॥ * ॥ * ~ * ॥ दोहा ॥ * ~ **

कुंअर दिशि जय जयकार करि निज निज जोरी जानि ॥

भिरे वीर इत रामहिं उत रावणहि बखानि ॥

॥ चौपाई ॥

रावण रथी विरथ रघुवीरा ॥ देखि विभीषण भयउ अधीरा ॥ अधिक प्रीति मन भा संदेहा ॥ बंदि चरण कह सहित सनेहा ॥ नाथ न रथ नहिं तनु पदत्राना ॥ केहि विधि जितब वीर बलवाना ॥ सुनहु सखा कह कृपानिधाना ॥ जेहि जय होइ सो संदन आना ॥ शौरज धीरज तेहि रथ चाका ॥ सत्य शील दृढ़ ध्वजा पताका ॥ बल विवेक दम परहित घोरे ॥ क्षमा दया समता रजु जोरे ॥ ईश भजन सारथी सुजाना ॥ विरति चर्म संतोष कृपाना ॥ दान परशु बुधि शक्ति प्रचंडा ॥ वर विज्ञान कठिन कोदंडा ॥ संयम नियम शिलीमुख नाना ॥ अमल अचल मन त्रोण समाना ॥ कवच अभेद विप्र गुरु पूजा ॥ एहि सम विजय उपाय न दूजा ॥ सखा धर्ममय अस रथ जाके ॥ जीतन कहँ न कतहुँ रिपु ताके ॥ ● ● ●

* ~ * ~ * ~ ● ~ ** ॥ दोहा ॥ * ~ * ~ * ~ ● ~ ●

महा घोर संसार रिपु जीति सकै सो वीर ●●● ॥

जाके अस रथ होइ दृढ़ सुनहु सखा मतिधीर ॥

सुनत विभीषण प्रभु बचन हरषि गहे पद कंज ॥

यहिविधिमोहिउपदेश्यकिय रामकृपासुखपुञ्ज ॥
जनप्रचारदशकंधकर इतऋंगदहनुमान ॥
करतनिशाचरभालुकपि करिनिजनिजप्रभुआन ॥

॥ चौपाई ॥

सुरब्रह्मादिसिद्धमुनिनाना ॥ देखहिंरणनभचढेविमाना ॥ हमहूंउमारहेउं तेहिसंगा ॥ देखतरामचरितरणरंगा ॥ सुभटसमररसदुहुदिशिमाते ॥ कपि जयशीलरामबलताते ॥ एकएकसनभिरहिंप्रचारहिं ॥ एकएकमर्दहिंमहि पारहिं ॥ मारहिंकाटहिंधरणिपछारहिं ॥ सीसतोरिगहिभुजाउपारहिं ॥ उ दरविदारहिंभुजाउपाटहिं ॥ गहिपदअवनिपटकिपुनिडांटहिं ॥ निशिचरभ टमहिगाडहिंभालू ॥ ऊपरडारिदेहिंबहुवालू ॥ बीरबलीमुखयुद्धविरुद्धा ॥ देखियविपुलकालजनुक्रुद्धा ॥ *~* ॥ छंद ॥ *~*~*~*

क्रोधांतकालसमानजहंतहंश्रवतशोणितसजहीं ॥ * ॥ मर्दहिंनि शाचरकटकभटबलवंतजिमिघनगाजहीं ॥ * ॥ मारहिंचपेटनि काटिदांतनिडांटिलातनमींजहीं ॥ * ॥ चिकरहिंमर्कटभालुछल बलकरहिंजेहिखलछीजहीं ॥ * ॥ धरिगालफारहिंउरविदार हिंगलअनावरिमेलहीं ॥ * ॥ प्रहलादपतिजनुविविधतनुधरिस मरअंगनखेलहीं ॥ * ॥ धरुमारुकाटिपछारुघोरगिरागगनमहि भरिरही ॥ * ॥ जयरामजोतृणतेकुलिशकरकुलिशतेकरतृण सही ॥ * ॥ *~* ॥ दोहा ॥ **~*~*~*

निजदलविचलविलोकितव बीशभुजादशचाप ॥

चलादशाननकोपकरि फिरकुफिरककरिदाप ॥

॥ चौपाई ॥

धावापरमक्रोधदशकंधर ॥ सनमुखचलेहूहदैबंदर ॥ गहिकरपादपउपल
प्रहारा ॥ डारहिंतेहिंपरएकहिबारा ॥ लागहिंशैलबज्रतनुतासू ॥ खंडखंड
होइफूटहिंग्रासू ॥ चलानग्रचलरहारथरोपी ॥ रावणदुर्मदसवणग्रतिकोपी ॥
इतउतझपटिदपटिकपियोधा ॥ मर्दनलागुभयोग्रतिक्रोधा ॥ चलेपराइभालुक
पिनाना ॥ त्राहित्राहिग्रंगदहनुमाना ॥ पाहिपाहिरघुबीरगोसांई ॥ यहखल
लखावकालकीनाईं ॥ तेहिदेखेकपिसकलपराने ॥ दशकुचापशायकसंधाने ॥

~*~*~*~*~ ॥ छन्द ॥ *~*~*~*~*~**

संधानिधनुशरनिकरछाडेसिउरगजिमिउडिलागहीं ॥ * ॥ रह
पूरिशरधरणीगगनदिशिविदिशिकहंकपिभागहीं ॥ * ॥ भाग्र
तिकोलाहलबिकलदलकपिभालुबोलहिंग्रातुरे ॥ * ॥ रघुबीरक
रुणासिंधुग्रारतबंधुजनरक्षकहरे ॥ ** ॥ दोहा ॥ *~~*

बिचलतदेखाकपिकटक कटिनिषंगधनुहाथ ॥
लक्ष्मणचलेसकोपतब नाइरामपदमाथ ** ॥

॥ चौपाई ॥

रेखलकाहहनसिकपिभालू ॥ मोहिबिलोकुतोरमैंकालू ॥ खोजतरहेउंतोहिसुत
घाती ॥ ग्राजुनिपातिजुडावौंछाती ॥ कहिग्रसछाडेसिबाणप्रचंडा ॥ लक्ष्मणकिन्ह
शरहतिशतखंडा ॥ कोटिनशक्तित्रिशूलपवारे ॥ तृणसमानप्रभुकाटिनिवारे ॥
पुनिनिजबाणन्हकीन्हप्रहारा ॥ स्यंदनभज्जिसारथीमारा ॥ शतशतशरमारेदश

माला ॥ गिरिशृंगनिकपनुसविहगिंधाथा ॥ मुष्टिक तामारेउरमांही ॥ परे उअवनितनसुधिकछुनाही ॥ उठाप्रबलपुनिमूर्छाजागी ॥ छाडेसिब्रह्मदत्तजो सांगी ॥ ** * * * ॥ छन्द ॥ * * * * *

जोब्रह्मदत्तप्रचंडशक्तिअनंतउरलागीसही ॥ * ॥ परुविकलवी रउठावदशमुखअतुलवलमहिमारही ॥ * ॥ ब्रह्मांडभुवनवि राजजाकेएकशिरजिमिरजकनी ॥ * ॥ सोचहउठावनमूढराव णजाननहित्रिभुवनधनी ॥ * * ॥ दोहा ॥ * * *

देखापवनपुत्र बोलतवचनकठोर * ॥
आवतहिउरमहुतेक मुष्टिप्रहारप्रघोर ॥

॥ चौपाई ॥

जानुटेकिकपिभूमिनपरेउ ॥ उठासंभारिबहुरिरिसिभरेउ ॥ मुष्टिकाएकता हिकपिमारा ॥ परेउशैलजिमिबज्रप्रहारा ॥ मूर्छागईबहुरिसोजागा ॥ कपि वलविपुलसराहनलागा ॥ धृगधृगमम पौरुषधृगमोही ॥ जोतैंजियतउठासुर द्रोही ॥ असकहिकपिलछमनकहंल्यावा ॥ देखिदशाननविस्मयपावा ॥ कह रघुवीरसमुझिजियभ्राता ॥ तुमकृतांतभक्षकसुरत्राता ॥ सुनतवचनउठिबैठु कृपाला ॥ गगनमईसोशक्तिकराला ॥ धरिशरचापचलनपुनिभयऊ ॥ रिपुसमी पआतुरअतिगयऊ ॥ * * * ॥ छन्द ॥ * * * * *

आतुरवहोरिविभंजिस्यंदनमारितेहिव्याकुलकियो ॥ * ॥ गिरिधरणि दशकंधरविकलतनुवाणशतवेध्योहियो ॥ * ॥ सारथीरथ घालिदूसरनाहिलंकालैगयो ॥ * ॥ रघुवीरवंधुप्रतापपुञ्जवहो

रिप्रभुचरणननयो॥ * * ॥ दोहा॥ * * * *

उहांदशाननजागिकरि करनलागकछुयज्ञ॥

जयचाहतरघुपतिबिमुख शठहठवशअतिअज्ञ॥

॥ चौपाई ॥

इहांबिभीषणसबसुधिपाई॥ सपदिजाइरघुपतिहिसुनाई॥ नाथकरैराव णएकयागा॥ सिद्धभयेनहिमरिहिअभागा॥ पठवहुनाथवेगिवहुबंदर॥ करहिंबिधंसआवदशकंधर॥ प्रातहोतप्रभुसुभटपठाये॥ हनुमदादिबंदरसब धाये॥ कौतुककूदिचढेकपिलंका॥ पैठेरावणभवनअशंका॥ जबहींयज्ञक रततेहिदेषा॥ सकलकपिनभाक्रोधबिशेषा॥ रणतेभाजिनिलजगृहआवा॥ इहांआइबकध्यानलगावा॥ असकहिअंगदमारेउलाता॥ चितवनशठस्वारथमद राता॥ * * ॥ छन्द ॥ * * *

नहिंचितवजबकपिकोपितबगहिदशनलातनमारहीं॥ * ॥ धरि केशनारिनिकारिबाहरअतिदीनपुकारहीं॥ * ॥ तबउठाको पिकृतांतसमगहिचरणबानरडारहीं॥ * ॥ यहिभांतियज्ञबिधं सकरिकपिनकेमननहिहारहीं॥ * * ॥ दोहा ॥ * *

मखबिधंसकरिकपिसकल आएरघुपतिपास॥

चलादशाननक्रोधकरि छांडीजियकीआश॥ * * ॥

॥ चौपाई ॥

चलतहोहिंनेहिअशुभभयंकर॥ बैठहिंगृध्रउडाहिंशिरनिपर॥ भयउका लवशकाहुनमाना॥ कहेसिबजावहुयुद्धनिसाना॥ चलीतमीचरअनीअपा

रा ॥ बज्रगजरथपदचरअश्वारा ॥ प्रभुसन्मुखखलधावहिंकैसे ॥ शलभसमू
हअनलकहंजैसे ॥ इहांदेवसबविनतीकीन्हा ॥ दारुणविपतिहमहियहदी
न्हा ॥ अबजनिनाथखेलावहुएही ॥ अतिशयदुखितहोतिबैदेही ॥ देववचन
सुनिप्रभुमुसुकाना ॥ उठिरघुबीरसुधारेउबाना ॥ जटाजूटबांधीदृढमाथे ॥
सोहहिंसुमनबीचबिचगांथे ॥ अरुणनयनबारिदतनश्यामा ॥ अखिललोकलो
चनअभिरामा ॥ कटितटपरिकरकसेनिषंगा ॥ करकोदंडकठिनसारंगा ॥ *

॥ छंद ॥

सारंगकरसुंदरनिषंगनशीलिमुखयुतकटिकस्यौ ॥ * ॥ भुजदं
डपीनमनोहरायतउरधरासुरपदलस्यौ ॥ * ॥ कहदासतुलशीज
बहिंप्रभुशरचापकरफेरनलगे ॥ * ॥ ब्रह्मांडदिग्गजकमठअहि
महिसिंधुभूधरडगमगे ॥ *

॥ दोहा ॥

हर्षेदेवबिलोकिछबि बर्षेहिंसुमनअपार ॥
जयजयप्रभुगुणज्ञानबल धामहरणमहिभार ॥

॥ चौपाई ॥

यहिकेबीचनिशाचरअनी ॥ कसमसातिआईअतिघनी ॥ देखिचलेसनमुखकपि
भट्टा ॥ प्रलयकालकेजिमिघनघट्टा ॥ शक्तिशूलतरवारिचमकहिं ॥ जनुदशदि
शिदामिनीदमकहिं ॥ गजरथतुरगचिकारकठोरा ॥ गर्जनमनहुंबलाहक
घोरा ॥ कपिलंगूरविपुलनभछाये ॥ मनहुंइन्द्रधनुउगेउसुहाये ॥ उठीरेणु
मानहुंजलधारा ॥ बाणबुन्दभइबृष्टिअपारा ॥ दुहुंदिशिपर्वतकरहिंप्रहारा ॥ ब
ज्रपातजनुबारहिंबारा ॥ रघुपतिकोपिबाणझरिलाई ॥ घायलभेनिशचरसमु

दाई ॥ आगतवासवीरविकरहीं ॥ घुर्मिघुर्मिभ्रमखिनमहिपरहीं ॥ अवहिं शैलजनुनिर्झरवारी ॥ शोणितसरिकादरभयकारी ॥ ● ● ● ● ● ● ● ● ● ●

** ॥ छन्द ॥ **

कादरभयंकररुधिरसरितावाढिपरमअपावनी ॥ * ॥ द्वौकूलद
लरथरेतचक्रअवर्तवहतिभयावनी ॥ * ॥ जलजंतुगजपदचर
तुरगखरविविधवाहनकोगणे ॥ * ॥ शरशक्तितोमरपरशुचाप
तरंगचर्मकमठघने ॥ * ॥ * * ॥ दोहा ॥ * *

वीरपरेजनुतीरतरु मज्जावहजनुफेन ॥
कादरदेखतडरहिंजिय सुभटनकेमनचेन ॥

॥ चौपाई ॥

भज्जहिंभूतपिशाचवेताला ॥ कौतिकरहिंयोगिनीकराला ॥ काककंकलैभुजाउड़ाहीं ॥ एकतेएकछीनिधरिखाहीं ॥ एककहहिंऐसीउसमुहाई ॥ शठनुम्हार दारिद्रनजाई ॥ कंहरतभटघायलतटगिरे ॥ जहंतहंमनहुंअर्धजलपरे ॥ खैचहिंआंतगृध्रतटभये ॥ जनुवंशीखेलतचितदये ॥ बहुभटबहेचढेखग जाहीं ॥ जिमिनावरिखेलहिंसरिमांही ॥ योगिनिभरिभरिखप्परसंचहिं ॥ भूतपिशाचविविधविधिनंचहिं ॥ भटकपालकरतालबजावहिं ॥ चामुण्डानाना विधिगावहिं ॥ जंबुकनिकरतहांकटकटहीं ॥ खाहिंअघाहिंहुआहिंदपटहीं ॥ कोटिनरुंडमुण्डबिनुडोलहिं ॥ सीसपरेमहिजयजयबोलहिं ॥ ● ● ●

* ॥ छंद ॥ *

बोलहिंजोजयजयरुंडमुंडप्रचंडशिरबिनुधावहीं ॥ * ॥ परिणाम

युद्धअगुह्यपूछहिंसुभटसुरपुरगावहीं ॥ * ॥ निस्चरवरूथनि
मर्दिगर्जहिंभालुकपिदर्पितभये ॥ * ॥ संग्रामअंगनसुभटसोहू
हिंरामशरनिकरनिहये ॥ * ॥ ** ॥ दोहा ॥ * * * * *

हृदयविचारेसिदशवदन भानिस्चरसंहार ॥
मैअकेलकपिभालुवहु मायाकरौंअपार ● ॥

॥ चौपाई ॥

देवन्हप्रभुहिंपयादेहिंदेखा ॥ उरउपजाअतिछोभविशेषा ॥ सुरपतिनिजर
थतुरतपठावा ॥ हर्षसहितमातलिलैआवा ॥ तेजपुञ्जरथदिव्यअनूपा ॥ विहँ
सिचढेकोशलपुरभूपा ॥ रथारूढरघुनाथहिंदेखी ॥ धायेकपिवलपाइवि
शेषी ॥ सहीनजाइकपिनकीमारी ॥ तवरावणमायाविस्तारी ॥ सोमायारघु
वीरहिंवांची ॥ सवकाहूंमानीकरिसांची ॥ देखाकपिनिनिशाचरअनी ॥ वहु
अंगदकपिलक्ष्मणधनी ॥ * * ॥ छंद ॥ * * * * *

वहुवालिसुतलक्ष्मणकपीशविलोकिमर्कटअपडरे ॥ ● ॥ जनु
चित्रलिखितसमेतलक्ष्मणजहंसोतहंचितवनखरे ॥ ● ॥ निज
सेनचकितविलोकिहंसिधनुतानिशरकोशलधनी ॥ ● ॥ मायाह
रीहरिनिमिषमहंहर्षैसकलमर्कटअनी ॥ ● ॥ ● ● ● ● ●

* * * * * ॥ दोहा ॥ * * * * *

वहुरिरामसवतनचितय बोलेवचनगंभीर ॥
द्वंद्वयुद्धदेखहुसकल अमितभयेकपिवीर ॥

॥ चौपाई ॥

असकहिरथरघुनाथचलावा॥ विप्रचरणपंकजशिरनावा॥ तवलंकेशक्रोधक्र रिधावा॥ गर्जितर्जिप्रभुसनमुखआवा॥ जीतेहुजोभटसंयुगमांही॥ सुनुता पसमैतिनसमनाही॥ रावणनामजगतयशजाना॥ लोकपालजेहिकेबंदिवाना॥ खरदूषणकबंधतुममारा॥ हतेहुव्याधइववालिवेचारा॥ निशचरसुभटसकलसंहा रे॥ कुम्भकर्णघननादहिंमारे॥ आजुवैरसवलेउंनिवाही॥ जौंरणभूमिभागि नहिंजाही॥ आजुकरौंखलकालहवाले॥ परेहुकठिनरावणकेपाले॥ सुनिदु र्वचनकालवशजाना॥ कहेउविहंसिमवक्रपानिधाना॥ सत्यसत्यतवसवप्रभुता ई॥ जनिजल्पसिदेखवमनुसाई॥ *॥ छंद॥ ***

जनिजल्पनाकरिसुयशनाशहिंनीतिसुनिशठकरक्षमा॥ *॥
संसारपूरुषत्रिविधहैंपाटलरसालपनससमा॥ *॥ एकसुमन
प्रदएकसुमनफलएकफलैकेवललागहीं॥ *॥ एककरैकहुएक
कहिकरतएककहतवचमेंपागहीं॥ *॥ दोहा॥ ***

रामवचनसुनिविहंसिकहु मोहिशिखावहुज्ञान॥
वैरकरतनवनहिंडरेहु अवलागतप्रियप्रान॥

॥ चौपाई॥

कहिदुर्वचनक्रोधदशकंधर॥ कुलिशसमानलागुछाडनशर॥ नानाकारशिली मुखधाये॥ दिशिअरुविदिशिगगनमहिछाये॥ अनलवाणछाडेरघुवीरा॥ क्ष णमहंजरेनिशचरतीरा॥ छाडेसितीव्रशक्तिखिसिआई॥ वाणसंगप्रभुफेरिपठा ई॥ कोटिनचक्रत्रिशूलपवारे॥ तृणसमानप्रभुकाटिनिवारे॥ निफलहोहिंरा वणशरकैसे॥ खलकेसकलमनोरथजैसे॥ तवशतवाणसारथिहिमारेसि॥ परे

उभूमिजयरामपुकारेहि ॥ रामहपाकरिताहिउभवा ॥ तवप्रभुपरमक्रोधकरावा ॥ * ॥ छंद ॥ *

भयेकुद्धयुद्धविराजरघुपतित्रोणायककसमसे ॥ * ॥ कोदंडधुनिसुनिचंडअनिमनुजादिभयमारुतयसे ॥ * ॥ मन्दोदरीउरकंपकंपितसिंधुभूधरधसमसे ॥ * ॥ चिक्करहिंदिग्गजदशनगहिमहिदेखिकौतुकसुरहंसे ॥ * ॥ दोहा ॥

तान्यौचापश्रवणलगि छाडेबिशिषकराल ॥
रामबाणनभमगचले लहलहातजनुब्याल ॥

॥ चौपाई ॥

चलेबाणसपक्षजनुउरगा ॥ प्रथमहतेउसारथीतुरंगा ॥ रथविभंजिहतिकेतुपताका ॥ गर्जाअतिअंतरबलथाका ॥ तुरतआनिरथचढिखिसिआना ॥ छाडेसिअस्त्रशस्त्रविधिनाना ॥ विफलहोइसवउद्यमताके ॥ जिमिपरद्रोहनिरतमनजाके ॥ तवरावणदशशूलचलावा ॥ वाजिचारिमहिमारिगिरावा ॥ तुरितउठाइकोपिरघुनायक ॥ छाडेअतिकरालबहुशायक ॥ रावणशिरसरोजवनचारी ॥ चलरघुनाथशिलीमुखधारी ॥ दशदशबाणभालदशमारे ॥ निसरिगयेचलुरुधिरपनारे ॥ श्रवतरुधिरधावाबलवाना ॥ प्रभुपुनिकृतधनुशरसंधाना ॥ तीशतीररघुबीरपवारे ॥ भुजनिसमेतशीसमहिपारे ॥ काटतहीपुनिभयेनबीने ॥ रामबहोरिभुजाशिरछीने ॥ पुनिपुनिप्रभुकाटहिंभुजसीसा ॥ अतिकौतुकीकोशलाधीशा ॥ रहेछाइनभशिरअरुबाहू ॥ मानहुंअमितकेतुअरुराहू ॥

॥ छंद ॥

जनुराहुकेतुअनेकनभपथश्रवतशोणितधावहीं ॥ * ॥ रघुबीरतीर प्रचंडधावहिंभूमिगिरननपावहीं ॥ * ॥ एकएकशरशिरनिकर छेदेनभउडतकिमिसोहई ॥ * ॥ जनुकोटिदिनकरकोपिजहँ तहँजिमिविधुंतुदपोहई ॥ * ॥ ● ● ॥ दोहा ॥ ● ● ● ● ●

जिमिजिमिप्रभुहरतासुशिर तिमितिमिहोहिंअपार ॥
सेवतविषयअचेतनर जिमिनितिनूतनमार * * * ॥

॥ चौपाई ॥

दशमुखदीखशिरनिवीबाढी ॥ बिसरामरणभईरिसिगाढी ॥ गरजेउमूढम हाअभिमानी ॥ धायउदशहुशरासनतानी ॥ समरभूमिदशकंधरकोपा ॥ बर्षि बाणरघुपतिरथतोपा ॥ दंडएकरथदेखिनपरेऊ ॥ जनुनिहारमहँदिनकरदुरेऊ ॥ हाहाकारसुरन्हसबकीन्हा ॥ तबप्रभुकोपिधनुषकरलीन्हा ॥ शर निवारिरिपुकेशिरकाटे ॥ तेदिशिविदिशिगगनमहिपाटे ॥ काटेशिरनभमारग धावहिं ॥ जयजयधुनिकरिभयउपजावहिं ॥ कहँलक्ष्मणकहँहनुमंतकपीशा ॥ क हँरघुवीरकोशलाधीशा ॥ * * ॥ छंद ॥ * * * * *

कहुँसमकहिशिरनिकरधावहिंदेखिमर्कटभजिचले ॥ * ॥ संधानि शररघुवंशमणिनवशरनिशिरवेधेभले ॥ * ॥ शिरमालिकागहि कालिकातहँवृन्दवृन्दनिसोमिली ॥ * ॥ करिरुधिरसरितामज्जि ननसंग्रामवटपूजनचली ॥ * * ॥ दोहा ॥ * * * *

पुनिरावणअतिकोपकरि छाडीशक्तिप्रचंड ॥
सनमुखचलीबिभीषणहि मनकंकालकोदंड ॥

॥ ३० ॥ आवतदेखिशक्तिखरधारा ॥ प्रणतारतहरिबिरदसंभारा ॥ तुरतबिभीषणपाछे मेला ॥ सनमुखराममहेउसोसेला ॥ लगीशक्तिमूर्छाककुभई ॥ प्रभुकृतखेलसुरन्हबिकलई ॥ देखिबिभीषणप्रभुश्रमपायउ ॥ गहिकरगदाक्रोधकरिधायउ ॥ रेकुभाग्यशठमंदकुबुद्धे ॥ तैंसुरनरमुनिनागबिरुद्धे ॥ सादरशिवकहंसीसचढाये ॥ एकएककेकोटिनपाये ॥ तेहिकारणखलअबलगिबांचा ॥ अवतवकालसीसपरनांचा ॥ रामबिमुखशठचहसिसंपदा ॥ असकहिहनेसिमांझउरगदा ॥ *—*——* ॥ छंद ॥ *—*—*—*—*—*

उरमांझगदाप्रहारघोरकठोरलागतमहिपरा ॥ * ॥ दशबदनशोणितश्रवतपुनिसंभारिधायोरिसिभरा ॥ * ॥ द्वौभिरेअतिबलमल्लयुद्धबिलोकिएकहिएकहनै ॥ * ॥ रघुबीरबलगर्बितबिभीषणघालिनहिताकहंगनै ॥ * * * ॥ दोहा ॥ * *—* *

उमाबिभीषणरावणहिं सनमुखचितवकिकाउ ॥
सोअबभिरतकालसम श्रीरघुबीरप्रभाउ *** ॥

॥ चौपाई ॥

देखाश्रमितबिभीषणभारी ॥ धायाहनूमानगिरिधारी ॥ रथतुरंगसारथीनिपाता ॥ हृदयमांझमारेउतेहिलाता ॥ ठाढरहाअतिकंपितगाता ॥ गयउबिभीषणजहंजनत्राता ॥ पुनिरावणतेहिहनेउप्रचारी ॥ चलागगनकपिपूंछपसारी ॥ गहेसिपूंछकपिसहितउडाना ॥ पुनिनभभिरेउप्रबलहनुमाना ॥ लरतअकाशयुगलसमयोधा ॥ हनतएकएकहिंकरिक्रोधा ॥ शोभितनभछलबलबहुकरहीं ॥

कज्जलगिरिसुमेरुअनुसरिहीं ॥ बुधिबलनिश्चरपरैनपारा ॥ तबमारुतसुतप्र
भुहिंसंभारा ॥ * ॥ छंद ॥ *

संभारिश्रीरघुवीरधीरप्रचारिकपिमिसचरहन्यौ ॥ * ॥ महिपरत
पुनिछठिलरततदेवनयुगलकहंजयजयभन्यौ ॥ * ॥ हनिंबन्ता
काटदेनिमर्कटभालुनोधातुरचले ॥ * ॥ रामनिशाचरसकलसुभ
टप्रचंडभुजबलदलिमले ॥ * ॥ दोहा ॥

श्रमप्रचारेवीरसब धायेकीपप्रचंड ** ॥
कपिदलनिपुनविलोकिजेइ कीन्हप्रगटपाखंड ॥

॥ चौपाई ॥

अंतरध्यानभयेछनएका ॥ पुनिप्रगटेखलरूपअनेका ॥ रघुपतिकटकभालु
कपिजेते ॥ जहंतहंप्रगटदशाननतेते ॥ देखाकपिनप्रगटदशसीसा ॥ भागेभा
लुविकलभटकीसा ॥ चलेबलीमुखधरहिंनधीरा ॥ त्राहित्राहिलक्षमणरघुबीरा
॥ दहंदिसिधावहिंकोटिनरावण ॥ गर्जहिंघोरकठोरभयावन ॥ डरेसकलसु
रचलेपराई ॥ जयकीआशतजहुरेभाई ॥ सबसुरजितेएकदशकंधर ॥ अ
बबहुभयेतकहुगिरिकंदर ॥ रहेविरंचिशंभुमुनिज्ञानी ॥ जिनजिनप्रभुकीम
हिमाजानी ॥ * ॥ छन्द ॥ *

जानहिंप्रतापतेरहेनिर्भयकपिनरिपुमानेफुरे ॥ * ॥ चलेविच
लिमर्कटभालुसकलकृपालपाहिभयातुरे ॥ * ॥ हनुमन्तअंगदनी
लनलअतिबलवन्तरणबांकुरे ॥ * ॥ मर्दहिंदशाननकोटिकोटि
नकपटभटअंकुरे ॥ * ॥ दोहा ॥

सुरबानरदेखेबिकल हंसेकोशलाधीश ** ॥
साजिशरासननिमिषमहं हरेसकलदशशीस॥

॥ चौपाई ॥

प्रभुक्षणमहंमायासबकाटी ॥ जिमिरबिउदयजाहिंतमफाटी ॥ रावणएकदे खिसुरहर्षे ॥ बिपुलसुमनपुनिप्रभुपरबर्षे ॥ भुजउठाइरघुपतिकपिफेरे ॥ फिरेएकएकनिकेटेरे ॥ प्रभुबलपाइभालुकपिधाये ॥ तरलतमकिसंयुगमहंआ ये ॥ करतप्रशंसासुरनेंइदेखे ॥ भयउंएकमैंइनकेलेखे ॥ शठहुसदाममम रणमनाये ॥ असकहिगगनपंथकहंधाये ॥ हाहाकारकरतसुरभागे ॥ शठ हुजाहुकहंमोरेआगे ॥ देखिबिकलसुरअंगदधावा ॥ कूदिचरणगहिभूमिगि रावा ॥ ● ● ● ● ● ● ● ● ● ॥ छंद ॥ ● ● ● ● ● ● ● ● ● ● ● ●

गहिभूमिपारयोलातमारयोबालिसुतप्रभुपहंगयो ॥ * ॥ संभारिउठि दशकंठघोरकठोरकरिगर्जतभयो ॥ * ॥ करिदापधनुचढ़ाइदश संधानिशरबहुबर्षई ॥ * ॥ कियसकलभटघायलबेआकुलदेखि निजबलहर्षई ॥ * ● ● ॥ दोहा ॥ ● ● ● ● ● ● ● ● ●

तबरघुपतिलंकेशके बीशभुजादशचाप ॥
काटेभयेबहोरिबहु जिमितीरथकरपाप ॥

॥ चौपाई ॥

शिरभुजबाढ़िदेखिरिपुकेरी ॥ भालुकपिनरिसिभईघनेरी ॥ मरतनमूढ़कटे भुजसीसा ॥ धायेकोपिभालुभटकीसा ॥ बालितनयमारुतनलनीला ॥ द्विबिदम यंदमहाबलशीला ॥ बिटपमहीधरकरहिंप्रहारा ॥ सोइगिरितरुगहिकपिनसो

मारा ॥ एकोनसनरिपुदपुषविदारी ॥ भागिचलेहिंएकआननमारी ॥ नवनचले लशिरनिर्चलिगयेऊ ॥ नखनिजचाटविदारतभयऊ ॥ रुधिरविलोकिसको पसुरारी ॥ तिनहिंधरनकहंभुजापसारी ॥ गहेनजाहिंशिरनिपरपिरहीं ॥ अनुयुगमधुपकमलवनचरहीं ॥ कोपिकूदिदोधरेसिवहोरी ॥ महिपटकेविगहिभुजामरोरी ॥ पुनिसकोपिदशधनुकरलीन्हा ॥ शरनिमारिघायलकपिकीन्हा ॥ हनुमदादिमूर्छितसबबंदर ॥ पाइप्रदोषहर्षदशकंधर ॥ मूर्छितदेखिसकलकपिवीरा ॥ जामवंतधावारणधीरा ॥ संगभालुभूधरधरिभारी ॥ मारणलगेप्रचारिप्रचारी ॥ भयोकोधरावणबलवाना ॥ गहिपदमहिपटकेभटनाना ॥ देखिभालुपतिनिजदलघाता ॥ कोपिमांझउरमारिसलाता ॥ ***** ॥ छन्द ॥ *****

उरलातघातप्रचंडलागतविकलरथतेमहिपरा ॥ * ॥ गहिभालु वीशहुकरनिमानहुकमलनिवसिमधुकरा ॥ * ॥ मूर्छितम होरिविलोकिपदहतिभालुपतिप्रभुपहंगयेउ ॥ * ॥ निशिजानि स्पंदनघालितेहितवसूतयत्नकरतभयेउ ॥ * ॥ ●●●●●

***** ॥ दोहा ॥ *****

मूर्छागइकपिभालुनव सबआयेप्रभुपास ॥
सकलनिशाचरसबहिं घेरिरहेअतित्रास ॥

॥ चौपाई ॥

तेहिनिशमहंसीतापहंजाई ॥ त्रिजटाकहिसबकथासुनाई ॥ शिरभुजबढ़िसुनतरिपुकेरी ॥ सीताउरभइत्रासघनेरी ॥ मुखमलीनउपजीमनचिंता ॥ त्रि

मुखमलीनउपजीमनचिंता ॥ त्रिजटासनबोलीतबसीता ॥ होइहिकहाकहसिकिनमाता ॥ केहिबिधिमरिहि बिस्वदुखदाता ॥ रघुपतिसरसिरकटेहुनमरई ॥ बिधिबिपरीतचरितसबकरई ॥ मोरअभाग्यजिआवतओही ॥ जेहिहौंहरिपदकमलबिछोही ॥ जेहिकृतकपटकनकमृगझूठा ॥ अजहुंसोदैवमोहिपररूठा ॥ जेहिबिधिमोहिदुखदुसहसहावा ॥ लछिमनकहुकटुबचनकहावा ॥ रघुपतिबिरहसबिषसरभारी ॥ तकितकिमारबारबहुमारी ॥ ऐसेहुदुखजोराखममप्राना ॥ सोइबिधिताहिजिआवनआना ॥ बहुबिधिकरबिलापजानकी ॥ करिकरिसुरतिकृपानिधानकी ॥ कहत्रिजटासुनुराजकुमारी ॥ उरसरलागतमरइसुरारी ॥ प्रभुतातेउरहतइनतेही ॥ एहिकेहृदयबसतिबैदेही ॥ ० ॥

॥ छंद ॥

एहिकेहृदयबसजानकीजानकीउरममबासहै ॥ ० ॥ ममउ
दरभुअनअनेकलागतबानसबकरनासहै ॥ ० ॥ सुनिबचनह
रषबिषादमनअतिदेखिपुनित्रिजटाकहा ॥ ० ॥ अबमरिहिरि
पुएहिबिधिसुनहिसुंदरितजहिसंसयमहा ॥ ० ॥

॥ दोहा ॥

काटतसिरहोइहिबिकल छुटिजाइहितवध्यान ॥
तबरावनकेहृदयमहु मरिहहिंरामसुजान ॥

॥ चौपाई ॥

असकहिबहुप्रकारसमुझाई ॥ पुनित्रिजटानिजभवनसिधाई ॥ रामसुभाउ
सुमिरिबैदेही ॥ उपजीबिरहबिथाअतितेही ॥ निसिहिससिहिनिंदतिबहु

भांती ॥ युगसमभईसिरातिमराती ॥ करतिबिलापमनहिंमनभारी ॥ रामबिरह
जानकीदुखारी ॥ जबअतिभयोबिरहउरदाहू ॥ फरकेउबामनयनअरुबाहू
॥ सगुनबिचारिधरीउरधीरा ॥ अबमिलिहहिंकृपालरघुबीरा ॥ इहांअर्द्धनि
शिरावणजागा ॥ निजसारथिसनखीझनलागा ॥ शठरणभूमिछडायेसमोही ॥
धृगधृगअधममंदमतितोही ॥ तेंइपदगहिबहुबिधिसमुझावा ॥ भोरभयेंरथच
ढिपुनिधावा ॥ सुनिआगमनदशाननकेरा ॥ कपिदलखरभरभयउघनेरा ॥
जहंतहंभूधरबिटपउपारी ॥ धायेकटकटाइभटभारी ॥

॥ छंद ॥

धायेजोमर्कटबिकटभालुकरालकरभूधरधरा ॥ * ॥ अतिकोपकि
रहिंप्रहारमारतभजिचलेरजनीचरा ॥ * ॥ बिचलाइदलबलव
न्तकीशनिघेरिपुनिरावणलयो ॥ * ॥ दहुंदिशिचपेटन्हमारिनखनि
बिदारितेहिब्याकुलकियो ॥

॥ दोहा ॥

देखिमहामर्कटप्रबल रावणकीन्हबिचार ॥
अन्तरहितभानिमिषमहं छलमायाबिस्तार ॥

॥ छंदतोमर ॥

जबकीन्हतेंहपाषंड ॥ भयेजातुधानप्रचंड ॥ * ॥ बेतालभूतपि
शाच ॥ करधरेधनुनाराच ॥ * ॥ योगिनिगहेकरबाल ॥ एक
हाथमनुजकपाल ॥ * ॥ करिसद्यशोणितपान ॥ नाचहिंकरहिं
गुणगान ॥ * ॥ धरुमारुबोलहिंघोर ॥ रहिपूरिधुनिचहुंओर
॥ * ॥ मुखबायधावहिंखान ॥ तबलगेकीशपरान ॥ * ॥ जहंजा

हिमर्कटभागि ॥ तहँमरनदेखेहिंजागि ॥ * ॥ भयबिकलबानरभालु
॥ पुनिलागुबर्षेगबालु ॥ * ॥ अहंतहंयधिजनकरिकीस ॥ गर्जेउब
हुरिदशसीस ॥ * ॥ लक्ष्मणकपीससमेत ॥ भयेसकलबीरअचे
त ॥ * ॥ हारामहारघुनाथ ॥ कहिसुभटमींजहिहाथ ॥ * ॥
यहिबिधिसकलबलतोरि ॥ तेहिकीन्हकपटबहोरि ॥ ● ॥ प्रगटे
बिपुलहनुमान ॥ धायेगहेपाषाण ॥ ● ॥ तिनिघेरिरामहिंजाइ ॥
चहुँदिशिबरूथबनाइ ॥ ● ॥ मारहुधरहुजनिजाइ ॥ कटक
टाहिंपूंछउठाइ ॥ ● ॥ दशदिशिलंगूरबिराज ॥ तेहिमध्यकोश
लराज ॥ ● ● ● ॥ छंद ॥ ● ● ● ● ● ● *
तेहिमध्यकोशलराजसुन्दरश्यामतनशोभालही ॥ ● ॥ जनुइन्द्र
धनुषअनेककियबरबारितुंगतमालही ॥ ● ॥ प्रभुदेखिहर्षबिषाद
सुरन्हबदिजयजयजयकरी ॥ ● ॥ रघुबीरएकहितीरकोपि
तनिमिषमहँमायाहरी ॥ * ॥ मायाबिगतकपिभालुहर्षेबिटपगि
रिगहिसबफिरे ॥ ● ॥ शरनिकरछाडेरामरावणबाहुशिरमहि
महँगिरे ॥ ● ॥ श्रीरामरावणसमरचरितअनेककल्पजोगावहीं ॥
॥ ● ॥ शतशेषशारदनिगमकबितातदपितेपारनपावहीं ॥ ● ॥ ●
● ● ● ● ● ● ● ● ● ॥ दोहा ॥ ● ● ● ● ● ● ● ● ● ●

कहेतासुगुणगणकछुकएक जड़मतितुलसीदास ॥
निजपौरुषअनुसारजिमि मशकउड़हिंअकास ॥
प्रभुचितयेसुरसिद्धजन व्याकुलदेखिकलेस ● ॥

काटे सीस भुज बार बहु मरै न भट लंकेश ॥

॥ चौपाई ॥

कटत बढ़हिं सीस समुदाई ॥ जिमि प्रति लाभ लोभ अधिकाई ॥ मरै न रिपु श्रम भयउ बिसेषा ॥ राम बिभीषण तन तब देखा ॥ उमा काल मर जाकी इच्छा ॥ सो प्रभु जन कर प्रीति परीक्षा ॥ सुनु सर्वज्ञ चराचर नायक ॥ प्रणतपाल सुर मुनि सुखदायक ॥ नाभिकुंड सुधा बस याके ॥ नाथ जियत रावण बल ताके ॥ सुनत बिभीषण बचन कृपाला ॥ हर्षि गहे प्रभु बाण कराला ॥ अशुभ होन लागे तब नाना ॥ रोवहिं बहु शृगाल खर श्वाना ॥ बोलहिं खग जग आरत हेतू ॥ प्रगट भये जहँ तहँ नभ केतू ॥ दश दिशि दाह होन अति लागा ॥ भये पर्व बिनु रवि उपरागा ॥ मंदोदरि उर कंपित भारी ॥ प्रतिमा श्रवहिं नयन मग बारी ॥ ●● ॥ छंद ॥ ●●●●●

प्रतिमा श्रवहिं पबिपात नभ अति बात बह डोलति मही ॥ ● ॥ बर्षहिं
बलाहक रुधिर कच रज असुभ अति शक को कही ॥ ● ॥ उतपात अ
मित बिलोकि नभ सुर बिकल बोलहिं जय जये ॥ ● ॥ सुर सभय जा
नि कृपाल रघुपति चाप सर जोरत भये ॥ ●● ॥ दोहा ॥ ●●●●

खैंचि धनुष श्रवणलगि छाडे शर एकतीश ॥
रघुनायक सायक चले मानहुँ काल फणीश ॥

॥ चौपाई ॥

सायक एक नाभि सर सोषा ॥ अपर लगे शिर भुज करि रोषा ॥ लै शिर बाहु चले नाराचा ॥ शिर भुज हीन रुंड महि नाचा ॥ धर धसै धर धाव प्रचंडा ॥ तब शर हति प्रभु कृत दुइ खंडा ॥ गर्जेउ मरत घोर रव भारी ॥ कहाँ राम रन हतौं प्रचारी ॥

डोलीभूमिगिरतदशकंधर ॥ क्षुभितसिंधुसरदिग्गजभूधर ॥ परेउभूमियुग खंडबढाई ॥ चापिभालुमर्कटसमुदाई ॥ मंदोदरिआगेभुजसीसा ॥ धरिश रचलेजहांजगदीशा ॥ प्रबिशेसबनिषंगमहंआई ॥ देखिसुरनदुन्दुभीबजा ई ॥ तासुतेजसमानप्रभुआनन ॥ हर्षेदेखिशंभुचतुरानन ॥ जयधुनिपूरिरही नवखंडा ॥ जयरघुवीरप्रबलभुजदंडा ॥ बर्षहिंसुमनदेवमुनिवृन्दा ॥ जय कृपालजयजयतिमुकुन्दा ॥ ॥ छंद ॥

जयकृपाकंदमुकुन्दद्वंद्वहरिमर्दनतिशाकरमदप्रभो ॥ ● ॥ खलदलबि दारणपरमकारणकारुणीकसदाविभो ॥ ● ॥ सुरसिद्धमुनिगं धर्बहर्षैबाजदुन्दुभिगहगही ॥ ● ॥ संग्रामअंगनसमअंगअनंग मकुशोभालही ॥ ● ॥ शिरजटामुकुटप्रसूनविचविचअतिमनो हररजहीं ॥ ● ॥ जनुनीलगिरिपरतडितपटलसमेतउडुगण भ्राजहीं ॥ ● ॥ भुजदंडशरकोदंडफेरतरुधिरकणतनअतिब ने ॥ ● ॥ जनुरायमुनियतमालतरुपरबैठिबहुखगआपने ॥ ● ॥

॥ दोहा ॥

कृपादृष्टिकरिवृष्टिप्रभु अभयकियेसुरवृन्द ॥
हर्षैबानरभालुकपि जयसुखधाममुकुन्द ॥

॥ चौपाई ॥

पतिशिरदेखतजबहिंमंदोदरि ॥ मूर्च्छितविकलधरणीधरखसिपरि ॥ युवतिबृन्द रोवतिउठिधाई ॥ तेहिउठाइरावणपहंआई ॥ पतिगतिदेखितेकरहिंपु कारा ॥ छूटेकेशनदेहसंभारा ॥ उरताडनाकरैंबिधिनाना ॥ रोदनकरैंप्रता

प बस पाना॥ तब बल नाथ डोल नित धरणी॥ तेज हीन पावक ससि तरणी॥ सेष कमठ सहि सकहिं न भारा॥ सो तनु भूमि परेउ भरि छारा॥ बरुण कुबेर सुरेस समीरा॥ रण सन्मुख धरि काहु न धीरा॥ भुजबल जीतकाल जम साईं॥ आजु परेउ अनाथ की नाईं॥ जगत बिदित तुम्हार प्रभुताई॥ सुत परिजन बल बरणि न जाई॥ राम बिमुख अस हाल तुम्हारा॥ रहा न कुल को उ रोवनिहारा॥ तव बस बिधि प्रपंच सब नाथा॥ सभय दिगपाल नित नावहिं माथा॥ अब तव सिर भुज जंबुक खाहीं॥ राम बिमुख यह अनुचित नाहीं॥ काल बिबस पति कहा न माना॥ अग जग नाथ मनुज करि जाना॥ *——*॥ दोहा॥ *——*——*——*——*

अहह नाथ रघुनाथ सम कृपासिंधु नहिं आन॥
मुनि दुर्लभ जो परम गति तुमहिं दीन्ह भगवान॥

॥ चौपाई॥

मंदोदरी बचन सुनि काना॥ सुर मुनि सिद्ध सबहि सुख माना॥ अज महेश नारद सनकादी॥ जे मुनिवर परमारथ बादी॥ भरि लोचन रघुपतिहिं निहारी॥ प्रेम मगन सब भये उ सुखारी॥ रोदन करत देखि सब नारी॥ गयो बिभीषण मन दुख भारी॥ बंधु दशा देखत दुख भयेऊ॥ तब प्रभु अनुजहि आयसु दयेऊ॥ लछिमन तेहि बहु बिधि समुझाये॥ बहुरि बिभीषण प्रभु पहं आये॥ कृपादृष्टि प्रभु ताहि बिलोका॥ करहु क्रिया परिहरि सब शोका॥ कीन्ह क्रिया प्रभु आयसु मानी॥ बिधिवत देश काल जिय जानी॥ *——*॥ दोहा॥ *——*——*——*——*

मय तनयादिक नारि सब देइ तिलांजलि ताहि॥
भवन गईं रघुबीर गुण गण बरणत मन मांहि॥

॥ चौपाई ॥

आइबिभीषणपुनिशिरनावा॥ कृपासिंधुलछमनुजनुलावा॥ तुमकपीशअंगदन
लनीला॥ जामवंतमारुततसुतशीला॥ सबमिलिजाहुबिभीषणसाथा॥ सारेहु
तिलककहेउरघुनाथा॥ पितावचनमैनगरनजाऊं॥ आपुसरिसकपिअनुजप
ठाऊं॥ तुरतचलेकपिसुनिप्रभुबचना॥ कीन्हीजाइतिलककीरचना॥ सादर
सिंहासनबैठारी॥ तिलककीन्हअस्तुतिअनुसारी॥ जोरिपाणिसबहीशिरनाये॥
सहितबिभीषणप्रभुपहंआये॥ तबरघुवीरबोलिकपिलीन्हे॥ कहिप्रियवचन
सुखीसबकीन्हे॥ * * ॥ छंद ॥ * * * * *

कीन्हेउसुखीसबकहिसुबाणीबलतुम्हारेंरिपुहन्यो॥*॥ पायो
बिभीषणराजतिहुंपुरजसतुम्हारोनितनयो॥*॥ मोहिसहितशुभ
रतितुम्हारीपरमप्रीतिजोगाइहै॥*॥ संसारसिंधुअपारपार
प्रयासबिनुनरपाइहै॥ * * ॥ दोहा ॥ * * *

सुनतरामकेवचनमृदु नहिंअघातकपिपुंज॥
बारबारशिरनाइमुख गहेंसकलपदकंज॥

॥ चौपाई ॥

तबप्रभुबोलिलियेहनुमाना॥ लंकाजाहुकहेउभगवाना॥ समाचारजानकिहि
सुनावहु॥ तासुकुशललैतुमचलिआवहु॥ तबहनुमंतनगरमहंआये॥ सुनि
निशिचरीनिशाचरधाये॥ पूजाबहुप्रकारतिनकीन्हा॥ रघुपतिदूतजानकी
चीन्हा॥ कहहुतातप्रभुकृपानिकेता॥ कुशलअनुजप्रभुसेनसमेता॥ सबबिधि
कुशलकोशलाधीशा॥ मातुसमरजीतेउदशशीशा॥ अबिचलराजबिभीषणपावा

॥ सुनिकपिबचनहर्षउरलावा ॥ * ॥ छन्द ॥ *

अतिहर्षमनतनपुलकलोचनसजलपुनिपुनिकहरमा ॥ * ॥ कादेउंतोहित्रैलोक्यमहंकपिकिमपिनहिंवाणीसमा ॥ * ॥ सुनुमातुमैंपायेउंअखिलजगराजआजुनसंशयं ॥ * ॥ रणजीतिरिपुदलबंधुयुतपश्यामिरामनमामियं ॥ * ॥ * ॥ दोहा ॥ * * * * *

सुनुसुतसदगुणसकलतव हृदयबसोहनुमंत ॥
सानुकूलरघुबंशमणि रहहुसमेतअनंत ** ॥

॥ चौपाई ॥

अबसोइयतनकरहुतुमताता ॥ देखौंनयनश्याममृदुगाता ॥ तबहनुमंतरामपहंआये ॥ जनकसुताकरकुशलसुनाये ॥ सुनिसंदेशभानुकुलभूषण ॥ बोलिलियेकपिराजबिभीषण ॥ मारुतसुतकेसंगसिधावहु ॥ सादरजनकसुतहिलैआवहु ॥ तुरतहिसकलगयेजहंसीता ॥ सेवहिंसबनिशिचरीविनीता ॥ बेगिविभीषणतिन्हहिंसिखावा ॥ सादरतिन्हसीतहिंअन्हवावा ॥ दिव्यवसनभूषणपहिराये ॥ शिविकारुचिरसाजिपुनिल्याये ॥ तेहिपरहर्षिचढीबैदेही ॥ सुमिरिरामसुखधामसनेही ॥ देखनभालुकीशसबआये ॥ रक्षककोपिनिवारणधाये ॥ बेतपाणिरक्षकचहुंपासा ॥ चलेसकलमनपरमहुलासा ॥ कहरघुबीरकहामममानहु ॥ सीतहिंसखापयादेहिआनहु ॥ देखहिंकपिजननीकीनाईं ॥ बिहंसिकहारघुबीरगोसाईं ॥ सुनिप्रभुबचनभालुकपिहर्षे ॥ नभतेसुरनसुमनबहुबर्षे ॥ सीतहिंप्रथमअग्निमहंराखी ॥ प्रगटकीन्हचहअंतरसाखी ॥ * *

* * ॥ दोहा ॥ * *

तेहिकारणकरुणायतन कहेकछुकदुर्बाद ॥
सुनतजातुधानीसकल लागींकरनबिषाद * ॥

॥ चौपाई ॥

प्रभुकेबचनसीसधरिसीता ॥ बोलीमनक्रमबचनपुनीता ॥ लक्ष्मणहोहुधर्मकेनेगी ॥ पावकप्रगटकरहुतुमबेगी ॥ सुनिलक्ष्मणसीताकीबाणी ॥ बिरह बिवेकधर्मरतिसानी ॥ लोचनसजलजोरिकरदोऊ ॥ प्रभुसनकछुकहिसकत नकोऊ ॥ देखिरामरुखलक्ष्मणधाये ॥ प्रगटकृशानुकाठबहुलाये ॥ पावकप्रबल बिलोकिबैदेही ॥ हृदयहर्षकछुभयनहिंतेही ॥ जौंमनक्रमबचममउरमाहीं ॥ तजिरघुबीरआनगतिनाहीं ॥ तौकृशानुसबकैगतिजाना ॥ मोकहँहोउश्रीखंडसमाना ॥ * * ॥ छंद ॥ * *

श्रीखंडसमपावकप्रगटकियसुमिरिप्रभुमैथिली ॥*॥ जयकोशलेशमहेशबंदितचरणरतिअतिनिर्मली ॥*॥ प्रतिबिंबअरुलौकिककलंकप्रचंडपावकमहँजरे ॥*॥ प्रभुचरितकाहुनलखे नभसुरसिद्धमुनिदेखहिंखरे ॥*॥ धरिरूपपावकपाणिगहिश्रीसत्यश्रुतिजगबिदितजो ॥*॥ जिमिक्षीरसागरइंदिरारामहिसमर्पीआनिसो ॥*॥ सोहरामबामबिभागराजतिरुचिरअतिशोभाभली ॥*॥ नवनीलनीरजनिकटमानहुँकनकपंकजकीकली ॥ ** ॥ दोहा ॥ *

हर्षिसुमनबर्षहिंबिबुध बाजहिंगगननिशान ॥
गावहिंकिंनरअप्सरा नाचहिंचढीबिमान ** ॥

॥ चौपाई ॥

तवरघुपतिअनुशासनपाई ॥ मातलिचलेचरणशिरनाई ॥ आयेदेवसदास्वारथ ॥ बचनकहहिंजनुपरमारथ ॥ दीनबंधुदयालरघुराया ॥ देवकीन्हदेवनपरदाया ॥ विश्वद्रोहरतखलअतिकामी ॥ निजअघगयउकुमारगगामी ॥ तुमसमरूपब्रह्मअविनाशी ॥ सदाएकरससहजउदासी ॥ अकलअगुणअजअनघअनामय ॥ अजितअमोघशक्तिकरुणामय ॥ मीनकमठसूकरनरहरी ॥ वामनपरशुरामवपुधरी ॥ जबजबनाथसुरन्हदुखपावा ॥ नानातनुधरितुमहिनशावा ॥ सकलपापमूलसुरद्रोही ॥ कामक्रोधमदरतअतिकोही ॥ सोकपावतवधामनिधावा ॥ यहहमरेमनअचरजआवा ॥ हमदेवतापरमअधिकारी ॥ स्वारथरततवभक्तिबिसारी ॥ भवसागरअन्ततहमपरे ॥ अबप्रभुपाहिशरणअनुसरे ॥ ●●● ॥ दोहा ॥ ●●●●●●●●●●●●●

विनयकीन्हबहुभांतिसुर प्रेमप्रफुल्लितगात ॥
सदनविलोकतरामकर लोचननाहिंअघात * ॥

॥ चौपाई ॥

करिविनतीसुरसकलसिधाये ॥ तबप्रभुनिकटविभीषणआये ॥ नाइचरणशिरकहमृदुवाणी ॥ विनयसुनियमशार्ङ्गपाणी ॥ सकुलसदलप्रभुरावणमारा ॥ पावनयशत्रिभुवनविस्तारा ॥ दीनमलीनहीनमतिजाती ॥ मोपरकृपाकीन्हबहुभांती ॥ अबजनगृहपुनीतप्रभुकीजै ॥ मज्जनकरियसमरश्रमछीजै ॥ देखकोशमंदिरसंपदा ॥ देहुकृपालकपिनकहँमुदा ॥ सवविधिनाथमोहिअपनाइय ॥ पुनिमोहिसहितअवधपुरजाइय ॥ सुनतवचनमृदुदीनदयाला ॥ सजलभ

येहरिनयनविशाला ॥ * ॥ दोहा ॥

नोरकोशगृहमोरसव सत्यबचनसुनुतात ॥
दशाभरतकीसमुझिमोहि पलककल्पसमजात ॥

॥ चौपाई ॥

सुनतविभीषणबचनरामके॥ हर्षिगहेपदकृपानिधानके॥ बानरभालुसकल हर्षाने ॥ प्रभुपदगहिगुणबिमलबषाने ॥ बहुरिविभीषणभवनसिधाये॥ मणिगणबसनबिमानचढाये॥ लैपुष्पकप्रभुआगेराषा॥ हंसिकेकृपासिंधुअसभाषा ॥ चढिबिमानसुनुसखाबिभीषण ॥ गगनजाइबर्षैपटभूषण॥ नभपरजाइबिभीषणतबही ॥ बर्षिदियेमणिमूषणसबही ॥ जोजेहिमनभावैसोलेई ॥ मणिमुखमेलिडारिकपिदेई ॥ हंसतरामसियअनुजसमेता ॥ परमकौतुकीकृपानिकेता ॥ ॥ दोहा ॥

ध्याननपावहिंजासुमुनि नेतिनेतिकहवेद ॥
कृपासिंधुसोइकपिनसों करतअनेकबिभेद ॥
उमायेगजपदानमख नानाब्रतअरुनेम * ॥
रामकृपानहिकरहिंतस जसनिष्केवलप्रेम ॥

॥ चौपाई ॥

भालुकपिनपटभूषणपाये ॥ पहिरिपहिरिसबप्रभुपहंआये॥ नानाजिनिसदेखिप्रभुकीशा ॥ पुनिपुनिहंसतकोशलाधीशा ॥ चितैसबनिपरकीन्हीदाया ॥ बोलेमधुरवचनसुरराया ॥ तुम्हरेबलमैरावणमारा ॥ तिलकविभीषणकहंपुनिसारा ॥ निजनिजगृहअबतुमसबजाहू ॥ सुमिरेहुमोहिडरहुजनिकाहू ॥

बचनसुनतपरमाकुलबानर ॥ जोरिपाणिबोलेसबसादर ॥ प्रभुजोंकरऊतुमहिं सबसोहा ॥ हमरेहियउपजेसुनिमोहा ॥ दीनजानिकपिकियेसनाथा ॥ तुमत्रैलोकईशरघुनाथा ॥ सुनिप्रभुवचनलाजहममरहीं ॥ मशककबऊंखगपतिहितकरहीं ॥ देखिरामरुखबानरऋच्छा ॥ प्रेममगननहिंगृहकीइच्छा ॥

॥ दोहा ॥

प्रभुप्रेरितकपिभालुसब रामरूपउररखि ॥
हर्षविषादसमेतसब चलेविनयबहुभाखि ॥
जामवंतनीलादिकपि अंगदादिहनुमंत ॥
सहितविभीषणअपरजे यूथपकपिबलवंत ॥
कहिनसकहिंकछुप्रेमबश भरिभरिलोचनवारि ॥
सन्मुखचितवहिंरामतनु नयननिमेषनिवारि ॥

॥ चौपाई ॥

अतिशयप्रीतिदेखिरघुराई ॥ लीन्हेंसकलविमानचढ़ाई ॥ मनमहंविप्रचरणशिरनावा ॥ उत्तरदिशहिंविमानचलावा ॥ चलतविमानकोलाहलहोई ॥ जयरघुबीरकहैसबकोई ॥ सिंहासनअतिउच्चमनोहर ॥ सियसमेतबैठेप्रभुतापर ॥ राजतरामसहितभामिनी ॥ मेरुशृङ्गजनुघनदामिनी ॥ रुचिरविमानचलाअतिआतुर ॥ कीन्हीसुमनवृष्टिहर्षेसुर ॥ परमसुखदचलित्रिविधबयारी ॥ सागरसरिनिर्मलभइवारी ॥ शगुनहोहिंसुंदरचहुपासा ॥ मनप्रसन्ननिर्मलआकासा ॥ कहरघुबीरदेखुरणसीता ॥ लक्ष्मणहतेइहांइंद्रजीता ॥ अंगदहनूमानकेमारे ॥ रणमहंपरेनिशाचरभारे ॥ कुम्भकर्णरावणदोउभाई

॥ इहांहतेउंसुरमुनिदुखदाई ॥ *——* ॥ दोहा ॥ *——*——*

सुंदरिसेतुदेखुयह थापेउंशिवसुखधाम ॥
सीतासहितकृपायतन शंभुहिंकीन्हप्रणाम ॥
जहंजहंकृपासिंधुवन कीन्हवासविश्राम ॥
सकलदेखाएजानकिहिं कहिकहिसबकेनाम ॥

॥ चौपाई ॥

तपदिविमानतहांचलिआवा ॥ दंडकवनजहंपरमसुहावा ॥ कुम्भजादिमुनिनायकनाना ॥ गयेरामसबकेअस्थाना ॥ सकलऋषिनिसेंपाइअशीसा ॥ आयेचित्रकूटजगदीसा ॥ तहंकरिऋषिनिकेरिसंतोषा ॥ चलाविमानतहांतेचोखा ॥ बहुरिरामजानकीदेखाई ॥ यमुनाकलिमलहरणिसुहाई ॥ पुनिदेखीसुरसरीपुनीता ॥ रामकहाप्रणामकरुसीता ॥ तीरथपतिपुनिदीखप्रयागा ॥ देखतजाहिंपापसबभागा ॥ देखिरामपावनपुनिवेनी ॥ हरणशोकसुरलोकनिसेनी ॥ देखीअवधपुरीअतिपावनि ॥ त्रिविधतापभवदापनशावनि ॥

————*——*——** ॥ दोहा ॥ *——*——*——*——**

तवरघुनंदनसियसहित अवधहिंकीन्हप्रणाम ॥
सजलविलोचनपुलकतन पुनिपुनिहर्षितराम ॥
बहुरित्रिवेणीआइप्रभु हर्षितमज्जनकीन्ह ॥
कपिनसमेतमहीसुरन्हि दानबिबिधविधिदीन्ह ॥

॥ चौपाई ॥

प्रभुहनुमन्तहिकहाबुझाई ॥ धरिद्विजरूपअवधपुरजाई ॥ भरतहिंकुशल

हुमारसुनावऊ ॥ समाचारलैपुनिचलिन्नावऊ ॥ तुरतपवनसुतगवनतभय ऊ ॥ तवप्रभुभरद्वाजपहंगयऊ ॥ नानाविधिपूजामुनिकीन्ही ॥ अस्तुतिकरि पुनिआशिषदीन्ही ॥ मुनिपदवंदियुगलकरजोरी ॥ चढिविमानप्रभुचलेव होरी ॥ इहांनिषादसुनाप्रभुआये ॥ नावनावकरिलोगबुलाये ॥ सुरसरिलां घियानजवआवा ॥ उतरातहंप्रभुआयसुपावा ॥ तवसीतापूजीसुरसरी ॥ व हुप्रकारकरिचरणनपरी ॥ दीन्हअशीसमुदितमनगंगा ॥ सुंदरितवअहिवा तअभंगा ॥ सुनतहिंगुहधावाप्रेमाकुल ॥ आवानिकटपरमसुखसंकुल ॥ प्र भुहिविलोकिसहितवैदेही ॥ परेउअवनितलसुधिनहितेही ॥ परमप्रीतिवि लोकिरघुराई ॥ हर्षिउठाइलीन्हउरलाई ॥ ** ॥ छंद ॥ *

लियहृदयलाइकृपानिधानसुजानरामरमापती ॥ * ॥ बैठारि परमसमीपपूछीकुशलसोकरिवीनती ॥ * ॥ अवकुशलपदपं कजविलोकिविरंचिशंकरसेव्यजे ॥ * ॥ सुखधामपूरणकामरा मनमामिरामनमामिजे ॥ * ॥ सवभांतिअधमनिषादसोहरिभ रतज्यौंउरलाइयां ॥ * ॥ मतिमंदतुलसीदाससोप्रभुमोहवश विसराइयां ॥ * ॥ यहरावणारिचरित्रपावनरामपदरतिप्रदस दा ॥ * ॥ कामादिहरविज्ञानकरसुरसिद्धमुनिगावहिंमुदा ॥

* * * * ** ॥ दोहा ॥ * * * * *

समरविजयरघुनाथकर सुनहिंजेसंतसुजान ॥
विजयविवेकविभूतिनिति तिनहिंदेहिंभगवान ● ॥
यहकलिकालमलायतन मनकरिदेखुविचार ● ॥

॥स०ल०॥ श्रीरघुनायकनामतजि नहिकछुआनअधार ॥

॥ ३९ ॥ इतिश्रीरामचरितमानसेसकलकलिकलुषविध्वंसनेविमलवैराग्यसंपादिनोनाम षष्ठः सोपानः समाप्तः ॥ शुभमस्तु ॥ सिद्धिरस्तु ॥

॥ श्रीगणेशायनमः ॥

*** ॥ दोहा ॥ ***

रहाएकदिनअवधिकर अतिआरतपुरलोग॥
जहंतहंसोचहिंनारिनर कृशतनरामवियोग॥
शगुनहोहिंसुन्दरसकल मनप्रसन्नसबकेर॥
प्रभुआगमनजनावजनु नगररम्यचहुंफेर॥
कौशल्यादिमातुसब मनअनंदअसहोइ॥
आयेप्रभुश्रियअनुजयुत कहनचहतअबकोइ॥
भरतनयनभुजदक्षिण फरकहिंबारहिंबार॥
जानिशगुनमनहर्षअति लागेकरनविचार॥

॥ चौपाई ॥

रहाएकदिनअवधिअधारा॥ समुझतमनदुखभयउअपारा॥ कारणकवननाथ
नहिंआये॥ जानिकुटिलप्रभुमोहिबिसराये॥ अहहधन्यलक्ष्मणबड़भागी॥
रामपदारविन्दअनुरागी॥ कपटीकुटिलनाथमोहिचीन्हा॥ तातेंनाथसंगनहिंली
न्हा॥ जौंकरणीसमुझैंप्रभुमोरी॥ नहिंनिस्तारकल्पशतकोरी॥ जनअवगुणप्र
भुमाननकाऊ॥ दीनबन्धुअतिमृदुलसुभाऊ॥ मोरेजियभरोसदृढ़सोई॥ मि

मिलिहहिंरामसगुनशुभहोई॥ बीतेअवधिरहैंजौंप्राना॥ अधमकवनजगमोहिसमाना॥ *~*~** ॥ दोहा ॥ *~*~*~*~*~*

रामबिरहसागरमहं भरतमगनमनहोत॥
बिप्ररूपधरिपवनसुत आइगएजिमिपोत॥
बैठेदेखिकुशासन जटामुकुटकृशगात *॥
रामरामरघुपतिजपत श्रवतनयनजलजात॥

॥ चौपाई ॥

देखतहनूमानअतिहर्षे॥ पुलकगातलोचनजलबर्षे॥ मनमहंबहुतभांतिसुखमानी॥ बोलेश्रवणसुधासमबाणी॥ जासुबिरहसोचहुदिनराती॥ रटहुनिरन्तरगुणगणपांती॥ रघुकुलतिलकसुजनसुखदाता॥ आयेकुशलदेवमुनित्राता॥ रिपुरणजीतिसुयशसुरगावत॥ सीतासहितअनुजप्रभुआवत॥ सुनतवचनबिसरेसबदूषा॥ तृषावन्तजनुपायपियूषा॥ कोतुमतातकहांतेआए॥ मोहिपरमप्रियवचनसुनाये॥ मारुतसुतमैंकपिहनुमाना॥ नाममोरसुनुकृपानिधाना॥ दीनबंधुरघुपतिकोकिंकर॥ सुनतभरतभेंटेउठिसादर॥ मिलतप्रेमनहिंहृदयसमाता॥ नयनश्रवतजलपुलकितगाता॥ कपितवदरशसकलदुखबीते॥ मिलेआजुमोहिरामपिरीते॥ बारबारपूछीकुशलाता॥ तोकहंदेउंकाहसुनुभ्राता॥ यहसंदेशसरिसजगमांही॥ करिबिचारदेखेउंकछुनाहीं॥ नाहिनउरिनतातमैंतोही॥ अबप्रभुचरितसुनावहुमोही॥ तबहनुमाननाइपदमाथा॥ कहेसकलरघुपतिगुणगाथा॥ कहुकपिकबहुंकृपालगोसांई॥ सुमिरतमोहिदासकीनाई॥ *~*~* ॥ छंद ॥ *~~~~~~*

निजदासज्यौंरघुवंशभूषणकबहिंममसुमिरनकर्यो ॥ * ॥ सु
निभरतवचनविनीतअतिकपिपुलकितनचरणनपर्यो ॥ * ॥ र
घुवीरनिजमुखजासुगुणगणकहतअगजगनाथजो ॥ * ॥ का
हेनहोअविनीतपरमपुनीतसद्गुणसिंधुसो ॥ * ॥ ● ● ● ●

● ● ● ● ● ● ● ● ● ● ॥ दोहा ॥ ● ● ● ● ● ● ● ● ● ● ●

रामप्राणप्रियनाथतुम सत्यवचनममतात ● ॥
पुनिपुनिमिलतभरतसुन प्रेमनहृदयसमात ॥

* ॥ सोरठा ॥ *

भरतचरणशिरनाइ तुरितगयाकपिरामपहं ॥
कहीकुशलसबजाइ हरषिचलेप्रभुजानचढि ॥

॥ चौपाई ॥

हर्षिभरतकोशलपुरआये ॥ समाचारसबगुरहिंसुनाये ॥ पुनिमंदिरमहँबा
तजनाई ॥ आवतनगरकुशलरघुराई ॥ सुनतसकलजननीउठिधाई ॥ क
हिप्रभुकुशलभरतसमुझाई ॥ समाचारपुरवासिनपाये ॥ नरअरुनारिहर्षि
उठिधाये ॥ दधिदूर्वारोचनफलफूला ॥ नवतुलसीदलमंगलमूला ॥ भरिभ
रिहेमथारकरिभामिनि ॥ गावतचलींसिंधुरगामिनि ॥ जोजैसहिंसोतैसहिं
धाये ॥ बालवृद्धकहँसंगनलाये ॥ एकएकनपूछहिंधाई ॥ तुमदेखेदया
लरघुराई ॥ अवधपुरीप्रभुआवतजानी ॥ भईसकलशोभाकीखानी ॥ बहइ
सरजूअतिनिर्मलनीरा ॥ वहैसोहावनत्रिविधसमीरा ॥ ● ● ● ● ● ●

● ● ● ● ● ● ● ● ● ● ● ॥ दोहा ॥ ● ● ● ● ● ● ● ● ● ● ●

हर्षित गुरु परिजन अनुज भूसुर बृन्द समेत ॥
चले भरत अति प्रेम मन सन्मुख कृपानिकेत ॥
बहुतक चढ़ीं अटारिन्ह निरखहिं गगन बिमान ॥
देखि मधुर सुर हर्षित करहिं सुमंगल गान ॥
राका शशि रघुपति पुरी सिंधु देखि हर्षान ॥
बढ़े कोलाहल करत जनु नारि तरंग समान ॥

॥ चौपाई ॥

रविकुलकमलदिवाकर आवत ॥ नगर मनोहर कपिन देखावत ॥ सुनु कपीश अंगद लंकेशा ॥ पावनि पुरी रुचिर यह देशा ॥ यद्यपि सब बैकुण्ठ बखानी ॥ वेद पुराण विदित जग जानी ॥ अवधपुरी सम प्रिय नहिं सोऊ ॥ यह प्रसंग जानै कोउ कोऊ ॥ जन्मभूमि मम पुरी सोहावनि ॥ उत्तरदिशि सरजू बह पावनि ॥ जो मज्जहिं सो बिनहिं प्रयासा ॥ मम समीप नर पावहिं बासा ॥ अति प्रिय मोहि इहां के बासी ॥ मम धामदा पुरी सुखरासी ॥ हर्षे कपि सुनि प्रभु की बाणी ॥ धन्य अवध जेहि राम बखानी ॥ ॥ दोहा ॥

आवत देखे लोग सब कृपासिन्धु भगवान ॥
नगर निकट प्रभु प्रेरेउ उतरे भूमि बिमान ॥
उतरि कहेउ प्रभु पुष्पकहि तुम कुबेर पहं जाहु ॥
प्रेरित राम चला सो हर्ष बिरह अति ताहु ॥

॥ चौपाई ॥

आये भरत संग सब लोगा ॥ कृशतन श्रीरघुबीर बियोगा ॥ बामदेव वसिष्ठ मुनि

नायक ॥ देखेप्रभुमहिधरिधनुसायक ॥ धाइधरेगुरचरणसरोरुह ॥ अनुज

सहितअतिपुलकतनूरुह ॥ भेंटेकुशलपूछिमुनिराया ॥ हमरेकुशलतुम्हारिहि

दाया ॥ सकलद्विजनकहंनायउमाथा ॥ धर्मधुरंधररघुकुलनाथा ॥ गहेभरत

पुनिप्रभुपदपंकज ॥ नमहिंजिनहिंशंकरसुरमुनिअज ॥ परेभूमिनहिउठत

उठाये ॥ बरकरिकृपासिंधुउरलाये ॥ श्यामलगातरोमभैठाढे ॥ नवराजीवन

यनजलबाढे ॥ * ॥ छन्द ॥ * *

राजीवलोचनश्रवतजलतनललितपुलकावलिबनी ॥ * ॥ अतिप्रेम

हृदयलगाइअनुजहिंमिलेप्रभुत्रिभुवनधनी ॥ * ॥ प्रभुमिलतअनु

जहिसोहमोपहंजातनहिउपमाकही ॥ * ॥ जनुप्रेमअरुशृंगा

रतनुधरिमिलेबरसुखमालही ॥ * ॥ पूछतकृपानिधिकुशलभरत

हिंबचनबेगिनआवई ॥ * ॥ सुनुशिवासोसुखबचनमनतेभिन्न

जाननपावई ॥ * ॥ अबकुशलकोशलनाथआरतजानिजनदर

शनदियो ॥ * ॥ बूडतविरहबारिधिकृपानिधिकाढिमोहिकरगहि

लियो ॥ * ॥ दोहा ॥ * *

पुनिप्रभुहर्षितशत्रुहन भेंटेहृदयलगाइ ॥

लक्ष्मणभेंटेभरतपुनि प्रेमनहृदयसमाइ ॥

॥ चौपाई ॥

भरतअनुजलक्ष्मणतबभेंटे ॥ दुसहविरहसंभवदुखमेंटे ॥ सीताचरणभरतशि

रनावा ॥ अनुजसमेतपरमसुखपावा ॥ प्रभुविलोकिहर्षेपुरबासी ॥ जनितवि

योगविपतिसबनाशी ॥ प्रेमातुरसबलोगनिहारी ॥ कौतुककीन्हकृपालखरारी ॥

अमितरूपप्रगटेतेहिकाला ॥ यथायोग्यमिलिसवहिकृपाला ॥ कृपादृष्टिसवलो
गबिलोकी ॥ कियेसकलनरनारिबिशोकी ॥ क्षणमहंसबहिंमिलेभगवाना ॥ उ
मामर्मयहकाहुनजाना ॥ यहिबिधिसवहिसुखीकरिरामा ॥ आगेचलेशीलसु
णधामा ॥ कौशल्यादिमातुसवधाई ॥ निरखिबच्छजनुधेनुलवाई ॥

~~*~*~** ॥ छंद ॥ **~*~*~*~**

जनुधेनुबालकबच्छतजिगृहचरणबनपरबशगई ॥ * ॥ दिनअंत
पुररुखश्रवतथनहुंकारकरिधावतिभई ॥ * ॥ अतिप्रेमप्रभुस
बमातुभेंटेबचनमृदुबहुबिधिकही ॥ ॥ गइबिषमबिपतिबियोग
भवतिन्हहर्षसुखअगणितलही ॥ *~* ॥ दोहा ॥ *~*

भेंटेतनयसुमित्रा रामचरणरतजानि ॥
रामहिंमिलतकेकयी हृदयबहुतसकुचानि ॥
लक्ष्मणसबमातुहिमिले हर्षेआशिषपाइ ॥
केकयिकहंपुनिपुनिमिले मनकरक्षोभनजाइ ॥

॥ चौपाई ॥

सासुनसवहिंमिलीबैदेही ॥ चरणनलागिहर्षअतितेही ॥ देहिअशीसपूछि
कुशलाता ॥ होउअचलतुम्हारअहिवाता ॥ सबरघुपतिपदकमलबिलोकी ॥
मंगलजानिनयनजलरोकी ॥ कनकथारआरतीउतारहिं ॥ बारबारप्रभुगातनि
हारहिं ॥ नानाभांतिनिछावरिकरहीं ॥ परमानन्दहर्षउरधरहीं ॥ कौशल्यापु
निपुनिरघुबीरहिं ॥ चितवहिंकृपासिंधुरणधीरहिं ॥ हृदयबिचारतिबारहिबारा
॥ कवनिभांतिलंकापतिमारा ॥ अतिसुकुमारयुगलममबारे ॥ निशचरसुभटम

हाबलमारे ॥ ॥ दोहा ॥

लक्ष्मणअरुसीतासहित प्रभुहिंबिलोकहिंमातु ॥

परमानन्दमगनमन पुनिपुनिपुलकितगात ॥

॥ चौपाई ॥

लंकापतिकपीशनलनीला ॥ जामवन्तअंगदशुभशीला ॥ हनुमदादिसबबान
रबीरा ॥ धरेमनोहरमनुजशरीरा ॥ भरतसनेहशीलब्रतनेमा ॥ सादरसबबरण
हिंअतिप्रेमा ॥ देखिनगरबासिनकैरीती ॥ सकलसराहहिंप्रभुपदप्रीती ॥ पु
निरघुपतिनिजसखाबुलाए ॥ मुनिपदलागहुसकलहिंसिखाए ॥ गुरुबसिष्टकुल
पूज्यहमारे ॥ इनकीकृपादनुजरणमारे ॥ येसबसखासुनियमुनिमेरे ॥ भये
समरसागरकहंबेरे ॥ ममहितलागिजन्मइनहारे ॥ भरतहुतेमोहिअधिकपि
आरे ॥ सुनिप्रभुबचनमगनसबभए ॥ निमिषनिमिषउपजतसुखनए ॥

॥ दोहा ॥

कौशल्याकेचरणन पुनितिन्हनायउमाथ ॥

आशिषदीन्हहर्षिहिय तुमप्रियजिमिरघुनाथ ॥

सुमनवृष्टिनभसंकुल भवनचलेसुखकंद ॥

चढेअटारिन्हदेखहीं नगरनारिनरबृन्द ॥

॥ चौपाई ॥

कंचनकलशबिचित्रसंवारे ॥ सबन्हिधरेसजिनिजनिजद्वारे ॥ बंदनेवारपता
काकेतू ॥ सबन्हिबनायेउमंगलहेतू ॥ बीथिनसकलसुगंधसिंचाये ॥ गजमणि
रचिबहुचौकपुराये ॥ नानाभांतिसुमंगलसाजे ॥ हर्षनिशाननगरबहुबाजे ॥

॥स०७०॥
॥ ५ ॥

जहँतहँनारिनिछावरिकरहीं ॥ देहिंअसीसहर्षउरभरहीं ॥ कंचनथारआरतीनाना ॥ युवतीसाजिकरहिंकलगाना ॥ करहिंआरतीआरतिहरके ॥ रघुकुलकमलबिपिनदिनकरके ॥ पुरशोभासंपतिकल्याना ॥ निगमशेषशारदाबखाना ॥ तेयहचरितदेखिठगिरहहीं ॥ उमातासुगुणनरकिमिकहहीं ॥ ● ●

॥ दोहा ॥

नारिकुमुदिनीअवधसर रघुपतिबिरहदिनेश ॥
अस्तभएविकसितभई निरखिरामराकेश ●● ॥
होहिंशगुनशुभबिबिधबिधि बाजहिंगगननिशान ॥
पुरनरनारिसनाथकरि भवनचलेभगवान ● ● ॥

॥ चौपाई ॥

प्रभुजानीकैकयीलजानी ॥ प्रथमतासुगृहगएभवानी ॥ ताहिप्रबोधिबहुतसुखदीन्हा ॥ पुनिनिजभवनगवनप्रभुकीन्हा ॥ कृपासिंधुजबमन्दिरगयऊ ॥ पुरनरनारिसुखीसबभयऊ ॥ गुरुवसिष्टद्विजलियेबुलाई ॥ आजुसुघरीसुदिनसुखदाई ॥ सबद्विजदेहुहर्षिअनुशासन ॥ रामचंद्रबैठहिंसिंहासन ॥ मुनिबसिष्टकेबचनसुहाए ॥ सुनतसकलविप्रनमनभाए ॥ कहहिंबचनमृदुबिप्रअनेका ॥ जगअभिरामरामअभिषेका ॥ अबमुनिवरबिलंबनहिकीजै ॥ महाराजकहँतिलककरीजै ॥

॥ दोहा ॥

तबमुनिकहेउसुमंतसन तुरितचलेशिरनाइ ॥
रथअनेकगजबाजिबहु सकलसंवारेजाइ ॥
जहँतहँधावनपठैपुनि मंगलद्रव्यमंगाइ ● ॥

हर्षिसमेतवसिष्टपद पुनिशिरनायउआइ॥

॥ चौपाई ॥

अवधपुरीअतिरुचिरबनाई ॥ देवन्हसुमनवृष्टिझरिलाई ॥ रामकहासेवकन्हबुलाई ॥ प्रथमसखन्हअन्हवावहुजाई ॥ सुनतबचनजहँतहँजनधाये ॥ सुग्रीवादितुरतअन्हवाये ॥ पुनिकरुणानिधिभरतहँकारे ॥ निजकरजटारामनिरुआरे ॥ अन्हवायेपुनितीनउभाई ॥ भक्तबछलकृपालरघुराई ॥ भरतभाग्यप्रभुकोमलताई ॥ शेषकोटिशतशकहिंनगाई ॥ पुनिनिजजटारामविवराये॥ मुनिअनुशासनपाइअन्हाये॥ करिमज्जनभूषणप्रभुसाजे॥ अंगअनंगकोटिछविछाजे ॥ ॥ दोहा ॥

सासुनसादरजानकिहि मज्जनतुरतकराइ॥
दिव्यवसनभूषणमणि साजेअंगवमाइ ॥
रामवामदिशिशोभित रमारूपगुणखानि ॥
देखिसासुसवहर्षित जन्मसुफलकरिजानि॥
सुनुखगेशतेहिअवसर ब्रह्माशिवमुनिवृन्द ॥
चढिविमानआयेसुर देखनकहसुखकंद ॥

॥ चौपाई ॥

प्रभुविलोकिमुनिमनअनुरागा ॥ तुरितदिव्यसिंहासनमांगा ॥ रविसमतेजवरणिनहिजाई ॥ वैठेरामद्विजनशिरनाई ॥ जनकसुतासमेतरघुराई ॥ देखिप्रहर्षेमुनिसमुदाई ॥ वेदमंत्रद्विजनउचारे ॥ नभसुरमुनिजयजयतिपुकारे॥ प्रथमतिलकवसिष्टमुनिकीन्हा ॥ पुनिसवविप्रनआयसुदीन्हा ॥ सु

॥रा०उ०॥

॥ ५ ॥

नविलोकिहर्षितमहतारी ॥ वारवारआरतीउतारी ॥ विप्रन्हदानविविधविधि दीन्हा ॥ याचकसकलअयाचककीन्हा ॥ सिंहासनपरत्रिभुवनसांई ॥ देखि सुरनदुन्दुभीवजाई ॥ ॥ छंद ॥

नभदुन्दुभीवाजहिंविपुलगंधर्वकिन्नरगावहीं ॥ * ॥ नाचहिंअ पसरावृन्दपरमानंदसुरमुनिपावहीं ॥ * ॥ भरतादिअनुजविभीष णांगदहनुमतादिसमेतते ॥ * ॥ गहछत्रचामरव्यजनधनुअसि चर्मशक्तिविराजते ॥ * ॥ सियसहितदिनकरवंशभूषणकामबहु छविसोहई ॥ * ॥ नवअंबुधरवरगातअंबरपीतसुरमुनिमनमोहई ॥ * ॥ मुकुटांगदादिविचित्रभूषणअंगअंगन्हिप्रतिसजे ॥ * ॥ अम्भो जनयनविशालउरभुजधन्यनरनिरखंतजे ॥ * ॥

॥ दोहा ॥

वहशोभासमाजसुख कहतनवनैखगेश ॥
वरनैशारदशेषश्रुति सोरसजानुमहेश ॥
भिन्नभिन्नअस्तुतिकरि गेसुरनिजनिजधाम ॥
बंदीवेषवेदधरि आएजहँश्रीराम ॥
प्रभुसर्वज्ञकीन्हअति आदरकृपानिधान ॥
लखेउनकाहूमर्मकछु लगेकरनगुणगान ॥

॥ छन्द ॥

जयसगुणनिर्गुणरूपरामअनूपभूपशिरोमणे ॥ * ॥ दशकंधरा दिप्रचंडनिशचरप्रबलखलभुजबलहने ॥ * ॥ अवतारनरसंसा

रभारविभंजिदारुणदुखदहे ॥ * ॥ जयप्रणतपालदयालप्रभुसं
युक्तशक्तिनमामिहे ॥ * ॥ तवविषममायावशसुरासुरनागनरअ
गजगहरे ॥ * ॥ भवपंथभ्रमतअमितदिवसनिशिकालकर्मन
गुणभरे ॥ * ॥ जोनाथकरिकरुणाबिलोकेत्रिविधदुखते
निर्वहे ॥ * ॥ भवखेदछेदनदक्षहमकहंरक्षराममनमामिहे ॥
* ॥ जेज्ञानमानबिमत्ततवभवहरणिभक्तिनआदरी ॥ ● ॥ तेपा
इसुरदुर्लभपदंभवपरतहमदेखतहरी ॥ ● ॥ विश्वासकरिसब
आशपरिहरिदासतवजेहोइरहे ॥ ● ॥ जपिनामतवविनुश्रमत
रहिंभवनाथसोसमरामिहे ॥ ● ॥ जेचरणशिवअजपूज्यरजशु
भपरशिमुनिपत्नीतरी ॥ ● ॥ नखनिर्गतामुनिवंदितात्रैलोकपा
वनिसुरसरी ॥ ● ॥ ध्वजकुलिशअंकुशकंजयुतवनफिरतकंट
कजिनलहे ॥ ● ॥ पदकंजद्वंदमुकुंदरामरमेशनित्यभजामिहे
॥ ● ॥ अव्यक्तमूलमनादितरुत्वचचारिनिगमागमभने ॥ ● ॥ षट
कंधशाखापंचविंशतिअनेकपर्णसुमनघने ॥ ● ॥ फलयुगलविधि
कटुमधुरवेलिअकेलिजेहिआश्रितरहे ॥ ● ॥ पल्लवितफूलतनव
लनितसंसारबिटपनमामिहे ॥ ● ॥ जेब्रह्मअजअद्वैतअनुभव
गम्यमनपरध्यावहीं ॥ ● ॥ तेकहहिंजानहिंनाथहमतवसगुणयश
नितगावहीं ॥ ● ॥ करुणायतनप्रभुसद्गुणाकरदेवयहवर
मांगहीं ॥ ● ॥ मनवचनकर्मविकारतजितवचरणहमअनुरा
गीं ॥ ● ॥ ॥ दोहा ॥

सबकेदेखतलोकन्हसा ॥ निर्मलमीनन्हउदार ॥
अंतरधानभयेअब मयिप्रेमआगार ॥ ● ● ॥
बैनतेयसुनुसंभुतब आयेजहंरघुबीर ॥
बिनयकरतगदगदगिरा पूरितपुलकशरीर ॥

॥ छंद ॥

जयरामरमारमनंसमनं ॥ भवतापभयाकुलपाहिजनं ॥ ● ॥ अव
धेससुरेसरमेसबिभो ॥ सरनागतमागतपाहिप्रभो ॥ ● ॥ दससी
सबिनासनबीसभुजा ॥ कृतदूरिमहामहिभूरिरुजा ॥ ● ॥ रज
नीचरबृंदपतंगरहे ॥ सरपावकतेजप्रचंडदहे ॥ ● ॥ महिमंड
लमंडनचारुतरं ॥ धृतसायकचापनिषंगबरं ॥ ● ॥ मदमोहमहा
ममतारजनी ॥ तमपुंजदिवाकरतेजअनी ॥ ● ॥ मनजातकिरा
तनिपातकिये ॥ मृगलोगकुभोगसरेनहिये ॥ ● ॥ हतिनाथअनाथ
नपाहिहरे ॥ बिषयाबनपामरभूलिपरे ॥ ● ॥ बहुरोगबियोगन्हि
लोगहये ॥ भवअंघ्रिनिरादरकेफलये ॥ ● ॥ भवसिंधुअगाधपरेन
रते ॥ पदपंकजप्रेमनजेकरते ॥ ● ॥ अतिदीनमलीनदुखीनितही
॥ जिनकेपदपंकजप्रीतिनही ॥ ● ॥ अवलंबभवंतकथाजिनके ॥
भवभीतिकदापिनहीतिनके ॥ ● ॥ नहिरागनरोषनमानमुदा ॥
तिनकेसमवैभववाबिपदा ॥ ● ॥ मुनित्यागतयोगभरोससदा ॥ अ
तितेतवसेवकहोतमुदा ॥ ● ॥ करिप्रेमनिरंतरनेमलिऐं ॥ पदपं
कजसेवतसुद्धहिऐं ॥ ● ॥ सममानिनिरादरआदरही ॥ सोइ

सन्तसुखीविचरन्तमही ॥ ● ॥ मुनिमानसपंकजभृङ्गभजे ॥ रघुबीरमहारणधीरश्रजे ॥ ● ॥ तवनामजपामिनमामिहरी ॥ भवरोगमहामदमानश्ररी ॥ ● ॥ गुणशीलकृपापरमायतनं ॥ प्रणमामिनिरंतरश्रीरमणं ॥ ● ॥ रघुनंदनिकंदनद्वंदघनं ॥ महिपालविलोकियदीनजनं ॥ ●● ● ॥ दोहा ॥ ● ● ● ● ● ● ● ● ●

बारबारबरमांगौं हर्षिदेऊश्रीरंग ●●● ॥
पदसरोजश्रनपावनी भक्तिसदासतसंग ●●● ॥
बरणिउमापतिरामगुण हर्षिगयेकैलाश ●●॥
तबप्रभुकपिनदिवाये सर्वविधिसुखप्रदबास ॥

॥ चौपाई ॥

सुनुखगपतियहकथासुहावनि ॥ त्रिविधतापभवदोषनशावनि ॥ महाराजकरशुभअभिषेका ॥ सुनतलहहिंनरविरतिविबेका ॥ जेसकामनरसुनहिंजेगावहिं ॥ सुखसंपतिनानाविधिपावहिं ॥ सुरदुर्लभसुखकरिजगमांही ॥ अन्तकालरघुपतिपुरजाहीं ॥ सुनहिंविमुक्तविरतअरुविषई ॥ लहहिंभक्तिसुखसंपतिनितई ॥ खगपतिरामकथामैंबरणी ॥ सुमतिबिलासत्रासदुखहरणी ॥ विरतिविवेकभक्तिदृढकरणी ॥ मोहनदीकहंसुंदरतरणी ॥ नितनवमंगलकोशलपूरी ॥ हर्षितरहहिंलोगसबकूरी ॥ नितनवप्रीतिरामपदपंकज ॥ सेवतजेहिशंकरसुरमुनिअज ॥ मंगनबहुप्रकारपहिराये ॥ द्विजनदाननानाविधिपाये ॥ *●●●●●●●●●—● ॥ दोहा ॥ ●●●●● ● ●●●● * ●**

परमानंदमगनकपि सबकहंप्रभुपदप्रीति ॥

जातनजानेउदिवसनिश गयेमासषटबीति॥

॥ चौपाई ॥

बिसरेगृहसपनेसुधिनाहीं॥ जिमिपरद्रोहसन्तमनमाहीं॥ तवरघुपतिसवस खाबुलाये॥ आइसवहिसादरशिरनाये॥ प्रेमसमेतनिकटबैठारे॥ भक्तसु खदमृदुवचनउचारे॥ तुमअतिकीन्हमोरसेवकाई॥ मुखपरकेहिबिधिकरौंव डाई॥ तातेंमोहितुमअतिप्रियलागे॥ ममहितलागिभवनसुखत्यागे॥ अनुजरा जसंपतिवैदेही॥ देहगेहपरिवारसनेही॥ सवमोहिप्रियनहिंतुमहिसमाना॥ मृषानकहौंमोरयहबाना॥ सवकहंप्रियसेवकयहनीती॥ मोरेअधिकदासपर प्रीती॥ ॥ दोहा ॥

अवगृहजाहुसखासव भजहुमोहिदृढनेम॥
सदासर्वगतसर्वहित जानिकरेहुअतिप्रेम॥

॥ चौपाई ॥

सुनिप्रभुवचनमगनसवभयऊ॥ कोहमकहांबिसरितनगयऊ॥ एकटकरहे जोरिकरआगे॥ कहिनसकहिंकछुअतिअनुरागे॥ परमप्रीतितिन्हकरप्रभुदेखी॥ कहाबिबिधबिधिज्ञानबिशेषी॥ प्रभुसन्मुखकछुकहैनपारहिं॥ पुनिपुनिचरण सरोजनिहारहिं॥ तवप्रभुभूषणवसनमंगाये॥ नानारंगअनूपसुहाये॥ सु ग्रीवहिंप्रथमहिंपहिराये॥ भरतबसननिजहाथवनाये॥ प्रभुप्रेरितलक्ष्मणप हिराये॥ लंकापतिरघुपतिमनभाये॥ अंगदबैठिरहानहिडोले॥ प्रीतिजानि प्रभुताहिनबोले॥ ॥दोहा॥

जामवन्तनीलादिसव पहिराएरघुनाथ॥

ह्रियधरिरामरूपतब चलेनाइपदमाथ *॥
तबअंगदउठिनाइशिर सजलनयनकरजोरि॥
अतिबिनीतबोलेबचन मनहुप्रेमरसबोरि॥

॥चौपाई॥

सुनुसर्ब्बज्ञकृपासुखसिंधो॥ दीनदयाकरआरतबंधो॥ मरतीबारनाथमोहि बाली॥ गयोतुम्हारेपगतरघाली॥ अशरणशरणबिरदसंभारी॥ मोहिजनि तजहुभक्तहितकारी॥ मोरेप्रभुतुमगुरपितुमाता॥ जाउंकहांतजिपदजलजा ता॥ तुमहिंबिचारिकहहुनरनाहा॥ प्रभुतजिभवनकाजममकाहा॥ बाल कअबुधज्ञानबलहीना॥ राखहुशरणजानिजनदीना॥ नीचटहलगृहकेसब करिहौं॥ पदबिलोकिभवसागरतरिहौं॥ असकहिचरणपरेप्रभुपाहीं॥ अब जनिनाथकहहुगृहजाहीं॥ * *॥दोहा॥ * * * * * * * * * * *

अंगदबचनबिनीतसुनि रघुपतिकरुणासींव॥
प्रभुउठाइउरलायउ सजलनयनराजीव॥
निजउरमालाबसनमणि बालिननयपहिराइ॥
बिदाकिएभगवानतब बहुप्रकारसमुझाइ॥

॥चौपाई॥

भरतअनुजसौमित्रिसमेता॥ पठवनचलेभक्तकृतचेता॥ अंगदहृदयप्रेमनहि थोरा॥ फिरिफिरिचितवनप्रभुकीओरा॥ बारबारकरिदंडप्रणामा॥ मनअसर हनकहहिंमोहिरामा॥ रामबिलोकनिबोलनिचलनी॥ सुमिरिसुमिरिसोचतहं सिमिलनी॥ प्रभुरुखदेखिबिनयबहुभाषी॥ चलेहृदयपदपंकजराखी॥

अतिआदरसबकपिपठुंचाए ॥ भाइनसहितरामफिरिआए ॥ तबसुग्रीवचरणगहिनाना ॥ भांतिबिनयकीन्हीहनुमाना ॥ दिनदशकरिरघुपतिपदसेवा ॥ तबफिरिचरणदेखिहैंदेवा ॥ पुण्यपुञ्जतुमपवनकुमारू ॥ सेवऊजाइकृपाआगारू ॥ असकहिकपिपतिचलेतुरंता ॥ अंगदकहेउसुनऊहनिवंता ॥ ● ● ● ● ● ● ● ● ● ● ● ● ● ● ● ॥ दोहा ॥ ● ● ● ● ● ● ● ● ● ● ● ● ● ● ●

कहेऊदंडवतप्रभुसन तुमहिंकहौंकरजोरि ॥
बारबाररघुनायकहिं सुरतिकराएऊमोरि ● ॥
असकहिचलेउबालिसुत फिरिआयेहनिवंत ॥
तासुप्रीतिप्रभुसनकही मगनभयेभगवंत ● ●॥
कुलिशहुचाहिकठोरअति कोमलकुसुमहुचाहि ॥
चितखगेशरघुनाथअस समुझिपरैकहुकाहि ॥

॥ चौपाई ॥

पुनिकृपाललियबोलिनिषादा ॥ दीन्हेउभूषणबसनप्रसादा ॥ जाऊभवनममसुमिरणकरेहू ॥ मनक्रमबचनधर्मअनुसरेहू ॥ तुममममसखाभरतजिमिभ्राता ॥ सदारहेऊपुरआवतजाता ॥ बचनसुनतऊपजासुखभारी ॥ परेउचरणलोचनभरिबारी ॥ चरणकमलउरधरिगृहआवा ॥ प्रभुसुभावपरिजनहिंसुनावा ॥ रघुपतिचरितदेखिपुरबासी ॥ पुनिपुनिकहहिंधन्यसुखराशी ॥ रामराजबैठेत्रयलोका ॥ हर्षितभयउगयउसबशोका ॥ बैरनकरहिंकाऊसनकोई ॥ रामप्रतापविषमताखोई ॥ *~* ॥ दोहा ॥ *~*~*~*~**

बर्णाश्रमनिजनिजधरम निरतबेदपथलोग ॥

चलहिंसदापावहिंसुखहिं नहिंभयसोकनरोग ॥

॥ चौपाई ॥

दैहिकदैविकभौतिकतापा ॥ रामराजनहिंकाहुहिब्यापा ॥ सबनरकरहिंपरस्परप्रीती ॥ चलहिंस्वधर्मनिरतश्रुतिनीती ॥ चारिउचरणधर्मजगमांही ॥ पूरिरहासपनेहुअघनाही ॥ रामभक्तिरतनरअरुनारी ॥ सकलपरमगतिकेअधिकारी ॥ अल्पमृत्युनहिंकवनिउपीरा ॥ सबसुन्दरसबनिरुजशरीरा ॥ नहिंदरिद्रकोउदुखीनदीना ॥ नहिंकोउअबुधनलक्षणहीना ॥ सबनिर्दंभधर्मरतधरमी ॥ नरअरुनारिचतुरशुभकरमी ॥ सबगुणज्ञसबपंडितज्ञानी ॥ सबकृतज्ञनहिंकपटसयानी ॥ ॥ दोहा ॥

रामराज्यबिहगेशसुनु सचराचरजगमांहि ॥
कालकर्मस्वभावगुण कृतदुखकाहुहिनाहिं ॥

॥ चौपाई ॥

भूमिसप्तसागरमेखला ॥ एकभूपरघुपतिकोशला ॥ भुवनअनेकरोमप्रतिजासू ॥ यहप्रभुताकछुबहुतनतासू ॥ सोमहिमासमझतप्रभुकेरी ॥ यहबर्णतहीनताघनेरी ॥ यहमहिमाखगेशजिन्हजानी ॥ फिरियहचरिततिनहुंरतिमानी ॥ सोजानेकरफलयहलीला ॥ कहहिंमहामुनिवरमतिसुशीला ॥ रामराज्यकरसुखसंपदा ॥ बरणिनशकहिंफणीशशारदा ॥ सबउदारसबपरउपकारी ॥ द्विजसेवकसबनरअरुनारी ॥ एकनारिव्रतरतनरझारी ॥ तेमनवचक्रमपतिहितकारी ॥ ॥ दोहा ॥

दंडयतिनकरभेदजहं नर्तकनृत्यसमाज ॥

जीतेउजगमनसुनियअस रामचन्द्रकेराज ॥

॥ चौपाई ॥

फूलहिंफलहिंसदातरुकानन ॥ रहहिंएकसंगगजपंचानन ॥ खगमृगवैरसु हजबिसराई ॥ सबन्हिपरस्परप्रीतिबढाई ॥ कूजहिंखगमृगनानाबृन्दा ॥ अभ यचरहिंवनकरहिंअनन्दा ॥ शीतलसुरभिपवनवहमंदा ॥ गुञ्जतअलिलैचलु मकरंदा ॥ लताबिटपमांगेफलद्रवहीं ॥ मनभावतेधेनुपयश्रवहीं ॥ ससिसं पन्नसदारहधरणी ॥ त्रेताभैसतयुगकीकरणी ॥ प्रगटेगिरिनानामणिखानी ॥ जगदात्माभूपपहिचानी ॥ सरितासकलवहैंवरवारी ॥ शीतलअमलस्वा दसुखकारी ॥ सागरनिजमर्य्यादारहहीं ॥ डारहिंरत्नतटन्हनरलहहीं ॥ सरसिजसंकुलसकलतडागा ॥ अतिप्रसन्नदशदिशाबिभागा ॥

॥ दोहा ॥

बिधुमहिपूरपियूषन्ह रवितपतेजतकाज ॥
मांगेवारिददेहिंजल रामचन्द्रकेराज ॥

॥ चौपाई ॥

कोटिन्हवाजिमेधप्रभुकीन्हा ॥ अमितदानविप्रनकहंदीन्हा ॥ श्रुतिपथपालक धर्मधुरंधर ॥ गुणातीतअरुभोगपुरंदर ॥ पतिअनुकूलसदारहुसीता ॥ शोभा खानिसुशीलबिनीता ॥ जानतिकृपासिंधुप्रभुताई ॥ सेवतिचरणकमलमनलाई ॥ यद्यपिगृहसेवकसेवकीनी ॥ सबप्रकारसेवाबिधिलीनी ॥ निजकरगृहपरिच र्य्याकरहीं ॥ रामचन्द्रआयसुअनुसरहीं ॥ जेहिबिधिकृपासिंधुसुखमानहिं ॥ सोइसियसेवाबिधिउरआनहिं ॥ कौशल्यादिसासुगृहमांही ॥ सेवहिंसकलमा

नमदनारी ॥ उमारमाब्रह्माणिवंदिता ॥ जगदंबासंततसुमानिता ॥ ● ● ●

॥ दोहा ॥

जाकीकृपाकटाक्षसुर चाहतचितवनिसोइ ॥
रामपदारविंदरत रहनिस्वभावहिजोइ ● ॥

॥ चौपाई ॥

सेवहिसानुकूलसवभाई ॥ रामचरणरतप्रीतिसुहाई ॥ प्रभुपदकमलविलोकतरहहीं ॥ कवहिंकृपालहमहिंकछुकहहीं ॥ रामकरहिंभ्रातनपरप्रीती ॥ नानाभांतिसिखावहिंनीती ॥ हर्षितरहहिंनगरकेलोगा ॥ करहिंसकलसुरदुर्लभभोगा ॥ अहनिशविधिहिंमनावतरहहीं ॥ श्रीरघुवीरचरणरतिचहहीं ॥ दुइसुतसुन्दरसीतहिंजाये ॥ लवकुशवेदपुराणनगाये ॥ दोविजयीविनयीगुणमंदिर ॥ हरिप्रतिबिंबमनहुंअतिसुंदर ॥ दुइदुइसुतसवभ्रातनकेरे ॥ भयेरूपगुणशीलघनेरे ॥ ॥ दोहा ॥

ज्ञानगिरागोतीतअज मायागुणगोपार ॥
सोइसच्चिदानंदघन करतचरित्रअपार ॥

॥ चौपाई ॥

प्रातकालसरजूकरिमज्जन ॥ बैठहिंसभासंगद्विजसज्जन ॥ वेदपुराणवसिष्ठवखानहिं ॥ सुनहिंरामयद्यपिसवजानहिं ॥ अनुजन्हसंयुतभोजनकरहीं ॥ देखिसकलजननीसुखभरहीं ॥ भरतशत्रुहनद्नौभाई ॥ सहितपवनसुतउपवनजाई ॥ पूछहिंवैठिरामगुणगाहा ॥ कहहनुमानसुमतिअवगाहा ॥ सुनतविमलगुणअतिसुखपावहिं ॥ बहुरिबहुरिकरिविनयकहावहिं ॥ सवकेगृह

गृहहोइपुरखा ॥ रामचरितसुंदरबिधिनाना ॥ नरअरुनारिरामगुणगानहिं
॥ करहिंदिवसनिशजातनजानहिं ॥ * * ॥ दोहा ॥ * * *

अवधपुरीबासिनकर सुखसंपदासमाज ** ॥
सहसशेषनहिंकहिंसकहिं जहँनृपरामबिराज ॥

॥ चौपाई ॥

नारदादिसनकादिमुनीशा ॥ दरशनलागिकोशलाधीशा ॥ दिनप्रतिसकलअ
योध्याआवहिं ॥ देखिनगरबिरागबिसरावहिं ॥ रत्नजडितमणिकनकअटारी ॥
नानारंगरुचिरगचढारी ॥ पुरचहुँपासकोटअतिसुंदर ॥ रचेकंगूरेरंगरंग
वर ॥ नवगृहसुन्दरनिकरबनाई मनहुँघेरिअमरावतिआई ॥ महिबहुरूप
रुचिरगचकाचा ॥ जोबिलोकिमुनिवरमननाचा ॥ धवलधामऊपरनभचुम्बत ॥
कलशमनहुँरविशशिदुतिनिंदत ॥ बहुमणिरचितझरोखन्हभ्राजहिं ॥ गृहगृ
हप्रतिमणिदीपबिराजहिं ॥ * * ॥ छंद ॥ * * * *

मणिदीपराजहिंभवनभ्राजहिंदेहरीबिद्रुमरची ॥ * ॥ सुंदरम
नोहरमंदिरायतअजिरअतिफटिकन्हरची ॥ * ॥ मणिखम्भभीति
नबिरंचिबिरचीबिचकनकमणिमरकतरचे ॥ ॥ प्रतिद्वारद्वारक
पाटपुरटबनाइबहुबज्रनखचे ॥ ॥ ॥ दोहा ॥

चारुचित्रशालाअमित गृहगृहरचेबनाइ ॥
रामधामजोनिरखत मुनिमनलेतचोराइ ॥

॥ चौपाई ॥

सुमनवाटिकासबहिंलगाई ॥ बिबिधभांतिकरियत्नबनाई ॥ लताललितबहु

भांतिसोहाई ॥ फूलेरहतसदाबसन्तकीनाई ॥ गुञ्जतमधुकरमुखरमनोहर ॥ मारुतत्रिविधसदाबहसोहर ॥ नानाखगबालकन्हजिआए ॥ बोलतमधुरउडातसुहाए ॥ मोरहंससारसपारावत ॥ भवनन्हपरशोभाअतिपावत ॥ जहंतहंदेखहिंनिजपरिछाहीं ॥ बहुविधिकूजहिंनृत्यकराहीं ॥ सुकसारिकापढावहिंबालक ॥ कहहुरामरघुपतिजनपालक ॥ राजद्वारसवहीविधिचारू ॥ बीथीचौहटरुचिरबजारू ॥ ॥ छन्द ॥

बाजाररुचिरनवननबरणतवस्तुविनुगथपाइये ॥ ॥ जहंभूपर

मानिवासतहंकीसंपदाकिमिगाइये ॥ ॥ बैठेबजाजसराफवणिकअ

नेकमनहुकुबेरते ॥ ॥ सबसुखीसबसुचरितसुंदरनारिनरसिसु

जरठजे ॥ ॥ दोहा ॥

उत्तरदिशिसरजूवहै निर्मलजलगंभीर ॥

बांधेघाटमनोहर स्वल्पपंकनहिंतीर ॥

॥ चौपाई ॥

दूरिफराकरुचिरसोघाटा ॥ जहंजलपियहिंबाजिगजठाटा ॥ पनिघटपरममनोहरनाना ॥ तहांनपुरुषकरहिंअस्नाना ॥ राजघाटसबहीविधिसुंदर ॥ मज्जहिंतहांवरणचारिउनर ॥ तीरतीरदेवनकरमंदिर ॥ चहुंदिशितेहिकेउपवनसुंदर ॥ कहुंकहुंसरितातीरउदासी ॥ बसहिंज्ञानरतमुनिसन्यासी ॥ जहंतहंतुलसीवृन्दसुहाये ॥ बहुप्रकारसबमुनिनलगाये ॥ पुरशोभाकछुबरणिनजाई ॥ बाहरनगरपरमरुचिराई ॥ देखतपुरीअखिलअघभागा ॥ बनउपवनबापिकातडागा ॥ ॥ छंद ॥

बापीतडागअनूपकूपमनोहरायतसोहहीं ॥ * ॥ सोपानसुंद
रनीरनिर्मलदेखिसुरमुनिमोहहीं ॥ * ॥ बहुरंगकंजअनेकख
गकूजहिंमधुपगुंजारहीं ॥ * ॥ आरामरम्यपिकादिखगरवजनु
पथिकहंकारहीं ॥ * ॥ * * ॥ दोहा ॥ * * * *

रमानाथजहँराजा सोपुरबरनिकिजाइ ॥
अनिमादिकसुखसंपदा रहींअवधसबछाइ ॥

॥ चौपाई ॥

जहँतहँनररघुपतिगुनगावहिं ॥ बैठिपरसपरइहइसिखावहिं ॥ भजहुप्रनत
प्रतिपालकरामहिं ॥ सोभासीलरूपगुनधामहिं ॥ जलजबिलोचनस्यामलगा
तहिं ॥ पलकनयनइवसेवकत्रातहि ॥ धृतसररुचिरचापतूनीरहि ॥ संतकंजब
नरबिरनधीरहि ॥ कालकरालब्यालखगराजहि ॥ नमितरामअकाममताजे
हि ॥ लोभमोहमृगयूथकिरातहि ॥ मनसिजकरिहरिजनसुखदातहि ॥ संसय
सोकनिबिडतमभानुहि ॥ दनुजगहनघनदहनकृसानुहि ॥ जनकसुतासमेत
रघुबीरहि ॥ कसनभजहुभंजनभवभीरहि ॥ बहुबासनामसकहिमरासिहि
॥ सदाएकरसअजअबिनासिहि ॥ मुनिरंजनभंजनमहिभारहि ॥ तुलसिदा
सकेप्रभुहिउदारहि ॥ * * ॥ दोहा ॥ * * * * *

यहिबिधिनगरनारिनर करहिंरामगुनगान ॥
सानुकूलसबपररहहिं संततकृपानिधान * ॥

॥ चौपाई ॥

जबतेरामप्रतापखगेसा ॥ उदितभयेअतिप्रबलदिनेसा ॥ पूरिप्रकासरहेउति

उबोला ॥ [illegible] ॥ [illegible] कहौं बखानी ॥ प्रथम अविद्या निसानसानी ॥ अघउलूकजहँतहाँलुकाने ॥ कामक्रोधकैरवसकुचाने ॥ बिबिधकर्मगुनकालसुभाऊ ॥ येचकोरसुखलहहिंनकाऊ ॥ मत्सरमानमोहमदचोरा ॥ इनहिंहुनरनकवनिउओरा ॥ धर्मतडागग्यानबिग्याना ॥ येपंकजबिकसेबिधिनाना ॥ सुखसंतोषबिरागबिबेका ॥ बिगतसोकयेकोकअनेका ॥ * * * ॥ दोहा ॥ * * * *

यहप्रतापरबिजाहिकेउर जबकरैप्रकास ॥
पछिलेबाढहिंप्रथमजे कहेतेपावहिंनास ॥

॥ चौपाई ॥

भ्रातनसहितरामएकबारा ॥ संगपरमप्रियपवनकुमारा ॥ सुंदरउपबनदेखनगयऊ ॥ सबतरुकुसुमितपल्लवनयऊ ॥ जानिसमयसनकादिकआये ॥ तेजपुंजगुनसीलसुहाये ॥ ब्रह्मानंदसदालयलीना ॥ देखतबालकबहुकालीना ॥ धरेदेहजनुचारिउबेदा ॥ समदरसीमुनिबिगतबिभेदा ॥ आसाबसनब्यसनयहतिनहीं ॥ रघुपतिचरितहोइतहँसुनहीं ॥ तहाँरहेसनकादिभवानी ॥ जहँघटसंभवमुनिबरग्यानी ॥ रामकथामुनिबरबहुबरनी ॥ ग्यानजोनिपावकजिमिअरनी ॥ * * * * * ॥ दोहा ॥ * * * * * * * * * *

देखिराममुनिआवत हरषिदंडवतकीन्ह ॥
स्वागतपूछिपीतपट प्रभुबैठनकहँदीन्ह ॥

॥ चौपाई ॥

कीन्हदंडवततीनिउभाई ॥ सहितपवनसुतसुखअधिकाई ॥ मुनिरघुपतिछ

नि रघुपति छबि अतुल बिलोकी ॥ भए मगन मन सके न रोकी ॥ स्यामल गात सरोरुह लोचन ॥
सुंदरता मंदिर भव मोचन ॥ एकटक रहे निमेष न लावहिं ॥ प्रभु कर जोरें सीस
नवावहिं ॥ तिन्ह कै दसा देखि रघुबीरा ॥ स्रवत नयन जल पुलक सरीरा ॥ कर ग
हि प्रभु मुनिबर बैठारे ॥ परम मनोहर बचन उचारे ॥ आजु धन्य मैं सुनहु मुनी
सा ॥ तुम्हरें दरस जाहिं अघ खीसा ॥ बड़े भाग पाइब सतसंगा ॥ बिनहिं प्रया
स होहिं भव भंगा ॥ दोहा ॥

संत संग अपबर्ग कर कामी भव कर पंथ ॥
कहहिं संत कबि कोबिद श्रुति पुरान सदग्रंथ ॥

॥ चौपाई ॥

सुनि प्रभु बचन हरषि मुनि चारी ॥ पुलकित तन अस्तुति अनुसारी ॥ जय भगवंत अनं
त अनामय ॥ अनघ अनेक एक करुनामय ॥ जय निर्गुन जय जय गुन सागर ॥ सु
ख मंदिर सुंदर अति नागर ॥ जय इंदिरा रमन जय भूधर ॥ अनुपम अज अनादि सोभा
कर ॥ ग्यान निधान अमान मानप्रद ॥ पावन सुजस पुरान बेद बद ॥ तग्य
कृतग्य अग्यता भंजन ॥ नाम अनेक अनाम निरंजन ॥ सर्ब सर्बगत सर्ब उरालय ॥ ब
सत सदा हम कहुँ परिपालय ॥ द्वंद बिपति भव फंद बिभंजय ॥ हृदि बसि राम का
म मद गंजय ॥ दोहा ॥

परमानंद कृपायतन मन परिपूरन काम ॥
प्रेम भगति अनपायनी देहु हमहि श्रीराम ॥

॥ चौपाई ॥

देहु भगति रघुपति अति पावनि ॥ त्रिबिध ताप भव दाप नसावनि ॥ प्रनत काम सुर

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible] ॥ दोहा ॥

[illegible] ॥

[illegible] ॥

॥ चौपाई ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible] ॥ दोहा ॥

[illegible] ॥

[illegible] ॥

॥ चौपाई ॥

परहित सरिस धर्म नहिं भाई॥ पर पीड़ा सम नहिं अधमाई॥ निर्नय सकल पुरान बेद कर॥ कहेउँ तात जानहिं कोबिद नर॥ नर सरीर धरि जे पर पीरा॥ करहिं ते सहहिं महा भव भीरा॥ करहिं मोह बस नर अघ नाना॥ स्वारथ रत परलोक नसाना॥ कालरूप तिन्ह कहँ मैं भ्राता॥ सुभ अरु असुभ कर्म फल दाता॥ अस बिचारि जे परम सयाने॥ भजहिं मोहि संसृत दुख जाने॥ त्यागहिं कर्म सुभासुभ दायक॥ भजहिं मोहि सुर नर मुनि नायक॥ संत असंतन्ह के गुन भाषे॥ ते न परहिं भव जिन्ह लखि राखे॥ ॥ दोहा ॥

सुनहु तात माया कृत गुन अरु दोष अनेक॥
गुन यह उभय न देखिअहिं देखिअ सो अबिबेक॥

॥ चौपाई ॥

श्रीमुख बचन सुनत सब भाई॥ हरषे प्रेम न हृदय समाई॥ करहिं बिनय अति बारहिं बारा॥ हनूमान हिय हरष अपारा॥ पुनि रघुपति निज मंदिर गये॥ एहि बिधि चरित करत नित नये॥ बार बार नारद मुनि आवहिं॥ चरित पुनीत राम के गावहिं॥ नित नव चरित देखि मुनि जाहीं॥ ब्रह्मलोक सब कथा कहाहीं॥ सुनि बिरंचि अतिसय सुख मानहिं॥ पुनि पुनि तात करहु गुन गानहिं॥ सनकादिक नारदहि सराहहिं॥ जद्यपि ब्रह्म निरत मुनि आहहिं॥ सुनि गुन गान समाधि बिसारी॥ सादर सुनहिं परम अधिकारी॥ ॥ दोहा ॥

जीवनमुक्त ब्रह्मपर चरित सुनहिं तजि ध्यान॥
जे हरि कथा न करहिं रति तिन्ह के हिय पाषान॥

॥ चौपाई ॥

एकबाररघुनाथबुलाये॥ गुरुद्विजपुरबासीसबआये॥ बैठेगुरुद्विजअरुमुनिसज्जन॥ बोलेबचनभक्तभयभंजन॥ सुनहुसकलपुरजनममबानी॥ कहौंनकछुममताउरआनी॥ नहिंअनीतिनहिंकछुप्रभुताई॥ सुनहुकरहुजोतुमहिंसोहाई॥ सोइसेवकप्रीतमममसोई॥ ममअनुशासनमानैजोई॥ जौंअनीतिकछुभाषौंभाई॥ तौमोहिंबरजेउभयबिसराई॥ बडेभागमानुषतनपावा॥ सुरदुर्लभसदग्रन्थनगावा॥ साधनधाममोक्षकरद्वार॥ पाइनजेइंपरलोकसँवार॥ ● ● ● ● ● ● ● ● ● ॥ दोहा॥ ● ● ● ● ● ● ● ● ● ● ● ● ●

सोपरत्रदुखपावै सिरधुनिधुनिपछिताइ ●॥
कालहिंकर्महिंईश्वरहि मिथ्यादोषलगाइ॥

॥ चौपाई॥

एहितनकरफलबिषयनभाई॥ स्वर्गउस्वल्पअन्तदुखदाई॥ नरतनुपाइबिषयमनदेहीं॥ पलटिसुधातेशठबिषलेहीं॥ ताहिकबहुँभलकहैनकोई॥ गुंजाग्रहैपरसमणिखोई॥ आकरचारिलाखचौरासी॥ योनिभ्रमतयहजिवअबिनाशी॥ फिरतसदामायाकेप्रेरे॥ कालकर्मसुभावगुणघेरे॥ कबहुँककरिकरुणानरदेही॥ देतईशबिनुहेतुसनेही॥ नरतनभववारिधिकहँबेरे॥ सन्मुखमरुतअनुग्रहमेरे॥ कर्णधारसद्गुरुदृढनावा॥ दुर्लभसाजसुलभकरिपावा॥ ॥ ✦ ✦ ✦ ✦ ✦ ॥ दोहा॥ ✦ ✦ ✦ ✦ ✦ ✦ ✦

जोनतरैभवसागरहि नरसमाजअसपाइ॥
सोकृतनिंदकमंदमति आतमहनगतिजाइ॥

॥ चौपाई॥

जौंपरलोकइहांसुखचहहू ॥ सुनिममबचनहृदयदृढ़गहहू ॥ सुलभसुखदयहमारगभाई ॥ भक्तिमोरिपुराणश्रुतिगाई ॥ ज्ञानअगमप्रत्यूहअनेका ॥ साधनकठिनएकतेएका ॥ करतकष्टबहुपावतकोई ॥ भक्तिहीनप्रियमोहिनसोई ॥ भक्तिस्वतंत्रसकलगुणखानी ॥ बिनुसतसंगनपावहिंप्राणी ॥ पुण्यपुञ्जबिनुमिलहिंनसन्ता ॥ सतसंगतिसंसृतिकरअन्ता ॥ पुण्यएकजगमेंनहिंदूजा ॥ मनक्रमबचनबिप्रपदपूजा ॥ सानुकूलतेहिंपरसबदेवा ॥ जोतजिकपटकरैद्विजसेवा ॥

॥ दोहा ॥

औरौएकगुप्तमत सबहिकहौंकरजोरि ॥
शंकरभजनबिनानर भक्तिनपावैमोरि ॥

॥ चौपाई ॥

कहहुभक्तिपथकवनप्रयासा ॥ योगनमखजपतपउपवासा ॥ सरलसुभावनमनकुटिलाई ॥ यथालाभसंतोषसदाई ॥ मोरदासकहाइनरआशा ॥ करैतौकहहुकहाविश्वासा ॥ बहुतकहौंकाकथाबढ़ाई ॥ एहिआचरणबश्यमैंभाई ॥ बैरनबिग्रहआशनत्रासा ॥ सुखमयताहिसदासबआसा ॥ अनारम्भअनिकेतअमानी ॥ अनघअरोषदक्षबिज्ञानी ॥ प्रीतिसदासज्जनसंसर्गा ॥ तृणसमबिषयस्वर्गअपबर्गा ॥ भक्तिपक्षहठनहिंशठताई ॥ दुष्टतर्कसबदूरिबहाई ॥

॥ दोहा ॥

ममगुणग्रामनामरत गतममतामदमोह ॥
ताकरसुखसोइजानै परमानंदसंदोह ॥

॥ चौपाई ॥

सुनतसुधासमबचनरामके॥ सबनिगहेपदकृपानिधानके॥ जननिजनकगु
रबंधुहमारे॥ कृपानिधानप्रानतेप्यारे॥ तनधनधामरामहितकारी॥ सबबि
धितुमप्रनतारतिहारी॥ असिसिखतुमबिनुदेइनकोऊ॥ मातुपितास्वारथरतओ
ऊ॥ हेतुरहितसबबिधिउपकारी॥ तुमतुम्हारसेवकअसुरारी॥ स्वारथमीत
सकलजगमांही॥ सपनेहुकोउपरमारथनाही॥ सबकेबचनप्रेमरससाने॥ सु
निरघुनाथहृदयहर्षाने॥ निजनिजगृहगोआयसुपाई॥ बरनतप्रभुकीबि
रसुहाई॥ ●*~***॥ दोहा॥ *~*~*●●●●●●●

उमाअवधवासीनर नारिकृतारथरूप॥

ब्रह्मसच्चिदानंदघन रघुनायकजहंभूप॥

॥ चौपाई ॥

एकबारबसिष्टमुनिआए॥ जहांरामसुखधामसुहाए॥ अतिआदररघुनाय
ककीन्हा॥ पदपखारिचरणोदकलीन्हा॥ रामसुनहुमुनिकहकरजोरी॥
कृपासिंधुबिनतीएकमोरी॥ देखिदेखिआचरनतुम्हारा॥ होतमोहममहृद
यअपारा॥ महिमाअमितबेदनहिजाना॥ मैंकेहिभांतिकहौंभगवाना॥ उप
रोहितीकर्मअतिमंदा॥ बेदपुरानसुमृतिकरनिंदा॥ जबनलेउंतबहींबिधिमो
ही॥ कहालाभआगेसुततोही॥ परमात्माब्रह्मनररूपा॥ होइहैंरघुकुलभू
षणभूपा॥*~~*~*॥दोहा॥*~*~~*~*~*

तबमैंहृदयबिचारकिय योगयज्ञजपदान॥

जेहिनिमित्तकरियसोपाइये धर्मनएहिसमआन॥

॥ चौपाई ॥

जपतपनियमजोगव्रतधर्मा ॥ श्रुतिसंभवनानाविधिकर्मा ॥ ज्ञानदयादमतीरथमज्जन ॥ जहँलगिधर्मकहैश्रुतिसज्जन ॥ आगमनिगमपुराणअनेका ॥ पढेगुनेकरफलप्रभुएका ॥ तवपदपंकजप्रीतिनिरंतर ॥ सबसाधनकरफलयहसुंदर ॥ छूटैमलकीमलहिकेधोए ॥ घृतकिपावकोउवारिबिलोए ॥ प्रेमभक्तिजलबिनुरघुराई ॥ अभ्यन्तरमलकबहुँकिजाई ॥ सोइसर्वज्ञतज्ञसोइपंडित ॥ सोइगुणगृहविज्ञानअखंडित ॥ दक्षसकललक्षणयुतसोई ॥ जाकेपदसरोजरतिहोई ॥ * * * * * * * ॥ दोहा ॥ * * * * * * * * * * * * *

नाथएकवरमागौं मोहिकृपाकरिदेहु ● ॥
जन्मजन्मप्रभुपदकमल कबहुँघटैजनिनेहु ॥

॥ चौपाई ॥

असकहिमुनिवसिष्ठगृहआए ॥ कृपासिंधुकेमनअतिभाए ॥ हनूमानभरतादिकभ्राता ॥ संगलियेसेवकसुखदाता ॥ पुनिकृपालपुरबाहरगयऊ ॥ गजरथतुरगमँगावतभयऊ ॥ देखिकृपाकरिसकलसराहे ॥ दियेउचितजिनजिनजेइचाहे ॥ हरनसकलश्रमप्रभुश्रमपाई ॥ गयेजहाँसीतलअमराई ॥ भरतदीन्हनिजवसनडसाई ॥ बैठेप्रभुसेवहिंसबभाई ॥ मारुतसुततबमारुतकरई ॥ पुलकगातलोचनजलभरई ॥ हनूमानसमनहिंबडभागी ॥ नहिंकोउरामचरणअनुरागी ॥ गिरिजाजासुप्रीतिसेवकाई ॥ बारबारप्रभुनिजमुखगाई ॥

* * * * * ॥ दोहा ॥ * * * * *

तेहिअवसरमुनिनारद आएकरतलबीन ॥
गावनलागेरामगुण कीरतिसदानवीन * * ॥

॥ चौपाई ॥

मामवलोकयपंकजलोचन ॥ कृपाविलोकनिसोचविमोचन ॥ नीलतामरसश्यामकामअरि ॥ हृदकंजमकरंदमधुपहरि ॥ जातुधानवरूथवलभंजन ॥ मुनिसज्जनरंजनअघगंजन ॥ भूसुरससिनवबृंदवलाहक ॥ असरनसरनदीनजनगाहक ॥ भुजबलविपुलभारमहिखंडित ॥ खरदूषणविराधवधपंडित ॥ रावणारिसुखरूपभूपवर ॥ जयदशरथकुलकुमुदसुधाकर ॥ सुयशपुराणविदितनिगमागम ॥ गावतसुरमुनिसंतसमागम ॥ कारुणीकव्यलीकमदखंडन ॥ सर्वविधिकुशलकोशलामंडन ॥ कलिमलमथननाममममताहन ॥ तुलसिदासप्रभुपाहिप्रणतजन ॥ ॥ दोहा ॥

प्रेमसहितमुनिनारद वरणिराममगुणग्राम ॥

शोभासिंधुहृदयधरि गयेजहांविधिधाम ॥

॥ चौपाई ॥

गिरिजासुनहुविशदयहकथा ॥ मैंसवकहीमोरिमतियथा ॥ रामचरितशतकोटिअपारा ॥ श्रुतिशारदानवरनैपारा ॥ रामअनंतअनंतगुणानी ॥ जन्मकर्मअनन्तनामी ॥ जलसीकरमहिरजगणिजाहीं ॥ रघुपतिचरितनवरणिसिराहीं ॥ विमलकथाहरिपददायिनि ॥ भक्तिहोइसुनिअनपायिनि ॥ उमाकहेउँसवकथासुहाई ॥ जोभुशुंडखगपतिहिसुनाई ॥ कछुकरामगुणकहेउँवखानी ॥ अवकाकहौंसोकहहुभवानी ॥ सुनिशुभकथाउमाहरषानी ॥ वोलीअतिविनीतमृदुवानी ॥ धन्यधन्यमैंधन्यपुरारी ॥ सुनेउँरामगुणभवभयहारी ॥ ॥ दोहा ॥

तुम्हरीकृपाकृपायतन अबकृतकृत्यनमोह ॥
जानेउंरामप्रतापप्रभु चिदानंदसंदोह ॥
नाथतवाननससिस्रवत कथासुधारघुबीर ॥
श्रवणपुटन्हमनपानकरि नहिंअघातमतिधीर ॥

॥ चौपाई ॥

रामचरितजेसुनतअघाहीं ॥ रसबिसेषजानातिन्हनाहीं ॥ जीवनमुक्तमहा-
मुनिजेऊ ॥ हरिगुनसुनतनिरंतरतेऊ ॥ भवसागरचहपारजोपावा ॥ रामकथा
ताकहंदृढनावा ॥ बिषयिनकहंपुनिहरिगुनग्रामा ॥ श्रवनसुखदअरुमनअभिरा-
म ॥ श्रवनवंतअसकोजगमाहीं ॥ जाहिनरघुपतिचरितसोहाहीं ॥ तेजडजीव
निजातमघाती ॥ जिनहिंनरघुपतिकथासोहाती ॥ हरिचरित्रमानसतुमगा-
वा ॥ सुनिमैंनाथपरमसुखपावा ॥ तुमजोकहायहकथासुहाई ॥ काकभुसुं-
डगरुडप्रतिगाई ॥ ● ● ● ● ॥ दोहा ॥ *~*~*~*~*

बिरतज्ञानबिज्ञानदृढ रामचरनअतिनेह ॥
बायसतनरघुपतिभगति मोहिपरमसंदेह ॥

॥ चौपाई ॥

नरसहस्रमहंसुनहुपुरारी ॥ कोउएकहोइधर्मब्रतधारी ॥ धर्मसीलकोटिन्ह-
महंकोई ॥ बिषयबिमुखबिरागरतहोई ॥ कोटिबिरक्तमध्यश्रुतिकहई ॥ स-
म्यकज्ञानसकृतकोउलहई ॥ ज्ञानवन्तकोटिन्हमहंकोई ॥ जीवनमुक्तसकृत
जगसोई ॥ तिनसहस्रमहंसबसुखखानी ॥ दुर्लभब्रह्मलीनबिज्ञानी ॥ सबतेसो
दुर्लभसुरराया ॥ रामभक्तिरतगतमदमाया ॥ सोहरिभक्तिकाककिमिपाई ॥ बि-

बिश्वनाथमोहिकहहुबुझाई॥ दोहा॥

रामपरायणज्ञाननिरत गुणागारमतिधीर॥
नाथकहहुकेहिकारण पायउकाकशरीर॥

॥ चौपाई ॥

यहप्रभुचरितपवित्रसुहावा॥ कहहुकृपालकागकिमिपावा॥ तुमकेहिभाँतिसुनामदनारी॥ कहहुमोहिअतिकौतुकभारी॥ गरुडमहाज्ञानीगुणरासी॥ हरिसेवकअतिनिकटनिवासी॥ सोकेहिहेतुकागसनजाई॥ सुनीकथामुनिनिकरबिहाई॥ कहहुकवनिबिधिभासंबादा॥ दोउहरिभक्तकागउरगादा॥ गौरिगिरासुनिसरलसुहाई॥ बोलेशिवसादरसुखपाई॥ धन्यसतीपावनिमतितोरी॥ रघुपतिचरणप्रीतिनहिथोरी॥ सुनहुपरमपुनीतइतिहासा॥ जोसुनिसकलसंशयभ्रमनाशा॥ उपजइरामचरणबिश्वासा॥ भवनिधितरहिंनरबिनहिंप्रयासा॥ दोहा॥

ऐसेइप्रश्नबिहंगपति कीन्हकागसनजाइ॥
सोसबसादरकहिहौंसुनहु उमामनलाइ॥

॥ चौपाई ॥

मैंजिमिकथासुनीभवमोचनि॥ सोप्रसंगसुनुसुमुखिसुलोचनि॥ प्रथमदक्षगृहतवअवतारा॥ सतीनामतबरहातुम्हारा॥ दक्षयज्ञमममाअपमाना॥ तुमअतिक्रोधतजातबप्राना॥ ममअनुचरन्हकीन्हमखभंगा॥ जानहुसोतुमसकलप्रसंगा॥ तबअतिसोचभयउमनमोरे॥ दुखितभयउँबियोगप्रियतोरे॥ सुंदरबनगिरिसरिततडागा॥ कौतुकदेखतफिरौंबिरागा॥ गिरिसुमेरुउत्तर

॥ ८९ ॥

दिसि दूरी॥ नील सैल एक सुंदर भूरी॥ तासु कनकमय सिखर सुहाए॥ चारि चारु मोरे मन भाए॥ तिन्ह पर एक एक बिटप बिसाला॥ बट पीपर पाकरी रसाला॥ सैलोपरि सर सुंदर सोहा॥ मनि सोपान देखि मन मोहा॥

॥ दोहा ॥

सीतल अमल मधुर जल जलज बिपुल बहुरंग॥
कूजत कल रव हंस गन गुंजत मंजुल भृंग॥

॥ चौपाई ॥

तेहि गिरि रुचिर बसै खग सोई॥ तासु नाश कल्पांत न होई॥ माया कृत गुन दोष अनेका॥ मोह मनोज आदि अबिबेका॥ रहे ब्यापि समस्त जग मांहीं॥ तेहि गिरि निकट कबहुं नहिं जांहीं॥ तहं बसि हरिहि भजै जिमि कागा॥ सो सुनु उमा सहित अनुरागा॥ पीपर तरु तर ध्यान सो धरई॥ जाप जग्य पाकरि तर करई॥ आंब छांह कर मानस पूजा॥ तजि हरि भजन काज नहिं दूजा॥ बर तर कह हरि कथा प्रसंगा॥ आवहिं सुनहिं अनेक बिहंगा॥ रामचरित बिचित्र बिधि नाना॥ प्रेम सहित कर सादर गाना॥ सुनहिं सकल मति बिमल मराला॥ बसहिं निरंतर जो जेहि ताला॥ जब मैं जाइ सो कौतुक देखा॥ उर उपजा आनंद बिशेषा॥

॥ दोहा ॥

तब कछु काल मराल तनु धरि तहं कीन्ह निवास॥
सादर सुनि रघुपति गुन पुनि आयउं कैलास॥

॥ चौपाई ॥

गिरिजा कहेउं सो सब इतिहासा॥ मैं जेहि समय गयउं खग पासा॥ अब सो कथा

पालु न कोउ जेहि हेतू॥ गयउ कागपहं खगकुलकेतू॥ जबरघुनाथकीन्हरन क्रीडा॥ समुझतचरितहोतमोहिब्रीडा॥ इंद्रजीतकर आपुबंधावा॥ तबनारद मुनिगरुडपठावा॥ बंधनकाटिगयउउरगादा॥ उपजाहृदयप्रचंडबिषादा॥ प्रभुबंधनसमुझतबहुभांती॥ करतबिचारउरगआराती॥ ब्यापकब्रह्मबिरज बागीशा॥ मायामोहपारपरमीशा॥ सोअवतारसुनेउंजगमाहीं॥ देखासोप्रभा वकछुनाहीं॥ ******॥ दोहा॥ ********

भवबंधनतेछूटहिं नरजपिजाकरनाम॥
खर्बनिशाचरबांधेउ नागपाससोइराम॥

॥ चौपाई॥

नानाभांतिमनहिंसमुझावा॥ प्रगटनज्ञानहृदयभ्रमछावा॥ खेदखिन्नमनतर्क बढाई॥ भयउमोहबशतुम्हरीनाई॥ ब्याकुलगयउदेवऋषिपाहीं॥ कहेसिजो संशयनिजमनमाहीं॥ सुनिनारदहिलागिअतिदाया॥ सुनुखगप्रबलरामकीमा या॥ जोज्ञानिन्हकरचितअपहरई॥ बरिआईबिमोहबशकरई॥ जेहिबहुबा रनचावामोही॥ सोइब्यापीबिहंगपतितोही॥ महामोहउपजामनतोरे॥ मि टिहिनबेगिकहेखगमोरे॥ चतुराननपहंजाहुखगेशा॥ सोइकरेहुजेहिहोइं उपदेशा॥ ******॥ दोहा॥ ************

असकहिचलेदेवऋषि करतरामगुणगान॥
हरिमायाबलबरनत पुनिपुनिपरमसुजान॥

॥ चौपाई॥

तबखगपतिबिरंचिपहंगयऊ॥ निजसंदेहसुनावतभयऊ॥ सुनिबिरंचिराम

हिं बिरंचि रनावा ॥ समुझि प्रताप प्रेम अति छावा ॥ मन महुं करहिं बिचार बिधाता ॥ मा यावश्य कवि कोविद ग्याता ॥ हरि माया कर अमित प्रभावा ॥ बिपुल बार जेहि मोहि न चावा ॥ अगजगमय सब जग मम उपराजा ॥ नहि आश्चर्य्य मोह खगराजा ॥ पुनि बोले बिधि गिरा सुहाई ॥ जान महेश राम प्रभुताई ॥ बैनतेय शंकर पहं जाहू ॥ तात अनत पूछहु जनि काहू ॥ तहं होइहि तव संशय हानी ॥ चलुबिहंगपति सुनि बिधि बानी ॥ * * * * * * * * * ॥ दोहा ॥ * * * * * *

परम आतुर बिहंगपति तब आयउ मम पास ॥
जात रहेउं कुबेर गृह रहिहु उमा कैलास ॥

॥ चौपाई ॥

तेंइ मम पद सादर शिर नावा ॥ पुनि आपन संदेह सुनावा ॥ सुनि ता करि बिनीत मृदु बानी ॥ प्रेम सहित मैं कहेउं भवानी ॥ मिले उ गरुड मारग महं मोही ॥ कवन भांति समुझावौं तोही ॥ जब बहु काल करिय सतसंगा ॥ तब यह होइ मोह भ्रम भंगा ॥ सुनिय तहां हरि कथा सुहाई ॥ नाना भांति मुनिन्ह जो गाई ॥ जेहि महं आदि मध्य अवसाना ॥ प्रभु प्रतिपाद्य राम भगवाना ॥ नित हरि कथा होइ जहं भाई ॥ पठवौं तहां सुनहु तुम जाई ॥ जाइहि सुनत सकल संदेहा ॥ होइहि राम चरण दृढ नेहा ॥ * * * * ॥ दोहा ॥ * * * * * * * * *

बिनु सतसंग न हरि कथा तेहि बिनु मोह न भाग ॥
मोह गये बिनु राम पद होइ न दृढ अनुराग * ॥

॥ चौपाई ॥

मिलहिं न रघुपति बिनु अनुरागा ॥ किये योग जप ज्ञान बिरागा ॥ उत्तर दिशि सुंदर

रगिरिनीला॥ तहँरहकाकभुसुंडिसुसीला॥ रामभक्तिपथपरमप्रवीना॥ ज्ञा
नीगुणगृहबहुकालीना॥ रामकथासोइकहैनिरंतर॥ सादरसुनहिंविविधवि
हंगवर॥ जाइसुनहुतहँहरिगुणभूरी॥ होइहिमोहजनितदुखदूरी॥ मैं
जबसबतेहिकहासमुझाई॥ चलेउहरषिममपदसिरनाई॥ तातेउमानमैंसमु
झावा॥ रघुपतिकृपामर्ममैंपावा॥ होइहिकीन्हकबहुँअभिमाना॥ सोखोवै
चहकृपानिधाना॥ कछुतेहितेपुनिमैंनहिंराखा॥ समुझैखगखगहीकैभाषा॥
प्रभुमायाबलवंतभवानी॥ जाहिनमोहकवनअसज्ञानी॥ ● ● ● ● ●
* * * * ● ● ● ● ● ● ● ● ॥ दोहा॥ ● ● ● ● ● ● ● ● ● ● * ● * *

ज्ञानीभक्तशिरोमणि त्रिभुवनपतिकरयान॥
ताहिमोहमायाप्रबल पामरकरहिंगुमान ●॥
शिवविरंचिकहँमोहई कोहैबपुराआन ●॥
असजियजानिभजहिंमुनि मायापतिभगवान॥

॥ चौपाई॥

गयेउगरुडजहँबसैंभुसुंडी॥ मतिअकुंठहरिभक्तिअखंडी॥ देखिशैलप्रस
न्नमनभयऊ॥ मायामोहशोकसबगयऊ॥ करितडागमज्जनजलपाना॥ ब
टतरगयउहृदयहर्षाना॥ वृद्धवृद्धविहंगतहँआये॥ सुनैरामकेचरितसु
हाये॥ कथाअरंभकरैसोइचाहा॥ ताहीसमयगयउखगनाहा॥ आवतदेखिस
कलखगराजा॥ हर्षेउबायससहितसमाजा॥ अतिआदरखगपतिकरकीन्हा॥
स्वागतपूछिसुआसनदीन्हा॥ करिपूजासमेतअनुरागा॥ मधुरबचनतबबोलेउ
कागा॥ * * * * * * * * ॥ दोहा॥ * * * * * * * * * *

नाथकृतारथभयेउंमैं तवप्रसादखगराज ●॥

आयसुहोइसोंकरौंअब प्रभुआयेसुकेहिकाज॥

सदाकृतारथरूपतुम्ह कहमृदुबचनखगेश ●॥

जाकीअस्तुतिसादर निजमुखकीन्हमहेश ●॥

॥चौपाई॥

सुनहुतातजेहिकारनआयेउं ॥ सोसबभयेउदरसतवपायेउं ॥ देखिपरमपा
वनतवआश्रम ॥ गयउमोहसंशयनानाभ्रम ॥ अबश्रीरामकथाअतिपावनि
॥ सदासुखददुखपुंजनसावनि ॥ सादरतातसुनावहुमोही ॥ बारबारबिनवौं
प्रभुतोही ॥ सुनतगरुडकैगिराबिनीता ॥ सरलसुप्रेमसुखदसुपुनीता ॥ भय
उतासुमनपरमउछाहा ॥ कहैलागुरघुपतिगुनगाहा ॥ प्रथमहिंअतिअनुरा
गभवानी ॥ रामचरितसरकहेसिबखानी ॥ पुनिनारदकरमोहअपारा ॥ कहेसि
बहुरिरावणअवतारा ॥ प्रभुअवतारकथापुनिगाई ॥ पुनिशिशुचरितकहेसि
मनलाई ॥ ॥ दोहा ॥

बालचरितकहिबिबिधबिधि मनमहंपरमउछाह ॥

ऋषिआगमनकहेसिपुनि श्रीरघुबीरबिबाह ●॥

॥ चौपाई ॥

बहुरिरामअभिषेकप्रसंगा ॥ पुनिनृपमरणराजरसभंगा ॥ पुरबासिनकरबि
रहबिषादा ॥ कहेसिरामलक्ष्मणसंबादा ॥ बिपिनगमनकेवटअनुरागा ॥ सु
रसरिउतरिनिवासप्रयागा ॥ बालमीकप्रभुमिलनबखाना ॥ चित्रकूटजिमिबसु
भगवाना ॥ सचिवागमननगरनृपमरणा ॥ भरतागमनप्रेमबहुबरणा ॥ करि

सप्रक्रियासंगपुरबासी॥ भरतगएजहँप्रभुसुखरासी॥ पुनिरघुपतिबहुबिधिसमुझाए॥ लैपादुकाअवधपुरिआए॥ भरतरहनिसुरपतिसुतकरणी॥ प्रभुअरुअत्रिभेंटपुनिबरणी॥ ** ॥दोहा॥ ****

कहिबिराधबधजेहिबिधि देहतजीशरभंग॥

बरणिसुतीक्ष्णप्रेमपुनि प्रभुअगस्त्यसतसंग॥

॥ चौपाई ॥

कहिदंडकबनपावनताई॥ गृध्रमइत्रीपुनितेंइगाई॥ पुनिप्रभुपंचबटीकृतबासा॥ भंजेउसकलमुनिन्हकेत्रासा॥ पुनिलक्ष्मणउपदेशअनूपा॥ सूर्पनखाजिमिकीन्हकुरूपा॥ खरदूषणबधबहुरिबखाना॥ जिमिसबमर्मदशाननजाना॥ दशकंधरमारिचबतकही॥ जेहिबिधिभईसकलतेंइकही॥ पुनिमायासीताकरहरणा॥ श्रीरघुबीरबिरहकछुबरणा॥ पुनिप्रभुगृध्रक्रियाजिमिकीन्ही॥ बधिकबंधशबरिहिगतिदीन्ही॥ बहुरिबिरहबरणतरघुबीरा॥ जेहिबिधिगयउसरोबरतीरा॥ * * ॥दोहा॥ * **

प्रभुनारदसंबादकहि मारुतमिलनप्रसंग॥

पुनिसुग्रीवमिताई बालिप्राणकरभंग * *॥

कपिहितिलककरिप्रभुकृत शैलप्रबर्षणबास॥

बर्णनबर्षाशरदअरु रामरोषकपित्रास *॥

॥चौपाई॥

जेहिबिधिकपिपतिकीशपठाए॥ सीताखोजसकलदिशिधाए॥ बिबरप्रवेशकीन्हजेहिभांती॥ कपिन्हबहोरिमिलासंपाती॥ सुनिसबकथासमीरकुमारा॥

बांघनभवउपयोधिअपार ॥ तंमकपिप्रवेशसिमिमीन्हा ॥ पुनिसीतंहिबीर अ जिमिदीन्हा ॥ बनउजारिरावनहिप्रबोधी ॥ पुरदहिनांधेवउरिपयोधी ॥ आएकपिसबजहंरघुराई ॥ बेदेहीकीकुशलसुनाई ॥ सेनसमेतयथारघुबीरा ॥ उतरेजाइवारिनिधितीरा ॥ मिलाबिभीषणजेहिबिधिआई ॥ सागरनिग्रह कथासुनाई ॥ ॥ दोहा ॥

सेतुबांधिकपिसेनजिमि उतरेसागरपार ॥
गयोबसीठीबीरबर जेहिबिधिबालिकुमार ॥
निशिचरकीसलराई करनेहिबिबिधप्रकार ॥
कुम्भकर्णघननादकर बलपौरुषसंहार ॥

॥ चौपाई ॥

निशिचरनिकरमरणबिधिनाना ॥ रघुपतिरावणसमरबखाना ॥ रावणबधमंदोद रिशोका ॥ राजबिभीषणदेवअशोका ॥ सीतारघुपतिमिलनबहोरी ॥ सुरनकी न्हअस्तुतिकरजोरी ॥ पुनिपुष्पकचढ़िसीयसमेता ॥ अवधचलेप्रभुकृपानिकेता ॥ जेहिबिधिरामनगरनिजआये ॥ बायसबिशदचरितसबगाये ॥ कहेसिबहोरि रामअभिषेका ॥ पुरवर्णननृपनीतिअनेका ॥ कथासमस्तभुशुण्डबखानी ॥ जो मैंतुमसनकहाभवानी ॥ सुनिसबरामकथाखगनाहा ॥ बिगतमोहमनपरमउ छाहा ॥ ॥ सोरठा ॥

गयउमोरसंदेह सुनेउंसकलरघुपतिचरित ॥
भयउरामपदनेह तवप्रसादबायसतिलक ॥
मोहिभयउअतिमोह प्रभुबंधनरणमहंनिरखि ॥

॥ चौपाई ॥

देखिचरित्रअतिनरअनुसारी॥ भयउहृदयममसंशयभारी॥ सोभ्रमअवमैंहि तकरिजाना॥ कीन्हअनुग्रहकृपानिधाना॥ जौअतिआतपव्याकुलहोई॥ तरुछायासुखजानैसोई॥ जौंनहिंहोतमोहअतिमोही॥ मिलतेउंतातकवनि विधितोही॥ सुनितेउंकिमिहरिकथासुहाई॥ अतिविचित्रबहुविधितुमगाई ॥ निगमागमपुराणमतएहा॥ कहहिंसिद्धमुनिनहिंसंदेहा॥ संतविशुद्धमु मिलहिंपरितेही॥ चितवहिंरामकृपाकरिजेही॥ रामकृपातवदरसनभयऊ॥ त वप्रसादममसंशयगयऊ॥ * * * ॥ दोहा ॥ * * * * *

सुनिविहंगपतिवानी। सहितविनयअनुराग॥
पुलकगातलोचनसजल। मनहर्षेअतिकाग॥
श्रोतासुमतिसुशीलसुचि। कथारसिकहरिदास॥
पाइउमाअतिगोप्यमत। सज्जनकरहिंप्रकाश॥

॥ चौपाई ॥

बोलेउकागभुशुण्डवहोरी॥ नभगनाथपरप्रीतिनथोरी॥ सबविधिनाथपूज्यतुम मेरे॥ कृपापात्ररघुनायककेरे॥ तुमहिंनसंशयमोहनमाया॥ मोपरनाथ कीन्हतुमदाया॥ पठैमोहमिसखगपतितोही॥ रघुपतिदीन्हवडाईमोही॥ तुमनिजमोहकहाखगसांई॥ सोनहिंकछुआचर्यगोसांई॥ नारदशिववि रंचिसनकादी॥ जोमुनिनायकआतमवादी॥ मोहनअंधकीन्हकेहिकेही॥ को जगकामनचावनजेही॥ तृष्णाकेहिनकीन्हबौराहा॥ केहिकेहृदयक्रोधनहिं

॥ दोहा ॥

ज्ञानीतापससूरकबि कोबिदगुनआगार ॥

केहिकैलोभबिडंबना कीन्हिनएहिंसंसार ॥

श्रीमदबक्रनकीन्हकेहि प्रभुताबधिरनकाहि ॥

मृगलोचनिकेनैनसर कोअसलागनजाहि ॥

॥ चौपाई ॥

गुनकृतसन्यपातनहिंकेही ॥ कोउनमानमदतजेउनिबेही ॥ जोबनज्वरकेहिनहिंबलकावा ॥ ममताकेहिकरजसननसावा ॥ मच्छरकाहिकलंकनलावा ॥ केहिनसोकसमीरडोलावा ॥ चिंतासांपिनिकाहिनखाया ॥ कोजगजाहिनब्यापीमाया ॥ कीटमनोरथदारुसरीरा ॥ जेहिनलागघुनकोअसधीरा ॥ सुतबितनारिईषनातीनी ॥ केहिकैमतिइन्हकृतनमलीनी ॥ यहसबमायाकरपरिवारा ॥ प्रबलअमितकोबरनैपारा ॥ सिवचतुराननजाहिडेराहीं ॥ अपरजीवकेहिलेखेमांहीं ॥

॥ दोहा ॥

ब्यापिरहेसंसारमहं मायाकटकप्रचंड ॥

सेनापतिकामादिभट दंभकपटपाषंड ॥

सोदासीरघुबीरकी समुझैंमिथ्यासोपि ॥

छूटैनरामकृपाबिनु नाथकहौंपदरोपि ॥

॥ चौपाई ॥

जोमायासबजगहिंनचावा ॥ जासुचरितलखिकाहुनपावा ॥ सोप्रभुभ्रूबिलासखगराजा ॥ नाचनटीइवसहितसमाजा ॥ ब्यापकब्रह्मअखंडअनंता ॥ अखिल

अमोघएकमायाकंता॥ सोईसच्चिदानंदघननामा॥ अजविज्ञानरूपगुणधामा॥ अगुणअदंभगिरागोतीता॥ समदरसीअनवद्यअजीता॥ निर्गुणनिराकार निर्मोहा॥ नित्यनिरंजनसुखसंदोहा॥ प्रकृतिपारप्रभुसबउरवासी॥ ब्रह्मनिरीहविरजअविनासी॥ इहांमोहकरकारणनाहीं॥ रविसन्मुखतमकबहुंकि जाहीं॥ * ॥ दोहा ॥ *

भक्तहेतुभगवानप्रभु रामधरेउतनुभूप * ॥
किएचरितपावनपरम प्राकृतनरअनुरूप॥
यथाअनेकवेषधरि नृत्यकरैनटकोइ * ॥
सोइसोइभावदेखावै आपुनहोइनसोइ * ॥

॥ चौपाई ॥

असरघुपतिलीलाउरगारी॥ दनुजविमोहनिजनसुखकारी॥ जेमतिमलिनवि षयवशकामी॥ प्रभुपरमोहधरहिंइमिस्वामी॥ नयनदोषजाकहंजबहोई॥ पीतवरणशशिकहंकहसोई॥ जबजेहिदिशिभ्रमहोइखगेशा॥ सोकहपश्चिमउ येउदिनेशा॥ नौकारूढचलतजगदेखा॥ अचलमोहवशआपुहिलेखा॥ बाल कभ्रमहिंनभ्रमहिंगृहादी॥ कहहिंपरस्परमिथ्यावादी॥ मायावशमतिमंदअ भागी॥ हृदयजमनिकाबहुविधिलागी॥ तेशठहठवशसंशयकरहीं॥ निज अज्ञानरामपरधरहीं॥ * ॥ दोहा ॥

कामक्रोधमदलोभरत गृहासक्तदुखरूप॥
तेकिमिजानहिंरघुपतिहि मूढपरेतमकूप॥
निर्गुणरूपसुलभअति सगुणनजानैकोइ॥

॥सं०७७॥ सुगमअगमनानाचरित सुनिमुनिमनभ्रमहोइ॥

॥ २३ ॥

॥चौपाई॥

सुनुखगपतिरघुपतिप्रभुताई॥ कहौंयथामतिकथासुहाई॥ जेहिविधिमोहभयउप्रभुमोही॥ सोसबचरितसुनावौंतोही॥ रामकृपाभाजनतुमताता॥ हरिगुणप्रीतिमोहिसुखदाता॥ तातेंनहिंकछुतुमहिंदुरावौं॥ परमरहस्यमनोहरगावौं॥ सुनहुरामकरसहजसुभाऊ॥ जनअभिमाननराखहिंकाऊ॥ संसृतिमूलसूलप्रदनाना॥ सकलशोकदायकअभिमाना॥ तातेंकरहिंकृपानिधिदूरी॥ सेवकपरममताअतिभूरी॥ जिमिशिशुतनव्रणहोइगोसाईं॥ मातुचिरावकठिनकीनाईं॥ ॥ दोहा ॥

यद्यपिप्रथमदुखपावै रोवैबालअधीर ॥

व्याधिनाशहितजननी गनैनसोशिशुपीर ॥

तिमिरघुपतिनिजदासकर हरहिंमानहितलागि ॥

तुलसिदासऐसेप्रभुहिं कसनभजहुभ्रमत्यागि ॥

॥चौपाई॥

रामकृपाआपनिजडताई॥ कहौंखगेशसुनहुमनलाई॥ जबजबराममनुजतनधरहीं॥ भक्तहेतुलीलाबहुकरहीं॥ तबतबअवधपुरीमैंजाऊं॥ शिशुलीलाबिलोकिहर्षाऊं॥ जन्ममहोत्सवदेखौंजाई॥ वर्षपांचतहंरहौंलोभाई॥ इष्टदेवममबालकरामा॥ शोभावपुषकोटिशतकामा॥ निजप्रभुवदननिहारिनिहारी॥ लोचनसुफलकरौंउरगारी॥ लघुवायसवपुधरिहरिसंगा॥ देखौंबालचरितबहुरंगा॥ ॥ दोहा ॥

खरिकाईं जहं जहं फिरहिं तहं तहं संग उड़ाउं ॥
जूठन परे अजिर महं सो उठाइ कर खाउं ॥

॥ चौपाई ॥

कहौं प्रभु सुनु उरगनायक ॥ रामचरित सेवक सुखदायक ॥ नृपमन्दिर सुन्दर सब भांती ॥ खचित कनक मनि नाना जाती ॥ बरनि न जाइ रुचिर अंगनाई ॥ जहं खेलहिं नित चारौ भाई ॥ बालबिनोद करत रघुराई ॥ बिचरत अजिर जननि सुखदाई ॥ मरकत मृदुल कलेवर स्यामा ॥ अंग अंग प्रति छबि बहु कामा ॥ नव राजीव अरुन मृदु चरना ॥ पदपंकज नख ससि दुति हरना ॥ ललित अंक कुलिसादिक चारी ॥ नूपुर चारु मधुर रवकारी ॥ चारु पुरट मनि रचित बनाई ॥ कटि किंकिनि कल मुखर सुहाई ॥

॥ दोहा ॥

रेखा त्रय सुन्दर उदर नाभि रुचिर गंभीर ॥
उर आयत भ्राजत बिबिध बाल बिभूषन चीर ॥

॥ चौपाई ॥

अरुन पानि नख करज मनोहर ॥ बाहु बिसाल बिभूषन सुन्दर ॥ कंध बाल केहरि दर ग्रीवां ॥ चारु चिबुक आनन छबि सींवां ॥ कलबल बचन अधर अरुनारे ॥ दुइ दुइ दसन बिसद बर बारे ॥ ललित कपोल मनोहर नासा ॥ सकल सुखद ससिकर सम हासा ॥ नील कंज लोचन भव मोचन ॥ भ्राजत भाल तिलक गोरोचन ॥ बिकट भृकुटि सम श्रवण सुहाए ॥ कुंचित कच मेचक छबि छाए ॥ पीत झीन झंगुलि तन सोही ॥ किलकनि चितवनि भावति मोही ॥ रूपरासि नृप अजिर बिहारी ॥ नाचहिं निज प्रतिबिंब निहारी ॥ मोहि सन करहिं बिबिध बिधि क्रीड़ा ॥ बरनत मोहि

नमनग्रीडा॥ [illegible]॥ [illegible]देखावहिं॥

॥ [illegible] ॥

[illegible]भजनरोदनकरहिं॥

[illegible]॥

[illegible]॥

[illegible]॥

॥ चौपाई ॥

[illegible]॥ [illegible]॥ [illegible]॥ [illegible]॥ [illegible]॥ [illegible]॥ ईश्वर[illegible]॥ [illegible]जीव[illegible]नी॥ [illegible]॥ परबस[illegible]॥ [illegible]॥ [illegible]॥ [illegible]॥

॥ दोहा ॥

[illegible]॥

[illegible]॥

[illegible]॥

[illegible]॥

॥ चौपाई ॥

[illegible]॥ मिटैन[illegible]॥ प्रभु[illegible]

पटबिद्या॥ प्रभुप्रेरितनहिंब्यापैबिद्या॥ तातेंनासनहोइदासकर॥ भेदभगतिबाढैबिहंगबर॥ भ्रमतेंचकितराममोहिदेखा॥ बिहसेसोसुनुचरितबिशेषा॥ तेहिकौतुककरमर्मनकाहू॥ जानाअनुजनमातुपिताहू॥ जानुपानिधाएमोहिधरणा॥ स्यामलगातअरुणकरचरणा॥ तबमैंभागिचलेउंउरगारी॥ रामगहनकहंभुजापसारी॥ जिमिजिमिदूरिउडाउंअकासा॥ तहंभुजहरिदेखौंनिजपासा॥ ॥ दोहा ॥

ब्रह्मलोकलगिगयेउंमैं। चितयउंपाछउडात॥
जुगअंगुलकरबीचसब। रामभुजहिमोहितात॥
सप्तावरणभेदकरि। जहांलगिगतिमोरि॥
गयउंतहांप्रभुभुजनिरखि। ब्याकुलभयउंबहोरि॥

॥ चौपाई ॥

मूंदेउंनयनत्रसितजबभयऊं॥ पुनिचितवतकोशलपुरगयऊं॥ मोहिबिलोकिरामसुकाहीं॥ बिहंसततुरतगयउंमुखमाहीं॥ उदरमांझसुनुअंडजराया॥ देखेउंबहुब्रह्मांडनिकाया॥ अतिबिचित्रतहंलोकअनेका॥ रचनाअधिकएकतेएका॥ कोटिनचतुराननगौरीशा॥ अगणितउडुगणरबिरजनीशा॥ अगणितलोकपालयमकाला॥ अगणितभूधरभूमिबिशाला॥ सागरसरितसरबिपिनअपारू॥ नानाभांतिसृष्टिबिस्तारू॥ सुरमुनिसिद्धनागनरकिंनर॥ चारिप्रकारजीवसचराचर॥ ॥ दोहा ॥

जोनहिंदेखानहिंसुना। जोमनहूंनसमाइ॥
सोसबअद्भुतदेखेउं। बरणिकवनिबिधिजाइ॥

एकएकब्रह्मांडमहं रहेउंबर्षशतएक ॥
यहिविधिमैंदेखतफिरेउं अंडकटाहअनेक॥

॥ चौपाई ॥

लोकलोकप्रतिभिन्नविधाता ॥ भिन्नविष्णुशिवमनुदिशित्राता॥ नरगंधर्वभूतवैताल ॥ किन्नरनिशचरपशुखगव्याला ॥ देवदनुजगणनानाजाती ॥ सकलजीवतहं आनहिभांती ॥ महिसरसागरसरिगिरिनाना॥ सबप्रपंचतहंआनहिआना ॥ अंडकोशप्रतिप्रतिनिजरूपा ॥ देखेउंजिनिसअनेकअनूपा॥ अवधपुरीप्रतिभुवननिनारी ॥ सरजूभिन्नभिन्ननरनारी ॥ दशरथकौशल्यादिकमाता ॥ विविधरूपभरतादिकभ्राता ॥ प्रतिब्रह्मांडरामअवतारा॥ देखेउंबालविनोदअपारा

॥ ॥ दोहा ॥

भिन्नभिन्नसबदेखेउं अतिविचित्रहरियान॥
अगणितभुवनफिरेउंमै रामनदेखआन ॥
सोइशिशुपनसोइशोभा सोइकृपालरघुवीर॥
भुवनभुवनदेखतफिरेउं प्रेरितमोहशरीर॥

॥ चौपाई॥

भ्रमतमोहिब्रह्मांडअनेका ॥ बीतेमनहुंकल्पशतएका ॥ फिरतफिरतनिजआश्रमआयउं॥ तहंपुनिरहिकछुकालगवायउं ॥ निजप्रभुजन्मअवधसुनिपायउं ॥ निर्भरप्रेमहर्षितउठिधायउं॥ देखेउंजन्ममहोत्सवजाई ॥ जेहिविधिप्रथमकहामैगाई ॥ रामउदरदेखेउंजगनाना॥ देखतबनैनजातबखाना ॥ तहंपुनिदेखेउंरामसुजाना॥मायापतिकृपालभगवाना॥ करौंविचारबहोरिबहो

री॥ मोहकलितव्यापीभगतिमोरी॥ उभयघरीमहंमैंसबदेखा॥ भयउंभ्रमितम
नमोहविसेषा॥ *—*—*—*॥ दोहा॥ *—*—*—*—**

देखिकृपालविकलमोहि बिहंसेतबरघुबीर॥
बिहंसतहींमुखबाहर आयउंसुनुमतिधीर॥
सोइलरिकाईमोसनकरन लगेपुनिराम॥
कोटिभांतिसमुझावौं मनुनलहैबिश्राम **॥

॥ चौपाई॥

देखिचरितयहसोप्रभुताई॥ समुझतदेहदसाबिसराई॥ धरनिपरेउंमुखआ
वनबाता॥ त्राहित्राहिआरतजनत्राता॥ प्रेमाकुलप्रभुमोहिबिलोकी॥ निजमा
याप्रभुतातबरोकी॥ करसरोजप्रभुममसिरधरेऊ॥ दीनदयालसकलदुखहरे
ऊ॥ कीन्हरामममोहिबिगतबिमोहा॥ सेवकसुखदकृपासंदोहा॥ प्रभुताप्रथमबि
चारिबिचारी॥ मनमहंहोइहर्षअतिभारी॥ भगतबछलताप्रभुकेदेखी॥ उप
जीममउरप्रीतिबिसेषी॥ सजलनयनपुलकितकरजोरी॥ कीन्हीबहुबिधिबि
नयबहोरी॥ *—**—*॥ दोहा॥ *—*—*—**—*

सुनिसप्रेमममबानी देखिदीननिजदास ●●●॥
बचनसुखदगंभीरमृदु बोलेरमानिवास* ●●●॥
कागभुसुण्डीमांगुबर अतिप्रसन्नमोहिजानि ●●॥
अणिमादिकसिधिअपररिधि मोक्षसकलसुखखानि॥

॥ चौपाई॥

ज्ञानविवेकबिरतिबिज्ञाना॥ मुनिदुर्लभगनिजोजगजाना॥ आजुदेउंसबसंश

कनाही॥ [illegible] प्रभु प्रसन्न [illegible]॥ मन क्रम बचन मोहि जन जाना॥ प्रभु प्रसाद [illegible]॥ भगति हीन गुन सब सुख ऐसें॥ लवन बिना बहु बिंजन जैसें॥ भजन हीन सुख कवने काजा॥ अस बिचारि बोलेउँ खगराजा॥ जौं प्रभु होइ प्रसन्न बर देहू॥ मो पर करहु कृपा अरु नेहू॥ मन भावत बर मागउँ स्वामी॥ तुम्ह उदार उर अंतरजामी॥ * * * * दोहा * * * *

अबिरल भगति बिसुद्ध तव श्रुति पुरान जो गाव॥

जेहि खोजत जोगीस मुनि प्रभु प्रसाद कोउ पाव॥

भगत कल्पतरु प्रनत हित कृपा सिंधु सुख धाम॥

सोइ निज भगति मोहि प्रभु देहु दया करि राम॥

एवमस्तु कहि रघुकुलनायक॥ बोले बचन परम सुखदायक॥ सुनु बायस तैं सहज सयाना॥ काहे न मागसि अस बरदाना॥ सब सुख खानि भगति तैं मागी॥ नहिं जग कोउ तोहि सम बड़भागी॥ जो मुनि कोटि जतन नहिं लहहीं॥ जे जप जोग अनल तन दहहीं॥ रीझेउँ देखि तोरि चतुराई॥ मागेहु भगति मोहि अति भाई॥ सुनु बिहंग प्रसाद अब मोरें॥ सब सुभ गुन बसिहहिं उर तोरें॥ भगति ग्यान बिग्यान बिरागा॥ जोग चरित्र रहस्य बिभागा॥ जानब तैं सबही कर भेदा॥ मम प्रसाद नहिं साधन खेदा॥ * * * * दोहा * * * *

मायासंभव भ्रम सब अब न ब्यापिहहिं तोहि॥

जानेसु ब्रह्म अनादि अज अगुन गुनाकर मोहि॥

सोहि भजनप्रियबचन सबबिचारिसुनुकाग॥

कायबचनमनममचरन करं कछुबचनअनुराग॥

॥ चौपाई ॥

अबसुनुपरमबिमलममबानी ॥ सत्यसुगमनिगमादिबखानी ॥ निजसिद्धांतसुनावौंतोही ॥ सुनुमनधरिसबतजिभजुमोही ॥ ममसायासंभवसंसारा ॥ जीवचराचरबिबिधप्रकारा ॥ सबममप्रियसबममउपजाए ॥ सबतेंअधिकमनुजमोहिभाए ॥ तेहिमहंद्विजद्विजमहंश्रुतिधारी ॥ तिन्हमहंनिगमनीतिअनुसारी ॥ तिन्हमहंप्रियबिरक्तपुनिग्यानी ॥ ग्यानिहुतेअतिप्रियबिग्यानी ॥ तेहितेपुनिमोहिप्रियनिजदासा ॥ जेहिगतिमोरिनदूसरिआसा ॥ पुनिपुनिसत्यकहौंतोहिपाहीं ॥ मोहिसेवकसमप्रियकोउनाहीं ॥ भगतिहीनबिरंचिकिनहोई ॥ सबजीवनमहंअप्रियसोई ॥ भगतिवंतअतिनीचौप्रानी ॥ मोहिप्रानप्रियअसिममबानी ॥ * ॥ दोहा ॥ *

सुचिसुसीलसेवकसुमति कहुप्रियकाहिनलाग॥

श्रुतिपुरानकहनीतिअस सावधानसुनुकाग * ॥

॥ चौपाई ॥

एकपिताकहंबिपुलकुमारा ॥ होइपृथकगुनसीलअचारा ॥ कोउपंडितकोउतापसग्याता ॥ कोउधनवंतसूरकोउदाता ॥ कोउसर्बग्यधर्मरतकोई ॥ सबपरपितहिप्रीतिसमहोई ॥ कोउपितुभक्तबचनमनकर्मा ॥ सपनेहुजाननदूसरधर्मा ॥ सोप्रियसुतपितुप्रानसमाना ॥ यद्यपिसोसबभांतिअजाना ॥ यहिबिधिजीवचराचरजेते ॥ त्रिजगदेवनरअसुरसमेते ॥ अखिलबिस्वयहममउपजा

या ॥ सबपरमोहिंबराबरिदाया ॥ तिन्हमहँजोपरिहरिमदमाया ॥ भजहिंमोहिमनबचअरुकाया ॥ * ॥ दोहा ॥

पुरुषनपुंसकनारिवा जीवचराचरकोइ * ॥
सर्बभावभजुकपटतजि मोहिपरमप्रियसोइ ॥

॥ सोरठा ॥

सत्यकहौंखगतोहि सुचिसेवकममप्रानप्रिय ॥
असबिचारिभजुमोहि परिहरिआसभरोससब ॥

॥ चौपाई ॥

कबहूँकालनब्यापिहितोही ॥ सुमिरेसुभजेसुनिरंतरमोही ॥ प्रभुबचनामृतसुनिनअघाऊं ॥ तनपुलकितमनअतिहरषाऊं ॥ सोसुखजानैमनअरुकाना ॥ नहिरसनापहिंजाइबखाना ॥ प्रभुसोभासुखजानैंनयना ॥ कहिकिमिसकैंतिन्हहिनहिबयना ॥ बहुबिधिमोहिप्रबोधिसुखदेई ॥ लगेकरनसिसुकौतुकतेई ॥ सजलनयनकछुमुखकरिरूखा ॥ चितैमातुलागीअतिभूखा ॥ देखिमातुआतुरउठिधाई ॥ कहिमृदुबचनलियेउरलाई ॥ गोदराखिकरावपयपाना ॥ रघुपतिचरितललितकरिगाना ॥ * ॥ सोरठा ॥

जेहिसुखलागिपुरारि असुभबेषकृतसिवसुखद ॥
अवधपुरीनरनारि तेहिसुखमहँसंततमगन * ॥
सोईसुखलवलेस जिन्हबारेकसपनेहुलहेउ * ॥
तेनहिगनहिंखगेस ब्रह्मसुखहिंसज्जनसुमति * ॥

॥ चौपाई ॥

मैपुनिअवधरहेउँकछुकाला॥ देखेउँबालबिनोदरसाला॥ रामप्रसादभक्तिबरपायउँ॥ प्रभुपदबंदिनिजाश्रमआयउँ॥ तबतेंमोहिनब्यापीमाया॥ जबतेंरघुनायकअपनाया॥ यहसबगुप्तचरितमैंगावा॥ हरिमायाँजिमिमोहिनचावा॥ निजअनुभवअबकहौंखगेशा॥ बिनुहरिभजननजाहिंकलेशा॥ रामकृपाबिनुसुनुखगराई॥ जानिनजाइरामप्रभुताई॥ जानेबिनुनहोइपरतीती॥ बिनुपरतीतिहोइनहिंप्रीती॥ प्रीतिबिनानहिंभक्तिदृढाई॥ जिमिखगेशजलकैचिकनाई॥ * * * * * * * *॥ सोरठा॥ ● ● ● ● ● ● ● ● ● ●

बिनुगुरुहोइकिज्ञान ज्ञानकिहोइबिरागबिनु ●॥
गावहिंबेदपुराण सुखकिलहहिंबिनुहरिभगति॥
कोउबिश्रामकिपाव तातसहजसंतोषबिनु ● ●॥
चलैकिजलबिनुनाव कोटियतनपचिपचिमरै ●॥

॥ चौपाई ॥

बिनुसंतोषनकामनशाहीं॥ कामअछतसुखसपनेहुँनाहीं॥ रामभजनबिनुमिटहिंनकामा॥ थलबिहीनतरुकबहुँकिजामा॥ बिनुबिज्ञाननसमताआवै॥ कोउअवकासकिनभबिनुपावै॥ श्रद्धाबिनाधर्मनहिंहोई॥ बिनुमहिगंधकिपावैकोई॥ बिनुतपतेजकिकरबिस्तारा॥ जलबिनुरसकिहोइसंसारा॥ शीलकिमिलुबिनुबुधसेवकाई॥ जिमिबिनुतेजनरूपगोसांई॥ निजसुखबिनुमनहोइकिथीरा॥ परसकिहोइबिहीनसमीरा॥ कवनिउसिद्धिकिबिनुबिश्वासा॥ बिनुहरिभजननभवभयनाशा॥ * * * ॥ दोहा॥ * * * ● ● ●

बिनुबिश्वासभक्तिनहि तेहिबिनुद्रवहिंनराम॥

रामरूपनिसुसपनेहुं मनकिमहरिराम ॥

॥ सोरठा ॥

ममविचारिमनिधीर तजिकुतर्कसंशयसकल ॥
भजहिरामरघुवीर करुणाकरसुन्दरसुखद ॥

॥ चौपाई ॥

निजमतिसरिसनाथमैगाई ॥ प्रभुप्रतापमहिमाखगराई ॥ कहेउंनकछुकरियु निविशेषी ॥ यहसवमैनिजनयननदेखी ॥ महिमानामरूपगुणगाथा ॥ स कलअमितअनंतरघुनाथा ॥ निजनिजमतिमुनिहरिगुणगावहिं ॥ निगमशेष शिवपारनपावहिं ॥ इमिरघुपतिमहिमाअवगाहा ॥ तातकबहुंकोउपावकि थाहा ॥ रामकाममतकोटिसुभगतन ॥ दुर्गाकोटिअमितअरिमर्दन ॥ शक कोटिशतसरिसविलासा ॥ नभशतकोटिअमितअवकासा ॥

॥ दोहा ॥

मरुतकोटिशतविपुलबल रविशतकोटिप्रकास ॥
शशिशतकोटिसुशीतल शमनसकलभवत्रास ॥
कालकोटिशतसरिसअति दुस्तरदुर्गदुरंत ॥
धूमकेतुशतकोटिसम दुराधर्षभगवंत ॥

॥ चौपाई ॥

प्रभुअगाधशतकोटिपताला ॥ शमनकोटिशतसरिसकराला ॥ तीरथअमितकोटि शतपावन ॥ नामअखिलअघपुञ्जनशावन ॥ हिमगिरिकोटिअचलरघुवीरा ॥ सिंधुकोटिशतसरिसगंभीरा ॥ कामधेनुशतकोटिसमाना ॥ सकलकामदायक

मानना॥ काल कोटि सत सरिस अति दुस्तर ॥ बिधि सत कोटि सृष्टि निपुनाई॥ बिष्नु कोटि सत पालन कर्ता॥ रुद्र कोटि सत सम संहर्ता॥ धनद कोटि सत सम धनवाना॥ माया कोटि प्रपंच निधाना॥ भार धरन सत कोटि अहीसा॥ निरवधि निरुपम प्रभु जगदीसा॥ छंद॥

निरवधि निरुपम न उपमा आन राम समान रामु निगम कहै॥ जिमि कोटि सत खद्योत सम रबि कहत अति लघुता लहै॥ एहि भांति निज निज मति बिलास मुनीस हरिहि बखानहीं॥ प्रभु भाव गाहक अति कृपाल सप्रेम सुनि सुख मानहीं॥ दोहा॥

रामु अमित गुन सागर थाह कि पावै कोइ॥
संतन सन जस किछु सुनेउं तुमहि सुनायेउं सोइ॥

सोरठा॥

भाव बस्य भगवान सुख निधान करुना भवन॥
तजि ममता मद मान भजिअ सदा सीता रमन॥

॥ चौपाई॥

सुनि भुसुंडि के बचन सुहाये॥ हरषित खगपति पंख फुलाये॥ नयन नीर मन अति हरषाना॥ श्रीरघुपति प्रताप उर आना॥ पाछिल मोह समुझि पछिताना॥ ब्रह्म अनादि मनुज करि माना॥ पुनि पुनि काग चरन सिर नावा॥ जानि राम सम प्रेम बढ़ावा॥ गुरु बिनु भव निधि तरै न कोई॥ जौं बिरंचि संकर सम होई॥ संसय सर्प ग्रसेउ मोहि ताता॥ दुखद लहरि कुतर्क बहु ब्राता॥ तव सरूप गारुडि रघुनायक॥ मोहि जियायेउ जन सुखदायक॥ तव प्रसाद मम मोह नसाना॥ राम रहस्य अनू

पम अपानी ॥ ॥ दोहा ॥

तुम्हहि प्रसंसेउ बिबिध बिधि सीस नाइ कर जोरि ॥
बचन सप्रेम बिनीत मृदु बोलेउ गरुड़ बहोरि ॥
प्रभु अपने अबिबेक तें पूछौं स्वामी तोहि ॥
कृपासिंधु सादर कहहु जानि दास निज मोहि ॥

॥ चौपाई ॥

तुम सर्बज्ञ तज्ञ तम पारा ॥ सुमति सुसील सरल आचारा ॥ ज्ञान बिरति बिज्ञान निवासा ॥ रघुनायक के प्रिय तुम दासा ॥ कारन कवन देह यह पाई ॥ तात सकल मोहि कहहु बुझाई ॥ राम चरित सर सुन्दर स्वामी ॥ पायेहु कहां कहहु नभगामी ॥ नाथ सुना मैं अस शिव पांही ॥ महाप्रलयहुं नास तव नाहीं ॥ मृषा बचन नहिं शंकर कहहीं ॥ सो मोरे मन संशय अहहीं ॥ अग जग जीव नाग नर देवा ॥ नाथ सकल जग काल कलेवा ॥ अंड कटाह अमित लय कारी ॥ काल सदा दुर्गम अति भारी ॥

॥ सोरठा ॥

तुमहि न ब्यापै काल अति कराल कारण कवन ॥
सो मोहि कहहु कृपाल ज्ञान प्रभाव कि योग बल ॥

॥ दोहा ॥

प्रभु तव आश्रम आयउं मोर मोह भ्रम भाग ॥
कारण कवन सो नाथ सब कहहु सहित अनुराग ॥

॥ चौपाई ॥

गरुड़ गिरा सुनि हर्षेउ कागा ॥ बोलेउ उमा परम अनुरागा ॥ धन्य धन्य तव मति

ब्रह्मचारी॥ प्रभुअनुग्रहगिरिमोहिअतिप्यारी॥ सुनितवप्रश्नसप्रेमसुहाई॥ ब
हुतजन्मकैसुधिमोहिआई॥ सबनिजकथाकहौंमैंगाई॥ तातसुनहुसादर
मनलाई॥ जपतपमखसंयमव्रतदाना॥ विरतिविवेकयोगविज्ञाना॥ सबकर
फलरघुपतिपदप्रेमा॥ तेहिबिनुकोइनपावैक्षेमा॥ एहितनरामभक्तिमैंपाई
॥ तातेमोहिममताअधिकाई॥ जेहितेंनिजस्वारथकछुहोई॥ तेहिपरममता
करसबकोई॥ ॥ सोरठा ॥

पन्नगारिअसनीति श्रुतिसम्मतसज्जनकहहिं॥
अतिनीचहुसनप्रीति करियजानिनिजपरमहित॥
पाटकीटतेंहोइ तातेंपाटंबररुचिर॥
कृमिपालैसबकोइ परमअपावनप्राणसम॥

॥ चौपाई ॥

स्वारथसांचजीवकहँएहा॥ मनक्रमबचनरामपदनेहा॥ सोइपावनसोइसु
भगशरीरा॥ जोतनुपाइभजियरघुबीरा॥ रामविमुखलहिविधिसमदेही॥ क
विकोविदनप्रशंसहिंतेही॥ रामभक्तिएहितनमहँजामी॥ तातेंमोहिपरमप्रि
यस्वामी॥ तजौंनतननिजइच्छामरणा॥ तनबिनुवेदभजननहिंबरणा॥ प्र
थममोहमोहिबहुतबिगोवा॥ रामविमुखसुखकबहुँनसोवा॥ नानाजन्मक
र्मपुनिनाना॥ किएयोगजपतपमखदाना॥ कवनयोनिजन्मेउँजहँनाहीं॥
मैंखगेशभ्रमिभ्रमिजगमाहीं॥ देखेउँसबकरिकर्मगोसाईं॥ सुखीनभयेउँअ
बहिंकीनाईं॥ सुधिमोहिनाथजन्मबहुकेरी॥ शिवप्रसादमतिमोहनघेरी॥

॥ दोहा ॥

प्रथमजन्मकेचरितअब कहौंसुनहुविहगेस ॥
सुनिप्रभुपदरतिउपजै जातेंमिटैंकलेस ॥
पूरबकल्पएकप्रभु कलियुगमलकरमूल ॥
नरअरुनारिअधर्मरत सकलनिगमप्रतिकूल ॥

॥ चौपाई ॥

तेहिकलियुगकोसलपुरजाई ॥ जन्मतभयउँसूद्रतनुपाई ॥ शिवसेवकमनक्रमअरुबानी ॥ आनदेवनिंदकअभिमानी ॥ धनमदमत्तपरमबाचाला ॥ उग्रबुद्धिउरदंभविशाला ॥ यदपिरहेउँरघुपतिरजधानी ॥ तदपिनकछुमहिमातबजानी ॥ अबजानामैंअवधप्रभावा ॥ निगमागमपुराणअसगावा ॥ कवनहुँजन्मअवधबसजोई ॥ रामपरायणसोपरिहोई ॥ अवधप्रभावजानतबप्राणी ॥ जबउरबसहिंरामधनुपानी ॥ सोकलिकालकठिनउरगारी ॥ पापपरायणसबनरनारी ॥

॥ दोहा ॥

कलिमलग्रसेधर्मसब गुप्तभएसदग्रंथ ॥
दंभिननिजमतकल्पिकर प्रगटकीन्हबहुपंथ ॥
भयेउलोगसबमोहबश लोभग्रसेशुभकर्म ॥
सुनुहरियानज्ञाननिधि कहौंकछुकलिधर्म ॥

॥ चौपाई ॥

वर्णधर्मनहिंआश्रमचारी ॥ श्रुतिविरोधरतसबनरनारी ॥ द्विजश्रुतिवेचकभूपप्रजाशन ॥ कोउनहिंमाननिगमअनुशासन ॥ मारगसोइजाकहँजोभावा ॥ पंडितसोइजोगालबजावा ॥ मिथ्यारंभदंभरतजोई ॥ ताकहँसंतकहैसबकोई ॥

सोइसयानजोपरधनहारी॥ जोकरदंभसोबड़आचारी॥ जोकहझूठमसख
रीजाना॥ कलियुगसोइगुणवंतबखाना॥ निराचारजोश्रुतिपथत्यागी॥ कलियु
गसोइज्ञानीवैरागी॥ जाकेनखअरुजटाविशाला॥ सोइतापसप्रसिद्धकलिका
ला॥ * * * * ॥ दोहा॥ * * * * * *

॥ चौपाई॥

अशुभवेषभूषणधरैं भक्ष्याभक्ष्यजोखांहि॥
तेयोगीतेसिद्धनर पूजितकलियुगमांहि *॥

* * * * * * * * * ॥ सोरठा॥ ● ● ● ● ● ● ● ● ● ● ●

जोअपकारीचार तिन्हकरगौरवमान्यता॥
मनक्रमवचनलबार तेवक्ताकलिकालमहं॥

॥ चौपाई॥

नारिविवशनरसकलगोसांईं॥ नाचहिंनटमरकटकीनाईं॥ शूद्रद्विजहिंउ
पदेशहिंज्ञाना॥ मेलिजनेऊलेहिंकुदाना॥ सबनरकामक्रोधरतलोभी॥ देववि
प्रगुरुसन्तविरोधी॥ गुणमंदिरसुन्दरपतित्यागी॥ भजहिंनारिपरपुरुषअभा
गी॥ सौभागिनीविभूषणहीना॥ विधवनकहंशृङ्गारनवीना॥ गुरुशिषअंध
वधिरकैलेखा॥ एकनसुनैएकनहिंदेखा॥ हरैशिष्यधनशोकनहरई॥ सोगु
रुघोरनरकमहंपरई॥ मातुपिताबालकन्हबोलावहिं॥ उदरभरैसोइधर्मशि
खावहिं॥ * * * ● * ॥ दोहा॥ * * * * ● ● ● ● ● ●

ब्रह्मज्ञानबिनुनारिनर करहिंनदूसरबात॥
कौडीलागिमोहवश कहहिंविप्रगुरुघात *॥

[illegible] ॥ [illegible]

[illegible] ॥

॥चौपाई॥

परत्रियलंपटकपटसयाने॥ मोहद्रोहममतालपटाने॥ तेइअभेदवादीज्ञानीनर ॥ देखामैचरित्रकलियुगकर॥ आपुगयेअरुतिन्हहूघालहिं॥ जोकोउश्रुतिमारगप्रतिपालहिं ॥ कल्पकल्पभरिएकएकनर्का ॥ परहिंजोदूषहिंश्रुतिकरितर्का ॥ जोबर्णाधमतेलिकुम्हारा॥ स्वपचकिरातकोलकलवारा ॥ नारिमुईगृहसंपतिनाशी ॥ मूँडमुडाइभयेसन्यासी ॥ तेबिप्रनसनपांवपुजावहिं॥ उभयलोकनिजहाथनशावहिं ॥ बिप्रनिरक्षरलोलुपकामी ॥ निराचारशठवृषलीस्वामी ॥ शूद्रकरहिंजपतपव्रतनाना ॥ बैठिबरासनकहहिंपुराना ॥ सबनरकल्पितकरहिंअचारा ॥ जाइनबरणिअनीतिअपारा॥ ॥ दोहा ॥

[illegible] भयेबर्णसंकरकलिहिं भिन्नसेतुसबलोग ॥
[illegible] करहिंपापपावहिंदुख भयरुजशोकबियोग ॥
[illegible] श्रुतिसंमतहरिभक्तिपथ संयुतज्ञानबिवेक ॥
[illegible] तेहिनचलहिंनरमोहबश कल्पहिंपंथअनेक ॥

॥ छन्द ॥

बहुदामसवाँरहिंधामयती ॥ विषयाहरलीननहीविरती ॥ ॥ त
पसीधनवन्तदरिद्रगृही ॥ कलिकौतुकतातनजातकही ॥ ॥
कुलवन्तिनिकारहिंनारिसती ॥ गृहआनहिंचेरिनिवेरिगती ॥ ॥
सुतमानहिंमातुपितातौलौ ॥ अबलाननदीखनहीजौलौ ॥ ॥ स

सुरारिपियारिभईजबतें ॥ रिपुरूपकुटुंबभयेतबतें ॥ ● ॥ नृप
पापपरायणधर्मनहीं ॥ करदंडबिदंडप्रजानितहीं ॥ ● ॥ धनवंत
कुलीनमलीनअपी ॥ द्विजचिन्हजनेउउघारतपी ॥ ● ॥ नहिंमा
नपुराणहिंबेदहिंजो ॥ हरिसेवकसंतसहीकलिसो ॥ ● ॥ कविवृ
न्दउदारदुनीनसुनी ॥ गुणदूषकब्रातनकोपिगुणी ॥ ● ॥ कलि
वारहिंवारदुकालपरे ॥ विनुअन्नदुखीसबलोगमरे ॥ ● ● ● ●

* * * * * * * ॥ दोहा ॥ * * * * * * * *

सुनुखगेशकलिकपटहठ दंभद्वेषपाषंड ॥
काममोहलोभादिमद व्यापिरहेब्रह्मंड ●॥
तामसधर्मकरहिंनर जपतपमखब्रतदान ● ॥
देवनबरषैंधरणिपर बयेनजामहिंधान ● ॥

● ● ● ● ● ● ॥ छन्द ॥ *

अबलाकचभूषणभूरिक्षुधा ॥ धनहीनदुखीममताबहुधा ॥ ● ॥ सु
खचाहहिंमूढनधर्मरता ॥ मतिथोरिकठोरिनकोमलता ॥ ● ॥ न
रपीडितरोगनभोगकहीं ॥ अभिमानविरोधअकारणहीं ॥ ● ॥ ल
घुजीवनसंबतपंचदशा ॥ कल्पांतननाशगुमानअसा ॥ ● ॥ कलि
कालबेहालकियेमनुजा ॥ नहिंमानतकोउअनुजातनुजा ॥ ● ॥
नहिंतोषविचारनशीतलता ॥ सबजातिकुजातिभएमंगता ॥ ● ॥
इरिषापरुषाक्षरलोलुपता ॥ भरिपूरिरहीसमताविगता ॥ ● ॥
सबलोगवियोगविशोकहए ॥ वर्णाश्रमधर्मअचारगए ॥ ● ॥

दमदानदयानहिज्ञानपनी ॥ जडतापरिपंचनितांतघनी ॥ ● ॥
तनपोषकनारिनरासगरे ॥ परनिंदकजेजगमेंबिगरे ॥ ● ॥ ●

●●●●***●●●● ॥ दोहा ॥ ●●●●●●●●●●

सुनुब्यालारिकरालकलि मलअवगुणआगार ॥
गुणौबहुतकलियुगकर बिनुप्रयासनिस्तार ॥
कृतयुगत्रेताद्वापरहुं पूजामखअरुयोग * ॥
जोगतिहोइसोकलिहरि नामतेपावहिंलोग ॥

॥ चौपाई ॥

कृतयुगसबयोगीविज्ञानी ॥ करिहरिध्यानतरहिंभवप्राणी ॥ त्रेताविविधयज्ञनरकरहीं ॥ प्रभुहिंसमर्पिकर्मभवतरहीं ॥ द्वापरकरिरघुपतिपदपूजा ॥ नरभवतरहिंउपायनदूजा ॥ कलिकेवलहरिगुणगणगाहा ॥ गावतनरपावहिंभवथाहा ॥ कलियुगयोगयज्ञनहिज्ञाना ॥ एकअधाररामगुणगाना ॥ सबभरोसतजिजोभजरामहिं ॥ प्रेमसमेतगावगुणग्रामहिं ॥ सोभवतरकछुसंशयनाही ॥ नामप्रतापप्रगटकलिमांही ॥ कलिकरएकपुनीतप्रतापा ॥ मानसपुण्यहोइनहिंपापा ॥ ****** ॥ दोहा ॥ ****

कलियुगसमयुगआननहि जौंनरकरबिश्वास ॥
गाइरामगुणगणबिमल भवतरबिनहिप्रयास ॥
प्रगटचारिपदधर्मके कलिमहंएकप्रधान ●●● ॥
येनकेनबिधिकीन्हे दानकरैकल्यान ●●●●● ॥

॥ चौपाई ॥

कृतयुगधर्महोहिंसबकेरे॥ हृदयराममायाकेप्रेरे॥ शुद्धसत्वसमताविज्ञानी॥ कृतप्रभावप्रसन्नमनमानी॥ सत्वबहुतकछुरजरतिकर्म्मा॥ सबविधिशुभत्रेताकरधर्म्मा॥ बहुरजस्वल्पसत्वकछुतामस॥ द्वापरहर्षशोकभयमानस॥ तामसबहुतरजोगुणथोरा॥ कलिप्रभावविरोधचहुँओरा॥ बुधयुगधर्मजानिमनमाहीं॥ तजिअधर्मरतधर्मकराहीं॥ कालिअधर्मनहिंव्यापहिंताही॥ रघुपतिचरणप्रीतिअतिजाही॥ नटकृतकपटविकटखगराया॥ नटसेवकहिंनव्यापैमाया॥

॥दोहा॥

हरिमायाकृतदोषगुण बिनुहरिभजननजाहिं॥
भजियरामसबकामतजि असविचारिमनमाहिं॥
तेहिकलिकालबरषबहु बसेउँअवधबिहगेश॥
परेउदुकालविपतिवश तबमैंगयउँविदेश॥

॥चौपाई॥

गयउँउजैनसुनुउरगारी॥ दीनमलीनदरिद्रदुखारी॥ गयेंकालकछुसंपतिपाई॥ तहँपुनिकरौंशंभुसेवकाई॥ विप्रएकवैदिकशिवपूजा॥ करैसदातेहिकाजनदूजा॥ परमसाधुपरमारथविंदक॥ शंभुउपासकनहिंहरिनिंदक॥ सेवौंमैंतेहिकपटसमेता॥ द्विजदयालअतिनीतिनिकेता॥ बाहिजनम्रदेखिमोहिंसाँई॥ विप्रपढावतपुत्रकीनाई॥ शंभुमंत्रमोहिंद्विजवरदीन्हा॥ शुभउपदेशविविधविधिकीन्हा॥ जपौंमंत्रशिवमंदिरजाई॥ हृदयगर्बअहमितिअधिकाई॥

॥दोहा॥

मैंखलमलसंकुलमति नीचजातिवशमोह॥

द्विजहरिजनदेखतजरौं करौंविष्णुकरद्रोह॥

॥ सोरठा ॥

गुरुनितमोहिप्रबोधु दुखितदेखिआचरमम॥
मोहिउपजैअतिक्रोध दंभिहिनीतिकिभावई॥

॥ चौपाई ॥

एकवारगुरुलीन्हबुलाई॥ मोहिनीतिवहुभाँतिसिखाई॥ शिवसेवाकरफल सुतसोई॥ अविरलभक्तिरामपदहोई॥ रामहिंभजहिंतातशिवधाता॥ नर पामरकरकेतिकबाता॥ जासुचरणशिवअजअनुरागी॥ तासुद्रोहसुखचह सिअभागी॥ हरकहँहरिसेवकगुरुकहेऊ॥ सुनिखगनाथहृदयममदहेऊ॥ अधमजातिमैंविद्यापाये॥ भयेउँयथाअहिदूधपियाये॥ मानीकुटिलकुभाग्य कुजाती॥ गुरुकरद्रोहकरौंदिनराती॥ अतिदयालगुरुस्वल्पनक्रोधा॥ पुनिपु निमोहिसिखावसुबोधा॥ जेहितेंनीचबड़ाईपावा॥ सोप्रथमहिंहठिताहिनशा वा॥ धूमअनलसंभवसुनुभाई॥ तेहिबुझावघनपदवीपाई॥ रजमगपरैनि रादररहई॥ सबकरपदप्रहारनितसहई॥ मरुतउड़ावप्रथमसोभरई॥ पुनिनृपनयनकिरीटन्हपरई॥ सुनुखगपतिअससमुझिप्रसंगा॥ बुधनकरहिं अबुधनकरसंगा॥ कविकोविदगावहिंअसनीती॥ खलसनकलहनभलनहिंप्री ती॥ उदासीनवरुरहियगोसाँई॥ खलपरिहरियश्वानकीनाँई॥ मैंखल हृदयकपटकुटिलाई॥ गुरुहितकहैनमोहिसोहाई॥

॥ दोहा ॥

एकवारहरमंदिर जपतरहेउँशिवनाम॥

गुरुआएअभिमानतें उठिनहिंकीन्हप्रनाम॥

सोदयालनहिंकहेउकछु उरनरोषलवलेश॥

अतिअघगुरुअपमानता सहिनहिंसकेमहेश॥

॥चौपाई॥

मंदिरमांझभईनभबानी॥ रेहतभाग्यअधमअभिमानी॥ यद्यपितवगुरुकेनहिंक्रोधा॥ अतिकृपालचितसम्यकबोधा॥ तदपिश्रापदैहौंशठतोही॥ नीतिबिरोधसोहातनमोही॥ जौंनहिंकरौंदंडशठतोरा॥ भ्रष्टहोइश्रुतिमारगमोरा॥ जोशठगुरुसनईर्षाकरहीं॥ रौरवनरककोटियुगपरहीं॥ त्रिजगयोनिपुनिधरहिंशरीरा॥ अयुतजन्मभरिपावहिंपीरा॥ बैठिरहेसिअजगरइवपापी॥ होहिंसर्पखलमलमतिव्यापी॥ महाबिटपकोटरमहंजाई॥ रहुअधमाधमअधगतिपाई॥

॥दोहा॥

हाहाकारकीन्हगुरु दारुणसुनिशिवश्राप॥

कंपितमोहिबिलोकिअति उरउपजापरिताप॥

करिदंडवतसप्रेमगुरु शिवसन्मुखकरजोरि॥

बिनयकरतगद्गदगिरा समुझिघोरगतिमोरि॥

॥छन्द॥

नमामीशमीशाननिर्वाणरूपं॥ विभुंव्यापकंब्रह्मवेदस्वरूपं॥ * ॥

अजंनिर्गुणंनिर्विकल्पंनिरीहं॥ चिदाकाशमाकाशवासंभजेहं॥ * ॥

निराकारमोंकारमूलंतुरीयं॥ गिराज्ञानगोतीतमीशंगिरीशं॥ ● ॥

करालंमहाकालकालंकृपालं॥ गुणागारसंसारपारंनतोहं॥ ● ॥

तुषाराद्रिसंकाशगौरं गभीरं ॥ मनोभूतकोटिप्रभाश्रीशरीरं ॥ ● ॥
स्फुरन्मौलिकल्लोलिनी चारुगंगा ॥ लसद्भालबालेंदु कंठे भुजंगा
॥ ● ॥ चलत्कुंडलं भ्रूसुनेत्रं विशालं ॥ प्रसन्नाननं नीलकंठं दयालं
॥ ● ॥ मृगाधीशचर्माम्बरं मुंडमालं ॥ प्रियं शंकरं सर्वनाथं भजामि
॥ ● ॥ प्रचंडं प्रकृष्टं प्रगल्भं परेशं ॥ अखंडं अजं भानुकोटिप्रकाशं
॥ ● ॥ त्रयीशूलनिर्मूलनं शूलपाणिं ॥ भजेहं भवानीपतिं भावगम्यं ॥ ● ॥
कलातीतकल्याणकल्पांतकारी ॥ सदासज्जनानंददातापुरारी ॥ ● ॥
चिदानंदसंदोहमोहापहारी ॥ प्रसीद प्रसीद प्रभो मन्मथारी
॥ ● ॥ न यावद्उमानाथपादारविंदं ॥ भजंतीह लोके परे वा नराणां
॥ ● ॥ न तावत्सुखं शांति संतापनाशं ॥ प्रसीद प्रभो सर्वभूताधिवासं
॥ ● ॥ न जानामि योगं जपं नैव पूजां ॥ नतोहं सदा सर्वदा शंभु तुभ्यं
॥ ● ॥ जराजन्मदुःखौघतातप्यमानं ॥ प्रभो पाहि आपन्नमामीश शंभो

॥ दोहा ॥

सुनि बिनती सर्बग्य सिव देखि बिप्र अनुरागु ● ॥
पुनि मंदिर नभबानी भइ द्विजबर बर मागु ● ॥
जौं प्रसन्न प्रभु मो पर नाथ दीन पर नेहु ● ॥
निज पद भगति देइ प्रभु पुनि दूसर बर देहु ॥
तव माया बस जीव जड़ संतत फिरइ भुलान ● ॥
तेहि पर क्रोध न करिअ प्रभु कृपासिंधु भगवान ॥
संकर दीनदयाल अब एहि पर होहु कृपाल ॥

सापअनुग्रहहोइजेहिं नाथथोरहीकाल॥

॥ चौपाई ॥

एहिकरहोइपरमकल्याना॥ सोइकरहुअबकृपानिधाना॥ बिप्रगिरासुनिपरहितसानी॥ एवमस्तुकहिभइनभबानी॥ जदपिकीन्हयहदारुणपापा॥ मैपुनिदीन्हकोपकरिआपा॥ तदपितुम्हारिसाधुतादेखी॥ करिहौंएहिपरकृपाबिशेषी॥ छमासीलजेपरउपकारी॥ तेद्विजप्रियमोहिंयथाखरारी॥ मोरश्रापद्विजब्यर्थनहोई॥ जन्मसहसपावइयहसोई॥ जनमतमरतदुसहदुखहोई॥ एहिकहंस्वल्पनब्यापिहिसोई॥ कवनेउजन्ममिटिहिनहिंज्ञाना॥ सुनहुशूद्रममबचनप्रमाना॥ रघुपतिपुरीजन्मतवभयऊ॥ पुनितैंममसेवामनदयऊ॥ पुरीप्रभावअनुग्रहमोरे॥ रामभक्तिउपजिहिउरतोरे॥ सुनुममबचनसत्यअबभाई॥ हरितोषणब्रतद्विजसेवकाई॥ अबजनिकरसिबिप्रअपमाना॥ जानेसुसंतअनंतसमाना॥ इन्द्रकुलिशममशूलबिशाला॥ कालदंडहरिचक्रकराला॥ जोइनकरमारानहिंमरई॥ बिप्रद्रोहपावकसोजरई॥ असबिबेकराखेउमनमांही॥ तुमकहंजगदुर्लभकछुनाही॥ औरौएकआशिषामोरी॥ अप्रतिहतगतिहोइहितोरी॥ ॥ दोहा ॥

सुनिशिवबचनसप्रेमगुरु एवमस्तुइतिभाषि॥
मोहिप्रबोधिगयउगृह संभुचरणउरराखि॥
प्रेरितकालबिंध्यगिरि जाइभयउंमैंब्याल॥
पुनिप्रयाससोतनुतजेउं नाथथोरहीकाल॥
जोतनुधरौंतजौंपुनि अनायासहरिजान॥

॥१०७०॥ जिमिनूतनपटपहिरिकै नरपरिहरैपुरान॥

॥ ३५ ॥ शिवराखेउश्रुतिनीतिबिधि मैंनहिंपावकलेश॥

यहिबिधिधरेउँबिबिधतन ज्ञाननगयउखगेश॥

॥ चौपाई ॥

त्रिजगयोनिजोनरतनुधरेऊँ॥ तहँतहँरामभजिअनुसरेऊँ॥ एकशूलमोहि बिसरनकाऊ॥ गुरुकरकोमलशीलसुभाऊ॥ चर्मदेहद्विजकरमैंपाई॥ सुरदुर्लभपुराणश्रुतिगाई॥ खेलौंतहाँबालकनमीला॥ करौंसकलरघुनायकलीला॥ प्रौढभयेमोहिपितापढावा॥ समुझौंसुनौंगुनौंनहिंभावा॥ मनतेसकलबासना भागी॥ केवलरामचरणलयलागी॥ कहुखगेशअसकवनअभागी॥ खरीसेवसुरधेनुहिंत्यागी॥ प्रेममगनमोहिकछुनसोहाई॥ हारेउपितापढाइपढाई॥ भयेकालबसजबपितुमाता॥ मैंबनगयउँभजनजनत्राता॥ जहँजहँबिपिन मुनीश्वरपावौं॥ आश्रमजाइजाइशिरनावौं॥ पूछौंतिनहिरामगुणगाहा॥ कहैंसुनौंहर्षितखगनाहा॥ सुनतफिरौंहरिगुणअनुबादा॥ अब्याहतगतिशंभु प्रसादा॥ छूटीत्रिबिधईषणागाढी॥ एकलालसाउरअतिबाढी॥ रामचरणबारिजजबदेखौं॥ तबनिजजन्मसुफलकरिलेखौं॥ जेहिपूछौंसोमुनिअसकहई॥ ईश्वरसर्बभूतमयअहई॥ निर्गुणमतनहिंमोहिसोहाई॥ सगुणब्रह्म रतिउरअधिकाई॥ ॥ दोहा ॥

गुरुकेबचनसुरतिकरि रामचरणमनलाग॥

रघुपतियशगावतफिरौं छिनछिननवअनुराग॥

मेरुशिखरबटछाया मुनिलोमशआसीन॥

देखिचरनसिरनायउं बचनकहेउंअतिदीन॥
सुनिममबचनबिनीतमृदु मुनिकृपालखगराज॥
मोहिसादरबूझतभयउ द्विजआयेहुकेहिकाज॥
तबमैंकहेउंकृपानिधि तुमसर्बज्ञसुजान ** ॥
सगुनब्रह्मअवराधना मोहिकहहुभगवान * ॥

॥ चौपाई ॥

तबमुनीसरघुपतिगुनगाथा॥ कहेउकछुकसादरखगनाथा॥ ब्रह्मज्ञानरतमुनिविज्ञानी॥ मोहिपरमअधिकारीजानी॥ लागेकरनब्रह्मउपदेसा॥ अजअद्वैतअगुनहृदयेसा॥ अकलअनीहअनामअरूपा॥ अनुभवगम्यअखंडअनूपा॥ मनगोतीतअमलअविनासी॥ निर्विकारनिरवधिसुखरासी॥ सोतैंतोहिताहिनहिंभेदा॥ बारिबीचिइवगावहिंबेदा॥ बिबिधभांतिमोहिमुनिसमुझावा॥ निर्गुनमतममहृदयनआवा॥ पुनिमैंकहेउंनाइपदसीसा॥ सगुनउपासनकहहुमुनीसा॥ रामभक्तिजलममनमीना॥ किमिबिलगाइमुनीसप्रबीना॥ सोउपदेसकहहुकरिदाया॥ निजनयननिदेखौंरघुराया॥ भरिलोचनबिलोकिअवधेसा॥ तबसुनिहौंनिर्गुनउपदेसा॥ पुनिपुनिकहिहरिकथाअनूपा॥ खंडिसगुनमतअगुननिरूपा॥ तबमैंनिर्गुनमतकरिदूरी॥ सगुननिरूपौंकरिहठभूरी॥ उत्तरप्रत्युत्तरमैंदीन्हा॥ मुनितनभयउक्रोधकरचीन्हा॥ सुनुप्रभुबहुतअवज्ञाकिये॥ उपजैक्रोधज्ञानिकेहीये॥ अतिसंघर्षणकरैजोकोई॥ अनलप्रगटचंदनतेहोई॥ * * * * * * ॥ दोहा ॥ * * * * * * *

बारंबारसकोपमुनि करहिंनिरूपणज्ञान॥

मैत्रप्रतीयकर्वोठत्यन करैविविधग्रनुनातात ||
नोधकिहैतमुखिविनु हैतविविनुअन्नात ||
मायावशपरिधीयअव जीवकिई ध्रमान ||

|| चौपाई ||

कबहुँकदुखसबकरहितताके || तेहिकिकरहिंभ्रपरसमतिजाके || कामीपुनिकि रहैनिकलंका || परद्रोहीकिहोइनिसंका || बंसकिरहद्विजअनहितकीन्हे || कर्मकिहोहिंसरूपहिचीन्हे || काउहिसुमतिकिखलसंगजानी || सुभगतिपाव किपरतियगामी || भवकिपरहिंपरमातमविंदक || सुखीकिहोहिंकबहुंहरिनिंदक || पावनय शकिपुण्यविनुहोई || विनुअघअयशकिपावैकोई || लाभकिमकछुहरिभक्तिसमा ना || जेहिगावहिंश्रुतिसंतपुराना || हानिकिजगएहिसमकछुभाई || भजियनरतनुपाई || अघकिहोहिंनामसमआना || धर्मकिदयासरिसहरि जाना || यहिविधिअमितयुक्तिमनगुनेउं || मुनिउपदेशनसादरसुनेउं || पु निपुनिसगुणपक्षमैरोपा || तबमुनिबोलेबचनसकोपा || मूढपरमसिखदेउंनमा नेसि || उत्तरप्रत्युत्तरबहुआनेसि || सत्यवचनविश्वासनकरहीं || वायसइ वसबहीसनडरहीं || शठस्वपक्षतवहृदयविशाला || सपदिहोहिंपक्षीचंडाला || लीन्हआपमैशीसचढाई || नहिंकछुभयनदीनताआई || ● * * * * * ●

दोहा ||

सुनितभयेउंमैकागतव पुनिमुनिपदसिरनाइ ||
सुमिरिरामरघुवंशमणि हर्षितचलेउंउडाइ ||

उमाजोरामचरणरत बिगतकाममदक्रोध॥

निजप्रभुमयदेखहिंजगत कासनकरहिंबिरोध॥

॥ चौपाई ॥

सुनुखगेशनहिकछुऋषिदूषण॥ उरप्रेरकरघुबंशविभूषण॥ कृपासिंधुमुनि मतिकरिभोरी॥ लीन्हीप्रेमपरीक्षामोरी॥ मनक्रमबचनमोहिनिजजाना॥ मुनि मतिपुनिफेरीभगवाना॥ ऋषिममसहनशीलतादेखी॥ रामचरणविश्वासविशेषी॥ अतिबिस्मयपुनिपुनिपछिताई॥ सादरमुनिमोहिलीन्हबुलाई॥ ममपरितोषविविधविधिकीन्हा॥ हर्षितराममंत्रमोहिदीन्हा॥ बालकरूपरामकरध्याना॥ कहेउमोहिमुनिकृपानिधाना॥ सुन्दरसुखदमोहिअतिभावा॥ सोप्रथमहिंमैं तुमहिंसुनावा॥ मुनिमोहिकछुककालतहँराखा॥ रामचरितमानसतबभाषा॥ सादरकह्योमोहियहकथासुनाई॥ पुनिबोलेमुनिगिरासुहाई॥ रामचरितसरगुप्त सुहावा॥ शंभुप्रसादतातमैंपावा॥ तोहिनिजभक्तरामकरजानी॥ तातेमैंसब कहेउँबखानी॥ रामभक्तिजिनकेउरनाही॥ कबहुँनतातकहियतिनपाही॥ मुनिमोहिविविधभाँतिसमुझावा॥ मैंसप्रेममुनिपदसिरनावा॥ निजकरकमलपरशिममसीसा॥ हर्षितआशिषदीन्हमुनीसा॥ रामभक्तिअविरलउरतोरे॥ बसिहिसदाप्रसादअबमोरे॥ ॥ दोहा ॥

सदारामप्रियहोहुतुम शुभगुणभवनअमान॥

कामरूपइच्छामरण ज्ञानविरागनिधान॥

जेहिआश्रमतुमबसबपुनि सुमिरतश्रीभगवंत॥

व्यापिहितहँनअविद्या योजनएकप्रयंत॥

॥ चौपाई ॥

कालकर्मगुणदोषसुभाऊ॥ कछुदुखतुमहिनव्यापिहिकाऊ॥ रामरहस्यल लितविधिनाना॥ गुप्तप्रगटइतिहासपुराना॥ विनुश्रमतुमसवजानवसोऊ॥ नि तिनवप्रेमरामपदहोऊ॥ जोइच्छाकरिहौमनमांही॥ हरिप्रसादकछुदुर्लभ नाही॥ सुनिमुनिआशिषसुनुमतिधीरा॥ ब्रह्मगिराभइगगनगंभीरा॥ एवम स्तुतववचमुनिज्ञानी॥ यहममभक्तकर्ममनवानी॥ सुनिनभगिराहर्षमनभय ऊ॥ प्रेममगनसवसंशयगयऊ॥ करिविनतीमुनिआयसुपाई॥ पदसरोज पुनिपुनिशिरनाई॥ हर्षसहितएहिआश्रमआयऊं॥ प्रभुप्रसाददुर्लभवरपा यऊं॥ इहांवसतमोहिसुनुखगईशा॥ वीतेकल्पसातअरुवीशा॥ करौंसदार घुपतिगुणगाना॥ सादरसुनहिंविहंगसुजाना॥ जवजवअवधपुरीरघुवी र॥ धरहिंभक्तहितमनुजशरीर॥ तवतवजाइअवधपुररहऊं॥ शिशुली लाविलोकिसुखलहऊं॥ पुनिउररखिरामशिशुरूपा॥ एहिआश्रमआवौंखग भूपा॥ कथासकलमैंतुमहिसुनाई॥ कागदेहजेहिकारणपाई॥ कहेउंतातस वप्रश्नतुम्हारी॥ रामभक्तिमहिमाअतिभारी॥ *—*॥ दोहा ॥*—**

तातेंयहतनमोहिप्रिय भयेउरामपदनेह॥
निजप्रभुदर्शनपायउं गयउसकलसंदेह॥
भक्तिपक्षहठकरिरहेउं दीन्हमहाऋषिशाप॥
मुनिदुर्लभवरपायउं देखहुभजनप्रताप*॥

॥ चौपाई ॥

जोअसभक्तिजानिपरिहरहीं॥ केवलज्ञानहेतुश्रमकरहीं॥ तेजडकामधेनु

गृहत्यागी॥ खोजतब्रह्मफिरहिंपयलागी॥ सुनुखगेशहरिभक्तिबिहाई॥ जोसुखचाहहिंआनउपाई॥ तेशठमहासिंधुबिनुतरणी॥ पैरिपारचाहहिंजड़करणी॥ सुनिभुशुण्डकेबचनभवानी॥ बोलेउगरुडहर्षिमृदुबानी॥ तवप्रसादप्रभुममउरमांही॥ संशयशोकमोहभ्रमनाही॥ सुनेउंपुनीतरामगुणग्रामा॥ तुम्हरीकृपालहेउंबिश्रामा॥ एकबातप्रभुपूछौंतोही॥ कहहुबुझाइकृपानिधिमोही॥ कहहिंसन्तमुनिबेदपुराणा॥ नहिंकछुदुर्लभज्ञानसमाना॥ सोमुनितुमसनकहेउगोसांई॥ नहिंआदरेउभक्तिकीनांई॥ ज्ञानहिंभक्तिहिंअन्तरकेता॥ सकलकहहुप्रभुकृपानिकेता॥ सुनिउरगारिबचनसुखमाना॥ सादरबोलेउकागसुजाना॥ ज्ञानहिंभक्तिहिंनहिंकछुभेदा॥ उभयहरहिंभवसंभवखेदा॥ नाथमुनीशकहहिंकछुअन्तर॥ सावधानहोइसुनहुबिहगबर॥ ज्ञानबिरागयोगबिज्ञाना॥ येसबपुरुषसुनहुहरिजाना॥

॥ दोहा॥

पुरुषत्यागिसकनारिहिं जोबिरक्तमतिधीर॥
नहिंतोकामीबिषयबश बिमुखजोपदरघुबीर॥

॥ सोरठा॥

जोमुनिज्ञाननिधान मृगनयनीबिधुमुखनिरखि॥
बिकलहोहिंहरिजान नारिबिषममायाप्रबल॥

॥ चौपाई॥

इहांनपक्षपातकछुराखौं॥ बेदपुराणसंतमतभाखौं॥ मोहननारिनारिकेरूपा॥ पन्नगारियहनीतिअनूपा॥ मायाभक्तिसुनहुप्रभुदोऊ॥ नारिवर्गजानैसब

कोऊ ॥ पुनिरघुवीरहिंभगतिपियारी ॥ मायाखलनर्तकीविचारी ॥ भगतिहिंसा
नुकूलरघुराया ॥ तातेतेहिडरपतिअतिमाया ॥ रामभगतिनिरुपमनिरुपाधी ॥
बसैजासुउरसदाअबाधी ॥ तेहिबिलोकिमायासकुचाई ॥ करिनसकैकछुनि
जप्रभुताई ॥ असविचारिजेमुनिविज्ञानी ॥ जाचहिंभगतिसकलगुनखानी ॥

॥ दोहा ॥

यहरहस्यरघुनाथकर बेगिनजानैकोइ ॥
जानेतेरघुपतिकृपा सपनेहुंमोहनहोइ ॥
औरोज्ञानभगतिकर भेदसुनहुसुप्रबीन ॥
जोसुनिहोइरामपद प्रीतिसदाअबिछीन ॥

॥ चौपाई ॥

सुनहुतातयहअकथकहानी ॥ समुझतबनैनजाइबखानी ॥ ईश्वरअंसजीवअ
विनासी ॥ चेतनअमलसहजसुखरासी ॥ सोमायावसभयउगोसाईं ॥ बंध्योकी
रमरकटकीनाईं ॥ जडचेतनहिंग्रंथिपरिगई ॥ जदपिमृषाछूटतकठिनई ॥
तबतेंजीवभयोसंसारी ॥ ग्रंथिनछूटनहोइसुखारी ॥ श्रुतिपुरानबहुकहेउउ
पाई ॥ छूटनअधिकअधिकअरुझाई ॥ जीवहृदयतममोहविसेषी ॥ ग्रंथि
छूटकिमिपरैनदेखी ॥ अससंयोगईसजबकरई ॥ तबहुंकदाचितसोनिरुअर
ई ॥ सात्विकश्रद्धाधेनुसुहाई ॥ जौंहरिकृपाहृदयबसआई ॥ जपतपसंयम
नियमअपार ॥ जोश्रुतिकहैसुधर्मअचार ॥ येतृणहरितचरैजबगाई ॥ भाव
बच्छसिसुपाइपेन्हाई ॥ नोइनिवृत्तिपात्रविस्वासा ॥ निर्मलमनअहीरनिजदा
सा ॥ परमधर्ममयपयदुहिभाई ॥ अवटैअनलअकामबनाई ॥ तोषमरुततब

छमाजुड़ावै॥ धृतिसमजावनदेइजमावै॥ मुदितामथैविचारमथानी॥ दमअधाररजुसत्यसुबानी॥ तबमथिकाढ़िलेइनवनीता॥ बिमलबिरागसुभगसुपुनीता॥ *** दोहा ***

जोगअगिनिकरिप्रगटतब कर्मसुभासुभलाइ॥
बुद्धिसिरावैज्ञानघृत ममतामलजरिजाइ॥
तबबिज्ञानरूपिनी बुद्धिबिसदघृतपाइ॥
चित्तदियाभरिधरैदृढ़ समतादिअटिबनाइ॥
तीनिअवस्थातीनिगुन तेहिकपासतेंकाढ़ि॥
तूलतुरीयसँवारिपुनि बातीकरैसुगाढ़ि॥

******* सोरठा *******

एहिबिधिलेसैदीप तेजरासिबिज्ञानमय॥
जातहिंजासुसमीप जरहिंमदादिकसलभसब॥

॥ चौपाई॥

सोहमस्मिइतिबृत्तिअखंडा॥ दीपसिखासोइपरमप्रचंडा॥ आतमअनुभवसुखसुप्रकासा॥ तबभवमूलभेदभ्रमनासा॥ प्रबलअबिद्याकरपरिवारा॥ मोहआदितममिटैअपारा॥ तबसोइबुद्धिपाइउँजिआरी॥ उरगृहबैठिग्रंथिनिरुआरी॥ छोरनग्रंथिपावजवसोई॥ तबयहजीवकृतारथहोई॥ छोरतग्रंथिजानिखगराया॥ बिघ्नअनेककरहिंतबमाया॥ रिद्धिसिद्धिप्रेरैबहुभाई॥ बुद्धिहिंलोभदेखावैआई॥ कलबलछलकरिजाइसमीपा॥ अंचलबातबुझावैदीपा॥ होइबुद्धिजौंपरमसयानी॥ तिन्हतनचितवनअनहितजानी॥ जौंतेहिबिघ्नबु

बिघ्नहिंबाधी ॥ तौबहोरिसुरकरहिंउपाधी ॥ इंद्रीद्वारझरोखानानातहँत
हँसुरबैठेकरिथाना ॥ आवतदेखहिंबिषयबयारी ॥ तेहठिदेहिंकपाटउघारी
॥ जबसोप्रभंजनउरगृहजाई ॥ तबहिंदीपबिज्ञानबुझाई ॥ ग्रंथिनछूटिमि
टासोप्रकासा ॥ बुद्धिबिकलभइबिषयबतासा ॥ इंद्रिन्हसुरन्हनज्ञानसुहाई ॥ बि
षयभोगपरप्रीतिसदाई ॥ बिषयसमीरबुद्धिकृतभोरी ॥ तेहिबिधिदीपकोले
सुबहोरी ॥ * * ॥ दोहा ॥ * * * *

तबफिरिजीवबिबिधिबिधि पावैसंसृतिक्लेस ॥
हरिमायाअतिदुस्तर तरिनजाइबिहगेस ॥
कहतकठिनसमुझतकठिन साधतकठिनबिबेक ॥
होइघुनाक्षरन्यायजौं पुनिप्रत्यूहअनेक ॥ *
॥ * * ॥ चौपाई ॥

ज्ञानकपंथकृपानकैधारा ॥ परतखगेसहोइनहिंबारा ॥ जोनिर्बिघ्नपंथनिर्बहई ॥
सोकैवल्यपरमपदलहई ॥ अतिदुर्लभकैवल्यपरमपद ॥ सन्तपुराननिगमआ
गमबद ॥ रामभजतसोइमुकुतिगोसाईं ॥ अनइच्छितआवैबरिआई ॥ जिमिथलबि
नुजलरहिनसकाई ॥ कोटिभाँतिकोउकरैउपाई ॥ तथामोक्षसुखसुनुखगरा
ई ॥ रहिनसकैहरिभक्तिबिहाई ॥ असबिचारिहरिभक्तसयाने ॥ मुक्तिनिराद
रिभक्तिलुभाने ॥ भक्तिकरतबिनुजतनप्रयासा ॥ संसृतिमूलअबिद्यानासा ॥ भो
जनकरियतृपितिहितलागी ॥ जिमिसोअसनपचवैजठरागी ॥ असहरिभक्तिसुगम
सुखदाई ॥ कोअसमूढनजाहिसुहाई ॥ * * ॥ दोहा ॥ * ● ●
सेवकसेव्यभावबिनु भवनतरैउरगारि ● ॥

भजहुरामपदपंकज असिसिद्धांतविचारि ॥
जीचेतनकहंजडकरै जडकहंकरैचैतन्य ॥
असमर्थरघुनायकहिं भजहिंजीवतेधन्य ॥

॥ चौपाई ॥

कहेउंज्ञानसिद्धांतबुझाई ॥ सुनहुभक्तिमणिकीप्रभुताई ॥ रामभक्तिचिन्तामणिसुन्दर ॥ वसैगरुडजाकेउरअन्तर ॥ परमप्रकाशरूपदिनराती ॥ नहिंकछुचहियदियाघृतबाती ॥ मोहदरिद्रनिकटनहिआवा ॥ लोभवातनहितांहिबुझावा ॥ प्रबलअविद्यातमभिटिजाई ॥ हारहिंसकलशलभसमुदाई ॥ खलकामादिनिकटनहिंजाहीं ॥ वसैभक्तिमणिजेहिउरमांही ॥ गरलसुधासमअरिहितहोई ॥ तेहिमणिबिनुसुखपावनकोई ॥ व्यापहिमानसरोगनभारी ॥ जेहिकेवशसवजीवदुखारी ॥ रामभक्तिमणिउरवसजाके ॥ दुखलवलेशनसपनेहुताके ॥ चतुरशिरोमणितेजगमाहीं ॥ जोमणिलागिसुयतनकराहीं ॥ सोमणियदपिप्रगटजगअहई ॥ रामकृपाबिनुकोउनलहई ॥ सुगमउपायपाइवेकेरा ॥ नरहतभाग्यदेतभटभेरा ॥ पावनपर्वतवेदपुराना ॥ रामकथारुचिराकरनाना ॥ मर्मीसज्जनसुमतिकुदारी ॥ ज्ञानविरागनयनउरगारी ॥ भावसहितखोजैजोप्रानी ॥ पावभक्तिमणिसबसुखखानी ॥ मोरेमनप्रभुअसविश्वासा ॥ रामतेअधिकरामकरदासा ॥ रामसिंधुघनसज्जनधीरा ॥ चंदनतरुहरिसंतसमीरा ॥ सबकरफलहरिभक्तिसुहाई ॥ सोबिनुसंतनकाहुपाई ॥ असविचारिजोकरुसतसंगा ॥ रामभक्तितेहिसुलभबिहंगा ॥ ***

****** ॥ दोहा ॥ *****

ब्रह्मपयोनिधिमंदर ज्ञानसंतसुरआहिं॥

कथासुधामथिकाढहीं भक्तिमधुरताजाहिं॥

बिरतिचर्मअसिज्ञानमद लोभमोहरिपुमारि॥

जयपाइयसोहरिभगत देखुखगेशबिचारि॥

॥ चौपाई ॥

पुनिसप्रेमबोलेउखगराऊ॥ जौंकृपालमोहिऊपरभाऊ॥ नाथमोहिनिजसेवकजानी॥ सप्तप्रश्नमोहिकहहुबखानी॥ प्रथमहिंकहहुनाथमतिधीरा॥ सबतेंदुर्लभकवनशरीरा॥ बड़दुखकवनकवनसुखभारी॥ सोउसंक्षेपहिंकहहुबिचारी॥ संतअसंतमर्मतुमजानहु॥ तिन्हकरसहजसुभावबखानहु॥ कवनपुण्यश्रुतिबिदितबिशाला॥ कहहुकवनअघपरमकराला॥ मानसरोगकहहुसमुझाई॥ तुमसर्वज्ञकृपाअधिकाई॥ तातसुनहुसादरअतिप्रीती॥ मैंसंक्षेपकहौंयहनीती॥ नरतनसमनहिंकवनिउदेही॥ जीवचराचरयाचतजेही॥ नरकस्वर्गअपवर्गनिशेनी॥ ज्ञानबिरागभक्तिसुखदेनी॥ सोतनुधरिहरिभजहिंनजेनर॥ होइबिषयरतमंदमंदतर॥ कंचनकांचबदलेसठलेहीं॥ करतेंडारिपरसमणिदेहीं॥ नहिंदरिद्रसमदुखजगमाहीं॥ सन्तमिलनसमसुखजगनाहीं॥ परउपकारबचनमनकाया॥ सन्तसहजसुभावखगराया॥ सन्तसहहिंदुखपरहितलागी॥ परदुखहेतुअसन्तअभागी॥ भूर्जतरुसमसन्तकृपाला॥ परहितसहतिनितबिपतिबिशाला॥ सनइवखलपरबंधनकरई॥ खालकढाइबिपतिसहिमरई॥ खलबिनुस्वारथपरअपकारी॥ अहिमूषकइवसुनुउरगारी॥ परसंपदाबिनाशिनशाहीं॥ जिमिशशिहतिहिमउपलबिलाहीं॥ दुष्ट

उदयजगआरतिहेतू॥ यथाप्रसिद्धअधमग्रहकेतू॥ सन्तउदयसन्ततसुख
कारी॥ विश्वसुखदजिमिइंदुतमारी॥ परमधर्मश्रुतिविदितअहिंसा॥ परनिंदा
समअघनगिरीसा॥ हरिगुरुनिंदकदादुरहोई॥ जन्मसहस्रपावतनसोई
॥ द्विजनिंदकबहुनरकभोगकरि॥ जगजनमैवायसशरीरधरि॥ सुरश्रुति
निंदकजोअभिमानी॥ रौरवनरकपरहिंसोप्रानी॥ होहिंउलूकसन्तनिंदार
त॥ मोहनिशाप्रियज्ञानभानुगत॥ सबकैनिंदाजोजडकरहीं॥ तेचमगादुर
होइअवतरहीं॥ सुनहुतातअबमानसरोगा॥ जेहितेंदुखपावहिंसबलोगा॥ मो
हसकलव्याधिनकरमूला॥ तेहितेंपुनिउपजहिंबहुशूला॥ कामवातकफलोभ
अपारा॥ क्रोधपित्तनितछातीजारा॥ प्रीतिकरहिंजौंतीनौभाई॥ उपजैसन्निपा
तदुखदाई॥ विषयमनोरथदुर्गमनाना॥ तेसबशूलनामकोजाना॥ ममता
दादुकंडुइरिषाई॥ हर्षविषादगरहबहुताई॥ परसुखदेखिजरनिसोइछ
ई॥ कुष्टदुष्टतामनकुटिलई॥ अहंकारअतिदुखदडमरुआ॥ दंभकपटमद
माननहरुआ॥ तृष्णाउदरवृद्धिअतिभारी॥ त्रिविधईषणातरुणतिजारी॥
युगविधज्वरमत्सरअविवेका॥ कहंलगिकहौंकुरोगअनेका॥ * * ● * * *
* * * * * ॥ दोहा ॥ * * * * * *

एकव्याधिवशनरमरहिं येअसाध्यबहुव्याधि॥
संततपीडहिंजीवकहं सोकिमिलहहिंसमाधि॥
नेमधर्मआचारतप ज्ञानयज्ञजपदान * * * ॥
भेषजपुनिकोटिनकरहिं रुजनजाहिंहरियान॥

॥ चौपाई ॥

यहिबिधिसकलजीवजगरोगी॥ सोकहरषभयप्रीतिबियोगी॥ मानसरोगकछुकमैंगाए॥ हैंसबकेंलखिबिरलेन्हपाए॥ जानेतेंछीजहिंकछुपापी॥ नासनपावहिंजनपरितापी॥ बिषयकुपथ्यपाइअंकुरे॥ मुनिहुहृदयकानरबापुरे॥ रामकृपानासहिंसबरोगा॥ जौंयहिभांतिबनैसंयोगा॥ सद्गुरबैद्यबचनबिस्वासा॥ संयमयहनबिषयकैआसा॥ रघुपतिभक्तिसजीवनमूरी॥ अनूपानश्रद्धामतिपूरी॥ यहिबिधिभलेहिंसोरोगनसाहीं॥ नाहिंतयतनकोटिनहिंजाहीं॥ जानियतबमनबिरुजगोसांई॥ जबउरबलबिरागअधिकाई॥ सुमतिछुधाबाढ़ैनितनई॥ बिषयआसदुर्बलतागई॥ बिमलज्ञानजलपाइअन्हाई॥ तबरहरामभक्तिउरछाई॥ सिवअजसुकसनकादिकनारद॥ जेमुनिब्रह्मबिचारबिसारद॥ सबकरमतखगनायकएहा॥ करियरामपदपंकजनेहा॥ श्रुतिपुरानसदग्रंथकहाहीं॥ रघुपतिभक्तिबिनासुखनाहीं॥ कमठपीठजामहिंबरुबारा॥ बंध्यासुतबरुकाहुहिमारा॥ फूलहिंनभबरुबहुबिधिफूला॥ जीवनलहसुखहरिप्रतिकूला॥ तृषाजाइबरुमृगजलपाना॥ बरुजामहिंसससीसबिषाना॥ अंधकारबरुरबिहिंनसावै॥ रामबिमुखसुखजीवनपावै॥ हिमतेंअनलप्रगटबरुहोई॥ बिमुखरामसुखपावनकोई॥ *—*—* ॥दोहा॥ *—*—*—*—*

बारिमथेबरुहोइघृत सिकतातेंबरुतेल * *॥
बिनुहरिभजननभवतरिय यहसिद्धांतअपेल *॥
मशकहिंकरहिंबिरंचिप्रभु अजहिंमशकतेंहीन॥
असबिचारितजिसंशय रामहिंभजहिंप्रबीन *॥

॥ चौपाई ॥

कहेउंनाथहरिचरित्रअनूपा ॥ व्याससमासस्वमतिअनुरूपा ॥ श्रुतिसिद्धांतइहै उरगारी ॥ रामभजियसबकामबिसारी ॥ प्रभुरघुपतितजिसेइयकाही ॥ मोसे शठपरममताजाही ॥ तुम्हबिज्ञानरूपनहिंमोहा ॥ नाथकीन्हमोपरअतिछोहा ॥ पूछेउरामकथाअतिपावनि ॥ शुकसनकादिशंभुमनभावनि ॥ सतसंगतिदु र्लभसंसारा ॥ निमिषदंडभरिएकौबारा ॥ देखुगरुडनिजहृदयबिचारी ॥ मैं रघुबीरभजनअधिकारी ॥ शकुनाधमसबभांतिअपावन ॥ प्रभुमोहिकीन्हबिदितजग पावन ॥ ॥ दोहा ॥

आजुधन्यमैंधन्यअति यद्यपिसबबिधिहीन ॥
निजजनजानिराममोहि संतसमागमदीन्ह ॥
नाथयथामतिभाषेउं राखेउंनहिंकछुगोइ ॥
चरितसिंधुरघुनायकै थाहकिपावैकोइ ॥

॥ चौपाई ॥

सुमिरिरामकेगुणगणनाना ॥ पुनिपुनिहर्षभुशुंडसुजाना ॥ महिमानिगमने तिकरिगाई ॥ अतुलितबलप्रतापप्रभुताई ॥ शिवअजपूज्यचरणरघुराई ॥ मोपरकृपापरममृदुलाई ॥ असस्वभावकहुंसुनौंनदेखौं ॥ केहिखगेशरघुप तिसमलेखौं ॥ साधकसिद्धबिमुक्तउदासी ॥ कविकोविदकृतज्ञसन्यासी ॥ यो गीसुरसुतापसज्ञानी ॥ धर्मनिरतपंडितविज्ञानी ॥ तरहिंनबिनुसेयेंममस्वा मी ॥ रामनमामिनमामिनमामी ॥ शरणगयेंमोसेअघराशी ॥ भयेसिद्धनमामि अबिनाशी ॥ ॥ दोहा ॥

जासुनामभवभेषज हरणघोरत्रयशूल ॥

सोउपायमोहिनौमिलिमग कृपारघुबरहिं अनुकूल॥

सुनिभुसुंडकेबचनबर देखिरामपदनेह ॥

बोलेप्रेमसहितगिरा गरुड़बिगतसंदेह ॥

॥ चौपाई ॥

मैंकृतकृत्यभयउँतवबानी ॥ सुनिरघुबीरभगतिरससानी ॥ रामचरननूतनरति भई ॥ मायाजनितबिपतिसबगई ॥ मोहजलधिबोहितुम्हभयऊ ॥ मोकहँनाथबिबिधसुखदयऊ ॥ मोपहिंहोइनप्रतिउपकारा ॥ बंदौंतवपदबारहिंबारा ॥ पूरनकामरामअनुरागी ॥ तुम्हसमतातनकोउबड़भागी ॥ संतबिटपसरितागिरिधरनी ॥ परहितहेतुसबन्हकैकरनी ॥ संतहृदयनवनीतसमाना ॥ कहाकबिनपैकहैनजाना ॥ निजपरितापद्रवैनवनीता ॥ परदुखद्रवहिंसन्तसुपुनीता ॥ जीवनजन्मसुफलममभयऊ ॥ तवप्रसादसबसंसयगयऊ ॥ जानेहुमोहिसदानिजकिंकर ॥ पुनिपुनिउमाकहैबिहंगबर ॥ * * * *

॥ दोहा ॥

तासुचरनसिरनाइकरि प्रेमसहितमतिधीर ॥

गरुडगयउबैकुण्ठतब हृदयराखिरघुबीर ॥

गिरिजासंतसमागम समनलाभकछुआन ॥

बिनुहरिकृपासोहोइनहि गावहिंबेदपुरान ॥

॥ चौपाई ॥

कहेउँपरमपुनीतइतिहासा ॥ सुनतश्रवणछूटहिंभवफांसा ॥ प्रनतकल्पतरु करुणापुञ्जा ॥ उपजैप्रीतिरामपदकञ्जा ॥ मनबचकर्मजनितअघजाई ॥ सु

नैजोकथाश्रवणमनलाई ॥ तीर्थरटनसाधनसमुदाई ॥ योगविरागज्ञाननिपु

नाई ॥ नानाकर्मधर्मव्रतदाना ॥ संयमनियमयज्ञजपनाना ॥ भूतदयाद्विज

पदसेवकाई ॥ विद्याविनयविवेकवड़ाई ॥ जहंलगिसाधनवेदवखानी ॥ स

वकरफलहरिभक्तिभवानी ॥ सोइरघुनाथभक्तिश्रुतिगाई ॥ रामकृपाकाहूएक

पाई ॥ **~*~*~* ॥ दोहा ॥ *~*~*~*~*

मुनिदुर्लभहरिभक्तिनर पावहिंविनहिंप्रयास ॥

जोयहकथानिरंतर सुनहिंमानिविश्वास ** ॥

॥ चौपाई ॥

सोइसर्वज्ञगुणीसोइज्ञाता ॥ सोइमहिमंडलपंडितदाता ॥ धर्मपरायणसोइकु

लत्राता ॥ रामचरणजाकरमनराता ॥ नीतिनिपुनसोइपरमसयाना ॥ श्रुतिसिद्धां

तनीकतेंइजाना ॥ सोइकविकोविदसोइरणधीरा ॥ जोछलछांडिभजैरघुबी

रा ॥ धन्यनारिपतिव्रतअनुसरी ॥ धन्यसोदेशजहांसुरसरी ॥ धन्यसोभूपनीति

जोकरई ॥ धन्यसोद्विजनिजधर्मनटरई ॥ सोधनधन्यप्रथमगतिजाकी ॥ ध

न्यपुण्यरतमतिसोइपाकी ॥ धन्यघरीसोइजबसतसंगा ॥ धन्यजन्मद्विजभ

क्तिअभंगा ॥ *~*~*~* ॥ दोहा ॥ *~*~*~*~*

सोकुलधन्यउमासुनु जगतपूज्यसुपुनीत ॥

श्रीरघुवीरपरायण जेहिकुलउपजुविनीत ॥

॥ चौपाई ॥

मतिअनुरूपकथामैभाषी ॥ यद्यपिप्रथमगुप्तकरिराखी ॥ तवमनप्रीतिदेखिअ

धिकाई ॥ तबमैंरघुपतिकथासुनाई ॥ यहनकहियशठहींहठशीलहिं ॥ जो

मनलाइ बरनुहरिलीलाहिं ॥ कहियनलोभिहिंक्रोधिहिकामिहिं ॥ जोनभजैसचराचरस्वामिहिं ॥ द्विजद्रोहिहिंनसुनाइयकबहूं ॥ सुरपतिसरिसहोइनृपजबहूं ॥ रामकथाकेतेअधिकारी ॥जिनकेसतसंगतिअतिप्यारी ॥ गुरुपदप्रीतिनीतिरतजोई ॥ द्विजसेवकअधिकारीसोई ॥ ताकहंयहबिशेषसुखदाई ॥जाहिपरमप्रियश्रीरघुराई ॥ ॥दोहा॥

रामचरनरतिजोचहै अथवापदनिर्बान * ॥
भावसहितसोयहकथा करैश्रवनपुटपान॥

॥ चौपाई ॥

रामकथागिरिजामैंबरनी ॥ कलिमलशमनमनोमलहरनी॥ संसृतिरोगसजीवनमूरी ॥ रामकथागावहिंश्रुतिसूरी॥ यहमहंरुचिरसप्तसोपाना ॥ रघुपतिभक्तिकेरपथनाना॥ अतिहरिकृपाजाहिपरहोई ॥ पांवदेइयहमारगसोई ॥ मनकामनासिद्धनरपावै ॥ जोयहकथाकपटतजिगावै॥ कहहिंसुनहिंअनुमोदनकरहीं ॥ तेगोःपदइवभवनिधितरहीं ॥ सुनिशुभकथाहृदयअतिभाई ॥ गिरिजाबोलीगिरासुहाई ॥ नाथकृपाममगतसंदेहा ॥ रामचरणउपजानवनेहा ॥ ॥दोहा ॥

मैंकृतकृत्यभयिउंअब तवप्रसादबिश्वेश॥
उपजीरामभक्तिदृढ़ बीतेसकलकलेश ॥

॥ चौपाई ॥

यहशुभशंभुउमासंबादा॥ सुखदसदाअरुशमनबिषादा॥ भवभंजनगंजनसंदेहा ॥ जनरंजनसज्जनप्रियएहा॥ रामउपासकजेजगमांही॥ यहसमप्रि

यतिन्नकहंककुनाही ॥ रघुपतिरूपायथामतिगाव ॥ मैयहपावनचरितसुहा वा ॥ एहिकलिकालनसाधनदूजा ॥ योगयज्ञजपतपब्रतपूजा ॥ रामहिंसुमि रियगाइयरामहिं ॥ सन्ततसुनियरामगुणग्रामहिं ॥ जासुपतितपावनजगबाना ॥ गावहिंकविश्रुतिसन्तपुराणा ॥ ताहिभजियतजिमनकुटिलाई ॥ रामभजेंग तिकेनहिंपाई ॥ ** ॥ छन्द ॥ *

पाईनगतिकेंइपतितपावनरामभजुसुनुशठमना ॥ ॥ गणिका अजामिलगृध्रव्याधगजादिखलतारेघना ॥ * ॥ आभीरजव नकिरातखसश्वपचादिअतिअघरूपजे ॥ * ॥ कहिनामबारेकतेपि पावनहोतरामनमामिते ॥ ॥ रघुवंशभूषणचरितयहनरकह हिंसुनहिंजेगावहीं ॥ * ॥ कलिमलमनोमलधोइबिनुश्रमराम धामसिधावहीं ॥ * ॥ शतपंचचौपाईमनोहरजानिजोनरउरधरैं ॥ * ॥ दारुणअविद्यापंचजनितविकाररघुपतिहरैं ॥ ॥ सुं दरसुजानकृपानिधानअनाथपरकरप्रीतिजो ॥ * ॥ सोएकराम अकामहितनिर्वाणप्रदसमआनको ॥ * ॥ जाकीकृपालवलेशतेमति मन्दतुलसीदासहूं ॥ * ॥ पायोपरमविश्रामरामसमानप्रभुनाहीक हूं ॥ *** ॥ दोहा ॥ ******

मोसमदीननदीनहित तुमसमानरघुबीर ** ॥
असविचारिरघुवंशमणि हरहुविषमभवभीर ** ॥
कामिहिंनारिपियारिजिमि लोभिहिंप्रियजिमिदाम ॥
ऐसेहोइकेबागहू तुलसीकेमनराम ** ॥ १२७ ॥

॥ इतिश्रीरामचरितमानसेसकलकलिकलुषविध्वंसनेविमलवैराग्यसम्पादिनोनाम सप्तमः सोपानः समाप्तः ॥ शुभमस्तु ॥ सिद्धिरस्तु ॥ श्रीराम श्रीराम श्रीराम ॥

*** ॥ अथबालकांडशुद्धिपत्र ॥ ***

पत्र	पृष्ठ	पंक्ति	अशुद्ध	शुद्ध
५	२	१४	कह	कहहु
७	२	८	दुख	सुख
८	२	११	दोईम	द्वोईम
१६	२	१३	कलिकाल	कलिकालि
१७	१	१५	दोभाई	द्वोभाई
२०	१	१५	दूसह	दुसह
२७	२	१६	निजनयन	निजनयनन
२८	१	११	मुनिश	मुनीश
२८	२	१४	अनरूपा	अनुरूपा
३७	१	३	प्रहला	प्रहल्हाद
३८	१	६	संधि	सुगंधि
४७	१	१५	सुनि	सुनु
५०	१	२०	भयेउविवि	भयेउवि
६८	१	१२	लोगनहपई	लोगनपई

पत्र	पृष्ठ	पंक्ति	अशुद्ध	शुद्ध
८९	१	१५	रघुविर	रघुवीर
९९	२	२४	भयन	भवन

॥ ● ॥ अथ अयोध्या कांड शुद्धिपत्र ॥ ● ॥

पत्र	पृष्ठ	पंक्ति	अशुद्ध	शुद्ध
९	१	१९	अनकूला	अनुकूला
११	१	२४	दर्लभ	दुर्लभ
१७	२	१८	दख	दुख
२४	१	२०	जागगो	जागे
२७	१	१८	बूछहिं	पूछहिं
२९	१	१४	मज्ञा	अज्ञा
३८	१	१३	लेइब	लेत
४८	२	७	सोई	सई
५४	३	१८	अनमा	अनिमा
५७	१	१०	चलंच	अचत
६०	२	१२	समाज	समाजमुदमं
६१	२	१५	पर	परि
६६	२	२०	तृप्तिप्त	तृप्त

॥शु० पृ०॥	पत्र	पृष्ठ	पंक्ति	अशुद्ध	शुद्ध
॥ १ ॥	७१	२	१८	मंल	मंगल
	७२	१	१	जानियहि	जानहि
	७२	१	१८	ईश्व	ईश
	७४	१	१५	सुर	गुरु
	८३	१	॥ श्री ॥ [illegible] ॥ ● ॥		

॥ ● ॥ अथआरण्यकांड शुद्धिपत्र ॥ ● ॥

पत्र	पृष्ठ	पंक्ति	अशुद्ध	शुद्ध
१०	१	४	कोटिकोटिसा	कोटिशी
११	१	१६	भटनन्हु	भटन्है
११	२	१२	धुआं	धुआ
१२	१	७	एकनारिलजाम	नारिएकश्याम
१३	१	४	वरिंड	वरिबंडै
१६	१	७	निनी	मिनी

॥ ● ॥ अथकिष्किन्धाकांड शुद्धिपत्र ॥ ● ॥

पत्र	पृष्ठ	पंक्ति	अशुद्ध	शुद्ध
२०	१	१७	सकलि	सकलकपि

॥ ● ॥ अथसुन्दरकांड शुद्धिपत्र ॥ ● ॥

पत्र	पृष्ठ	पंक्ति	अशुद्ध	शुद्ध
११	१	६	रजनिचर	रजनीचर
१३	१	१८	बारनर	बानर
१३	२	१७	अनीती	नीती
१३	२	२०	राम	राग

॥ ● ॥ अथलंकाकांड शुद्धिपत्र ॥ ● ॥

पत्र	पृष्ठ	पंक्ति	अशुद्ध	शुद्ध
८	२	३	पजे	पूजे
१०	१	११	दख	दुख
१२	१	२०	नसुक	सुनक
३५	१	१५	भयेऊ	दयेऊ
३५	१	२०	गुणावरणाति	गणावरणाति

॥ ● ॥ अथउत्तरकांड शुद्धपत्र ॥ ● ॥

॥शु० प०॥	पत्र.	पृष्ठ	पंक्ति	अशुद्ध	शुद्ध
॥ २ ॥	१९	१	२	पीडा	कीडा
	२३	१	१६	अबिधि	बिधि
	२४	२	१२	बशा	बश
	३१	१	१८	करहिं	कहहिं
	६१	१	२०	कहहिं	करहिं

॥●॥ इति शांतिकांडके शुद्धिपत्र संपूर्ण ॥●॥

****